

) र्यायमामल ([मान]र्यायस्य वामण्यम्), की नार्वा अभे मिल् ([मिन] की मार्वा य अभे त्र पू अंगर लाम लाम करवंत [वन् । यात्र] वनात्रल-अटकारायकामानिवः (उज्यस्की निभिन हमाहन-बट्स व जातम् मान न जा छ छ म जा न म म भ ; [जारूल]) जी लगाविष (जी टमाविष ८५व ८०) यत्म (यक्ताक्त्र)॥ ।। ्र क्लालू: य: (मिनि क्लानू रहेमा) अक्तानमङ् ज्यमश् (अकाममण मन्द्रक) डेन्रायम्म अमि (मिन्ने मम् कर्निमा ७) अटाममस्म ९ मूर्यमा (मिन-(अम्मका किस मूर्या माया) अम उर् धक दग र (भूत्राम काल्यम मा कार्यमाहित्य) व्यम् (जम्म) ७१६ (७२९ (बिहिन हिन हिन क्रिक्स) की कुक्ष रे क मार् (की कुक रहे क मार्मिय मा कुटक) अभरम् (व्याच्या कर्ति ट्वार्ट) 11 2 11 भ जीनिकार्य दकाः (जीभात् निकार्पन्) १ वं में कस्य (मा: (जार जमम्म प्रायः) मा (अस (मवा (त्य त्यम् त्रवा) त्मम त्मवादा ग्रामा (क्रमा, मक्ष मेर टलम अ ए जिंग क पूर्ण के अप छात्र क

मर्बः मान्ता (मारा अनमान जिले म नेक शर्ने न अम्रत् अि धामक प्राज्य मार्ते वरे धम्रिं, [out man]) wite suffered a medi (ami & sh. र्रिक्टर् में यक देवक श्रीमाया म ला र मं) भा मांस क्र मास्र ग्रीत (अपडा शांबा क्षेत्र एतत -टम बा लाड क का था में), धर्म ता (मह्म डि) कामार्थी-सम्बर्धः (भिर्मिसास्त्रित दक्षात्र्वं) लाइरार् र विस्ति रियमित त्रामित त्रामित), प्राप्त कार् ग्रिश्चा कार्य विश्व (अकाम कार्य विश्व किया) धामा (उनकार) निकास धाम (नी निकास की भाव) टेमानिक र हिन्द टारे मि (मिन मी मा ममू यह य स्ता क विलाहे ॥ ७॥ 8) य: (श्रिते) तिलाउ (बिक्न तीव लांब जाता) क्षा (क्ष ११०) त्याके (त्याक) अदिलाह (अत्यम करवंप) ' आव: प्रामं १ (याव: कार्य व आमंद्राट्य) त्यारमायासमार्था (त्यारम व लय त्वाक्षेत्रात्) भाषाः कंकत् (भाषां क्षांत्रा क त्वत) , क्षिर् (अर्थ) क नात्त्र प्रभेटन

(लूर्वप दुकाल) प्राचीछ : (प्रश्वन लोन अर्थक) भा : स्त्र के (तर्) प्रकार (का माने कार्न किया कर्मन) (जीकाशिक अरिष) विलित (क्सायत) अकर वित्रमार्ड (मर्माहिकात वित्रम कर्ष्य) लामनाट्य (लामनायुकाता) तमाके प्रमान ([यम क्रेट] टलाटके ममन कटबन [नवर]) अक्तास (अक्तमकात) श्रूक्ष: न्यम् डि (मक्रांस्प्र्य व्यायम नात्र क (नत) मः क्षः (८अरे की कृष्ण) मः अवजार (आसापिमत्म त्रामा 本本は)11811 क्राडिकाड् सरमाछिः (अयत्मिम्, क्राक्तिम् दे हिछ दारा) धारिम् (तियु हर) यर भी छ । (यात्रा भागं कानि (म ७) प्रका अम है (प्रकार्म र्थ में कर्न) , अर्भामासम्यामि वानि [धाया] उत्रत्नालन् वितालक इत्रेमाउ) अनेम्टलाक्तामाका -ट्यारापिक्ष (टबम्बानिक असे अयन देसाद उ ट्राय अ कृष्टिं हे द्या प्र कटन), आ अ द हार्ने छ काल (तिन्तु व भारान हरीने क्लिए का साहत करा

र्देश) अम्म नमप् (अर्वभावे अहत नम विष्येत कर्य [वन्]) त्यारिक व भाकितः (आरा त्यामित ७ रूपर्मन सामि मर्थि मर्थन करन) , जर रेप्याम् एक्ट्रार्व १ (म्राम्य माउउ विश्वा-कार्तक, जादम अरे) अष्ठ (विकिस) लाबिय-नी नामृ ७९ (बी लाबिक नी नामृ) की यार (MH 43 287)11 @11 Mass (min) mug: (mug) onengs: (केंद्र त्याल्यम विदेशहर्मात) केंक्यामार्थे वादयः विष्युक्तासमाय-भूक्षमक्तात्वहः (श्रीमं वृष्यः ब्रिक्स अमक उन्छन्न वीक एक व बीजामूड. मम् त्मन अलाह न भी महत्य (रन स्टूर्क र उमाम) निव्याधि वि (तिब्हुन) जपहः की ज्ला १ (क्षेक्क मेलाम् भीम मू एवं अडडउए विश्वन व्छ) देवकवाताः (दिक्वमातेन मिक्टि) मबीमान इनमार्य : (जल्मम वानियासन बाद्य करल) न हि डाविजा किन्न (बार्वमानेड इरेक्ट्रिंग कि?)।। ७॥ विश्वसम् त्र (मन्द्रिक क्षमान) मक (चिक्कि-

भाषाति विकास साम् क्षेत्र) क्ष्री में में द्वित्य में स्ट्रेस क्षेत्र) क्ष्री में में में स्ट्रिस क्षेत्र क

र्णापि- प्रपृष्ठ- तार्पिछ: (जीक्ष्यप्रतिष उद्याम-। विमर्भ: १ क्षापि भूम्पाडम ठेक्ष दाना (क्षिक दर्या) प्रमः काम (मुद्दे माकि 3) त्याविका विमामवर्षः (जीताविक्षं विमासविम द्वामा भारः (भीरः) प्रमाद (भिष्टे वाकि विमासविम विमासविम विमासविका प्रमाद (भीरः विमासविम विमासविम क्षादे (भीरः) प्रमाद (भीरः विमासविम विमासविम क्षादे (भीरः)

लेशिकाः (त्रिकामाडाव) महः (मकारमर) ममामाउ-

मक् मकाराभितार (आधार मुगक्ष मक्ष्विष विहत्ते-ट्यू (अम्मुक), त्माक त्माम और (अमा मका वि (माक तान वा निम् का बानिक), रेमार नार् (वरे वाकारक) कर्न का प्राचीय वि स्थि प्रकर्म मार्या -बरम् न निकटि) भूकत (लिमिलानम कक्म)। भा १०० विष्यानी माळाड अस म्हलामिण म प्राचिन महिन : (म अपी म टलमा छारा जामा बामा बुकारमवीक प्र नियानिष नामादिक लाक्ष्माते व लया अयते) त्वादि एको (स्वाच ररेमा) कटीड: अकरिंड: अम कीत्रावीकार्षः (भूमामिण, जमह विख्या -का (ल र मूह मी (१९ इ हि उन् यम्भयन , जन -मानी व लपड अवने लूर्यकः) मुमलम् मार् के चिर्का (श्रूम मणा ररेल के विक इरेटम) असी छि: मृरको (अभी न ने उपरात्तित्क मिर्मिक ने कश्रम्) इत्यो (इर्ज अका अ करन्त [वन]) जमारकारिक-वार्वमानिर्ण (जन्मान मान वार्विमामीवनाजः स्तावस ट्लाल्स किन्ते कार्या), कर्मणे मी: कूत रेत, [अनर्] 🗶 अष्ट्रको जानी

(संस्थान अमूनानानक रहेशारे) निल्नितिक निर्मा ला छ करत्री (सिंका- मिका- यूटर मात्रे मा निमा व्यास्त्र म कर्तन, [बाम]) को (क्ले) मार्सक्यो (सीना दी कि का का का सि (स्थान करने)।। 2011) हुला (कुला एवरी) मिलाक आमए अअरवकार (त्वातीत व्यवभातं दल्य कार्यमा) अवाविक भा मर्ब स्पात अवाकार अविकृष्ण ने अत्याची मार्थ ? (ति महिल्लंब किए) निम्मासनमूर् (भीग जाड्यीमान न व्ष) विभागाए वृष्ट् (मार्कन ने तक) ति त्याल्याम (नियुक्त किन्याहित्सन)। >>।।) विल्ला : (क्यावतन त्यके विश्वंभते) त्यवा. अमूदक के तथमः वालि अनिम्बाक्टकद त्यम् विधरं हे व कार्य छ छ इंदे मु । अपर्यं (धारान् अल्यान्) खन्मण् (अम्बाणः) भूकाः ध्यम् (द्योत जात्य धानम्य करिएहिंग), ७० (अल्हान मुक्तीनियान (विश्वार] बुल्लाट्यबीव ट्ये कार्यन) व्यवानाड (या कित्रमा) इसी (इस्वभागः) की जी मिक् अः लामें : (की डाक् एक्स म हर्गितक) के के कि हर हर थे. (सब कारेट धार्यस कार्य)॥ > २॥

70 [वरकाटम] सामार्स (सम्भातकासमेरह) मात्ः भागं : (का का का मान) ! य सार्थ (माहिस के का मने (से) सिकी छि: सिका: ६ (क्याकिय ७ क्लाकियमंतर), भी टाले (भी म ब्राट्म) करवा छा : (कला छम न) खिम् (कप्युन् (क्र) अमृता: (श्मृत्मने) जलाम् (अण बालिव प्रार्व) कुंग: (अस्वभने [नवर्]) ड्रिव (६०८) जाम्रह्णः (इक्टेमने) मडः (धार) क कियी अकाल कार किए में में । 36 11 78] लम (लक्ष्में) व्यी के व के में देखें (नम में मा-क्षानिदाया विव्हिल अपार्यक) अपू त्रवतिष्-य के के अ (सत्मविश प वर्षि कि) सक्ष्म नै के (मर्नू मुक्क) धानिवृष्ण (ध्यव्यान) वृषी मिष्टः (कल म न न) राज्य क पू पूजा (प्रक्रेस अरहा न नाम) व्यक्त (किसी विश्वान किसी हिस)। 2811 DO सर्मा (मर्नान-माला) मर्मा - जाति: (-धमरी-निम्) दे छ देनमान (कामत्य विश्वस १ रे मा) ल्लाबिष वार्वामेषू विश्व कि वार्व निर्माष्ट्रे न विक्रिंग सम्बी रेय (विद्यान न

भागांतिक मानुबी वर्णा ९ माना मुत्राप्य बर्फा मिलायण गारं) सके १८० (सके 1 वे) लागु के के ति (ला बह कार्नेभाष्ट्रिय)॥ ३० ॥ DI मिक टक्करी (काकिस ब्रम) प्रताक्षमा बीरेन देव (कमार्वन नी नेपन नाम) नाक कर्या (मुकारी मक्रमकात) तूयः मूयः (बात्रप्रात) कृतः वेषि (क्रु क्रु नरेसम) जान् अन् (ठिक्ट कर्ण) штаты (штаты कार्यमाहित) 1150 IT भी अठकारं (लाम वक् अमेर्ड) में रेय में डे प्राधा-या प - विभागे करी (का सम सू कू म सामिन आयात. म्या प्रेम के करी करी कर के का मान कर के का की मान कर के का की मान की का मी का मी का की का मी का म (काकिमनर्भन) अपमस्पितिकृतद्वास्वास तिस्ता (कलस्त्रद्र श्वात्वा । निष्- निष-विम्ह्यम् भारत्यं डेल्या सन कार्यमा) १ वर्षः मर्नु विलक्षी - मप क्रिशे प्रमा (व् किटमवीव म्मर्व के निक्रित्व ध्रम्क वर्त) काकनी : कत्रम् ि (व्याक उ भूमर्व भ्राचीन अक्षम कार्येष नामिन)॥ ३१॥ िन लांद (तर्) साय वं के दाय : (कास- से त वं की :

अन कर्म हैं ट्रक त्व मान) टाम भी है हि - हुने हम्- प्रथा-श्मी: विसाय (तामीम्स्य देवी, विभारत्ते छ मकाम का मेगाम (क क्रिक्रम) मामकिक असमी (जिल्लाटम] अमन्त्र मृक, ज्योष केंद्र मित हो वर् के के ब्राहित काल के में ठड़ मा,) कल्लाल भूष्कार वित्यते स्वां निष्क (त्यत क ट्या छ स ते ये भू दका व क्यों व क्रा के म कान्टिचिन) ॥ उम्म JA क्कर विमा (बीक्कका की क) आता एक (धावन कार्यकारे या) काकी दिर्धिका विलाका जिलि (लीग्नीन दिर्यक्त अवं हे खानन कर्न्ट) असमा : (असम् दम् १ [णन]) रेड (न नमा) क्रा मिनार (क्रिकिन) वृष्टा नूकार विना कारी राजील) जाता: का: (जाता कार में मीन रहे ना) क्क्रमाउक् अव्यनीकात् जाले (क्रिक्रम (विक्ताम क्षायं 24 63 5/2 de de 1 3 1 - paris / क्षित (रेस के के का प्रांत) (मार्थ (रहते हैं) (अपन् रहण्या: (अपने मुख्य वर्षेट्ड भारत !) विश्व : (प्रत्याप) नाम (मानामादा) लाह्या: (जामाद्वय मार्च) टले त्यार्थकः (मान्त्रक एक विस्तालक क्रियात) कार्य सका म कान् ८० १ कि । विश्वम भारत है तक काः, चन्र द्या काः, व्याप्ता (१९४८ मार्थि मिल्ली))0 (अरेस्स) आठ: (आठ: काटा) क्रूरे: and (क् कुढे अश्रीण) (वपान्तार्थी (वपाना मन्ष) रहः गण (क्या धारी दे गणे) दे य- मी म- मिल. मुक्ट (इस , मीर्थ ७ मुण्डायमुक) कू दूर्द (इ, कू मर कूक्) शेंडि खड़र (जरेक्स खन्) कालके (डेक्सन्ते कान्याहिल)। २०११) जिस (वाद्धार) टा (ची क्रावी ७ ची के के आक्र नेर् मिनकताः (भाष्मनारोक कर्नेन्स्य) खाराकित्यो लाल (अवल दर्भा) मिटम र विपिष्ट अप अर्पे (अटल प्रतिन कामने क्यानिक म व्यानिमा)जना (उदकारम) मिनिएम अस्रमनिष्यं काण्ट्रे (दृद्राल आवक् कार्निकंटान विटा मीविष्य कालन हरेमा)

क्यटिन भीतिक पृथ्ये क्यित कारत नानम्यन प्रक्रिक कार्ने मा) धार्टके छार् (धायकात्र कार्ने मा दिलात) ॥ २ २ ॥ १ वन (व्युक्त) देनान (बलायकात) मून्द्रमानाम मुन स्थि (डेब्बन मून्। मिश्रार धनाम्था), बिले मिला- विश्वित कानियाकी (अविवर्गित्त करे अर्थकान टामकी हार अठाक कारी) रूप-अम्माड-माम्छ (प्रदे वाम्यान कार्यमा), स्थाउक (यूनियून), स्टूड्डावरी (यर्ग-उनाधितो न्रमाविका अतमे निरम्मानिका अपनी) ट्रेंग (डेड्यंटन) ध्वमप् (वस्य रामि (कि. क्षित्र प्रिका । त्याक्त न त्या। (द न न प्रमान न स्तार्थिक रेड्रेस) आस्ति वर्षेत्र रेड्रेस) अस्ति क्रिस्ट रेड्रेस) ; (हटन्त्रं माम अन अ मूर्णायन अमार जाता कक्त [अवर]) भीन्य क्तार (थीन्स्मन: अपू-क्मधाना), खिल्ल मूचाएं (मिलासकरमाल यक्त वर्षेत्र प्रवास्थित विचिता), राज्य न al 316 (one out a le tad on a NAN) & X La Siente (MAN (WINGER ADA) / 50 //

THE INDIVERIENCE WAS JUSTIN 78 माम (व्य कार्याः) लक्षी- मिष्टतं (लक्ष्रीसर्वतं मार) अद्वाक्तनीः (च्छान्तुरे त्यांग) प्रकृतेः (भूगता) अवतामम् (अवभवन) देवन में नाज (316/2 xx coca) (the 20 = (cux cx) मिछ्ण् (त्नामस) मिनम् अल (मिल-गूटर भग्रककृत [वरः] । प्राहिणः (४प्रवः) कामिन्यूणः उरेड: (अयुगन जीन दरेख) को (अकाम किक्स) ॥ १४ ॥ Q करातम् अभि (८६ हळामू भे अभि [बोहार्य !]) निन्तरह (दक्षरीन लिस डाएम) विसामा गाममा छन-ल भागकी (विकासकाति जामा मीट्रक् जारे न म आसंबा ट्राट्य) यद खालाचे ([काकार] ट्रम सिन्धर मारेखाइम), उर अभ्र (रेमाछ) जन (क्रम्ममन) ट्याम: न (टलान ट्याम नारे) ; किंह मार्कि भना (किंतु व्यालामी ! मे त्यूत) , जय (धायमार) मूग्री व्यमिष्ट (भूका व्यमिष् इरेमा) हला-अर्जा हेय (इल्लायकी व मधी लगान नाम्) क्रकानेजन (ब्रह्मान) रेएक् केली दिन्

वर्ष लक्षा म्लान) कारा महा मार (-वन्द्रात पाया -CALL KISTLE) II SEN जिं अविवास्त , अस् ((४ असत (प्रश्त अस् ;) बिस् माला (देखेशुंद अवसाय ड्यंगार्ट) : चाद: (काद: धात) अगलक (देकाम क वर्गार); त्यां वर मक्चर (मूर्य-माजम) देममर् आस्ट्री (देनि इरेगार्ड), माना डि (मानुकार) भी कम मनुबन्धार (भूभी कम अपन अपना मान न्यं दान के कि विभन्न (कि नाम ज्याम ज्याम कर्ने)। 2011 वि लग (लक्षें) केकार का आ नुसा (मुक्किं लर्-बामरहिष् त्योवनाविष्), देखरेवाम्बिके: (कार्ष-विकित काका अटमाटल भारतिभूरे), जािकी नमितः (जिल्ला भीन मुक्ति), विष्मानिष्ठः (विष्माने-माञ्च) पीछ: की वं: (डेक्स अक्न क्रीरिं) अर्थ वर्षिक्षिक्ष (नीक्रक्षवं निर्मिष्क्रीविष्टमं मध्ये विषठ]) अप्रत-वर्षाक्ष्य मही सम्हार (विक्रिक व ने मर्ब न लक्ष्य-मम्द्रम् अभ्यत्मल्य भरम् मे भारावनी १ (अपर असूत्र) अठेडि (अपठे करेसे क मार्भेन)॥ २१॥) (लाक्स अल्लाक में ((2 कि अल्लाक नावते!), क्यी लाविक (८४ क्यानुसं) लिक (८४ लिक :) प्रमास

(ax ayalan unia; [ou oug]) 30 ñalo o lo. र अंदे निय (उप नेत्री स्ट्रीमी में ये ये त्ये मारा ने निकटि अपाकाल विश्व किनिएटर [नवर]) आहे. अस्यार्थक-मन्त्रमा (अर्थमा सीमन्त्रभारत्न जामन्त्र-4 4x 4 13 (00 (2x) 11 26 11) है। माडेके! (इस समारमा व नामिं ! [जामान]) जारमन-ट्याह- ्यार्ट- ट्राय अप्रदाह्न विल (निर्मिन्या माउटन न विकार न मनमहासिक्ष अवन्तर्न मधाक वय-अथं ल), कालादी ला नावर (शिक्षाट] कतावरात ममामक रेनेगाट : [वाकनव]) हार्नेक बिलिये-मिकेर (अड्ड वानकेड नानी), पानिकेर (पूनवर्डी) में बुंद ट्या कुंद (निर्मित्त हा हु ट्या टक) चाडक म (सम्बद्धत) ॥ २०॥ 00 यन्त्रिस्त कृष्ं (दिक्सत्रस्त छो कृषः) अला (क त्यूत), देन (4 रे) के की दिक (लीक् मिर्धिक्र) में अस्था विकेट (महेद में लाहे. (द्रमं क्ष्रिक) र्यड (स्थाय व कि) द्रमं प्राक्ष के के लम ल में प्रमुख्या कि ते कि वा कार्य के कि वा

वर्षाम् कार) लेट ने का में या कामी है (मक मन धानु विकार धाकाल , धार्मकर नियम मन्त्री श्रम् कार्ने गर्द), जर (अर् १९७) रेड (नरे) 同更可求國 (同何下京國以行) 同五十年 五十月 (रिका कार्यान करून)॥ ७०॥ () । विश्वम आर्ण (हटका आर्ट) वल्किती वानेका (वल्किती-संस् वर्षे) आवतः शक्ता (में एसर दं शक्त रहता) विक्ति शामुख्य (मल्ब मैंदं शामुमा मार्टाट्ड) देवा: (MS ([muly a TARIN]) OLY in 1 1 JAIN भयता (जिनकार नह का अव्य स्टि) व दंगा महिं : (प्रवृत्याला) अविष : छिष : (प्रयूपाणी व प्रयेष) WE (SET X F. F.) 11 00 11-のとをなして到を中!)日本日前(「小田の」日本日本・ 本堂) 日本で 日本: (日本16 日文:) い本はるをおす。 माद्रियां (मेर् क्षिन मक्षा के व के व पह मार (da leta [196]) mais (mai en:) Fille कार्ड (पून्न वर्ष छिए हमनारकन दिल) छ निष् विविष्ठ (गण्डात त्थ्यं कांनेट्टर । [णायं]) में का: (Сыран) अवीत्राद्याः वक्षेत्रेयाः

(नक्षकं न १९८७ रिक्स द्वादुद्ध लाक्ष्य मार्थ ले) में कहार याति (ट्रारेश कान कार्त कार्य प्राटक ;[प्रकारत]) नाक (साम प्रम्), जाकार (स्पीयम) डेपम्प दुममान दिवसमाहत्य सारकादम् कर्नमाट्य मिल्कंद क्षा विकार वरी विकार जान कर्ते।। ७२॥ इन्हें के वर्ष समेरा (स्वाप्त स्वाप्त कार्या) नाम करणे कान्ते सूर्या), मार्चा (म्राइए मर्च-याजा अन्तरीन एम्ब्रह्म अर्थ्यारक याजा अही G अगः विकासमाम अला (अपना में विकार्ष (में म अ अ नं मंता) मुक्त भी ना मी मा (मूक्त भी नामी) क्र मान् (प्रवेष जामिती) भारी (भारेका) टमरमार मून जन करा (टमम बद्द लाया के जा र्रेमा) अन्य प्रान्त्र क्रिया क्रिया कार्य व लंबरक) मारी १ वन पंप (वन रे रक्ष कबाने माहित , जर्मार नने कल बारि नाहिते। गु अलाखानमाखार (काम बीक्कमामेल!) मानर (प्रमात) अल अवं : धकारे (अक्रूरीन

असूर्विम्ह माल) असा: म अवास (कार्य विद्युत कार्न्टि कार्ने ही तम करने), जानद (डेस्स्ट्रिंट्टरे िला आप) ला अ (सक्ष ने) लग नंत च ले (अक्रिं म् १९ भाजा कक्त) ॥ ७०॥ कि अंगाम (लाम अंगाम ;) ००: (अर्थि [कानार]) क्रिंग्र (अव्येषे) देण: (अक्राटन) अप्रेयर ज्ञान (अभाग जी अ कार्योग) ल न पढ चक्ष (किंत असम क्स्म) , दिवस्माण : (अक्काण] दिवाकन्) अ त्रामि (द मामे! [आमारी]) मिनाए करीनि (मिन्न कार कक्रम), मिन्न अपगुर (इ.अ-मुद्भन भागा) विवदी दि (लिन्छ) म करनेया) राप्त् अभामि (भूष भम्म कक्म ; [नारेवरम्]) धानमान् म अथार्य (धानमा धानमा क्रिकामा) कारु ह वार्य (विम्न्य क का यन करूत); (याक मका १९ म तार्थ (आम, Com क मका) (18) क्षिकान में काने ता मारे (टपर्ड)

Eigh: (11 end signal) sicintals Dies (सबद्गाहिक सर्वते अक्न क्रियान) देवराहि २००० विकार्त्र । खित्र हे अपूर्ट : (ख्रियं कर्ट् कामीरं दरेंग) कुक: wire (की कु 45 3) कात्र : (का अद्यक्ष्यरे विवाल कार्वाशियन , [कान]) ध्रम्मा धाम डेम मू ए। (क्रिक कर्ड क क्यानिविष्ण प्रदेश) रुवा कार्य कार्नमा (बीक्षकी छ विकारीता रहेगारे व्यवसात कार्या-हिल्ल न है [जन्मान]) अवद विभूतर (अरे मुलम विश्वर) अडाठा कू नर् याल (नकती व . असमान द्रेष्ट्र धारून इरेट्न छ) अमन्तर ज्ञार (टार्व मुविमुण प्रायम देखा नामा इत्रेष्ठ) देवाकु म अलाक (केविए असर्व वर्व त्यां मा) ॥ ७४॥ राते किक सर लाने वाने वाने व सामे व सामे कि क लान काका [अभिज्ञान] निज्य दमल अवस्क कित्रा) वकः मृत्य र्वक्षा (जरीम वकः मृत कुरम्भव काक्ते भूर्वक) बद्दा ध्वर्षा अग्र (निक् यूटम छात्रा व यूम प्रश्ता करिएन),

कारत (विश्वास भी लेती) न करवा भी देश सम्मान (आमन दीना नाट कार्यात) अभा (मीकृतकर) कले विद्यानिक कुला कुला वर्गामा (क्रिकेटल गिल्- ना य या ल ल स्वक जर्मा ना यह देव देवन न कुट्म (का अप कार्र मा) अलाक् (क्राक्रिकाव्य 3) न रेकाणि हि भामाभागत अकाम क्राम कर कर्राष्ट्र मिन्द्र व डातरे व्यवस्था करते सम्हत्य में) ॥ ७०॥ 80 [व्हरूत] जिंग: जाम (जिंग वम चीक्क क) टमाक्रामेय विशिव्दी: (टमाएक मस्यव मार्ड मुआहेड रूर्या) मम्मा (मया र्रेट्ड) हेला इं (देशिका में केरी) अमेरिक: हिलान (लाहिना में डे९ पूर १रेटम ७) मार्चा भाषा भाषा भावत हाने- न्यं-डलं-लड्गारिम्डलातमाः (व्यीवार्थात अर्थ-त्रमूट्र पृष् जानिकंत कल विलाट्स विष्टिपा-लक्ष्म हिल्ड दिन् क्रिकेट्र के अस्वक्ष्यान कार (मिला - न करि क्लंटक छ) मनाक न विश्वंशि (किकिसाव प्रकारिक कित्रिका)॥ 80॥ 8) [व्यात्र] जिल्क् नमः (क् अन मलाक्ष्म) जीक्कनीयावहता-पूर्कः (अक्टिक् बीका-

मंद्रत प्रयुत्त निर्देश निर्मा ने मानव की मानकः (WARD SANA) & HAMBARAGE) , ARTEST: अक अक: (क्रिकेट्रियाक त्यांत यक अक्रमा) ७९८अमलानमानियुन्यकः (इकट्या-ल्रान कारमा नगर अभागता व देव क्राच वर्गन कार्या) आर (अमल नीनटन लगमनन् 118611 8) रका (य के महिका) मानव (टम वर्षड) मेडरी, (निका क्रेंटि देविया), दामिका:!(त दामीमर्ग!) वर्भः (बर्म जीकृक) धार्मे असमे छव्छः विस्वर् (निक्ना द्वित्त्र के प्राप्त : (मा उ डम्स) में प्रमाह (मार् प्रमान लामम मर्ग कार्न नार्टा जमार (अर्मिष्ठ [जामना]) डेर्क : क्रिममन (क्रिक प्रविभागत) त प्राश्चिष्ट (करने अना) देवार् क जान मही (अक्र काक्षाम मा कर्वत) लामन (जिन्न र्य) क्रिन् (अवन) मिष्ठ (लाभारत) अध्यापितिकार (अम्मम्रहरू) अपिल (अटबल करूत)॥ 8211 80) वन (जानमन्) कार्यनामा: (कार्यने अट्डि)

भ्रव्णः (स्वत्वते) देशात्र (अकावकात्व) अक-कर्ति। श्रेवका: (वर्गमान सक्त ७ व्या देवण करन्या) रश्रीतातिः (र्याप्रीताकः) क्रांत्रणानः स्वर्भानः (७ म। ७ न मिला- नव्यस्तर् के) खार्य में हरे : (७११ स्वास कार्टि कर्न्टि रेश्वरा रेश्वरा विश्वराम् भागान किक) तार्यन्त्रः (कृषित्रक्षि सूर्यक) श्रिक हेर्यूक इते का) हेर्ति हर्म्य म्यानित के की हर्म (डेर्श: व्याप्त अपनातन् डान-जानिए बीडाम) श्रीपार्ड (धवमाप अकाम करिएट) रे रे कि अली दि (रेक्न जनमा रहेन) गडणा 88 यात्र (ट्य वर्ष ह) अर ट्यो ने प्राची (ट्योन अमी (परी) विकारिक रूप् (आठ: कुर्) अमाला (मयान्यम्बक) देएका (छेर्म्य :) एड (जालकार) क्रिका अर (भाग्य मार्ड) ख्वड ए 500 (orang golding mas) sensing आर्ग्यार म साम्बार (अयानित्र सरम मा कत्त्र), जार (जयन्त्रित्रे [क्रामि]) वृद्विमा ऐरेमिनि (ज्याम अभ्रम कक्त) ॥ 88 II

80) पात्र (क्किंक) अतिः (चीक्क) स्वितिस्त (अरक न राकार नुभरन) तमा के नमान (त्यारके भगरत ने मिले) अपन न (प्रकाशिय हते मा) निष्ट्य ्रिक्ट । विकास वर्ण (सिम्ब्यान वर्णमध्य केट्ट) भारत वर्णा अपूर्व) वर्ण क्या है वर्ण (विद्यान भूवक मार्ची भाषत कार्वेश्वत)। हरा। क्षि कम (अनुकान) कुक्तिस्थान : (कुक्तिस्वित मार्थि) उत्यस्ताः (अव्यक्षक् त्थवं मन्नीताने) भूदेश्यवृक्षाः (यूर्वर विचालाम कविया) निव् क लायाक-ममार्थिणमाः (विक् अन म नाक्रमार्ग मूम विमाम-भूवक) जरमः (डेक म्मममृतिक) वृद्ति अस्ति । पत्र रहिंबेजानि (अकारका भीत मृत्र का बात्र विकास-मसूत्र) हर्छ: (दर्भन करिम्मिर त्यन)॥ 8011 89 प्रा (प्राच्या) जिल्ले (जदकारम) मार्चिक्युमिन-डिल् : (बोल्सिल् ज्यम्बीविक्रमणः) हेम्रजा (गरिंग हिला) मुन्द्री वि- वि दिला (भूमारी दिनार्ष मूखामिका) कला भिनी (ममूरी) क्वाक्रिय (निन क्षिम्डस सम्बद्ध) बिम्ला (करिड) विस्कि) सियकल: (कपश्चा र्येष) मिल्यानियानं म (श्विष्टिक के क्रायर) ज्यालामा (द्यालक क्रिक्टिक क्रिक्टिक) ॥ ८० ॥

. (राष्ट्र अव अभेरते) अभवा भाषा / देवामे व वर्षेत्र भाष्ट्रपा 8H ७०: (अपने) मध्य गडमिक: (अवसके: भारम भूखांतरक) । ३८३ : कलावी (बीट्राक्षेत्र प्रमुति) व्रद् (भड़न) क्रम् अर् (क्रम् नुक्र देवे ए) व्यवकृत्र (प्रता व्यवन्ते पूर्व) कता अनुमा दे मावती रूपड़ (निल-मूख्य द्वानि मडनाकारम् विन्य कार्यः) यूमा अज़ीज: (रबंबटा) भूतः (मधूमजाण) महीराजि (विधिक जात मुठा कार्य जान छ कार्य)॥ छन। १८/ जमा (जरकारत) मनमि (नीयरे) मार्चनेराकार (इक्तिरिक्षी) क्रिक्री (क्रिक्रीरि) तिलाबिए ए विकास (तिला-विक्वितिक क्रिक्रीरि) तिलाबिए ए म्मिष्यम्म (क्षीह्र) क्रवन्मान: (व्यक्ति) व्यान्यक्तपष्ठ (धाय्यक्तं ध्नादान्य १२८७) के निरंद महा (के हिलाद द्रमान वर्गा) टक्षम् ने (ट्यम्बन्ड:) वितान-वित्नाहन (हक्र नम्त्रभूभनले) भविषित्र मण्या (तिष-सार्यम्बर्वे क कार्यमान्य) उक्तासाव (में म-अर्भ र कार्ड) वितिश्च करी (विग्रह कार्यम्य) ॥ ८० ॥

COLORE CONTICES) DEDERAGE: (SIDECAL धारमा वर्षक) माधा भूनमें (भूनमें माधक) १८न : म : र्न्म : (अपकाष्ट्र अधामक उत्तर्भि) कुकारत त्यान्छ एक छक्तः । जादास्त्रे यूष्यत् पित्क पृथिता (विकान कान्या) का अभागमार्थः (क्या मा-कार् ०-१५१२) कार से से मार (क्या में कि न प्रमासक श्रेटन) मिन्नु १ यटमे (मिन्नु अ ध्वल वासमान कार्यादिन)॥ ए०॥ () जिल्ला (अमुन) केल: (बीक्क) डेन्समं (निया १३८० उन्यंच र्रेम) ७ (त प्राप्तिके: (अपायत देवासमान-सूर्यक है न निकाल निकालानिती (कलरे निकार्जिक) ग्री निष्मिष् (मिशीनिष्मम्मा), जाउप (अस्त्रम्म-असा) क्रासुपर् (अम्बदाक) त्यार्डार् (निका रस-में अप की के अपके का प्रांत विशेष कर जिन हिर्मा आत्यार्थ क नारेमा) अर्च्नी वि (सूम्य कार) वाका : (डेंग्डान) प्रार्न्ती (प्रार्द्ध) अभावि (प्रम्य कार्ने ए लामित्वत ।। एउ। (प्रमादा) मेर्यम्याप्यम् मक्षेत्रक्र में मा

(Maximand on Myshaus wind his Sources [20]) न नारे द्वारायक - कुनं का नर् (न नरे एपरल क्यन पुरस् भाग हक्त लायम् शिक्षिक) , अकाबाद्वाप्र दर्भकाव-(अभन कर्निमाहित्यन)॥ ७२॥ (किंत मर्ने में मार्ने क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के किंद्र के किंद्र के किंद्र के कि (सर्व भूर्वक) स्वर् मार्वितारे महीर ([ार्कि] नाच-उन्न अकाल कवि (उर्म , [नवर]) डे वृक्त न् सुनिर्दे-पड-कराडि (ब्रुम् ने देमग्राय क्रिया पड कालिन अपूर्व काडिन विका भीनाकिको स्टेल्ट्स विकेसना काडाए (विविध्याक) धाताका (प्रम्म क विद्या) मुकून: (अदिक) मुसूर्य (१वे लाड किन्मिट त्यन)। वना ([मान] करिए) यांगा है। या में हाडे (तिल-ट्याड टमल डेडनमार मार महिंग) मु पू - मूका - ट्रा प्रति से पार्मिण महार (र वरे नी स्मिन के से अञ्च त्राम तम् अधिक कृत्य केसर द्वाम स्वाम कर्षात . हित्यम) वर्षा मुक्त अटक स्वाह (मेंद्राय महिक

रक्त नामिन व्यामाना वर्ष देशक दर्ग गर्द) विद्याप्त । the war is the most with the second विकास (र्प्या अकारार (विकि विकास विकास क्षाबर कारे एक हा की की कार कार कार कित १रेण आहेमाड [अवर] किया] अर्थरमम-नस्त्रम् (भूति विका धनम नयन मुस्ति) जे सी ना के सी ना (वरन्युरन के सी न वर्षक) आत्रार-टमाक तमप्कार् विलान अर्थर मीकृत्कन मुन्द्रम् छेर्मूका अकाम काने (७८४न), जार (८४५) द्वार्य-जाउन (भीड़ा, आडा) काडार (वियव मारक) वना न, (दर्भत करिया) अला १: (अक्कि छ) अञ्चलकार मूम्र् व्याम (व्यक्तनीय अवि व्यक्त कार्यका (E (A) 11 881 (दिहर (भाषे) अकला (निन्ह म छ । भाषा) अला (विपूर) नवन नवीत् (नवीन (प्राध) मुम्मूणः धर्मन अर् (स्त्रिकिमी स ११७) , जना (जारा ११ तमरे [डेश]) १ रेश (र्माण्य) मिलाणानिक् मार्डः (स्थित जनराम ना मार्ड ना ही) का हमड पाइ (अ) कृष्मन (काउं पर्ला) तिरिष - न मूब:

(वेश्वायाय क्षेत्रक क्ष्मित्रक स्टाम्स्ट्रिक स्टाम्स्ट्रिका) (विश्वयाद्वायाय क्षियाय क्ष्मियाय क्ष्मियाय मानाः क्या निक्ताः (जी नि शत) क्या देव आधा कक्षाव (भू मार्य असक्सा) व्यवामार् (बाड कर्निड) । एड छ ।। (अ [जदकारम] कत्रत्मकते (क्षम ट्याहम क्षिताचा) क्रियाक व क्षान (अध्यान प्रक्र क्षानिका किए), मर्ब यक्तारमादम् (सूद् सर्वरामा), मदानम-वि टलम्हन (प्रमास्त्र - ट्रायम् मानामा) , कमन-सकि (सरम्ब मार् कोच्ड मझात), कामस्य (इक्टम- व्यक्त मित्रा ७७ [ववर] अप्तामक जामून-मनीम टमने के (भीम मडक व व व क्रम टकारम उके. टमाल समालिय आह) १ र तः मू अर (अर कृ एक मू म. अलम) त्रतीका (फलत कार्वमा) व्यतः (व्यत्वाम) विकार आर्मुका अदूर (विकारमन मार्ड छेरमुका मुका र्रेमनिर्यत) ग ल्डा किकः (विदंसली मुरिके ३) अवस्त्रां (साक्त्रावाः लकार-तियु ७ - ६० म् मू कि जा अर् (अन्मार्न मर्भन-कारेड मन्त्रिष्ट्र अवितिबृद्ध उ हाक्रममूक भेषद-क् किछ नम्त्रभू सत्त्र लगा जीयक (केंद्र) भेषरामिष्

(सर्भामा न किए) विलाल : स्मर् (किलक्सान मुल स छ म) भी का (यून कार्न पा) भूगः (भूम गर्) डेकी उष्मः धाम (मरक्षान मामभन् डेकी बमा लाड काइ मार्ग्स (लन) ॥ १९॥ ([was] य: (नी हक) वालात करने (वामदड-घान) जमार विमागाः (विम्वसा वीनार्वपन्) व्यव : नियं : (धायन व सस्य हि) हे न म्या (हेन छ कार्या) अत्यन इ (पाक्रिने इ एड) हिन्क ए ह (अत्रात् । हिंद् क डिल्म न यूर्वक) विद्याक छे-सिक्टामा कि माउ० (श्रीकार्य स्व कार्य अ स्टूराभाउ-Стовонносто (लव (माणीयक), विश्वासः मूग्रं (सिनवस्ते विसम्बद्ध) सेंदः १ १ वे वानसिन हुष्त कार्निमा हिल्ल मे। एक ॥ ([विकास] आ (स्थाना) का का मुन्य स-संगाह -ग्रमा (विमंग्डामं व्यवन्थाल-मूस्मामाव निम्या १रेमा) प्रकृष्टि जाकी (नम्रम्सन रेखप कु कि क कार्य मा), कर ए र्रा नामा (इस मका न ने कि) ध्य प्र रेखि- मलाक न-अन्कारी (कार्डमण मृत्यात पा, मा नरेक्स

करे की में अका न करने मा) न अकी हु कार (अकी-वर्णन वस्त्रवस्टात) सून्द्र धराष्ठ्वतं (इस विस्तुर् कार्नभागिष्ट (लग)॥ ७० ग २० जम (ज्यामन) जमा: (बीनामन) वमत्रा: (अभीगर्न) अ(आपाइ (इर्जनमण्डः) । त्राजामाः (इरमा-मूल अभी र (मभी) छार (भी नामा क्) रमहा: मिन: त्यन्महाः (डेलराम कर्नवान क्रिक्) वन्धन (अन्मेरिय कर्नमा) पून उर अ छालाप (पून उ अकारकारा र डे लाम् विष्ठ वे अमङ्गः (मार्चे वाहत्व) मसराष् (हर्पिक इरेए) मलकामिल अ० (ममन-रूटमन् छ सम्क मिक्न ९ (निक्क प्रवत) आबिको : (अरबम करिन्ति)॥ ७०॥ A) 5 no ([abouty] system)) mystem springs. मिलिटेबिलि किन्नित्रमाः (हक्रनम्मा) मिछने मुपर प्राठी (मिछने इसे विसार मूर्यक) मामेलकम् मान (द्राम डेक्यमालन मर्ग द्राम रहेल) उपिकिशेषु (भारताशायन कित्रमाष्ट्रित)।। एउ।।

त्री केरचार्यका चार्य (विदेशान] न्यांना यक्षे मार्गाणामन कर्मा) अध्यारण्य्यीव भीरवाव कीर्यंत्रे (क्रांसर्जीर अव: श्रमंत्रामं भी व देवती मं बक्त थाना) (अक्रासिक्षिक्षिक्षिक) क्षाम्म (भाग क्षाम्म विक्) माम्म क्षामा । (अक्ष्रिक्षिक्षिक्षिक । क्षामार् (भागामार्थ) माम्म क्षेत्रमार्था (मार्थ माड मार्थ मिल्ल करनेगा) वियम आला (अश्यक् भार्म) देलिविसाम (हेलियान कार्यमा 12 CM 1 11 15 2 11 भी वा: (एम्डे समीमने) व्यः (मिर्मिन सम्मानकारा) मिकार्यन विकार्वित यूटेने (धर्मर डार्म भन्भाद्र ५ ५ छ अ ७ मुक), विमामा प्रा (समाय व वान महीकार्ड), न माडि डीक (सन्दर्ग भि-भा-भिन्न मेर्ड म्याहिक मुल्माहिक), मनि श्रीम अस्मिन स्था-क्टिमी (मक्ट्रमारिश मन क्ली न क्ला हिस्रीनार्ड), अभाग्न व न मूह्र दिला (वस 3 क्लाबालिन William Har [Tas] File Side of the Sule क्षिक्षेक्ष्ये)(स्टा

War Jan Junear ेश्वत् ([जर्कात्य नीत्रकाक् (कत्] वितान लगाति) पर्मा (मर्ग) अ।(म) अध्यान धार मुम्म मामा प्रकर् (याकिन वर्गामिक समार के से स स (क (म स)) सर्वाक् - मानक - काहावण- व्याच्या प्राट् विख्य वार्क बीग्रीरेश अदम्भात्म अनककत्यात्म विकि [केर]) त्रिल्यू न - ठला करोड्डिन विन्तू कि न्यू (त्रिल्यू न करोड्डिन विन्तू कि न्यू (त्रिल्यू न करोड्डिन विन्तू करोडिन विन इसेगा) लाला: (असी अदम्बं पिकत्) व (मा: (यून्य स्थित) का जी बिलायर (विश्वान विलाध) मिलारि (कासन कार्टिशहन)॥ ७८॥ अद्भाष्ट्र विष्याल] मसीम ने अमसी क्रिय (स्थिप असी व्योदार्वशव नाम) अप्रापद (सर्व आम्प्राक्षित) कासिकु- में द्वाप्रक्र में या जे द्वामार (अक्स प्रकार याल्य) व्यक्ष्य-वासाम्बन-हिविकाशी (अयग्व प्रस्य काष्ट्र काष्ट्र वार्ष क कळास वा लाइ विकि [नवर]) मे की खबर का छ-भाषी मिला मिलिए (श्रिम्ड (स्मिन कर्म मार्टिस समू देते के अपने मार्टिस समू देते के अपने मार्टिस में प्रकार MILES (ALASIN-SIS) COLLEGE (MIS) SA-वेमनक्षर दे निम्मक्ष्मम (अव्याक कर्मात्त्र न RISSING DISTRICT STREETS CHINING OLOGI-द्याहर) । १८६: (या ह एकर) नममा में गर् (स्थान मान्हित्र) प्रवटा (स्थानी अपनाविष्य) म्लाम धार्ष्ट्यः मस्ट ६ (नकाम्मानः भव भाषात अन्यता विश्वमानिता) अन्ता अन्ता (मिल मिल कुछि काराम कारत कर्ना के हिराम)। एए। प्रेचे हार्ड : ([अवडर] मार्क) मार्थिय के नाव-आवमी सर्वेदा : (क्रिक्सिक से असे दिस सिंडन डार विस्मालिक सर्ये) निर्दे (मन्ति कार्टि वेश्व वर्गा) छाडा: (टम्पे मश्रीनान एक) मृश्र क्या (त्र अत्या अपमन सूर्यक) छाः हेराह (उत्तादिमाल अक्त मिन्निह्या) । उपा A cours: (Exalaungi) Mada (47 CUM)-डेक्स (अश्मकात) काका (विलाभा मानी ण वका , भारति देश का का का कर विश्व

(क्या = प्र महारम, वर्षाहरी है। क्रमान) अमामाहरू weren (warter, wares. They war main कार के रेपानकी (मान्यम) विस्त्रमान जर (The state of the प्रमाह अपहराट (काकाम मान 16 अ पर है। क्षान्त्रहर्ति भूतीना अम्बरमाम्मानुष्य अमीय मकः कटन) Fall words own Curso (and we was हिंद्र, धार्मिकर मेर मारिक में प्राप्तिक करवे पार है।। एक।। प्रेत क्रिकं (जीकृष्ण) रेजि निमदार्ज (अक्रामेण वद्या: (रामान्या) जा: नम्मा: (त्रदे मभीनरेक) नीका (दर्भन कानेमा) प्रस्कृष्टलान तना (हक्कन नम्न-म्नम अक्षिक कार्यमा) द्वानिकारविष्टिक: (कार्याम्य क्रम् मात्म काल्यामीन प्रकार), विक्यप्रमामा ७० (प्रमुख्या मूर्तिर्भन गड्या री) खिम् (खिम्बस बीक्कि क) अनुक् क देरिक: (मार्क्ष करिक स्विश्वाना) भूकी देव लका विश्वा (त्यत जामाण कर्बमान प्रभीत कविए मामित्सन) ॥ एक।। 90 [जनगटन] नामान्यके : (आन भान कार्य) व्यानामा (१ मा छ द वे नाम भूक) . परमुकामा (केवर विभी निक) न माध्यमान्त (यात्मान्त । हामक) न लक्ष्मां (व्याताकारम मक्त्रते) , मका- मक्त- हलन. म्माल्यम् दर्भमा (म्यार्यल क्रामान्), काश्वि (क्या के एक वं मनमें माप वं नवत्री क्षाव काश्वि कार्य के कामक के किया है मार्ग के देखा : कार्य कार्य विकास किया कार्य कार् विशाप कविमारिल)॥ १०॥ Q) जिमा (जिल्लारा) अका: (अधीनारी) देवर विश: (अध-मूमाक्षित्र द्याः (मूर्वाक कारम सम्मादम स्थान क्ष मूममालद नियम) एटमाः (जी ग्राची क्टक्ष) अल्मक्री (अकाक्राजीय) विख्यमार्थ्वी ए (विजाभ-यान्यू) निजी म (ज्याचार क विमा) अम्र का समा : (इस डटन देमा इर्यमा) वमा विदियाला ह ने ने (जाइकालिक अभू हिं स्मिन्हिया) विश्वभाकः (विस्ति के माहित्यत) ॥ १३॥

पर्या विकास (विकासिती) कालारका संवास माना (सकातकात्मनं स्थानसहत्तं नक्षात्रेश प्रमृता) न ्ने (अमिष्ट्रिक्टिक) मीया मुठा में क्रमटको (भागतिमागरन मियम निकी) हा: यथा: १ ्रात्रे मशीनानेत्क । अनेत्पानामकाः (अनेपकार्नेड डेसाहताम किएकड का-कार्यून) वितास (६ सन कार्नमा) विल्वाचित प्राप्त (मेर्स रेग्निय विवर्ष प्रायक्ता) प्राही (प्रशासकातक) मिति एम (कर्डन मिर्दान कार्ने मिरियर) ॥ 9211 (उक्तन रहेल नकार् महिल्लि । त्यकराम निवानका छेलकात्र्य निवान ने कार्नि), छ छा अग ('छछा राष्ट्री) प्राविका (प्राविका) काशकारवार्वप्राविका (अशिकान अटकार्य अत्यारेया) आत्र (नक्ष मानियारिन) मा १७॥ स्थार्थेत (अष्टिं सका लक्षत कार्ये के क्ष्री र्याचार द्राम्नाता क्ष्रिका क (अम्पा क्याम कांड्रमा) ' अद्म ((प्र अद्भा) कर्मुया. (मल्बाह) उर महि: (एगान माह) भी र धारार (एटअव लाक्समंद) आग्रामेत्रा (पाक्सांग वरप

signi) mga? (cus) igs) nuesa ([aus] आग्नेत्य), छ ((अरिहार्ड) हेन्छके हेन्डिके (लागर बराय कार्यमा) रूट मेट्स (चर् मेटस) त्याना बास-मुआए क्के (आजां निक नास पुरा अस्मादन कर्ग) म रेयर (अर्जन) मार्च वायमडी (स वलम) जार (क्यार्टी मुटर्वर) मक्क रमान (रह ममन -[MECH : [money]) = \$ 20 (28 27 CO) 17 606 (लाभटन) मार्गीतिकाए ब्रा (ममनम् १ समन · 本日)11 9811 90 रम हत्य अभे (ए मन टन माभे !) जाना (जानका) ज्या भाविता प्रद (हा खान मार्च) निमित्र निमान कुड-विविध विद्यामा (अधाय व्यामी मामाक्त (व विद्या इ कर्विमा) अध्यान (मन्द्रान) अध्वर्षद्र (अभन-काटड) यात्रत (य में क्रांका रहमाट) ! वैसे काल ह (लामात् 3) में द्वार (में ही उद्रात) रेडिंग कर्म (भूटर मझन करून)॥ १०॥ क्रियं ((प्रमंद्य :) म्बर्ज (हत्वं साम्) विकिसी: (भूधीकिवाने अर्अली) कामिलर (मिन्नेन नर्ने भारक), नाम नर्ज (नाम लहरू)

लगान हर्यः । व । ने छर् (टमक मध्य हाय ए धारत हर भागमा । (लान्यन लामा] के अ नव्य के डे कड़ (IS M WEST & MISS) 2020 (2814 842): 01/41 (म सन् ि) टका वन जी सम्मन् विषय दिए में परम असम् । देवकम् । ॥ १०॥ (人)(至海 (公司至西门) 五萬山城(南江安京中山 (नर्भग्रेम स्ट्रिक विविष्ठ हिंग), धन्मः रिनाद्वा शर्पत्रकात); हिडा दिशी (दिनका मूत्रका तकानी) सार्के कार्टिक है: (डेम चंडाक) बार्ट: (बार्ड) कार्डिमम्: (कार्डिमम्) अपर्म भासा (मार्य व अविकास करने) देश (देशकां) अस सका (सक्तारे) भा (अरे मू मामेका) मनका कार्य (ममाप्ती) ककी (ककी श्रेमा) व्यवीश्वर (अर्था) अविवय्ति (विस्तास्य अर्थास करने) माड: साउठ (निर्देश किस के मान दे मार्ने इ रेगार्ड) दु उपाय (जन्मिक [कार्यान]) नमार् मन्तार (यर प्रव्याल) न क्यामि (भारका भ おきてのこをスストラオタタリア

After (लेकिकेट) या युकारहासमाय - प्रत्यतात - यह के यू-इ.स.च. ला.च. : याम (प्रावेशम व हममल प्राव्य-सर्वा अवनारम् में यान कत्मक भी मममू न क्षारावात देव गारक) म्यूरेका अमिना हे त्रिवादया-त्रवीत्रधीता ([अन्] मेरशन तम्त्रभूतुक्त व त्रवीत मर्ग्यम डेखाउ रहे त्यर निर्मित्र) नवा (खीनका) विट्यामनीत्र (डाबी विव्याहितान काल हा १रेमा) लग्नाद (लक्ना १रेट) केन मुगर (डेन्बिका इंड्रेट्सम) ॥ वहग मूलन भानी) का छ ए (सरक्ष्या) सूत्र (मूलस उन) भन्तात् (तिबीकार्तकियां) तीत्र श्रृष्टीत्र दार्या च सिक् भी में में (प्रकृत के के मार्ग (प्रकृत) अवसार (मिल-लगा ररेक) डेनारिकेर (देन चे व रहे मिर्देश)॥ १०॥ प्रि एम (एल्झ्न) का प्रिम : कार्न वार्डिंग मर्गारले (अनुभान हे उनीय बटमन वितिधय करनेया)

Cos (3000) along (along die 10) अन् अन्दिना गरमे (अन्यान र स. माने में कर) निर्देश : (तिरक्षण्या होता) निरमाणार (1240 2) (17) 11 60 11) रूक: (अर्क) प्रत्ये भारते (गम र एक) माद्यालाने ० (वा माना न रह सिंह]) अमत्वर (पार्क ने दिरही) त्वर् विखे (त्वर् कार्म कार्म) कु अक्षा विशेत (क् इ १२ १० वर्श्व १० १र्ममा) विष्युमाना- भिक्रोएसामः महर (विज् १ भूक्षित भारत विति व स्माय नाम) (वाल (टमाडा भात्रे माहितान)॥ ५ >॥ D) अग (अक्षान) पका (त्कर) ते प्र कृते न् (भूवतिशम कुंगान), अवा (अअन त्र्र) वर्त पछ ? (भूबर्सम्- मड्मूक) बड्ल मर् (ब) ह्म र अल्ब (कर रा) मूमलं (भूसभा) आमलं (कामल) धारा (कर का) विहिन् धूम्रेम मम्बादन (कूई अ-७-६ सम्भूत विहिन भान), क्राहि९ (क्रिका) साम् के हिटिए (स्पेमम) जास प्रमान । (जम्मारीय [वयर]) धमम (धम क्रिक्र) अ व र मार्वकार (अ अ र मिया मार्वकारक)

महाता (क्षित्रे क्ष्म हर्राम्य):-किस्काः सकाः (काल्यम सभी) अस्पित् र रूपाः (क्षेक्षा विकास मार्गिक विकास करें नियम: (निमला इरेगारियम)॥ ४२॥ ho | ल्यान में से का ([व्यक्ता का का का काम सम्म कर्णना विश्व प्रक्रिं लाड कार्ने मा), धार्य कार्न-हर्मर (रेस्मीमकानिम् म्यान्त कार्यम् मुक्त) स्काक्तर (सूनरिमाहिए), दाउर (सक्तद्वानिधिए), त्रतिम् र त्र प्रतक्ष् (तिमू र-लूर्न । त्रम्पतका ट्रोरेप हिल्) कृ हरू है सत्या अपन (सुन किन्न गाम) मूकी ख्रा (शव्ये करवेमा) सुपूर्विष (अपूर्वात) मरकार्त) कुल्लार (कुल्ल ररेए) निक्तार (विश्विण इकेशिक्सन) ॥ एए। काहिए (कान मभी) हिलाट अर्थ प्रशह्न छ नेपर वर्षका रावार (शन दर्दा अविहाउन (ढु वर्म अग्रिव) लम त्यो किक मक्ष्यं (प्रति क्रि भूक्त कालि) मूदा (यर्प भ्रत्नात्व) विविष्ठ (त्रर्वाद् कविया) भ्वापि क्रित (तिहा. व (अर

अंक (न) ५ ६ । तेन केली । इ ह करण यक्त करने एक 中国10) 東野型的《京新型文 日本日本(10) 南日本(10) (3/2-101 2 X (47) 11 6811 He कार मार्ग के कि मार्ग मार्ग मार्ग) कार निर्मेश (वियान काट्न क्यांबर) जादेख् (कर्म विरक्ष) व्याप् (नाम दर्दा) व्यापाम (व्यापा लाई मा) म् श्रु (भश्रम्) नि भन्न (नाव दन का भणा) (क्या मरी-कत (निक् रियरी की मामन कता) या त्या व (अविधान कवारे में कित्यन) ग 6 हरा कि जियम में अभी (जियम में अप्र हरी) कुल अस्त नी विक्रमा अवी) उन्न माहाद (अन्यान माहर न म इरेट) क्यू मीश डे ला पान (क्रिंग्ड् मीर्पि अर मर करिया) तिर्मा (सारित् प्राप्तिया) तिष्ठ (लाभरत) मरेका परियो (मकी नी नी नी मिक हे कार्ने कार्निया हिल्लाम)।। ए ए।। bA मात्रका अनेमक्ष्मी (अनेमक्ष्मिषी टमरिका) अवर भारत द्वाराम (जिक्सामिक गर्व अन्त) जान : (अर्थाना ने क्या) जाभू म हार्विन विक्रमेडी रोकि कि विज्ञास्त्र कार्य कि विक्रमें कि विक्रमें कि विक्रमें कि विक्रमें कि विक्रमें कि विक्रमें कि विक्रमें

कानाम) वृश्चि : भटमो (द अर सर्वेटन नार्व मार्डिन नान ने गुर्ग जा मा मा मा मा भी मक्षा करती (मक्षानियानी मनी) कटा: (म्निस्पर्ण न) क्यांड (क्यां इत्रेख) क्रूट्यामार्य-ज्यार वामान (नामा इरेट अर यह कार्यम) सर्वाण्डः अपव्यक्ती (असम स्वाप्तिनेत्व द्वार क्रिक्टि) कवित्य करित्व) विविधिका (क्रू १० देश कार्य 文色(日本)11661 म्भी अविमिन १ मभा: ([ज्ज्ञात] हर्वी क इनेटन व्योग्सिन्) भीडाम्बनाव्यालिका (ध्रिके भी ज यह से व्यक्तारिं) वित्याका (दार्था), जा: (डायामा) कय विश्विद्रभा: रमडा: (रह भारा मूम धम्य कर्ने मा दामिए दामिए) कुडिम हम नृग् डि: (कुडिम क्यूक हक्र निय-हाना) कट्यांपिड (म्यक्क): ह (अवस्थति

The order control of the sales भाव कार्य मार्ग्ड (भार) म १ कम gotan ([as a ca] Bligge a system) and (इक्कालाते) मानेकामडाई (यानेकाम-wat) प्रतीका (मना कार्य) धरातिम क्लान क्रम त्याचे अवस्थान न क काट्यम मुख्य मिरन छर्एत मुळियूलन मिट्लम व्यक्त । अध्वापन . (असम्ब्रीमार्स मार्स (प्रेक्निय (अवस्तान्द समार् विषय दरेग) किनानिकाटको देव अकुकार् (हिटाराक्ष मार्डिम्स हान ताम अपने अपने माने माने 12 (AA) 11 2011 भीकट्या अमः देव (अटकाव अडाउटन अवार्डेक रैका एक टलका विमास तार्व आया मार्था ? टमरे कुल वरकाटम) काउन (भी राची) बाक्सी (टमरमं कान कारिनिक्त के) जियक समें जिल्ला । टाटर) काडियीन (अकाउ डाट प्रश्ने), धनमाप्र (टमट्यन् हे नाम्द्र अभागमान), यर हीतर नमनर कान रिके मुका डेड बीम ब मिरिक डे) मानेटाइ र (अक्ष) के के का वासी (अवकी देने दावता;

[नर्म न]) हाड़: त्याल (चाकेक क) क्रियकता करण (अाग्नेस टाटर) नीत्र (प्रत्य) कत्रकारे भीकर (में स्पान कार्य मार्क्स) कर (साम) क्षेत्र (म्बन्ह) वीनः (त्या डेखनीय म करिएक) न क्षामी ९ (नक) कार्नेट मार्न्स तारे)। करा) [लाम (लाक) नाम का (नाम का) विसा (देव ग्रमानिश्वाम) भी मात्र मात्र मण्यामान मण्यामा (नी ना में दिन का कामन मार्टिंग ना ना में दिना मन दर्दे क्षा सरे ए) डेमा हर् (डेमर ए मूक्ष) अकर्मर (मूर्य त्व) मिला (मिला कामेल कामेल) अभीक कार (रेड में मंत्री अंश्री कि मक्स निम्हिलन) करण किया (त क्षाहित्य) असे (अठात) व व मर्व यार्व (स्मारी सम्मित्य) सम्मे अल्पे जीवा दर्षः (खिन्छत्रमाते व अत्ये धार्मिक विश्व मेरी मान exce) miniming: (musinen) mina-सरग्मः लाभ (अम्मार्यम् अम् माम्बद्धान श्वान कार्ने भाव) ज्यार प्राच्य (प्राध्यार) जर (यर अर्मि (क्षेत्र कार वर कार में कार में)

मार्थन महिला मान महान के प्राप्त नित्र (अर्थक व टा स्वाक नामाई व [कार्रक निष्य गार्ट, 6121 五名上午」) 古山城(2002) 川かの川 प्रीडिंग: (अमेर ने) हें का मुला (भी नार्या) माने लाय-इपम्कानिक नाम्र ज्याना (लायकान डेक इपमीन्डात मूटम म्मू मान माना कार्या), प्रकारकारी लाइटर (किक्नो नाटम स्क्री के कार्य समार्थ) इविकितिडशंगक्षा अकृति १ मूल (वाकिनीकी क्यं कारिक द्वार्थियाल करूवर हिकी मिर्चिकी (तित्म म मूर्वन) रू दू म शु जराविती जार (रू रू सर्व वर्ष निष्ण नामर्गम्।। ४४॥ Ma: लंद (त्रृ लंदन) लर्कः लाख (देक्नेयन-दीन रहेगा) असर अग्र (असा हता याचा कार्या) क्र नार्थित (जर्भक्रिने सर्वित्रे) गड: विस्तुत (जाकान पडन कार्जन समूर्यक) डेम मूर्य अडि (प्रिमाम] देखि रस); ८६९ (यह) मः मिरि: (विकाण) अपर (रेप्राटक) (आकृ कार्यामा) (अक्र मुक्त कि विषय), जमा (जारा रर्दा)

सद्यः नाडा काल (नानित अभनेशायड) न क्राम्याच्या (यहन अन् इरेजमा) ।। कर्मा १ में में के ता (महिक) सरमंद्रसाई दिलाय- प्रमीर (अवाचका की न मत्युक् (भारता) नी अह. (वर्णन कि]) ७ मडा: (श्रिम्ड शंत्र) न हता प्रमण् तिलीय ह (सन्द्रमर् नाम कार्यमा) सूचा हेमदः माजा के अप चिम्निक ट्याक माय : (टपाइक-ध्यमप् (आरोक्षी की अशास वस्त वसिए लामिरन व भागिषा भी (य विमवत्म ।] यन्म (य त्य) दिना हा काराउन इक काउद्गेर वितान क्यांनी त्यन्य प्रमा करिया के के में बाकिया भित्र करने करने (अर् का भी) रेप्ट (वरे) भारी (वर पिनवर्ष) CACIOLNINOS (ARIONAL DELMO [36]) क्ष्याम् अभिक्षायं कार्यं (कार्य मिर्पर्वं म्मेट्र अम्ममृत्र जन्मेन व के वेतर महीका) ्रिश्चरिक पार्मिक कार्या) अधिकारिका रेव

साण (नेक्यारे त्यम कालं वर्षा मा अपन कावितिहर मा रामान क्रीमिंडियाल (कार्य हेमल [क्रूप्रादिति!]) मना (क) त्य भी क (त्याराज) कार्र गाम : (वर् विम्लय) 15 (अभ: ona) ona वन-जन: (अ) (रहा नाह: जाक) (विव्यक्त हिट्यमं मामाहन) ररेम) रिक्त (काटकर वाक्रक्ष्मिक 3 क्रेस के के विकास कार बरे मा व किर्माहती अधिव बाज धार्माद बाक्र ने क्षेत्र असम (लार्षन पाकारतामक, लाउ छडान इर्माउ) मक्री । प्रविद्यय (मक्री वर्षा वक्री-कारक व विश्विषा भानियादिक वास इरेमान कार्यन हरने प्रया अपन कार्न मा) अव्यक्ति (अप्राहेरे) ममला १ तिलाविष: (धाकाल्य अस डाम इरेट अन्निक , धर्मा इत्ने अर्था दार किल्यम् मार्डि वा अश्वाक्ती - इत्रेमाहित) मा (बहुत इस) दियामि (अडाठकाल) रेक्ष वीर्मत-मन्त्रिम्पि - गामनी श्राम-मन्त्राण-लक्स (तिक्न-केन्छ सूट्येन अयंट्य इच्छेन्डिंग

मामितीत अरेक्स डेनदात्रिकत लाकाडा इरेमारे) ह्यात्मी (इप्राथमी) अश्वातः (अद्भाष्ट-अलि । त्यः प्यः (जिल् प्रम्य श्रामा) म र दुन् मिर्देश वि (मूक् जिन्दुर्ग कार्ने एट्टे)। किना गर्दे । यक्त मिला : ई कर्म (अ अ अम्ब्रामिन नगः कृकवर्त) धार्मा धराष्ट्रचाः (ये त्माविम-कार्या) खडाए (काउ: कार्य) हार्या: (बर्म छक्रम इसे मा अर्थात छ मा उ स्थ-डेख म-कर्वके आक्रमन्दिता मिला म स्वेताम इरेट लाट्य र्रिये मल जामा द्वाप का रये मा) कर्म अपलाम (हत्यम आयम मार्गिन) जनमा अक्ष (निएकई के अक) मिन ए हर् छी ए (म्टर्म मन्स्य अपस्प) कूर् (अभावभाग-(डिश्मेटक) कुरु: रेडि यामिना (कुरु वरेन्स मिल- लया का ना) अवस्मारी आर्य में हि (जार्या म कर्ने एट्ट् । जिल्लानकान जिलिए हल भूर्यन थाड) दुर् प्राचल कर्न , कार्न

ने पात्रा र भगनाम (मार्या मूर्य अपने मूर्य मान मान मिलिं के विवासित वाका देश कार्यका । अने देश करे द्यानगाम म त्या रहा है न्या विकास मार्थित वास्तान कर्निट्टी) मा क्रम 200 नम्डका छ- मर्मिलिशाचा नम् छम् विमड म्य ार्थ एक दिन महमटल वार्ड नम् कार्य कार्य हेन्य-ट्यू) छेन्नायम (छेन्नायम्बर्स स्वा) आ छाडेबी (मुखामका नमना मि) काला के प्रकारामिया (कलाव्यक्त प्रकान-स्वामक्त किर्वाक हक्ष्य छूत्रः (हक्ष्य अधवति विवासकात्य) कृत्य दिती. असूटर विराव तर्जू विजेस वर्ग [मक्षाण]) गामिनी द्वार्थ (अटाम वाका उद्ये) मिलि कुण-प्रकार (कालिया अपका विती किर्]) कुष्पारि-ड जंगर् (निक्- श्रिमिक अम्मता ना दका म अग्र-भागत्वा) पृथीए (द्यावीय) अत्मवि (धन्मन ने कविं (००१)॥ २०३॥

201 (का की (एक बाक वर्ष) ला गांड व का लेश लामके (अअभागण । अम्लम्पा) आमन-विस्वा (जातर् केर्यू मा यर्ग), अस्माएड किस्मान ने (अक्ने किन्ते-रधारम विख्ने नक्ताने) टकाकनाइ (चक्रमाता) हक्षा (हक्षाना) है बाह (है बन काइ(ज्ट्र)॥ २०१॥)00 कतकार्छ (ट्र सर्व जार्बाम!) कलबताकाः (कत-खत तालक) अधः (अर्थ) १९४: (१९४१) टले अग्रीका (जा प्रादिन क प्रति कविया) अग्रम् त्रा अकः (इंड निः सक्त्रम् दर् छेद्यू लुका क्षेत्र मूर्यक), वित्रभू भूषाव इर्भीर् (विकायुक्र इर्भीतन्) विश्वा (भाइकाम करिया) भूनक: (अस्म अडारम) उ डिमा : ७६९ (मदी जीत्न) अटमार्ट (डेमाइड 至文(で(至)11 20 011 708 सब मिल सामि (द लक्ष सामे!) - मन् (के दिय) प्रकलकाकारी (मण्डिविला : मर्निकारे मन विभिन्छ।) माम्रा ज् जिटकरी (जू छि दकरी-मामी) क्र मन्त्री (१९मवर्षि) हक्षा (निर्म हक्ष्र पूरे-

मार्ग) अध्ययम् नायम् छ । निस्म म अ ह न कर्या स्टार) अनामत् अर् (अम्बर्क क्षित्र) में मानह (समानः सरमार्थ (निक्न न अवस्थान प्रमाण के नामिन अस्ति के कार्य स्मात्रेट एट ना उठका १०० [के त्यम मामानियन हानी (माम वर्ष एन मियन -(५(ल विष्येकारी), लक्का (मामधारी (समामकार (माम्ट्रम् व ट्रिनेड किन्ने), न्यार्टीन के नानी-लागा किकार्यकारी (लिंग्स मा महेककारतेन म् जा मिक्रक), अत्याबिश्व (अयमार्य विश्वन-वृष्ठ विश्] ज्यामात्रमावी (अकस त्याटक व ल्यसमानक) नामू: (नामू) भन्मवे वन्नादी-टिश्वप अपना अवस्वी (क्रिमें एटिस मारेज मिनिज्य वक्षां नामार्थन भर्मनाम पून कानेपा) क्रा (अयादि श्रेष्ट्र) गांज्यम क्रिक्ष का (ब्यावत्त्व कार्य के के नी ब्राय त्वरी) रेडि त्रवर्व-वाम् दिवामत्यः (सुर्वातः क्ष मूमर्नु व वरका विभागी भेकारमाः

(ना गरेक् व वो इरक र) जार् शंख्यतथा त-विम् विर क हिन्दर (अटना न्य-रायहीन जा) जा: अर्जी ह (टम्ली महीमार्गन्ड) सूदा डेन्स्पः (इर्जामाउपा) अरोका (नक) कार्या), दिन अखिमा (मिर्-भिला कामसम्बद्ध) देत्रामा : याम किया नि अहं अरेमाहिलन ।। २०७॥ 8 (कार (कार कर) कमार्य (द अभर अ वाम वर) ब्दाकिनाडिका (ब्लार्सिकी के केनिनाडिका), असम् एक (कार्याहिक कर्ण कार्यसम्म का) वृक्ष सके भी (वृक्ष बानबी) कर्मणी (कर्मणी) अम्भ द्रेरमण्यामाम (येदे के व लाम देखान म कावियादित ने॥ २०१॥ १०० महार मारा (अकारणार् के प्रामीता) वका हैना (वक वका कामन प्रमा वक प्रकाल स म वक -क्षान्ती) हेर्ध अमर्वपकार अक्षिता (निकर) डिर्म डाटम विसु ज भूर्य क्वरे- करिया जार्यर मूर्यकियो म्य-बिरायुका) वेपर (यर) खाडामका ज्यामिती (आछ: मिल्सिया ज्यामिती) डे यामूचा MANUEL STINES 11, 2014

(Manage as julied) 11,00 mm 70 % लस (लखेकान) चनम्मन्स्रे (बक्षम्य मन्तर जाकार) को (कार्य) न न जून कुटको (श्रीनामा क आ रक) कार्य रिक्ट कर्म जान (मार्ट का म कार्य-अनं त्या वेष वेष्ट्रयत) विष्ठ केरियामाः (व्यवस्प क्ष्म छाता) महित्रमाः (सहितान) अवन-अलहत्रे (मल-जन्ने नाडे व ठ रंगे) जिल्हतं -नरको (छीछ असंहित्र) ति विकार (क्रिक विकार) मार्राण वर्द्र ना ना ना ना उन्ती (७८म ६ कम ररमा) मन्त्रा क्रम-16क मनवर अनायत कांबेल) बीभ्र (पार्मिया) हिन्दाः हिन्द्रिक्ति) ७०: (जमा १३ ल) १०:००: (वेण्डाज:) तिसीम्: (बादेलि इक्सा-12 (AA) 11 > > 0 11

भी देकः (बोहक) याता (यामजान) हवास्त्री-माने-क्रमान (हळान नी न मानिक्न मानेटक), 19 न साह (अम्बर्धात) टक्तक इकार (काहीर टमामुकरेटक [रेट्री) अन्तर (अन्दार् छाटम) कृ दिन-आदिनाए (क्रम्यावार लिकातक) ज्यामान्य प्रमाहमार: (अनमज ब्रत कर्निया), मार्केल (पाक्री डाएम) भाडीर (अध्यवण) अद्यह द्वार (दीडिक्ना) काहर (स्मिन अपक) प्रमेश हे दन: (मर्भन (भी बार्फल ने हक्ता अप्रकारमं) मिल मिल (ह्यादिक) पुलले त्यव्यत् (पृष्टिकात्रता कार्ने मन) त्याके ((त्यार्ष) प्रामाद (प्रामान कार्निक (अन) ॥ >>>॥ आ मेखरी (बीनमेड) बिरिय धर्मारी बारिया ममहाद क्लामिक एड में हिंडि काडिमाझिमी (प्रेक्स व लक्ष काइमा), एक निष्यु-कू छाषरमकूमा (७२०वं तिर्ध उ सम्भाता वर मिन्स्न व्यक्ता द्रेम), कर्न विष्म हम् रिम्रिक्ट (इस्वादा रसे 3 क्लावानि केर्नरे-

सूचक) फ्रांच विकासिक वहु (क्रांच निवासिक निवासिक कार्याद कर्नाह ५०० ७ कमनाहर समारवटा अस्मायम-जारवरे) डायर् यटारे (अल अयत मंदिरारोलन) गाम्या 20 [व्यक्त त्र] समय अध्ये (समय अध्ये ही) क सम म नात्माएं में र् में द्यारात ते के - 10 ने कार्य प्रत (तत त्र के कार्य अपडाय (वर् र्ब कर्ण र कर्रियो हिंगूक हम्मी में लेल यव निक्रिया) क्लियिए (धार्ष) मिलि (कीए) प्रतानत्य (हिं न्राय) नियमा अन (आटनारने क इंग्रे मात्रे ट्यम) जार (क्षा क्षा की का की तम) स्वत् निनी युः (मूट्य नारे भा भागेष्ठ रेक्टा कार्नेपा) भाग (अयम्बर्टि)) ज ६ मू अयाप (अंत्राव अनु अमन क्रिस्ति) 11 >> 01 १९६०१ (विश्वेस विकास) आ (विस्त्राम स्वा) द्राचित्र अर्वी ह (व्हिन्न अर्वी छ) अ स्त्र प्रदेश: ([मना-कारी न्मञ्ड् विश्व] अञ्चलकी) उरिः रेय (ट्रेम्मिलते न नाम), रेड्डिड: कि छ हत्म भर्ता-छत्नः (रेडडाः विकिष्ठ हकन मृष्टिक्त सर्गन-मानी), डी मु: म्- नम् मुखि हिं : (एस का ए न इ हिड्डि इडिम मू र कारा) जारा कारा र जाय क्रमन्क) निवान् मुडी (निवान् निवान् कर्णि, वार्ष्

29

अलक्षात जलदान दृष्टि लाहेदान केरें के प्रेजार ध्यवात्र (जीवान धार्मनी कान शिष्ट्रात) गं >> १ ग भिटिशक असिना अस्क । हिल कि हिल अपने ते) लका विक्र गारको (भद्र विकास मूर्वक) छ इन मस्य-हानि (अक्कावलन मृत्यन वातन पितक) नाष्ठाडि-टनामाने ट्राइट में (अडिइसन मटम नृशा पृथि पूर्मन मिटमन किन्ते । विष्ठ- विष्ठ (कार्कामान) ख १ वर तन्म (निक्न-निष-मृद्द भारे भा) विभाविता णान (छम् मान्छाम कान्टिन ७) धनमानू नमान्या (जानम् किष्णक्र महिंड) एव एव (तिनानिक) जिल्ला (लभाग) मुध्र लड : (मिनायम ररेमाहित्म)॥ >> ७॥ १९ वहाल (दमसन् विक्) ममार्थ (नमलम् । मृतिकात) विद्यम ७ वर् (भलमहिक नीमा मधून) निर्वर्ष (मिक्साप्त पूर्वक) क्षाजितम् (अत्र मुक्य (ता) अक्षामि (अम्मेलपर् मुक्त कामामं) स दि (प्रता-मन् रवेटम क्रिया रेमार् भागा र कारियान MAN COS TOPE STON DE STONE STO किं कार्य के अपूर्त प्रमार हिमा स्पार

२१ भारे विद्यां म्याद्य पूर्वक विकास रात्रा 23/10) मिनाविष्यामेल्साः (त्रिमाविष्यात्रे-तिविता) में अभी: (वेर्न राजी) अनेतः केलि अनि (किंदिल मान्याल) (किंदिल मान्याल) किंदिल मान्यालियों) स्विभाः (विने बड़ी) अव्यः (अविभाग्ने) युन्तर रामा सरीमः ((सम्म पर्य अव विक कार्याः र त्वम , त्ये क्षे प्रिकृष्ठ श्रीकृष्ठ अस्ता प्रक्रित निमा प्रिक् निमा प्रक्रिया स्टूलाहिष्ठ विशेष्ट्र अस्थान म् स्व कि !! निमा प्रक्रिया विशेष्ट्र अस्थान में स्व कि !! • तिश्रुतेर छतेचकी]) अकाः व्यामिति (अक्रीमतेष) लामका अव्या: (अक्टिन का आका,) रमाद्विद सम्मर् (मिल-मिल-म्य) विरयम कार्नमा-) भी छ का भागवाबिक - अर्थ का निय प्रविद्या जिस ने स्वाम क्यों में मून्य लाका मिले एक र पन्न क्रिया पिट्छ (अन्य म् स्ट्रिक क्रिया क्रिया

. . ..

E S'ELM MINEMENTANISMENT ON COM ENGIN-(६न) न नी जी ने मलाप्माद्भाव (नाक्षत्र की न-ट्यार्शिया है अवस्ति राज्य न उन्ने पार्ट न में एक दे हैं एक सिर्म वर्ष में को अधिक होते भारत यहना इते पृष्टि), ल्लारेय जी नामु (कारक ही लाविस मीना मूंड नाम क तारे कारत परुणक) निम्मारु-एक विव्हत्व नाम (निमा-(अय क्रामीत विश्वत्वत्वत्व नामक) आपि: मर्भः (अभय भर्म) अठः (भ्राया Sentaling School Serval

कि निभ अर्थ

कर्क) ७५ रमट्य (ज्योग मृत्य) ध्यष्ट्रा (निवानुका र्म् ता) श्रेत्र । मुर्वे तिवार (श्रीय व त्या के व ने ति ते प्रकारतपूर्वक) विश्वित्र अपक्षितार ([ज्यान या देश काला वह में मूत्र माक का वेशा) कुछा य-(मिर्माल नार (कीक्टकं देखिके त्वावन कार्यमा क्षाक्त), जार बादारह (ट्यू स्वीदादा [यवर]) रूकर (भिने निका दरे एक हे। येक दरेमा) अवास-र्दित्र प्रवर (टमान्यामा सार्थ मा) विश् छ लात्पादन १ (ला-दारन प्रकापन व्रविक), प्रमाण्ट (भानाति) अर्थ(: (अर्थ्यात मार्ठ) के व (लाग पर (टलाल म कार्ने में दिल्ला), वर क्कर व (अर्थ चारिक हलाइ) लासरत (लासने कार्य द्वाह)॥>॥ रे विम (व्यान में) अवन वि (आव:काटम) (अरमम् मूर्ता (कार्य त्यम मूर्त) ट्योर्न अमर्म (ट्योर्न अम्बी ट्या बी) क् जामिका क् जा। (मिका कि मा स स स स सूर्य के) धार् वसा भीका (की कृटकन अने अराजियमण:) आवि र स हिंदा (हिल्ड कार्ड अम्म र) अल्पित्र अट्न) व्रेट् (मन्)

उत्मान मृह (अ) न म म म महाम म म म किन (डेलाक्ष बरेकार्रामन) गर्ग ण प्रम् त्याकृष्णमा विक् तिकरें : ([त्या द्वी व्यव परमा] यक्ष अर्थ से अर्थ में किया में किया में किया में किया में क्षार्लाड मरत्र पूर्व विक्र वालिकारा न विक्रकार्डन आयमीयरक निर्मित्र त्यं महाम्याम हेक् अका बस्त विक्रम्य कारा) व्याकीने व्याप्तानंतर (भारान नमनीम अन्त अनिकास दरेगाट); त्ययात्रेक वनायण् (त्यक्रात जीजियम्ने भिकारपर अम्भने वाम कर्न); वश्रविदं (विविध) व छि: वि हिना हुद्र (व प्रवा कि हारा भात्राण धार छाम के हिया कार्म करने एएट); भीत्मा भीत्र निष् (भारा पृथा अनाटर हेक्ट्रानिष क्तियाट [अवर]) ब्रुपा आरे विसमक्ष्यडा-अमुक्षाहरू ([ल्या की या मारा प्रमात प्रकृत अन्ति । रिक् क्षीनियर मार्व आहे व्यर्भाष्ट्र व्यास चित्र अहन अक्षाम निर्मा कि के के कि

ध्यक्त ध्यार बीर्क मीविभ्यमास्य विभाय-अपाम निर्मीयस निर्मात्म न्येशका) (अववानस्वेत (१४० वीत्वनं नाम) ब्रावादः (न्यान मार्शनात्वत) प्रायम् बीका (खनवरि प्रायन करिए) आ (देनी निमानी दिनी) आतानिका क्रांत्र (क्रामक लाड काने मिरियम) गाउग 8) अगाउँ का (अन्मानिश्र में) मिडिका (अर्थपन-ज्यान प्रसार) उक्त वास्त्री (इल्क्ट्री) आकार ल्यः। य नेर्षे वृच (माक्षात ल्यः मक्षात्वं म्यानं) सहामकार अर (महामका Canganyletagle) काडिटमका (मलन करवेशा) ब्रूपा (इस्टर्न) जिल्द्राम् परमे (जित्रान अकुप्त अधान अधान अकार कार्वभाष्ट्रित)।। १।। () में के मध्य मंग्रेट (ज्यान्त्र कार्य प्रम्य) दियाः उल्पादना डमवाड (क्ट्र अवसान निरम् डमवाडि!) वारे (आगूर) भागवा कार्य (अम्भन्तरं अखाममन . छ ।) खरे छ। अरे का में (अरकार्क अरेपस कार्ने) - रे डि डिंपी र्थ (नरे रामिया) अवि रि (निक्टि यार्थिक) खप्तारी (खप्तार कार्य ते) या मार्थिक

(ल्लेन वात्री तात्री जिल्लाक] जात्र केन करने या-WE TECHT) HOIT अदम्का महान भारता प्रमा (वा कुटक व मर्लामा मार्य असूर (की मालादादीक) का उत्तमाड (अस्मेताम प्राम्त कार्ने मा) अर्चवाण्या- (नगरु एड: अभागः (काडी, भून, टमा-मधुटिर्न मार्ड डेन्टान)कूनान (कूलन) अश्रष्ट ह (विकास कार्य स्मन) ॥ ७॥ व [अम्डन] बल्करी (बल्करी) व्येष्ठ (क्लेन-र्रामी तिवीक) कुल मं तिलाउ ह ([xarma] कुणा जावान कार्नमा) हेर्काके मा जया भर (छेड्मूक) कि लामे क्षी न मार्च) डेट्स् (श्यं ६० ९ ६ श्रम् व रहेगा) मृत्यः लयास्य २० (भूरमन अपमम्मार्थ) श्रामित्य (श्रायम करते मा-A (4 a) 11 911

WEIGHTS AND MEASURES.

	BENGAL BAZAAR	BOMBAY BAZAAR	BRITISH AVOIR-
INDIAN BAZAAR WEIGHT	WEIGHT	MEASURE	DUPOIS WEIGHT
4 Sills = 1 Tota. 5 Sikis = 1 Kancha. 6 Kanchas or 5 Totas 6 Chataks = 1 Powah. 4 Powahs 5 Seers = 1 Passri. 8 Posaris or 1 Maund.	5 Chataks = 1 Kunka. 2 Kunkas = 1 Khunchi. 2 Khunchis = 1 Rek. 2 Reks = 1 Pall. 2 Palis = 1 Done. 2 Dones = 1 Kati. 8 Karis = 1 Athi. 20 Athis = 1 Bish. 16 Bishes = 1 Kahan. 16 Palis = 1 Maund. 8 Dones = 1 Maund.	36 Tanks = 1 Tipari. 2 Tiparis = 1 Secr. 4 Secra = 1 Payti. 16 Paylis = 1 Phara. 8 Pharas = 1 Kandi. 25 Pharas = 1 Muds. BOMBAY MEASURE OF LAND SURFACE	16 Drams = 1 Ounce, 16 Ounces = 1 Pound, 14 Pounds = 1 Stone, 2 Stones = 1 Quarter, 4 Quarters = 1 Hundred, weight, 20 Hundred, weights = 1 Ton,
40 Scete)	8 Dones = 1 Maund 20 Dones = 1 Sali.	39} Square Cubits = 1 Kathl.	4 Gills p 1 Pint. 2 Pints p 1 Ouer
4 Dhans = 1 Rati. 6 Ratis = 1 Anna. 8 Ratis = 1 Masha.	BENGAL LINEAL MEASURE	20 Kethis = 1 Pand. 20 Pands = 1 Bigha. 6 Bigahs = 1 Rukeh. 20 Rukehs = 1 Chahur.	2 Pints I Quert. 4 Quarts I Gallon. 2 Gallons I Peck. 4 Pecks I Bushel. 8 Bushels I Quarter.
or la Tola or Bhari.	3 Jaubs = 1 Auguli. 4 Augulis = 1 Musti. 3 Mustis = 1 Bitasti. 2 Bitastis = 1 Hat.	BOMBAY CLOTH MEASURE	BRITISH LINEAL MEASURE
INDIAN TIME 60 Anupal = 1 Vipal 60 Vipal = 1 Pal 60 Pal = 1 Dundo,	2 Hats # 1 Gaz. 2 Gazes # 1 Dhanu. 2000 Dhanus = 1 Kosh. 4 Koshes # 1 Yojan	2 Angulis a 1 Tasu. 24 Tasus a 1 Gaz.	12 Inches • I Foot. 3 Feet = 1 Yard. 5 Yards = 1 Pole. 40 Poles = 1 Furlong.
60 Dundo = 1 Deen. 7 Deen = 1 Hafta. 30 Deen = 1 Mahina. 12 Mahina = 1 Baras.	BENGAL GRAIN MEASURE	MADRAS LOCAL WEIGHT	22 Yards = 1 Chain, 10 Chains = 1 Furlons, 8 Furlongs = 1 Mile, 1760 Yards = 1 Mile,
INDIAN LIQUID MEASURE	5 Chataks = 1 Koonkee. 4 Koonkees = 1 Raik.	180 Grains = 1 Tola. 3 Tolas = 1 Palam. 8 Palams = 1 Sect.	BRITISH MONEY TABLE
4 Chareks = 1 Powah. 4 Powahs = 1 Secr. 40 Secre = 1 Maund.	32 Raiks = 1 Maund. BENGAL PHYSICIAN'S	5 Seers = 1 Vis. 8 Vis = 1 Mound. 20 Maunds = 1 Kandi.	4 Farthings = 1 Penny. 12 Pence = 1 Shilling. 20 Shillings = 1 Pound.
INDIAN MONEY	WEIGHT	MADRAS BAZAAR MEASURE	2 Shillings a 1 Florin 2 Shillings & 6 Pence = 1 Half-
3 Pies Pice Pice anna.	4 Dhans = 1 Rati. 10 Ratis = 1 Masha. 12 Mashas = 1 Tola.	8 Ollake & l Paddi. 8 Paddis & l Markal. 5 Markale & l Phora	BRITISH MEASURE OF LAND
4 Pice a 1 Anna. 12 Pies a 1 Anna. 16 Annas a 1 Rupee.	BENGAL CLOTH MEASURE	5 Markale = 1 Phara 80 Pharas = 1 Garce. UNITED PROVINCES MEASURE OF LAND	144 Sq. Ins. = 1 Sq. Foot. 9 Sq. Feet = 1 Sq. Yd.
INDIAN MONEY TO STERLING	3 Angulis = 1 Girah. 8 Girahs = 1 Hath. 2 Haths = 1 Gaz.	20 Kachyansi = 1 Bisyansi.	4 Roods = 1 Acre. 640 Acres = 1 Sq. M.
1 Anna = 1 Penny. 12 Annas = 1 Shilling. 1 Rupes = 1 Shilling	BENGAL MEASURE	20 Bisvansis = 1 Bisva. 20 Bisvas = 1 Bigha.	BRITISH TABLE OF TIME 60 Seconds = 1 Minute.
13 Rupees & 5 Annas = 1 Pound.	OF LAND SURFACE	PUNJAB MEASURE OF LAND	60 Minutes = 1 Hour. 24 Hours = 1 Day. 7 Days
CEYLON MONEY TABLE	Cubits (or Gandas) = 1 Chatak. 16 Chatake = 1 Kathe.	9 Sarsi = 2 Maria. 20 Marias = 3 Kanal. 4 Kanals = 1 Bight.	6 Weeks = 1 Month. 12 Months = 1 Yest. 365 Days = 1 Yest. 365 Days = 1 Leap Yest. 52 Weeks = 1 Yest.
100 Cents = 1 Rupee.	20 Kathas = 1 Bigha	2 Bighas - 1 Ghuma.	53 Weeks = 1 Year

ganata

EXERCISEBOK



No. 8

Pages 128

Name Out of 19 that as SCHOOL A Lata NO 2 COLLEGE SEC ROLL NO

Subject_

Mer 20 and made dand cos 48 The stand Contal भ जायर (अरे समरामे) meg- कम्प्रम-म्बन- श्रीटशाय-क्रामन-जीपारभावन्त्र-माम-।काक्रान-म्मामामा प्रभागः (तार्षे ७ म त्राम , भूवम, त्राक कृष्णे , धक्त न, जीदास, एकान, दास, किंद्वित ७ म्दासीम्म सरहवत्री मूरार आगण्ड (स्वतं तिला निल-मूर ररे ए धार्ममस्यक) मुना (इर्ड एवं) भागाते (अन्तरे) अभिनिवेश (वसदावव अविक) प्राक्ति शिमिण: (शिमिण रहेमा) विका: क्क (त मीकृषा) डेडिक (डेके), तिल्ले लाखें अमें (तिल- विष (आरके भवन कर्न) र्वाट लाक्ना ड: (नदं से प प्राच्यात कार्या) रिष्ट्रा: (प्राचनम कार्येट नाम (यत)। ज्य ण हु दी दी त्वा: बर्गामा: (दी दी वन्यामा) मानाव किय (बाजि अडाउ र्ने मारह कि । [वाब]) मः सम्म (कामात्म सम्म निक्क) क्या कार्य (नमन) क्यर विद्या (विद्या भारे एएटिन क्ये) र ७९ नत् तारिकामि (जिल्लामिय) र यारक मामक कार्न छाट्टे) राजि भे स्थार (नरेस व कार्ये वार्ये) वर्ष्यांत: व्याक (अर्थ अर्थे अर्थ मार्थ (तिम

नाका इरेट) देवसार (डेयान कास्ट्रेन)। गा Inapas I dessit: chips sales (5) - Has Justinian of Jal कि लिंदा असे] हममंगर दिल्ली, (त्य ममगर दिल्ली) रे व अ त्र (अरे क्ल वान एक नाम एक) सर्व प्रमेर: (अर्घ संत्र) विकासमान्या निष्या । (विकार्षात्र व्या सम्भारत् अमानिक सर्प) इरवं : (अक् एक वं) उन्नाम १९ (मण्यित्र) भाविम (भावम भूष्यं रेयवं : (द्वाम् विभव मितः (द्वाम् रात्का लाया रहेगा) हे जिकाम : व्याम (हे हिए रेष्ट्रक ररेटा । भूतिम्यूटन करें (त्यात भूतेरन द्रमार्य) अपूर् (अपूर्णाय कर्ति) द्रमार स्थान : म ध्यात्रीर (हे वि एक मधर्म इते रल में मा) ।। इहा। अयग्रह्माप (भुत्यक लक्ष्मार्थ) काष्ट्र अदमन्त्राप्त भावत (ज्यात्मात्म) काष्ट्रः वर (काष्ट्रके प्रतंत) काला व व्यारा), मूर्भन म्याकन्सानि नातुः (इक्स में का त न्त्र मर्ड मार्ड में च्या निक नातान मेर्ने के उसत्ये अमादिन का वसमेर्ने

(भिर्म द्वारं) याका (ध्यम ज्यामार्ग) भर्गाद (विग्राम्न भूषक) जमूबान (जारान हेवन) मिहिड. आं लावा (मिल त्य हावं कार्य मिल में मा) अस्ता. यक्षेत (एर्ड सक्टिय के अपने वक्ष्य कार्य) (क्रीकृष्ण्य अन्न म्हार्म कार्यमा) धारमवारितः में व्याप्ता हिंगा हि लायल वालिं स्वति स्त्रम्भत्य कार्यि में अस्तिमान लिमा वसें (द्राप्तां आत्या) सिक्सी (क्रिक्सी क्रिक्स (EX रहेश;) लाक दुन्तुक, (अपूजि दृष्ट्) ' भुत्राई खेश (शिरा त्यास कर) भ्रमक्ष्य पर में में ([अक्सरक] तिल म्म त्मा ७) मिश्रे कि कार विशेष बार्निभादि त्यत)।। 2011

१८) द्वत्य (८४ वर्ष ।) मार्गाल (माम् ७) हा: ये कते : या वर्षा: (यह मानायुक्त प्राव व त्या मानाय का ने व्यव हा म् आंत्रका (चतुन्तते) माह न्य प्रांव (की बकास) नार्ये विनरं लिया द्या क मं हरें : (कि स्पाद्य मा द्या म द्या में द्ये) त रूप क्षेत्राह (म्का लाम कार्यम) १,७५ काल. (जनाम) जर (वाझान) मः मिला (यनक) ए अकः (अकाकीरे) टामके अमार (टामके ठाममा [25/2/524] 11 28 11 Q [(प रक्षा] दुख्क (दुव) व (त्वारमक) सँसमाय्य क्री (धूम मार्जन करबेंब); रेर प्रपारं (एका मार् नरे अवीट्र) यत्र मात्र शत्र (बल (प्र व अ क्त है रे क्वार भा (नरे स्व वारिए वामी जिमि) जममार (जनमान जम दरे एक) मीमर स्यः (मीन देख्नीय वस) ध्यानित्रयं (ध्य-माउन्से कार्या) कार्यार कायम १ ह (टक्से-मुक्ता मी. टम्बीरक अने स्व कार्ने माहित्तर का क्षे लाम लामाल (द्र दराव!) लाम (दरमूर),-मन्तीत्रात्र टल ट्रें! (मन्त्रीलम् क्रिय)

कर्मिक) र समान न महर्द्र : (रक्ष मानकार) • अवत्र अवाभागातिः । त्र अत्यं न जीके वामाला-इन्त) (स (धाक्षान) धमा मृत्य: (वरं ब्रायन) मार्क्सना मीहियर देनाक्क मानाम हा न किए), कस्त्र प्तर् पाणं (लाभ भूटका न मा मू द्वायत) क्षां (क्षां मसूत्र) आरक्तिष्ठ (अठ विअठ कार्ने भारह) र रण कि कत्लामे (राम ! प्राम रणकारी हिकी कार्ब में हिंगा उपा भी में नानि: (बोर्क) टम्य प्रति : खल मराप: (प्राठ मप. त्यूर नीमा मिन-ममीप) रेडि (नरे मण) हिन अपार (विचि अम्बक) जार् कारीर (अक्द्र) व्यवधार्य (लिक्सानंभल्यक) क्रीहिक्टिक्रमं: लामीर (मळानं नम्त्रम्भात्म हिक्छकां अकाभ कवियाहित्सत ।। > १। विश्वास्त्र (प्रविश्वास्त्र) वर्षे : (विश्वास्त्र) (लक्ष्मक्त) ज्यालक्ष (अत कविया) , त्र्रक्ति द्वाडकार (टम्यार्किका) धम्नार (मालाक) ध्यमप (यरे स्तय बार्निया हिल्ला का अम 35 11 १५) हलसे (उ छाड:) सकोई (इंडर अछाइ ता) व्याम-

१क्ष्मा बन्धाया (काला बन्धायाप) विदे लिए-की लाहिन सर सभी भरे]) समा कार्य जान (जामन मान्त्र प्रत्य अ) व्याचित्र प्रत्य व्याचित्र क्षिण्य कीषा-नू के अर् अर्टिक र अर्थ) जामिल् (मर्थार) क् अर् कि असि का कार्या भारक है। इसे ।। १० जिस (ज्या) रिवे: (बीक्क) क्रकामीक् वामाविषय: (रामकाहिए के भी वकाली पूर्वक) मूरः (भूम माम) अपूर्व (अपूर्मारकाटन) विटलाहर अमूनीला (अटल्क्स म म्म भन हे नी न म कार्ना) भ्वः (मम् भाषाता) श्चार् समीर् (निर्म मानाटक) अलाम् (द्यार्थिक अर्थिता) भित्र ब के अस्ति: (समस्या मित राम अकाल कर्यमा) स्मः (ल्यान) मामी मण्य (ट्रिक्य] निमीर्टिक का ब ट्रिस) 11 2011 टब्सु र्यामी (टब्सु र्यामी) चिक्रां के विश्वास्ति। न कार्य कार्यार (कार्याम्य ने कार्या किया) क्ष्मा ६ (अक्टकन ७) सम्माः जायातु नास्य -कर्वा (भाषाय मार्म (माण्य छाट्य म म्यूनरेकारी) कामो दिल्लाई (काम क्या हर के करा में सही में).

(नेन्य कार्डमा) । आल्बेन्ड (र्टेट डाक्ट्रीय प्रभादन) १०० काः मूमल (१ मूनल !) देन भीमण्य मरका दे : (भया १-भरम्म अध्य व भी कर्ण - य भी भर्ष च सर्वत्र) निव्याध (त्रव्हर्) कार्ने प्रश्रीकाने जिल्हि : (काल्यां काल्यात्म) कार्यकातः (कार्यकात रहेगा) प्र चय (ज्रामि टम) देर (अभारत) मान्तिक (निमा आरेट्ड), जर ट्यामा (जारा मर्केडरे व (के किंत किंत) जर्मक निर् (वर्म्मार) विषिठ्य लास (विकाद हर्ना) हास लाया द्या करे. (लामान व्यवस्तर्य) डेर्स : ता दम् वि विष प्राष्ट्-स्त भाम काम्लाहरमा) । उनक् नमाल (व्य अप-कूतवातक!) ७७: व्यास्ति (थान वर व्याम कामारे गर्मा मिन्नाम्मान कन)। 2211 ि (अटक्रम्ब-मलम (८ उक्त अमलम!) देखिके-(८४) मन्त (मु एम हिल (कामन) लामन: (लामक) लम् (बल्पक) वम्ट्रेश: जन द्वः ह सर (वम्भाभागे क्षेत्र बद्रमार्थिक भारक) टमाकेट कालकाम : कावा-(टम्मिक मिर्पेट देळ्स कार्य मा ३) साम लासमा

आअंत लिसमा श्रीकार्ट कार्य हिस्से (प्रकार्ट)

अभ (धार्ष्य) जमतितः (जमत्वक्त नाम कार्य-वते) अः (धीर् क्षेत्र) अमू वि (मू बिक) आर्त द्वार् (१ प्रक्ष) देत्र सम्म (देत्र क्षेत्र मा) त्र सात्र स्मान्त्र रें (वि प्रारे म् स्व क धार्म ए मा या क के कि ति मा) व् मुन-वि प्रारे में स्व क धार्म ए मा या क के कि ति मा) व् मुन-वि प्रार्थ क कि कि का सि क का सि क के स्व मा । १ हा। (क्ष्म क्षेत्र कि वि का सि क मा स्व हे द म्हार (क्ष्म व के दि क वि के सि क प्राप्त हे द म्हार (क्ष्म व के दि क वि के सि क प्राप्त के प्राप्

क्षित्रहत] लग्नी रेग्ट् (सम्मी बीगलाया) विवादिय-रम्र द्या क्रा (धार अवन त्मर एत थाक्रा रहंग) लयर (यायक न्युके किस) अयर ममंद ([मारा रेड्राव] भूक्ष मस्य भगत्व वरे मार्ट न्ये क्व व विश्व ह (कार्याम्छ) के के प्रति सं विक्र प्रमानिन गाम सटमाम्स), मृष- तकलामा (म्राकामा तकमाममूत्र) उत्राह्म (प्रव्यव कर्तिमा) है ले व प्रक्र हिंदा प्रमा कार्नेमाहित्यम्।। २७॥ 70 स्पर्त ([त्रद्: अने] अपत्र) में ने में आमें पर माना की व : अभिने का या विकास के अपने किया (मिक्स र १८८) (यमस्य) धर्म (अवत्र) समाय (समायम्) अभिकास्त्र (निल्न-बस्तक र्म के हैं वार्ग) व्यम् कर (माक्त कार्यशीक लाम)।। 2911 (भवार् केट (अपूर्य सामी त्यहा के) कार्य केट्ये सामः (कार्यः)) मे कम (लवे अप्) केक: (महिक) सामा कार्यम ह (अअवार्षमाल) भागाने (वाम) करने (१ स्वामा) मर्ममंत्रात्र अन्ति (धर्मांत्र व र ह [अवर])

रेणायने व्यवन (मार्किने इस्प्राचा) नव्योव विकर (कर्म दावन विक) मामा भंगते (माम म में प्रकार) आमंत्र लमाममाद (अम्मात हे लाम्ड र्नेत्नन)॥ २५॥) ग्री (कर कर) लाम (क्षित के का बा (उसरंग) र् भटन (काम) कार कार) महावि (यदमन मामेकाम) पर्य थारत ह (था अ व टक्टर टक्टर) था मित (था करें - कि शाहित के विकेश सस्य) युस्मद (वक्यतं) स्मुल : स्मिली कार्ष (अस्म अमेरका: (जालारमक किं) (जारमें (त्या: (डेए मू तम्म) मआय: (मयहवर्गने) व्यक्तिः (हर्जिक वरेट्य) अन् (जनवाटक) आवे रक: (भावत्यारिक कार्या हिलन) ॥ २०॥ of [वरकार्य] प्राचा (अयती) वर् (अयति) - (त्यः दर्म। (त रर्म!) तमा छेः देश (त्यार्क-ममन कर), जात जिलात (जिल वर्भणनेक) लागांत्रेत (सर्विश्य लाय क्याइमा (अद्री) माः मून्जीः पृष्टा ६ (भीग विनू मने त्य तायन कार्यमा) व (विश्व) साव्यास्मान (साव कुष्टिपं मिल्ली व्या (भ्रावाम) व्यव (प्रवेष) प्रिक्ट म टमार्थ (मृत्य जिल्लीम कर्निक) रे वेन्ड व्याद () 5 th elen elen 1 / 100 l

Noon Elympeter JHOOH त) त्राम (अप्रिक्ष) य: (मार्क) केमा खेम खेम खेन (सकाद त्यंप्रतं) कृ: प्रद्यः (स्टर्यसप्तं मण्ड) विष्ठः (प्रवन) अभवाद प्रमाद (निका- स्मे भार्य न अमर्भित प्रिक) शामत: (मामा करवंदम्य ?) [जरमाल]) अविश्वास्ति : (आवश्वासियूर्त) त्र: विश्व ता तक अर्थ में ले) भाभ (भ्रम्पिड) गमत (आकारलं पिक) ममत धरमें (पृष्टि -MIQ कार्जमा,) 26 (मोर्किक क्र) लाक्ति (निस्थ.) बार्निगाहिताने॥ ७३॥ 0) 2 in x2 | ((2 2 in x2 i) or what (3) (() () () or had -त्रीर्यका मार् (वाका आक्ष मीर्यका मे) करवा न-सामा: (क्वंप्रसे स्मायमिंडिंक) अभावंति ६ (प्रश्नकार्य) लगाम् ०३-१० वर्ष वर्ष लातका (म्यूक्स मन्भाकी विक में भाष भाषे मा.) का वा का मार्गः (कार्यास्ता अपरेश- सर्भी अप) आर्ड : मिसिमाः (क्ट्राम्स सक्तानिक डर्ड्रनाट्ड) ॥ ०००॥ ७० मृत्यकाकत् (मनीहिका- वासक) (आपर्पर्क-रेगारपड (दुरंगभाष मित्रक व्यक्ष क क्रिक)

चार्ड (अक्षा कार्य कर्त कर्त कर्त) त्र मित्र) त्र मित्र (प्रिक्स मित्र) (प्रिक्स मित्र (प्रिक्स मित्र) (अप्राष्ट्र न अर्थार्ड) अविभान (अरवन्त कार्छट्रम)। ७७॥ 08) मण (माममा) प्राप्ति (अवायकाता) कानकार (त्रभगत्मात्व) तिः प्रवित्त मर्टा (। धक्ष भर्ड-मिल्ड दर्दन) देस्ट (नरे) भारणाया (काकाल-वर्ष) विमू बे-जावादि विध्याम (जायकायहाड वासकार वार्वाम करिए। जारमन (वार्वामार्ड) करमावन र काराम्टिय (करणाव मान्य मिन कार्य-अन्यात) क्रमणे क्रमणि वेच (यम क्रममिन 4NG GOLE)11 (0811 क्ष टका: ध्रद्ध म म (८० कक्षत्र-वपता !) र्रा टमाकरा (कार्या: 2) ट्राम्स), कार्यमा (मानाह) वेपड् (यत) वाद्भ ् (लग) मदल वाक वादिवं (मिक मन-खनक लामर धनक राणमा भाजनमन अंकल लामक क्षा दिव का वा अ ये) त्र है (ह न्या दक्ष) पु गू भ - भू मू मा (जिल- भू मे र सम्म ड वर्षी में वर यस के प्राचा) मार्डिक (प्राहित कि करिंग)

मार (कासास वर्षात) कास मास् (वर्षा वर्षात) यो कड़ (दमार्थमा) १ माणि (शाम कॉन्ट्यट्ड) ते ७ वा क्षा द्यालामा (स्मार्थन काल्यामा) त्व मक्याम. वराताः (टर्म टमा अवात्म कमते) मर्ब म मेन माड (मर्बू. मने (न व) रे यह (यरेक्स) शमडकवी: (रामडलमक) छा: सिवः (राक्ता असूत्र) मिल्ला (अवरेकां वृत्रा) रमा : (रामिए रामिए) यभाग्न (निल्न-निल-) Cमा मान - प्रात्मा: (टमामा ना- प्रमू रि) विवि छ: (अरवल कार्बिशादिया) 110011 ०० यम् (प्रकामात्य) प्रकारी-मुखातः (क्रिके व व्यालव अभ्य मिलि) मानी धाष्ट्रव रव हिं (रक्ष लाक्त कर कर प्रवास कर वं न रप्रक्रेस ल) अ का अ अर्थ अ के न : (वन द्वा ७ अर्थ अके तन व भारत) Симин: लास (मिर्क क क) प्रदासमाम (मिल-टम्माना मा में विमिन्न (अरबम कर्नित)। जना क्षिकात विवताताले त्यारिक: (अन्वर्ग दिन्-मनेकर्क लाई (वार्षण) मात्रः (वाद्य) मुक्तार टिक माल- ल छ रेल ला भी - सकी टेम् वा वल - म पर (प्रवारोप हिटि कियान नर्कित विद्युष त्रेय त्रिया-

का नियम दिन कर्म करी को बावक बानिया त्यात) देखा क रवेदलाइन कान्याहत्वन ।। ७७॥ तिर्धात है। तहें से तिर्धातः (स्थारेक) लाईक: 12 वापार (हण्मितक ध्यनाम्छा), डेलातमामाए (डिक्सियू भी) रिवसम्बसीतम् (छन्नवर्तम् स्वेत्रमान्) प्रार्थम् अकत् (बर्ग जारम विवालकात १रेमा) कतात्रप् (टलाक. स्ति (स्माहिक असे अमित्र सम्भार ने सं राज्या असे) मार्चा (लसार्या हत्त्र)॥ ७२॥ 80 जिला उविर्म : ((क्या का कि के [विश्वाम]) कि दी मरणं लामा गर्न अवार करात्री में वित्र (िर् री माणं, (मायावार्व, मयामे, कामाने, देवार्म), िरी र्सि काल जना मिला रहाम कमात (वि वी क्ट्रिन हिले, जवारिन अध्यान वर्भिन क्याम) दि ही बटह हत्य कामारे रामारी (दि ही बटह, हत्या, कानित , शनाने प्रितः (अप्याप्तक) इति रास मार्ड (यह मा अधियात द्वार में न के मिलिनमून्डी: (दिन्त्रातेन अकनालरे)

award (award shajing (22) 11 80 11

8) ला (लाइन) यसमेत: (न्युक्क) सवारातान (अमम्मलान धामकारम) नामाः (धारांत छात्र कं अप कार्या) धार्य विद्या (बार्य में पार्य सक्ताता) (पार्ती (त्यार न भार) अभार पत् (म्हा अस सूर्यक) मांत (मांत) क्यामह (काल अत एवं यं) अत :(में क्या) त्माक्ष (त्मायत कावर् लामाभारत); दू अमा दू देसाभी: लंबा: डू (जाव काडिलय डेना भी-स्वयक कि: त्यार्था श्रीय स्वत्रात्वे वादा (एर्ने कं सर् द्वार क्रिये " [नवं]) ल्या : (ल्या) काल्यम (व्यास) कल्यतः (आयक्ल्यम्बाना) वीरेमर (अवि पात कांबेल कार्य) मिन्न-अप्राम् आने मान (मिल बरम अप्र के हैं के खार कर अपर हे. त्या वर्त क कार्य कि लागित्य), रे-या (नरंबात) अटम (अडाडकारन) अमूबडी: (मिल दिन मरेट्न) कारमा करमें (कारमा मार करने मा) नलाई (लिन संग्र ७ जारल धार हत कार्न माहितान) ॥ 8 > ॥ 8) लाम (लाक्षेत्रें) लामात: (लामा प्रिका) व्यव्तु (रेक्ष) ये लचा (से मंत्रीमित्री द्या भी लक्ष्ये न्यां वाक्ष्यं याकामारी) कला । विख्यानिया (आठ: कार्ल

विकाण्यंत लन्) ज्ञात (मना वरेत्न) हेवान (डे 18 भग) विजिन- ना प्रम् भू नार् अवही (ध्यम स्वर्भात के स्वर्भ अकि करिया) असूर्का (केर्यूका-न्त्रा कार्व) में वर (में कि) सत्या में वे (लारा सन कार्मित्रित) 11 8211 (प्राप्त (प्राप्तिक) शाहाय केरियर क्रिय केरियर (बारिया) श्रह्मवण: क्र न श्रहावा र्यात छ) पाला-मूल माम्नाल का माड़ाना (जिला ल न के माना वार्षा. elaun) elle de (el de sun la commano ार् (असम्मा प्रमें) मुस्तार् (म्रावादक) ध्य वीष विक्रभ विलिया हिस्सर ना 8011 8 (फ (क म्माउठ!) व्या (कामाने) म्नाम: ([ourseld as) addingy sali (uncarle-त्रा : (क्यू) जानं : के सुनर् हिं कर क्यार ल्लार्मताएएन किसे) जनतिमाम (भूरी-(पारव कार्विश् हिला (मा) भूया ([कामान] भू अ वर् भी वादी (क) ति ए छ (ति पानि छ। (व)

ब्राक्त-मान-विष्यते (अल्बिक मान अ ब्राक्त-माननाम मिन्) विष्याका (विष्टा काइटियम ोपा छठा। 80 जिल्ला विकार (सर्वात्र में प्रदेशकार-निवास करिक करा-अस्म का) टमरेन अपनी किल (टमरेन अपनी दिनी) ट्रिं बिक्टा अंका (विद्वाक अक्षिक्तर ने जातार्व अमर्गान् भारत धार्म् (भन्मेर) राष्ट्रिक खादिमां (जादम करात ट्रम)न्ट (र्राष्ट्र) मिल-ट्याक संस्काः (मिल-ट्याके राष्ट्री- सीमालाइ) था का तत्रका (जाका व अछि त्रवाम व जान देव कार्यनमां एका ज्ञान (कड़का मांडक कार्यात क बाक्रमभू एत् अडि) धराखा कार्या (धराखा अवस्ति करिएक) ॥ ४०॥ अध्रास्थी (८० अमर्सिए !) जमार (स्टेस्ट्रि) अभा (प्राथक) अस (ज्यामन) मृताः (श्रूसन) प्रवित्र । प्रदेश (अक्स अस्थान- ताड रूप क्रिक्ट [क्रिसिड]) प्रदेश (अक्स अस्थान- ताड रूप क्रिक्ट (योग्नी विका) अर्ब अमंत्र मा छण् । विकिरि (अर्ब-अकार धलेस अस्पत हिंदिक कर्टर)। हिला।

80 mar (Mas Mis [1212]) न र्वं (पर्व च्या नंग्नातक) W नाम (मान (मन) की वार्व! (१ मद १ र !) प्र (ल्याह) विष्याद द्राव्य (यन्न न्या न्या मार्थ) विष् (यवन) पासि में बार यें के (या में में बा यहमार्य कर) : अले न मानाविषिक विकास (अन् भाकानिक भूग निमा क्षेत्रमा भूग के) नाविष्ट : (मूर्य राज्य व म्राम्याभवन विस्थित (भूकात हे अत्रात वहता マヨラ)1128911 80 जम (ज्द्रमात्त) तम्त्र क्र जमारी (तम्त्रामिकार्मिक. मिश्) में अप (ते अप) हिलाउन (लाइन!) असाल (स्थान) नम्बी (माट्यी) मिसाह (निया भारतार्थ) रिस्ट्री (अन्यान नक्ष वाम् क वाम् कि भागामार (अम्बर्ट्ड) नारिला (अराम भूवक) जार (जी ना दारक) देपर ध्वम्य (नक्ष वानिमाहित्य न)॥ १६॥ 80) सिर्वा प्रत्य प्रामं : लाहम राम र ११म !) आमाम १ देखिक (अमा इंट्रेट देव) दिया (क्षि) लगा विषः भवः (लगा त्म विवादं)

इस) बर्मान किं (के लिंग सिलंह कि) । ल्या (महत्) माडा (साम कान्या) जाट्य (म्ब्रास्त्र डेट्लल) अवावार्येड विकाद-का नीत जारीडामार्ड) ह (क्रीर) जागड (जायात) लेडिका लड़ान (लेक्सेन डेलडान) वहन (बहन 24) 1 8011 कर्म (क्ट्रान वारकर समज्ञा रहेमा) अविनुष्टी उत्तरम् वारकर समज्ञा रहेमा) सामया (वर्णमा) महकारत) द्वार (भाराकामपत. में वक्) महन (काल्यन वो में ग्रेशन नकान-करिया) भार्य ((अभि!) हुर्ने (अवन) ममाउके दिल्की देश अगर (देवे देवे मान 2/2012 (MA) 11 8011 (जन के ना कि हाना) विहानिय (अप्लानिय) ना अरह भी र्व (कालर्भी व भाग) व जा प्रमा भी (कालिया-आस (म्या) जा (मी काक्षा) जा आए (कालिया-अहित्व) ब्रिशिट: (बारकड़) म्यः (बाववाव) आन्त त्रवासन् (अम्मिक्टि व्यामान्त प्रमात)

स्वः (र्वशाप) निकास विभावते (विश्वाप्तिका इद्रेडि नामान्त्र) म ६ अ। () जिल्ला अने (ने असर्गरे) जनमना जिल्ला (भएमाहिक कर्णातमा का जारा छका) मधी मार्वा मु (इंडिय कि रिरामी अभी) दूसा व दाक्या : (अरदूसा-दरमान) अभित हवंत्र अव (अ) हवंते करान) क्रियर (क्रियर काव्याहिलन)। छट। कि इ. में (चंद्र अपल) व उरह: के हिरान्। (कार्याकर टिन् हैं वा सम्मना पाट कर्त्वता) इतं (म्राना) मार (काम) लयमार (बदसमा) अनमार (जना र्रेख के पाटकेप (मात्याभाव कार्याहितान); लाय (लिक्सेन) मैं संबंद (मैंसर्ग) तर्द में साद लाहा मीं विका (छात्रान काल प्रत्मक्क की ज वसन मर्भन क विमा न आक्षिक १ (प्रक्लमा कू न हिए) रेपन देनाह (यस व बार्च माहिस्त ने। ६७॥ (B) on in 19 min 15 min 12 min 1) Ca (carend) मर्भी (मर्भी) यह विकिति (भारत क्षावंत क्षिणाह) क्र करक- प्रवर्ष (मानिक भूवति न नाम कार्ड भूक) अडर (अरे) वसनर (नक्षि) भागर (मक्षाकरत)

रेंग श्रीमान रेंग है है तह सिंद (केश किन है रें Althor mys wit of 51 mile: male: (Sin ; इस दल्द सन्तालां कमा । किम्प्रस्थाः (अक्र नर्भकाष्य) अभा: (अर्थ क्यी ना भार) रेपर यो नाम तर ल की दिश्व हैं के बंब का हें प ' खारा मक्रों. 77 TIP @ 811 CC विलाजा (विलाजा) उप्वह्मिकिउदी: (म्यूनाप नारका हिए हैं किया उने मा) हम मु की। (हकन. (नर्व) मभा : (मनी ।) इति (वन् : महत्व) भीव-वसम् वीकार विलेख वक्ष विवीकारे वृह्य के द्वा वहर to Vala ilean labora of the fact of the 12 for / sister day on the month of a different किर्ी (राम । इस छ।) व्यर धन्त्र ह मूल मिलडी (232 NG JESUN WW(22) | CAN)

Characa des sign he maranera des रेक ! अरमन्त्राणकारका वार्यक्तानकके वाच-म् वामान विकास मान्य प्रमान करित लाया बंद क्लार्स [अभीव] काक्ष्यवर्ष का कि बाल विश्वामक द्रवसम्) वस्त्रामः (द्राद्रान) वेष्ट (नवं) नामार् कमार् कार्य (मी न मारिड) भी जी कुछ (भीए कार्यमा सत्त ११ १०८३ ; [कार्यन कार्यात]) रूठ: (क्वी एड) अस्त्र मार्ड (विस्त्र हिस नरे य गुरं वात) अस्ति (अटमार) कॅक (स (जामान *13 (0 (2 7) (x11 0 011 प्रमान प्रभीमन रे) अविद्यारण: (मिक्स-मिक्स- मृत्र इरेए) वावं वा: (अवव) अभायम् अवं : (अप्रीय अविव) श्या: (अश्री खी ग्री न) धारिक ् जाय (अश्रीभ) धालमः (धालवर्ष्ट्रीवंदान) ॥ ६१॥ क्षी दान्य : कार्न (दान्य के । मान त्वदी - मनी अवः स्या त्या विश्व विकत् अभित्र व कार्य । भागान

ट्य नहीं (किल्लिस में नहीं नी गर्म) महीम मार्ग: (MCHMIK) MADO: (NEWLA) OF: (MENTILA) कार्माध्यम)॥ एक। कि लग (क्लिक्स) न ना भी मा (मू मनी व्यापाना) द्वार (आद्वाला अय प्रवक्त) " म्यार (मात्राकर्ष) लास (सर्वेशतिक) स्थामकर (यामक) मानमान-हियार (मामाधानेसम विहिन) धारमतर्थेर हिल्म धामत विश्वीम् (डेलायमान कांद्रेलन) । रक्षा У [जिल्ला मा नामिका (मानी नामिका), कर कडावाड: (भूवर् नाज र्रे () लन्न - क्रूय - मुबक - अहम ९ रेव (लन्न उ लू श्री सवक वा लिव नाम) , अम भी-जन्यः (निल मशीन दार रहेर्ड) अपमेर मखनेम्र (मगान्त - अममी अवकाटन) लाड्य न मिर्ने (लाल्डा वे-त्रमूर) धावणान् भे ९ (मूल्यू कार्ने भाष्टितात)॥ ७०॥ अ जावन (जसने) अश्च का नकं नका लाइ विकि का उ रशंबणी- माहमी) नंखकमा किल्लाने क (उत्तर- ० प्रमा हन) प्रामार्थि दुलासार (इस. म्ब्र धारमर प्रकि) (स्वारी है देन करें : (मिलिसि नेवाबी न निकरि डेलाईड वन त्मन)। एउ।।

क्रियह ने निया निया का कि अक्ष है में आवे कर ने विद्या में या भारत मार्थ हैं एवं बार्व की मु व का का का का ह्मा के कर्म का नियम समय में में दिया (व्या माराम मार्गिता मारा । अम्माम - वाहर-कार्टका जा का मार ने विश्वास कार कार कार कार क-क्राडिन विकास कारी) अप लाग् (निका पडनाका) लार्ड्साक्टे (स्थिक्त कार्ड्स) व कंतरार (करेसेतर-(किंद्रा- (क्रा र मी किंदिक्सर किए (द्वा मार्क) र्वेश (क्रा न न -स्टिक) लारती ६ (स्वर्णक) इ मका ए लाका में का (बिशा अनिश्चान कार्नेशा), प्रामीपण निर्मान्यानार भ वृ तेयः (दाप्री कर्ष अम्ड भूग्रेयम् ह्यार्ष ब्रियान्य व वर्षियां) ब के व यर अध्यत्तास्य (मूत्र अभागत कार्यमाहितात)। ७२, ७७॥ अ [अवक्षेक] अप (1912) अपरी ज्या में अपरे १ (करंगमा व समहत्र) ट्या केर (मास्म प्रक्र) वा छात्र एडर (वलक मारीय म क र्क अवड) मान-टमामा६ (भाषटमामा) यात्रः (वस) मंत्राद्वा (अविधार किया) अहः प्रमुखे: (जनम्)

माठ के दृह : के दृह : भे वन क समामें मुम्मा) यहां था मान (हल् कि का मान का छ) त्राम हम्मी १ (अपन दर्गादरक) धारत्रात असम कान (यम) म ७८ म VO [आवार] (अवत (टमवारिकार्स) नियूना: (थाडक) माइलाम: (माइलियम्) सार्क (प्रव्रेस) दुमानंत्र-कन् : (बिविध डिलक्ने राष्ठ लरेमां), जन (के मान त्यादि हे अरत) ही न दिना लिखिए दिना न उन्नाक्ष), काक्ष्मसम-मृष्णील (क्रासम मूरम प्रम आप्रत) बिनिविद्यार (डेलाविद्या) जार (अश्रिकारक) भावत्र : (ह्यू मिक् २३ ए० तकन कार्य प्रिंति ।। ७०॥ अ [धारहत] सर्तावर्गा लक्ष- कमा सर्काव कारित (किस्मित के कि के न किया, अस क क नाम- प्रकार्त उ क्ला प्रकार मिन्ते। प्रमान निमित्री मार्मी (भूभक्षा ७ जान मी- महूमी) मान जा जात (मानिक. 2412 i) MUCO (2 Min golze 55 (44) 11991 त्रीलक (नड़ भाषक क्षाहर) त्यमंत (म्युक्ड मार्ड) लामा : (मीकाकार) माला दा ख्या में कार्य (भाडाया : ठेळान था ममू (१) गावामन्त्र-

प्रदेश: लाक्टर (याचार्य द्वा स्थाय में के मिक मार्क नील: (मिका, मुगान उ मुन्निका) द्रम् ह्यः (द्रम्य स्य भग्रहाना) दृष्यद्रमा सम्मतः अमिट (अर्थ माम्बर कर्माक्त कर्म्सिक)। ७१॥ (लाइक उ मकामान्यक जासम्भी हारा) क जन्म: (नाग्रां वाव) करात् मर्क्टर (क ल- मर्काव मिर्क) AN Kayas JEgsto agange So John, a file her praje (an (mas) दे कर मार्न (डेक्ट्रन) अलगने ह (अलं म सूत्रक) ही या के का साथ म से वर्ष (में क्रिय में हा का साथ म eren) or one prem (en quarantes) अभाग मामामळें (हमा कार्य मार् ट्या)। ११। यसलक- लांचे बाम्येक- के हि त्यान मर्हित वर्षः किस्स (कुस मसूर । मृत ने अपूक उस्वामिन व्यवाल) आठक्स मिरकाउ विश्व : (सूर्य -सिशिव मिरी मर्देश माना अर न प्रकृत कारान द्वाया माना) येता (स्मार्क भडेकार्क) खार

(जीनमाटक) कराइ मममांड (वर्षा समान to the man in con DO [प्यानिक] अन्या : (जारान मर्थामार) मूर्-र हीत दहता: (भूटक्प सम भूका न स बाना) जकार कारात (डाराय काममूत्र) भव्यामा (म्यामः कु (अ क्राक्त करने या) किलान (क्राना मानकुर, विश्वास (एक माराम्य का नावणू ममूत्र अवकार्त. लू रिक) अश्रीर (असी सी स्वेश्तर) अञ्चर् ल हारी में - या मं (त्यां का अपन) आई बाल माड (आईबेरन कराये किए लान) ॥ 9011 a) क्रिय (क्टिक्स्य) क्रायं (हका: लायराद्य: (काम. टिकी समूद दांब हाव कावा) जाक ने वाकी द्वेष (त्योवत न्थी ता त्यक्त प्रावक्ष कत्य त्रिक्षे मभा : (मधीनारेड) ह्यारे व्यक्तिमाण (धानकानं-अभिटमाहिए त्यदिकार) धामकार (श्रमासका) जार् (अन्ति) अ छाट्याहि छ वसे : (अडाठ-कात्यतं द्रेलतास्य हिंतन्त्रसदिवाता) विहेत्रतासात्रः विष्यु मान्यू राजन ।। १२॥ 1) प्रिमहत्] नामिष (नामिष) र्स-र्य-भाने छ ह -

ममभीर / ई लग मिल्याम एक ल ममभीकृष्ण) लास्त्राः। सिल्ये केल्या कार्ये (आसे सिल्ये केल्ये केल्ये टक्स सामिटक । यास माग्रा- सर्तप्रिय नामास-हिस्ती काल) लान्यानिक क्रिक्री क्रिकेट करिया) न विराष्ट्रा तक मुख्य आवि (विविध मुख्यीमा याम विद्विष्) ई र्व वर् ल [दिर्] वर् न भूरका मूलांव क भित्र क्षेत्र क्षेत्र । जममद (मिन्न) है दिन प्रमान कर भित्र क्षेत्र क्षेत्र । अपने कर् (हुडाक्रोनिति) विम्नम् (विम्नम्पर्वक), टिंग म म म म म न दिल दिल दिल दिल म कविया) न मानि हम् श्राहिण-म्बनि कारा छाना-न्टिन्म् १ वह कहा क्रम-वन हम्बी नाम् द्वार (अ उ दिए टम क्ये आहिए खरी हरें में प्र-कार्य बक्तवर देख्या अहे मून मूक देख्य हमरी-नभारीम् कारन) त्वरी व्यक्ष (त्वरी व्यम करियों कित्यम) 11 9 27 9011

08 वतः (अपिडन) १९ चा (१९ चार्रियास) सन्त) मेरत (भीरविश्वकारम्) वेशार् (अति मानारक) उपार्क्क्रिक-कल्य महा आपात वीटमां सांचे (प्रकार अवाताक ने-कालि वाराक्षा व क्षान्य व पह की म न टक्ष के वार न-खाटम) अभागाकिक बक्त भट्ट सबी मुल्याह एउ। बी-हमारकाकाकाण-भूकि प्रामिष्ठ- लयमची (अर्थाहर बकर्म अहेबाहिल अळ्यूगमधामा बाह जारम विद्वाबिक टकारी यूनात्म ध्यावका क्रिक अ अर्थ. छारम स्विध), ज्यापीकाह (यपरम् भाग के कत्र) े त्यला है बंग मोठ (त्यला है बं-माधक) पूर्वा (यत्रत) अर्थ वा अयर (भाव कात कवारे मारे त्यत)॥ 98॥ QC जिल्ला जिल की ना की न निर्देश (प्रिक्श पर) लियक वं व्राह्व- स्म- भक्षवन्छ - भड़े ह बद्या हमा हार (मून छात्म विविध वष्ट्र मिन अ अपन कारम अकर्म भट्टेश्वकावाम्राउव भिर्ट]) मूर्मसूना-किए-कि भी कार (प्रवर्भ नावक कि कि भी भागा-प्रदेशक) काक्षीर (१ न्या प्रमे) सर्वायमे १ (विनाष्ट्र कार्ने कार्ने प्राचित्र)॥११०॥

(इत्यूनन ७ नक: ५ (न) कर्न् अध्य-कानीन-अक्षात्राञ्चल हत्तः (कर्ष्य, धार्यक द्र्या वा व्य मिल्ड हर्मन) असामिष्ड (हमसम कार्या) लय (ल्याहर) या (छित्र) हास (प्रमाद्दिस) व्यान्त्री त्या का का प्रत्या वर्षे कस्री-भनवनी-प्रमूपमे आहिण् (कस्रीविहिज मयन्न परिमां ब्राना लगाडिं), धर्मः (धरमाडाल) लिए: कि वि द्या नि समन् म न न न न कि दी न मर्ड हमर्निहिं हम द्यापाया) हिंद (मिनेगार्ड [245]) कार्टा: (मर्म) जी मड विस् एक व व्यर (हक्ताविक-अवाधिक) भीमस्ट्रभाषिक् (त्रीवतुटन्त्रमीयक), काम्यमाडिकात्र (काम-घर्तमाल भाषिक), जिल्ह भाषा मिण्ड भाषा : Q पक्ट शक (त्रामा । मुमें न ल के यम (दिस्स बहरा कवियों दिल्ल)। १७० ११। विभ १९ अप (१९ चर्रामासी मण)) वर हे ह दर्ग : २०६. (द्रायां प्रमेग प्रमं सामे हाल) कर्ता.

(कर्ष्यामा) में का अक्षि (प्राप्त कर्षा - क्षित्र) 11 वर ।। वर प्राप्त (हिन्द कर्षां ।। वर ।। वर प्राप्त (हिन्द कर्षां ।। वर ।। वर

विक्री विवकास अपात क्षितिल लाके व सरमाहर वे का रवलम्ब ७ ६ व्या दमा भाग विस्त (यदन २मं किया: (कन्न) जिस्मान र्याय-निवंष्ठ कर्म (अन्तान क्ष्यूमनक्ष वन् कन् मक्षानगररजूरे किस्तीन रहेमा अर्थाप नी ना ना न त्य में गर्य मकायप्री बंद विक्रिश के प्राथ रड yald and equ u manin) 148 26 24-(अत्त CMC) (यत्ते में में में ममस्य स्थार (अदाना-(सर्भाहित व्याम नय अन्य उ हत्या पामकार्य) याहिक - अस - क्रु - क्रु - क्रु न्या (म्यू मिश्राहिक, रात, रूड नामक धार्य भीर धनु:) नार्वड (सार्थमा दिमाट्न) ॥ १० ॥ कि लगारम सम्बित्य (नक्ष्यमाल उरेव्यक्त्र अर्टिंश विकिया) भाकारकारिं (भाकारमाला)

ट्रेन केन (त्यम् अ डेमम ड प्रहाहराय ्राक्षाम् क (वं त त्यरे वं वा) हिन्मिक निक-बिहिन न प - मुक्ताहणात्क पूक्त-त्वामी (हिना-कर्वन विभाष्ठ , विविध विचिन्तेष्ठ-शाहित उ भूका-र्भाकि समायक व बक्त अनिर्मित (का भी व्यक्ति अ या प्रति कार्याहिय) । ६० ॥ अ या प्रति कार्याहिय) । ६० ॥ अ या प्रति कार्याहिय) । ६० ॥ (प्रमा (प्राप्त) नमं (पनी (नमं दर्म) अपटाम : / शिश्किन् कर्यभात) प्रभान् न भूष्य विवाद म्यर (इस मीलक्षामम केस जै कर्म माना लाम कार्य म् (भगाडिण मिरे)) टामेर्बिकाम दल-मधुमानाभ-अतु (त्र्वेशम् जात्र अवश्राम् अम्रकितिकाकाटम् मिर्वि बिल मा) कुले महिरो दे क्षित् कर -(कार्काट्ट (लग्नाम न्यंत्रेक मेन अद्वी में भड़ (शहे के व्रिं) त्यम्पर (अप्नेम्पर) भेष पुरिष्टि अमें कि विक्र हैं (मंद्रे भी में स्थिमिय) करात्रेशिहिलन)॥ ७ ॥ b) हिना ([wo: अर] मभी हिना) जमा: मूल्या: (अल्बी जी बाद्यां) किटा: (क्ष्र हर्ते हे अर्थ

(अर्थिष्ट (भ) वकाकने माने गिष्ठ - मूल मी नामम म त्यंत्र (सकी छाटल दी बक् ७ मूर्य कार क्रिमेश्वः मून म म क्ष निर्मित्रे), सो किना में कुणात (आह जाता मुका-रालियार वार्ड), मुका प्राधी लय-क्या प्रका-वाम म (अ अ जारम मु जा मू अ म म म म म । (मा जि) त्यामा मा सार्य के हिट्ड (निक्ट] न त्या पेड में त्र्य मार् म ला श्वा), तिरम (भ्या वाहिन) हाक हनी-न्यात्क (मूलवं ह्यालाकाव्यं) भूट्याक (आविक करिया हिल्म) 11 फ 211 कि मनात्म (अम वालिव ध्यमाता) माने विषे: (ध्यामूछ) द्यान: प्रत्नाल १ रेव (यमन ट्यंस ल मरभन ट्लाफ पिष्ठानं कर्त र प्रमण क्षेत्राः (स्रोगंसानं) काहित हिन्क प्रार्थ (व्यान्त हिन्क दमाल) म्प्रमाना वानिष कर्न विभागा निर्मिष् : (वस्ताहर अपनाकारियान्ती जीविभाभानं इस-वाछि) सम्मायपायमाः (नवीत कम्बी-विन्तु) च्या य (अ महत्त्व) (आह मर हका हि (लाडा विष्ठाव भूवक विवास कावेट -国用)11 6011

P8 minamil: (HEMREN Miller in) Som Bimar-स्वस् यामा सर्का मन्द्रिमारा अष्ट्र मानाय स्तिम्त जारक मुकास्तिरि) नतात्र / वत्रिमम (कार छ। या न्त काम ना हिल के पर / bri व हेरा [७२का न] अकामा पर्वे (अकलभी न हक्षाना पक कि निर्वेद्यास् (म्था ब्रायन) भ इर् (अक्) सम्बीक्ष्यर् (सम्बीक्ष्यित ताम्यु कल (क) तितिला (छिन्छान् किन्गिष्टिल)। ए ४१ AC My (लाय क्षेत्र) आ (खिला आ) वर्ष हें के वि व्याची व (जी वाकाय मृद्धिया ह (का वीटक) कुकारत- वूर्य-मिर्म ना मिएक का छुड़ा हम्मा जिन न मार् भी कड़ (कीक्टिन मुगम् अ क्कर्र म निर्मान शूर्त हत्यम का हिन्न भार कार्ने वार के के आजिमन मामभा-में ए स्म् श्रेमा) त्रिका:-मानिके सक्षेत्र-द्वमम् (बुरिक्व विस्टरं भाग प्या रात सत्यकेष का लक्षित्य द्वमाम्बाह्य) लाखिकार दिद ([जित्राव] ला डावियेत कार्बमा हिलत)॥ ज्या िल्लिक्ट] विलाम (विलाम) मूक्ष्रं काम्मा: लम्मा: क्रिय (आहमा की बादी न) रावि-कब् - प्याहरू-

मि [हर्का (म] कमा: (क्षी वार्षा व) हे ल करे कूल ए (करे कू एल व मही (म) ७ मा ६७: (क्षी व का मा -म मून मर्था: (श्वक मूक रेक्ष मी महाने-म् म् महिंठ उ मिंगु हार्ल का के ला मा मून), उने यहा-म् मूर्त मर्था: (श्वक मूक रेक्ष मी महाने-म्म् महिंठ उ मिंगु हार्ल का के माहिन रूम) मान (ला हा ला में माहिन)। ५ १०

प्रिमहन] ७ मा (बिलामा) क्रापि (बिलियर्ग) बक: अस्ति) धाउना धाउना (धार्थ) भूवते-टलानी पूलविश्वा टलानू प्रस्न भान-टलानी- लिचिछ:

(मूर्त छारिका ५ त्यं व जात बात्न हे व्या रे व्याचित्रात. मम् छ रिकाव मित्रियमम् क मिर्ने) मुम्भापका-बार्स छ। बार छ। (कार्ट मूका युक्त वाकिषाना अम्बन टला हताहर : (६ लाहते-तायक) दात : (दात) मारभावि (दिन्ह कार्यमाहत्वन) ॥ ६६॥ M तर्यत] मा (शिष्ठ) वर्षिता (या या या या वकः भ् (त) वता व - हा त्या वता न वा वा न - भू वर्ग टाम भी -प्राम् वा द वार्त : (महा महार इ न मामानी ह मना ह . रापूर् लग्ने अस्पूर्त से बिष्ट के शिका सर्वे द्वा सार्व आयेव) में क्या क्या प्रमा : (में क्या व क्या म-म् ट्याल (मेर्सिन्ने करारेमारित्तर)॥ ५०॥ टमानी - नि सिंछ : (शर्बेड शर्बेड विमूर्यक्रीनेयू लास क प्राप्त भूवत-तिर्वि धार्मन की वी क्र्या उर्देश-स्मित्राम अर्थूक), विधि मुकावनी - हिन -अम्यः (विश्वि मुक्तवालिव माम्पूर्व छह) जम्माः (व्याचाम) समरमं (बक्रः भ्राम) समाका (त्यान अपरेगार्ट्स ।। २०॥

विशेष (क्षित्र का), माटम निसील (मामन्य मिला) मद्रम् मान्य द्राचन (अक्सरं न्यानिय व्यान-केर मुक्ति में से के वर्ष में प्राप्त (सिक्क) श्र करेग्ड माजार किला कर्ण में वर्गात माना मान कार्नाहरान्य, निर्देशमा) ७ अर वर (अर्डिका: आकार दाल वक्षी १११ (वास-लक्षाहर ना स वित श्रेमाहत वर्म वो क अंग रचार (कि अंग्रां) व के ति (चा का का कं करटन) में टमाज (म्यास कार्क मार्क टायम) 11 9>11 भी अंचला बाब भी - बसी। (नम्म क्रिक्स भाग र्षेषु रेड्य डाक्ष हाना चल्यान विक्टी) मधानंक-विक्षित (१८३५ भनं सक् मार्शनं लयके नकारणी- एगारे की (त्जार क्रांतजी बंधपुन पान न का च यार्ति सक ठान) ० भी : (न्याना नान) क्षत्र (क्ष्माकामटक) लास द्रांट (लामके. कार्य गार्थ ।। गर।। कि [विश्व के] अभी: (नी का का के) का कि (कि अ: म्रू (न) विमाभी भाक्षिण (विभागाकर्ण विग्रेष्ठ), कतक्याहिज वर्षः (भूचन्याहिज शीख्क कालिशाका)

विश्व हैं (विश्व) अप्रश्तिः हिन्द्रान्ति प्रमान के नान के कि नाम के कि नाम

श्री हमा (बरकार) का महा : (क्वी ना का के के के कि का कि के का के कि का कि का कि का कि कि

सिहिल (विकाल) अपेल (तिनामे मेरे) कर्मना (ह मना अने या वर्गा) (आ मा प्र के के के (Oudely-Cary व दिश्या कार्य मा आमा (5%) 11 0811 90) an (00:42) yanni (2mm) Edin: (निश्च मन्] स्टब्र में) ज्या में अक्षाम्य अहे-का दिना- वर्ष छ-मन त्र वन कारण । भीटिय प्रमुक्त भी छिलाती नव बन्न भाराशा के प्रार्थ के देराम (भूवर्ग मिर्छ), शब्वम्पामाप (निर् निक्षित भी विरायक (कर्यम भन) मुकारी-क्रात्र (आईश्रात कवार्यार्टिलय)॥ १६॥ भेश ज्या (जरकाट्य) मामिकमा (मामकार्क) जमा: (नी का का व) कला विभू तम (भी काम कार्या-(५८०) भारताति (विम्ह) कारह भीत्रवसमानि (शटल श्रु रे अमीनक्रिमेश बन्धांकि) भू ना का ना बिमा सम्मित सका - प्रश्विषे - दूर्ण-मरेनी- जाउ० अंगानि (अ भूरिण तक अभ्यान र रेडि अपरेट सर्मानांत मिलिक मेपाय हिंतर देलाई अप भारति ले मंत्र कार्श्वयं कर्रग्रं) विद्यु (स्पर्य अपर्विष्य)॥ भूत्रत

सिक्ते (त्या का काइकार में) एडका ११ ० मा। (वायाक्षं) मः (अर्) वस्मावान-प्रात्रियम : (वनम् नामि) भूक्तवती भाष्ठि-डाइक-कडीपाल्याई (में अधिमाष्ट्र में नर् केसप्-म् मन भाग) प्रव्याखिक: (भामे त्याखिक दर्मा), विशा विशेष: (छ विष्य मिन्न भार्ष) विभिन्न-जिक्रम्म ना जार (विति अर्थ प्रक्रम प्रतिन भाग्रत्त्र हे क्रिंडिकिंगः इस (रें दें भीतं भीतं) प्रकंड दकाङ (लाइ अंत त्यात राव १ अवंता -屋州)11 か911 भी विश्वाः (विद्वाल विश्वान) भार्ष्यक विश्वा (भार-बक्त वक्षती) देशकुन्मितिकानिमाछ्य (प्रवी-मिर्छि डेळ्वम भाषाम-त्रमूरकां अम्बु । भमन्न-भड़े मुतकाय नाष्ट्री (नयुधान भड़े छाळ्ड भार्ष मितिष मिट्री) अत्यक विष्यती नामिष्य तुवा (भकी जारम विविधि वं प्रकारिक प्रमाखिए प्रमुक्त र्यथा) नमाम (ल्ला डा अपरे मारिम) ॥ केठ ॥ क्रियोत र [विदेशाल] म्हिना में के क्षेत्र के मिन (धार्म निकास कि निकास किया किया निकास

भूजी [वरबाटा] लाया: (न्युरंग्यांव) श्रुक्तप्राचार्विता (असामाक्ष), नातान्य पूर्ण कन्यिन (अरि) विविध न्ष्रम्यम् भी छित्रमाविष) धनूनि-यून्त (क्लंदी य नारि) विलक्ष-अम् अमेरी बाले (विलक्षत सर्वत्वाविक्ता (आडा मार्माहित)। २०। १०० जिसकार] दिलाम (दिलाम) विवासवामान्त्रेकार (जिसे माम अम्मार्य वे अविकास) हरेन-हरेक-मार्थ (हक्षत हरेक अभी न मार्थ नय ने के), कर्म-ल्याः अविश्विचित्रवित्र्मी- राशिमा तर्रिवार (श्रीम कार्य मार्थ कार्य कर्य कर्य में प्रमा व व कि का अ रवसी मार्पन काकरी कारी), करक-आहिए-मात्रा कृष्ठा नार्छाहित्ये (विवर्] सूर्वीकाहित विविधः (रे ने कर्विष्णिक्तिम)।। २००॥ कि [लग्र के] लग्न (श्रिमान्स) व्हलता: (म्याक्सक (भन्न मार्क के सर्व भारति कर दर्भाती - कार्या में भारती । त्यालकम्म प्रमान) ने देव टमा में देव देव

(इंड टम मंदु-गामक में अंगुड़में) गटरा (१८०)श्र कांग्रिय देश) लातः (कार्यन की हमानी द्रेगाहित)। २०२० 20 [- वह सम] कम्मः (न्य ना क्ष के) लखाने सूचि (लक्षाने मुन प्रमूट) मू रमनी- धारिकानि (मू टमनीमानी मार्काकर्क विग्रह) व्यावती-क्याहि-कव्यक्तिति (विविधः व्यावकाति । विविधः विश्वावकाति । विविधः विश्वावकाति न छ। कि (जिन्न को लाम विकाल व विमायकारी), माध्ये भीमाति त्वलः (भाषाणं वी यक साह CMI & MIS MIEM) 11 20511 भाष्ट्रेश (अन्त्र के) त्यां वा विश्व विषय । (अभूत क्राय -मूली) विभाशा (विभाशा) अव्विधि वित्याहतामाः (कमल (लाहता) धामा : श्वमणा: (निस् मणी व्योगियान) कदाविद्य (कवकमात्र), प्रामाह्यः वर्षमा (सप्तासन्यान्त्रान्त्र) प्रत्या (पर्वादिक्क) डियान (अठ:काटन) डेलफ्ड (डेलप्रायमाल अपन नी मान् विसर् (मी मिन मारि) नार्पार (धार्मी काविएतत ।। 20 ७।। 708 जमा अस (जर्कार्स) मम्भाष्टिका (भभएमिक-कर्षका ने नाविष्यभाषा (मानिष-मानिती)

न्या मान कर्ण है जिस्सा अर्थ मित्रकी नाम म्बिलि मा अवाद्यात्र (मर्वात कड़ार्या किरान ॥ 20811 या (िलमक्त] न्ध्रामा) में केंद्र (त्व्रमं लाका दिस) आलिति। स्टर् (आलि विश्वित) यर वर्ष (तिल-८५२८क) इक राम के व का हिल के ल टबसर (मी र कि से मनंम-भ्यालन डेर्मर्कितक सम ७ तम्भ) धावतान्ड (मन्त कर्निया) क काममाउठक्रम धाम (बीक एक प (त्ताइड) वक्षण्यामार (में सक्षी क्षण्यामार क्षण्यामार (में स्था कर्म करम् करम् । विलिश्चानः (त्यमह्या) काडाव त्याक नकतः (श्विमक एस विक्रिया है ये दे अर्थक इसे) 1120611 कीरहेण्य अपन्य विश्व प्रमेश क्षा का स्थान का स् (क्रिक्ट) दे अत्या का के मा दिन मा के कि का कि का

डेलन यम्

I cutarance (cutoral xyradia ay 200) रिया के व अरव जनव (स्मिटके महात करिय) Силь अर्थ (Сим अлен ना मी मिला स्त) QU (Canadaur 21. के थर (१ रंग वं तिला सन् ने निर्मा शिक सो के यर ठंड मा) असीत् गुर कतात् (गुरामुख सकत (मकत्क) प्रार (अक्ष वालिणाहित्यम्)।। >।। र्मिष्ट पाल (भाषे ७) ए (भरे) ग्रह्माः (ग्राद्व कालिमो) ७९ (अस्मानाकू माः (क्रिकास्य प्र अभि वस्यः आकृत दर्या) निक्न निक्रक स्ती एम कर्वनि (तिम-तिष-कर्वन्यकाट्य) मुझाहिछा: [अडावण्द्रे] नामहिल हिलात), जद प्राम (जमाल) मूलमप्राहतम्य जीम्स व्य-म्राजि-या : (भूम वार्य में अ वार्व अवार्व हि एवं का ह तक त्र े जिस मा (ब त्र मर्ग) ए । म (उन्सादिन) अधादादिनी क्यी विवस व कारम त्रों बाक्य ([लयडेंक]चक्क्रक्षे) राष्ट्र : (राष्ट्राक्षेत्र प्रमुख्ये प्रमुख्ये) अधार्यं (लाजायम्बर्क) यमान (गाल्य) ? som (admuy; [[Col Mai])

(व्रुवाक्षिका⁴४७)? अंग्रस: (या चार्तिच म्यूट) इ. मेर्डिश्रीर्था इ. टेंट आड इ. क्विर (ज्युज्ञ आक्राक्रमान) वें बंद्यर्ट (स (ल्यासा) यदम: (यदम) स: (च्या किन्छ) काकृत: क्यानाप (अक्षांत व्यक्षिम उद्गा) लिया (नमन्त्र) अरमाकार (निम-त्मक रहेत) मारमकार्व (अकार कर करने व)।। ।।। 80 COLD IL JULIA (MICE & MAILE) MIEN: (रिचिर्य लाक) व्यूमानि (सून) व्यूक्स-विपन-कत-दत्ताति (व्यक्ष, मार्यत्र कत्रव), वार्यक् (लामा) । अनुसास: (आन्न सामक्यारं) है नार (लस सना) में किया - यार्म - यार्म -स्ति- लीन कर (करी, रावना, भाव हे क व्यंत्र व्यक्त विया) की ग्रावः (धर क्रीवं) विका-विश्वं- विभाज् (जिडिली, बिर्, विभाज अर्थाष पाकारीते नमार्वे (क्षेत्र) , म्राये वरिका : (पार्व त्यायम वरिका प्राप्त वडी समूत्र), (मेक्षवर (त्रिक्रवलक्षे) ,त्रीविस्त्रः (त्राविक्रत्वलात्र) क्रियर (ज्य) प्रार्मिहर (पार्मिहर) भूठ पिक व्या भिना प्रवासनाः ह (भूठ, पिक, पिक,

*[016] = 3/ 1/2 = 50 11 00 4 [-146]) 7010; (MID: SLOT - SECTION (ACH SICH) OLINIA (our x 25 (0 (1/10)) nd a h my on: (अ से से प्र (प्रमेश (त्या में सा) सार्वा (त्यां प कार्याट्य), ७९ -१७९६ सर्व (७९४२ भिल्या द्राक तिस्ताः (स्वायक न्यन्ति स्वाप्ति ।। १९ दि॥ ्रिक्षेत्र) था: (राश्वाम) एडते अरत् में (मिल्ए. कार् सम्दर) महनाः लामम (महन महत इरे में हि (लंग ; [जिंछ: लंग]) ट्रिय का कू समाम भा (त्र्यविश्व हिल्म) भा (ब्राष्ट्रियो) त्वार्यनोट् श्चार्य मार्थक) लाउँ ने लाउँ (लाउँ मा में दक नित्यत ।। ७।। में नाम ट्यार्ट्स (काम भाम ट्यार्ट्स) लाह दक्ष (ज्यान हक्ष्म) अबता : (बलवान) बाता : (बरन्द -अरे) मार्य (का (मार्य का) मुम्ता (कार्छ-(क) (अमान अधिक शता के क (क) भी (क) (क) (aug min of siller & (4) 11 611

मि (म (कास्मन) टमत्य (मृत्य) कि लामा: पामा: ((लाभावतकारी कड वामर्) न भारे (तम वार माट्ट हे लगान (कमान) देश लासू (डेराना प्रेवन) मान्टिर am (र्वास्तेमाख्य) (या रेका हम माव: (एमा संस्प् असम करतं न [जामि] किं करनामि (क्री कार्व) है। 6-11 मेरिया बर्टाम (बर्म बनाम क मेरिक) मेम्बिये?-इसने नरे मा भाषा : (पूर्णा अवर्ता विहर्त उ र्क्टिकारिक आर्डिकार्ड) त्लाब्सिसर्किटी ((एमन्त किंड) व्यक्तिक कार्य) भागें (मकाम्बाल) जन्म (प्रक्रम) हे तह : (वर्षक) шमतम् धाल (एडाल्न 3) म 6 कार्ड (कर्न्स) जर (टार्स तर् जियाश हेड (सरे]) ये र (7 2154) Godio (012 min) Pasemy syly-मूजी बारने (पूर्वत छ भीने समार इसे या origina) (58 (0031:) 20150 (200: 300) ocur: (जात्रारम) देम पद्मा वर्ग (देम व ड) 500 my 250 ([-27 23 51] ALD 4 M20. 20 रसाम (त्र प्रहार्थ ! [व्याम] क्टर (प्रक्षत्र) व्यवक्षा (भाकमायामं) लमं (भराप कदं निवड़ी) माना (गात्राक) इति (वादादा द्रवास) त्याको-हिं क्या (दलाब्र प्रधा मार्च लप्र मर ला मर माण् 2年前)四至了一季16 (日南田 和日本 2012日) सामादः (त्लाबीय शर्व) विमा वर लये व (ट्राइ नार्में ट्राइ ट्राइ (डाडा) वस्त) भावम (अस्ट र्द । [लात]) मच मच (CA CA के के एवं कात) रेखेर (धारक्षादव का ड मायान भाव) जवां काहि: OUN. (OLZICH & ONO MIN & 18) 2 181 (CL 71 INTILE " [BIR]) are stall (are in sta-भद्रकार्व) ७९ २०९ (सरे मकत्र) ट्रियन 6 इक (ग्रामा अस्ट कार्य) गिरा के राज हिंदी (बल गाळी वं असल मिर्दियान प्राहर) बाभक भाषा (चीरकादिनीरमवी [जरकारन]) क्रिका (क्री जिंद अर्घ), मामीमने सूर्य क लाइ (मात्रीयान कट्टि वार्ड केट किट्री) असेटालास-अस्तिकाई (अश्विकार्व भावति) त सर्भर्मक) व सक्दी ए पटाये (आकर्ष स्था कर्मिक दिन)।। >>।।

2) [alle] cuis casay (3 colory minimize) म् (व म माहवा बहुआर (मू (म न वा महिर्दे महमा भिष्टे के प्रकृति लाज:) श्री वाक्षामयमाय (श्री कार्याल जातम् दा व भिष्टिन । बहुत्त्व न जाती ९ (हिर्छ न धार्वण अकाम कविए लाकिएलम ॥ ३३॥ में लिस से (से लिस) अम्प्यः (इसम्प्यं मैं व) किश् (क्याला) भद्दमा (त्याकामा) लाम जानकार (मस्ति कालम्या) अने मही? (अमा काविट्न) भग (अलक्षे) धार (छित्राक अक्षेत्र विश्व म ने ।। इछ। सर्वे हें लाक्षां (लर्घ हें के क्षेत्र सर्व में देश कर कार्य के कार कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य [लान्])म: (लिन) जमन्मा (अरे त्वाकी वस्) (डाक्स (डक्रने कविट्यन), म: डू (डिनिड) हिनास: एवर (हिन्दी ने इरेसन) हैनाकी (जी वा का) पूर्वामम: (पूर्वामा-अमिव मिकरे इरेट)

वेडि कानेजवंश विविधा (अक्ष वव लाड कार्या-Many of July (July) and as (Qualle) in saining (Qualle) in a wain (लाक्ष्यन कार्डाट)॥३८॥ ेरि एम (लामानं) मेंत: (मेंत्र) भिवटें लाम. (अञ्च ट्लानी ररेम ७) आयर वाल के माजा (कालमन मार्टिन हमना है हिंडू) मद (ट्यर्ड) हर-ल्या (क्षित्र कर्ड), ०० (क्ष्या क्षित्र कर्ड) माइवन न्यार्थार् (भाइकान्यार्थिय अधिक) जार् भार्य कर्त (एर्ड न्या ना मारक) ह्या (महत्) इंड (मक्ति) लाममं (यद्गा लामित्व) ॥ २ वन m अस इंतर (क्रिकास) लगा नव (केल मवाव हा बाद) म्यः (प्रकार) मार्थाए (अवाशास्क) रेप (प्रिक्सर्प) क्ष्यम् (क्ष्यम्य कार्तिक) यव (मळा द्य) न्नार् (कून नाजातक) अभागर् रेस भाष्टि (न्तितन

कार्य काल्या कार्यमाइट्यय) व्ह (व्यक्ष) स्टाव: प (त्राटवरं इ विश्व रात्र); यह (त्यत्व) रूक-श त्मा समातार (क्कान कात्म हेसक) अल द्वि व प्रचार (बेल बार्स अरते न) मिनोर् प्रविष् (प्रकेष रार्व) तवतवध्येत (तिका नुष्यतं नाम डुलन्स डमं हिलंड] लियं मक्षायं य लप ह (कार कार्य में खूनाकर बार्यमा सत्त द्रम्मा गाउडा। 19 mm (लाकुछ) के अवसी (के अवता) कि वह:-भागिताला के येत (च क्या क्या के माहिकार सम्बंद (अशिका का का अ अवीरक) अर्थ मू पत - मार्थ री ९ (कुछ (अक्कम अप्रत्य मन्या कराहेवा न निक्कि) देवका का जीव (खेव्यूका मुक्त दर्शाम) 11 २ 9 11 र्मिकः (लाक्षिक) विस्त्रमा (ब्राक्षित्व) सा (क्षियाना) में मार्गेड (यह वे माड) में दियानी लास (चिट्रियान) (द्वित कामामना) (विविधान मिन्टि) धात्रामा (अयम कार्ण) बेलक्षा: (बलक्षीन) मटफल (ट्यांबेट बार्टर) या नगा भाम (अवन कवारे (यन)॥ > 11

29) ला (मान्स्) सा (बाद्या) वय का बोबालार: ् (च (ब न्यं न) लाकार्रिका कर कर ? (लाहर म न मन Value के कार के कार है कार है के ने कि के कि के कि कि के कि प्रविक्त) नक सामा लाल (आहिला १रेटन ७)" ्मेरे स्थान : (टलो मकाशीय) मिकार (केमरम म) हिडिंग (विहास कार्म) छाट क्रम व शेष (र्मानवादक) अने गर (भी विन आर्थर) धानानी ६ (यक्ष रामिगाहित्यन) ॥ इक्षा 10 रिए तम (दे रिएम कूमित्ए!) छर्गाविम-आस्तिक. यर्ग (अर लोग्न क्र धर्मित्य सूमर्मिकाया) CA र्मंड में का (munia पर जंस वर्स) मा स्था. (माडिज्रहा), अतः । हेजारमधी ([क्यामे] ट्यानम् म हिमाटमधी धर्माद् मन्द्रा भाग -कारी विकास]) तल्लामं : म : (मलमलम मी इकल) हलतः अतू (हक्ष्म म्र कृति वाल गार्नः क्रिमार्ड महार कार्न तमारे न हम वहा वह : क्रियो मिल्ली व नवं क्या मिर्दिस वा का छ)

was (First may i Flow powers) Sizing a co [[ound] less oyena contains Es als) BR TOIL 2) [प्राय कार्य कार्य साम निय निय निष्ठ । (दिर माछ : !) करें। (बामाने) महाद क्या (महा कथार 212 6 (24) ; 18 = (214) ्लारभव्यम् तुः (बल्क मेल्लिन प्रवृत्ते) अस्वतीः अनम्बार्मः (अन काकिस्ते) भाष्ट्रमः आविडः ल्यास [ल्यालमाटक] त्यस्य समार्थाटर म [अक्स])त एक्सं: (ब्राट्स कविट्यतमा); किंद्र (वक्षण:) धामः (क्षेत्र) अप्रविधे अस्म (NUCENTE ON PROPERTY OF STATES OF THE STATES र खिय- 10 हिर्द (जाल से ल लिस कार्य-डा म ने विंगु अंभी) STATISTED CHENERA CONCO (CHIM-असी के अ सहस्र एक बाक बर्ल्स क्या हिमान-विकार ट्यामा लाजाने : रेव (मट्यामिक सूर्येव माम िविवाल कार्निएटिन]। 2711

रेड्री इ (भन्ड) जमा (इंग्लान) मार्चिट (मार्चिट) लम् दर्भ दण्ड (मिलिस क्षा उन् मूद्रेशिय स्कर्ते) हेस्र गाडि (हेस छ कार मा भाटक) द कसार भी हरें । एन (M अ मन े द्या क्षा का : (मर संस क्रमेल मनन भागम ह कार्ल दिल मनन न रमार ग्रेस्ट) मुक्ट (मन्ने वर्ष १ [कि ह]) छ ९ इस्टिश्चे का मार्ड का: (किएमार्च) हमान (धालका कार्टनम्म); धामाः (चर् अविष्टाः (आध्येश मांग्री के हाम काम (हाना क) था भारता (धारा अहरकन) द्रावाया न थएंडि (पृष्टिभाष्म अविव मार्ग), उभा (रमक्ष कारमरे) धर र रम् १ (व्याभि सम्दर्) इसाई (रूपाटक (क्यान्या) द्याक (सीअर) Co लिया नि (कामना निकेट कार्य करवें) है रहा। कि जिसन करिया क्रिया क्रिया कार्य वामि त्याने भूदि! (त रत्या) व (विषि) ट्याली (ट्याक्र मर्द्र) मार्सी आमेजा धानि (भाडित्रण माल मूमार्भिका); ज्य (स्तरेटर्ष्ट्रे) रेम्ट् (नवे) प्रब्मा (प्रव्य-हिटा) वर्ष : (वर्ष) प्रिं (लाधार मिक्टे)

कार्या (कार्य काम नाम); त्याम पूर्वः (कलन-तम्म भः मनतूरः निच (८५३ जान्यमान्य) यस (महात) असर म अन्यान (वंदात दियान मा भारतंत्र े िहास]) वर विद्युनं (ट्यर्म अई क्रमा हार्ट्य) 12 2011 78) MM (माठिकां [एएड]) वर्नेड (वर्न स्वाकाटक) र लाइम (मट्यार्यम भूतिक) समाद (मान्यम) न बिर्ट्स (CA वर्ट्स! [म्यु हि क्षि]) का नमार (निल १२ २२ ८०) तल वर्षीय प्री अर् (भी बाला करीन (तेकरे) ड्रब्स (भयतकवं ; [धावं]) ज्ञा: (दात्रात) जिन्द (जिन्दार) निकारी (प्रकारन-भूकि । धामना सर नम (नरे कुम ना वान अवर रे) हैं र (मड़न) नार (मिट्ड) हाम मा कपामरम ; [wildy]) and (and) Bri (coinia) ilg: ति सा चाका (िम्बिक्य । जानाका) इति हिना अपनी । ति से वाका (विभिन्ति वाक्त हर्द्र में भी रहा। मिलानि दिन क्रिका) काडिमाले कार्स (काडिला क्रामल. ना ड का में खिल) महश्र धार्म प्रविष् (त्मर मनतिन कानिक्यमे) अस् मनीर जार (मनी क्रमाणाक)

देशक (अक्रम नामतात्र) के रेक (अमात) तम (orrent) के के दी लाड़ (तार) अम्म बार्ड माटि ! [खिलावत : कमारी) मिमार्था हा (मार्था व व्यात मार्थ) ने महिताहरू) क् मार्थमा (क् मकर्ष) यूर् यूर् (प्राय प्रत्र) म रेशं (जमने कर्यम) 11 रवा) क्यान्य (स्पर्याम अडिया) म्म: (म्मबान) उत्तः क् जा अर्ग (काडिला पा अर अलाम काइत्न) west (जाराता) कोना (क्नान) कुर्य छ -अगिष्व (दिस अगिष्व ! [पूर्ण] कि है है कि है Clar our (en oux ser) 3 = mx & (mula) लाइग्री- लामी ([कासार] नामका बार्गाह) रेडि उद्यानिका (क्रिया कर्क] यरे काल हिर्माद्या वर्मा [किंक: अन स्माना] में बर्दाः (भू माक्ट मनी ८१) अष्टर्ट (डिल्म्थ्राश न मूटर] भूभी काबिस्तर)॥ २७॥)वा [जमम] नामिनीय अप: (नामनीय द्वि) मक्ष: धार्म (मावाद्गक्षामं क्रिके) प्रदेव्द (महत्)

we aller (a really) purity (Taylor) य भी १ (भी ने का व) व्यवस्थाः (व्यवस्थात का वे रव व)॥ 29॥ मिक्सम्मी (क्रममण) किस्ति (अभवर्षेड) अवस्त्रार ७१६ (यम् भागति व अर्ड विक्रिया र ट्रिन अरह जाम जिल्लाम धानक मिर्कान के मर्कान की रूर् हिक्स ११ (कि ट्लार्स्स) ट्रिम्स (की कि-मर्कार्स) भावे कराम (भावे राम कर्ष्य ट्र मानि (त्य मामि! किएएग) विष्ट्रादियभाग् (जिम हाति दिन) ट्यामा (अवाम करिया) प्रकामण हः (मक्षाकात अण्यक्र सूर्यक) म्नानी त्वाभन्न मा : (म्ना श्वाना की व स्टेन अव्वर्धाः (स्य या तक) टामाह: अट्टान्ट (म्य अल्च अयं-ला ७ कवा हेता व समिड्ड) धार्मियाश्चिय ना वि १ (त्रमम नामिये) क्टालक (त्रिक-त्लाक्के) गुनार्भी (लायम् न कार्यमाहित्तत); यर (चिश्वायमारा) ([(विद्यात] व अ: म् न) हे पर म अद्भार बनि हिल् (श्रू अप रश्यात कास [अट]) व्यक्षः

अर्थ (क्षिड़्श्नून) नानिन (निन्न) श्रम्भी द् निम्म मभी भी नार्तान) कि तु है मि एए दू न निष्ठि दे कि जाह ना श्र कार्ताक (मन्मभू मन क् क्षाह कि निष्ठ है। त्मान मार्चि के प्रमा जा क्या ह कि कि विक्र कि है कि दे कि जा मिला के ना कि।।

of Cont, Indianat) was it (dianat) 250 (अरे) राम्यह (नक्ष: स्व व) वत्रकात्वादिवह (काराय में में कार्या किया कर कर माट ; (वाडाय) छ ८ (स्ति) विश्व (सिन्ति) दुस्त अकारम (1 HOT 151 11 10 2) 2 4 0 311 ० रे मन ल ([धाउन] के सन का) सक्षावितः सापितः १ कमने नी टला ह्र ल ९ न ह्या कर विकासी १ छाए की छा (अविषान् ध्रेमप्रम् नान् वान् वाका द्वान आतंतर कृष्णमंत्रमीतान प्रात्म केत्र अपन कला ७ व तं व्या भारत इर ए ता समा विभाक वर् मेक्स्मिन (मर्गियद्व न म ना मिन मान म् किलाज वर्षक) जूतः (व्यत्याम) प्रवासर (काम) अवस्थादन) वा तार्ष क्षिति का भारत में 11621 (वा: आजीते (दर कत्राविति!) की द्वा: बेट्य नामान । दि ब त्यार सदि करानान । [जूति] किए (किस्ति) कुभा (कुभा) धानकं-क दिला छ न ना धार्म (धार क्वान छ करिल हक्षान ररेएड) रे रूपमताः (कूपभूषमणानं) ट्यं वतः (ट्याडिश्वतक) धटमे सर्व मूद्रतः (अर्थ

रथां) के सामार् (क्षानं कुर्दिक्ष) वैकर्षकार (बंद द्रलक्षा व सम्बद्ध आने के का के के कि कार्यास) मेरे : (मेरे राजा के का का कि का क म्भाने वित्रम्क्ति कहुने हळ्या द्रेट्टर् के स्यान (काम्पर कारता) दिवन तार सम्मित क्लिंद नी कुक हाक्रम वनक विर्धि मात्रा एक ट्लाम कर्तिमं क्राम कर्तिनाटिय , वर्त्सी काता का अख्या व्याप (डाम कवि वनमा) रिज्वा 08 [Maga] विस्मान (अवसामका) विभागा (जिलामा), कर्मभाष मन्ध-छर्- कुछन्तिरिल (अन्तेम अस्मन स्मानक अन्यमीन हमक्ष भूबर कुछत्यवं मिर्धारी विश्वतम्) कर्पचार् (मानिश्मे) जार (अ) क्रमचलीर (क्रमणात) क्रार्थ (यरे) प्रद्यां भी (मूल्यी मीम्प्रिया) क्रार्थ (यरे) प्रद्यां भी (म्यूना ७ मूटकास्ता) क्रार्थ (यरे) प्रद्यां भी (मूल्यी मीम्प्रिया)

द्रवस आह्म श्री की की की की की किए (की में में में के मार्ट , क्या हरने न्यूकी कारहार कार) अवस्था का अवस्था हेर्डिश (कार्टमान कार्याम कार्य कार्या) ? क्यान भी- एकान्याह (क्या भी कार्य का मुक (अम्ब (अम्ब) क्लंड (अम्बर माम्य) करियों = अत्यात्रात्रिकिक्त) जयवार् विकेश द्रा व क्या हातं - कार्य क ना के क इंडर के ही - हंड या हर दाल । खट्य वकता द्वेसा कार्यक हरेखा गावका क्षेत्राहमारमायामा उद्यानिया अहिक मन्त्रीमानमार किड ह असा [स्ट्री]) जात्मा हुनवावि जाविर्वाह रे मना. मार्च कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य (मार्च) इठी लास अयास- यत्तरमा दश्ची में बेशी दबंद- जिला मात्र-विमात्र यम् वृत्राणः (नरेक्त अवन वाविश्व व्हना. एअ शिया मूममूक प्राथमात्मव विमामीत्र क भीरत भाव कामरव कामरक) गाह: असर (अउहरीमार्पन माउठ) येथि जा प्रतं व्यास्त (ज्या प्रमाया व्यास प्रक के देलाई क वर्ष (यर)।। तामा

ROUTINE

DAYS	1SI PERIOD	2 NP PERIOD	3RP PERIOD	4TH PERIOD	5 TH PERIOD	6TH PERIOD	7TH PERIOD
Мом							
Tues				-	1		
WED			. 6.				
Thurs							1
FRI							
SAT			-				

ganata

EXERCISEBOOK



No 8 200 20 Pages 128

Name 200 19 Chalas
COLLEGE CLASS CHOOL No __

Subject.

Mer to some a sond and a desident of the manage of the second of the sec 25.0 09 अत्रती अवार्धित जिल्ला (अवार्धित अव अत्रती वार्वाता उ िस्तीश्रा वृद्धे आहे ी लामक (सरमेका) संकेश मारा (अक्कामा किल्लामा एकी) ७ व हैं ना भएए) ल्यामकार (धरामका किर्ी) १ अप्टर्म : अप्वारं (हन्ने कटन अनेका) जार (अनि मिता कारक) अरमार्डडार (1204- यात्रमानकावा) डेवामा (डेवावम पूर्वक) कार मिक्षाम (याक दीवर कार्या) मार्थ कार्यान (२ हर काम्मर कार्यमा); ७७: (अपड १) म्मिल ध्यम् भी (की विमनः ध्यम्मिक व पान) धामा : (उन्यान) सूम् (सूम्मवन) इतृत्व (हुव्यक विद्यादित्यत)॥ ७१।। ०० सा (कीयर यात्रा) वर्ष य मं मारा: (की बादान मंत्री-मलेन विकर् । (अर्ज करकरे) भामिना (धानिकंत मूर्वक) घराः (बीनाधान) धनाइड-उनु (निर्विश्र कुमनवार्डा) अश्रव्य (सिकामा कार्यमाहिततः (अवन) भू च मा (तिक सू व्यन) अभाग-मार्वत (ट्वाका) -अम् त्रव के स्टूनियल) ग्रम (ग्रम रहेना) भूत: (भूतराम) नजः (चीनिधानहारिक)

मास्त्री (त्यवस्मारम) कानकार्य (नामारक लामा (सम्देश ७६ ॥ १०० व्याः (त्र वर्मानार) मिल्यसाः (वर्न्यसा) मूर्व किन (तामना) अव कृति (यर अव गरिष्ठ) विवर्ध-प्रमुक्त कार्य (गाम सकाव भूमित ट्रामाड महन आर्थी न हि याद्र); उद (कि विक [कायना]) रेव (नमात) मनाद (मन् मूर्यक) मार्च डक्कारात (हेउस (लाम) इस प्रमेश) कं कं व (माप्राम कर) रिकास (ग्रायाक) (म (क्रस्मक) बढेस: (में में) मंदकाष्ट्र: क्राया (याजावणः धात्रकाष्ट्रिक र्रेल ७) अम्मूर् थाउ क्षाः (त्र भवीश्वतः) (क्षा कार्यः (त्र भवीश्वतः) (क्षा कार्यः (क्षा भवावानिक् (अभावकीलयते वस्तुक), क्लानिष् (कर कर) मार्थक (मार्श्वाचा प्रदेश) वस्ताः (कर एर) भार्षक (म् पर्मूज [यवर]) लड़ा: (कर (कर) आक्रमिके (अक्या-भंकि ((काक्ष) त्वा) 8.40 (713 24) 11 8011 8) ब्रामि शार्ष (कार्य प्राच: नी वार्ष !) प्रश् (प्राचि)

महत्र दमक्षी-अद्धार्क मान्या जिला जारी (भूग रेष टलाका दक्ष अमृत्र र भारति पाम कर्तिका मानसा) देर (अभारत) नम भूतमार धर्मिक्षेष्ठा (बीट्यार्थी) त्य भी कर्र क कर्माके) त्य व सम्बंध (अपी म आक्र में डि) माहि (असम कर्न (नवड़ी) खेता. मत् भव (डारायते भार्ष) ख्यानाष (४० मूर्वक) हिसेश्वात् (भूमपूत्र जात निर्]) डेख्यान (डेरह्डे) वा अत्रामि (बा असमम्य) वहम 8) मान (प रद्या [बाम]) लयं व काए : क्रिकेट लरे व लाजका ३) सर्वे वं (से सर्वे) लरिव ए प्रवं (जिस् काम-नासक) वरेकर् (वरेक व्यर्भाष वड़ा [निक्]) अवसम्भेर (अवस अ क्लामन) अनार कर्तृत्र किलिए (कर्तृत्रकाल-भासक आर अकात् रिक) काल बामना र (काल मार्म मान मूर्वक) भाषम् (अमुण कर) में में (किंदिने दियां मिति) क्कः प्रवकः (चिक्रिकं व्यक्ष्मे वामक केश्वराटि ! [लाई]) स्त्रेमाठ (स्तिलाक) वार्ष माटि (वास वित) काम्पर (कार कर) गयो (कुर र हि (द्वर ठाके क्रिक क्रिक क्रिक प्राप्त पर) //85/1

र्मा स्वाम पार (दिन अमेव क्षेत्र थायम)॥ 85॥ 80 वत्य (छ वर्षा) एस (बाराप्त) येव: (बीच) म स्थार (सामान काल) देखान्य सारह : (काल नार ्या कर्मीयम / यह (व्राध्न) वार (अरे) भीम्य-यार् वा यु कि श्रुरिव यार वासु) के क्षा (अ में व कार्या) म मेर (म मे मेर अपर) ज का रे वा (भ) (जका रे व-गामक) कल् व एक ला पड़ित्र का म एक (कर्ष्य उ लेमारियुक ब्रह्मयू न नामी (यम शर्म) (दिन् (अधियम कन)॥ 8011 8 . लक्षे याय (a (ए हाव: याय (a i) है ड (वैश्व) वभानाए (वमाना-नाधक भानी गविल्य) विर्वार (2000 2 3 (21/20 25 2 1 2 4 4 5) 12 miles (य विभारभ!) छ ९ ६ (जूबि) येद (अर्थारन) ला छ (भन्न) मार् वर् (माङ् व- मासक लाम्परे-विलाय), त्याः भाजा (तत्रं (त्र वराष्ट्रात्रं!) व्र (पूर्व) स्मिश्री (स्मिश्री मिरमक मिल्युंत वायुक्त (नवड]) वी ह्यां (यर (मां) 2450 6 (2450 Hara 4 (0) 30 (0 12) कर्] ।। 8811

88 मान प्राप्तिक (त्य नराम प्रभानत्या !) प्रविद्या लामिकार (धारा) सरमाया (मायव करनेता) वका: (७१२ ११७) ७७५ मिला: (१४१७३ मार्ड) ्यामना कीय (डिर्मः (त्यान उ वाकाव लामकाना) उत्ति क्षाम (विशेष में (कार्क) ने कि [कर्क]) अन्न विस्त (कार्ड किट्य!) नि (व्रिन) मध्मा थी-मामकारि (विश्वीत प्रत्यप्) विर्वाट (अस्ट A 4 111 8 0 11 अ अ तानि (१ व अंदिन ।) प्र १ (व्रामि) अ ७ -म जानि (अ वर्षामा अ अ अ म स्टूर्स) म स्टूर्स (१ मूर्सि (१ मूर्सि) प्र (जूबि) विविधाम् अविभावाम् (मामा अकरव क्रीव्भाव अर्थार ध्रम प्रेमिनाच (डाक्न) वि(लाय) र बामार्ड (य बामार्ड!) ४९ (पूर्वि) छ आ : (७ अवर्म) मृगू (कानिका: (भूरकासन त्कानिका व्यारिय ना जा अप [वनर्]) अंभति (वि अंभति !) प्र (पूर्ण) कुछानेकार (कुछनी खर्चार लिलिलि) विटिश्य (असुक इन)॥ 8011

अ काम शांड (दस काम शांव !) अह (द्वार) द वकारो: (हलामांड), नामर्क (त्र नामरक!) वर्ष व्याम) ७ अन्तर्मामडीः (७० नहान् निरिक्तिवालय), टमेम्। (व टर्मभू। ।) प्र (प्रांत) द्रीन रहता : (4121 Hard) M Eyl; (H) [-146]) OLE हमालक (क्राक्ट) विकास त्य!) प्रश् (प्रांत्र) वे पु लिखान (हळालू नी-प्रस्त) कुर (धानुड कर) ग हना का मा में प्राप्त (के मार्क में में) वह (विशे मेरियर क-म् अपने (निर्देश अ कृषि) काला, भार्षे प जिल्हा (पार्ण अर्थ के विकास (तरिक का दर्ग समूत्र) अयवाद (यव भद्याय) विर्वित्र (अयुक्त वन ' [कार]) मुम्राय (त्र समार्थ!) वर् (द्राध) वस्ताः (वस्तीमं) व्यक्षा-वाहिकाः (व्यक्षाव लिए का अर्थिए बारेनीन [वर]) र्यान शि (क स्तर्न इति !) ४९६ (जूबि) न १८७५। ब (विश्विष) विकात-श्वात् (विश्विष अल्म लियार भू या) अन्त (निम्पिन कर)॥ ४६ ॥ 80) एका: मण्टम काळ्मवान्न (८२ वर्टम काळ्मनाटा [व्राप्त] टमार्च्य ह त्रेन ए यम क्रमि (भार्च्य.

√ जिस्से अहर यात्रव] हिनेका प्राचित्व के मास्य ! , शास्तान एस रिय भामानाथ!) अर रेष्ट्रां अर्माय ना भागित (अरमायना-मधक EM) 20 [745]) 3 A RICH ((5. 23 2MM;) 80 ्यांत्र अते व का नामा के हिंदिन के नामा क्ष्री यस । विस्टेश (मार्क ए कर्ने ।।। ८० ।। Co रामान (त्र दार्मान ! [वादा]) मू इय- निक्र थ-िले: (डानी उ प्यम् उ जिल्हा) क्रिया करता (द्राप्तक किए (नवर) प्राठमाः अखनादेशः (विस्त्रिक छट्ड न नारेग्स अपूर्य) कुक (2263 27) 11 (01) () बिएका (क बिएका! (क्राम) मामान (क्रा) प्रदेश में स्थान है जिला रिस्ट्रिंस (कुट्टी) मुभूकाम (हिलिटेक्रिम्यरक) भूउ ७ किलान र वा (मिक लाक्षिम) यिवारे प्रमान (हिनिव अक्ष न (मन मर्ड मिलिड कर्निया) मध्मतान (म्राम पर्यास महाभारम) (sum as a (com so as (sual) \$ 30 (2130 24)11 6211

Q 300 Ca 400 ! [Sig]) A 1818 A M & SILE! इन राम क्यार मार्गामान्य मक सम्ह कर) सर्वारक (क्षेत्र सरवारकः । जिल्ला । जिल्ला सर्वार (यह नाम राजन वस) मिल्ला के निकास इति हो प्राचनकार्य प्रश्विष्ट (मार्कवार श्री भन अरिव व भार्ष विश्व कर ने। व्हा ((का: क्रामु स्म (क्रामु से) भना (क्याम) कार्क: (काठ:काल) मूनका-अयमः (मूनकारिन्द्री वित्र ए अला । प्रमात (मास) स्थाय (स्थाप कर्या) मन् रेस मक्ष (सरमन् स्मेन धर्म टम) (क्षार्म रेट्र मेंट सस्ट कं)॥ ६०॥ (ह) काम क (क काम क!) प्र (क्रांच) ब कि क्रिक्न ने मांद में की मार कर (चल नाक्ष कर्न मां द टिमार्स मूर्वक ट्यान्ड) ध्वमाभगः (विषमा-(र्म मू प्रमा) वद्रार्गः (वनवाध्रय मीहाक्षे)

आयात् (यात्मवं भूषे) सम्पर् सेटार केंद्र (9) 26 Just 23) 11 58 11 ((अन्यामा: ((अन्याममां [कासदा]) व्यास (सहय) अनिय-परी-नियरे : मूलाक कुछापिक - ७४नते : ह (विकेश कारक व कार मेरी का ठाला में मेरे ते याम् सन के ली में हैं। आन मर्दार) अंबी कार (अर्बिशास) है से हिंतरिशं (है सी (स्पन -हा मा लगाडि । विदेश) । त्रिक लिखाए (लमाप भारा प्रिक छ अपिक्) मा जामा-व्यासार (त्राक्षां ट्राप्ट्र में का वाक के (क्रू) चंबात (NAT 54) 11 @@11 (कि कि कि (त्र कि निष्ये!) पुर् (क्रामि) ठावेश्वास्थाः (विक्ति (० वर्षा ८ वर्षः (शिंडिन डाउ १२ (०) जमि जमि (लिर त्यर) मात्रा अक्व ने नि (विविध डे अक्व ने मम्द) निक्षा अइ (कार्य व कार्य मा) भा त्य के कार्याम (अभ्यममृत्य भ्रायन पूर्वक) द्वायम (धर्मने कर)। १ ५ (स्माप्त्रित्ता) (ध) नमंत्रे धमित्त (८२ नमंत्रे भएता !) ५९ (५१म)

ल्याक्त (नाने) छन् न्या मन्द्र (छ न मिन्सिक अक्टिप्रमीत खाइड (प्रवर) जमाना नार (जामार १) त्याकात्रमणः (जाकान्य वर्षा) ७ छन् अमार्थान आत्माल मालि विविध में के अर्थ) लासी में (जामसम्बद्ध) सम्मानहाः (मामानदं हाता) वन वन क्षित्रात) मालन (त्सवं न करं)। करेग ति किया: रेल् मार्थ (तर रेल् मार्थ!) प्र (प्राम), असवारी कित्म किन (सव्यानित किन्स्मिति) हिन्द् मामिकानि (दीर्धकान क्रिक क्रामित क्रामित केर्ने केरे केर का सह (माम) ला से का सकत-भूव - कड़ी व - का भी - निक्राक - कार्ति - (वाहकारि-क्यान (कार्दे। जात क्या क्या कार कार् बिरमा करीय , जायमकी , त्यय , यम वी उ (ग्राहक म द्वि भ म म म म र), अभ (१४०) धार्वक प्रभाति (धार्वक छड्छि) स्वाहकानि (काहकन) स्मानि ह (स्ममपूर), ०६९ १३० वेक्न अ अव्या दिना विकान विमाहिक - लाइन हिक्स-राजी-न्मान-वप्यी अकलानि (विसीय वरम मी-र्यक्राय मालिए लाक जिलिं, व्यावसकी,

लास ल नमनी कर्यन क्रिड मध्य) सक्तिकाक्लक: (७। ७ वर्गाल वरेट) निश्चात्रा (कावित काविता) नाक्षत्र कामात्रव कृषा (व्यवसम्बद्ध म्हायनday a) gr (Jahra) our uso (Shirty of I lead con ७० विष्माः भरम छए छत्राने भीतान । में छे २ एड (टर बर्टम लास , छाड , ७ वारे , भीयावे , विसेयहर !) मन्द (त्यस्वा) टमाकार (त्याक उत्रत्त) त्यावक-यदी अक्ष जारि (जान नार्य मर्ने क व्यानी) प्यापि (प्यामस्य) व्यास (मस्य) ह्नी हट्या वान -ई जाजून समुनी व (हुनी महार्य के अब भूगांवड अनु से अनु न तीय मुका लाक डिडिम मुत्र) विधाय (स्राध्यस्य) अद्भः (श्रीतं श्रीतं) समाव (ar + +) 11 3011 त्री लग (लक्षेत्र) अन साम्मान्त (स्वीनात्रा) कार्य (कार्य १२ (७) द्रा किन वास कप्ती वि (अमूनी मक उत्तम् अष्ठि) व्यतानि (अम्बाव. प्रमूर (केंद्र) देवनी मुक्ट (देवनी म न क्र जर्र (यया (याम) डाट्य) देखार्थ (डेट्साहन सूर्यम) जून भी कट्य (जून मेरिक १८४) निर्धाण (क्यू ने

कार्या), क्षेत्रक्रोहितेष: सामित्रे : (क्षेत्रक्रीक्षेत्र अस्ताना) साप्रवेष्ठ समापार (इस सर समापान-लूबक) मुन् (धावत्र जनस्थाक) वत्र मा क्रमी १ (और मार्सित्वितिक) प्राडियन्त (अतेरम कर्ममा) क्या (श्रीरकाइ ती टम मी-कर्क) Cash (-स्रिविटिय) मसम् देव (मनवर्ष्य भाग) नामहमामा (कार्वा क्रेमा क्रमवर्षि साकसामाम) बिट्नम (अट्नम कर्निम) 110 29 621 ्रिक्ट (लक्षेत्र) हत्त्र (द्वाराचा सकत्त्र) र त्या ४-मूलाश (इटबारक्लाहित) उठरकमान नमात्र (क्ष्में प्रिक्टिंग का मूजन दरेटन) बल्ल मानी (भीयत्माता) ७७९कार्य यणः बाधान (त्यकाम त्यरे विचित्र कार् के सक्तिक मात्राम क्षांत्र (हे हरे अपूरक मानित्व नामित्यत नेग ७७॥ प्रमेर्य अट्याम (त्र बहुम लत्याम!) भाग्र (प्रकातकारम) लम छ प्रवादि : (लम छ प्रवादक. मने कि निक प्रिवृ (यम् मा रहे () यद धारीम (ट्य [लम] धार्मिया) समानित्ममूक व भी जनः त्वापित्रत्वर् (मूपू अयम-७-६ व्यक्ति स्नीम् म्यान

भीवन त्यापेष् ठेलान ति ति त्यान प्रमान ्व अहाता धायक प्रण) , त्या भ ना अति। इक्ट रेट्य क्ष्यमिति । अट्टिट (स्ट्रिट) श्रांत्रा नाम नार्ट (विश्व) ७८ (८४३) श्रेमतः ्डेडम लमा (क) कु कु मा छक्- विमार् छ- अरेपेट्न : ्रूड्म, पड्न, कर्न ए हम्म माना) अ विवास (स्वार्ये कार्या), सिक मूर्य-जालकात-लिलाछ-भागत्वाद्य (भिक् ७ आर्क् , हन्यका स्मानिक वेस मान सिन् । व्यक्तिः सम् / हल्यारि ×1014 +4)11 980 001 अ वार्वित (त्र कार्वित) प्रश्नाम (प्रामिक) मम (जनमन्) मूज्यमः (भूनम्यम्) नामकृत्व (भारतन मिनि) जाडक र्म म्म मूर्वित (अडक्व र्ममद्राम् अव्कान्युक) परेक्त (परेमम्रहः क्रिक (क्रिक प्रथावर्त) वार्व (स्वत्क) विष्ठिक्तियु नवनं भारे ति : (भार्त्त का भूका , क र्ष्य, लयकं ड जारिनिष्टिकारं द्वारा) सूराविष् अमेश (मुकामिण कर)॥ एए।

त्री वर मानजावम व्यक्षां (१२ मानव मदम अरक ! िर्मि]) सम्मित्तराड (क्पलानं सर रहात), क्तान मा अहा विकास (क्रिकार के नाम के त्याह) थप हिस्तानिक (दी मेकाल पूर्व भारत अक्ष कांत्र भारत), लाए स ट्यांस ट्यांस ट्यांस ट्यांस ट्राम क विकार । से माल-कंड (लाडु जांस केंग्रिक कंड (टिप्ट]) माना सम्प्राय-वर क्षेत्र (मानामे नासक डेउम क्षेत्राक्र (प्रिच हरमन करने । यम सम्हे) कामम (मर्मा 49 11 (19 11 प्रम् रद क्ये (क रदम!) मूनक- कर्यक- नम्बक्ष! (मालवनस्य में में त कर्वन ।) में बार (व्यमंग उछट्न) जनक (भन्न) आरंपेन (धटलंब 120कव) मूलीक (मूलीकन) उद्यंत् (उद्यंत प्या विश) टिक माउ० (किल्म न विकन) देखे मक्ष (धरमन्ध-(भोव ७ युक्) विद्याय न नी - क नू १ ६ आत्र यु ०० (ट्याबिक कामान की व कन्न क्षेत्रीय मारे कामान की जातम्य कर)। ७४ " े ता सार्के (त्र मार्के । जिल्ला के कामान में क्रिट्नं न मिनिर्देश सम् विपिति) भारीम ही ति मूनि छार्छक-

मंत्र (श्रामकार्य वात्र्यं म्यूम व अ न्यूम वन) कुछ हेत निग्ड सामाद ला के हमां ने (भार्ष्य में) " अस (नवह (सामाएड सर्वित्रें)) आरंद्रका ह (स्रोबर्ग) कोरलप्य मुनाम् छ पन प्रतीय (कोटमा में असमान सीव वसी) में वर (सत्र) ला माम- माम्बर (मेमक हिंद्र एम बेटन क कार्या) महाहत् रेक (केंक कर)। त्रा १००० कर्स (१ वर्म!) प्र (प्रिय) वामार्क (१ माक्री-हियमन (ध्याक्टम नक् लीक , ध्यमे उ हियमन), ब्राह्म (या प्रामाद् (ब्राह्म व के यह या भी) हेकी मंकर (डेकीय), क्ष्रक (क्ष्रक), प्रवृत्तवक हैंड अह नी सक् (अर्था नाम उ छे प्रवक र्रिक (नरेक्न) यव न बीन १ वामक पू इ १ (न्वन त्य मानेक्टरहरू से सं मिन्द्]) विभाविवाभाविष कृति-वर्त् (भाउठ ७ व्या छि - इय त्र नि वि वि ने त्व) द्वीष्ठिक त्मीष्ठिकन (त्मीष्टिकीमप्रक श्रु हिली निके हिक) गुउठ ह (भूय त्याराम अधिक), महेटबन ट्याना (महेदिन में हेन ट्यानी) मिन्निएएए

[WARE ILS ALG] , 10 28 ([J. KANO] संस्थ कार) अस्ति। हा (का का कार्या) व्यामन (arana 44) 11 404 4 > 11 १) श्राशिवाश-भाक्षर्। (र्य त्रवाश-विवाश-भाक्षित्: े लिया निष्ठा रक्षा एक में छक् - क्षेत्र हमाना है। मह्म (मह मुक्क) हर् मिससम्मान (हर्म महिन्स) दिलामानि (विस्तामन डास्य) अस्माप्त (अक्ष करिया) त्रकावली- भारिण (भोरक कशकूरियू (इष्ट्रवाह्नि-अंहिण मुक्तवं मम्बूटि वर्गाद् क्लेटाम्) लेंबन (लेंबन कं)॥ वहा Q जानिक (१२ जानिक! [प्राप्त व्यक्तम् मून १८५१]) व्यानित्य (ननारि) विभवन कर्ष विभवन्तरमान प्रिक लगटनाहमार् (टमाटनाहमा) विन्ति (टब्स् के कर); त्रुहिन (ट्र श्रुहिन! ज्रिमिछ जारादित कर्म) हिनाम (हिनिछ क्रिनाम सम् मिनीव्यक्षां य्यिकाः (टेमिनिकापि मामविन रीषू १रेए न अ नी प्या हु के अनुष कव ता वणा

CX अभागाम से सप: सर्वकल (८४ वे का का स्थाप (सर्वा !) में मंड ((त्यासका) माराम में - वे दे क. मं का का मंत्रीश का एपटे : (१। त्यानं वाक्रात शक्षात वा पाराक्ष्यं रायात् व अपूर्वा महिल्) विद्रास : (भू अभ भर्दे मा दा) लाक (भन्न) वि वि वि र भाषात्क में कि का लाक्ष व विष प्रिया व कर्र-भरत्यात्म भू मार्भण) मुक्ष (क्य)। 9811 विद्री देशा के सामिर् प्रकर्म एकिर (य देशा के के त्य सम्प्रत । त्य सकर्या (त्र हि अर्!) आरंड (विनठ प्रकानकार्त) समी (धारान) क्रियान (मन्त्रात्र ७ त्ये प्रति (व्याचार व्याच्या प्रति साम णा अत्र - ७- (भू स्वल ७:) ब्रोन - देने नार्षः (ब्रोन उ हेम् न अ कृषि) का भाग का समू त्री : (अपे अर्थ कर्ष-मते) छिट्यते यवाष्ट्र (भी मिमालाई यव भी (स) भागि (त्म अकता) ब्रावती- माहिष्याहिक द्धिनाने रिक्साफ़ (व्युवाबि-भाहिष्यातिक स्वतान अस्त्र) देश (अस्ति) सस द अपनि (कासन निकते कार्न कार्न गार्ट्स)

उत्तिः (त्लाक्ष्म) त्मायान्यप्टः (त्नायानान् ११८७) सिरायर (किर्मिक्टी पाठ के कांच्या) क : नव (७ व्यानार्त) एकड (क्यड) भूर कारता: (में कार मक्ते के) में द्या) लामें दे मादन (लामें द-ल र वियर) सम बद्रात (कासम् वित्र मंदि) क्षती त्ये (जामकुड करकेट्य) 1198 991311 99 रदम नामक!(व यदम नामिक![छूपि]) नी न रुषे - न व निन्दु - मध्दिः (प्रमूट्य म नवीन मूळ् मम्म्मारा) व्यवस्मर् (क्लिर्शह्यते विनरे) My 2 ((() 2) 2 0 6 (6 () 2 2 1 क्षा के कि के निकार कि ति कि रक्षयत उद्घाम् अस्त्रधाना) विविध दाय-मूछलात (नाना अकान रावन गुळ्) विर्धार (बहुना कर)॥ ११।। १ म सून (१ असून!) ४९ (जूनि) मूकर्नी. अखिट टरमंखायर (त्रेस के कुची निम्द स्मिश्रादा मार्थित (अमं लार्स कर्य कर्व इंद्रेमार्ड कर्या) लासूनम्काछिए (धर्मिन), देखे जासून-वन्नी प्र-मकन् (सर्या म नामिय अस मर्गर्य) साक

(यप्त) ही अर्ड क मार्ग जल् निर्म दि (मुकान क प्रान mago 55) 11 70 11 9 % वर्म म्यिना न! (८२ वर्म म्विताम! [११4]) श्ची मना छ - अन्यम - निक्छ - नवा - भी नार्च - सून-में य के का के मात्र में में हिंदी का साम के में में कि का निया की निया की में में कि का निया की निया अभितं भाग रेक्षाकार्य कर्य करतं में विपुर (मयन) जानि (डेमारक) धनभान मूनामिजानि श्रिकानि विर्थिष्ट (कर्त्य ट्यारम भिका उ मुनामेड 24)11 dun ि एता: बमान विभाना के (य बमान ! a विकास ना क !) यू बार् (ट्राप्ट वे ड ट्रम्) न अ टलाई० ह ते ना ल ब भे - अपि कापि छि: (बस बाना लगाई ० हर जार हुते , के व्यन्त य नाह , लयमे उ भाष वाषित भर त्याल , जाय वा कल (आर्थक है मुरेत जन्मर सर्वि अर लागा [हेट जासून प्राचन] नीरिक्स रूक्टर सिरिक ना निर्मित अ के 49)11 5011

A) an (212:42) (2) (ARMY) 3202 ROCARY-अ (अ व (म अधीताम कार्य सर्व १ दे । भाषा (अधिलादा) मुजामधामिकामिकामकाम्या (भूत्वन कामाधारील (अव मिल मधामुगम अवसी सुर्वक) ट्रांकी माठ लाय बादान (ट्रांके इदेए का मह कार्यारक्षापुटक प्रक्रे क्षिंगा) विकः व्यामाह किही कथर विस्थ : १ (हमी कुक जामिर्छ रहत. कि १ ७११ म अड विस् इ रे ए (६ (कर १)) रेडि (नरेक्क) धार (बार्निशाहिलम) ॥ ५ 5॥ नि निक (काम काम काम का न वायक) जार (कामारक) - जाय: (बानियम) किएओं किस (आकृष) मबीमबदमान (नृष्म वर्मनानेतक) मृद्यान. भन्नाम (कायम व्रेमन्वन लि) हान्य छ ? (उम्म ने कवारे (एट्ने); जमन (ज्यान) परता (धायम कर कर) छेहु: (बामिटन में में हि (किसि) वानकः वृष्: (त्माल कानक मार्तव कारा लावं (विकिछ इरेग) त्या वृद्धः वृद्धान (व्यम् ते न भार्ष व्यम् रक) अर् पार्यम् कीछाडि (यक्त कतारेया कीडा कार्एएरर)॥ ४ टा ि लिस (लक्षेत्र) मा (चलाम्ब्री) लेचायन पाठिमें या (म प्तं वायम् त केर्यमामका यम्मा) वार्षा (कीक्षक) त्यवत (त्यम्दिन त्ये) देवमूकः मक् (देव में क व में में में) में के कं (चंक क - पायक कुछ) तक) काय (मानसम निष्म (दि मदम!) हर् (वास) केवडं अधा (अधन त्यात्र पार्य) प्रमें बलान (प्रमें अलंग), यम (यम या प्र) 6 क्रम ? ए सर्मात १ (केर कारान CAX ! क्या वैचाक्त) लायम् (यम् या व्यम्)।। ६०।। 18 mx (maid 2) 24 (Thomas) 26 (4 20 4 Ch.) अधिष्ठ (त्मार्क ट्यम्ने कार्म) प्रशासम् भाषा (भाकमानाय अरबल भूर्वक) यत्र भावत् (बीत्मादिनी (पर्वी दक सक्त) कर्तिमा), प्रिया विशि (क्षि) अवसा मत् (सी शाक्षा म भारेक) किं किए एवसमाधिकए (बाद्धारि काम् काम् इका) मामिछ (वंभन कावियां ह), जर्मजरमर् (दरमम् में में से से से से में (क्षा सा दक दि आ दे के रे जि प्यात्र (न क अ वित्या हित्यत्र)। ४ 811 क्षि लाम (लाम के) या ट्याहिती (लाहे ट्याहिती दिसी)

जार् (-पीका भाषातक) अक्सा क्षेत्र - ट्लिम का उर्देश ् अस्ताल्य द्याम्य वेलायालारम) नवीय-पृक्षायन-अठाक - अधितर (प्ता सिद्धा न्यसित अद्यामत) क्ष द्रवाम कर् (मुख्नाम नक्ष द्राक्षा मह सर्य के मान कराये मा का शिक्ष समर्मित १ (को गर्मन समहमार्भित्क) लाड विकेल बायनाहित्यक्ता एक म िश्र मूमार्भ अलि! (१२ मूमार्भ शिमे!) भूत: (अम्बर्डारम) अवन मनुनिकाम (ठेउम्बादा-सम्बद्ध भूमसुपर् (तर्विक्ष), भक्त मिसूरेग (अनककार्ध भूमियूना) मूपू-नार्थमा (कामनाकी ज्यान मार्क) मूश्कुष्ट् (अमुष्) भार्ति : व्याग्त्र वस्त (वाग्त प्रवा कर)। ए ।। A अत्। (उ पाछ !) असं रेट्ट (लासाय समित किए) बर्ती-प्रसृष्ट् (श्रुकात प्रव्यक्षित), रत-भूषिकन् (रतकन् भूषिनर्क), रुगाः (मत्राक्ष्र) मर्ने वर (मस्वे व []) मर्ने वर (मूक्नम्म) प्रव्यायव् ६ लला (प्रव्याय धार्थाव्

म्माल न रा नर्म कर्म द्वानक ट्याईस हरिलाए (काक) विरम्भ मनन कत्र) ॥ ४ १॥ beिशाद ! ८२ माद!) उसा-अति - अति प्रारेत : (कर्मी-माबिटक न - छ - भी नमा निष्ठा मा असल) विविधाः अञ्जी: (मानाक्ष मिलेक - निर्दे] नाताविकान् (जामान वर्षकान) मुमर्क्षात (मूलक् मिसे-विकाताम् ह लला (७ व्यक्तापिताड मिथेन माजी म (डाक्य) वस मध्य कन ।। एक।। केश यम् विषि: (आयान अम्मिन अनानी) (य लाहरः त (धामार्ड धाकार), धातमा प्रश्कृताः (यर न्या यह। ने असे व्या में साम सर्वा मार्ड. कर्ष् कितिका मुण कितिका: लमा (भी मूक अर्दे , कर्न दक्ति ७ ध्यम् एकिनिममूद एली करे ।। एक। 90 साम् । अस्ति) क्याम (क्या) अमेर (महार् वंते हे प्रिणान करिए पानार (ज्याक ज्याक जर्म अ यव ते व विकार) हिसा केल: (तेत्र सकाने कवा हर्न माट्ट) सम्बर्धी काल (अदेक्रूल माधानी कड िओ डार्य पूर्व-

सन्त दल्ला आकारण | रिवर्डिन : हिराने समाप्त विकेश अक्ष के बेरे सार्व विकास भी। हिकासावक-रिकाद्यः (एवंदेन लायंदा लायं केन उ लास माना) ०० गम कार्युलाम : (मर्द्याक. स मत्रिए का मिन अयटनात्म [माने अकात]) असमर्य-आराम्त्यात (अयर मर्वर्ग-CALCU [सार्मकार पर्टी लाहर तर्ने के त्र -(मा(म. [धार्ष्यमार् निरंशित यार्थार) (लख्य चा द्वं किन्दि ड्यं भाटि) ॥ १० मा (लख्य चा द्वं किन्दि ड्यं भाटि) लखं : द्वार्य क्यार्य) विषय किराय बरेशक् - ए ये बरे ये के अर्थ दार : ((स्थे अ भक् तमाशा व वारावं भें वस से के (सरं लर्भ) मानकका मुक्हीनाए (भानक हु, अन , क्राक्ट) मम्मर्ममा (रेश्पव क्षमा कार्म कर्म [745]) & tru a-1213 musis e (mar gradio) (दृष्ट (अय) हमाल मत्या मक् (हमाका (व (क्रिया के कार कुर हम अमार वस स सामाइमा) महित्रात्री सामाउँ) हम्क त्या म अक्षा कर मंत्रमं भंत्रमं (मंत्रमं मंत्रमं व्राप्तात्त) मेव ते कुं (360 BIML 54 TILE) 11 W 5 2 NO 11

के के का म नहें का नि (का ना म ह ने ने कार्य है। स्वापित का में वहेल्डास्य [अन्द्र]) धात्र मात्र कार्या के नुगरि (जाम ७ डेडम ७ त्या न क्वाला मिक) जाव नार्त (धालवासम बरेक-मध्य , [नक्ष]) क्रामणस्थि (देक अट्टे) हिंदी महि (अहे) हे । क (काम कि ब्रियार) प्रमाम) मन्त्र लाकराय (क्यार (क्यार) य न) -अर्टणाल ७ वाकापिटिएए) नामाविधानि ६ (ममाकाल अस् के र्रेमा १३), त्याकम ([कारा] 4 ma 24)11 28 9 2011 क्षेत्री जिलाच-मानेहार्ट्याः ह (टब्ब् मार्ग, मलाह, पाक्षित ल सविष्ण छित) अल्टान में एप न (अर्ट्या भावि (अर्थिवाना) विका- कत- स्ताना ? (कार्म, कन ७ म्नम् (रन) भूमक (भूमक् भूमक्) न यथा कृषा , (नामा जात लक्) अकावात् (ताताविध (छाल) वसु [had a 4]) 11 20 11 ने उटड (द मन्यम् मार्थ !) आमि (मार्थ !) धरम

(यहे भी नवा) ककाक लाएडा में का ना बुरिन नानि आरोप के निया क लाइ कि अन्य के सम्बद्ध स्यक् (भ्यक् स्यक) नाकका-पार्टियालय (बारे सर्म ७ मार्डियाता) प्रक्षांत (कान कार्या (इस)।। २१।। भी कर त्यामार मध्यात (की किए व ता स्वा व क-मुझामसूत्र) त्कचलर् (कचलवान) मृष्ड्छाति (म (किस्मिक से देश मा (है , [क्पर]) (का विदायका: कित्र : (काळा कुल्यार कार क्रिम्य) मृण्ड्काः परिक्रियाः (भूष्ण्डाम्य कार्यम्य परिक्रिक कार्यमा वा आ वर्गार्थ) । यह ।। ग्रेगे भूष के का : विकिता : (मूष कि के विकित्त के विकित के वि अस्ति । विशेष (पूरे अकात) अभूत्र वारिका: ्रिक्स महिना [अरेट]) ज्यार के हि पाति (कार्टिल स कार्टिक तक), अरहे। यत्रा कतानि (लाडेन मीक सम्म) जाक इसे । में (भू ८७ STEN (2) 11 0 21 1 १०० कि विश्वासात् कलाकः (के वृक्षास्त्र व्यान अप्रक्षा अस्ति। (अस्

कर्मा १५६) ्रिक मामिलार्क र्वितास निक्षकातं चन्द्र) हात्र कराश्यः लक्षः कियाः (ह्यो न्याल ल्या सक्त व वाक कचा इंद्र गाहि ।॥ 20011 70) व्यत्न (अन्तिन) त्रिकेश-अनिकेश्यामा ६ (अन्ति न्नाह उ मात्र मर्पात्म) पुक्ष वृद्धी कुषा (पूका पूर्वी कर्मार पूर्व माडे [नवर्]) उद्यामार (डेक अर्दनादित (मूलाई)) भावक्षा उनामकर (अर्वक्षा) नामक) का अवर्गिक ए (का अव विके) कुछ। / असु कार्यात्र)।। २० -।। भि साह क्षां प्रह विष्ठ (माह अ कर्या में क त्य उर्दि [लक्षकारं चर्ट]) हान् हिन के कर भवं (जासन की क्लान अव (या ला उन वरे ए विग्र अस (कास) सम् ० रहमा(ह]); पहा नक् (वेकात्म नकी पिक ट्याल कार्) क्ष्या र (क्ष्यं व रि) दिल् ७० ६ (मू ८० डालिए चिन्न करा र्रमाट्ट , नर्सेल]) कर्वाहरी-20 मं ए कि कि (क म त्ये [दाह 3 अर्था-[nest] 25 dens 200 25 jule 11/25/1

moon which are so in the word 200/ सत्त्रामाल्याल - तस के मार्कियल्याः (MACHIPIANA BASA MACA) अलामान्त्रिकः (मक्स क तानुत्रारम) सर्वायः (भर्वे ७ अधन्मानिभिक्षाम) श्मीएन: भाकः (काल्मी वन कार्माद नी व. बिप्रिक कार्य मारक कर्न वर्माट्ट)।। 20011 ४०% धनमा ([धार] अरे खीनाधा) मानीछ - (मधी: मार्थियाः (मानिक्ति ट्रामी, सम्कार्ति । स्मेरी, अट्टान, वासुक वा (यट्टा, छथ्नी उन्हे रियर भवत] नाका: (नाक) अकार् प्रश्यांग-वि ८७५०: (मामक म अका गुरिड (म) मुकालर्थ. अवः श्रीभद्भिताः (श्रास्त श्रात्मात श्रीस् कर्तिमा लाक क्षित्री (ह)। 20811 200 लके शिकाताः (लके विषित् रथानं) वंसमका (क्ष्म भाव कड़ा) कनश्री (कन्धी नाक) कारिया (कार्य मन कार्य के एक वं के कि विकित्ये उर्माट् ; लावे]) लास्त्रसावक रूप में कं

क्षतानी क्षा मः (क्ष्म मिना में निक) लड: विकास ११ मा १८ मा अटला >ळ्या व्यक्ति (माला) असा (व्याम) यू मे कि मा यम स्य) व ब्रूप मा (ब्रूप) भाष्म मा जान अर या सं कतारमंत रिवासं (यर) विविधः (वित्र अस्त) मूल: (पात) (मूर्य कुलानड: (आक कड़ारे :012 ो।। 50611 रेश [आव] स्था (जानि) माशी : (माशीनार्थ-कर्वक प्रमार्थिः (हेड प्रमाल प्रमिष्ठ), ब्रूबमहनतमार्षाड्यः (तमार्थमहतीन अके हैं। काम् दे प्यार्थित है प अस हमार्थित देश है अर्थ कत्र कत्रिया) द्राहिकाः (लारिक) किंग्रड (असुड कल्टि) ॥ ४० १॥ १०० इत्य वर्षाः (नश्चीक्य वर्षेत्र) अपन्ताः (सकार्या क्षेत्रका) दीय तिय में (कार में क्रा बट्स) मिनका: (थार्यक कार्य मा का का रहे मार्ट) क्रक (अक्क) (भाग्ने इंडर्ड)

(अमार (अमारा) रम (अमार्थ) क्रामिका क्राम भाका: (देश वाड [हादा] भाव कर्षित)॥ १०१॥ हेल्यम) कार्रिक्ट रेल जन्म अनारि (यह केन आता अ मान हिंद (कार्य में प्राची में क्षेत्र के प्राची क्षेत्र के प्राची के प्रा असिन वितर् किला ही वेड कारि पू (कर्षका प्रक्रीत करा देव (वर्षिक समा धनमान) अश्मिकानि छलीर (अम्ब्रिनिश्वत रामिपात ब्यामित्य)॥ अवने।।) अर (क्यारालामा) त्मेड्ड) - म्रम्बर्म म्यार्ग्य (हेड म नक्ष ७ वर्ग १ प्रदास्त्र) पर मर् (टमर्व ८७१८) वस्तु भाग्य) वीका (दर्भन कर्त्वण) मू पिण व धू व (म स केर इरे लम) , जा (७७:0) जम् नियान १ कि प्राममार अड (जिमि मे अकत (डाक्) वह से केपून डेर्क्ट्रिंग og बिकाम किंद्रित जिए खादिनी विभए-वृर्वश् वाल (द्वाक्त्रीति वी विभए गर्व अर्थ छात्राक अकुल राजिलाम भी अठा।

- अक्षान्त कार्य) ॥ >> >। । >> >। । >> >। । >> >। । >> >। । >> >। । >> >। । >> >। । >> >। । >> >। । >> >। । >> >। । >> >। । >> >। । >> >। । २००० व्हार्य व्हार व्हार्य व्हार्य व्हार व्हार व्हार व्हार्य व्हार व्हार

आहें भारता (अला खरी श्री पटमादा [एदकाल]) आत्र म्था मा अव हि (अत्र अक्ष प्रकार) न का मा मा का मा का

कार्य में) एक व्यक्ष (प्रक्रांप क) वाहः मैं हा में र्ड अल (मैं हम आरक्ष में र्ड भ्रम में हो में रड अल (मैं हम आरक्ष में रड भ्रम में

(भारतिका नर्ग कर्त) भारतिक गाम (अस्त) वर्तान ७ भगान (१ छाव्य असून) व्यवसाय न्यलन अम्बन्त) नालाका (अखका वर्दन न न [अनक्त] में X द्रामारमण्ड्रमा (पूट्य प्राणमन-विकटत कर दक्षात्रवा होता) नहीं (अवने) प्लासेवर (अ न हाटन र अपने विसम कार्न क्रिक्टिया) ॥ १० छ।।) श्री की देव का समावादि कर्म मार्थ मार्थ का दिस्ता कर विश्व का दिस्ता कर कर का कि का का क प्रति व भार अमान्ति व व व व व व क क क्षामिर से अप्तामा कि प्रकार स्ति के क्षित्राणिक के किया के स्ति मार्ग सम्मित्र के स्ति के शिक्षित मान कार्नमा (२ म) , श्रीकी व माना एगा (श्रीकार कीय टामाश्रा मिले मलंदर भाराय हे हिय वर्षे गारि प्रकृति । भी वृष्ट्रमा अवस्थित विश्वास्त वृष्ट्रमा अ भारती विष्ट्रमा अवस्थित विश्वास्त वृष्ट्रमा अ र्येयात्य), त्मारिक बीमा मृत् कारक विल्याविक मी माम्छमा प्रक त्यारे का ता व पहले) कत्रविता अववेत प्रथः (आण्विता प्रवेता प्रवेता प्रवे म: लम्ट (यर म्यामक) विभिनं मर्थः

ह छू में अन्त ±

) mx (लक्ष्यं) पत्यत्यम् (यवंशव चाण्य) कृष्णस्थादकरेव: (धाणकान धारस्य अवसार्व)आकः: स्तियंत कांग्रस) सः केकः (स्त्रक्ति) में ब्रहः । सः त्याकारे (त्याक वर्षात [र्मात] स्राप्त : मिनडी (अभूभाषात्म अधानका) ने तिलामू भी ० (17 (14) 2010 2 18 MIO 201 (13) 8 -21 22-याक्षेत्र प्रायमाधिया (श्रिमेश त त्यायमाक न अवंति प्रिक्षम ७ मिक वसमा) ध्राष्ट्र (ब्रामी व्यीय (भाषा पारक) ममले (कामर भारे (भन) 11311 आल ([ज्रामे] भूमार्थ दर्शता) नीयुषु (प्रष्ट्र) किंके ट्यड र लाजा स (क्टड लासूना) र सार् किस पूटनाव? (अरेकाल पायाक पू:अ माउ करें) यए ध्रमापिकर (ध्रमापि त्ममकन (डाका रह अली म यरप्रम आल (आल्लम् मप्रमम्ला त्रे) सास्त (अस व सक्त यह गासिक) रे व व विस्त निवन वार् अभाव (निवन रहेम भारे (वर्ष) ।। र। की सा (रेक्की मिलासे) व्यम् (क्कि कि करक) यादि भवामिषा (यरेक् ल बार्सिंग) कब्ला स्वत

1

1

(विल-कर्म मन्द्रमा) उपकर (डायाय धान) महमान (तिका- निका- प्रमान कार्य कर्त देव कार्य) उद्बर्भात् (इक्वम्मालीरक) ८म् विभाक-हिकार (काल्यते त्येवात्राह्ट) कालाम द (अर्थ साम्याहित्यम्) म ।।। 8) # (M : ((2 a CHA !) NE ((4 (2 0) 6 20 A : लग्ड (१क पारिक मार्क) सार् (मध्ये) दिवलाई (लाभारमव) प्रभं मार्थ (प्राप्ति प्रित्मित निर्मित प्रमू ९ कः (हेर्का के रूर्मा) उर्वाहि : विमा ((लाधारम्ब वि(क्यका (म) अहू वर्ग, ७६ (क (OLE & ON 21 4 & (4 21); OS (1750) प्रम मान्ति (का मान् मृत्ये) अपन (मर्यपा) पदमम व: मार्कः भीकृष्कव मार्च लाशापन . अस्त्र (क्रायन) में का (क्रायन) वाडी किए) ॥ अ॥ . (मेचाः ((४ वरमस्य) मैकाकाः में ([कासका] असाम काठवं ठर्रमाह) : ०८ (१०००) सेर्राप याल (तिला-तिला-तृ (र ल प्रत क पं , [वर]) माश्र (स्वात्राक्ष्य) हिं वप हिंखिला: (लाय दें व कार्य त्राप्त

मूर्वक) त्लाक्ट (त्लाकातन विमिष्ठ) के उन (न्नायूर) मम प्राचार (काम म सुर्य) कामका (कासमर कांब्ट्य ।। लग निकारी अर के रे कि अप (अर के अप कर कर अप अप अप भारत अराक्त माराजे (ए अप प्राया असे काश्राव निका-निक-मृत्य समन कार्नि) न उलकुलमार्ग (अधिकारा) प्रवाध-सर्वाभेन् (वनवाध उ मर्मिश्रा लाव मार्च) मुक्त वाताम विकेत भर्मा) श्रम् १९ भरमें (निक मृत्य महान कार्व (सन) गडा। 9 [अनड न] मुकूल: (अ) क्क) निलम्ब निम-श्वां या वं वि : (श्वीमं डेउय सार्मि की का व वर्षते वा वा) पृथि पृभाषि छ वा क्राणकी व ज्वीतार् (अष्क पृत्ति अ अविका ने कावकी माम त्यामी-मनेत्क) तिथिकन् (आडि विक कविया) निक-नम्तहकाद्वे (श्रीच नम्त्रक्ल हकाव्यूलनक) जम् तमनू-गृष्णि मर्च वसू बार् (जादाराव सूस हटाय व मिछिक् म मूम्बेव भूविष्याका) आम्म्स (भान इ बार्ड क कार्र (अर (अर (विम-मृ तर) कार्म र (प्राममन कार्नित) ।। १।

नि लिडे व] यात्रं प्राथा (आवंद्धीयक) देवा: (प्राथ এक ल्लड), अग्र सामकात्र न० ल्लामाण्य (अग्र त्यापन हे अरव अस्तालक) ७० (चीक् (कव) जाना: (१५२ २२१७) निव्यर् (ध्याक्षावत्रम्) ममुलार्थ (डेटमाहत मूर्वक) मूक्षण् (डेडमक्त प्रक्रिंड), छीत- नवीत् (भूका उत्वत) ७१० जन (वन) तम् (शित् धीत्) अर्थामम् (भावधान क्यारेगा-12 (27)11 511 में मनी (मन्त्रीमधक क्यम हुण्ड), जन (अर्थ म्राम् विदिन हेल (न) न नाम ति (हेल प्रधाम ति) म् अस् हेला विसे मा (मूला हेला विसे) भरता: (अव सी के (कर) मेर्स हबे मार्थ (बार बाग-भू मातक) मातक-मार्नि- विकृ वहु भाव मू एक म (अ अ में ना सक था लवं कु (७) न इस् मिंड कु में। म इरेट करिए) सकास्त्रा (मूर्नि के आबिना) अक्रामा (अक्रामन मूर्वक) वरममा (व स्वारंग) य्र प्रार्श (प्रार्श्व कार्य माहित्य मे।। [जरहन] मूनक्षा (मूनक्षाप्तक) भूनि मृतः (मामिल-तल्पत्र) माबासने- लिस्सू देव: (मान्यते.

Marian Marian and Mari Willed and a low with the Misson to Farms धर्मे अभने केरन या १६ रल में गा प्रकार) रेम: रेमश: (र्मश्चीमलक काय तक क्रामा है कि मून् (भी कित्रक्षात) मत्र मीक विकाप (तक्तीक विक werman) । प्रकार (भावेक), नीएर (नीडर), मी एक (भीजवर्ग) छेष्ठ (नम (छेष्ठ मिन् का का) धमा (बीकृष्टित) मिमन लीड्ड (यहाय लीडन) 69 wine (win मम्म) व्यात: (विषय विषय) ठेवर्गा-मनम (देव कर कार्या हित्य)॥ 5511 भी मिकाः (। त्रकाम छाव) कर्ण्यः धर्म (कर्ण्यायक कुछ) भीज-मूनाक्रेमा (भीडम ७ मूनक्रम्क) भिक्रम (क्रिक) दीनी कत्य के कत्त्व (क्रांका व्यामकी क्रांतव क्ल अर्थार (मार्थ अम्ब्रमकी क्षाना) स्रामिकान (कमान (जिमीक त्रामिक किमनामिक) अध्यक्ष (ग्रे (प्रकृष्ण किर्या हि (स म)।। ४८।। भा रक्ष : (रक्षिता अक कार हुए) अस (अभात) अत्यात-पडमा (अत्याद्वीतस्य कृष्डाव अरड)

भी कर बना व का ने पान मान कर के व का वा का का का का का का भी काळ्यत - त्या प्रचान (यक्षत भी वय , तेल्यत अ म्कार्य) म्हमनात (हता वालमयदम्) आतः (अअन्य कान्त्र) हिमार्डिक्य (मेश्र वस्तान) यसाम (सहिम कार्याह लग)।। २७॥) अस (लक्षेत्र) सम्मः (किंग्यम्) समाप्ताः (क्षेति । अर्भ ना क स प्रिका छ वि प्रक : यल अइ - अविवामिए-कृष्ट त्यानिमण्ड् एक तिः (म्यामिण करममस्य मण्दाक्रण भयद्क छत श्रातित भरे मध्य भूति भूति कित्य छ। ३१ व प्यरायका । (बन्द्रवर् (निल-अडू कि) म्मनाह (भूगत कराये या हित्यत)।। 580 M [धरहर] अर्जी (अवि-नामक क्छ) सुमू ही र बाममा (भूरकामन भूका वस्ताना) स्वीधर ७९ व्यवं ९ (जिरी म अन्म व का अभू पम) अधार्वा (आर्मेर कर्तिया) टक अगत ह अम्लाय बिस्त कृष्न (कमममूद्र इपेट्ड मम्बिन् (म कल निः भारते मूर्यक) विक्ते पूर्णि (भूयतिक कार्य भी छ मां भी)

अर्थेर अस्ति वार्थिक (त्स्त अस्तिमः) यत्रायति (मान्त्राय कंपत्रेतार ध्यय)॥२६॥ (श्राम्या) क्मूम: WIM (क्मूम-अवक कुछाउ), ज्य (त्रिक्षात) श्रृष्ट (बामका- विनाम भी ते (बानमार्क्ष) (बादिका व हे ला व वंग ह धामममम्बंड) हे जा व में मा (द्यायक [कार्क्कत्र]) कार्क्स्य वरामकः (अवस्य र्भवाया प्रवामिक विक्) कक्काकिम-विस्मार्थ : (क्कु जिस् वा हिक्ती द्वारा आने कुर्ड) करिः (क अ कार्य वादा) क्रिट् विवीय (हुए। क्ष वक्ष र जे वक) मासे लियक में के विकास (सामाश्वाका त्यां से कार्या हित्य)। उप। श सक्त्राम (प्रकृत्तीनाप्रक) म्यां क्वारी ((इस लैंसा काची लें 2) (प्राचार प्रमा (प्राचार प्रामा का) प्रमा (क्षीकृटम्) डाट्स (सम्परे) मृतमाडिप्रधार (मूलामाडि-मडिक) ० प्राम्मा (जिन्निवि (मध) विदीय (वहता करिया) हजूः प्रस्त (प्रमालास शिक्ति कर्षेत्र ' कर्षेत्र ' कर्षेत्र होता) माजारी (प्रकासमूद्य) मित्रम (वितिश्व) कार्बियारियम) ॥ 59॥

) अपन (अपन्य) (अपन्य : (८ अपन जीन सम (पान लाब हा दे के अप (ब्लाक क्या ना मर्देश नेस्थाता. (मारताक्षे के करण) देशम (म्बर्गिमार्थक) हक्ष मार्थाड केंद्रेल (इक्कोन्सवक कक्कोबस), कोटलाः (अन्तर्म) नाक्ष मक की नित (डिल्स्स सकत में स) (६ इंडल (इअन इम), की हमने मुमल (हमन-भूल (म) १९मशानि- अनारले (१९मलरन न हि अकि कि कि मि म के) म की दिले (तू मून मन न [क्ष्र]) सारि (बक्ष: म् (म) जानामाने १ इपन् (वर्षात्र कार्य कार्य हार्य के आव) में Conse किन्ति मन्ति कार्नि मान्य (इंड) स्थाप क्रिकेट इर्डि (प्रान्त्र कार्य) प्रमुखी (प्रनामुक कर्षित कर्षित अर्गे १ (अर्वे १) स्मिर विपर्ध (टमरे मेकन काटर अपुडा इरेमा-電では、シリンのロ - हिर्माल कि कृष्णः (बीकृक) ज प्रावान निष्ठाह्व-

ब्रिक्टा ब्राट् (अपन, धर्मे ज्यास व व्यासहत न अविष निवित्र दूवाने निक्रांत्रण) , जीक्या मात्र न नी मह मने माना १९ (न्यो सन १५ वर्ष में न्यो मने स्थानिक [केर]) अवा अव (७९ नाट्यर) अन मट्य : कियात द्वास्त्र) " क्याधितः (क्रातेस अपनात - भूक न मर्टेश: मधर् (वय्माभरतेन राइए विव्वास (विवास कवियाहित्वन) ॥ २०॥ () जिम (जिस्त) व्यक्त (क्या भी भी भाषामा) कार. कित ली हक अड्डि प्रकता एक (का मा यह ९ (काक्र न क्षात्र नाव क्रिक " (काम्मन - क्रक क- मेटबाबुव -लाम्यूरी- छ्वान् मानि । विस्तान मत्ति प्रार (इस्मात्रक व्यावसमेगात मानित्यकिक असमून कृतान उपराम्या यात्रात त्याने वाना यूयाकिक (स्त्र वार्ग क्षिक मुक्त वर्ग म्यान वर्ग कि कार्य भू बराजिए । त्वतीर् निमाम (त्वादिन केवतन लरेमा हमर्लम)ता इता क्रिक्टी लाम (मार्डिक्ड) डाल (डामहाल) अपिताश-श्रुवाली (अपिताश ७ भूयम), भूष:

(अव्यक्त कारण) साम् मार्थ म ? (सर्व अभी) , मार्थनार्थ (माक्रेन कारत) स्थानमः (स्थानम्बद्धार विकार) WINT (WM 57 M 7 AND) MITO: (62 1610) अस्था निसन् (तेस्वयन कार्या हासम्) ॥ १६॥ भिक्त (लाक्षेत्र) एवं (लाका ना मकान) के व्यानाटक मू अ (डेल दिल म काय (क) प्राठा (की पटलापा) मैताम (००): १ (मार्की व कार्य अस्मार्क) ला नगरं (लाम किन्वाव सिम्हें) यर्पिय लाजबू (इने लाजिमस्टर) मह्जान (लान्स्वित विन्दे) . हि त्या भक्षानि (हिया कर्क प्राची का मकानि (आमक लाभूड मासक लामा मं ना सर्वार) करमते पापने (यामकाम विवयते कर्यमा-12 (MA)11 2011 शिमिन्त्र विमा नार्य : (स्मारीमानं व्याद्वात) यू मादियाः लालाः (इ. वे हिंडा ट्याभीयमं) यर (यात्रा) श्राठवात्माभरमान-(खाउँ दुर्वावता व डे वारमानी, [नवमाय],) श्रिश्च विकीत् (निका-निका- असुन रिकट देखिट (याकिन कर कार कार्क (प्रम) | (816)

Key Jana Man Marie De HEST) (अस (अनुभार) न मंदमनी (नमंदमनी) व्यो नार्यमा (ब)राका कर्क) मलेव: चन (मलेसरकार्ड) त्मराष्ट्र (मक् पूर ररेट्ड) मनाज्याम धारी ७ - भर छा हु व- ल हु कारि (धारी छ लेशाहर ने-मासक अल्यान कि कमर्सेड) लाम एक ए (मार्स सके रे । या मार्य) या त्व (की यत्मादाय निकर) डेल कराइ (क्षेत्रिक काइटलन)॥ २०॥) प्राण (कीयलादा) जाने (क्रेकन सडुक) मकी ने सरे ला त्वर् (विस् क सर्भान मर्दर) यि प्रमात (अर्भाष्य अर्थना) भेगक नेमक विडल (भूभक् भूभक् विडाम भूवक) (भू 25: ((अत्र अभ्य) व लगाम् छ : (वल ८५ व अव्विष् भिष्ते (अमामकान्यम)॥ २७॥)वि [वरकारम] मेवसरे लयं (मेवसरे लयं) लाकामने वर् (त्वाक्ष व कर्ने त्व कर्ने त्व) म्नर्भाडः (ठेडम लाक्त्राम काका भावा) जार लाम (अप्रहर्मिन) शप्रमेड० (२१ प्र) हेर्वापन कार्नमा) मम्माक्रिय

(हाल क्षाप्तांत) यात्राप्तर्शकारणक्रेष्ट ० ७० क्षिकक नोनासम् यूम पर्म दन अव उरेल , कार्याला वाना: (मक्षीतन) मुक्त (क्षींवन अभ्रेष्ट्रे) १५७: (५ में कार्यमाहरात) "२१॥ प्रिक्ष क्षेत्र । विक्र (सर्व) मुहाम (कार्ड भरतम्) 23x ([42 2000] 638 d and 7216 (वर्क्ष) प्रवायव (विविष्णि रम् व) 1126-11 रेले रावे: (जीकृष्ण), यद यद (त्य त्य रम्ड) यम् (यात्राय) वेखें लियर (वाडीसे दम्) फाष्ट्रा फाष्ट्रा (काम्र] वि (अध्यक्त व्यवन्त ररेमा) रमन (रामिए रामिए) खलानार (120 al 25 (0) 06 08 (2 CH) CH वस्) धूषः (वावस्वाव) आक्रम् जरमा ज्या ५ (परे (मिट्माल कार्न मा छन्या मिर्ट्स खियान कार्यारियन) 112011

00 लाव रामलहं : (लाव रामांतलूते) वर्षः सर्मात) ७१० ०० (जी १ क कि) न पह जारा ल है। व लें। व कार बीअर (ला में लाम लाम नारान कार्य त कार मार्थ कार्य मार्थ कार्य ति त्यात्र मा) अस्त्य नार् (अस्त्य ने का प्रमाद (बाल (ल न न्ना ७०॥ (2) (2) ((2) 2) ((2 सर्व पान (समन् व्याप्त कार्न क) प्राप्ति (को कृष्ट) हात (धार्म ना (अह उ (हास्तन-अर्थ) समा (लासकर् क) लामान्द्र नव (क्यानिक्व इरे मारे) भूखे: डाविन (भूखि-लाड कार्य (यत)।। ७०।। of a है। (क सकः।) लगा (नव ची के किंद) प्रक्राः (कृष्यमा (२०) भ्रामान-(डाक्स (म (भूज अङ्ग. अञ्च, डाक्स (म न) माकि: न (न्मक मर्दे), जर (स्पर्ह्य) पटम (देशाएक) म्मेरिक्शक्र लम्बाका दें रा अध्याप

विमलान वात क्षेत्र मालन (प्रमाद 2-12年1 平年日) 11 日211 入事中: (日211) Co लिय (लाड्ड) र अर (रामान रामित्र) ् के देश (हमा के नद मान मा) नकाय: निवान में - निकास मानि । (निवा नामाने ला १-इ में किया अड अमिताया) बहुत्वाक्ष्य अर्भने (ल न जार्नार) भून मामाम (भून कार्य सगर (ल म)।। ७७॥ 401/0/104 Jang: 100 / 20 10 3 } Employ for 08 ७७: (ज्या अते : (मर्च प्रणान) अक्रर्थ: क त्यानि व्यक्ति कर है वर्गियो ज्यान ने याम मन (काम) कार्य (कार्य () अस) क (७१७० (अम्) म छ। (व (छ। अम नाम करें एड) र्जान्हः (जान्स कर्न्या) वश् वार (की कुक्ष क नक्ष व वानगा-12(77)11 0811

OC 8-4 25 [EX - MAS !) MAD (123 (4 2) 5-425 (mist) 18145 / [NERS] 18 SEA कार्य त्यार क्षिति (यह नाम मा) करन मम् प्याचन (मूर्य क्यांत्र क्रिक्र) क्यांत्र !! ((2 910: 1) CH (WITHTH) 414 (412) मार्च अभवत क्रमते र्रिशंक (अव नाम मा कार् अधियात्मादार) केवाकाकी / वीध-वाक माता र निक्क) आदिलाई (टक्कर्न क्रिक्ट्र) 11 90 में D [अनुद न त: (मन्मान) (ताला: ! (दं ट्लामार्ग!) मन्ति (य) त्या दिश्व मकाद : (याश्वाका) कर्त (- १३) की रलाल: (बायवंबाल) मद्भान महामार्ग (अक्राम्मार्डवं व्यामाम) हक्ष्मः (हक्ष्म दर्मा) रेट (अभारत) मुकार्कि (मुका कार्तिक रेडि (नरे बार्निमा) जात् (अरे लालबातक मरेटक) o कि नि (के दिक) डे मू आम कृष्ठा (डे मूश कर्तिया । [अपनमत्र]) टिकार् (छात्रा (पद्)) ट्याक्त मात्वयू (ट्यांकत माव्यम् ११) नत्कः (क्षेत्र क्षेत्र) निष् ७ क्ष्र (निष्णा मार्डिक (एक) प्रक) मिलिया (मिल्म अपूर्वक)

सरायामनः सूनः अन्याम् अनिकारिक) व श्रमा र रेपट्मरेट एक द्वार मा अप काराम महत्त्व कार कार आहे? कि का अपन (नर का ब नान नाम अन्य रेगे ७००म ाकी लग (लाक्सेड) साम् लाच प्रमास लाय कार् नाड हिल्डी (दि आए!!) भागा (नदे त्या जिल्ला) (क्रांति) मेर्ना जिला अव (मिन काली पर्य) मान्ध्र वन ्था अल्य के) अर्थ द अं (असे द कर्म कर्मिशा !) CE (NACE) HAS COURTE PORTED POSTED P डेनाह किल्याहित्यत ।। ७१। ०क [लमक्य] यास्या (क्या शाका) (इरस के का (यक (स्रीलायमम् (१) निशायं (भ्यालमस्रीक) न नी त न हा अरे प्रत मल प्राकृति : (मूजन कर नी -मह्म सम् सम् वास् मका सम् भावा) निवनीकृष्ट् (निक्र करिमा) त्य करत् (निक्ष १८४) मान्-(वान ७१ (ज्राममा मित्म) मा संप्र ([एपरे]कास्प्र)

ट्याक्ष्री (अल्याक्ष्रीट्याक्ष्री) का उ (मन्त्र) छन्छ: भट्टा (क्षाना मकतरण में कविनाह राज्य) मण्डला भट्टा (क्षानाह में स्वास किया किया है से द्वार में एक से विद्यासिम्रेशः (विश्वनिष्ट्विट्वि ८वके) व्यत्रहरेतः (असूरत्मा) प्राः (अग्यनः) क स्तिकार्या हत्या (स्वतिम्य ७१७ मध्य) बहलानि दल्यापान व्यान वन्द्र अवस् (देवस वान) लातः (शिर्व भीरत रिण्डा: अक्सरक) भनिविरकन (अविद्यासन किन्मितिसन)॥७०॥ 80) मा (बाद्याद्वी हाती) जाती न जाती न माक्या-म्डानि (अन्तर्यक्ति नाय्द्वान् व्यक्ति ड व्यविष्) अग रुपिति व्ययु (अव। प्रिक्तिक इरेट्ड भाष्ट्र अस्त) र अन्तिनि (य) अन्ति मध्ये करलः (कलनः) लितः । भीरत् भीरत्। एण्डाः क्दार (कात्रामिलक नित्यमने कविष्टिनत)॥१८॥ 8) [musa] on (oy) on (a) en espe) लाबिटबलिएं (अपड), बटहारवम् इपवर्तनाच्याः

(का मीर लखनावाद जाग डकवर्ग उ मण् कार्यन मारुता), प्राहारका: (प्राप्तक), प्रमुक्त टलाई म-त्र्मि- व्यक्तिः (डिडमक्त्य कार्य टलाईम. हर्मन द्राहिका-अधूत्र) धालमा विक्रम (अभन भानत्रम्त) (नर्वाण (मृत्य कान्या) ८७७: (उंग्यामित्य) ६८५ (भाव धनम कार्या. वित्तन)॥ ४० ॥ १९०० मा (ज कि मनी (ज कि मनी नी भर महा), द्वारे के भा भी में मिले प्रेंटिक) मानि जा दि- अर कु एर (ना न का अ क्षित अक्ष) क्षानापिक अद्विना नाः लहाई टम-मक्त मन) भून: (असूरभ) धाक्रदर (बामी ररे माहिन), ७८ ७६ (७९ मधुदन) भानाहर्व (भानाहर्व) न्यक् कृषा लिलाभ कार्यम) अटम्रे (८ मर मरकाटन) मणा मार्ज (डाक्राइन अन्याक अविद्यास कार्या कार्या

स्त्रे भागा मान्य कि विस्तृत्य) सम्माने क्रिक्ष भूष्टिक) भूके सम्भः छाः (अव्वयमे सम्मी भूष्टिक (अरहात साह कार्यमा हिस्स)॥ १६॥ स्त्रे

मूक्ष मी कर्त का हो। (अगते मन्द्र मी क्रिक में पूजा मर्गात इया। १७), जना वर्ष वृष्ट्रास्थ विक्री : (attitud angelie out of the) द्रापट वस लामा । र शाः (७५० मन र न म ना म न छ गर म का के न कर्न कर में विषेते हैं। (क्रांस कर्म कर् क्रीक धन्द्रव कार्यमा इ त्यम ॥-८७॥ mander of content content क्षेत्र (कि कि के के कि कि के कर कर मार्था) भी भूव पार्नाह्य विकिताः देव (धानुष्व अतार्थन-मक्षाव विकाद अस्तित कार्य विस्ति। (म्बद्द), हल्यिकारि (हर्य), ह्या, त्रा ७ टलमीटिक के विश्व कार्य ेदेरिकासक मिन्ने मर्पाड : (यानि राम वाक) अमूद्र -कार्डि सम्मा है। (अक्टिक राम) हर्यायन कविए लासिलन ।। 8811 कि विश्वा न कि एक दिन कि मिन्ति

(अ. म = हत्यार (हर्स इक्स मूद्र) हरीडि हर्सर * 12 DIS -12 . MINE (MAN I CAN CAN) टनकामि (८२० वसम्बर्ध हे ना निवास हर्मा छात्र हर्मात मान्य लामित्यम / NET (अर्ज क्ट्र टक्ट्र) अस्ति। (क्वाइसन् इन्द्राहाल त्यनाम । यहाड रिजर स्थान our signisims; [the]) and in (and i क्षत्र कार ना विविधाः (क्षावनामं विक्ष त्रेमा ह्याति हासने पाल यह अस्टिन् ह्यांत (८६। यो भार्ष अव्य १६८ न) ॥ ४००। 8) कमनम्म: श: (कमल Con हम क्षेत्रिक) मिश्रु एः (Стыст) जम् बकुन का चित्रमत आह दूरा: (नम्म खातु क्ल खन्न कि की या ची मू प्रमाण व कार्या (अवर्ग करिया) विश्वासः (विम्राम्य) इस अभीष (१८४ माली) आम्ट मर्ब पर (अम् एवं नाम मूर्मिय) ७९ ७९ भार १ (सर (७१०) य के ते यू र) अस्तू २९ (क्यू र मिर्का (न) ब्रह्मकर् (शहन भीत्व) यानुष्रावर (म्याप्-करम) क आजून (टिलाक्ष क विर् करिए

भवायनाम (सालान विष्ठ) विविद्ध अरमान्य (काल्याम अर्थ किलानीक / विश्वान कांग्रमा-कित्व केता केला

हिला)॥ १ व॥

हिला)॥ १ व॥

हिला । १ व॥

हि

१५ जिस (जिल्ला) मानादान: (मानवनात) क्षः (बी कृषः) ममल्ममी ९ जाए (ममादान क्रमी बीटनादिमी प्रमीत्म) जिल्ला कुण्ड (प्रति मार्गिना) जमा: कत्न (जिल्ला के द्वा कुण्ड (प्रति मार्गिना) (ज्या किमी न जात्म) प्रमे नाम ९ जिल्ला किमी (स्मिन्नेन ट्वामा न सम्मादन अदानकानिमी), मृणसपकन-

Ellianold (para man a corper) Carage can (Interest of inglated and in the interest and डेनावा: (डेनावक श्रेता) आभारत अधक्रिः अपूर् (८७१वन विष्टु कृति तेमावन अकास कार्य-(E (A 7) 11 8 5 11 29 नर्रः ([068/2] मान्य यात्रा मार्गासर) (कमंद (आते) डक्ष)ड (बाक्ष) बक्ष) खन (यो १ क वर्ष व) आहि व (वर्ष है के) व किंक (दलान टकाक) वस्तु ने नुक्लावटला घडरू (जिन जान का नाम के [केर]) ७१६ (यून तक छ) धनात प्रमार् बीका (छाडात-कार्या प्रमुक ए लीर करिया जाएक का आतीए (कारक न-कायाभना श्रेत्यम ।॥ ४०॥ (0) मूं (अ भूम!) अवाद (यव मद साटन) मर् १ वर्ष (असुन) क्या कि (क्या अहा है) मर् ्रात्र आविजाम कविता कार है दे अभिषः कार्स (विस) असे वर राह) कि मेर वर्ष (कि कि विश्वरम् कर) वस (व्यापन) मिलेड 2001 (ELLING RES ENDIS) 11 CON

white state brown that funder I much क्षेत्र (क बढार) मधार (मधार प्रकार) व्यवनाम -कत्राद (भी कामास) जामाय (जामम्म अर्थमा) लेस (लाग्रामाना) मैत्रामनात्रः (अर्थे क मेत्रायाना. पराकार) मिरे (अप्रकृत) अनामि रेम् मर् (अत्र अव् कि यह महाल त्याक) यह अवका निवन (आक कर्नार्माह), जमा जमन (जमाम विमा) र वासाम (कारान कार्न करमा) है इस किं अल्लाम (या मां क्याम की करने व) रेस दा (ह) लाम (ल्लाक्षेत्र) मा (स्वास्तामार) (या 15 मार (नित्राहिमीत्क) जात्र (बामेला निर्माहिमी) (त लाहिति!) अन्त (नर तम) भ्यमः (भरे) ६कनः (६ लन [ननक]) क्राईणः पूर्वनः लाभि (क्षाम पूर्वत ररेगा ७) समाधूक (धानु-टिंगी निर्मा) किस् कार्य (कि हरे) र कार्डिंग (12/2/ 4 AND (O (5/24)) 1 (E) (छ ००: (अपन्डन) त्य्र असी ठाळी (त्यूरा दिंहिंग) व्यम यूत्र छ : थाया (वन एक मिनी) रेप् (कारका दिनी दिनी) भूत: 1201 (अध्य (अ

main) astonemed (and all about) mening! मानाम र जात्व विषय कार्य वाच र व ल्यानि (स्व-) । ६७॥ त्रिक्त (क न्द्र !) मनी मुम्हा (मनिक्षि म्याम कर्त क्यान कर के कार (मन अद्भारन) के मह (चर्य) सिछ् (मुस्यूर) धन् (धन) अभिक (अस्ट कार्यापि) दे व ० १ (है। ते व) अ ८ अध्यः वाम (मुक्ति रहेगा है वियह) ७९ (७१२१) न अ मार्म (anzid कार् उट्टा) कि व्या (ara (त्य व ना) श्रही च श्रही व है। है (विश्व में] च व क्रियो (क) अपर हे (क्रिट् जा अपर) मुस्ताबि (द्राम कार्य (0 ह) है।। देश। (प्र (त्य न १ म!) अन्ता (नरे त्य) द्वित (ट्रामार) अमरी (अला) अम्मा (८४५ पन -ए (का अपन) निर्ध का मण्य (निर्ध कृत क्रिक्टि) नेत्त अम्र ([००: भव लाहावत] बल डमरे एड्) अप: डिबिका ([कामार]

लांब अस इत्र के [अल नव]) निपृष्ठ का स्थार (14126 010 4 24) 1 HAR: (army star) निटर्शास (अक्षा कर्ये महिल्ला (Ash Cours) Ald Bad Course aussie कार मार्ट) रेड्ड्का भवार ([x2010] केर्प हुन र्येगाटी रेशा देशा (यर मानेगा) हेल्या मण्ड विकाहर (डेप्प्रिंड हिडावकार) मिथमा (मिना ने ने भू म म) अस : अली (भू मना में) शला श् लाउँ (लाज लाज लारान करने कि लाउन कांब्ल) ७९ नम् प्रुटर (७ म व मा म की क्कार्क) बोक, (क्लीन करने मा)क नाम (क्लिक प्रान नम्म हूं : (क्यम्मीन ड कर्न्य प्रेश्टरन)।। हर्णा (d) on (masses) on the doung (on the done will) भा भाग (कार री वी गत्मामा) प्रकल ए पूर् (अस्त (काष्ट्री अन्त) वर्षेत्रावर कर्व (स्विकिं द्रियं से कार्त (०) लाह्य त ही (वाह्य क कार्त में) म अभार (अवसमय्कात) प्रमू तींड: (धार्मी अधित कार्ग) यह उर मार्ग ही (अधिक (618) FE (2 3/13 1/1), TO 1 (27 14)

लायकाई (यान मार्ट) मन्त्र ! (दि वदम!) इम्बाइएक (नव नव िका वि = र) निवास कर (कार मन मन् । [देश] प्रकृ (कार्य करें) रेडि वान्योडि नाम्या में मान्य वांनाड नामात्मम्)॥ १९॥ भियम (अवस्त अम्म (अवस्त प्राप्त) विकास (अवस्त विकास) रममा) रेम् (सा पल्लामा) अव्षा (१०७३ लर्डिडिडि क्रिंडिंड (अविश्वाच लर्डिंड) व का कार्याम) र्माता-लक्षा मान्य- विकर्तनी -सार्त- अतः - कर्मा सिक्या- शिक्ष- नाइ - क्यान्ति -वरेक्न र (वं अपना, लक्ष व्यास्त्रम् । व्यास्त्री वाद्य, प्रा, पार्वामाञ्च लाक , व्लाम्भा वा द्रेक्टिन असम् क्षेत्र के अस्त मान क्षेत्र के प्राप्त मान के का के कि के का कि के का कि के का कि के का कि का IZCHA JILEGI (1) मर्ख ए ([अमस्व] अर्थ का मकला मकला) मृद् (कासम) , मर्थि (धर्म [0]) रेखे ९

"प्रामान्स के के देवते, (सामान्स के किए) (कास) है (दार) " (बाकी)" द्वारा (सर्वेड (द्वारी व ्लम रह इस्। लीया / ज्यान उ लाम कर्न्या) ने स में में हिं। (ano या में में म्योगित के कि के में देन में हार्ता दुला : णाष्ट्रान् (दन महात व विक्रि 6 7 2 8 8 4 1/2 CM H 11 8011 Molan (वाक्षित) कि सर्व (क्राया सकत्त) त्राप्तिष्य (जूनकि शृष्टिकाकादा) मूज्यमान लकाति (मूम उक्वमत [अवर]) मृद्ताधकण (कामन महका के का ना) महात् ह (महना किएक) अन्य हिड सक्ता आसूला (प्रार्कत करिया) मार्टिन: खरीछ - करका दिन कु छ का सू (भा समर्थ -भावाबिल (धर्म प्रदी) हे : एउ राशिष्ट: (उत्यादिव अवत क्षामा) कार्यम् के हैं: (ब्लाहबर कर्वयाहित्सर भाउग S) [अमहम] त्व (उंत्रामा) अमा- सम्मे - प्रमाम -विविश्विकाि : (जलाह, यवमं ७ कर्ष्य विकिष्), नी (ठाळ्य या छि: अ श्रुत्र ५७ - व स्थापित-त्मा विका छि:

्वश्रीमारक कुछ्कर्ष सम्बद्ध , भीड्स व देवापन डेडम आदावत हतेयाता) मुदा (वर्ष प्रकारत) ह्रम् कार नाया (यून के कि कार्या) वारणन करवर (बाधर छ पाना) भूतिक छ दब्द (बाजिसूती देवत) मञ्जू : (अर्कान कार्निमारित्यन)॥ ७२।।-A) (वाराता) हेर में भाः (अरम् काम्यकारम्), समानकत्रम् कृषालक्ष माभवनी-क्रेड्डम्बर्मननी रिकाः मुम् व्याहः अस्त्र कार्य माद्र कार्य कार् क्षित्र अम् (क्ष्मिं क्षिण्य उदासम्-विसात-अत्राक्तिक त्यथू (स्व अप्रिविधात क्रवार्ष्ट्र प्रवर्ग वर्ण विकास अर्रामस्त्र) ल विक् ते : वी किंग : (अविक्रम ते व मुल र -रप्रवाका ६ कविया विभव्यम् । विकास कार्नेमारहर्मत्रो। उट्टा ११ (अन्मवाक्तिक) विकायिक (विकायन्छ)

७९ (- श्रिकाट / निमान्य या नि दि । निम्म म पूर्ण में बुलायामा) अस्ति विष्यत् (वीक्ष्य कर्णामा हिलन [अनर] निरायकः (विसम्बीतासक प्राचित के विकास । पत्र (जाय में के के प्राचीतिकार) अवह । विवास अवस्था अवस्था । पत्र । विवास अवस्था अवस्था । पत्र । विवास अवस्था ्रीवीरिक से स्टब्स्य मार्ड कर) on a मार्ड या कियान कराये माहित्यत ।। एए।। (अटियाहन] सत्रातभाष विक्रसर (आइलामा र्ये ए यह भी रर्मा) त्रीका द्वार १ ह अपी अभा मन जूरेक) दात्री भरि: (दार्शभित्र के कर्निमा) क्षेत्र अपकाक्षा दिवार (लाज न अटका तो धाते था) मत्रीकाते : (मत्रीमात्व mas) warxo: (Marx MCH) INTO वित्यक्षेत्र (स्थिवस्क प्रम्य कर्वा Canade exact) and was canaly: Comman. (क्रिक्ट) विक क्रिक्ट मार्थ मार्थ के वा विक मार लाय वस कार्या रेडि स्वीन साम ० (रेरान ७०) डे लाइ यस ठरेगार ,-

वान वासीत नारं माल रावंतर २० मंद) छार् अ कर (अरे नीकाराटक) अर (नाकायकी) 五日為1人(元首日不明11日)(日)帝都穿出(五山) (दलालात न मेरिक न न न मेरिका) सुमा (जीलिंग कर्ष) बनायुम (जीत्रांद्रवीकान) अधारम्य क्षांत्र क्षांत्र कार्य कार लय) सार्व (क्षाप्ता क्षाप्ता (कार्य क्षाप्ता क् करिए के वित्रकेर (क्षत्रकेर) रावे के कला थे: (अ कृ तक व क्यामान) भूष प्रम् पार्तः (मेवलके लयममेटर ने यह ०) प्रं ० (Сигыст) वर (वाडा) संगित्र । सिखित कार्या) र्यार का भीम (भूर २२१७ क्यानमा) कर्न्डा: (जी कार्यर-अर्िक) इति (दमन कार्न मिन हितन) ॥ ७७ ग 9 वाद्या विक्रवा (८भूशाई हिछा.) क्कमाना (जी गर्माका) अधिकार (जी का कारक) दिमा (म कार्विलाण:) नमा गुजन जाममाद्र धान मही

Man ((The LE PINONES OF MARCO MISH कि कि का अ वे आया म का ब्रांक का द्वा भी भी व्यवत् वर्तम् वान्यार्थिक् । प्रवाः अभिनाम अमि (दि आठ:!) अमनाप वामें (अमिरी ब्या लामन भिरत) अर्थनी वृत्त माना 100 र (अस्य मक्यान कावन कि) र अस (आश्रक) एक: (हिंड) मू एवं में (अंम और एक न कार्य अमर (लेका) जलम् (ज्यान कर्); (ज ((जा भान) मिर्श्वक्ष्म र माथि (मिर्म क्रम माने (जार) न सम्म (कारणन) सिट्य (मस्त्रभू मन) । आ निम्म (भी वन कवं) अपक्षा (धाराव अस्म (भ) पु छन्न भन्नामान (टडम्बन कर , प्रामि जार्ग] CAIST) 18 66 11 अर्गीयाम् नाम मः मूखाः ! (त मानिनामि मूक्षी मर!) में मंद ! (Mai संबा @) (स (Mishai) @ प्रमा: में (भराते २७) १ व (भरह) धरमा दिमा हि॰ (असल मक्ता कि वि ए ट किन) रू छ ९ (अड अव)

mars som man ([contail] contain sig) आका निरमाना ने राज्यात निरम् अ ्व : १ वर्गम लाजव व कार्य अवन अभाव कार्य में विश्वात । यस वहता : (विश्व-रहमभद्राम के व्यवकाता हु। दिलाह लाक म्म ट्लाका ने र (ट्लाकान क कार्यना हिल्लम) ॥ ७०॥ ्रिवाला (डलवर्ष) कापि हेम्मरें अवक्ष्यरमाछ-ला थि : विहित्त मू त्या विकार म का हिना थ हे १ अत इल्ग्रं) सेंडळच्य वर्षेत्राप्: यर (वेरवर क्षान् मस्रवं भारेक) टम्रूष भारा (८४२ ७ र वेमरकारन) व्यवस्थितिक क्षान (वेला व न् जत वर्ष काय लेव ट्याला) अपि (टम अकत िल्लक्षात) अन्दर्भः (अहं कार्नेशास) प्रिकामी (अक्ष करात्रेम) अ समात (त्रिक्ट्र) वर्षम्पूरिय (हेरा महत्रे वा प्रमु भीमध्यम् प्रके) र्जानि (कारक कार्यम भागमाहित्यम) माम (कार्य) काताके करा (कारी के ती कर्क) हे असी छ : (धारी ड) कि: (त्यत्रे भन्यत्र) पृथिते: (धानक्षात् निर्दे) जामून-हत्त्र वकासु य- मालारेंगः ह (जासून, हलान, देर द्राष्ट्रे मान्या । प्रमान) जारी मृत्य (मकी सर्वा । कार्य (क्षी ने विकास के स्था ने प्रमान)

ROUTINE

4	DAYS	1SI PERIOD	2 Nº PERIOB	3 RP PERMOD	4 TH PERIOD	5 TH PERIOD	6TH PERIOD	7TH PERIOD
7	Мом							
	Tues							
19 18	WED	١					1	**
4	Thurs							
	FRI							
4	SAT							400

Janata EXERCISE BOK



No. 8 m) Dann and son

Name ANOVA 8

SCHOOL FOL 19 Chatas

COLLEGE HOLD TO SEC TROLL NO _

Subject_

200

The residence of the 6 30 son (Control) (अक्षा वेश कार्या वार्त पातिका (८म् रमसा भी वर्ष) नुष्या मार्च प्रायम्भा । कान्या हत्सम् ।। १०० १-॥ ीरी । या (उप या क) मत आ का को मंद (निक्रिक). लीक्ष्य पि दुवरीं वस) अत्यासक (स्त्री अस्त ल्परंत्रे कार्बे गाहित्यत) मिल्लामा (मिल्लामा) रामक मा (सामका मात्रा) ७८ (लाहा) मुढ़ें (लाभार) भूवलाय जापन् (भूवलं निक्टे क्रामी कार् त्या : [आरं]) भ्रवतः प्राल (भ्रवत्र ७) किक अवर (ज्युक कर्ट भीव) भी या श्रें दें (विश्वाकी व] नील वसनि) जमा अव (क्षितिकी -हा नारे) ७८मा (व्यानाधारक व्यव ने कार्यमा -医四月] 119211 ०० जारप (येत्रे मधास व भार्ति) अत्मवा कृष्टि महा विशेषः (मिल-निल-प्रवाहितार्थ मूनियूरे) ए पामाः (म् ति उन मान हार्यम ने) स्थान भार्य म -मानाः (त्यारम् मूक्तिवर्गः) छः गक्ष-या ना मुद्र हिंदी: (विडिन अकाद माना भाना , य स त लाय की ने हा वा) सह लिसी खर (श्री ने कह म्बिक कि एक) यि विस्तामार्से : (विले वि क कार्या-12(47)119011

18 an (order à) La rod de y: (de dia course) carico (क्षेत्रक) मम्भवनम् मृथिः (हलन ७ क्रु मीनंहण) ७। अल्याहर हिन्द् (10 नकानं त्लात्र), काक्राह्यान (त्याइकाप्ड श्र श्र विच्याला), हाम्के (अष्ठ) मना मात्रः (न्यम वसम), विमाध्यम-रेडिट्ट (सर्व मेळ्डी १०० से वेद) में निका: (लामें बुमक आक्ष) प्टि डे उत्त (डि अप वर्) उन्धारावर (उन्धारिवाहण राव) में वस नामिता (वक्सामा) , ज्यम् क्लेस्ड (६क्रम क्लेस्ड-राप) प्रवास्ति। (वस्तामा) वस्ति (कर्नेश्वरं) " स्टेश् (क्ट्रिप् वरं) मित्रता -कर क्या (स्टा कार व य महारे) में विद्या (में वेरे-नै अस [केट]) किल्मा दे १ सिसे (शिक्षी) र्शत्य अवसा कार्याहित्य), वागंद ([धनहुन्] लिति) नकात्र (नक्ष: द्रत्न)धार्ष्यक-म्मा भाक्तर्य - अशिव स - कवा शिले : (मिल-हि अगण अति शव अविद्युष) भूत (भोक के : (भूत ते अन्याक (हार्या) छ। सण्यत (यामक) डायक वस्त (डाइ कल्प कर्ड मेर्ड प्रम ? [नवंसल])

किए (क्या के करात (क्या करा (क्या न मन वीकक) सारमामन-वान्याय (हमर्य नामकाला) ले सरमाय के के दें (प्राचन प्राचा में में में हैं (र्व) , + ७ वद (अर्वन) मार्ग (डेमावन माभने जाटम) नवाहियाए (नवीनाहिक निहिन) स्वतीर (स्वती) प्रातः (धरवने करव्या) रास्त्र (यस) अगरेश (इडहाना) भी वन्तर (भीजमी) अयम-मछड़ी (प्रयम भार्य [कर]) पाक्र तेन (पक्षेते इस्कार्ग) नीता (सावर् (नी लोक सम) कक्षा पत (अकालन करनाए करनाए) रं ली- वियान-प्रकारी विताः (रं ली, मुलं, लान उ यार्थिकारी), प्रमृलयामिकामायरेल: (धार्यान्न) श्यानियाम के विमीमानी वयता: (वन्मामने-कर्क) महत्यकिं (अवित्यार्वि इर्मा) म्मर् (मूलवीमार्त्त) यतः स्क्रत (डिड इस्तेक्रिया) बनाय मह (बनमभात्व किन्) ज्वनार . (श्र रशेष) मिल्याम (बर्शिक マオでオオ) 1198-9911 (See mover-leaf)

चीरहेण्ये भगात्रात्यकर्त्यान्यी मुख दमवा करन ्यारा भीरहे ७ मा का मिस्टिमना ने कता साथ श्रम्भण भी असे में भ त्या का मिस्टिमना ने कता साथ श्रम्भण दरेशार्थ), वीवधुतायमध्यक्षिता दिए (A & RALIOR OF OF THE S ALLEN CHE AND THE नायान के भरमा करियार के नीकी कारता पत्र (क्या सार बीच तमा कार्या प्राप्त केर के या दात देखन १रेमा (१ विनर् ।) भीन्ध्नाभ छहे वन्ता (जीमारे न भूताम हरे लामानी में नन ना थम अर-प्राची यात्रान निम १२ माट्ट), लगानिय मीलामूट कारन शिलानिया मीलाम्बित्यक (अर कार्यान धाउँ भेठ) आठ दिन म रकाम वर्त नम्भः (आज तिला किनि द्वित ना भूक) हुन्थे: भर्तः (69 र राम) माछ: (असम् उर्म) 11811 र्ट मिर्यायना भागान राजान मार्थिया मार्थिया STERN ROLL SIGN STERNES STERNES

11 30 K 37 81

) [ामार] मर्गाद (मर्गाद) त्वेत्रामितः (व्यम्पन अ अम्हन्मतीन माठिक) विकिम् ध्रम् भामपाद (माम भाजा कार्र ते) टलाके त्या कप मुगाल (आके मात्र-भने छन्या व प्रमुख्य कट्यून , [नन् । धीन]) सर्वाछ-ट्यायर (भी का का के का अक्षेत्रिक एक म इहे में) कि हि-र्राट्रेटि (हाउपक कालुमार्वं निस्ट्र) कामे वर्डे व-छी उठ (क्या का का कि एवं की (वं दे आर्य कर्त में में में) क् कर (बीक्क क) माना मि (मिन्द्र मान्ने करने ? [यदंसल श्चित) केकर्रिताएमकर (चार तकतं मन्तिराद्ध) क्रम्यम् समार् (निक्मूट्र मसम्कान् मिन्न) प्रकार (धमामकी यन मा) के के के के दिया (अक्टिं वार्षा कारिवाय अमि) भार्ष विषय्री-य विस्तार (निक् म भी तक त्यम ने कर्म मा वाश्ये (र्म विकास) वासार ह (म्या नाहार के [नियं उस भारत किन])।।।।। र्रिटिकारम] यः (मिर्क) कामायरमारियः (अभरत्व सर्रायी क्रिक्न) समाधिया शाहियी मनं-

सारकार्य (त्याल लड्डी के सारका कर्यात कर कार मुक्का कर चयरेसन्। मार् (चक्र में वेष्ट्रीयान्ते) रूते सरामारमंग (19 ale a CALISO DISTOLUTE O LALIS I (सासन में का विकास-मत्रकार्त) यातः समास (मिर्न) ये ए कार्य व डर्माहिलान)॥ रा। प्रिकाल] परमें (की कृषे) मित्रिम्शिनिटंड: स्टि: (लामरमं व डेबलामका क्रिक्ट मूटि मध्य-दारा) युष्ण् (बार्बसूरी) राष्ट्रिण- नाप्रयुगताल् (अठ्मणी स्वन्ताने मम्स्यू में अड) महानाए (ब्यिमित्वं) अअं त्वाक् वृष् (अष्यास्वावा डे दक्रे डावाल न) क्रिकी नगर् ज्ञानाह: (ज्युक्क्युमान सार्य में भूक) अवस्तरं विश्माद् : (अवस्थवं अविशामीका) , (माध्माः य १ मेर के किया (आसने मेर अर्ड के मा) (मामरात्रीयदिः देवर (लामरम (यामराभीयन्-कर्क भावव्य), त्मायात्र-वर्त्रायव्ते - वात्र-लामकानिष्ट (सिन्मार्तन मधनकात्म वर्म-

भारत्ये लाचारवान्याची का आहत वार्षका प्यात-(culacity share state of the suran s अन्य द्वा भी भी ते : में के (में त्रा क्या भी भारत ने हा दे। (हे हैं। एक) महिल्लामार्थ मानी टामी के विक् (टमामाना मर्म देश का का किंगाना अल्लान् विष्या न्या न्य र्भावप म न्यू नि व व न्या न्या न वान हिण्ए (इक्रममूखन जन तिलान तमा डिक्निक-सरम ल से श्री व बेर्न में के बहुम ना मारिम श्रूर स्थाध्य) वनीय त्यादमा हेळ प्रप्त- हुनी. जल् (ब्रेटिव हुते का निव प्रयास कु वि का लड़ (का सन्वाधिकः [नवर]) बल धनलते: (बल र असर ठे असे व ट्या- के के ने प का मी पर में हाता ल्ने (लार्यून) बलाडाने (बलार माउहिता) रीका (मर्भन करिया) समूद्र (इपीरवार्ष कार्यगार्टियन)। ७-७॥ - भ म: र्षः (िठकारम] न्योरक) व्यक्तरास्य-मुक्त ट्यालमाटियम प्राधिकाः (यदम्यद्वात् न सिक्तां ग्रेस आमक्षिस अ अम अमेर हा ना

多的原 म्याद्वेश्) विष्टम दं त्या अमः भंदाः (दुष्टाम व (आर्थ म्ल अवारमंक) में त्रा हा व्यान- कल्ला: (मेळा ला क व्याप के ल कक म बेल्या वि) आमके करंगा अछ - ट्यालीयक प्रत्यं के राः (त्यासम्प्रक्षप्रवंश (आ आ अप्रित यंग्य अ अम्याष्ट्र में अप्ताहित) अलक्ते हतम् वप्म- २०्म क्लाक क्लाक्ता : (०० ७ व्कार हक्ष्म वर्भक्ष २०४० हक्ष वाक्सर्व हाकं लावगान) मिल्हिस्यमाल्छित्ती: (वयनी क्यान क्या क्या क्या क्या किल्या मुक् (MI MOS CHAMA: (Tass] (MI MOS & OR CHALM. वालिषाका अस्त्रकूत) लवासय-प्रवः ट्यारीः कार्ति विसे क्रिक्टिया हिल्म)। वन्त्रा। 70 दिक्त : य: (ट्याक् यह य व्यक्ति । वह काट्या) इ स्मिर्देशभाष्ट्र निल्मानिश्चात्रिक- तमार्थिक् (बल राल कर्ट्र क बल २१ रण नि: अगिर विस् डेर्सिम्ल निक्ष्य वार्ड पृष्टिनिक वकारी (केन-मारेक्) धन् बल्पन (धन्नममन भूर्यक) बल्पाम-Colora (acom and co) hada ongo

कार्न के जिल्ला विकर्ण (तक वर्ष कर्ण कर्ण कर्ण कार्त (अवहन्मार्त अवहन् बनाम (नलव् मिल्र) न नाम (याचा काक्ट्राम) ॥ २०॥ my (maga) mass (am aga i of)

ma (maga) mass (am aga i of)

ma (maga) mass (magain) भग्न कार्य (कार्यन क्रिय (लिल्लिक) नित्रिक कामरे। (शर्ममाने कार्ग क्षवर्ग में नू नामाना विविधा देशिय भी भरते व मार्च विम्ला) मामाविर देव (विकानितीय नाम) राष्ट्री (द्यार्थित) स्वाना स्वार् त्यारे हिंदि । (भूत्वाचिष् रीनिवानिक्य कम बावा) नासा: विविधानिकवृत्याः थान ६ (लसुक, ब्रमाविकस यक्षाम् इ (व्यवं) मबार काश्वर (व्यक्ष्ममं भावित्र का किर्

(र्मात वर्गाम्यास्य महत्रत हरकार म कर्नाश्री) त्वी अपन् धर्मान् (बिली कार्यमा अव क्यार्म्साहक)॥ >>॥) कारणकरे: (कार त्याहर) शति: (बीकुक) कार्य मक्त् (वरममत्र अव्व दर्भा) भवः भवः (त्य त्य मात) अपासुकर् (क्षेत्र भाष्यभा) मात्रेष्टि (विराष्ट्र) कान (छाइ त्यत) , ७७: ७७: (अर त्यर म्हातर) या (अर्थ) महार (विकार विकार विकार (करमण)-अठकारन) अक्ट (श्रीम) अवस्त (अयम् अस अकाल गापात्र (अकाल क विगाहि (वन) 11 2211) मा ([जर्कात] निम श्रीमें) भूटेम: [त्यम्मारेम] भूत्व धामात के अग्नि (हिन् किमाने अल्यामें ह (ड्रिनेस स्ट्रिडिशिक अल्येक्ट्रि) ड्रिस : (स्त्रम्प) A द्वार मं ही (अली क विमार के एसन) माल हर अ (मार्ल: (जिने र अपमाल कारिक कार्या) 24 छ त भू मा सामा किन में मानी मन क (अकारण करें दिसे साक बार्षि हात । कार्ना किट्टा कार्य कार्य कार्य कार्य है। अव।। X [यर काल वरकाल] क के में शिक्स (सके में न्यत्रातिका अभाष्ट्रभागा ध्रमक्षा)

स्थिल स्वर्धे। (मिलिस स्वन वर्षेते रहे) प्राप्त स्वर्णास्य । ५४॥ स्वर्णास्य स्वर्यास्य स्वर्णास्य स्वर्णास्य स्वर्णास्य स्वर्णास्य स्वर्णास्य स्वर्यास्य

कि लिया व ने संबद्धां ने वाका (त्यम ही अंगा में ला क्यात्राची , व्यारहात - अत्वितिमार मिन्निमें जात्राची) जिस्ताराम् । मध्यक्त- वृष्टि विद्यानः (अनुमातनः विस्ताराष्ट्रः विस्ताराम्), उत्तर (धार विभीम मुक्क), क् कर् न आ नेवर् एएए (बमामिश्र की का किन विकार के मार्थिक इरेगा-हिलन)॥ उणा श जिल्लाल] मत्रम्भाः (निल्-निल्-म्ल्य प्रायेष) अभाग-अग्रामा- ड मा- वामी- हकार मीर्म् आ: (अन्ता ना, आग्रमा, ७ मा, अन्ती ७ 6 न्या वर्मी अड्डि) छा: (मूक्षामका) म्यमाया: (मृत्यक्तींने छ) ७० (अक्टिक्) धतुम् : (धतुमव्ते किन्गिरिलम्)॥ २१॥ ेपि जम (जाउन) के जम-धमब्दिन: मर (धमकान अर्थि) अपने गत्म (अपने माम न्योक्क) मिर्यक (विशे र्रेष] बरिसंध्र कित्य के कि न माडि ब्र-रामा (ट्लाक प्रभू दिन है का कि ड अरक न विकास (१५) म्याल गामा भन्दी मा (भन्दन - 3) धाना में मी इते मा) धारमे अलगा । (टमरे बेलाम् मी) मछ मूनलीन लगादि:

विद्यास्त्र में स्वाप अन्तर्भेत भूत्वाका ७ हात्रा । अभारा) हमरा (१ मर्छ। भारत पूर्ण) इसाअव मित्री रूप (स्थापित विकास सामारी मार्ग विद्यारी जात्रीय (जातंत्र केंद्र वा माना कांत्र भगिष्टिल ।।। >७।।) क्षेत्र (क्षेत्र क) अवरक्षे व्यवस्थितिक विका उत्ति मार्ड मार्डिश्विता कि वाह महात करते क टपार्भमा) वनश्रीमान (वदान श्रीमाम्) भिट्ट (धरमात कार्यत) तमाक व श्रुटिक : (खेनु मर्न) बामिए और वर् (मन्द्रीय जात छन्द्रान मि एक भीवा रक करिया) उ छ (ह (स का जार का वा का कार्याष्ट्रम रेग रेगे। 20 [वर्कारम] मं : (क्योक्क) मेर्नम समापि (मीग वत्रभवत्र) धड्यं डीएः (धम्मेर्वन हत्म) धाम ह ल द्वा (धार्ष्ठ लय लड़ा क्र इत्या ७) जारिका कंप एडिरे (रिवान्त धामधर्थ [क्ट्र]) प्रभान मारक्षि (प्रक्र भूत हार्थ) मिछटले (अपना मिछा (क) मधीको (प्रमात करिया) 28/2000 2066 (23 21 (24) 20 1/201) (1501)

देशहर के क्षित (मृश्य तार्व कर्म्या हात्री) । १९०॥ [[बदला (त] चला में जा ही पार (खला किया आपने). त्मान - अस् YE: (तन्म अ अवन मान) लोन्डा-मंत्रा (अपंतिक विषया (विकार्व वर्ता) डेस मही (काल्या अवसरमाल कानि इर्ल) अवाण्डम (नक्षाक्ष वाण्डाव छाङ्गाम्) काल्यः (र्वछकः) वर्षाचिका काम (भूगिन रयेमा ७) रदं : (क्वीकृत्यन्) युआवानित्य - वय (स्थक्सरंतरे निमाल क्रिक ज व्ययाहर भारता यः (जिल्लाल] को कुक) नार्वा विप्ता नार्वा एक (क्षी निर्मा मुख्य म ल ल ल) क्षीत्म म मुख्य म -म अर्बा हिंद (शरम के स सम्मास स स स स न न न धूलमारक में मुख्य कार्य अशीका (दार्थमा) क्यीम आर (निक्रो भू अलेलार् भानार् लड मुड को ना वारको ज्यानी य स ल ल न स श्री यह तार (क मलान सर्यान में की माला) सनू एक भा (निर्म मू कित्रा हिएसन । भिल्लाकार्स अर्थ हे छार्व अल्य म अल्य न न निम्मनी डावि छ करता न अठमक्ष अप्रक्ष])॥ २२॥

ि ला (लक्षेत्र) में बहेमचा: (लवंत स्मिक भाषा) साउवः (अष्टिमानीया टमामीयार) यायवान् ला अ अ मं (मिला- मिला- म का म त्या ना म मिला) उक्ष म के हैं। या क्ष्यमंगा: (क्षी के दिक्ष में दिन हे पिए क में में प्रमाय प्रिक्ष कार्या मियाना -व अत्र : (अत्र प्राव भाव त्यं म व अत आर्द करवंगा) सर्छ: (हज्ये इरेट) पाछ उठ (श्रीकृष (क) भाववदः (वर्षेत काव्याहित्यन)॥ १७॥ B and (Tay xaren I mon ay a minder) र रे मा ७) सम मा (स(न ग्राम) ७९ छ छ छ छ छ (भी कृ तक व समान) डायम हो (16 हम कार्या -हिला) , डेड (नवर्) विश्व सुन प्रात्म (गार्डेयन ४४ में ३) स्र प्रतिकार (स्मा १६-मैसम्बार्ग) वह लयायन (व्राप्त पायम कार्यकार (सत) 11 2811 (ट्रिस्ट्र (१ वर्म) (म (आधार) अवर आयत नियू मार (भूमियूरे) (मामा: क्रिंग्य)

मार्क (विकाशक कार्य मार्ट मार्ट मार्थ में विकास And (mid) ou willy, (Cut-out a side) & र्10 (रेक्स) जागढ (र्या) कः मृतायायः [[colous]] Est on Pal 212); (] 1 5 611 क्रिक्टिंगी कार्य दिस्म मा (िव्हि न का नामक) विश्व छ्य भार्कः (१य. ७- भार्किश्वाद व ररेमा) मिनर (अस्य मिनम) काला (न (अहीव लवंद्र) जन्म (विद्यंत कर वारम) ाम जिल्ली (svor-1माना) क्यर (हर्नेसा(म) ली (य अर्शिकी कर कर्न कर्न कर एक आ (य न) म्र आ 29/ (क लाय: (अक्षि) वा व्या - रामक (को (वाव्या)-र मण : का कूल हिए) मिल्द्रे (क्राका-मिल्टि) य भी (मिल्न) १ (ने म्लान में विका त्ते (१ न 3 लात का-रा वंत-कार्कि है। किनेता पा मार्थी भीका (धाराय व्यवना करने (दिश्येया) अमर (विदाल] दिल ए हिला में। रुपा कि (आकायन (आकायन) म: (कामार्यन) यर्थ र (यर्थ) ; जा : भार : जू (कर्

(मा- मध्य) मका (रमन्त्र) विन्द्र भाष्ट्र कार् (==- out 21-5/4) " Count : OM (Conday o टलकेक अर्थ (यर्थ) विष (वादा व्यालय) श्रामिता: इर्डे: 7 टिक एम भागमन्त्र मर्ड 1年3年 至学 1112年11 50 810: 1(CX Q 212;) & 21.8 (& 2 2/20) प्रम् मिला कृष्णि: (कामूक्ड परमक् कृष्णि २५); र्धः वाक्षणः (र्धात व का करिय विक्री उ" टमरे र्मक (क] क्र र्मा (र्मा कर्ता); न : (जादार्क) न्थर ज्याकारण (क्लेमाल कार कर्मन) (= डीय (अर्थ म्यान ए ट्रांस (अ (वरे) दर्श: (वर्ष) काम or on & (कमक -क्(ल कि) यह क्ष्रिस्ट्रिस्) 11 2 के 11 ७० भाम (यामें ७) त्ने (की यामावा वारी ७ अपितास शरा ना अ हे दिए पेरे) अप आर (अठ) अ -खासके) में बन असे असिक मार् किसे से (चर्डिस अप छने अस्मय (अर्वक) (प्रते कार्वभा) क्रान (समार्स) कामायं (कालमार) यमल है: (धारान देशकारी कार्य माण्याम), जनामि

एकाल क्रिक् (अनमें) ध्यामी नद्वा क्रांचल (कानकामकाम काकना क्रम) क्लाबान (MI M M रे) अध्यय म (प्राय्वाम मूर्वेस.) ल्लाम (नक्ष राजभाष्ट्र व्यमन्। ७०॥ भिट्टा: बर्भ! हिर बर्भ!) मूल्य!(मूल्य!) मुख्यीलड! (公在日前日本!) 可以多五本!(公有不問! 大师。 र्भन: (जिल्लामन) कुन्न: धारा के विशेषकार) वाम : र्वाम करण) भू भा भू (जामा प्रवृ निकरे) प्रश्लेष : (प्रयमी काले वास) 11 0511 OZ [यर मातकरक] मना (मर्दारे) व: (त्यावन) य द्वीय: (विश्वास्त्र कर्ने त्व), निक्रतीय: (निक्र पित [अवर]) भागतीय: ह (क्या कवित्व) (६९ (१०५) देश वी (अठनु छ। धारमञ्जू भूर्वक) इंद्रेस) माने (का ला क) कम्मी मंद्र क्या गाउँ ता । 10511 क्रिताः विस्मान् : वर्भाः (त विसम्भन् द्रमानतं) अदा (भर्यपात्रे) व: (जाइवा) क्षिण एत व मुनारी: (अएत ७ क्यूनी भाष्तिक्रिक) जायवारिः (भावकारम) व्यक्तिः (हर्षाम्क)

मिति: (व्यक्त किस्म) अन्त (वेकारक) नेअपान: (चेका कर्नेट्र) ॥ ००॥ 08 वास (व्यक्त्र्य) विका (स्वर्याम) वाला (क्रिकी) कर्ति (इस्याना) में क्या (बैडान) क्याम म् नहीं (असे मन म कार्या) भेज्यत्नाय-वार्ड: (जनस्मन मधनद [में]) ग्रामिश्य में लि: ह (अन्यात्रेश्य टार्ट्स वीक मन् प्राना) वक्षार् विकास (रेम्प्रिया अस्पात्म प्रक) व्यम् (द्राया रे) 20 हिर्देश क्रिक्सिन (क्रिक्सिन) ववक विक्रम कवियाहिलन)11 681 3 [mas : Vales : was : 2 10 (3 4 2 1 min) 3 मिमाटल विम्माटल) ममा ७ उर् विने (क्रिकेट) शुन्नाका स्वामिक १ (क्षाजान सम्प्रा ७ क्षाकानकान नगन ल (न क क्राक्तिक) मूज्र (भूज की कृष्टक) त्याद्रुपर् रेषा (राज्यमान क्षाना क्षान ने भूर्यक)किति तिप्रविष्ये (वार्क्षः भूटाम धारम्भेन कार्नेमा) उद्देशन-मार्ष में दिन (से क्षेत्र में के कर्न के हिंदि हिंदी)

रिवन ने (जिसे (कार्य वहन) V ENERY बिश्रंदरी (आयारे करने कि विकली (यान विका) राक्षक महा देव दें (राक्ष क के किए न रे से अ बातेशाह तेत-) ॥ ज्हा अति (अ रक्षां] , त्यक: (क्यास्यं अ अ) हैं: त्यार् (क्रांबुची व लाकान) निमा तत्व (संग्रह्मार रहक) भीत्। प्रदेश (भीत्। प्रदेश द्वा मार्का (ट्लागान) रक्ष रहेत) वस्तः असः (अयनवार क्रम्म-क्रिक) न रमश्याम अड० (यम अडमामक [नवर] फिल् विभिन् (फिल् विभिन्) छापूका (अले नकर स्य: (अध्वाम) यह प्रड (यक प्र) माम स्याः (छ डा मध्य कार्ने डे र वर्षमाडान् (भर्भमा -मुक्) मिष्ट् द्राष्ट्र (क्राल्पाय का कर्त्र क्राणी शर्मा प्राप्त प्राप्त का प्रमुक्त क्राणी शर्मा प्राप्त का प्रमुक्त क्राणी शर्मा प्रमुक्त के क्राणी क्राण म: (अर्क) भूमार (मिलान गाड कर्मिकार पर)।1061 Fronth] /2: (The mone) in the condition (man INDIA WAI

39/20 ठाउं: (नी कि) । अ कि त्या । अ वा साजा-र्द्ध) पाल (टाइम) मामिष्ड: (लामिष इक्रेम-कि स्वर्ग में ते कि कि कि स्वर्ग के कि स्वर्ग के कि स्वर्ग के कि स्वर्ग के स्वर के स्वर्ग के स्वर के स्वर्ग के स्वर के स् अभि । प्रानिषा) समायुमा (धीरमादमी एउनी [345] CULCA: P CHIMILAGS: P. CLANA 3 ट्याभी मेर्न ह्र क) ज्या (अरे स्वितानिड इरेगाहितातः विके] हिः (हारा एवं मक्तिरे र्रेमाह (यन) अ: यम (व्यक्त व वित्र व) ज्या (ONS 4 M 3 [MI 120]) ONES (EXTINE (MA) 11 6911 भि [वर्षात] मः (अक्क) कराभाष्ठ वृद्धिवंता (कराक्ष्मण अमृत्यकि मार्गिया) यकालमामार् (उस ने स्थितिन) विश्ववाक्ष द्रावकार (रमेप. नालक्ष क्षा क हा कमने दक) वर्ष न (का विक कार्विक्रि ७गण्यतः (तिल्ब व) कार्यसभामः (वम -सब्ब) मालकर (मिलपम कावं भा हित्सम् ; [कार् छिति ७]) जगह: (७१२१८५) अम्बर्भ यर (द्वि से वायाते) जात द्वापिक: ह (वित्र महात्वे अर्गित्र लाद क्ष्रिंगिकियर) 11001

of priz ma ministera In wen क्षी काम (माइक) तामार (त्ये च्या मंत्रामान्ते) म्लाक) ट्यायाम् (वट्याका (ल्लाक्रिकेट ह्यायम) माय (मान) काटल अवत्य (ल्या क्या हे के ल अवन-(मान) वे क के लिया सा (विक्रिस स के हित प्रीया था) अकारा (धावक करिया) असलां क्रोर मिटनड (मिल्ली अटलेंडे लडे मा क्याहि किये) 11 6011 80 (ममाओ (द समाय: [बाम]) हम्मी (तम्तर्भात) यू मार्रेष्ट्रा (यू पिछ करिया [कारक्ल]) किया: भिर्म : (पूरे वन जिन भारिका) (अभाग: क्रिम् (महाने करा), बमारि (बममार्स) अवार (भी भूते) तमें (जाकात्व व हेज्य व) भन्न मः छविण (ब्रियम ११ (व); प्रांथ कक्रीमा ([लाउं विश] नाम माड र अधिरवे) माड (अधियेते) इसमा (एय-त्माम इस कार्यमा) प्रकृतः (जिल-कु एक कार्या के कि कि एक) क्षान ह ने में (कार्य में

*13 (24) 3 3 4: (Man [Beauty]) 2 mi (दाक ट्यांट्स) मार्थ का गए (की ग्रिय मिकार्ष) इयार (यह से ला) इन्हें वार मंतर १ १ में लाय 8) यः (बारक) प्रमार्टिया रेसा रिसार्वकारेको रिष्य-वाना वाह्यार (अयंत्राचान) काल्यर (काला) मनाए (आर्रेन कविनाहित्तर ; [आव])कार्ज्य नम्म (कार गर्व (क्षिमार्थिक) ७ ९ करें। अर्थ (क्षी मार्थिक कराक्ष्र) अम्बद्ध (जिस्कोटमर (क्षेत्रकांत करेग्म) काजर् वय्षा (काठवंषा अकाम कावंगारे) धन (मार्ड: लही विवर्ग लम् साम्य कार्याहिन) 118211 8) ति ([ज्लात] की शकी उ की हक), मर्क तक: (काकाल्यन मर्दा) माध्यमत धार्म (ब्रियम-मर्द्ध ७) लम् तः (लमाउठ क्षिम्) स्वार (क्रव्याम) सिम: (अवभाषंत्र) करामारी: व्याल (कटा भी मार्थ) लामार् ३) टमाम्स लासि (उस त्यास कर्नमाहित्य). हि (त्यार्क) त्यम् ने: (त्यामन) अने विदिया महि: (बिहिन अहि) पुक्रश (बस्ट क्ट्रिय पुर्टिमी) 11 821

80 लाम (बाडक) माम्यारमास्य (बाम्में क एक्सेल विष्माद) अकार - लालन (मिल-कार्य क्रम क्रम हाना) निवर्षा (धाराक कार्या) असला (तिल्ल् मार्क) यि ता (अद्रेश क्रिसाई लिंत ; िवान] या करा वा ्र भी मार्था ७ । उद्वर् ७ छिल मना यर (श्रीकृ (क व ि (16 उसमा दिशम्क) द्रमारिक) अहरू कृतेन-अञ्च माड: (श्रीम कट्राम के ल अधिदंबं राद्य) के ब्रास् (तायकि काइयाहि (लन) ॥ 8011 88 [व्यक्ता का किन] अधितः वार्वः (स्थितिन वर्षकर्क) व्याक्षः (व्याचि र्रमा), व्याष्टः (अस्म अखाल) सिन्: (खन्मन (दिन्म अने अने-हासम [यर]) भृषेष: (भनाम् हात्म) बल्हा धाकर्वत (ब्ल्यामिमनेटक धाकर्वने भू विक) अव्मेत् अत्यक् (वम्मक् अत्यम काव्याम) डे अहम्टम (देशक्स कावं त्यत्र)॥ 88॥ 80 रानु: (का किक) में के (में मंग्रे) किन्यं मी वर (की वा वक कविया), अवली (बलाव भारत) (अर्थकार्य कि (अरा कुछ) निकटने (धावानिकारक) णान जामार की किया (जान मान कर्नित दि। भूना)

मंद: विक्र (अम्भावादम क्रायम् कार्मे में) ल ने बीर (निक्ष ने नान मार्ड त्य में ना 8 हा। प्रमाय असे किंद्री (यह यस विक्र) का भी किंदि (श्राह्म केंद्र (श्राह्म केंद्र (श्राह्म केंद्र किंद्र क्षित्रकार्य) यः (क्षान्यमात्मे) अस् र म कर् (मध्यतं (माम) नर्द) व विकल् मायह सर् (mo 44] # \$ \$ 30) 404 4 44; [MIS]) क्रावेज् (भी अते) तम (धामान) वमाना (त्रवित आती) अभागी रेप (अक्रारन) आ लती मा (लागे रेमा पि (यत); ठाठ (र्वावड:!) шт (шт) (ы (шты) क मूक (अ अरो (क क क. (अभिते कामार कर्ण का (अभित प्रमान) कि दिन-[म अवं (अअ दा अ । इत दरेगा । अ गार्ट : [are 7 व]) (मायर असा ([लामान] बाब मार्मा) माद्राष्ट (यववं) ये देशः (काष्टेरः) अकताः (कार हम्मा [कर्लक-क्षिप]) कान्मामः (अड्ड ह कवादे (वन)॥ 8 ७॥ (सर्ये थर) अधिहा: विश्व : व्या (अद्भ- विकार

mas syna) un (un in (ound orland) बायल भी बहा है सा मार (भी बा बन करते गा है से-म्राम) ल्वः (अस्मिटाल) ज्ञास्ट्र (४४७) व धान कान (७ (१) । १९१। 84 [अन्दर 1 महः (काजा) ७० (भेरक एक) राष धात (वस्य बनिसन हिंगाम] त्र (छाक् (डेडस (डाल देन) टक्कार्य)।स (टक्स कर्मय) प्रश् (पूर्ण) अम्राट्स यह (अक्राट्स) उर (जारा) है के। (त्हाबीय कार्यां) ला अवार्ड किलानेडे-कात्म) क्षेत्र का आकः ? (प्रवत चिल् ने प्रकावकन कार्य (व) ।। 8 1-11 क्षेत्र क्षेत्र (हिम्मी क्षेत्र) हार् (भावारक) कर (यापे) ट्यायामि (क्रानिट मारे ट्य), डनरही . (धामनाना देखाम्दे) कुछ (छानातने (एडान्न करिया) रमार (मूर्त) मारिएने (क्रके किए [विवास कविएएटन] , जमा (जारा द्वरानर) (कार्यमान) सार्ट्ड (स्तान्त) कार्ट्ड (एडाला अने) (७११) १११ (७४४) कावन (महरू)

A ENTRE ENTE TOTAL ENTER STORY OF THE STORY OF THE १० कि कार्य । धर्म हत्यर ने मल्य न मा । निर्मा ने के न मार करके व्यक्ताहर विष्ट् नार् वाक्त-180 + आका मा का के के में निया न दिला है। का मं अत्या का त्का) कृष्ण वतः (त्र व क्रिक्ट) (क्रम कावेमा) प्रतिक का प्राचिः (इत पृथा इत्य में प्रिक्टाना) प्रशिक एप ये: (सिक्ट एप ये, चित्र का व्यापका के व्यापका के व्यापका (हुन्न अ ध्यानियेन मुर्वक) स्यः मुद्रः (सन्धान्) र्बस्यः (म्यप्रवस्य क्षेत्रक्षाः । राज्यः । जिमामता: (अविद्यासकिति विमेवसामपुर) ठेमाम् विद्यालमञ्चन विश्वनामि है: (डेम्प्रासूध विव्यक्त अभव मूर्य नात्म जामन [मेर] मिका ट्राक्र ने जी हिं भी करें : निर्दे : (जिपी में प्रामित्राच्या अवस्कतेरकार्य विक इते ना करेग्क बिर्यमन नार्निका हिंग ! (कर्णक बिर्म कुल नास्य हिम्मभूर्षात्य) निजीवनायते व्यः (अर्ग्यात व्यापन) तम भाम कर्न्छ हिला) ज्याका का निया का निया का नियम का नियम का कार

([idam 1017] agrospatoria from 3 र्मेल) राष्ट्र कार्यम् (वटन अटनम कर्म्स रिस्ट्रिस) ॥१०-१॥ @ [७० कात] के एक (कीर एक व कार्ड) तिरहरक कर आ (म्बितिकमकानी) अलगा (अलगामिमते न) कार्य पालिया विव (अकत देन्य मेरे) तम्त्र श्वामीप (मयमक्त भावरेष इरेगारिम) कितेम (धामतुन करे का निर्माल है) जान (क्षेत्रक) ब दनन जहां निर्देश (बतन क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक) एकार (स्पेत्र देश बेन वर्त) असहाद (अर्व ला जात्वरे) स्वितीन का कासूद (विजीत एकिए बिक्से रहेमा काइन)। एए।। (8) यत (ट्राटर) नवः (अक्ष) गः (विश्व अक्षी] जामित्रक विश्व (जाम करिया) वर अथाजि ([कायव] यम अपिल भारत करने (एटन : [००० वरे]) हव्याः विश्वाण प्रामा) म्यव्या व व (मावन्वारे) विमार अभव्ममीय दिश्व (यर १२० रे त्यम) ए ब्रायमिन: (सर् ब्रायमेन अप [७० कारम]) । अत्रा: (८अ८५ अभ्येष) असमा पहार (इन्नाम हत) क्रेर (मुमसेका अरे OG (2012OL) नापर्हेड (ज्यासि क्षिक्ष्रिय) !! 6811

क्षि छन्। (०५माटन) । इटलः हिनी हिनी- निर्मिष-अलि-मित्र र निका: (बीक्टकन का छनी मूल हिन-नामक लकी में। द्राह्म क् क्रिका भारती अवगरीत प्रारा कार्राह्म), युगमाप (विश्वासका व्यालिक) म् भा द्वारां प्रभाषभ १३ ७ हिन्द महार्थ. ज्यान का : १ कर में विक्ता नवती है कि या रहिए निमाहित [अवर] विट्या उपान् र श्रेष्ट्रीय वित्र मान वर्षे र्ता है असे देश में अपिक स्थान के ने ब हैं । (क्या के के के की बर्मित (की बर्मित भी कुक नदी आला - कार मारे धिम) वत-अधिकाण (वतक्ष भी धकर्क जा भनी)

((अर) न्या नामित: (हार्म निल्ह क्याम 3) ((अर) न्या नामित: (न्या निल्ह क्याम 3) ((क्या निर्मा क्या) (क्या निल्ह क्याम 3)

मूरीका (अर्थ यम् में अवस्त्र । कियमान लेग-प्राच्छा यहत्यते) कुका युगा विन खबला विद्रीतः (की के कन त्या मान प्रवानित्य । १०३ १० वर्षेत्रा न व्यक) अवर (क्यामान) तार: (अवीवकानाय) टमर् धर्मः (भार महाराज्य मक्ति गरि लम) ।। एए।। @ यद्र क र अहिमा : अहिमा देव (यद्र । मिका का न मार्टिया त्यक्त धारा त्यार आर्टियात्क विशेषा यापं (अरे मल , अला: लाल (सरह बीस नव) भृषि छाड (मही असर) आर् आर् मृत्यार मृत्यामार (निक-निक-मृत्यामेति) मकेर कारान (मने बिद्ध मर्न कर्न कर्न गर्द थियोः (2 (2 mx 41 CM (AA) 11 @91 (मिलार लक्षेत्र) केलवर्षी (केल्या) सर्व राजा My (sing the stangent string) MIRONIO (मल्टाम्मा) जार् मार्थार (अरे मी वादा (क) वर्त्रश्रायमः (मन्त्रम् क्ष्रिक क्ष्रीं मेश्राप्तं महत् उत्र (उत्न) कामन (काममन कर्न्याहित्सन) ॥ कन्य

क्षित्र ने दे हारा ने जी मारा में के के के कि कि में में है। ्याहरू हिल्ला), क्याबि (क्याबि) क (डाराण) अविस्काः यह (कीयम् अ भूक्ष-सिन कार) त्र प्रकार ना । क्षित्र मार्थन उलक्षे) एवर कर्यान (निक्स निक् कर्क राम्दर) (मामावानिक मिल्मिन्तिक विश्वितिकार्क) | は火川日本| 立 名をかるのり (100 三) またが: まるかり (कर्य क्रीया क्रीय अपने । एक र क्रिक मर रिक् मर वित्र विश्व प्रें विश्व के विद्य विश्व कि विद्ये मुख्य (क्यांत्र), के छि मकामितार (अड खेनाक्ता) वेश्वकार विश्व वाक्षाव (एक में क्षाव िकारी मार (द्रावाक) के अविशेष निमीय: 20 लाम (अवश्चात) मंत्रिमें प्रात्ति (प्रात्तिम) कुल बल्ली (कुल ना) कारियार (कारियारक) अव्याम (युक्त व्यमतिनं मानामादिनं सदम) भामकें दे लाएकारा प्रमाप्तिकार (प्रायतिक अवकामन

Este ein v & Giring] भिर्म ने कर्प डेव्यूका श्रेष) वर्षा: वर्षा / भी वर्षा लामधन माला) र्डम्भर (मार्स माड कर्रमा) कार मार में मेर (का में मवान भावन वानमान कार (दाभमा), लाए शक्तिलार (लड़ छावासता) बाद्यार (चार्यात) एक मधी (एक प्राप्त कराइंग) नमर (द्रायातक) केका न्या है यिया है। (का कि एक न मिकटि अरे मा भारे बाव रेक्टाम) अवादी र (विकितात अक्षा वित्या मित ने 11 5011 ्री कार्टी (क कार्टी!) म्यामि ([क्रायमात] अभाम कार्डाकार) रे त्व (वासमास) रेमंट (पर) कलारी (सम्मार्थ) में या (यर्वेद्वर) लंब: युमालाई अवार्य (त्रवार्य मन्त्रेन कक्त) अभाः (३४१४) है। में लाय (हामा ३) र स्था (मार्डिक्र) Fre CHIPA OLS & MAI (FIR CHIP & SX मारे ।। एउ।। 2) वन्न (नई त्यमें) दिलात्क्रमंतु (उत्पाक्तु) oron: (र्याव) भाक प्रमेश्व: (आकार्य में प्रमेश्व-(३६) धूरिण प्रमा (हिंसी महाकी इने भा)= अगाई ही अप (अध्य-७-अ दी अ मार् अथा व छा)

श्रिकी (नरे श्रामित्री) भाग नक्ता स्मार न (अध्यम कर्षात्व व स्म क्ष्रात (क्ष्रमा क्ष्रका) सिरा भागमा) व्यापा काल वामका (मही-द्वी के के मूर्य) अर्था भी ते (अर्था एमा दिन तका), व सत- भार छ द स्मेर (विक्या व से कि जानका न-असूत्र) ७ तम (वैद्या तक) ५ 30 (मान करने मा (क्रि)) त्र व्यक्ति ([व्यक्षण] यद्या) मेमामा : (वर्ष व) क्षित्र साहत्र विश्वका छ - व्या नार्डिश्राहिका (मसका वर्मा) जमा नव (क्यानामार) प्रकार्मा हुन हा हे निक्क में : (धायन कार्य अस्मादल के किया में कार्य कार्य अस्मादल के किया ही से अस्मादल के लक् वर्गा व्या (निष्णे वाडीके आर्थर मिल्ली त्राने यू ने महात्र कार्यमा) जार (हात्रारकरे) में वरी (में श्रीमहका (क) लिवमें (निसंस) बालिभाष्टि (सन)॥ ७७॥ अश्विद्य! (त वर्ष!) नार्व नार्व (नम. नम) द्वरणाः कू न नहीं (का भाग अंगे की रे का क ([कार्य]

निर्मा हे क्या मान्य के पढ (((((()))) विकास निर्मा) भारत (कान एकार) द यव (१५१२०) वर् (इस) मध्यानाई राज (वर्ष न आवत त्यामा न कार । मिका लाम (तमर लवागरी) 'वर (त्या ८२ पू निवालिया (कार्यान काली कारत न्या करेंगा अर्थः (अस न्याय न्यायी रख)॥ ५८॥ A & (विश्व) अंगर मा हि। (अंगर अश्व बता (चपर)) लामामार (ललं के की मार्जन) देल्लामार (सर्वक्री-विश्वरम् ७) केलला (श्रुविश्वता); अली (काली के प्रो. विसाम के नार में १० है। के काली के व (अर्ब कि) है उठ मायुक्त (Course प्रकाद नकार आर्था कार्डिह)।। तहा क्री मन्त्र (मन्त्र) हत्य नाम्द्र (हर्मानकान भागम करिए) वर्षावः (हित्रास् भाव) (लाधान (लार्बन लानी), भूनी (भूववान) विक्यान (क्षेत्र) लाम नाही: ह मार कि राम्ब्री इस) निमाइका (आमामिलेगा) (वर्ग म अपनी (टबरें में अपनी टिप्ती) जिल्लाम के के जार

(कारमानियाक वक्ष केलादमार कार्यमार्थन); (हस्यापाय वर्षेत्र) हात् ल्याल्या (कामान तिकर व्यभी कान्डाह) 11 एका ७९। रे री (१ र इसे ए) जर्म: ह का गः ह / जर्मा अ म्भीता दर रिक्नार (यर्ने भ मावाद बह: (मन्त्रवाका) मण् (वस्वत्रे मण्) । भणः (टमट्रषू) धामा: (नर् वर्ष्) लामिना दर्भार (मर्म लायम (२०) ले मात्र लाय: लाय समाम्बर (अक्ष क्रिका छ प्रका इरेग्र हो। ७१। A (म (मामन) नक: में : (नक्षाय में) ल्या, (काडिमन) व) अभा (भाषात) कुलामी अप्राप्त (अक्रेस-WIST'S [345]) MAKE I WE ([OUNE 73] JABE बर्ट्स) ममा (माराट) कमक्ष: म (कमक्ष मा मर्ट ्रिश्च]) कमा (ट्रार्य संदर्भ हे) अम्पा: (नर वर्ष) १९० लाम्लाममंती (१९ वंका कार्यमा) मूर्याहम् निर्मा (भूरे भूका मिकादम भूवक) ल मही लायन (इंडाटक ब्रेड मिठोरमंत्र कार्ब)।। ७ ७ ।।

(वास) क्टार (कड डड्ड) वासके खार (शतके) इक्टी लक्ष प्रश्वास्था-अव-स्वरावा (जिस्से ताप) लक्षेत्री काल्या स्वीतं है के मान में में ने अरामेश्वात् (भूषमङ्ग धात्र), अवार् (वावाभूका) 3226 (520) 3240 (and) " Maso इक्साम दुलक्षेत्र (म्यून्स दुलक्षेत्) (वक्ष्येत्) विकासमा १ विकासमा १ मंद्रीया (अर्नु अर्ब) लाममा सम्पा (प्रक्रमणी नरे के स म कार [कुन]) आस्ती कर (क्याहर धार्म महे-बहे मा का भार्थि (मर्म धार्म करात्र) (अक्रम, कात वित्रीतिवाते विश्व मात्रक न यार्ड) मूर्याक्ताम (मूर्य मुकान की) यार् (भावा कर)।। ७०।। 40 नामे (a नामे क ! [व्रामे] भा की हजा कार्य (आश्ची ७ अमत्।); श्वा (हुनि) क लाल (कामाइल) कराने मधी (मिक-मधी आ का का एक) अकराकिती म वि तिया (अकराकिती भाकार हिर्वताः [कार्य]) यम्म किल

(दम । एक) न सम्ताः (मोक् क म) अकः व्याभ (न अर धर्मा १ अदाकाक इ सर्म ति नार पार्ट), एटेड मिल्म (or मिला मार्च) व: (त्वाधना) धानुद्धाती: नार्थं वन (अभारते कान्द्र , धार्माय पूर्व वरे एवर एम दिक् जाम कार्न (व) 11 90 11 0) बहरमां (८ बहरम मामुखां) एरिश् लाक्राकंट ० (असे कि त्राचन अमाई नेपटह , िलाइ न पिएक])। Quinty aim Y: 218 (CAP) Court mante (a) 24 /2 / (a) cola) pose (a) 1 /4 in: CONTRACTOR SON SON a if the sound in a part of the at Charles of the month of the state of (38 my 21 & Cat (38 a) you are a course -लि अ वेश्यं द लक्ताश्य) ट्यार्ग अस्तरः याद (अव्य त्मास्य व्यान्त्ये यक्षात्रः [000 02]) 0000 (0WH) 2 4(in: 1) 8 टाना (त्याराद्व द्रव्यान द्रम् द्रायं (4/2012 (12/2023) SUSWERD) (13/3/3/20)

大学在大厅中里的成了一个人的 JA [@ MY] CO (\$ 4 201 0 WILL A TOWN श्राव्याविक (1813 व्यक्तिम प्रमित्त कार्य पार्थि (कार्यमान) के हु: (नित्ति कार्य) [one नित्ति] मिन्नार् प्रशासन कर्ने); मर अभा त्यार क ला : विकास द्व (विकास के विकास के प्रमाय के प्रमाय (प्रव त्रवंदा (क्रा कर कं राज के लो) ला का क (लाप का एक (म) लवम वर्ष् (क्ष्यम व वर्ष क) मठ०० (मर्वा) की [लप्रकृत] सर्वे के कार हार (क्यों के क्या की कार) वारिमामा: (वारिमाम) आकाबाह्यर्थ (कारम्भ-वरकरेक्स सर्व) असिर (अस्य कार्नुता) (कार्यका: ल्या माना दे में । में व व पे । हिंदा : लाम (लाक्ना में डे सड दारव हिंडाउ टप एवं अपूत्र कर करने me कार्यमात) दिश् र्षेत्र (दिश लासम्भेष्य) र्द्र लिये थ्याः (यद अलय कार्यता -12 (MA) 11 9611

del trais: ((masa trayung) " onus (a (x जानवन के के क्षितां कार्राविक कार्या CANAGE CARE JAMINO SING 511840 (अपम्यत कार्य व अभावत्य पूर्वक) या देशवार्व (अद्वेष डेबार्ड) प्रांत्रविद्धाः (डेबार्विद्धा). 14 ad mis (12 del say) of ing one (of ingula) भामाद्वारम बीलमारिए: (अप वर्षम उ बीलमारि-हारा स्मा अवित्रकार्य अर्व हर्म (अविहर्भा कर्दिशाष्ट्रलय)। 981 १० [अर्था] व्यम्भी (जीवाक्त व्यम्भी) जीवर्षत (मर्वाष्ट्रीमा भी) अलामिनी (अलामिनी) मस्य (बस १२०) अविमार्थित्य भीवाम (मनीकर्क त्यावि), लिस्याम् के (यमन्त्री के कार्यम् मूर्ग), म (बाक्या दिख्य (क्षेत्रमें विकारिक), ब्रह्मी - वक्रेन-कर्तिकाय- वक्ता(प्राच्यामणा- प्रश्नम- काणी- क्रमक-मामाक्यमं निवकाक्षापि भूक्षाक्ष्रं (शास्त्र) यकारे, करिकान , बकूत, भाकत, विमेश्रे , नवमार्जिन, साहि, हमान, नामासम्मन, नवणे उ अप्र अष्टि भू का वानि) ट्यम्पाः (निक्यु मेरी मी वार्षाव) ठीउंटः प्राध्यत् अभीत ज्याप्तारं स्पूर्यापर) (dou)

and a super solve की मा राक्ष (जीगका) कि: (इक में म म मैं में मार्ग) यह स्ते छते। द मु कि कार (भ्याकान द त्र ने में में म भूठक के (ल) के कार्य आधायमें ति शमां के कर ? (भी करकर द्वर में ल कल ल्याना त्व व विवास-ल जाकाकालियों विवासकी विवासकी राता) विव्हयड (व्हार करिया) कर्ष् न-भारति हारा हिया भू मार्थ कार्य मार्थित ।। १७१। 00 24 ([arsa] 1013) samy- 56- Cyale-in-ब्राविषाः (तिका र एस स्टिस को ब्रिड उ क्रियम ब्राय-कारम भवाति [बरे]) क्रकाके-िछामन-६न्-विक्रिशः (अश्याक् नम्म, हिल ७ यू अहायन वान वर्ष क (म) अटल मू- वाजीयन-अमित्राविणः (जलाह, कर्ष्य, ब्राम्य ७ अपनि क्रिय (मार्स) स्मिन्न कार्य कार्य कारिका: बार्या (कार्य कार्य Of जिनाम (रि ज्याम !) वर (ज्याम) रहरम (अक्का क) न जार भामार की हिंकप: ह (न दे भामा

कर जानु न नी दिला सम्य) डेलक्ष उ (डेलक्स क्रांत भूषक) रूपा म्वत्रम्गणः (वृत्तांष् ७ भूवत्व भूग २१७) त्वाल अ १६७ के अ १ का अ। (भी करक न ट्यालय विश्वतं यद्भितं के की कार्यमा) व्यास (क सके वं) लामक (अग्रासम कार्य द्वार द्व) के राष्ट्र मामिनार आर्य (माम्नान परंस्य कारम्य-बाला (आवेडा १ई मा) कसू वी मी मिर प्रियमी ्यरानं (स्पन्ने अशानं स्पर्व व समी) अर् छा: धा एक (अक्रिक मिकी अप्रत कर्नित) 11951 वर्ण (मा (मान्य) मनीमार्य (मनीमार्य भारत) मा जार मा (जिलियू तेर) श्री दर्ग देसन जार्थ र्मा (भागवा ७) व्योक्क द्वा प्रकला क्ये -ज्यमानि कि कि कि कि मानि मन लिंच छ। छ -म्प्रक) क्लून क्लाइ ए क लि- मूमानि क्रिम्य. (कार्री व विष्युव कार्री अब् वि) व्यह्न व सक्तारी (बिह्न लक्त प्रमूर) कामर् करिं अधायक (मालक कार्य अप्राच कार्या Gras कार्य (सम) 11 9011

पिके कार्य कार्यक्षात । अनुकाल कार्य मानुसार मिलू माने भा (अल मनी जिल्लामी) जाना विमान (अल में) लाअवपूर्त माना (लाजात् मार्थ कार्नाहित्य [मक]) अनं क वर्ण १ (अनं क) के क अ वे । अ-के कि कार्य (जीक किं अमेग्री (कार्य न) सिममा (धरमित्वल क्रियाहित्यम), ७९ जल (जलान) रोज राम् हिकामी (राजाहिता ज्यानाम्यमा. प्रकारी रार्षेत्रका : मल्यारका विक्राके लाल (अनुसाय असलकि ३) में अ यक ति ति (नक महमन् भाग अमु अव कानिमाहितान)।। ४०।। कि जी के का अदा ना वा म म म न श्रीक अ (मनाम ल (भारा आहिएक) पारवर्ष भार भागा चे ज्यार सक्त ररेगार्ट्य की स्थान भाग नात्र कृतिमा विदेश Marker 19 May 30 Mar 19 A CAL SALMAN यम् विश्वास्त्र कार्यमार्ट्य), श्रीकृषिमारंगमत्त्र भित्रायकार्ड मा (ह [नवड]) म्युवसमाम हो ववाली (मारमाम की न (भाषातिमाम म्यूनि मार्गित

> (कार (क्रांसिक) शहें: (क्षेत्रिक) मन् क्षांबद्धे: (बत अवन्ति के में भाग के कार्य (श्री बाद कार्या) लम्हात (लम्हात्वाल) लमात् (तिनीमने वृत्ता) इस नामन: (इस कामिन निक्) निक्षान् वीका (मिन्य १३ ७ (ए। मा मा) दे विले में हि (कार्यमा डेल्लामम् अध्याहिलन)॥ मा प्रवह: (क्षाक्षम म मह् रेसी) टमाय र्ग पृष-मुड्यामा (अल नाममाले मृत्रिक् भ मुप्ट ्रअल शरेष) उसक: (हस्क शरेमा) एक अन् (छे न्या भावनी भूव (का) का मल (बनमार्टी) लागी: रंब लाल बन (त्या लाग मंद्रेस अमल किविभादि(स्त्र)॥ १॥ ७ वमहिनकारीने (वसक्त हिनकर) भीक्क-शक्तिमले (व्योक्क्रम हेलम हिन लेटक) उलाकिवकार (उल्लाभित के कुछ क्ष वक्त ररेए) विद्याहिए (विश्वक कवित, जिस्की) नम् तार्भवनि (नम्तव धानलका पक काल) लकार (अले नम्य) जम्बिरान्हियानि

(क्सीम विश्वतन्त्रभूत) कटाक्स (नाम-क्षार्व आर् वेष्यः (धार्ष्ट् व्यपाद्य)॥७॥ 8) लग (लक्ष्यं) जन्म त्याताः (म्याकं महिंद Contraction of the care of the contraction I'm garages: 21 self mix and a copy of (र्का हि रका) भामाह (भीक) , रमाह (रामा) क्रांड (क्रिन), नलांड (धानल अक्रान) न भारतार (द्वारेन किट्) नर्धनार जर्ड (भारत्याम विकार् कविए लाणित्यम : [नर्काल]) धक (छ। शादा) वकाद विष्काः (यक्ष मधुक) केल छ। छ था : शा कि ब भा वल मा नेव गाय नमारे (भाषा भारतमारितन)।। हा। त्य (यर कर) सर्भेतः (स्थान मर्गीत्र) बकाटनः (बीकृष्कन)। मुझार्। मुनिर् (। मुन्डाप ध्यम्।तव ७भी , [कर कर]) धमनामू (स्मान में बढ़ी अपने अपने (व्यापं) (ला ला ह मार् ६ (हक्र में विका में कि लें) [नवड़]) पाता (कर कर) जमामार महार द्वीर (अम्मम् एवं निकटे । द्व-७-६ क्रम-७। (व लक्षि)

८६ छ। (वियासमध्य मिन) अधारकाई सिक्ट (ज्ञान हे किए) जार कर्न कि (जार करें) कार्यमा (इस्तर)। इस) (काहर (एकर एकर) रेक प्रवारितः (रेक ल यकार्याचे लिख राम रइक) स्मान्द्रियकाम्बाः (Culd Auth (ya wan) Deallarges: अस्ति हर (१ क्या कराक व सर्वाक रणाटम १ अर्थिक स्थान के प्रमुखान तथ् (व द्वा मूख व प्रम -धार् भगाउ: (की कुक क दामिए दामिए) न्द्रमत् (धर्मिम् ११२) करियाहितन) अत्य ह (जामा त्यर त्यर) मूचर (यस मरकाटन) देवना-(लगाम्यामा: (सम्मतिन् छाव कान्नेभूवक) ला ही कट्ड: (इस हत अ अर हिंत व हाता) सहीं म्हान प्रहा (द्राधिक जननभूत करिए) चित्र विच-अधिकार्यक्रीम्त्राः (और डलेप्रिकाटन कर्रायम उ सम डेक् कर्नम (राम विकास करने गा-क्रिलन जा जा जा व्यक्तिवामाञ्चल: त्याहित (त्य त्य विवल

लक्ष्य विवाद न (अव लगा के ही अवकार से) विकास मार्थ अंखते : अश्रामालीय अधिक विचित्र भरकर क्रिक्न), त्माहर (त्रुव्यक्ति) म्डामाछigh: (160-160 Tatis the holy) of the (८०२ ८००) त्याप्त अभितेशः (गण्य प्रका) aci (1946) MAGA RECY INGICIENT-राटिंगे हिं। (स्तामकार्य लिस व बान्यक्त्र) ५ छ अ अ ने अ में यह । यह देश त्रा व अ मत) ला किं: शक्तः मालि : म्बर, शमा ७ तमा-हाया किए वर्ष के एक के जिल्ला मा में : भी लाज किला भी लाग (बेला त्यती) हिंदर विषंत्रीर (विशादपुका) कुमारे वी १ (कुमारे वी वि HERRY MENTAL MANNEY STATE OF M भागक (सर) 11 211

>8 किनी कराति। (द कार्य ब्लाटीन !) जिल्ली मार्थन: जिल्ली क्रक अवापात (नाम्यान ह नार्य वर्गाट्य में [लकन्य ठीव]) विवर-भूते १९ (तित्र अतिक भूते पत्र छ। व । असतार (अर्थाडार्व) विश्व (कार्याम्य वर) इति १ (मन्त्र) डेल्यम मिरिर डिल्यम विसान कर गुन्न करे ने विकाल : श्रिम छने ना कि न विकालवाना) अपूर् निक्कन किए) विषादीर मारंस मिलिश्रे मी मार्च लान मा कि कामकिक कर [निस्ट]) धन त्याः (जनकास न डेडएप्र मिम्बिमार्भः (अत्मन्स वियाम-अस्य भी मा) विल लक्षी ६ ह मधल्य म (विल Madi ((x uanyi) na signé ([annin] concert se of nanta ad) 11 2011 लासक ठव) ; ममा: (व र्क्षम् ।) विक्रमक केएक ([कामका] केएप के के अक्षा : (ठ ख्याक्ष्य ([कामका] विकायक ठ के में से मा : (ठ खेममण्ड) सम्। [तासवा]) के छा: (त्यवस्ति मध्य) मान् कृक्ष (मान कर्) ; मिलिन: (प्रम्यमा

र्मा मेलात (क्षित्रका] इब्हाव मेले कर्न); काः कीताः (वि उक्सरीः [काम्या]) धर्मिक्तः (सहस्यात किलाज कर) ! स्विष्यम् राष्ट्रमायन-क्ष्ममत ! [कामन किंदि (माठ में में किंदे के किंदि के किंद सिम् छ यः (अंश्वत) व्यामने (नीकुक्ते स्थान. म्यामण्ड (कासारान कामम यथ तान मार्ड) महामाण: (विश्वास विधासम्मन कर्नियात्वन)।। >>।।) उठ: (अपडर) अटम रकार्म: (सीर्क्स की जनकर) जिल्ली १ (किल (जिल के वित किलिक) श्व विरिष्ट्रमे प्राचन नि मुलि छोट् किम विवय्क्रम माराम्य अद्वारम भूकिन) अभीका (दार्भमा) (अर ति अपि पूर (अपाय ति अमी प्रकास (केर)) कार वार भिष्ठ) रंगी निर्माष्ट्र मिन विक (वर्भीकितिसेशं अप्रकी को वसी करन्या. हिल्म)। भी भी) अय (अंतुष्ठ्य) या (अरे) वृष्णिकी (वृष्णवन-वृश्चि) वर्षीनिमापाम् वृश्चित्रिका (वर्षिनिसम

अधिनवं ते । प्रका) , क्षायं प्रयंतिय की जीवा (अरह]) कामा अविक न (अभी भीव नामिती. 20 3 (go: x CP 10 OL P (THE SHOW अलारिका अत्वादिका इरेशा) सरमा (भरमा) उन्बिद्यीन (विकात्रिण १र्र गाहिन)॥ ३७॥ >8 जना (जर्काल) धरेबी (ब्यायत ज्ञी) त्या-नामा मृत्वाचि दे : (त्यू कारिकाम अमृत्व बीत) मुद्भाष्ट्र अलुक्षतीविवर्गत्मः (अत्मेमारेष भटमन धर्मा कारत कारतन मिल्यीय (20 (किए)) ख्या दिक विकादा: 6 (श्वीषा m देक विकात. असूट्र न देवनिट्ट) काक्ना थपुर (काकूना 2文刊12州)117811 M [ज्यात] आ (त्ये) क्यारेबी (क्यावम क्रि एकमर । श्रे बहुर्म: (श्राब व नार्य प्रम् १ र व प्रमान अर्थिक्ती (कलाम्) व्यापार्य (कलाम्बा) व्यादः लगं सः (लगंत अमार्यम् त्रव क्षणां डेम्प. (रण्) हड़ा (इड़ा) अवदक्षानमानि :) Man any ely aring our in the भारी विमानिक अस वंश्वर्श (दवं क्र क्षेत्रक त्र)

अभिवा (त्यम्भिक्ष)) भूमानी वर्षः (योकसार्वत भित्र में प्रताम कर्म स्मार्थित हैं। र में स्ट्रा में स्ट्रे किस्ति विभारमार्थ कर्तः स्त्रवा (कार्याद्व मंत्र-रामि माना रक्षण्यमा जल्मित स्वयम्मे प्रका) व्यक्ष-सर्वात्यः (भूभा ना निम भवी भन्ते छ (न) आ कः (धारका क वर्ते व्या) , भमानी वृति: (भाकेमाले व निमम्बद्ध । या विमम् अ। (यव छन् मुका ियह] अवार ने हद्म : (अवार ने अवैश्विन छम्म स छ (न) द्रा भाक्षा नियूषा (द्रा भाक्ष वाका. में का रहता अली (बाला आर्टिट्रिंग) 11 > 611 भा ([अअमरम] त्ये) धरेवी (वन कृषि) विभाषा पक्त मार्वात (अक मार्वात प्रभाद जीकृष्ट्र अयम (भेट्र) साज्य जाता मिर प्रमित्व लामार वामार के रामवीप कर) मारिका क्रिक्स PIG TO STATE BY THE WAY WISHERD. Concerned for 3 for out on Contains Take of a go in to xx in the first form (कर त्यत का प्रायम (का के दिन के मार्थित अध्यात) (Will & Wind DA) 1/97 11 mil soin,) macon

Mision Schille and warm भा अप्रमा (अर्मण अर्थे वसल्ये) में अर्थे क्रिये उठ जगर-७- विश्वितियं मक्षत्र मात्र हे ज्ञाप्रभूक्त) ह्याण्याक्रिय-अव्यत्नावकत्-व्यात्रात्रा (भक्ष मानि देवम मनमम् दिवं वसहावा समुक्त [ववर]) अर्य न न निती- वित्राप्ति - विश्वमा व नी- शहनी- नरी-ना अग्रहारी सक्र मना हिम्दिन (अमू म कमनवरन विश्वकानी अ विकामण हेल म नवाना मा पक्षीनं पेलरेककं कार्जार्यात्राचा लक्ष्मा रहा-त्रिण इर्मा) इत्तः (नीकृत्कन) प्रति प्याप्तापिती ७ ७ वर वर्ष रामिट्र धार्माद हेर भाषत काव गाहिल ।। > 9 ।।

किरायक अधियार (स्थायक स्थायमा के अस्ति । स्थिता वा स्थाय (स्थाय क्ष्या क्ष्या

सत्तात का अठकान) केंद्राष्ट्र (त्रका न कार्य गा-152 11 26-11 70 रमीकाछ: कार्स (िर्सास] मलावा कि 3) मम्ब-लिं वृष् विवृष्म् राम्युः (मन्द्रम् भ वस्त्राना हिकामण रामा मध्योग्रंक) व्यानमायक द्वार्ष. क्म्मामा प्रिकी (अमन क्ष भागककर्क हाम्ड सम्मी भी का के अ वे जिंद (माहा कार्त कार्ता) कर्म (टम अत) ना मा विषयी (मृग्र कर्म टि TAN 11 2 1当 5015 11 11 2011 10 लाम (लाक्ष्यं) ठिव : (चीक्क) म्व वस प्रमार का मार् (मिला-अिमतीय आर्च विस्वासासा [सेन्ड]) (वर्न-क वल सुभामार् (भूभभटिंग प्रेक्वमर्भान्ती) श्रामार (श्रामारोन) ६क मात्मार मान (हकत्र द्विद्ये) बीक्न (सिवीक्रते पूर्वक) मा जिल गर् धार्म करें: वा माक दे दिन : (म्जिल जीवाचीय किराम हमीय देम गर्व) विकाल (कामा त्याचे कार्न्याहिता) 11 2011

श्रिका टमकार (अक्टकन एक्नी(इट्ट) में अमर्थिन-- ७१७ म् ७: (७९ म् अम अम्बीलाते र आव्य अखनमूब-द्यः (भव समेवर्त) त्यमंत्र (द्यमल्द्र) ला नात ([द्राया] स्टिंट) लाम ७५९ (म ७५ कार्व छिल्ल के रियद मदानिहार (भारत दाव मारम मुन मूळ्या अने पर्या) जार (प्रमुक्र) मिल पूरक (क विकि मा प्रिष्ठ) भिराम कार्यातक काराम (क कर्या कार्यातक काराम (क कर्या कार्यातक कर्यातक कर कर्यातक करातक करातक करातक करातक कर करातक करातक करातक करातक करातक करातक कर करातक करा सी हिं ल्यामी (स्वित द्रिम ड्रम्मह्त)॥ इत्रा) प्रः (बीक्क) अवाभि (भरवायत्व) यत्वन कनाविद्वी-या काराधिकातार (समया हरेकीमरे कत्रश्मीमरे) भवंसामाई लाज (मुंद यांबस अद्व) विवादतः) (कि नि स्वरो [धामना में में कि में मकन कार्न कार् (लाय्य भारे विचित्र भाक्षित्र अस् अवर्भ) त्रिमालाः (विम्डलन्) बत्रमकरेक काकी- मुभ्यानेल (वसमं केट्र कार्य नार वसमं मार्थ केटर में मेंदर में खाराष्ट्रिय प्रमानिक हिड: (लक्ष्मरम) जात्र करा-मठार तित (जिनवसाक त्माभीत देशमृत भटन कर्मिणिश्वत)॥ २२॥

[D] sa: ([ng san] and a) gald- tale of (geglessen Бक्र अस्तिकालि), वन् भानेसम्बर्गः (कर्रे 3) कार्या क्षित हमत । भी वह सका मर (र्यम विकास म सर (मम में साष्ट्र) अ अर ला (पाक्र (मां मांच म स्य कार्य) द्रित् (इस्) समामा: (सिम्हल व्यो गरीन) भिष्यायम दिवा मिन्दाया मिन्दाया क द्राक्ष्यम् क्षेत्र) असमाय (असमाय) में मध्रियंत्र २३(व) क्रिंड मद्रा (नरेमल निष्यं पूर्वक) जाश्री उटम छार् विस्पत (छ।ता अभी अवार्ड मी प्रान कावमाहित्सर ।। 2011 शिक्टा (छिति) अ छितिमन् धन् प्रेडि: (दिक दिक (भागति से हाहिसे 'विस) भागवितः (क्षुं पामवंत्रः क सम्राह्म काना) मलाम सम्राह्म- कार्ड-म गुरु दि छ। (प्रभः हे हिए इन ना ल ने मारिष् उत्मान्य) रस्टमाक्यः (रस् ७ कामग्रन + धार्यभावः धाक्त रदेग) २२ (अद्व) वाहिकामाः (अक्षित्) क्ष्यः विष्यु (पद्रक सर्वामकण) ललाडि (जालाइन कार्यान 1至(日本) 11 28 11

विताहन भणार (टन्स कार्नेड ररेलियेन), ००: ००: (अरे अरे हिक्दे) एर अ- मर्पाट: (मी माना न ला अर्थेड) म्मंबाल (सक्राम्स इंदर आस्त्र), as ([ma] \$21) ma 00 4 P (cell 2 d लामिएं प्रमित्रे पट्य), मर (एएडके) इंड ल (अस्ति (अअस्ति) अलाहेबी (वृत्यावम्बूनि) र्वः मूण (अर्क कीवि केर्क) ना विकाण्या लाय देव (क्या का का का भार का का माहिय)॥ रदा।) । इति: (वीकृष्ण) कि: डेम्पीलिक हा बानी-बाकाना अ दिलामिक मन (अभवन विश्व वा दिली विक अस्य अस्य काला का का विकिश्व कि कि का अर्थ प्रत् (किन्य का अर्थ का में प्रामं हक्र नण्या छ), सतः (निल-हिछ क्) । स्वीकर् न आआक (किंगनकाले] । हिंद कारें ए प्रधर्म 22 (स्त्रतम) 11 2 611 किया (असम्म कित्रीम) में आ (पाक-ट्यान श्व मात् (निक्ष-म नीक्रिके ट्यालास

विस्ताहण), र्यायमार् नहत्त्र (न्यायमार्थ हमतं में में ति (ल्यान कर्ते क्रिक्टिये के 1 हिन्य कार्यके) [किए अंति असि नामित्र) कूलन कि शहे ित्यसासन रम् की है) रे ममामः । मार्च करः। (इस साम रेम अपूरं) (असडी (कासार व केसन की र्भरः । । वर । कर्ष (व र्माम् म । व्यास केमण लाउ की है से था : लिस कर (८४ से अभम : किसाति अमेर डी रे मक्तिमा : ! (त विश्वभीनर!) हराइ (Calau (24 & MY Q) } = M& 34: 12 @ 80. (८२ आक्रमते! ट्यामाटा न जिल्लान जे के दिन्द्र :1 अधि (उ से संसुधन ; विस्ता में का उप र ०) है= क्षा के के किन्द्र का के किन हो। विस्तर के 3 (मर्वा क्यार कारियाक कर्मिया विकास) (मर्वा क्यार कारियाक के रिवेश (श्रीकृष्ण) रेश्व (यरेक त्य) क्रिमें असीम (क्या कर मिन्स) 12 अक्र तक) अव ७ पर (धा अर अर आए?) M मार्ट (24 112 (da) 112611

कार्का कराहा: आ: (क्रमाट (म्या विदर्ग) CHIE हर- का हम् भण्डकाम (टारायर प्र- मिन्न प्रमाण क्षेत्र (क्षेत्र क्षेत्र (क्षेत्र क्षेत्र) हाडं मिले ह क्षात्रेयान विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न अस्मन्ने भिन्नी । सनः । हिं छ दे मिर्य नियर्ध मन (प्रवाण कीर्ता वस्ति): अध्य (वस्त्रामति अध्य) विल्यान विराद कार्य नाशियन ॥ इकण 00 म: शहे: ([किंड] तर्म मी कृष्ण) त्माक का अमिरिक: (ताकप्रते विभाष), श्वकालि : (श्व-विष्) विश्वाद्धः (विश्वाक्त) वत्रामा का विकि वटमन (मालाहे द्वालामामात) व्यक्तिकाराविकराविकरा (जी बाका व विवर १२० मह ह [वर]) ७४० मिर्मिक (क्रांत कार्व विकित्त वर : (हिउद शिवित्रे द्याः (हिउपन) वर्त्र टलम्मा) 11 0011 07 लाम (लाक्ष्यं) रें अंग लाम् 18 व: (एंगम् 18 व) क्कः (क्षीक्क) हिः हैः विस्तिः (नामाविध निराय) निर्मा: निर्मे कि: ह (किंद अवसार वार्मक नावा)

her fastages on got harges god and and में सक रिक्ट किया में में - दार य में स्थार (स्वीका सर्वत्यात्) नारार (तार) में मानार (भेराह मिट्टी) (लाम प्रक्रिय की मान कि प्रमाहित । कि प्रमाहित के क हारे ए रेख्न काब त्यत)। ७०॥ ्री जायत (यह असरमंद्र) हासका (क्षात्रका) क्ष्णाय नाहाहः अख्व कार्नुगाहित्तम [यनर]) कत्रका (अगरमादा) वं सामा सार्वा (बस्पारीयत्य सिनिये मार्व [मर्ग]) पढ़ नियम कर्निमाईसम) , जर में असिरी लयं (अप में कार्य कार्य) मामार (सर प्रमुंगा) मामीडि: (मामीमारीय भारत) सम्मानाम 10ma BM120 53 (MA) 110511 (24378 WER (ME) (To be condi)

ROUTINE

DAYS	1SI PERIOD	2 NP PERIOD	3RP PERIOD	4 TH PERIOD	5 TH PERIOD	6TH PERIOD	7 TH PERIOD
Мом							100
TUES							
WED							10 (8)
Thurs							
FRI							
SAT							- 7

ganata

EXERCISEBOK



No. 8 Pages 128

Name TYOUTH Hatas

COLLEGE Khata MO, SEC S ROLL NO ___

Subject.

Mer were man and a sing of ८८ थ 35 4: 514; (3120) PLE 3130 (3131/10 CHON) रूष: (त के प्रमा) म जन (व वान लग) के वाम (क! (a fine) cor (arma) (word / wor- (aro) I No B: while Has outs 1 2) f = ou ous (वार्य के कटल) असाय (संस्था साम करने मा) अल प्ला (क्लार्य हिंसा) विरिद्धा (अव्यादन कार्या अकार अलाक रिक अन्या में भरता में पूर्वर े छडार किर्तू यद्र रिष्टाब्स कर्म्सा हन 18 म जाम ([जमत] बातका 3) आत (बामलत) िक्ष (अप्रमा देखरार) उन (अवश्वार) बन्नार्थ (मकंत न मिने) भाजाहिए लाने (मनन उ डमकातन मुला प्रमाद्ते मेर् क) मिल भार क छाटारे (उगक्र न-स्तिक वित्रित करिया) अर्थन अर्धाला (प्रक्रांक (जाना करारे मा) जार्य (जार) जू कर हो (सर्व (कार्षेत्र कर्षिकाट्ट निवर) विको (मिक्सार्व मिकरे) टाकामि (टिला) देव) प्रमूप) टिसम्ड: मा ६ (ट्यान कि कि निमा (के न) 11 6 8 11 की भावामम - क्यारवादमिकाश्व (क विवेश (म) म्यावावाव

सम्भव रिक लाट्यंट द्वं क्रिक द्वं कान्न दरंग) ध्या व स्वयानि की (कर्नियरण ध्या व स्व धर्मा व अप्राय-(अर्द्ध कि खराख माना निवित्र) जार (अरम ने क्षीतकारक) अस्ता मुनार ट्रास्त (ट्राक आम मुनकाल ल्या कार्यात्य मा ७०।। त्र क्षा (अडेको) अ: (अडेक) द्वडव: अडेबबु: (रेक्सन: अक्रवंत कावी) अवामी: (विन्यान का) श्चरवर्त्रम् दे : (श्वीम बर्भी किमिश्वाना) अक्र मध्य पिति । वर्षाः (वन्त्रभाते अप्रव व्यक्षात वर्षात् । (वर्षात्र वर्षात्वाव सर्व हादा हा: (अयमिस्त) अकाममंद (अधिकाप्त्र के विकि) साममीका क बार (सामन समार) क्रमात्र (भेनत कवि (ततं)। ७७॥ If Cum: ([no: wa] cumarany) el: us; (015) र्वत्रमोरक) अपू (भ्राष्ट्र), भीवर् (भीवन) मिस्त्र (केंद्र कार्वामित्र) ब्राय (क्या) वाराम् वर (आत क बारे मा) अमर (मिंडित) अम : (अरे अरे] भार कार्यस्तर [यवर]) भारति (हेक क्रमशर्यं)

असः (अपन कार्ग हिंद मिलाइ: (रीर्य कार्य विश्वन कार्निशाहित्यन है।। ७१॥ our so: ([orse] cut my en 0 - mar (maista) कारम (Oug) र कः (च्या रेक) डेल न् मिन् (भागम मन्त्र मू मिन डार्म्मिक ड-बर्णि भारत) अलिखाः (तिलास हिंद्र मिरक) डेम-विकार (डेलविके) ज्या वस्त्रात् द्विस्या त्माम कामक मतेक) पि वामि व व्याप्त-भाकिण क्रातियुक्ष (पिषि , जकाविलाय, ब्रामा ७ ल्या मार्थ का हा के अवि वि स्थित । हा लिए) डाम द्रिकार कार्य हैं के क्षेत्र के क्षेत्र हैं के मनम्म (((() कार्य कार्यमा) () () किया भाषा भ ([मकलक] त्लाम करारेमाहिलम)।। ७७।। ००) ०व: (अपरे वं) गर्ब: (म्येकिक) सम्प्र ल्य (बन्नार. सर्वा थात्र (बानित्तत) प्रकार्याः (धार्य अवस्तात्व अभ्येत) मैं में (किरस्था) लखत: (असीज हार्स) अपूर (अपूर्ण्य) था: श्वंत्र

(ट्लाका ने में) का पर (का भि) साम छा । सं (यभा सर्भन व स्वर्य व मार्ष) भार्ष नी लाइ (मन्द्रीत) रमानाः (मन्द्राका) नर्षः (असर् कार्ने न) म क्रम 80 कारका (कारका) समी: (ममीमन टक) अवदर (रामिलन र्रियुम् (लियन) आश्रेन अस्तानि) Taxan dagan tagan and was (नरे भगता छानिक) मूरीका (नरेमा) काछ (नक्ष मान (विटा विभिन्न मान) ; व्यक्त (व्याम) मानान किसन मान्द (विक जिलान कार) में कारान याक्षेत्र (मुकार्वन कविमा) भन्दार ज्यामण कार्य (अवहाद कामधार करिए। है) ॥ 80 ॥ 8) P and (Charter) Sun Danieral) manicai-हिछ (कर्रा खेराने डे अटमा भिर्दे) मूल (अक्टिक) unray-226 (Pense don 2 i) orthin ormal (यत्र प्रमेश (समी प puran) के कार क 60 ([OLXL] THE CON S SCR) ONLY 2 & a) (word ala (#) 11 8511

्मन् १०१४ व व व मा ।। । मं । ककात्रतः (श्वितवार स्त्रीमानं अमे १० ८४ वे दरक्षा-सक) रहाः (स्थिक एकन) पन दक्षां (कम्म भार 28 ररेट) वर्ष: (अर्ब अंगल) ७९ धाराम (अर म्स्य में स्थित अर्ग कार्या) ल व्या तिरान कत्र ए) निमर्द (म्रायत क्राव कार्य कार्य तात्र)॥ १२॥ 80 प्र: रकः (अक्रिक) माड् छनेड विकान (भाष्ट्री, विकाय, भार कायर देव के जाराम - सामारी विश्वाच पर इं वित्यं अत्मान्त्रियां विविक्त विद्] वित्राम-प्रभाग (डेलाए तिल्ने) आह्वाम (धार्मिक्स) मुकार किलकार मननर बहुर्ड (कृषा, क्षेत्रिका, श्यम ए धर्षधन्न (क) डिमम डि (अ१ छ १ रेमा) मंत्रीयं मर्द्राचम वाशि मिन्) यात (कार्यक्रम 1 केशियाहित्यत) 1186 II 88 य: ([क्सर] छिपि) सम्मलानेस (सम्रह्मला) सर्वाने म र छ० (सर्व प्रमेश र छ) अ गृरा (मन्ते कार्नेता) रेपा-शामका- येवियाः (र्पा, शामका त भ्यान व भारे । भूभना भर : (क्रू स्मित्रावायात्) मयाव (अधन कवितन)॥ 88॥

8 भ: (ामानुव] 1017) कुन्नाड- कुन्नी नीरथ-क अ : (भारत क्यालाकाल के असिर्ध निका) स्नलान निर्मानिक्य कामार्थे : 6 (मन हत् 3 con) असहत आक्रमप्रत कालाश्टन न्योष)क्रम्य-सब्सीए (क्रूसमद्गवव्हा की काड (प्रमीत कार्ग) रावामाद्याप्क: (सीवाकाच प्राम्य प्राम-विवर्ष द्रम्भ वर्तम) मामुट्म : (मिन धाम हव मार्थ व - WN अ अर्द्धांत) नाका डिक० (खीनाकाम निकटि) क्रमार्व (लयन कर्नन विश्व विश्व रिया (कारिया) अलाहा (अल्प्य कार्य में) वा (ध्याप) अ छि: सम् (देवादा न भारत) करर विवया १ (क्यर कार्यय); व्ययमा, (किश्राम्यर् (वारत थ कार्ड में कार्य)॥ 8 व ॥ (वर्ड नार्वाहरू कार्याहरू (अ अस्त्य)) निकंशमें काक म्राप्त का स्था में में मान है। हिल्ला कर्प्स भी या (कार्य कार्ट) काक मुण्ड से व मार्ड [हाडाव]

प्रवास १९६८ कर्ष विश्व दक्षा]) सका: (सकत) क्लानंता: (टमाभवर्ष) अटममा हि ह (निक्रात निमान कर्यत : [आरं ठावा वर्ण]) अनमा (नेक्ट्रा सर - साम नामडार (अनुभाग अंबेडर अर्थ, सात ७ वाझडावित्या :) जादे थे : नियान-त्रः (जिन्ने व्यक्षेत्रे तीत्रमाद-त्रिकर्णक वटमत्र) म प्रिटिश् (चिन्ने व्यक्षेट्रे क्षित्रे वर्रे स्वित्) 118411 8 कि का (अर्थ १००) मिति के (एम मिति ! [वूमि] कून-र नीर बल (क्लान मक्दे भवन कन) ; यर (धरह) भा लाहिया (१४% किटिया) धाममन् (कृष्य वाटक) अलीर्ड हर (विश्वाप क त्वत) . उप वक्षत्रार्ष्ट्र कृ वि : (विदेशा र्ष्ट्र क्राव्या किया जिल्ला किया किया) अदा (अर्थ) टारे (आधार ७ की सार्वास कि मिकार्विता (१वरमध्यमा) या (क्यमण) देवर (प्रकार्य) अर (आ सारक) लामानरी (लंडम व्याप्तियो) ॥ ८०॥ क्षेत्र वाम (न्यांक्षिक) रेप्त (र्या) लाउ (राम्या) ७ वण (अल्पि) मर देकर (भारत कार्या मेरे ८६५ (अपि) ७९ (७१२४) अछ । वि (४७) र रूप, अत्रा वरेल) क्याहि बाबा-मधी (अश्वाय

Vaissio Mens का सुन्नी) मूलत: Walbor / प्रका हर्यते में केन केद (अक्षात) जा मका कार (का मधन कर्या कर) है खमा छात्रा इतेट्न) अञ्चल: १८४० मधीत लेकर इ.रे. व विराति (अवभवः) वर्षातः (क्षेत्रान मुकार) Con ma (colds) on Esyl (moses my my) धमका (मेर्स मकी कु आहे के) जा मंद्रा है का म जा में यामिकार जर्मकीलार अर्थ विम्मा भ्रम्ता वर्ष व केल्र व्यवर् की रा मेल् मानी वृत्यार ७ हीने छेए महत्र) अवः भू रत् (अस् अ काला विकास साम कित्। जिमामा क्रिया नावश्व मार्ड (सिमा स्राच मार्ड ALMEN REALL MAN MANER JEAN (अक्करन) प्रशीका (पर्मा करिया) द्रम्म ८५ /2001 53 CHA 11 GOI क अटम लाम ([म्यूड] मरभ छ) जरमारी वर (स्मी क्षतं सार्थक्) जिल्डा बड्डिं (यांडेकाम करवंदरा निस्ता) कार (विस्त्री का मार्स माराकार (अन्मकान मार्च मधानका) तिनकिष्ठ (मत्त कान्या) सर्व लाम ए (द्वाराया सकत्मरे) मक्षे (मह

्रांत्र) वाचा (वाडाक्ष्य म्मिन स्तित्र हरम्म प्रमा) धार्याति (अटम् विका) व छ पृथि: धर्षु ९ कृ विकार कार (सत)। ७३॥ ((७) (अवहन) या ज्यमी (अर्थ द्वारी) करे। (इक्टिए) यहेक्ट्र (अई प्रांत्व रास) अवह (काम) के का (कामने कार्य में वर्गिकार हेर्वाणे (प्रिका हेत्साइन कार्या) अवस्था कर्ष (ब्रह्म र एक) भी हिं पर्ति (भी दिना क्रिकेट लात्न मिलि किर्पे (कात करितन गाल्या (क्राचा सम्बद्धार प्रमुक (प्रोन ७० (क्री ना वान कन कप्रतन (अर्ब ह माना अमृक भी म (आवं ह) जमा (अर्व) अमु ७० जाक स देन भू में ड व० (की बाधाव विहिन मिन्न त्रिम् र प्रमृत्य) डाम्मे बडी० (अकामकाने री क्रिक्) अभवाजिकार्योश (अम्बन्धिन धाकर्यन-क्षार्य) कर (सर्) स्टब लक (सामारिक) वित्यका (प्रकृत कार्नेगा) श्रीवः (श्रीकृष्ण) छे समाः जिल्ला कार्नेशिक प्रशिष्ट्र अप्रकृति । १००॥ (१८) अय (अम्बन्) ज्यी अर्थ अम्म : (ज्यी अर्थ सम्म)

्मन (र्मामल रामित) अमड (मिन्कन) करि (भनामल रामित) अमड (मिन्कन) करि सामार) के दाद (अवारे मा । म (मम : [लाख]) जारमी (ची क् क छ) वा बी क व मा अभाद रे व (ची बा का व मेमकर करे मा प्राम) ८८ मा प्र: (१ क. भागान अभित्र के कर्णाक लामीय (अर्थरां भू नक दीवृत काव्या ह (नन) ॥ ६८॥ कि संस्थः ([मार्क्सव] मार्किक) गांत्रका (खिंत्रमा) ता (स्मा वा वा तक) के (क्ष लाम) (के क्षे माद्र NWA!! ल्याम्बर्गा) लाव प्राप्त- भीया (लाव र्राम छ (अ ल क्रायं जो अस असावयत (भटत कार्या) जित्रमा बीक्षा दकालिका कुला का (जिलेश की मूर्य एक (पर के एडिड दिन का कि में रे मही। वंग पर (ग्रेश्निस क्षा महलास लिस्ट) महल नाम क्रिश्न (प्रेश्निस क्षा महलास लिस्ट) महल नाम क्रिश्न was are and + e el (व्यक्ति अम्पाय - आम् (रिय माम ;) िव (विसाय) मका: कलमधी (मजीय केलम की में मेल) क्यार कियम गण्यम में हिर यात्र । कि न यह कि कियान

222 िल्लाक कार्य प्रमी क्रिक्टिंग ता म कार्य मा ए ने क्रिक्टिंग किंग हो कि कार्य कार ने किंग किंग के क्रिक्टिंग के क्रिक्ट द्या] असून करिए लामि लातें। जिं डिंड किश्र वरेस १ रिनिजर्भा गूटर कुका है दिनेश काना ने कार्यमा अत्यादक टिल्ममा कार्यमा भूटर धारवका कार्यमा भूटर धारवका िनार के निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा के निर्म के निर्मा के न क्रिकी हमने रंग क्रिम ; जिसमी नाम तान के कारिया न नकार /किरिमारक नकता कना अस्य अस निरं मिक्क एमन द्राप्य कार्य यान तम्यू है देर दिए राम राम! विदि हि ((wy 20 0 18 00 1) 11 0011

(ति वः (किस्प्री चारक) भरत काना हत्ते प्रदेश निर (मन्त्र आन्तिन प्रवास भूत्रे (१०) ७।० शासाहित कार्य (ज्यमीन टार्य वार्य मन्याकारण ड) सन्तर् मात्र (प्रभाभ वादा क विमा) विष्य माला (१६८७ विश्वास मा मिल्डी) मानाक्यः नष्ट्र न (क्रम भी क्रिय इरे स्वत है। द १।। (N) इन्निकेशकार (इना ७ किरके।) कुक्ट (बीक्सर) निवर्ष प्रमाटनाका (विवर्ष द्वार्थ) दूला (दान करी-पत्रकारने) छर् प्रिका (छर्त्रम कांग्रिय) छूलत्री (ज्यमी) अपक्रम (माक्रमा १र्ममा) ख्रम् (ख्रम्) अन्त्र मित्र क्षा क्षा विक विक क्षित्र के नित्त ने। १०। (h) जिल्लामण! (दिय अक्तामण!) ट्रायण्या मा: (विश्व) 22 के ना (अक्षाम) निर्म मु अनारी (शिस्कीय कार्ड) है रात्रकार (क्रिनेक्स क्रांश्वादक) जान जेर् विकि (अभारा हे बार्य छ र प्रत करूत); ग्रमा (कराम) आविराम: कृष: १ अविरामरे करियारि लामार अविद्यामक प्रांत क्रम वानिमार्टि)। ६०।। २० विस (वार्ष्ट्र) चक्ताकर्तः विकास नमान)

उन्हार कराते क्यांनाक नावी रहेका लाई लामकार दिन्छ। (बीमकारक अभासका मन्त्रे भावेते) नथार एटिडे: (द्वाराय दमान वा व निर्देश छेदम्कु हक्षवसमा : (छेदुभूक्षुत्रिल्ड : हक्षवाहित्ड) मार (त्रे हक्षक व का मंत्री) उत्तर विश्व अरेम्) ७२०१: (ज्यभीतं) कत्रमः (कत्रम् स्त) असकी (क्षान मुक्ति) स्विष्ट (क्षेत्र १८७) अर्थ त्रिक्ट के दूरती है (त्रु का ग्रेश क्याता) क्रियां टा (कि क्षित्रे का) विक्रणा (क्रक्रम क्षिमायन) mean ! [esa]) an (oners) mang: (cur टलक) म धम्ह (मार्र); तह (यदि) अवद (र्मा प्रमेश का का बंद्रामें मुक्ट म्रह); हा हा (र्मा का हि का प्रमेश में मुक्ट म्रह) हम हिंद (र्मा का हिंदी का का बंद्रामें मुक्ट म्रह); हा हा (Sin Sini) my The (RBi) Ch (ONENS) लर्भेड (अमेर (ट्राये क्रिमेडक) यस्ते (CYNT3)11 USIT

अ/ विभार] कारता आग कार्या मिंदे (दिल कार अ क्षर-उप्रावसाम कालका) व्यामी (व्यामी) काल् (मध्र) सम्बद्ध (भी समारक) जा मिनी भ्र : (जान रव रेका कार्या (क्षेत्र वहत्वन कर्ता एकके / क्षिया व द ला त्य (निसंस] यदिमाहित्य में १ तहा। Wo किम सम्म ! कि कम्म (माहम!) ता कि किम मार्थ) भ कारत लाई थिएएवा द्वामा त्याक त्यादका (अभिक्षाम् भीत्र मन्दर प्रिष्ट डेदकेकिय वरेग्र य महिं (उरम्बीक) मुर्गिति (मूर्य मुका न मिर्दि) व्यक्ति-त्याम्बा (बाद्रणानं त्यंत्रम् पात कर्तना [अयान्ते हता] कूलन मुडा (कूल म नान भार्ष) कार्या का निकल्याम मिकटे जाममान है भारत इत्रंगटान [नवड] विद्यान कि (क्षिप्रम्य वाक्ष कार्मना न किए) अथम (अथमा :) भार (anmer) वेत (नाम्याम) अगारेटमेल (ट्यन क विमाट्स) देन यस (ट्राम्साटन) छाट (छात्राटन) ध्वात्रमामि (ध्वातिम), छर् (क्ष्मिमि) छर् (ट्रारे) की छा कुर्स्स हे लादिना? (की छा कुर्स्स मिनिय किस्तुमें)।। एछ।।

तुक्षाम् क्या थ : ब्राज : (क्षा क्षा क्षा क्षा कर्य कार्य में में।) क केर ह किन (करे रहेट) उ क्रमनीर (अक्रमाना) उचार्य (डेट्या हत शूर्यक) ह्य टीउ (जून शील [डेश]) भागेरामिकर (भागेरामिक) ५ छ मान (अमान भारत (भारतकक्षित्व प्रति क्षित्र) किंद्रा क्षित्व क् सभी कुला (व्योक्क मेर् या मात्र मार्ट द्रार कार कमली कार्मियमा अर्गिक कुन विमान कार्मियमा . नायक निक्ट्य) धारम् (मने मा धाम) ॥ ७०॥ अभागी ('a मार्थ!) धार ह (धाराधि ड) कामिया मार्थी ए (क लिव डे अ टमाली कुरा अमूर) अम आपे छू ० (यन त्र मान्यान क्षेत्र) द्रम्म (१९म्मा पर इत्रेशा) विसा मार्ड (कामान मार्ड) देवर (मधनेत्र) वासी कुछ (वासी कु एक) अथान धार्मी (ममन कार् (छाट्टे)।। ७७॥

A QUAL (अन्न सम्मा) दुलगुर (दुलगुर) अगर किंग-अयह मी (लिखा वि म प्रयह की) छा ए ह छा। यती ९ (हळा-स्ति) मक्ष प्रमार कृषा (मक्ष प्रमात जानमन मुक्ता) त्रामाण मण्ड (श्रीकारक) क्य त्यतं ्ल्याम् तरेमा यात्रेनाव निम्हे) ७ व धामण्डा वाक्षाव विकटि धमाम) श्रीव कार्य है कि (छ। यात्र वका के लि) अभी मण्ड (क्ष्मा व मीन अम्ब) छ अ । या न् (ए अ । -भाषा) जा की म (अमली कि) व ला कि ए ए एक अमी ९ (कु न कु अव्ह जा की एक प्रिष्ट अपि के में के कि का विका त्य (हिटड टकाड ड का आ धाम ड व कार्य. Appen (comes) (mass (mass) & who were / अक्टान मम् (म्मार भारत) म्बन्द्राः (धामम्बन) ७९८मकेम्थाः (खी स के व खियं अभी) जू अत्रा: धा (माकार (ज्यामीरक मर्भन कार्यमा) बाद शर्याण (अश्वीष) लामकार प्रदेश (मेश्रास लामियाहित सर कार्यमा) दः स्थिन (दः सिक्टि) छा (जून श्रीह) सर्भाका माल्याम (इन मद्रमार्य वरेका अविभाष्टितान)। ७५॥

John Adazia Stainay Paray) mus (mus) क्षा अ खाद या भ - प्राथम प्रमाद क में का (पूर्वि विकन देन् मा लत-प्रदार्भाव अपू अ वर्मा) जार साक्षर (अभिनेशक) निमडारेष्ट्र (निमड्रेर क्रिक्स विमिष्ट्र) ्यावण प्राम (कामारक मामेर मा १५ मारहत)॥ ७०॥ 90 ममा (काम) क्या (मन्द्राह) भा (हारात्क) मूटर आई यड (मूटर आदयम में मा)न न करा (कार्या भारे अपना) ; कातत व्याप न (यन् वन सर्बेर ए दमाने ए भारे मामना) । क्रमानी! (त्र पूनित!) विकेडा नद्भा जामे (काम)कर्म ट्लाकारक आरे माहि] एवं (ट्लायान) य भी (मभी) क्न क का का है (का क्रांस र अरो करें) में 90 म को जिं : (कार्म न) या जून भी (जून भी) टेल नडा ? (देन महात) को हि मह प्रतामिन ए जाया (कृतिमण्या) प्राथितिक कार्यमा) जार् (उंत्रश्य कार्य) मको हिना स् धावप क्रिक्न स्थात रे देशका अत्माल कर्नित है य९ (स्याप्ट्रें) भारते (नार्वेव खार) नार्व) १ वि (नावे छार्च) तमः (नी जिल्ला)। 9211

विशिक्षण (कण्ड) ममस्या व्यानामान मंभर) न्यायमा नाम्या) व्यास्त्रमाः (अम्योत्) अवसरत्राद्श्रयः इताने मा (अण्याद्भाद्भाष्ट्राप्यापात अम्या दर्भा) अम अभिन्तितिक वृत्वारेवीनमांत्रवृत् आ (वृत्वा-न दल अरो क्यो नार्नारक) मि अर्डि में मिस्स्मे पूर्व के श्र पूर्व भीषा (निक्न प्रमानिक मार्थ मा) ज्या (अवर्) विनर्धः (विविध विन्द्री (स्वाप्त) ममशीक्ताणः (मशीलतंत्र मार्वित्वास्थाना) धा मार् व्याना कार कार) छात्र छात्र किएमरवन् कार्ष विश्वनार्थ विश्वनी कर्य मृत्यते।। व्या १९) ७०: १वने १२० ने ने अमि छता (क्राम जंदर्य) सूक्त-कय-माना-अम्भामि (प्रा, कल ए माना-महाम्- महायद्या में ताल का मिर्ट हा कर व्यासारक ट्रियं ने कवाम) छाठ भू श्रीया हांग्ला on मी (GIZICE MZ 21 21 र 2612) 11 901) 98 प्रमी (प्रमी) रेडि (नरेनाइम) ७ गंडा (डमी-मद्रकारंत) कृषि माश्राधाली छार (कृषिम खडावा टिमा गुप तक) अलार्थ (अला न्तेर करने मा)

कार्य (की करक व व्याप) के माजी मा दे र (डप्पर्याकर मानं जार अन्तान सूर्यक) बनान कि के छित्र इन्द्र कि रिविश्व क्षित्र क्षित्र के कि वार्त (क्षान्त १० इक: (वी ३क) स्ताः विव कर्रियाग् राकि ७ ह अर्था (समक्क मिरकार्य) विवास ्रियान्ते भूर्यक) जूनभार् जूनभीत् अणि) कर् श्रीम) छेमा भर (केम भीत) के अप यर देव (असमा किया है स्पत्त) जार (वक्ष वीलप्र-रहेला मन्या की कि कि है हम बम्हें [कि मि जार ने दिलान के कार यार्टक ; या मना है स्मिन में महिला के मान वन (के आप प्रथ) है सह (लिक्से) खिने (खनिकार) रेप्ट (यरे) हलायमी (हलायमी) कु व्याप्तरे (कामार कार्ट्य); (कंट्र क्रिंड 'arr किने कर करवे एडिनी । 9011

dollan (Masse) ou (guare,) ougainer (oue uin सर्हेर वर्षा) ७६ (क्षीकृष्टक) अग्र (बान (यन)का विवासमा (भावजी) विकास आल ह ज्यानी (ह जानीत केंद्र लागाम कर्ड पत) सने (ला ता) रेपार्श्वियात / मूर्लारवाने व्यक्तान इति । अनुनर (अनुनर्काटन दिलाके वस) अमरीका (यम् या अमर्गाह)॥ ११॥ विभी काम] विदेश कार्यकार्यका के यार (त्रिकार अवाराहन मिनि हे का के छ। । छा १ (स्थे ह व्या व मीटन) अशी मू मूरम-लराइ (अभीन्तीव आहलाता) अधामा प्रवृत्तका Cama ing of (menting) & 26 (ma 4) 32 (न्यात) वामना हिमार् के रे मार्ट भारती। क्री [क्रिकार वाका अवते] अनूर्य प्राति: अनूर्य म-वृत्ति भागी) वितः (अनूक) पतः हिन्दिः (अहर के छित्र क्ल इरेटल छ) कार्र : अकार (कारिए वर्ष अकाल किया) हमन (इस भूर क) देल गाए र्व (कार्यातक) रकतंत्र (क्ष्यातिक कार्व (पर्वंत्र) रिक्र (कार्यातक) रकतंत्र (क्ष्यातिक कार्व (पर्वंत्र) कित दातनेता वका

भित्र देवनाचे व देश कार्य के कियेश (देशका में स्टिक के किय) (देशका में स्टिक के कियेश (देशका में स्टिक के कियेश (देशका मे [Sin] spid acy spidulle the lasti र अप्रथा (के महात्य क कर्ता दे जा त्या भिट्ट) त्या ही-भिन् (अपृत्विक्त) अक्षेत्र (अद्रेश रात्) 11 0011 मी मानह लडड (ल्यास टक्सप्) सत्मवादारमा (अयद नार्ध- रायक) बदा (बनमर्ट्य) भा: अळा न्यूड: (टमा हा ने का नी) प्रजीत (अर हन अरेटक) अराष् महाला त (क्रिन्स्तेन लाने हर्या में) व्यवसार्थ (Bas white) MHO; (MINCOLE) 11 0-211 ि प्रेंस (धड़ालून) नरे: (धर्म मने म) ७९ (भी क्रिक्ट) क्रिंग (क्रिमेश्वर्स) क्र क्रिया (भवन निर्मित्र) ्रकारिय कारका)चलाचन (चलगल) रामक गा (कार्र का श्रिम) यह का क छ ् ट्रिय का ट्रम र्शन पाट्य), ७९ (जारा) क्र के वि (भा पत करें कि) है। (जारा करें कि) अव वि (भा पत करें कि) के वि (भा पत करें कि) कि (भा पत करें कि)

240 (अराह: काटन्ये) व्यय (अप्रायः) मृष्ड: अराह कः र्यू हु क ондераменя см.) " жб смя (жоч) अ छ द (टक्ट्रमण्ड अवरा विभिन्न काल अम रहा के मन्द्रालक: 1-8/10 MUDIZING 111 C 5 3 F 211 किंद्र अदि: त्मा भानति : (त्मा असे अकति?) अपविशक्ति: (अवश्य अवर्षात) अविष्ठ (अवत्य प्रिक्तिमार्ग्स) वेदानीए (माञ्चा) बिनिके दा (बिनिकेश्वान) मान (अन्धार निकटि) छद् कारिकेष्ठ्र (कन् सम कारम टिलाबेन कार्ने ते दिन में ।। १ व ।। जि रामि! (त नामि लिस्टर्ज!) तह (यमि) वर असूरितः (अस्तिमा विभीरित्रः) कहा हिर्देश क्रमा वसे सम (जिल्हा विलयः विलयं) अस विर १ १ १ १ किश देश के लां के कि (क्षि) केटक मार न कार्यः ्यामक्ष व दिवस सकाम कान्छता है धर् (क्यांत) कुन्द (मिन्स पत्र) कार्य का मार्थ र (यवन मिलामिय करने वर्गा करा मि मूर्महें (व्यक्षि) वेचि (वर्क्त्य) छार् लेकार्

2.3 My more and many man manifest भारत के मार्थ निर्माण कर्य है हिमार्थ कर्य है विद्रा अडकर विस्तान का महत्व की दे आ का नार करते करते करते करते. 54 44 3) 8 81 (x 2 41 4 41 3 3 41 (23 4) हकाननीर् वार्षे हकामनी व विकरहे यावा कलित न पार्ष ले न्या देवने कर्ण ने विश्व स्थान के ल त्या किए (मारा व्यक्तिकार एवं वार निष्य विष्य क्षेत्र व्यक्ति क्ष CIN CHISHEN MAJE ACH STORY (ES) THEYA.

THEY MAN WAS AND THEYA.

CHENERAL MAN CHENERAL CARREST STORY.

CHENERAL CHENERAL CARREST STORY.

CHENERAL CHENERAL CARREST STORY.

CHENERAL CHENERAL CARREST STORY.

CHENERAL CHENERAL CARREST CONTRACT STORY.

CHENERAL CHENERAL CARREST CONTRACT STORY.

CHENERAL CHENERAL CARREST CONTRACT CONTRACT STORY.

CHENERAL CH मर्थाममा (शिम्बू की वरणाकारिक मार्थिक के अप्रति काराव विकास हो त्या क्ष्मिन क्ष्मिन काराव है-वर्ष (क्षा क्षित के कार्य हो त्या कार्य विवर्ग न अप्रति के काराव विकास कार्य जी लामू का का कि आविता की ना स्ट्रियाक एकरे श्चित्वर प्रमुत्व) भूत्र भी नास् प्रमू (म्र्वर द्वारीना-विषयक) यवः (यह) यकी: मार्श (यक मार्थ) यम् हि (मक्षिति) मिन्सार (माउ दर्भने)। छ।। DE ELEMENT TENNO THE RELEASE STATE THE WHITHER निक्रमान् अर्थितिर अर्थित अर्थित भूमान

SIN W SIN

में दिव: (अपे देव) हांब: (ब्यारिक) एक्नेड टैंबर मधा (14 ह है दे कार्या) मर्बेटर (स्टाबव्य वर्ष) किंग मालंद म् मः (किंग छशान मनं नाएड हे दे मिन् आहेत: (हर्ताम् क्रिक्र) सामु ट्याक्षामा पाणि : (स्पेत्रमे र्में) केर प्रति । (स्पेत्रमे सम् कार्या) में ट्या लान (खारे वा या) भान त्या खेल (लान तिथि ७) ? हर्णां : यान-अव्यक्ति : (याने यक कार्निट थारे-द्वादा) पिक (हार्वि प क्या विकाल (मू स्थाहिक), जी त्या भाव (भा देव हे सार्वि ला) आसंति : (असंत-अरम्बल् सामस्य हत्र वे वे वे वे विकास के वितास के विकास क अविमालना भार्य प्र क मा भार्य न में ति : (अलिक सक्त्र भार्याम् व्कलाभागं लक्षात्र), मात्राम् अ-रात्रकि । (मताविश्व श्रक्ष उ वस्त्रिम् रम् रव दिल) हक्षकत्याः (हक्षकक्क मुभय), सूर्व (सूर्वादिक) मीलाम : (क्षा मात्र (कम प्रतिक्षामात्र) व वार (देवन किएक) ल्यमित्यः (व्यम्बन् में यन विक्री) त्यादत्तर (१३ वं किएक) वक्तरमः : (वक्त नुक्रम्भात) वक्त व्यादास्त्रीनका िस्ति हिक् ७ व्याम् द्याति मत्ति । सिम् क तिम मानवर् (कारमाक्टिव मार्थि विभिष्), भेन (डेडटमंड्रमंग्रायः मूल) केट्स (के से जाता) श्रुष्ट का नाष्ट्र 16 न मण् प्रवाक्षण् (स्मुम्म्स्य प्रदेश लस् भार विकित स्टू-क्रिक भर्दक) मन-अपूर्वमाडि व्यानकान्क-हरेनः (डेक्टाम मनद्दम् नकः भून, डेमर्नाहिन सिलिन्स् पत् असूटिकः (मीडकार देक) जीयाकात (जीयाकात) मुनी (प्रभोडम) चित्रिकीन निर्देश : (शिर्दिन मिने अपिका), विश् (छ्युपिटक) ट्यालात्रमू (कः (ट्यालात वक्त) ध्री कि कि व दी कि जा है - क्षा कि कुडा भावित -

विद्यान्ता हा समामा हता है। शिक्षा करिता ही हा त कर्म देश कार जात वाता माठ उसके भारत माने व म् रा का का का स्वास न मार्क नी ग्राक कर नर्यालकी -अध्यक्ष्या वसामन् विधी मूलारे : (भाव रेग भी प्रहान खीरां ज्या के हे या वामान पा मड अन् विद्यान भूतमाहिण), हिन्दे ने दे दे हैं है है । (बर्द के हिन्दु मानी हम ने महिला में निहिल मूमू-छतारार् (भूरिकुण जनकालि वान्यास) कुर्यामण-वह्वली निवर्ष आभाष्ट्र लागाए विविध मुन्द्रिण न अपना कि भारी अपनाम सुर्य ज्यानी भे छ। भ्रम प्रम फत्र श्रूष्ट्र - ट्याते डावानडाता १ (तिनिड अप, अन उ भू अवाभिव छाट्व धार्वत), भाग भागाए अस्ति विकार कि । (दूक त्यान का ने) व्यक्तिः (हश्रिटक) प्रः तार्वेडर् (आर्र त्यार्वेड)) Wind to the state of the state (हर्ने हार्ने कार्य) का बड़ी-हर्ने आयाहः कार्के (धार्वी प्रवर्शनिक हर् : नामा वर्षा हर् हर् हारे हि

प्रकास भारतार्क भावतः (हर्तिक) वासीन. क्षान में से हिंदी (बन्म के मालकार के किया के कार्य के किया) रेक्ट (महाक्ष्य) के वह है: (RIXI & 115 RICH) MILOS (P. D. IL CA) MIGHAN . रूप में द्रारिक के क द्राः (लके व लिक व लिक के म व ले लिक-मस्क) भोडन छर्तः (म्मीडन अन्युक) कम्मी-छर्डः (कर्ता करना कि काना) शिष्ठ वर् ह (माडिक) के कि कर्ताहर : म् १ कार्ग व्यान्त्र मार्ड विकास मार्ड विकास मार्ड में मार्ड में में मार्ड मार्ड मार्ड में मार्ड मार्ड में मार्ड मार्ड में मार्ड मार्ड में मार्ड में मार्ड मार्ड में मार्ड में मार्ड में मार्ड में मार्ड मार्ड में मार्ड में मार्ड में मार्ड में मार्ड मार्ड में मार्ड मार्ड में मार्ड मार्ड में मार्ड में मार्ड 我的好食其我也不是一个多多人和《日本》等了 (मार्कि), नाता भूष्य कर नाकार्य-वन (प्रवीच नाकि): (विविध भूषा अ कम महत्वर काविनी वन एप वी नार्ने ह कार्यात के िलात]) ट्राट्यल हा वंत्र के के के रामा-कार इंसे मा भी मान के अधिक महत्यार कार्य मान HARE : (THE SECONDANIA & SCONDING THE

मध्या भी), नक्षर कार्यात्र (दलाक मिर्टिक), CA SIN TO INTO THE STATE CARNET WITH FOR ग र भ र आहर) कारण । त प्रश्निका का न न के निकार । का न न के न नम् अपूर्व अपन्य मार्थ व अभव नाम प्रात्त वर्ग किता इन्त्रीय में हे तथा है : यह मिला का मान के किया, मान न A Service (Service (S मार्गिष्ठ , मा मम्हिक-जाम्माद्र भावतार्थिः (मर्भू मात्रं भाव , जास्य । असम्भवादितं भाष्य) । नंबर सम ५ लाची- अनुवाद् हु-नाता-कृत्रु स्वाहिष-मत्यामधीर्वहत्वामवातेः (मुण्य मण्यम् भूत्र व उ र उरीत राजावर प्रक्रिया राटण नाम में सुन-वकाव डेलटपासि लिलाक डेलाकानममूटरन सिना) में बात है की पा सर्दि की पा कर के के का के कि का कर (में कि क

करकारनान-मुख्योक-नार्श्वकारमीत्वन-रेकक्यानिष् दिना , क्षिप्रेरिक प्रवास के किए में भाग मान रू मूचना वित्र) कर्ना प्रदेश । संविद्या गरित : ह / अन्तव लहें कर्षे व सराय मार मार मारा) सत्तार (स्प्त) में सन मुसामणाहः समन् रिलीनानिन टमोन्डीमम्क) , (१९०, आवंस कारक क्षेत्र । क्षिम् १६ - क्षिम् वर्ष कार्य (अर्]) वत्रका-त्रभानी मार् (र्भवर्ष् अन्त्रमण्डू. क्ष छ जिल् विकास देव : (६०० वर्ष विवाद) अर्थ -जित्त (काल्य अवन) मार्कीयो में मध्ये कुन का भड़ (सर्भेर विदित अभाग वंद्रनीय) मारी उमान (मारी उ एक भाभे भरते व) कृष्ण वी वात्र द्वा नामि - काया वात्र -स प्राप्त किक मुम्बिट्र ह मामसं का ना मार सरम्भा) द्रम आडिक्ट कृष्टकाडिक अरेट्यासरि:) MANAGE (MAN CHARANA PROMITAGE) (([मात्रा] चार्डाक्व बाड्रम्ब्य टार्क्ट्रांस सप्टांसक) र द तुल्डाक्रियाले : (प्रमप्त-न्वार्व धर्म् व भरते व काला) नाम अपना प्राचित्र (दे अस्त , जीत्र द्वि उ हत्रम्य मान्यास), क्ष्मनामलिम् त्रक्षिन

[water] (रहा महिमा कारत प्रांक कर्यांनी) वार्तिक. भारत्य हाणकार्यक अरुष्टि नाता वर्ष नहिन व्यक्तित्व (अर्थीण , भारतवर व हरायक अष्ट्र वि विद्याचार नामानिक का का मार्य ना निर्मा के निर्म के निर्मा के नि अनामं कि: (क्रिल्को अने हत्यकर्क निर्मा क्रिक्ट के क्रिकेट करिया करें To a control of the subting of the s विषक्षात्रकात्रकाश्व करें : (यात्रा) थाविशक मत्वाद्गा उ धमक भन), क्रम्य-अन्तिः (भूष्य, अन्त्व), मक्तिः (भूकून) बन्ध् दी छि: ह न मि: (अनेर मास्त दी अपिट्ड GICA (अवत्व) वनी-प्रते : (तण अव्यक्ति) कालियामा व्राव् (वार्ष्ट्र) व्यातक नामक नीय की प्रदेशिक कि मिल्ली के के प्रदेश के मद्मवरव्य महिल्लाम् । १८वः विभामाविषः अवया नक्ष (मायवं क्षेत्र व अप क्षा का के कि के के

Maria Barana Barana Maria Dura Durasas (प्रवेश) गाताक का कुछ छ। निज् (मिनाविक अप में अनक मस्तान्त कार्यकांत्र देशाया [यह गाया]) अते: (अनु हाना) (कि ०/अ) न समी २० (अ) न समी त्र अवाहत-21 3) of 200 ([Manal] Wangley (12) -म र न क्षेत्र के व्यवनालक्षाना स्मानक) के कवाराद्य-बास्ता (व्येक्क भाग मम्बार्) निक भा एकी भ. निर्देश (किर्मान भागात्र) धार्मिक एउस (क्यां के कि दिन अपन) अम्म कर (आधायन व किंदिन) जिन् (विमे) वाका के 30 विश्व के (3) समागा : (देलाभु ० इरे (लंद)॥ ३ - १७॥ वि ममा (देन्नीमासाकट्रम) व्यादा (श्वे लाट्स) लस्तिक. (हमाने एक अ हमाने कारने) टक्क मिनिय (क्रियं क्या लाक मार्था । अन्य-गामा (तिल-तिक्-ताम) भामका: क्रिक्टि । टबकामः (टबक मैं भे प्रयुक्ति के क्रीलि दिर्देश (क्रीलिंडिंग भीत लेखा विकास क्रिक्र) one: (ठेक मजीमर्त) (अमर्ग (अमर्था)

mar) 11 29 11 भि जिल्लाकी आह निष्टित्र भी भा ना त्या भागा ता त्या नाक्या-विष : (विभवन क् क्ष्र) निक्न-निक- फिक् अभू १२ व अगह छाटम विक्ति भीमां अयाभूक हेमचन हेमान उ ालु के ब्राय के क्ष्रीय सेवा लयक विव [346]) 036-शियाकात्रात्वार्वत्र न भ - (यारी मुभाष्ट्रत्व क्रांतिपुका: ह (क् असम भासक लाहरेश दं देवस के अभने उठ के में (मर्गासिक के अम्मर्गि द ल मा हरक में क 412 41C2) 11 25-11 (त) देमाने - वर्ष वन्त्रकान हिना कि एक - महिक भी हिनाने उ केंद्र विश्विम के में न के के कि के कि का कि कि का कि विश्विक विनर्]) अन्यक वस्ति मृतिः अति वर्षान (अड्डिस्डाल अन्कण्माने शालिकां मार्वनारह) इरेट्डट्ड ेगर्गा

30/ [mis ga anners] mentigaicenca (acameriq आवान ने क्षत्र अर्थन (६ १०) मनीताद्रात्र माण् (मन्दर-मा अरे प्रकृति हैन वर्त्र स्वति (मेराहे हेन वट्यम मार्थे (मेराहे हेन वट्यम मार्थे (स्वति के अरेश किए To and and a relais to any local दिला-तिकरेष्ट्र असे गर हिंग्डिट) आयाद्यम् ६ मार्डः सिक्षा कि स्थापन कारी । दात्र कृ देश : यू जराने (BLANKRELLING BULL) BLIS (BANK) M1 × (0(2) 11 0011 0) दिस्कार प्राण (जिंडाका के किये दिन प्राप्त) - जीर्य अपने देशे (भारते म निकते) अभारक कुला के प्रति : (अमाकाद कार्टा के के से ल लार्टी के में हाना) विद्यालिए (म्लाडिण मिट्री) मूर्यम म्हानिमिन नामानिए (सरमा भवत्राम कर्मा वक के के के अप के अप के निक) अन्तरं हर्ष के ना हि । कि कि कार्ने ने में मूर्ण ने ना अक अकरि हर्ष के करा है (कि कि कार्ने कार्य के ना अक U) मर अभवाब्लामाने ७० ([डिक म्यनि] मरसम्म अभाकात्व धवान्त्र), भूवर-जूबर-जर्कार्म-मन्

कार्यक (प्रमुख्यान स्वत्यम डेक्स कार्यान धटनार्के कार्रका अक्षेत्र), तीयान् कूटना गढिषुपर्णा-ज मार्षि ही ने वा ना पाय (प्यान हेन्द्र मी मान हे भरपाति -करण अवदार अग्राहण आखाह- विकार्याचा अवर् एते । ति विश्व का प्राथम ।।। १८॥ यर्व-यंग संस्थ वर् (अक्ष अवे ति में में प्रिक्रियानी में राकारकार-न्याकवर् विविधि तकारी म्ट्रावे आकर् कल अधिक कि प्रकार का प्रकार का निवास का निवास का निवास है। प्रवम्त्राटमाः (अभी अपने मार्ड मिन्ड) निक्र वाकालाः (निक्कु वाकी सीनार्क ७ निक्कु वाका) वाकी कर्णाः (सीना क्षेत्र ७ सीक्टिश्य) भड़े प्रान्ति १ (भड़िकार्गः असम विषठ] अविधिक्षित (विसास्त प्रमाधि मूक्त मस्माडिव धार्षकात मिल्ली । 10811 May al com à Cary - Calagas (Cary any a) en à क्यान नाकिश्वा अनि (वास्त्) , न्यो कार्यक् (देशन कर्तिका भूवर्रप्रण), बार्रः बार्रः क्रधार् (डेना

गरि दाल कथम:) वर्षभात्र प्रवृत्ता अधार देक: (प्रवृत्ता ७ भारेकार्यन वित्व वित्वक्षण में के) न दिन कर्त्र सम्बद्ध करास्त्र (अस अम बार्ब दिन स के में मार्थ में मार्थ) लाह दें : (लाब -राष्ट्र), नव्छः (ज्यान) प्रमण नानिम उत्थः (MANGHA MANIN MON SUR SISI) PLEO SIROS (स्थित माव्त । [लाब दुरा]) अटकाल राजनार -कटेव: (भक्ष रेग्निट्सव मिन्स्किनक) देलणापाद्य-छतः मठ० (क्या ममन समन एक व खन वाल -द्वाना भूभम्) , जु ([जान] छेर्प) नारे: (नारे क्रान) क्रमण: (क्रमण:) र्स्त: (स्ते), तिर्देशिय: (तिर्देशी), दि रेण मीन के: (रेण मीनी) कारिक: (कारिक विके?) लम्बाद्याः १ (लम्बामकापृष्ठां) १९६०: (कार्व्याक मिन्याम् विक्रिकें भागाय्त्र विनिर्धिः (विविधः त्र निर्धिण) प्रकामक कि: (में निर्धि प्रकारा) प्रकारिक (में प्राहित) वंश्वीयम् : (में में) इत्यन देलीलक , हिनिछे : (हिनिछ) किवले : (नकाकी, [अवन]) बिमूनी डारमनं है: (भूभ-हात्य विकासमात) मृत्रभाके हिः (धूम , अकी)

(त्रिट) ल्यानी काप्रमान वार्म के प्रकार मार ! चित्रम देश) अक्षराहाराह य अचल का रिकू वर-क्लाराहि- नामी आशिकालि-अद्विष्मनकूर् Many Law and The Same of the Man (उठम हत्याक्त वाता देवातेलाएम काळा देव विन्दी) धमा (अत्रात्) अहः (अह दाल) स्तत्म च त्र -कार मार्थ कार्यकार कार्यक कार्यक मार्थ अपने प्रमाण कार्यक कार्यकार कार्यक कार् terferalgas Joseph disposition- + Abada-स्क हतं : किंत इंड्रीक का किंति के का कि का किंदा हा जा कि of the said of man of the said -श्विष्नीय-काष्म्रभूरिष: (अक्र, बङ, श्विष, भीय उ मारावर के का कुछा) का मं य की का का का चर्ची-यत्वसकार्तः (में य वंद्रात कत्रावत्ते वे वंद्रात क्षित्रकः यवासलसम्बद्धां) सका मुद्र : (बाह्न), अम-जैस्मायाताः (अमर्जासनं भाग व्यक्षिते ।

द्रमान्द्रिक के मान्य (मार्ग् द्रमान के माना मिना) वात्रमार्ट); अभीने जानुभारभाकात्र कुक्क वनारे कर् (लार य राजा मति मध्य न्या न विकास कर के के के र) Ruman and white wind and (प्रांत ७१६ इस कड़ाला कु जि लीन मुनिएक अतन द्या का व के (व विवेष सात) मत्रा ([वाव] एडाव) रापकार् काल (राप कार्त) प्रवेशकार नारिष् (बसर् ७ क्लाइनम् में न क्लियू मार्ड) नत्र -म्मा (रिम्द्रीम्मानिया) व्यक्तित कुत्राम् कर यम् दार (जीवनन-अमाराय के अपित हेरान म्बिकल त्यांडा मारे (छट्ट)॥ ४ १ ८४ ७॥ Gray also (Casa (MA) DO PLASK DIS ERAPA-मक) के का एक वा वा गांत सता में कर वरवा में किल के के नामार्थन हिना के विषय (विसे प्राथमा ७० ७ व्यासक के ना हिले हिल्ले में (मानिक कर्ष्य पाक्ष) मन्त्र पानिक विश्व । (मानिक कर्ष्य पाक्ष) मन्त्र पानिक विश्व । found of a fairmer cela to: (5) रिमापि विकेत विकास विकास विकासिक लिया भीति अर्थ भीता रेडिनिक कार्य ही: में वे (किंव) प्र ही ल में की के के किये के कि में के में की En grad Kila on of energy [Try tra] engage क्रिक्रोकार् (ते क्रेक-क्राली) - 6 हुकार्की हर्वावर (आराव हर्षित हाविष्ठि वाव) वालायमीत्रकात्र ७० (नेर् वालायम अध्य विकासमा), मित्र पाटि भागाभागे हिलातक हिन वि विहिन् केंप् मार्थित करावेदि किल्लि पामा विस स्पर्य ना कि वा ना WE: मक्क टमा भी तार [आया के जिल्हा की कार उ टमामीम लेव) भूक वामादिहा छिटे : (मूर्व-वानामिन विजात , वामकुक्षिति तार विजान उ कु श्रीय मात्र [अवर]) नारि: ([पारम के] बार मिला) श्रुं भुवताने के प्रव्यापात - जकान दें। (अजमावन ७ कान्ये वर्षे मान मीकृटकन कामात-क्षित्रमात्र) नामक्षीकित् : मेळ क्षिणमा किर्देश

18-21-acca or 18 2 Faire Carlo May Ly co (18) क्षित्र के प्रमाण के निर्माण के नाम के नाहित पर निर्माण के नाहित के नाहित के नाहित के नाहित के नाहित के नाहित भूर्य भारतंत्र मिल्लाम) , मार्थः (श्लियानो मिल्लाम) कार्याकार्तः (क्यान्याकार) स्वादम व्यक्तः (ENEM WWW DEALS [746]) 23 6 4 21 3 4 443 4443; _(हेरात्म अप्रकारमा पूर्व- पर्वित धातु नाम नहीं) क्रार्थाय तमा के ते : कार्स मु ०० (त्वा ड म प्रकृत म देल काका कार्य वार्य के किया है है है ([आराव] डेर्ड किला) छात्रक जानियाम-भूवपड़ा-निकार्त्विण (जाहम निक्रास्त अम्बान्त्रिक करेगिका विवास्थान), धारु: धारु: अधापुक-मिडाडि सह अहा कि रू (भारा) प्रति प्रति कसमा (हे के वि वि दी न) श्रम् मार्थि वा महारा) भू विगेस अवाय वय डी कू ते: (भू विगे सु अवामम्य वम्डीमम् र भाषा) ह्यादि व (mozna) लिये मुक्री देश: ([अवर] लिये में जात्य छे के मान) ध्यात्व भरे ते : (ध्यात्व धर्म भरे न धर्मार श्वादा) नालिएन (प्रामाहिए), मेर्रासन

12 @ win : (= y in play and cood) a arcana-la in 16 6 (or play with 200 23/y with 12/2 /2 2 (E cital in) समाय (रम (कार्मिक प्रमं द्वार हातास्मिक में मानंक) लाकी 100% (त्यान प्रमा ९ ६०) में अ आ मू रेश त्यां ११ मात्य P से राव कर (यह द क्या प्राप्त में का लाम्ड कार्यन -रीत विश्र देस अविदिलक्षां में प्राट्ट के में में लियां वे हिलायक हिन हिन्ति (शिया) विवे द्यारा चे वे माठि अकृष विचित्र विचयुक) जामका (भम्रव्यम) केंग्रिन माय क्रिक्ट के मिश्च मर्स (मिश्रे दिन के कि कार्य (मिश्रे दिन के कि करे म्ब्राडिविसीत-क्रियत (करे असते एक कारिसीत र्के हिस माना) लाह्य: रेवर (दिल में एक कार्य व) क्षात्र) वास्टः (मारास) हेर्द्राप्टक) टायर द्रक्षामार (द्ने) जारकार अर्थिय करार (जार धिक्यारिके र्म अर्थ (अं) माना: जेंद्र : १ (मप के लेक्सीया महारो) या निक कार्य मार दियाक (व्योर दिया कार दिया अस्तिक्त वर्षणाह [तर्दनास] अवन्त्रीरंगः (यश्वात्र अर्ठ । यात्र) श्रेमार्क करता : (न्यावाद्ये व

धी कुटकन) त्यानिक्षा कन् १ (छेडम त्यानिम् । यन माक्ष्य । किंद्री विश्वमान ने अस (स्वी अभाषान करिया ॥ वह न वह तह (१ र वह वात) अंदाल काम्छेटे लयं- स्रमुन् नर्जे मागटमाः (वैतृ ति क्रियाद गर्भाट ([यायुकाय सम्पुक् क्षितं] त्यायुक्ताल्) लाक्स-दिन्ना का का दीत वक्त ब्रांच का व र्रेष]) कत्यार्श्वण गला (डेर्स्टिक वस्ताहित) कि।के प्रमाहि (अस्व विधेन डाट्य) विसिर्भ ७५ डेकार्स अ मिनिजाडार (विनिर्मा ७ डेआवेडारम मिनिक) मेमामा होर (में क्रिकेटी मा भारत भाषा है विका) हारिकर (लाक्षापक) विक्या के वि (सक्ष्यं (मभार्षि व्यम् स्मान-कृष्टिम) हा वि MATERIAL MASSOCE) 11 GET GRI विने किया गरीम महिन करिक : (डिक बक्त क्र म्म प्रतान आभाष्यम् (रवं म्य दिल्ल धावक), दृहें : (४६०) अद्बल्ल हळ के दिनः (अद्यम बळा हळ के प्रमाना) वक्ष हळ दिसा १० (मात्रा व हमार्च द्यान व्या वस्त्र)

कार्यात्र मार्डशास्त्राधमणार्थि (मार्डशामने देख रा दा भारा वानाय । असी में मामान नारे हि: (अर्वामाधारीविक जारेटि अरेटी (3) अमामका अमारेटिंग: भारिक् (अवार्ध्वाहिक कार्ति अम्बान भाग मिलिक), (Margania) रक्षात्माक अरेट त्यक्ष त्या कर्ता । का के म आयुक्त का व - व क्षाचिकार कर (त्याड न द्व त्याकृति रेष्ट्र मम विचित कार्रिशामा मा र्राष्ट्र ट्या कार्रिश्रेष्ट्र से साटि हिंदि लाक्षा कि ए दिल्ला मनाद्य में दिन: मुक् (भार्य पूर्व पूर्व भाग्य क अभवताकृति धार्य पान माने कृत्र (500) व ते महि क्यां व विश्वास्त क में यह में तह व व व मान महिर्वालवं लिस् या लाद्य मान्यावा क्रमाला क) करियाद्यों मार्जित यस अपार्श्व द्वार वा स बमारिक (यात्राव मामने मान भारत दिए आवित्रतेन देश-CALLY रेगुडि हार्स लासामित) याल मिंधियां मक-अदिनेक्त्राचन सेकट एक म सहस्र में महंत्रे क्रिक्ट माराव मिल्ली क्राया करक के रहा व धात्र म्याम् मार्थित कार्य के के प्राप्त कार्य के कि प्राप्त के कि कार्य के कि कार्य के कि कि कार्य के कि कि कि

श्रीकार्त अहेत्र सम्म इति वा त्यावक त्याविक), my care of and digitalist and (milia along actu degli accidina galin Barres मामाहियात्करेकः (विविध विकित समन किर् TRAIN) ENG (MIN PULSI LA) TIME () TO ल मळ आ कली-मुख्य भाम - एक विवासकर् (भाराय देलाव हारम क्षादिविहिन ह मवालि न में कालाय अरे अहर रिकार हिए ह छार छ । बेम्ड भारत) ने महि मार्गित्र के किया किया दिसी मानमा -यम्माह: (भव बंदा ध्रम मधीमार्प मार्ट सिनिष इरेमा) यन (भाराए) धार्यम्म मानी मान् (कार मामान मधी मिल) मक्राम (मक्र मिल) के न्या (के न्या ड के न्या) मा है का छ टार (की वर्ष) X X किल्ल) त्याम मेल (त्यमार्म कारक्ष) ! मासरे- वासामित दिना : (विषया] भुष्मित्या वासरे व्योगरी क्रिक अर्गि अर्गि अर्गिक वर् (अक्र टलाक करे पाछित्र का करते करते), अपनाटमालया. हिंदेर (अपना टलानन नियक) हिलाना मुल्

men and one of the manager

अपने क्टाइ । किला

क्ष्रिकाल्य) भाषा क्ष्रिके (स्पृत्म क्ष्रिके -स्थिति (स्पृत्त) भाषा क्ष्रिके (स्पृत्त क्ष्रिके -क्ष्रिकाल (स्वाहित) म्यान क्ष्रिके स्थिति । स्वाहित क्ष्रिकाल क्ष्रिके व्याहित क्ष्रिकाल क्ष्रिके क्ष्रिकाल क्ष्रिके क्ष्रिक

मिल्ली) मिलाधुन्। (मिलाधुन्नासक) कुन् लाल APAGAILE (ENLINGIAMISTE MA TOTALE) VA-नामा द्वानि है- भू न (रममा का हरेंग: (अपू न कर मि का श्रीया भारतिय लायपक आआ से ल देख मर्थर लाम्याअव ४५ माटह भड़क्त) व साद्यः (व सामवक -वा विश्वाना) काले जर (विश्व हिंज) , कि के भी त ब्राबली-हि०९ (अमूब्यम भीम ब्रु बाबिवादा आदिवास), मीन अमा माकारियः (नीम अस्मिष् पत्न नाम् आकृषि-विनित्रे) . देशक क्षार्य के : मुण्ट (धारेटि देशकुक्त. हाका आर्व बेळ) मैयम्कान्कर (नवर स्वम्सनं-क्रिका आती) कृत्यात्रिया मुक्क उपार (ध्यात्रवामुक् -मासक कुळ (काडा भारे खड़) 11 66 9 6011 90 अवाठाए (शिमामिनामन्य क्षेत्र कामे पिक) अभा कामासि हिला है का है वा का मर् (वा के किस क बार्स छ ता अभवामा दिश्वन का विधा वा आववास), भू टेल्ल : लबरेंग : (बिरेट्) अभूल तममं नण ना विदाना) हमादेखर (क्षाक्रमादिक) के अप के प्रारम् के हमाद (, or to y day, was see the whole () 11 do 11

21% PS and हराई (कान्य एक) मंत्र हमादेव : यम्। हिंदिन हस्तक प्रवासामिता का मार्थिक (अपक्षामिक मिट)) (रमहिण बार्या ७ हु वा नक् (किस्ट्रेड ७ था छ द त्व म्बर्षावेगार) ट्रमायुक्ट (द्रमायुक्त नामक) की मानावमानावरकताने विभिन्न वम व काक्राविरकता) र्माए विसम्बन्दिते: (अक्टिर्वास (क्टिर) रा का दारे विया : (अभिका का किय की की किएक), पान् डेडनारिक्काः (परेसल डेडन अड्डि The 201 2 3 HEZ) 15113 (CM 151 M/2002) 119211 00- रिल्म बराविष (अलाम त्या त), वानिमाक्ष्यार वार-ना के की ट्यांकिण मार् (हरू दिन डार्च छा के की जान-कालियाना भावतिथित) वस्यान्यम निया केल. प्रमास्यापुर्व (सरपार्क्य त्रिन क्षेत्रक्ष क्षेत्रक म (अ म । विक्रम क्या के) , क्या - रामिक - भीक. ल्यासीम दक्षाक ना गर (चक्र वायुक भीव व के क वर्त भूका वा कि निर्देश । अविविधि मा श्रूष क क्रमानाम हर्नाट (अटिकार्गाठ वसाकी मेरेटेक्टांक) गु जि मू मिलि जिर्म ह निर्म के : (भग्रम मिलि उ

BYWELL HUR HALL SOLLE PHENTEN: धरेंगे: के निष्टि हैं जा सन महिना विवान जात प्राप्त है जिल्ला काल्यम) विकास मानम् दे: मिलिसिमिन मा आसम्) मी संबीका के में तर दिन भेड 12. 20 25/2) Del- 1912- no on suc (Del 1012 3 क्षव्य द्राप्त) भर्षवानिमावरिकः (पर्यु किन्तिस्मारम सर्भवत ड्रंम) हार्यकः टम्ब के याः (भाषारक लाकार के करार देश क्षेत्र में के मार्ग मार्ग करिए इरेट्ट अस्मक्रमक्रियः (भूमक्ष उ ब्रमका व्याम्य [अक्ट]) अन्तिः (अन्वनाविधाना) कुछ नाना उसते-समन-नामा महानेणाना दिस्ते: (इंडिंग विविध धाउने, बड़ अधार ७ डेड म पिकाम सिर्दिशिया मार्त में ये ये प्रांट (न वर्]) पिल्ल विकाल (किंक ७ क्लोअयूट्र) अमालि: (माम मुक) अकृते- विभाद- जी ज- मा अ अ विष्टिष्ट-अनारेणः (बक् उन्न भीठ ७ नामिन अभा उ हेर्मापादिषां कार्तिका तकारियः (भारा निहिनः किस भावात रहता (इ) व्यवन अव असा दि : (भावेलक अवीरायक हिने व लियं भागाका),

अ अरेव: 18 न प्रेंच : (भ जन ७ विक्त प्रकास्य-वाना) भारत्व मूद्र करारी- आव्य वास्त्र है: (भून क्यार बावा आत्राव लाखार वाव कावल दार्गाट्य) , अपकल- हल छुन्नी किती- जायु भाय: (र्म्यून छक्ष्मन एक माम मा ममना त्रास्त टमताकाल हार्मीयका कार् (७८१) कार्न माहण हार्य-केर के अमा के सर्वर: (विवर्) असन सर्वर लाल राने-बान्सी कार कार्य मार्थ द्वार भार विमा भाग वार भार्य), वरि: धाम (बार्डालाड) मसराद (हर्दिक) उचला आ क्या कि वा डि: (विश्व अमा अम् अधूर भागा काल्यादिक) कार्टकारिः (प्रशासन) हण्डा : त्या भी हि: (हम निर्देश कि निर्देश हैं। रेश (जमार्क) अमिन्स् रिक्टिम्स् धाउप (रेशाइ) (यह) अस्म (व्यक्षे) महत्त्रात्रे में बहुताselly ([Jest) (Emerit on a) it ([Jes] 医如此如果如此人的是有如此人的是在如此一次 My Jake Charles Remone & Charles (Man)

21 gift acci: (- 3/ 2) th & Stad) 145 dy-स्थान मान जाता क्रिक्ट क्राय स्थान कार्य स्थान क्रिक्ट क्राया क्रिक्ट क्राया क्राया क्राया स्थान क्रिक्ट क्राया क्राया क्राया क्राया क्राया क्राया क्राया /राष्ट्रिकार अप्रत्यत्तः (विकास कार्या कर क्षिक क्ष्या कर करियो सम्बन्धानिया (अवनिष्ठेत्र अप-नामक) प्रः अतः (अर्भ) के के देश है। कर कि कि कि कि वर्ण कामान (आहा मात्र (कर्ड) ॥ वर्ष - वमा - कुक न नी छि: (बिकिन कुक , मण [७]) हिन कर्त्र: (वाह्य ने वे ना की बार्ग) हिल ड रं (सर्) कार्त लाने का रह) हिन बर्ते : (बिहिन्दिन विना कि अरेल : कृतिः क (अभी अमन) क्रियं : (क्रिय [3]) अमारी: (अमारे अध्यक्षाता) कुण: (अविक्र) क्तिमाड अपट मुक: (विकिन्नि अपडमपुक), किन-विद्यामिकानु : (किट्राविटियदिष्पाम-टलाडिण) महियान प्रमण्ड : (१६यम नल्प दे नायक) हिन कुक् : (विहिन कुक्) विश्वाल (विश्वालयन 190 (2) 11 90 9 60 11

मिकारकः रेज्यादेशः ह (कारिक व हमका स्थानम्य-हास) १६० कार् स-६ वर : (मार्ग कार्ट न उ हर्ड -सर्व लाने गांड के प्रमान में विश्वाद्य : ह (त्या लग), के हरे ते : (क्यून), या मुक्सा माड : ह (क्रेड मनेश्यक्षितं)।हान्तः (वाहन्तामम्) छड मुक्स पता : (छडा- मान मुक्ति) वृदेभ : बसीनि : ह ई ब्रा अ लाजा लिया वा) अधिष्ठ : (मार्ग) म्लाडिक) नमा एक रेम: (क्वम भाग निकार वार्यमान कर्मा द कि मिर्न कामका उन्मान- विक-की नाटिए: (उन्न वर्ग न्यान , क्यांकिय उ उद्याहा वित्र) स्मारिण: (आरियुक्त) यस (ट्यम्पारत) काक्यमार (कामकार्विक्रमीति) व्यामिड: मय (मनी मार्तन भार्य) अ अ त्वरमी (छन्दिन्द्रार्श) अन्। के त्या व (स्पर्वार्टी अभिक) की ए एप वर्ष (की डावण दर्भाड) लामिं : दिमान्त्रेत लाम (महामं द्यान ग्राक्ति म अ (भ) द्व (माक्ष प्राप्त में मा) का त्या हिन्स क्रिय के अ

धांत्र (मार्च) मण्डाकात्र ज्ञाने: (कांक छड़ा (कार्य अभागात्रीयक), रे.प्टा आसू अ अव : ([नक्ट] देला (म आनं मुक्राम्य के) भूति के माधा /व (मक्)-4) 21 (DIDM) 38: 41010 (38) प्रकार का कार्य कर के कार्य के किए किए के (अर्थनणा मिन्म विष्ण) द्रममुकारिय: हा पिछ: (अर्म् का ना नी एक दा लि मान यात्र काल्या किए), इंग्रिंग्ड) ८२म मधाव भी - किया: (भू वर्रमम् अम -अमू अ घरम् अन्त बि बिने के के के किए के के त्रयाकार्यक्रिः (भातात् माक्रेने ७ क्रियमपूत्र भ्रमहाना व्यामक), अर्थमाटि र्घमन किम्पूक: हिल्याम्बराईड: (म्बर्यां क्लाइड) द्राम-त्रभाषा भाषा । युकः (अर वर्ष क्षय व वाकः । अर्थे वर्ष क्षय व वाकः । अर्थे वर्ष क्षय व व्यक्तः । अर्थे वर्षे व्यक्तः विद्यो । अर्थे वर्षे (मीनामा प्रामी क्रियं पारिक कार मी बारा भारे-भू में स्मित्र की नाधा (की नाधा) भी मन (सीमादिक्) भीजबम्म भीजात्म भ- विद्वार

(भीड रमम , भीवयो कार्मभन छ मीचमन दूसने-अधूत मान्। भूति । अना अपनियोग (रम्प्यूटरर अध्यम कोत्राम क्रिया काल म मक्राट ्रा र के कार्य कार्य मान का का वार्यमा), यव (त्यभात) कुछः / श्रीकृष्णे) तार्थी-रवम-र्क (त्या ग्रेस की ना का व वस करने म करने में क्रिक्ट : क्रिक्ट : धर्मनि छि: यद श्रायम्भा : (अभी अ ते न अर्ड अर्डि अर्डि श्री नामित्र) त्याम म्लामं ((अमा माम) म्योगि (अवने कर्डन, The about a sucia one of a contraction of the (कार प्रकृति) अभूषा (अभाकर्क) (अविका (र आंत्र अ) वार्मा (वार्मा) यम व्यामणा (ट्याम् दन कार्म पा) द्रक्ष पम की द्रक्र अर्थि) जनामन माद्र काम ने वाद हम

Saltarale (Hall BB orange delay Masa) अवतर् १ विकार नाम वर्ष मात्र कार्य) मास्त्र (क्या का के दिल के मा कार्य (कार का) कार्य (तारंति) विश्वास्त्र क्षिण का कार्यात्त्र कार्य (तारंति) विश्वास्त्र कार्य क (भू अभिक कूल्लाक लामा) पार (विश्वाक भाम बंदिनो (ह) दिन आक आयाते) आ अस्मिता eran (ou se trice in white) me (promesses) अव्या (व्याव भारत) क्यानिष् (क्रम अ war a) so central (on our our ous sales) मिलामार्गः (की ना कार्यक्रियं) के के किए ता निर (क्क तलाम) अस्मारमाछ (अस्मार्न कर्वन) " का नाम बर्याह: (नाम बर्य प्रायं शियं) श्चित्र विकारितः (का आअशूर्य विकारिक) ज्यारेते: (त्या वक्तर्य) देवा हतः (त्या के स्का हाप

१ हे वं : (भागां का ला श वं गार्थ के पूरित के प्रति वं गार्थ रेट मी मलाने अपूर हाता लाइका छ महिमाट) ? मन (ताम्य) बाद्य में मण्या शाव व साम : त्या त. अकारक (द्राप्ताक त्राम कि सार्यमा (वर्षेत्र) न का का श्रिका नव मैन्स्री (नकतार स्रोबाह्यकर टमार्थर वर्षत) द्वार्थिका दिल्ल (ते श्रेड टकारे) कार्य कर्त्र कि वर्षतः (जी क्षित् व कि वर्षक) भर्त आरम: में के (प्रमान माल कारम की में के [QIÃM] WILMEN S: (MOLENTES) SI ON CO. CMS NO (002)11 27-2611 की गुर्मिया विक्वती वृद्धः (तक वर्ष महावालि भाषा मानिकारिक), त्र प्रसम् वादाः क्रिः वृषः (वक्वर- अन्तिक क्षिमानी वक्ष वाहिनाना आई-क्ष), त्याने व प्रहिला छ। कार्रिया में में पिट-मछल: (वकवतवर्षेत्राक्ष-भाषा धडाउर हारा यात्राव द्वार्म अग्रंत अ मडल मसूर भावकाड)

TO BOWN TONES: (FORT BOWN - JES)) अत्र मानि कार्या (मर्का कार्य : (mate NATO TO AS PRIMEDED AND CONTENTS (अपित प्रिक्त के प्रति) द एक हैं। रिकार के विश्वास व 1200 de Jonian rama: (gon any man Jake lower) orty 3 to ; on 3. गोर्ड किए पान कार महरू । 20-2911 निर्वाहित्य विकास निर्मा करिया है। अवियोटि देविएनाका नि-प्रकृति । (४४२) इक्सिंडी अभी ७ असब मार्तिन क्रम् अधारका है), अस्पार रेशनमारि हिलाडा द्व निया क्रिकेस स्थन: (भारत कार हरन उ सार देगता कृषित उ हरन -भाग श्रावपावन अर्गनाम क्षाया वारवाक के करिए अर्क विक: (प्रायम द्रार्श अर्क में प्राय ये ये ये विक. यत (नव पार्र]) माधा के का अ कि निह: (की वाका का किये जिस की का के का का का आर्थाहत) यामेड्राई (यमेडियाप) में एक्।. मार्गिट्मा: (मारा मार्गिन नामक [क्रान्त])

कार्य मिलक्स सम्म निर्मा माने में प्राप्त के कार्य कार्य के कार कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार कार्य के कार्य

一个日本日 人日本日本日日本日日本日日本日日本日日本日日本日日本日日 - of a off out with of the County and Control of the second of the s श्री लाउनमा द्र (चानमान यान) लाए छ : द्र : अतु : शिल विहिय छर्र माने व त्याम त्यू) जम्म म अभी (द्वारा अव्यावन क्षार नी मार्थ के त) रदं : ट्यका (जीक का के जिस्की, क्रिकेट कर (भीक्क हत्य) जमा (भीना केर वं भारत) व्यानेका Commission Compile (Allowant) मिर्द्रा किया करवंत के मिर्गाट 三年中的智慧(四) 双至《大王《大 新江至人 (अके वा वृद्याय स्वाम कि विषये) वण वार्षिका सेव (ित काप कार् ने ज्या कार्य मारत) व्यक्ति टकार महत्व (क्षा प्रमाड कर्न्न) , जप् (पाठ यह) क्याः (डेक के कि के कि सार सा (सार सा) एका (क्षेत्रका (सर्वत) किए (इसर्ट्स)

कित राम काछ स्ता अस (स्ता करका क XXX) JX 205 11 क्रिकेट्र हैं। (क्रिक्स के क्रिक्ट) मान्य के कि क्रमणः ध्रीम (हिटा इक्षात्रिक इक्टेलक) ध्रम्पत्रिक (डेक क्टाइन) किः किः विविधिः छतिः भिन्निक छ ने किंदा है कि लिया विस्ट हाय- मा स्वम : (विन त्यन हे की अमार् काश अन्य मा हरे मा किया का का अप का का का का मान का मान का 318 14 (13 (5 2 2) X (ECO) 325/3 (3) in अडिट्यें (विषर्]) बबार (बाडिवलड:) लामासाम (देव के कि व सति।) मामिटिकमार् रियालका अ देवर अकर वर्षाप्य कल्ला) विद्रार्थ (alare minera) 1150011 क्षिण विश्व विश्व विश्व कर्म द्या द्या विश्व विश्व मूलक्ष अर्थ हमनाकत्रिम्तन कीडाम्क) त्यन प्रा-अवक्षत्र (भूका भागा मान भागा (क्षेत्र विषय के ट्रिय व दे रे स्था के दे के ट्रिय के दे के ट्रिय के दे के ट्रिय के दे के ट्रिय के ट्रय के

100 1 SKE EL BAR PE करें बचारक)। अमा नकः प्रचर त्यता । अम्बन्धान दक्ष: इत्न न नम् हात कार्या हत्ता । 15081 Fighteriga, Igner mises) 200 mail a sign (Exiles miss) mais Delegal to the state of the sta TO THANK ON TO THE STATE OF THE (आनम् मर्थ Ky E H J TON A H J TON A J TON इर्म मार्थन कर्मा नामा है। श्चित्रस्था (क्ष्री विनेश्याप्तंत्रम् (अंग्री देव (अंग्रिय मान्ते) का लाक कार्या कार्याह त्यत ।। २००१ ([अमर व] मार्क) अरखकार्विद के Cana. मकाकमा- अग्रिडा (मिल्ला क्रिक आवेष के कि के कि

इक्षिकित्यसम राजनमा । स्टिल्य में प्रत्या (अ) इ. १ अर कर में मार प्रमें कार कर के किए के केळ जनने काम राष्ट्रक निवान ने कान्ति (१) न महीन हक ५ (सुन्न-हत्न (महन (कान्ति) वामुख्याल १ के प ४ देंगा ला जुड़े र कि के क्षिल के प र के प र का हाम्यानिक दे। किया विभाग मुख्य मार्गि (भारान मद्भवा (भाक्रवर्ते व कत-विवित्रे यात्राच मद्बद्ध Musica Johnson (क्र) अप (टमरे मनभी क्रांट बार्बा कु उरके) (आम) ९ के हे विश् (के हे विश् हायम् अर्था म द्वारिक मार्गिक मार्गिक मार्गिक कार्य के कार के कार्य क (क्यांक कर के के का का कि एक कर कर के का किर्धः रावः ([जिल्हाल] किक) (पार्क्सन पितः

(त्यात्रक्षेत्र नेवात्रं व) व्यात्र व्यात्य व्यात्य व्यात्र व्यात्र व्यात्य व्यात्र व्यात्य प्रसार वामाम्य , अस्मामा नी ना स्था (हकान-भी स कर्म कि के के कि अरम म कि तहा मिरिया कर केलिक स्थार केंग्रिक में बाक्षे (म्या कार्य मार्थ में) मिल्ना सरकार भारत-इक्तान कर लाम : रिडिंक के अ-Biled Standing 3t of Lines : 20 1/20-(पर्या क्षा (टमायस्यम्य वर्षे) सहस्मायकः (दाका इन) व्यक्ति यम सबूदे व (अस (म्यत-मुभारतम् भाग प्रत कार्न्याहित्तत्र)॥ २००॥ ११० मः (व्यक्ति) जम (ज्यात) आधानः छर्तेः (श्रीम वर्ग अल्ड) ७९ घ०) अं म र मार कर (जिन-ज्यां विश्वास्त्र मा विश्वास । अया मा मन : (भी ना नि क छरक) अधी अ) (५ म म क विमा) लासल्डिल के क्रिक) लाममा (लाममा) विसम् लाम (धन डव निवित्त) जमानामी मूक्ड-विजि- विर्यन: लार (मा मामामिका समायमान मिर दे व मार् विशेष वर्षा अविद्यम) 11 55011

2) Z: [MIZIT 1014) Reductus (Miguelos) मार भारति लामान्छ) वारं वास्ति. साम् त्यक रिया में ते हात्रा ने में अन्तर में 111年至 [十二] 日本1日1日1日 (日本中本十十 WI अ शिक्षा) नर्म मलान- निर्मा के: (तर्म भर हन-समुद्धि इस डाह्न) ' नात अठ खे कि : (ना नार समित . केस्टि थिया) के हुआ : इ विकासिक (दे के अक्ट ११११ भन्म: (भन्म) , अर्द्रभ्येत: (अर्द्रम्प्रेस), डेक्ट्रमार्का - मक्षार्थ: (डेक्ट्रम, असूम, मक्षर), विषक्ष-छूत्र-रक्षाकियाः निविष्णा, हुत्रं,रक्षाकिय), फ्रम्म ब्रुवानाम् १६ (६% ७ स्वत्य सङ्घे) ८४ बिम्मर्भम्याः (१४ मक्त विम्मर्भाष्ठन डार्र भारत्य), त्वबार् (डार्यार) श्वसा विभा-विवा: (विकानिक-माध्यक) ७ (मुझामह) इक्षाः (१९३मम्) तः (जाताना) तिल्ला (विकास करिया) सारितिमिक्सिय कर्मिका ।।।।) 78 sich: why (without) sign oughtor (अोगके कर्क याम कल भाव प्रीए), प्रामान पा (Samuel mas) & & my our oug (& 3 25 Man a respect of the (The contraction) सारम् भागना (सारम्भायमे व्यापमा । भागमा खानक " लिए देर्ड (के मार्डन कार्डिन के) 11 22811 १९० मा (क्षेत्रका) धानीनि : (मनीनर्ते न महत्र) विष्यास्य (कार्यस कास्त्रीक्ष आहर । मिं) (अपने (डेक क्यात के अपारेंड) कृ क लाका न पार्टियों किया तीए में किया के भाद कर्य-अपूर मास्तुक्षें अ अ अ अ अ प किंद्र]) र का वठ -जित्तं (क्ष्रकेश्वर्मा किंत) क्ष्रिम है दि (यरे क्छमार्य) माडि (अम्म कर्वन)॥ >> का ग्रिक्निकार (देवनं तिक) माम्बार्शक्र विराय क्रीकर्क मार्क) मार्थाह का उन्ते (र सर्व सक्राल- यू अप ना पक) जिल्हा का का कि कि कि (कालिकिट्न), क्रामाना (क्राक्रीन) ELLE (1993 MAGO) 11 >> PULL

Dd aparons (of maconcy) laministed - (वि मा भाकिए क श्रीकृष्ण), डेक्कमानमा (-Best Han Balle) " and (and यकार रिके प्र विमासम्बर्गार्टी) ने वबल (यरेक्स) जामार्थ (मिन्न (जामा) दिक् मस्ट्रिड) लग्यात: क्राम के वा समा: (क्रमंत्र सं सन्मित्रहें के मिक) जिया: दाहि (लाममा अं 28 NOTE CHISI AND (D(E) 11 22 411 MA y cumascin: (of all of one of signing & a. किया सार्क) में अ र्याह (यर का - 3 - अ किया है) साम-भाराभी की में टार्म (भार उ व्यात व का न व का मारेड) व्यानिक) क्या विकारी (क्या विकार) भूर्य मा के मनिवारियों (मूर्य अ भा कि म दिया -बल् रेम् हिलक हैं। (हिलेसर क्रिंग्डि)।।अभा My इसर सर्व (अर्थाक के कि है। ह रही मीमायह प्रक कारमध् (मी मा मुकूम का का भरते हा मिक (के [नरह]) आकृत्यार (अक्ट्रमार्य) द्रमार्थित है। दिन है शिक्षित्र) असं मठ: (असं मठ:) न्यारीय (प्रायु क्रियाक क्रियाक क्रियाक क्रियाक]) (सार्क प्रमें ग्रामें) एका। ह (स्थाल क्षिक्रिक्र) क्रिया

ROUTINE

DAYS	1SI PERIOD	2 ND PERIOD	3RP PERIOD	4 TH PERIOD	5 TH PERIOD	6TH PERIOD	7TH PERIOD
Mon	=					Call.	1/4
Tues							
WED							
Thurs							
FRI							
SAT	Ţ.			A			

(4) > Div 101-15 Hater 19 Khatas भारत का क्षेत्र का क्ष 620 20 an (काळ का का का (के मारत की) मन मन मन - (मा कि का का) तथ अवर्ष भी अपरे (त अपने कु आर्मि ह इंदर कि त्याम्य) ल्याम्य (ल्याम्य अठकार्य) लाद्वरवर (जन्याव निकले जनारिया) तथी कार्यकाय उठ टमी-(कार्यात केन्रमचाह्र में ग्री कर्तिम्) देल-स्टार (दूसराव कराम करवंदमम)॥ 25011) रेसा (िक्स भेड़] रेसा एस) लये वर्ट (ज्यु वंस् कटल व वा व हाता) व छ विश्व विश्व में वा मक्ष्य (श्रीय विविध लिल्ल ट्रियू ने भारत क्रिक्टि) जर्डर 2811300 (28112 MISTER 2) 5 MINST रिक्रिके कि के कार्न है। कि कार्न के सार्व में दी-क्षियां श क सर्व १ क्षेत्र को अव्यक्ष हैं। अव्यक्ष हैं (व्यक्षिक के) व दिवसा कार्ड कर्बान (त्या दा के दिवं अमाप कारण) टिक: सर्वा: अरेत: (श्राप श्राटमार्चक अनेअप्रावाल) नाममान (प्राप्ति) भाग) यम म्यूर्याङ्याङ्याङ्य (ELYNNE - NEW) IL WIN (MZ N (N(HA) 11 72 > 11

(व्याक्षान अभ्यत) क्षक क्या मी माना प्रमृष्टि-भक्क त्र-छर्भनः (युरे न किछ भी मार् नम् त्र मन्त के अविश्वर कर्वन भी मारिस् (यर (यह दिस् वर्ध रहेग) लाक्ष है: धारु (कार्क मर क्रिकेट क्रिकेट) 11 > 22 11) ि [लाइ वं शित] युक्तामना (ादुक्तामा) में संभा रंगम १ (तक में भी- व-रंगीय रंग) समाववं (म्माक्ष) ७६ मुक् (ट्राये मुक्ति) विताकः वाल (लत्न) ।। इर्षा 2/8 रिल (लाम रिल ;) तत्र (कास्पर्व) सभी (सभी) या (क्यांचा) याद (याद) दिन्देश (ट्रिकेडामावला) क्षा (क्षिक मार) का मार प्रार (क्षिक का) लासम्य कटन्त्र, [यम्]) भाष (भाष) जमा (१९४४ में भार्य) सस (क्याना) ((व त्यामा : (गमविदे विमानमपूर) मिश्रष्ट्रश्रः (मिर्विष् अस्म न रम), जम्म (जारा रहेतार) प्रमूप्पर्गं (वसर अवं सतात मेत्रम्व) में अन्ने क् ७ , यम द्वि [७] र अ ट्राइट (र अ प्र [र]

क्रमान् । रेशक्त नंदर्भ के के प्रकृतिक (Ama CALLES CALPUT & MALEGER OF SACHELL कामीन कृत्ववाहिन वाहिन ह िलायाक क्र र हिए देशायन विहिन मक्ति भेग्रिक नाम कन्ना (x1 x 4 5/1 > 5 8 11) (कराने असी (का सान अभी की गामा) में (सिम्हते) जूनमी- अकालार (जूनमीक निकटे र्त्रेटक) भार (mui) 2 (\$ 0 2 3 8 0 0 00 (2 0 0 - 4 0 0 धनुमाद्वार किट्र]) अग्रे (अट्य) टेमकार्विट् ठ (रेल्यापन अल्बेल विकासन कथा) विलया (अवने कारियां) न अभाषि (अभारत ज्यामिर दत्रमा) देखाः (भर्डाउँ) २०: किस (अभात १२०) का व्याम भद्रा (क्षत्र मार्थनं) सत (कारानं) सर् १९६ (गार्था) नियम् (का अन कार्या) जाए (ठाराक) देर (नक्षारम) न्यामर मंद (यम् मं न्याम) ॥ > 5 ६॥ रित्रे मार् एकं। (४ मार्टक् ;) त्या सामा : (चा मामा न प्रकटि) यान्त्रीमार (मान्दिन काम्पर कामान)

हिल्गीकी लाबमार (चर हिनिस समा) मर्म ही (इत्रेम कार्यमा) जनार (छात्रा रेक) अमे म- विकलार (स्प्रेमाश्चरवयाता [क्ष्रे]) ठिकमा कार्येयार लक्ष क्षा है। क्षेत्र (क्षेत्र) क्षाप्य के (पड़ मा) (क्ष्म क्षा के प्रमाण) के जाप्य के (पड़ मा) माम्यान कि) व (व वि) सर्थिं म (mara राक्त नुभार्य) मानि हार् प्रवं (मानिकारक न्ध्र त्यवंत कार्य)।। 25011) बेटल (लाम बेटल : [विश्व]) नकार अभी (एका प्रेष्ट अभीत्क) ट्यानिमकात (ट्याहान्त्रीट्य व नित्क अ(म) स्थान (बार्समा ११३); काक्टर (कार) म आ (म भी) सार् (कासारक) कार्य कुरि (कार्यम प् कार्वश्र के कि कार्याल ([यह अपि अपिक] कार्य, ित्य दरेल]) धरमे (सरे मभी) भया (त्त्र) द्वं अवाव तर्त (वाद्राक स्रायम् क (इ) 11 > 2911 भिन्न महार (म्यार (म्यान क्षित्र म्यार भारत क्षायम् । क्षायम् विकास म्यार (क्षाय भारत क्षायम् । (अंगश्रिया थात) ! (१६ (राष्ट्र) द्याका व्यथत अर

(दमका क्रमा) क्रम क्रम क्रम) क्रम : क्रमाह (मं प्रकास कार्य कार्य) अस मामा ((स रमत) टार्ट (छात्रारक) यक्तम् ९ (यक्तम काव) ॥>2011 DU SIE: ([MAGE] THER) TO CHING AGO (स्माडाव्य भर्ष प्रक्रेम (क) अक्र ब्रह्म कल अम-मुखिए (अक् वस्पापतान पिरक निविधे पृथि) रीक्ष्र (दमार्भमा) दूलाश्च वात्र (दूलारक वाति ता),-किर्दे (क्रिक्र)) अत्रत्माः (वर्षे कमना वृक्त प्रेटिन) कर्तः (क्षत्रभग्रकारा द्रियन) छदद् भ्वमं (उमन ध्रा कन)॥ 22011 DO बरे: आर ([जमन] अर्ब अर्थन दानिरत्न ने प्रिट्म ((प्रमा) लाममा (तर् र प्रायाका) तम क्षिर् (arena अटमाल त हर शिक्ट (के ए (कि) अप (armora) ormer (alam as) (to de to de (lowers) (मार्थिम (मार्थम) (लानूभ: (मार्थिक हिए) मका सन के ं (इक्टर में से से) मार्म (त्ताक्ष म कार्यमें) क्रिमांत्र सिंहिंदि हर्नन)।। २००॥ कि वमं (िलप्रसेव] रेसा) वता वत (रिसास म्हाप -हिंत) तिर्वेष दला : सत्या : र्मिने क्या में में प्रीति मानियम

सभीता) अधिवटमाः (टअवं न कार्यता) क्रमः व्यव दिन द्यि निस्म मूर्यक) छेट्का छेट : का डिकेट् (डेर्कारेड हिंड अवस्ति कान्टि लालित्तत) 1156211 (अभूनकप्रतम्भी (अभूनकप्रतम्भी) भा (खीनाका) ट्यावर का माडि (टम मर्गड मा क्यामिसम) , जायर (जिल्ला में) यः (व्यक्ति) लयान अठमडीयः व्याच (म्बहादक: अक समारत्यं मार्थ माही तुमात्री देशता है) लाम तियः (दिश्य श्रीता इरेगा) अम् ने द्वाराम पर (क्रिक्सन दक व तम) मैं असक व ति प्र (यक मैं अ प्रत कवियादित्य), २७ (व्याप!) ७९ (वादा) हिन्द र (बिहिन नत्र); वि (ध्यत्य अर्मामिन (अम्मी ग्राक्ट व वाह) त्यम हाकार (त्याम कारम्ब) र्ग्ट (यर देल) (एका (क्रास्त्र) सरका (काडाविकरे ररे या भारत) 1136211 की टिएम अदाराविल सर्भ- जीक अ स्मरायत (भारा जी (१०२) (१ (बब मार्मभा छि उपक्रक म जासमं क्षेत्र ट्याक्षित ट्राय न क्ष्य केट क्षाम् व ररेण (ह), जीवणं राय भाभक्षिम पिएक

THE ME A STATE TO STA इर्याह [नवर]) जीन माम्य के करे- वंदर्भ काता हिलाविक नी ना मुखीना प्रके दिनाता न अड्मि) द्रश्यात्र नी ना समः (मूक्त क्र नी ना प्रक विष: (वरे) मल्यः भर्गः (मल्यमर्ग) मण् नियंगार (मभामभक्ष समास र्वेन)। ए।। अविश्वीस्परम्यापारिक सेर्डास्पर क्रिड्रीय प्राप्तार्ग सखरा मध्डे अर्थतिक द्रमार्थिय म्याद्व Wing Sect Laws & Section of the Sect इ. (०) (मस्यार्थ) १ भए सर The your way of a ser and a ser and a ser and a ser and a ser a ser and a ser 020 लक्ष यम्) धकारक अत्माम प्रत्भाषिण- विविध-विकामापि ह्या अमूरको अहे कि काम में के होनं मूर्यां का क्रम में प्रामें के का म माव्या मात्रिकाती निर्मात कार्य (यात्रावा कार्य मात्र-कारम लामिकार-मिश्रीवर्शन वाक्रियम् मूम वार्ष करवत), रक्त मान्ने भाष्यु-वर्मीकाछ-वाछ-प्रवेशामार्क-ल्कानि की टले (माराबा द्याना द्यारने, बनविशान, कत्ताकात्ने, वर्मात्वने भूराक्ष्मिक भाम ७ मूर्य स्वापि (आर्मिस क्षेत्र चिवर्]) आर्डिश मार्ग त्या मनमान (अविस्त वर्ग अर्था कारा एवं त्या में के के किया (इप टिलास कर्मात) अस्मर्क (स्थान्डिक) स्मिन्न (क्रान कर्ड) ।। >।। स (योककात्रमेश का नामा)। क्रिममं त्यादमेषः (जिम् कार्म अम् अम् प्रक्र) विकासिं :

(विश्व के वा का का मामन (वकका (व) में मक

र्जिक (रेजक विमालाह्य) लार्डिक हिका (हि काद्य लार्डिका डर्मा) अव का वे मं ही (मिल्प न मार्चे मारामे मी) विल्ला मुक्ता व्याने आत्रात्न) धानपर (निसं भे निमं माहितान)। रा ण किलाता (द्य प्राम !) टर्मा कर्म मूल- प्रमू छ मे- न समय- हिंडा डि-यर सा तक: (ग्राम ट्राम्य मुक्त अमृतः मामरवं व व मं-प्राचाका मनमामार्थन हिड्सम अर्वाक मार्विड कर्चन), कर्नरताले-अन्ध्रे ब्रह्मा (क्षेत्राच अविदाय-विचि व्योग् वाकाताल कर्मभातक ध्राम्य पान कत्न), त्कारीन भीठा क्रंक: (यात्रान धकंत्रभूत त्कारि हत्र करिमका में मार्थि) ' टम्ब्रार्थित में सदार्थ-क्यर- भूर मंब्रामहरं (म्पराव में स्प्रिटेश ब्रिप्त लहतं श्रीनं टम्बंहरते दिवं सवार हायं ब्रामका अग्रिक कर्र), मः (जारुक) कीरामा अमूणः (की बुला क्र तकार) बतार (बता पूर्वक) एम (कारवान) भकानियार (अक रेजियत) कर्षा (धाकर्म) क वित्वत्य) ॥ ७॥ 8) प्रामि! ((प्रामि!) नवायु पत्रमा छि: (कार्यान प्रवास मुद्राप्तिनं थानं त्राष्ट्रिका भी) ' प्रवादं-ग्राज्याभ्यः (मात्राव्यम् सम्य मूट. नव प्रकामधान

विद्यु एवं नाम प्रान्त), माहिन मून्ती भू व्यव प्राय -ह अरतन : (लिंग्र्नातीत निर्मत माम्बेट्यं मार्ग) भित्रान अभूभ (धूनतीर्माडिं), प्रमुस्त वृश्वः (भिने सर्व में कि विहास्त किं। में देश वानंत्राच महः (अमटार्मिर्वाशास्त्र पार्छ-विधाकि) , अर्थिरे भि मन्तरमाद्य : क्रिक्ट राम्य) ट्य (धारमाम्) रमकम् शः (यम्मम्मालक क्रिकालका) विसाउ (वर्षत कार्ड व्यो॥ 811 () अभी (a अर्थ!) नमका न मुनियन: (मेंत्रान अप मर्कत्रव टामाध्य कारित नाम मधीन), अवने कि मप-मप-त्रिक्किटः (मारान् धमकान् कारि कर्ममात्मन धाकके), अन्तर्वत्रम् हका अन् अनार्य छक्ता किकः (यारा न बाक्रममूत्र अर्थना विचित्रमुक अरे जारूम अर्थ-त्वाचिक अभ मध्य अविया म-ब्ह्मी में हरा धाकन-असूत्र श्वादा विवाहिक) , ब्रमादिक- वक्षाक्षेत्रा- रूप्य-राष्ट्र- वर्जी का (विवर्] मात्रात्र मून्नीन धानात मर्व कार्न लक्षी अपृष्टि इ वदाक्रे ना मर्ते नु हिंदा-(भारती), त्रः ((भन्ने के सिम्तरभावतः) र्ममन् रभावतः) CH (ound) कर्यम् राइ (कर्ममा (मर् क्रिकाक्रा) उत्मार्ड (वर्षत्र करिए १३)। ए।

ने के के समाधित्व के अधि संस्थाति के का क्ष्म : (शामि में अपूर्णका ने) अका अंत्रात्रिक अवास्त्रात्र के स्मित्री मार्थ आकृष्टि कर्यन) न मठाडी म अ जम: (शाम कर्नने के अममम विशेष कार्य) सार ल्वन - हलाता छन् - श्रामि - हिर्हि : (विक्ट्रे । धारी भीम करम समाम कर्न हिन्म हला व का अभ निर्माति। भीम करम समाम कर्न हिन्म हला व का अभ निर्माति। क्षित्र प्राथम) एक (त्यामक) मामान्त्रम् (मामकाव तिकाकालमा) व एपाव (प्रितं कांत्र विस्त)।। ता प्रामी (त मार्भ!) राविसानि-कवारिका-अठण्यावि-वभ:-म्म: (म्नराव धरमारव वक्ष: म्म र्री नमार्ग विहिष कला देवं गाम स्विष्ठ), स्रावार जरूरी पर:-कस्वरम्-दावर्गाः (यात्राव व्यक्षित्र स्वीर्य ब्लम्यत काराल्। वक्तीसते व हिल्महाय सम्मूख क (वं) , मूर्वर्ण शतिक त्यार्य माना अवा अवारंक: (निवर निरायान लक्ष्ममेत्र हत्त वान्हलय देवलय ■ कर्रिकं भाग में भी वर्ष) में सरेप (सर्म : म्प्राक्षेत्र) विभाव (विश्वाव क्षिट्ट्रि)॥ १॥ भाषाम् । भाषाम् । विश्वाव क्षित्र । विश्वाव क्षित्र । विश्वाव

A mail(cx mai!) लड़ा एक ता तव : (यात्राव हे कि एक लिल मान मूक् छि -मिन ने अवड रम) मूर्योकि परिवासका-मूप्त-वीरिका-हरिंड: (विवर्] योजि अध्वक्षे जामू मार्थी कि श्वापन्थी मन्ति हिं बीरिक हरी कर्मन), मः (अरे अपन-(सर्व : (सन्त (सर्व) (स (wreng) स्थित म्यूरा ? (वयमान विस्तानमा) जतानि (विष्ठाव कान् (वर्ष्ट्री) । जा तो ज्य (अल्डाम्ड) अन जूनप्री (व्यापनीव व्यक्ति विषया) खार सलाई (अर सका में) लासकाई (लाभुमा) नामिकाकदारक (लामिकाव कवकमान) क क्या वर्मी १ (उद्भाषाना किरे) भक्षकनी मुल्ह (६ म्बर मूक. वसं) वित्यदम्डी (अमर्जने मूर्विण (इन्डे-हिट्ड) समस् र्ड र्ड (समल र्डाड) आआएम (वसन काम (लन)। गे।। के िलपड़ ने पालका कियालका) में दे (क्याक्रिक्कारं) जियमका: (जियमकी भीत्रकार) व्यवस्थाः (इर् -यू मल) रवित्रभेत्रम्य (भीक् भिक् भिक्

प्रश्मन (रेलू महाविक (भविक भारी [0]) छछा (अस्त. यन) वाबवरंत्रक व गुर् ((विक् में में किया में में के किं] अपि (वक: म्हान) अपि द के अपिकाला (जारूम उक्षायामा) पर्टि (अवारेश पित्न) 11 3011 77 वरा (विश्वान) में ये यहां व पाना (य में प्रेंच प्रेंच प्राप्ता है। [क्रा गेरा]) वटका मतः (श्रिक्ष भी स्थित है के भाषान सर्भाता) कुका मं सर्भा भी देव (की कु एक न थां -कर्ट आर्य में गाम) व्यत् में (व्यत् व कर्न्या) क क्षो कूना (अवसक क्षामुका [मकर]) करेकि लाकं. मार्छ: (स्ट्रीलं द्वामार्कण इसेमा) मह श्रुद्धा याम (मर्म किए छेर्र्भ माछ । म्निन धार्मी (सक्षा अवसम्बन करवें साहित्स न) ॥ ५३॥ १० [लयदे वे] या (लिप्ते) श्रुवंग- वासवा- मुक्श टिस् मीहः स्वासुका (अवंबा वासवा व में अर्थे हैं के ये ये ये या प्रमाय कर्य सत्यात्वा डम्मा) माप (मान्तिक्ते) व अम्ही: (वन-कार्वेत) प्रश्री: श्रीनिवासहाड अभी मने तक) कने में (क्यी अयकार) भारति या अ (अविशास कार्ने क आहाम त्या में करा 20 25 Cumy : ((5 2 3 3 7 3 4 4) 15 2 2 m (cod (only

v Cornes १ टमा अवाच कृष्टा क्या थिय) यर क्या क्या क्या क्या क्या क्या लास का का के व मा); लास महा (लास मार्मा) द्रमन्त्रम नार्थ ना अया न मह (द्रम का न ना कर के अ का क्षांत लामार में मार्क नाम के क्षांत के * अवार (के क्ष्यांच- में अटक लाभा दे टा के के से त अर्च बकुटक प्रभीत कत्र)॥ > ७॥ 28) हळावती- प्रभी-वादी-भाठिष्मा (हळावतीव प्रभी रमका कार्य वार्ष लक्ष्य भवकार माडि । क्क भाग्रतः (क्क का मा अ भाग्यं) प्रमूक्ति भेगाद मार्ड) आसुनुसार इ: (त्वासार्य भारे रामिती ज्यारिस दिस्ति भिन्नी का की भी भी भी भी भी वाजः विर्वेषः (यत्र कवा के हिंड)॥>४॥ की समाख्द : (सँमाख्यम) उपार (उपार) यात्रमात (कात्र कार्य कत्वत्रता) प्रविद्यात् (विद्यान ता कविया) क्वक् काम (कार कार्र कार्र ता व वारा) धरर्थकर (प्रिक्षेत्र दम) : डि (त्राट्ड) मे क्रिकंट (मैस्नीमप) भारतिया केवर (विधानं कानेगा नाता कर्त्य वातान) या में क (या अ अ दिनं क में कि (यर क यह था रह क (my 2 2 mg) 11 2 @ 11

१० माम्का मार्नीमामका माम्यामाने विवर मकार मर (िलासान] नर् बाकर अठाई (म.) ठानु: सक्रिया: न (अक्क माञ्चलीमात भवन कर्यन नारे) विक्ड (अब्ड) टेमकामिष्ड: बीज: (टेमका अड्डा वे डारास वर्षेत कार्ड में च हिमारह); वर (मिन्टि) मा पर रिमानि अस्ति करात माया) साम प्राम दिस् । क्राप्त या बर्डिकी > ए।। 201 mm (ordelia) your (youg way way a sign) End god -क्रिक क्षप्रणालावनानिन-गक्ताहुन (अक्ष-मामं के लामारेड दुरंस का में बोर कें पाष्ट्रित इंद्रेस) (द्रेन कार कार्याक) द्रेन कार्य कार् कार्नभाष्ट (यत्र) ॥ २१॥ अन् ट्रिस (काआन) नमान्तर (ततादिती) विट्या देश (विट्या Mainys) : Mig: (Mig) ong et : (ongmin कर्त्रवात) देशकी (मानि हो) मा लाम (कार्यात) क्रिम (क्रिय अकृषि); ममा अकृषि- विश्वमा: ह (अभा अख्रित अक्र अक्ष) वसवात् (अवत) द्रार (दिवास) अर्व वन (त्रध्य वन) अन के नम्दि:

(cunga व अध्यम्य कर्क) गास्त (प्रांच क्षेत्र : [mi]) कुक: (बीकुक) सामादि: वृद: (मक्रम्मन र्क भारति वार्यमार्टतः [अव वन]) विभ्रव स्ति (वर्षः विभूभेडी । रेर (नरे पिवाकाल) कथ्लकाः डावर (ठ्रायान मालि कि सकी साम वर्द्य में रिक्टन 79) में पुरव: (में हाम) मारा) टल (ला साब मारम) लामी (धरा) १ दर : मिश्र श्रूप्त : मनं : (मिरिश्र मोरू १० रि मन) पूर्व : (पूर्व) र्राड धाव्यक्षिम : उन्हाः (अरे काल जारान हिड का कूल रहे (म) कड़ा लक् तात्रावः धात्री० (अवस्टक नेकने डेमार्ष 2文本)113011) [जारा करेक अने क) कब्रु धार्म (कार शकि क) देखे (ट्राइ म्या कि सिंद्र (ट्रावर्थ न अवेत) अ: म्यहः ब्रमाड : (ब्रक्सारे क्रामारम कार्य) ; विम-अभेषाम ([अपिको अमेष्ठ (अव अमे मुहक कार्य) निल्वासक्टाक्ष्या-नम्म (श्रीमार्क्स् निक् राध क्षेत्र के के वाद करें यम्य के आन (भवं) IIN (JANOK TUNG) on 36 (monte sife uneur) 15011

भा काय क- कर्न प्रथा वा टिला ए के या काल (किस्मियों क्यां क्या का का किस्मियों क्यां क्या का का का का का का का धकेन मूहक नक्षिम्य कानिक इबेडान कार्न व्रीप ररेताड) २९० ने अने भविष्य गामस्विता भीताहें वा रेक् क्रिया का का का का किए (का का का ने प्राप्त का निवास का मिम्ट्रिन अलेलाएडन अत्रक्षावनाम् मग्राहिका रहेमा) भावन्त्रमाति विक्रों मान्त्र) कार्यकार अधिकारिका भावन्त्र) कार्यकार अधिकारिका भावन्त्र भावन्त्र) कार्यकार अधिकारिका भावन्त्र भावन्त्य भावन्त्र भावन्य भावन्त्र भावन्त भावन्त्र भावन्त्र भावन्त्र भावन्त्र भावन्त्र भावन्त्र भावन्त्र भावन (क्षेत्रकारक) व्यामनार् प्रमे (त्रभूति व्याभीटन टिमार्श्व (लन) 11 र रा) वार्वा ([जल्लामा] जीवार्चा) जार् क्रीने क्रीर (त्रवे क्रानिकात्क) मामित्रम् पिण् वीका (मिल् । मित्र तर्षु महरी। टराम्ने करमे-रामुल लातः (माप्याम मुक्क कर्ष) त्यानि जार प्रमाता (त्याने जा प्रत कार्येश) व्यवने-उदिछ विविध जाय बड़ा कू मा जामि (विविध जातन हेपत्म गाकूना १रेलड) अमा (ज्ञान)गर्जा-अयम के विकास किया किया किया की किया कर के युका रूर्य वा वाक्षणः (हमप्रदेशात्व) जार (छात्राटक) धामुख्य (विकामा काव्या कु

Causu syca mice augine is [80 4]] & mis you; (बिमायत हर् कि); कममें (विमाय वर्षे विमाय हार लय कें वर क्रिंडिल केंप्य ने साम त्वं प्रमाद ने मामा करतं - मार्क क्षेत्र मा, लम्से Cura त्यामार क्रिया है (जिल्ला दिला टालिन क्लान मार्थन मालक) आयवर : हि वर्ष व्यक्त आवर्ष त्यं निकटि वर्षाहर -क्रा टाके की कृष्य मिन्टि । प्रकं : रिशिमाहिल की है [डेडब्न]) किटमो क्राक्षिं : (छाराकड त्याम्याहि दे विसे) हिन्ती कमन्त्र (हिति कम) आ की मूली अ: वा की मूकरें (प्रार्व व मी ट्यायवर्ष क्रीका थे.) 11 राग)8 [डेलन् प्रामी! (रिमामे!) विकामि वरमामाक्षे-व्येग्निव्या (विष्ठिमान्यक्ती विकामिन बन-वासिवादा सम्बन्धिय लाक्ष्र व त्यावन कर्तिका " ्यीकृत्कन (माडा भारतमार्क विकारिक देश-KINIBIAI ZAANGA MERZY R (MRY DEIL) विक छ जिसका अरी : (अयस मिन्नी विकामिण जिस् अर

िकित्रीने करमने समारह से मान किया हिमात दारा हा सामें न अवक) १ = , टका किया मा मा मा मा प्राप्त (क्रिया भारती क्राक्टिव अ सर्व व तिमाद्य व्यमीया हरेगा विद्याप अल्यो टकालिन गाम धर्म मत्य नम्मीना दर्मा) यू वा छि- खरा राष्ट्र (यू वडी लारते न) का पि (कि एड) का स्र दे की अम दी (का महात्यम दे की अमेरिकारम) धार्वत्रा (या वया उन, भार्भ-नीक (केन) विभाग यार् की (विभा त यार् की) का कार्र किमाम मारेटाइ ।॥ 28॥) दे हाम् (दं माम् ।) हिर्दिश्कामका की त्राव (विमर्दर वाल भावेदारका जिल्लाक वान स्मिल्यों नाना-क्र छ दक्के विका विक्र) पर्मान प्रान्विमिन् (प्रविद्यात्वरे काम वृक्तिकाविती), प्राधिवीयार् (अन्ता) का व्यामिष्ट किया है (व्याम करिए एक असर्व इरेटन है)। हला) क्रांसका ([mag र अराम् । हार क्षेत्री क्षांते प्रक्र प्र [किक्क लाम] भिनि विक जारित लावस्त वर्वा करें क्षान्ते करन्त), क्षा पूछा ये हिं छ हिया बसे व वान् (डिडम -

अटमी मारा व मक्षा । वाब्र मार्ट वाटन के कि बंदर में हि) समर (त्रा: (किमल लक्षा माजान सद्या त्राप् क्षाप्त प्रकार यसें इ या में में य यह मा स्थायन रमं किला हिला मार्टी भाराव त्वर् वा वर्ली क्वाने छ रहे (७ (६), त्वनी क्रिक्ति म-खाल इस : (दिल्लं अटका मित्र इस्टिंश के दिला के विशेष का अ उद्र एक्ट व विकास अपने हम दंग कार्य में ट्रंड) की ज़ व क्यों निर्मा १२ या (३) , प्रक्रम प्रवेश वर्षन कुडी (किसमा आकार किस्ति निर्मित सिनुभारे व वर्षत्र विकित्य मिन्रे अंदिन निक मिन्ने हिमादिशांग (भाषा जा न र (वंद े [हिन्द करा] किय अक्षत्र में के अपने ही, क्रियेत दिलं कर्त्य क्रिये क्रिया क्रिया क्रिये । विवादमकि: गूल: (# प्रमण्याम प्राप्ता दे तह न्यून वि अर्थिए आक्रिस सेव अर्थ विकास के किया असके न (आयर में के कार कार के किए किए कि ल (क' - (मार्चित्र वीती) लमार्ड (मेर् लावरन] विवाक्ष कविल्यते। ३७॥

0 0 8 5

किल्ला (त्रांश्वा) वर्षामं क्रियार्थियार (श्वायका काक)-द अ के अ सर्व बार्ज) आतामा कर काम (आम कार्यों दस्य हिन रहेत्य । कारहार हर् (मिन निर्मा मेर्टी) मिट्ट त्याव द (मेम्बन सं (अ अवन कार्यान विस्ति) लियम (क्षेत्रकान माठ्व) अव्याप में लक त्या द (बाक्स आमान Р जिसे कुर्य के के टि अक्टरिय के नाम हैं (का क्रिय के क्रिय के क्रिय के क्रिय के नाम हैं (क्रिय के क्रिय के के क्रिय क Larma 12 alg LE Lange (Tan -) frish & son & किन कि लातमान के (अक्षित क्षाप्तिक विकास हिटान किया में भी कीर मीहिस में भारत है। राष्ट्र गर्ग के मान रे कि माम कम न ज जिला र विद्वार ? ्रित्वम कर्मा त्यांक त्यांक त्यांक क्षेत्र कार्य विकास िर्मित के के के वर्ष के उर्देश क्रांत्र मंगा के माद्वा का मान (ट्रिंग् कुटा व कार्य विकास कमर्थक व काय रहे ए अश्राह्ण इसे गरहरें)।।२७।। Edding (mas mem) Ednis of i, (masin,) ल्ला (कल्ल्) समागु (प्रमण-सक्त्र मे) कंतर

(ट्याक्सहत्त) तिवासूच : /(धाम श्रीत) रें म : 6 वास-न्तरं क्रिक विलास अम् करे वे किराम विवासक : यसि वि निरंत्र कथल क्षिम समामा का ने की विद्यात: म िल्या प्राचित के ल सक्तात्वं क्षेत्र के के कि क ए द्यार्थ वला :) स्वर्ष अमृकः (तिका किये कृष वमह-कारण असी श्रिमा रहेगा) वर्वाय (वर्ष द्वाराटक भीड़ार्रियन कार्डिट्र 112011 00 इंडिमाट: (कम्म) दुम: (श्रीमं) मदं : दूर (सर् अस्टितं भागं) क्यूट्सः (अस्य नामिश्वाना) हे भाने (देश हान किए] क्रिन-। अक- वत्रहामिनमूर्थ: (ध्यव , तमाकित ७ अतम् सम् क्ष) भाषति : (अम्पर्वट्रिक वाका) अम्प्रार (हर्ने कि) अभाव तर क्षत् क्षा (क्ष्म क्षा) रेश (इक्षावत) हर १९ छा-र्यो ((क्रियान कुछ मही कार्य क धर्त) के कर मा के में दे कि कार्न कार्न मा दि है [व्यव व] मः वि (ि प्रप्राया निक्ष) वार्: म्हारीकिता: रेव (वार्: मिष् (प्रमान नाम्) ७व (लामान) अर्थः (अर्थ) ्रित्र मार्क (आर्था करते एक दिन के प्राप्त करते व कारत प्राप्त विमन केरिये कित्र ।। 6011

() [व्यास] यक्ता केठवंशपूर् (पात्राका कातातंत्र वंशायांत्र) [अमह अस्ति]) देववरत्र (देवन अलात) उव अनंति. वाय-जान्ते (र्जाप्रेस विस्त (यक्ताय लागान विसत-शिवंद (श्विमंद्र में विविद (यववं) च्याद (द्रव्यावं) यन) : 4 (१६ (कार) आ) के बले वा (के बले वा किसा आ M12 (2])11 @511 ा नियत (त्य अलक [1014]) विव अव्यं कोत लगातु ((जाप्राव मार्क मिलिक इरेगा विवास कर्तन), जमा (अश्मित्रविट्रे िछिने) अपन (प्रायत : (अपन एमायत काल [आर्राहण देंग]) । धाराम (धारा मधाप [10नि]) विन्द्रश्मात्रः ध्यामे (विन्द्रशामात्र वर्षेत्य ७) स्वयूर् (अयुर्दे) अपन (अपरि : (अपरि व अडार्व प्राचित्र 2'त) 110211 (१९) अ: इति: ([अध्वाि] त्यत्रे चीक्क) वृष्टामञ्जाकन्नः (लहे व्यमह साम माथ्यत) ' रे वर् मेय व में: (भूकालाकामं भामेष), रादि वसद्विन् : (विजक्रामा हिंड [वर्]) रेश (लामान प्रियत. विधटमं) अक्ष लात् । विषवि (ताताक व्यक्ष ले के

ठर्गा) वन कमार्ब स्मा (रामान्ये कमा नामार यानित) भूनं : धार्म (बीन्य मास्त) क्राज्य-कर्म-मुल्लाक्षिण हिलि: (तिकेष कला र्यत्र बीड़ात रिवर्ष इत्यंत्रा) अन्यर्भ- भिक्षे र भित्रं क क्षेत्र रक्षाक्त म्लान भू अविष) कू (क्ष (कू अ वर्षड) निवजाि (अवस्थात कार्ने टिएट्न)॥ ७७॥ 歌((江州) 美山水水道 (五十十) 98) भासि। (र मार्छ!) तथी म- स्वय प- प्राचिः (। याने नवीन सीर्विक्त नाम में भिक्ता), वनक भीज-अद्भिश्व के विस्त्र मिवति व नाम भी छ -वर्ग रिक्रिक्न मक व- कुछन । (। येति प्रक्षाकृष्ठि देख्या -केल्य विकि) में में प्रके हिंग किंत है स्मार के बि विषय बिस्स के के स- वि नि से से के से के ने के -भूग्येका- धामा कार ई किनी पूर्वर पृथिकार धामा -कारी [न्यर]) । लग्न क क् ल तम ग्रायः (भाषाय हिल्म सर्वे अप्रदेश हिल् [क्रिक्स]) डांड : (अकिक) के कि (अमाह] के अधारित) अविह (STE 10 (27) 11 0811

अभिन्नः (क्षीक्रक) ्र का का के विस्ट्रक कर्न का वा का कि ता क्षा कि का का न्या म् भूम पूटा विमामनी म त्रोक्ष क ल मनानित धकी माठ नाव के सम दे त्र छ व के बा जिस मार्थ विश्व -यात कर्ण्य हारक्ष म्राप्त लाहा हरते मी वर्षी स्थित-अक्षांत दाम्य अवर-त्यासाक - एवर्ष प्रश्वाप and a sent and the sent the se (दर्भी कार्य अवाद दे जार - अवस्थी मा द्वारी अर्थ न कि रमेर व किंद्रेश हैं। बड़ का बिद्) का ज (प्रवृ) मिश्रकार्य (प्रमि (प्रिम्बिक कार्न्स व किस् रिक् किर्म किर्म कि में नी गिर् (तामान मत्मन मिल) देशका (व (देवकक्रीत्रत्रका त मृद्धिवा कर्त्रया बार्याट्य)1160" ON नानमूर्य (१ ६ छन्। हूर्म]) प्रविद्धाः (अइमारिदकः) नवणकारिममूर्त (नवल्येननमाती) , प्रकृष्क (कृकाणून [के]) वव त्यल (डेउम तम्म वा वी) अम्मिन वकाडिनि (९० त्यीक (क) आर् (मीग) में द्वर मोश्वां अं (अने म-द्यम्की), तया ज्यक्तेत्रभी (त्वट्योवतटमाडा),

(त्यमण्डे) अन्नम् (अमर्थने मुक्त) अमन् (िम् ममंदन] सक्य क्षे)॥ ००॥ A कारड! (र मिम्सार्थ!) [क्रिमे] क्रवर (कार्वस्तर्थ) (कारमार काष्ट्र (क्रिमल (क द्रमाड) 'म्क्शाडें (विमानिणाहिंड), प्रात्माउ ् (कन्दर्भ भी हिंड) मेह्रायार काश्वर कामाय र (मेह्रियाय कार्री-मान कार दे च ले (जिंत कर्त मध्य कर) ॥ वन ॥ वन । अो [अत्र त की नामा] रेडि मशीव हता मूठ-भातल - अकरे - छाव. हमाहिण-विद्यारा (मभी की मेकार वर्क व काकामपूष-लामीलामेण के मूम्म के जानममूत्र माम मर्गारं ना ने बार छा रूपे भी आजिना एमर मुक्ला छ ए जा कुना मिल ल व व्यक्तिमं के वम्म की - व न्य के वा - व निर्वानित विकास) क्र विताधिक भाग हा छ : व (क्र प्रमान उ विस्ति असम - वरे छेण्या विष्यं रे आहिताय कानील नानिस्त्र)॥ ७ ७ ॥ ी किं : किंतर के अप (जी कार्या) प्रयाद सित्र (वामर सि)

तरा लव लायव-रूस्प्योत: अभ अभिप्रांत रेववेशंगः

(वरकारम् अमामका स्वर प्रकान मानान क्रिक्ट वंग-

330

कार्त्री के ए प्रताव) कर्ड में स्था (इस् किन्न किन्न) (हार्य कार्य कार् 80 अंडिक: (जिल्ला] लाम लारा) राम कुर्म द्वाम क्रावं यार्ठ व्यम्)' आकृतः (आकृतिं) मार्यभाषा लामका ह (लामका व किला आ [नवर]) आहेव: E सम्मान) असम्मा (क्रिक्स) अर्थ (म्यां मात्राक) (क्रिक्स) अर्थ (क्रिक्स) अर्थ अर्थ अर्थ (क्रिक्स) अर्थ (क्रिक्स) अविवार् (वर्षेत क्रिक्क) अनुगर (अनुममन कार्नाहित्यन)॥ 80॥ 8) [तिक्षित्र] अप्रेस्टर्स (सिरंस्त्र) में कर्ता सक्सेत्र (आक्षेत्रमें के) रक्षाताली (अर्बालकवंत वामुकाह: (अ) श री क्रकंष भाष (अवानं देशक्रंत द्वारंती) अप्रमः सरहती हि: (आध्र कुलाउम सरहती वार्भा [करें]) मूर्ध-र्वाम शहन : में हारा (र्म् र्वा व द्रमक व मार्मित) पार्विका छा १० मुका (पार्मी मूलात व प्रार्व विनिवा १२ था) ७१९ (जी निर्मान) ध्रम्म निर्मा (ध्रम्म मने काबेटलक)॥ छ ?" 8) या ([लयह न] का का का) उत्पार (उत्र दर्दा)

विविध्न प्र (वार्य में प्रमुच) भूष: (प्रमु (अ) मार्थ प्राय-(कार यक मेंग्रीकि निकारी (पाक्रिनेडाला) हा ९० (तीत क छे- बेक्शिक), 18 क्या छिए (बाक नेक्क), तकूत ए रिल्डिन के, स्मान तीए (स्मानस्माक), प्रत्रमाए दिन ए रिल्डिन के मार्टिक रिल्डिन के मार्टिक रिलेडिन के स्मान कि कि स्मान (टिपाओट अगरेत्वन)॥ 821 80 वारा (अमन्त्र] नीनामा) अन् भि (अत्मवत्र) इंभे-अड्का वार्षे (दमन त्याने कान आहे त्यारे ७), विक्ष-भाष (अभूषिण भाषा प्रार्थित) पेपा नामाउ (म्डावंठ) सार्यम् सम् (अक्षेत्रम् सम् आत्माकर (मलत कार्नेमा), अठलम्लक भानी-आले विशेष. य त्या - श्रवंधन - मूर्यावेष्ठ - व्याति क्षाक (हक्षत असक al la Camie a ' Para Bur This This Is is is is in the कारिया अप्रक्र मन्द्र (म हा स्वा कार्योर (स्क्रा वर्गा. हित्यन) ॥ छ जा 88 [वर्कतमा जिति] रेजिल्ड मक्तिका दुण मुसर्गानेल (म्रादीक काम छा नाम ने मम्राह्म पर्मा राष्ट्र इर्ष-य कुल) विविधिक दिन शास्त्रा नामक कुण विविधिक विनार (कि नगमा विश्व मुं ए शामा न्या मिने विश्वास वेषा)

स्त्रेम सरह बीता ह टिलाम हिं स्त्र सम्बद्ध (स्त्रेम स्त्रिमी-अभिनं त्रिका अविविक्ति ड्रमें।)यर अधिककारा (सक्ताकश्री के अपने स्त्रियाहिक) कार सामा कर्म इ war (बहुन व निकटि छेषान्छ १३ (न न) 118811 80 mm (लाक्ष्य) मान्यमा: (लाक्ष्य मण्डाक्रम प्रमान्यक्षा , अर्थानुत्व- व प्रमानिक्षी) दनकाकी (कमलाहना) वेयु (स्वीना का) 5 भू त्र मंती (७ क् ना वा कि व हे दे भूत डाव विष्ठाय-पूर्वक) ब्रमकल - कलकारी - काकली - कर्र मादा (यम मला क्याक्रियन प्रश्चित क्या के क्यान खकाल कारिया) मर्क्रव-कला विक्री-सक्तिन-जिल्ला हिं। (अभन ७ हिनी मतिन में orchan क हे ९ क के पूक्त निकास में में प्रकार -मरकार्व) वनक्ष्यत् (वनमर्खा) विविशा (अट्यम कार्सिन) 118 en िर्वात्त न ता (जिति) भूवंड: (मध्य भणाटम) (अक्रा (अंगण्य मी कृत्क्र) वभू: रेव (मीम्प्न नापय), भू न नामाया (णाळ्या तर् (चिह्राकर

गुर्व भारता अनुस्मा भूका थे भागवतिगळ्या , िदमभाष्ट्रे ने न्या सम्मित्या दे व्यवस्त) म् जिसक - सी मूक् (अपिकार में मूसन जिस क्षिणां उठ , क्रिकाल ने प्रमान कि में के प्रतिकार (MILO) विभावादीय-स्यार्भ त्या छ-रान शिमेर् (विकास विभाव व and was no sie in the out of the विक्ताहिड देर्बर इनीर के विनादानी सिम्हे ि विकेशिका विकास अर्थार छेन्छ अर्थ र दुक के सामारमें ये रामालिये, लक्षर क्रमें के वासिक्षे हस्रका निक्छ सामान कुछ (मा किन्न (क्रिकेस अ) ना ना त्या है। नर्मन ह काक भूर कार मात्र है। ये ? किया में अपम बें अपि होता है हिए) भार्षः सिक्क दीका (डिड म मार्की विविध म सुर्वाक्षिक), काक्रवानिक्रभादिवानिष्ट् (क्रिकेट अरमे अर्थ व विकासमा - मार्थ व िक्स मार्थ] का कर रे अ त तापार । या अब दिस ताम् र रे अ वार्षि : दारंग प्रांच्या हिं। वाम क्रिका सुप्र (क्यालं

(किस अर्थ न करार्थ के अर्थ कार्य के सम्माद के कार्य के सम्माद के समाद के सम्माद के समाद के स [म्यान्याक ने कार्य कार्य हम्माय) " उन्या में की व बार्ष ०० (किया । उन्नामानानि माना । [मन्त्रिका] उन्हामका नाति हाना विनाति) THE SOSINI- & C BLOWS O (THE OCK) THE WIND उत्ति में के क्षेत्र विक् मिल् किं विक्रिकारमा नाम द पालक र्रिमे स्थित का मिने असे) वर्षाय-ध्तार वर् (अपियाम वर्मिकितिरर् दरमार्व, मिन्याक न विश्वार्षा वाम भवेष ८० वर्षिणाक क्षिर कार्य माला ने निया हिला है के कार्य है), कार्यन महिल् भीवना- हाहिक (किमी भरम ने मून छ)-र्षेत्र के प्रिया के प्रमाण का मान कर मान लाक्कार), भून्रसम्य-मक्तर (भूकिलामन रिकटे के का विचायमत , किर्मिय (अ) अपूत्र -रिक्स क्रिके - व्या), स्ववयः (क्ला डाविया आस्था पर् किर्मा अपने कार्य कार्या कार् meral [अवर]) प्रार्टिक पर (प्रचेनकी अप) वनर् (नव द्वार्य) ज्याला ९ (दर्लंत करने पार्श्वात्तत्ते) ॥ 8 ७ १ ८ १ ।

हिंगी लाम ([वरमात्र] रमम् रामम सामार) मन मन मन्त्रि (त्र ल 1 में सिटक) लाम्या: (ब्रायां) प्रांप (स्था के कि क्रायां इंद्राहत) 'द्रधिकास्त्रक (वरमस्यं मस्द्र) लगायः (ल्हा करका) विकासमायन (व्हित व्हित करमं भाग त्यक्ताय ड्रांत) सर्वेद क्रम् (ड्रास्त्रिय क्रिंत ड) मकः (७९ अर्था १ के पहः (क्रम्सं ब्रह्में) विश्वासत्याः (कल्लान) अस्वार तान (अस्थात आहे व डर्मा) हिलम किस्य का के दिल प्राय में के देश कर के क्या के किस्य का के दिल प्राय के किस्य अद्भारम कडाइ के ने इंदिन में ने निक्र कर्य 3000 June 3 311 8 0-11 80 (हरकाट्य] रम्माह: (यभीगर) अयरम्बर्धमेनका (बिन्न सीयरम -] ट्यालिमिम्बर म मिनार - त्याकिता, िक देवीयली हे अवग्रामिकी रूकपूका), वजाति तरकातिका (क्रीताशाक्त -) ज्यानीत्माहिल मनभानिकान भागा हा थेला, जिलासाम के क करा मं (बुंबाया कर अ-] डिलास सभी व अल्ड । हो जिल , िकरेबी अरम् । वि जिले आ अं प्रमार्थि हामाम् का), विकासमाद्राक्ता (विश्वीपाक्रमेडे वर्ष

SLAL DIL mander of the month of the county of the cou यात्रा केंग्र . किंग्री जल्म न करने यद्य क्षे यद्य वार्या क्षे त्मात्वा) " अत्मिल्या विश्वास्त्र में अकृता सम्माहिक , [कड्नीभरमा मर्याम अभाव मकत Anjer high all mis day of the Control of the Contro हिल्या भियमालाम नार्काम मिल्ला हाड़-शिक्षणक दिवसम्मता, जिलेबी अल्ये की कृष्के व टला ज्याना दर्वत्माने व कि श्रिक्तिक (वल्यमाना) मूहमः - मूबमाल्या (क्रीमादीमाटमन् मूबमं : वर्षार किला के ल में है कि बनं में यह ट्रम्म र्र में में सकार्य है। अविश्वार देव (क्षित्राद्यां कार्य) स्थाप (त्र अवराजिती). थरेबी (वत द्वित) वष्ट्र (पर्मत कार्बिशाद् त्यत)॥ १० - ००॥

(मीम भी क्रांचिता हिं। (माने भारत) निष्या निष्या है। (माने भूते र्राम्बर्गाह: (म्ट्रम्बर्गामप्) वत-मन्द्रं विम् लाइकामान: (लाइक्न कार्ड त्य) य: (द्रायाक) कमार क म लख् : (मात्रेरमा त्कर है मा (कान) मुक्क : (त्यालावं [ानाने मा]) माहा: नहा: (श्रीकरहे स्मा तर में त्र मं वाम क्षेत्र के अप डामी हु हिं के कार त्राम कांबंदि बाटबंग्री है। कर। (अम्म (अम्मका) प्रथमित (अम्म १९ (अ मेर १) या स्ट्राम (यर्नम् क्या र्यं मा) धन्य (पाक्री जात) बर्म धार् (बरस्टका) स्मीहः (स्मीमरोव महिष) विषयक (वियान विक मान री [नेरेर]) अरवड (बामाडारन) कि किती है: (प्रमुनी मर्देन माइक [विश्वंवक])। लाभ्यवं के क्षितं वाम्य धंभाभाग् ब्रह्म (श्रामं करमं क्रियां व सर्वे । पट्याण्यकः (त्या अप्रेच्य) त्याह्वः (त्या) त्रिमं -इत कार्ने मा कि का कि कार्य (आक्रिक द्रेस्त्र) 110011 अ। ([अम्बार्क] छिनि) अखेर अप- व क मू न ए (मूनापाल म्बर्यक), भूत्र मूबर्र-स्था (अभूत कर्म स्थित-TOIN (LESI GO [SOID) MINIST

प्राध्यास्त्र (आभाष्य रेकाब्द समंबन्द्र) व्यासर (एसाय रेक) अधीका (एन्स कार्यमा) हिटितास्वा [a con a sur so so le so le so le con: or se de la constant de la क्यानक क्ष बाने गरे निर्मित क विद्यान)। @ 811 Col [a Color of a Month of a form (a y Cingh भित्रका) त्र २०११ : (१९६० ठाटलां के स्पा देवं ता) समा है अस्तु नं रहमात) पत्र अत्य में स्वित् हो। हो। 80/4-80 conta- 20 201 (20 20 co e mo Cad अहल श्रिमाक-रित्यं भाग देवल कार्यमा विविधिकार् कार (दिमिके। तक बानियम)। एक। (चिंग्यम के द्राष्ट्र कार्य मार्टिका (ल्यमं सामु (क)) द्रवं 医我人多知 医马二部马二部马斯斯里 医斯人生的一种 , मिला माने (क्रिया का निकास मिला में के जात अंब के अंगे) रेपर बनरे (किनेका-) रियारिक के परिय पर किश? (जिल्लाका- विमारक देश किया के मार्का करा किया के रह (क्षित्रकी क्षित्र वता क्षेत्रकार्ष्ट्र ्रिल। ((प्राम्मानीय र्वातः) व बहार (यम्प्रा) अद्व त्याः (यव् के विक) इत्र के ति (पत्र (ता) व्यक्ष

महेत्र (धार्य म्ण, [जारा]) म विकलमार्भी द्वामिष्टमा कि मेरे हे माडिकाओं काकी: किश्विति में नमन निष्टित्य Erza signous (s) Hear Col MA (Mai Air [10]) My yell to 2; July an # 26 [मभी मरे तक]) अवपर (बार्स तम् मिम्मभाः (त [Bixylay; [Carsis]) on (Jales) magacin; (कार्डिक उकार्डिका) क्रमट्या: (वरे) मरेमरहेडा: (तर्वक व तर्वकी के) अभी प्र (क्षात्र क्षात्रक) मूल्य विशेष (वर्ष (कार्म!) रावेश (अव्क) तिक वाह सर्वा (श्रीम बर्म-सर्वेशका) वित्यार्थि (वित्यार्थि) ज्यात्र 24 2 2 m (7 7 8 13 9) (2 m 6 (- 5) 24/2 (M) अदलीकुण्ड (मिल् व बलीकुण करने मा) मिल्रवार्केड-महत्य (अप र्येश माम में तिरेश मिरिया (कलारे महनी काल वाही का कार्या हिन)। ६०।। (प) द्वार्क्क-रिक्टित (यंश्टिमंक्ष्य क्रिकेट (क्रिकेट) इस्पुड्डाडिश-न्डामाडिका (कमरे त्रिका म्य मृट्डा मानियान) धमली (यह द्वानिका) हरती: (खामा-प्रमास) अपन- में Car (Cxx अति से रिका) स बासर:

विशिष्ट (अधामम् करियाम्) छेर्मूका (धामारः) र्र (यर बामक सामक) मनाह (यर मा माद्रावतः)। एक व २० अन्याव अयम्ब (कुटमा असिवंश्रामा: लाम (गाता भू मुलां १३ त्य । अभागा कू नां : (अगिष्ट कू नां लियार डाबुमुलिकार) सः (चर् माप्राद क्ल्पूर मार्ड किं डिकमानं रिमार) स्मार (सारे) अप्त. स्टार्वी (अनेगरिनी) वर्षनी (वर्षनी र वर्षनी । (अलावता कार्या) श्रितीयिः (ध्याव श्रितीयार्थव प्राप्ति) विश्वावि (विश्वाव क वि एटि [नवर]) भार (धामात) विद्यान्त काम (दार्भेगा छ) अमूक्त, ([जारादिनक] आविष्ठाम काविष्टिमा) , मन (तिकप्रे) अभंग: (अभं अलात्व) शब्. मरेणा (अर्कित अ कार्यात्र) कामात् (यह के कारावंत सद्ये) अन्त्रमक (अन्मकामिक इत्रेमाटक)॥ एक॥ अर्थ यह (कर्षा!) वाद्यारिकः ('वाद्यारिक'-मामक) क सम्भी (अक्टक्न मने असून हि) अपमार्भी ० (क्रायां अस्ति) व ने में में ने किया अमार्गित), बीका धार्म (प्रमूल कार्यमाड) कार्नीह:

(अत्य श्रम् विकार कार्ष्ट्र) तिः अक्ष्र्यः (तिः अक्ष्राहाः) मालंग (मर्मणीयमाछ:) रेश (रेशन पर्क ७) भार्या ० त्र क्रिक्स) सरमाये कर (मक्सिस र्य मार्ट)।। ए ।।।

रिक्किस क्रिक्स) क्रिक्स कर क्रिक्स कर क्रिक्स) र ्याक ((इ याह ;) वैं ये नव (वैं सर्व) । युष्पाद्य रेट्य (गुरुं विकित् मुखड) अर्थ : वस्ट्र (धारा दिव अक्टूनक) अखात्रद : रेका: (अलायर कानुमार [नवर]) मठ (टमइ (उर्व द [लामना]) लाभार (नक्षात) लार कु लेव् रे ही। (लरे ह-लूर्व म्या-मल्य) जीवा: मा (महाय माड कार्यमा) ॥ ७२॥ अर् मूर्न म्मर ह (मूर्न का मून ह) भन थर्थ (रम डिकट्य) कामला लामाङ: ले (लम कामण्ड लामाङ सटम), जन (टम विवटमंद्र) माम जामान् (धन् माम-मर्देश) हारि: (१६७) भिका (भर्मा) अख्यामा ही भी (विम्मम् प्रवं व्यालक्ष करवं)। एवा All mus: ((x x my my;) muse (mx); & min (िवासमा] न्युर्क (क्षत्रं प्रकट्ट) व्युर् (प्रवेरं) जिट्ट (वरे) धारु ७ मृठा १ (बिहिय मृत्) न कमा) विति विद्याम : (तिरक्षत कार्य) में मामा (भारति) वितामी

[क्क्सिन] ७२कृषा हित्र तूर्य भा : (७१ राव क्री क्र अर्थआ जनविष (म छेर मूक्प मुक्प) अ अ : (म भी सने) क्र ७२
हत हा : (क्र ७ व्या हा निष्ठ हा निष्ठ), रे थ्र हा वेव अर्थ व स्व व स

आय आंत्र मान विश्व काल्य के काल्य [नवर]) त्यातायात-दिनाम्लाक ने ता (त्यामार्थिक मेर १९८३ मेर्य-स मार्टि) मामाम प्रकार (विविधिताहि विकार) पार् (जोशकात्क) विवा प्रमः (विष्यक्षीति देवराम कार्ट ल्लामलात ।। ७७। १०) [श्राम्य] मा (अविविध) यप्तवंत-वारिकाया- विष-त्वाते क्रांस वयमार सर्बर (क्रिंग्जम खीक्टकन प्रदय-वंत-अदिका-यामक जीलंदिम्म स-काम तिवं सक्ताता) कु अप्रिक नामित्र : अविषेर (कु अप्रिक मूर्य मृतिन निक्रि) धक्रमार (धक्रमार) त्रम्यार्डा (डेमार्ड 22 (47) 11 (5911 तिन किंद्र ने विश्व (में अनी चार्स) हाह्न हा वंप (हाह्न हार) जार (Cxx मूर्यप्रिटक) अमेश (अमेश मूर्वक) का अवि: (क्षा असी क्रेमा), दिन (दिर दिन !) हर्द्यमाना . (आ अगाव अगू अटर) ट्रम (आभाव) भिर्मिष् - (भारिष-व्यक्त कार्यन प्रकं: धान्त (तिर्वित्य क्षा व्यक्त वा वा वि इट्टेंक र् निरंस म]) वसे ववं (स्यानंत ववं) यथाएड (अलिंग कार्व (यत)॥ ७७॥ न्ते इनंड साक्षा-मैं में में भं बके लाभारमा में या या या

िलयह ने] लिने कालियान मंग्रिक म्यान के में में में में मन्त ज्योग व्यास्य व्यासम्बद्ध देवन निर्मा विद्य अंगः (अंग्रांते) हार (क्षांत्राक) मानुस्टर (मिन्य कार्या) अश्रीष्ट: अत्र (अश्रीमार्गक अर्थक) विभवा ([कम इरेट] निसंग इरे त्यत)॥ एक।। do पापताक्रमं ([अंडे] यात्रवानं लाटाला) न्यार्रेश्में में आ-य हा ने आहर ति (मार्ग में अपने दे अकने ने ना सने आहर) भाविताविक (भाविताविका- व्यं) जन्याधीतावीडिः (देल बादिकार लासकाचीयाने मार्ट) दय चर 9) वि (त्रिक्षात्मे निर्देशन)॥१०॥ ्रिका (जवकारम) कार्या (ज्याकारी) भागे (भरमक) हिन्म मिल (प्रका मिल्के) प्रवादः (अक्टक्षेत्र) जीयम्बार (की आर्थ र्रेट) विमन्ति (अमार्ने), मुगमन आर्ने. । सिटल मी बंग मार्स देव (कर्ने ब्रायुक्त भी (पार्वा वा खिन भाग) हेट्छ: आवेश स्वाचार (अवस ट्रिसेंग्ड्स मार्) सम्बर् (कामान कार्या) देमार्टकः (काल्य देमता डर्मा) यलात (हिंद्र मार्ट) हिंदी देव (खराबीय मार्ग) उस लग् (क्रिक्न काड्मेरम)द्रेरमाठ्यः लामीर (छाड़िया अपरेट रेक्श कार्य (सन)॥ १८॥

वि रकः ([नारक] मीक्क) अक्सार (अक्सार) लामें (भुकरद्र) खिल्य- वयमं मायने ही (वयसक देन अन्येकारी कान्यी गाका मुल-भावेषात्मात्राक्त मी । ([] & Merining white mis of and ल ग व्यक्तितक कारम) कर द्वा प्रमू म र्मी - टमो क्षाण्या-केटियास मार्थ क्रिया मार टरें में आ रें में मार एमंह-केल योगुस्य लावित्वम् मधार)माम् सम्बर्धामान (मार्म् विद्या भारे भूम डात्व का भारे भूचक) भूमक-कारित: (अर्थाण प्रक. कार्ड वरेगा) इंगवर (विश्वतंत्रामं) कार्रमाडकः कास्रीर [विश्वहर्मात्र] रिक्ष्मिति हो मा मार्ड क रवदक रहे (सम) 11 व र 11 की डिंदी (क्रिक) मार्डसमार्थमपार ([क्रीनंदावं करम्] ट्यो वं धार्व करिया) वनस्थार (वनसर्वा) खितिका (समामका) साम्नाई (माना साम किस्मी) मबीय भीए (मुन्माल भी) ब्राश्चा (ब्राल कार्यमा) णार (छात्राक) धारायूर् (धारियाय मेर्स) अयुर्म् कर (७० मूक १रेमा) क्या (क्यारक) अदिना ([जमिन्न (अ] (अवर्ग काव्यम)॥१७॥ de an (लाईकांव) या भारा (मार्गिंग) के (के (के कार्य))

इक्ट्रिय ने (इक्ट्रिया की क्ट्रिय) नमानाड भाग (मये-यायक लिवा) जाता (दुलार्यक वर्गा) केंब : (मक्त लात्म निवाल-सर्वित (प्राचीन महात्रमात्र कराम कर्मीति केरेस (कर ठाकेगा (असर कि कार्क कर्क) कार्या । (त्यांबेल लिये) भी द्वार सेव: यि प्रकार (यस महारम समामका) क्यार् वि (क्यारक) वृष्टियनी (व्यक्तियनी) मा की की मिरित रिक्री में कि ने मार ने दिन में (प्रमेत करिएमें ने)॥ 98" वड़ [क्या क्या कार्स (क्या (मती क) कर्या (वी ना दी तक) कृ (का उर्महर् (की क्रक र्क भू विकर्ष कर्य कर समा रामक ि ।) ० तम्ममं-मक्षामिक छ-मक्षमण् (जीक तमन खाई किंत्रम्मर्ट्य विभीक त्मीन हमाना मुस्रम्भरते प हेन्यन का न के रेपीन न प्रश् (तीर्मार्भन) मिटारे (अदान कार्ने त्मन)॥१०० 3) posem . Cysal mains ([about = 1 sign] go. नी ट्यार्भन मूम त्या क क्यान उ ट्यो व छ व का के गं) के टका में से भ- अअभे बदाय (का के टक के प्रणीया व टम्पंड (वड अमे दर दर्द) यहा (यहा (नर्दा) अमुद्भ वर्षाय-विश्वात- या (तिल प्रार भाने करे

कानमार्यं मद्भाषात्म मन्भीमा रम्भा) हरका (१८ में करे सरकारं) लाज (यत के) लगा (रेपारत शुक् का आ इड्ए क्रिक मार्थ क्षित्र के अपने क्षेत्र 哲山 なる(a) (mcny まる:)((西湖)(e) と (e) かいがいないがいがい) かいは (知事であれ) めいか もかしろ (めよ र् दिन निर्देश कि दिन मान्य कि ल में राप्ते के रेड किं क्कार्टी ([अम्] रिम्म् त देन कार्याल हरें भी) Jasiman ([gai] Jasiman 1 (Bis: 80, ([NA] BALLE SOA JOINA आ गूर्नि किस् विरिष्ट (प्रक्त दिक) आ वि व के नवर (प्रक्र कर नवा ने प्रति) भू नहीं (प्रक्र हरेगा) (मन्भी रेड (म्मिन्न्य मन्भी नं भागं) वर (द्राहात्क) म् अकार (प्रकार मन्हार मन्हार) मह मही (र्ज) क्रिए (१) ॥ ११॥ कि [निर्मा का कार कर ने कि हात (दि कुला !) प्र (क्षाम) ताद्वा (वस्ट्रे माद्वा) र नमा (र्या) यम (लामन)

000

कार्जाः र (मूलि नर्स); इक्षाक्क (इक्षाक्रम) दिस्पः आटक: (क्ष्मिंस करता के क्षा कर का कर के का के का के का के किए) दें के Composition of the state of the क्ष (वर्गकामरेश्वावंता अवरेता च (वसुनं मश्चाना-बाह्नी बाजाक्रमा) टेमकामा नव (टेमकारे डिंग्डाक) आकाल (रेक मुक: ममने कवारे (छ(र्ट) ।। वक्।। प्र [रूपा वान्तरम किला में माला प्रकार (कार वर्ग) का भाग सम्मीविधाम हेरम्क [कर्]) वान्तरना-हू का (वार्गीयाम विकार व्यावन वर्ष क्रिक्त) एत (त्रे निक्क), समका मार्थ (मिल्म म्यो । हनारती व मार्व) भारती त्राका कावा प्राची (गण्डाक्रम क्रियाकि छ) ज्यमधाक्राकार (त्यो नी व्यवपत्रमा कयर हाड काने मा) कत्रकार (तिल् मिकरे इरेख) तमे नी निर्मर् (तमे नी निर्म) लाहिन्। (त्यस्ते कार्यमाष्ट्रत्र) ।। १०)। o [ज्युष्टि न्या ना माना माने के र क्यार) म : (क्यार) उद्रार्ष्म (अंत्रान क्याम् के प्रायम्) किश्राधार

(Es) }= nouge eigit metaté ([ourin] on tra light स्वाय कार्यमा) विचार समात्रहर (भेतुरार वर त्यांतुमा समाल म ने वृष्ट्) में दर् समामः ? (मिर्य मार्थ)। १-०॥ अम्म क्षानि क्षेत्र क (हिंड ने का भारते) ना का है छ-७ विक विकालतक एवं (काला के विकिस प्रक्रें कार्या-नि रवम तर मिल्ली कुर्निय विश्व विमान किया अलोर्य के में बा अंदी हिंत र रेगा बंगा के हिंदिन के लियाक नरे ब्लावत बाला)") जीवार्वव - मूर्विष्वा मूर्विष् (बमटढर, धर्माडर्वर्मान्यक व डेड म मन्मर्प धमाडु व वर्मा) यूरः (मिन्डन) ७ व मा (माकत-जिस (अव्यक्त (केस का) लक्ट (वामुद्राप्त) -स्व प्रति (क्ष्मिक के विकास) लक्ट (वामुद्राप्त) -स्व प्रति (क्ष्मिक के विकास के प्रति वास्त्र) । के भार (क्षिक्षित के विकास के विकास के वास्त्र)

्रस्ति (ए रेप्स : बिंह]) भ्रमकेंद्र क्युकेंट (अमं क्यद्रम्य) विसे (मांब्रोस करं) ; प्रिमार्म (त्रांग्मानं कात्म) में ए-यमर्थायुर (मीन्ध्यां क्षेत्र) हंगर (यवं म्यासारक) केन्छ-में ने (सुर्के दक्ष करतं) सार्व ल्यान्त (लासानं इदि may 2 21 2 in (5x) 11 p 5 11 © [na 3 2 my] at anti (\$ suca) maining and (अरवायसमानं अय डर्ड दुरेव) लांबनुरास- यंत्र (काम-र्क (अर्थाक (यात्र कंत्राय)। यहिन्द ((आमात्र) में आहत (में आवं क्षेत्र) में त्वार कार त्रात्र (में त्वसुर्व यर म अर्द) 110011 शि [लान] (Pd (गार्ट) क्य केंक: (Chilles लाम्ड न्यासकेट धटमामक्षेत्र कांगमत्र (किंदि विषय क्षांत मार्ट्स) : विस्त्रामक्षेत्र कांगमत्र (किंदि विस्त्राम मार्ट्स) : यत (ट्यायक) वारिमाक्या (करिमाय मिश्विमित्र) लास्त्र (र्यास) क्षमाक्ष-पि । लीक एक महें अर्थिक. स् त्र) म त्यां (यत्रं मा या व्या द्वाहिक मर्द्य) ॥ १८॥ क्रिक्स (क्स्म) ध्यारीए (क्रिक्सिक क्रिक्सिक (क्रिक्सिक क्रिक्सिक हा) उद्धः हिम (विषि] स्थिति के कत्ते क्रियु हिल्मा मेर डिलारे (वार्यमम्नानं मार्या (कर हें हैं नक्षे देमानं कर्ने

(न्या (अभित्य)) महा: लाल (स्मित) य: (म्यान) (न्या हुमाश्रह न्यान यम) रित्य (मास्याह) य: (ह्यान में) र मक्षाण यव ([कामार्मस्य] द्यार्थिक भार्यस्या) ॥ एक । न्ति मार के सम्मात ।) के कि : (मिर्क) सर पार रा आ प्रवास (अ ना वाक् एवं) क् कि (के के मार्ता) लाश (विदास कर्षि (० (इन) रे में मंद (कामना) में दूर . (म्बरिटक) नामा हिक - वन समा (आर्थ वी व दन महर्मि) में में में विमासमाखाद मसम्बद्ध) लार्ड कुरें दें (लाइनुस्य वृत्तिक) चार्डिक्वं) आतार्वे अव्यवतं (आम्बद्याल सममम्) , अमरह अटर्श (मूर्न) अटर्श) माया (माम करिया) त्कर आले अपूछे। (अकलन ल्य (अ)) का सर (यटमक्ट का (म) मिल्डर बक्ष क) (टमामात हाममा यात्री वी । एए। भी नामिन धनमर (नामिन वामित्म) मिक्स मार हिंद क्यादा [विश्व]) सममित काल (सममि रद्रांत) सिक्षी दिवर्ष में किस मुद्धा का का मार्ग के किस के (वीक्रिक निकर १३ रह) वि वि वि वि वि वि W12 (02 (02 (0) \$ \$ 6911

[लायमा] लियक की बाका क्यायम निक्ष अव भाषाः (जिल्ला] निलक् (अरे भारेय) व्यक्त (वनप्रति) धार चीता किनंद (यम दे- (मादा ' भेट लक् चा किए) ्योपर) लक्षातः (पर्कत कर्तत); त्राष्ट्रा (व्यव । नात कार्या) में प्र: (में प्रवास) सत्तत्रास: (श्राम्य) रुषः (बीरुष्) तः (कासार्य) किंद्र विकारि? विष्यं (टर रिट्या किए) क्रिक्ट साडि : (मेंक्समाप्ति) विष्यं वार्ड (क्रिक्ट क्रिक्ट । (माडि (माड)) द्व इ क्ष्र काम धार्मा कार (मर्मन , अमन कि, धार-क्रात्यंत तकांत लातामारे) व्यामारं मः (लिमर) ल्पालन काम न्यूक्तियान) प्रतं कालास्पर : (त्वार्गीव रावी के मक्ष पर ता वाका कुछ, जारा २२०) अमू ० (अ मीकृकक) हूर (अवन) भि: आनम अस्ति कर) ! आकार : वामा (क्राउन कार्न ट्रिया मा ता कर का किए का प्रकार का किए का पे का किए। asse mark 10 4 chount 3 3) # 1 311 () (अम्युव क्रा अवाकाका का मिला में आपर (आप्रे) काहि. म् की (कार कार माराया), यात्री: (क्षीकृष्ण) कार्टिछ: (लाड सरक : [लकतर]) इर (चर मीर्क महिला)

नक्षा प्रा : विकास मा प्र वार्ता वार्ता के ठेड्ट के कार्यन [ताराकर्क] कर्न (क्षेपात) सेक्स : ्र्मिश ररेटर) हे, मार्थ (य मार्थ!) मः जियकी (यमं वर्ष क्षांची रस्त्र क्षा के क (क) रव लासमात्: क्षा क्षा (व्यक्तिम क्षा क्षेत्रक) व्यक्त वाक्षेत्र क्षेत्र (MB min RBJ Marid BR B BB) 11 NO 11 N) क्षवनी व्याप (क्षमान नामाता के वृत्य! (क वृत्य!) वर् साखा (वाहा नाहा) व्यासम हलाम (द्राप्त हली अर्थात अहता व्यक्ति स्थारिकी देशता) मः अल्यादिः (त्यर अ क अ क क कार्य अ की संदक के कार्य के कार् अर्था (स्मान्य कार्ने कार्ने कार्ने कार्ने कार्ने कार्ने (स्पर्व) क्रांच विश्वास्त : (यर अलु भावन) व्यक्षित्र (व्यक्ष वार्म) नामापूरी (इंडा में शिक्ष प्रतामार) ।। करा। र्री इका आह ([अम] व्या वाने सम् रेर् आस्त्र हुड की : (क्ल म्या मिन्सिक) यात्रा संदर्भ व्यक्त सरम्बर् की अर्थात टमा हा अर हर मारह, द्विम न वर्षमानी [मा मील एक] किन हेलत एक यून मुख्य में

७ १९ ग्रमका व न न मां भारत), वर्ममू पत-मरमाना (जिल्ला मार्क ने किये में में प्रायं का क्षेत्र ने मार्वे ने [190] in Man = m & Source of Colons (John) क्लर ने वर (क्ल नवाकर) भूतामान्त नामा मी (विस्त्रामा भी येतम, लक्ष्टि सत्मा क्षा के दिक्त ने िलि में लक्षानी में येन न लक्षा है में करहा हम न् कि क लार्य सम्बं मिन्न हे मार्था है न्या है निका स्तरेखार्थ)। करा % यहाम (मानाम ([क्या] मकला द्वामा स्थाल कार्या कान्य कार्ता अम (यूका) जार् अन्तिकार् अनिकार देदनानिकात्रिकार् (देदक्कोक्सा, [अयह]) छ। य-मासीर- मुसर्वाक्षेर (जावमस्यव मासीर्याय क्रा अप को) वित्या कु (दिश्विमा) कृ के अर (क्रीकृष्टिम) क्कार (क्का क्यार क्यार) विविध्यम् ही कार (तिरायत कार्या यात्र तत्र ने।। 2011 की सामाल (दि सामाल ! [ब्राप्त]) क्वर (मप्तन) यकर पर-लक्ष वर (लामन नर्म अदमन देखन माड) हिलकार (छाठकवाल) किंगरह (किंक् आरह) देम्मा (देविष) काषास्त्री व्रीकाउ (क्रायामा प्रत्य कर्तिण) विभायपा

(प्राथम) मैडाड (र्डिट डर्ज) यथा वेपाया: (म्ह्री कथा क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक व्यक्त व्यक्त क्रिक क तह ता धावक वैपरे क्या कि स्तामायां भाग क्या में स्त मार्क में के करा करें का हो ।। कहा। ्रिक्न कार्मिया कार्मिया कि कि कि (अकत दिला) मिन कार ह (द्वाचे ७ दिवाकारम) आवेदक मार्जनारी-(अर्य माना: (रामुनानिकर्क पानि हानिषा) अहणः का निका: (अहल (अध्यात्रा) मन मन मन्यूले: (मिं) त्वम व्यभ्व धर्मा र अवनाना भारा) भूतः (कार्ड (मक्षेत्रक कार्ड मात्र) कार्ड (क्षेत्रक कर्ड) अंड प्राकृति क्षार्थित हात्रहेक स्वेटि) स्त्र में ब्रेड : (एक) लाग (१०० कि अपियं अ १३) जन्म या चव (यक साथ मिर्दे समाप्ता मारे) (अक्रमी मा म द्यारे) (ल्ड्लकार्टिनामार उन्तर कु के कि कि विदेश = (अवस्थान कार व्यान कार क्ष्मी के अभीमार् न ट्यव राज अर्था प्रकल मात्र हाठक नाम दे माउक कि कि भी मिलाए ने सहाता त्या के का ने हैं।

विराधित के में बार में असमा वास्मान मार्थ के मार्थ किंदी के के के कि मात्र कि हैं।) ॥ के का M [र्मा गाम त्यार मा हा हिम्म हा क्षेत्र मा कर का का का का (का ह) एटर कामिके: स्राप (अक्साता टमरे ट्रामकामान्त्रे धानूनानी दर्ग) ७५१ (छात्रा इरेट्स) आ काम (मम् ट्योरेड) छाड् (सम-मा ना (क) प्रानिष्ट् (प्रप्रत) प्राप्त (छाष्ट्रां लान) भूतः (यस (अ) अभागामा (आमममम् में में) में से (उस्मार कार्त) अर्थिक काम (क्षिमिक्टिक सम्म कर्म मारक) मान्तर भी के काम (क्षिमिक्टिक सम्म करा) त्या : प्रम (सम्म) ।। १००० । (सम्मान) भी केमा : काम (क्षिम्) सम्म कर्म : प्रम ।। १००० ।। (मित्रहर) आलामा (बाम् ट्याने कर्क) विहासियाः (अकासन देखें) हसना : (हकता रहेमा) जस्द (छा ७ इक स्वर स्था के का करें) म द वा विश्विम कि में) १२०१। म् मर् भर (का मना भाउ); कार्न मार्निय क क्षामक (क) अव मह प्राची (अक्टाम भाग करवंगा) विविष्कार् कुक्छ (सूर्यायक मुका कर) नारिकामि (कार्स अक्षात रे] क्राकेर); क्रम (अक्षात) स्म (क्रामक) कृष्टि: व्यक्ति (कार्षे व्याट्ट) ।। केट।

प्रेश ताम (मार्थे) वाम (मारास्त) माराम (श्रियं सिटा) रेहतेंग (मेश्रेंग) मा (बेलार्स्स) मेश्रीनुमंदल बार्ष मार्थिक (श्रेमार्थ, व श्रिक्षा मार्थ क्रियं प्रके हैं वार्त) = मुक्तार् (धार्वक्र जनामित्री)धामार (श्रम्भीत) मान (प्रकं) लाह्य के त्राह : (बाद्या के नि के द्रित सार्ग सार्वान भीग्र) उलाम (बलपार्क [नवर] अरार (कि छोटन) ह आवरता : (ह आव की व विर्वेश वार्षिया मिकि । सिविकायमान (त्मे ग्रेट्स वी ब बाल दन) मादिलार (वारोत्रेया दिलात) ॥ भेगे॥ १०० [लय दे ने अप क्षेत्र (लिय) श्रिकाम शिव महंभावा आवंद मू (र ज्यात्री मा) जात ही का (ज हममूदम हे अक मृत म्म्य कार्या) स्मा (इक्स्ट्रिकाटन) छ दक्ष: क्स्रिक (७९ मध्य प्रवेश के कार्य कार्य के कार्य कार्य के के दिन : क्राम्म व्य (व्यक्तिम क्रमक्त्र कर्ष्याम)। 20011)०) विमस्य ना (स्थापनी) है: (छाराटा व द्वारा) ० ७ ९ अरात थे (गमाटमामा) मापममे त्र) ० टमाः (स्रीयादी: श्रक्त) वत्रत काले- विल्यान नीना- प्राध्वीक भागत्मः (यत्रहकी डाक्स विरक्षात-तीता, धर्च व्यात)

वत-न्छायुट्यजीयार् (बराविशान, न्विकीछा ,कावकार्य) Beneau & Societas (Miministaniens) यर्गाभर-अपायरमाः । (यम्। ज्या विमा [क्या अक्षावाक्ष नित्यः (छक्तनाविकारक । निकारात्र न १ अर्थ (ठाँ) लामाकोते (अस्मित्री कंग्र (यत्र १००० के००५॥ ४ मान्य प्रकार विश्वार श्री (राज्य कार्या) । (राज्य कार्या) भि [च दं थ थ । विषय] कार्य : (च्यांच्य के कियं) ला भी हु ना वृत्य (ण गधनवार्ग कान) ज्यानी नाम कान में (विकिन नीम न भावित्य- खक्म) अर्थात् आववं- अत्रं आत् (भाववं ड का अं अ-अक्तरकरे) नार्या वात्र व्यवितात् हाक (कातार्या उ व्याचि कार्यमार्ट्सर)॥ २०७॥ & was a Jan (amound) Jely state of कि (एकं : (अ) अंक के (कंक) विस्मा में ने मार्च - काका-यस्ट्रम है। वहमा मृजात्की (अवका व दर्भन के व व्यव हत्त्व देन भर्ये अध्वाति का बा मुक-अग्रद्ध) अव्भादका-Sizorsia (Mauricua Al) onsca one win din-मुका र्रेश) रतः क्रावीर कू भीता दिला धाकीर (वी कट्या निकरेया कु अ वर्षा मुक्तामे पडारन धानकात कांबे(यत)॥ >0811

१००० जा न ९ (यर मधरम्) मान्यी मुश्री (मन्यी युश्री) जा आह (अंदा मा क्रिक्न) मी सम्बर्गा का म (मी काम अस्म) आर पूरा (अंदा मा क्रिक्न) मी सम्बर्गा का म (मी काम अस्म) आर पूरा (अंद मुक्त मुक्ता प्रदेश) मुक्त मा प्रदेश (मुक्ता क्रिक्ट) भिट्टा आय महाम का ब्रास में ११ ४० का

१००१ के का ([लड्ड सहार] चारेक) लांबार (स्थान हरा) यक्ताविधिक्रीभूमाहन्याति (वक्तव्य (याते-म्याप्त अर्थ) कि अमारिया) सिम्म रहरी सिहिटार (अपात्तिमा क्षांस्तरक) कामक द्वारं टेड्रेन काम आयार (must) क्षेत्र काम द्वार्षण क्षेत्र व ने वार् (जामिर्ड ट्यार्थमाउं) के पिछम्म: काम (कन्म डायर इसम्माख्य के इंग्रंत अवीगाम (इति सीवाद्य नार्यः) यवस्य काम कार्न्स्य) वे सर (CM (2 व विक: कर्न लिपि) उपिलियस (की निर्माण कारिया में कार्य जिला: कू छेउन (किये छार अयरे हिए इ अद्भास कार् लिशिशन श्रित क्रूने प्राना) सूरः (विन्द्र ने) 1100:018 (180) 25 31 () 11 200" 20) असी लाम (स्रिक्स ची महा क) का है (सिमंदर विकृष्टक) अवलाका (मन्त्र कविता) हमप्राचा

हिए वाक्ष्माविक इत्रेमा) ह्वि कार्युविकार (कायकार्या. लाने विस्ताल नमण :) ७० न हि निक्तिम (किए अन प्रमुट्य तिल्ह कार ए आर्श्तरमा), यह (टमट्यू) अरक् (रेण: मूर्व) जमानम् धान (जमान क्राम्त) वर्षायतः (अधिकत्ता) अप्रामार (स्थान कर्गाः [विमि]) धनभी क्लम् (मश्रीमार्तक) हामित : (११४). यांचा विश्व का क्षित का भी दिल्ली का में प्राप्त का में गा-16 (42) 1120911 १०० ००। (० मन) टब्न (हिन्दिन) खिन: (अनमन) लए छन्। परितर हाराका के सामराम् (अने म्ल दं के करिय लयह लम्यान्त्र लयं हर्ष (ठळ व्यायाहर क्रिडे) म्स्यामका का (अस्मात्न मस्यामत्म प्रक ररेगा) यादिक क्षेत्र दिवक में अ मंग्री के माना 413 C WANT - 11 20 P. 11 १०० विकट्यन मर्मा हिम्र (रेप्ते) कारतः क्रेम. (प्रवण कि हिर्दे कि काछित कूल एवण है) है न देख ना (धामना) जास्त्रीइन नशी: कियू (ट्योमन-नशीर कि) अक्षत् वर (किंशा [रेपि] अक्षप्र रे कि } रे च वर्षि धार्वी किय (अभना नवीन कारिती आई तीरे कि) ह

भी मा (1हान्न) (ल (क्रास्त्रक) (प्रच दिकानं दृत्यक्षात्र) (निक्री (प्रचे) एम (क्रास्त्रक) 11 2001, (क्रियाये क्रास्टि वंत्रका (क्रियां) 12001, क्रियायं क्रास्टि वंत्रका (क्रियां) व्राप्तका क्रांत्रका क्रांत्रका (क्रियां क्रियां क्रियां क्रांत्रका (क्रियां क्रियां क्रियं क्रिय

यह (कृत्य टमक् क्रिक्स ने क्षेत्र) द्वार वा (निक्री का] डेलाई व देने गार्डन : [लाट्यन]) प्रत्हामा - कन्न क्रा (ला ला के त्रमु हाम) कथे वक [मकाह] माय्रवायं Swa 23 m)11 >>011 Mangar a roucin 18 augus: 186 (18th] 15 amant) लतर्वतः किय (अभवा, नवीत लत्नवं हे केस्त्रीय: कल्यः या (किंग द्वारी यक्षानं किंक हैं। किंग मील मार्चनः 21 4: 31 126 (MASI MAS - MASON 21 ICHM) 5 मीनक्षंत्रकः रे (क्षि यव त्यवंत्र) हे क्षार्वः क्षित (कामना समेपानं सपत्राम हिंदी देग्युवनामार पि हमं : किरासिर (किस् मीस अभवाकि) हे बल मुसर्गा मू के एए : अभाक्षेत्र (आकः कि ् मू (अयम् इस-में प्याष्ट्रायापुरं में के हैं व कर्रायमात है मा >>>11 D) mid boann; (31318 22 m) (2: NI ियात्); अमृ व्यानिशः । कि ्या (वादा र्येत मि हि अमृज्वित्सर प्रामन) कि म: अजिविषठ:

([या '] क्येंट्र ७, १ वं लागूरे र अंत्र मुद्र), य: लाम् यर-१७६ (एट्य १७ / जातार में ये क्येंट्र १) वि: लाम् १ वं : प्र ([या] व्यय भी लाहाबुक्ट) दे में ये त्यात लावंबर्कतंत्रः समार का कारा वर्ष के व्यासाय कार का मान कर के ग्रेम्स्य विद्याल काई (प्रटिंस) कि सस कमा हमा के कियान. है दे िलडा, में असे अपर दे अवंतु जिल्ला (मंद्र का का थ) Carrier J (31122511 10 वार्थ (त्र आर्थ (विकास) त्र मार्थ !) त्र मार्थ ना विक [लासान] मनम् अत्यक्ष स्थापनं असम्बद्ध अ से : आहे : (अर् जिन्वर) लमंद (पर संद्य) में नव: (यमें कि) में वाह (स्थाल मार्टिट्र में कि एट वा लाउं (लामवा) कारी) जारा काश्री (जारा ररे माहि) दिश्वि (रेशा) यक कार्य (यक कार्यम व य) है किएम द अर के द्वा (वस्त शिकाम कर्ति विभाम) भूमिक - उन् (भूमाकिए(पर्म), सद्भूष्मकक्षकिथीए (सद्भूष्यर स क्षकिश चिर्] आतीरात्मः (मश्रीमत्ने रामारहू) हलयम्प्राट (हक्ष्ममध्मा) छाड (ट्रारे जी के बाद्या यूपा (रवेत्ररकार्य) अवादी द विवादित्रत्र) 1122011) संसी स्यामा ((क्रामा) कामा :) म : (१म्प्र) बन ((क्या के) लाम (प्रमादि) कहुरी : (कहुरी है) या उत्रक ् (धरम वृष्ट्र । उत्रक), दे दलक मूल्य (मुत्र यूगतने

हिन् (हिन), हिनू त्म (हिनू क प्राल्प) निम् : (विस्), काल्यः स्टाप १ (ध्रुत्नीयं त स्मानं के) द्रम्तवं-विव्हिण: (वीत्मार्भविहिष्ठ) अवन्त्रः (क्ष्री) TO THE STATE OF TH (2 m/ch) you shistocky (on is (312) Co (जिसानं) ताथ आहा : (स्मिलाभ के आ अ : 219: (CHY 18 HORY) = 410. ([XMCH] 14 did कार्न (क्षेत्र) देन कार्य अस्ति (क्षेत्र विश्वति) m 71133 3 11 >> 8 1, १९ इंगर (चर्चाल) शिका म्म्य : (मनंभारतं में में प्र-किला विक्र - त्यम-बाद्याम्म उ-डायब्रिकः (विक्र क्रितं महानितः अधिक त्रवंगामन अाटन) विश्व क्र- ट्रम नात्र समस्त्र (हिस्स ७ अपीरन्ड विका छ छ द्वारमम् हेस्तक) (छ। (हाराना हेछरपर) अन्ते (अम्मेका न) क्राक्षित अव्यक्ति (त्या न्युक्त कर्टा) म मम्बू: (अकाम कार्वा मार्वित्रमा) ॥ 2281) नि जी ८० छ । अया वाक्र - प्रवीय - अवित भरमवा करन मारा की एडिक स्पार्थ सम्मानित समन्य के

यह सर् देश ल (मा काश्रिक्त प्रकार क्या के त्या का का मान्य म् नार्ड) मीन में माम साम के खिया ए एक (अ ने म श्रिश्येष The month of the second of the डिसाइम कर्नियाट्न), न्योगीय क्रिकाम्बर्धियात्राचार्य ्या होने की बटला माधिक प्रमाशिक माराय देश व इदेशार्ड [नवर्]) क्रावमामा कर्वतं (व (माम् EMWA THE CUISULATINGS (1) SI ON THE FOLK स्तिताहल सीमाम विमानक (अम्मेर्ट) व वास्त्र कारक स्कार भी यार्थ (सक्तर भी प्रशिव वं क) लंड (यर) व्यक्ष्यः समः (व्यक्ष्य सम्) सामु उर् (सम्बाह) WM स (ब्रह्म क इरेस) 11 F1 क्टिक् क्रियायार्ट्यायारिक्स विकास मान्य-युकाक जाकुर मध्य जाउँगाँग कुर्रायम

প্রেমের আনন্দ থাকে

एभ् अहायन ।

প্রেমের বেদন। থাকে সমস্ত জীবন।।

ROUTINE

Days	lst. Hour	2nd. Hour	3rd. Hour	48h. Honr	5th. Henr	eth. Hour	7th. Hour
Monday		-				•	
Tueodny							
Wednesday							
Thursday			10	I .			
Palday							to the state of th
Saturday							

আকৃত ছায়া বনের তলে ।
আলোরে ভাল বাসে।
পাতা সে কথা ফুলেরে কলে,
ফুল তা শুনে হাসে।।
রবাজনাথ ।

8 29 m 2000 las

द्राकृति: ((क्षाक्षक) मृत्ति (क्षाक्षक) प्रकृति: (क्षाक्षक) म्राहितः (क्षाक्षक)

(alley) madyer: & (mader) am (The) विमाशकार (विमान अष्टार्ड) मनाडि: (दनावर्व) भडानते : (भडानम), डामारेनाः (डाम अट्डि) मिडिः (विदिश) अलंदिन: (अलंभाष), उसा (अवर्) हाकियः ट्रिके कारा हार (ह किए ए ट्रिके का [करे]) दावि व अकार (हम्बर्गाल्क्ष्यानं) लयह्नितंः (लयह्नितं ह्यानं) weny (my Jose (A) ingris (my 2 2 2 paylow) यस्त्रत्र (मस्त्रक्रिकार) हाविष्ण् तिन्मात्री ९ (शिक्टुड कार्निमाहितन) 116-011 20 [लक्षेत्र अर टक्रमणक] मानिल्मा नीक्षवर् महसी? (की करका वर्का मार्थिक मार्थिक) हारश्मिताः (614,244 9 16) amon: (amon), consilas: 6: (त्याहा कर्ष हि) क्यावद्यः (क्याव्य), यमारमात्याः (मक्सरमात्रा) महावितः (महावित्रः), मृत्यीरिष्ठः (मूजिल) मलुम्माकुकः (मलाविर मादिक डाय), कु के हाएगे: (के हा में हा) दुराम्य : (दुराम्य) -वाहः (यह अस्तम) अहा वह स्ताः (अद्भवस्य द्वनेवानियांका) अन्करक (अन्द्रुष कार्रिमार्टियम)॥ ७ म १॥

A [लप्रदेव] तिया: (म्याचार्क किंत) लक्ष्म असी चे क्रियेश के (May EMLRICH & SUCONCA) PORTE R CAL: (Signer प्रमुमेगर्यमं) सम्ब्रं (द्रवस्रेता) करविष्टितामुठ (लाउट इस निकर्]) वर है है। (वाडा त्यामुना) प्रकार : (मानेजा अकृषि प्रकायम् नरे) मुम्द्र धान् : (लेक्ट्रियम्स्रिक्ट थाडे एउस) ॥ १॥ कर्म (क्रिक्स : केट पढ़िया (ट्रार्च पढ़िया मात्र) थितः (अवस्थतं) के दक्षं में दि (के कि कि - अवीत्रक्यातं) क्रमार (क्रमम:) अकरि ज्ञिमा क्लेमम दिन: (क्रम-क्ली अक अकाम व्यक्त) तिक अव अवार् (अ एक करे पिक-रमेल- मर्वाडम) डाम्म्रे अवर् (म्डा टेम्स्रे) (भ्याधिमाल) विवया (विश्वाव कविया) मम्बद् (मुड़े करिट नामित) निकास (कारम !) त्यत (स्ट्रिन्डर्ट्यू) मार्चाः महाः (महामन्त्रते हे 28 8 57 in) 200 (28 47) 01 226 (CXX मर्की ममत्मन हे (आ(मा)) जन रूप मन प्रामि काम (त्र ७ हिड्स अ न पुड़ाहि) दर : (प्रयमी कविथाहितन)। गेम N रकः (चारक) श्रेषां श्राः (क्यांका के) वर्षेत्रक्याः

वर्षित कार्यक वंश्रीत (वर्षित क्षेत्र कर्ति मार्टिक न्ते भूटरे) की मं क्षीतम्त्र प्राष्ट्र वात्रे (क्षीम् नम्त्रम्लय-स्य देवस प्रवस्ता भागात) वस्त (नर्म म) धामक्रां (र्वा कवारेमाहिता) रियम (एन्स्कू) अमार्को (न्यांका) वे एता (यह का उर्दा) न यह देने मार्ट : लमें (चारका) लया ते (मम्मिक कर्नाम [725]) MARIE (MARIE) NOSI: P (XCINENT/83) य न। क्यांडिव आर्ष चिक्रत्य ध्याष्ट्र वर्ष क्षिणा हित्य ।।। ना)) वं : (यम्पालाता) क्षात्मकात (क्षेत्रक दम्पारक) अम्म : (अव्यक्षेत्र) अवि : (मार्च) म्रामिक हिना अहु९ क्रिक ड क्रिक छन्नी मुक इरेगाहिन); अीयू मर् काल (विमेश व पन अखन ७) वित्रकी प्रव् (विर्मण्-लायालय किट्रे)क्कास्यर्वे वर्ष स्थायरस असप् धार्ष रिरेशा हित.) , ममत्रमण् (विदेश द्रारं] पर्याम मयत) का श्यादारं (१००म लानकार्क) 'म्पनं (व्रित वि]) लाह यह (मेय क्रियाम्स [यरेम]) रिक

(नर्काल) मा (छित्र) किनमुत्म (जिन्छा जीकृत्यन क्रीकिस्टिन मिटि) विमामागा मामक तर्न विमा रिक्रियोदि (क्रियामीसिमक स्ताने वापक्षित के हाना-1 33 (22)11 33 11 किरिया (वर्षात्य) या (त्यांचा) यत्या देव द्वेत्रक. ल्या (यथा लेपरे दे क्ष्रिक्ष) में बतः (यत्रां भ-CACH) " wow in (Township to) mused (MARINE CICL) वायवमा (बामाला वंसमा सभीकर्क) धान्ल्स्रोयणः (उद्यम् मार्म क्रिक्ट) मत्तर (शमलात्म) म्यान कार (मिल- मेड्डी ल लाव एएक निक्री) अ लिति अवसमा (अवसर) ध्यारियमा, विमान ह रिकेट ला अने से आ में में कर्क में में मान हिंदि। (ज्यारम् तव भी) व नार् (व न मूर्वक) ध्या वड जाम (पाक्रिने पिटक) आ कृ से। (आकृ से। इरेट्रान) आ (जिसि) रेयण् (यरेक्त्य) जावह एमप्रमणि -अश्मिका (कारमस्टात केन्समार के हक्ता इस्मा किया (याहरक्ष) मेरर लासीर (की देव अपदेश करिया हिल्लेस) 11 2211 ि इक्ट (अइ<u>स्ल</u>) मा (सुश्रम्) ।सम्

(हिलाइडिक्स माभाट) बार्निकाडि: हाटमाइडिब्ममाछ: क्रेंग (हिंद्र किल काक्ट्रेंग इरेग़) म निर्माल न । भूम ह (ममन मा धानभू मिलन कार्ये असर्व इरेट्समन्त)॥ ५७॥ 18/ Bin Brumala (Ledance: Mar ([Robance (छात्र] सकार्यमणः बक्ष छात्व की बर्गियमा कांब्राय) रवित्रक्ति कभी श्रमिश्वा (रवित्रम्म व करिटालव म् से पूर्व ७ की अकाल कार्व (सर); हराहिनी वनी -प्रतिष - व जिता ला किए - वेतू : (उंग्रेस हक्षत्र क्रित क्रित हारा कम (ल्ब देवक क्रिक अवार्क यह गाहिय)! बिम टब्रटमाना त्रा ना विष ना निष्य ना निष्य दे ! (जि.की का के का का कि कि के अपमे का आप का त्या उपराव अधिकार्य लाजन कविशाहिला : [अर्द्रली] भित्र के पिछ - अभिकास के कि महार की कि वर्ष मिन आस्त- कार्य ल लयहै। दं सिहिसिक् र्ड्याहियर)॥ १८॥ े रिवं यात्र मन देवर्ष (क्षेत्र किंव के म महियम) वाका वर्षा करी में हों : रवामात (आवाका कर करा

मान्त्र अवनार् (काम अन्तर वर्ष मिति भागत करिया) nar enar auxis ordinal mas ersines) 113611 estres ora (mas super a site or reges) 12511 Melaci (ध्य खनकिता) केवरी त्याह अंच प्र प्रमात: (सर्व का ला प्रधारत का सरहरू) हैं (प्रताम) ब्रिके के अभागी (लिए व त्यल के अब विसर्ग ली में ८५) लगः तमः ([कामन] गर्यन तम) मनमः जिल ([आआर] हिएउउ) क्रामना (काकना) अभगिषि (विश्वनं कवि छ १६) वहि (वत्र), अपूर मर्क्सामी [कारि] यक्तपम हात तमा विमान कार्य पिए हिं रे यह मार्ट्यक मार्थ- मार्थिय-अन्य प्राचित्र [अन्ति] अये क्टब अन निका थकं -जाराक्ष्म (मूम जारत करिया) मुडु हडी-ट्यामाकी (यटका विवकारन मम्माल ठाकन) अकाम कराय) विधामाडी कि-के हिंव दें (विस्म-I'M OLUBIABIA OLENA ELENAS CALER ELAY ने १ । क्या (क्यारेक्य) विस् के का कार्य र रेंडा खान विकार कार्याहिता ।।। ३७।।

A m ([about apringe) 13 in (usus) " 12 in (ein)" बायलमा (बायाजाव [3]) अविश्विमा (अविश्विम अर्थात (orally Culuation) & arakar (outer offin) इर्स्स्याम (अकाशकात्यव निर्मित) विवस्ताति। (वय-हारव मसत्त कांबल धावस कविमा) हेर्मकटिलमा (हेर्माहण) इतिम (बीक् कर्मक) भूतः तिक्का (बद्धा रेस् व विश्व के का उंद्रेश) विश्व है क्या ह MIN (MA) 112911 > (व्यक्ताल किएमें (मिक्क), अकाकाक्ष्मिकार न हेय त्ये चढ (बाक्यक्य व मादिहाटम बक्र वर्ष हक्र म नमन विकास के विषय के नाममूक) त्र त्या ना मीह ना बेदर (त्ये मिंट्र हक्न व्यक्त मानी) ? उपार्मिण् (मृप्राजामाञ्चल), किताकिनाकिन (विडिन डाव-विद्विक), कानुमा : जातन (जीराकार वनग्र छन) वीका) (पर्णत मूर्वक) प्रक्रेयार (अलग पर्याका) त्वाहि छतिष्ट् (स्वाहिष्टनेपुक्त) of (Tra) or sur (or sur) was a (ur a

The same of the spill some ones रेणीलक (लक्ष्यां) म (स्थाना) मेरे यर रेगर (मेरेन-(आरिया) अविवृत्र- (कलबेला आर लेप (अग्रेस्ट्रे गरन रक्तान र किन लगाला मका करने या) के में सामाय -।सबार विश्वास्त्र त्ये हता)कार सम मह: /कार्य मण The Man sal sal your (Mon al wal) छेदाकिया (केट्डायन कविलन) ॥ ठके। 50 वस (वर्कात) दुरक्ताकामेला: (विकलान न डेडमकमिकाम्ड , जिल्लामन डेरक्काम्ड), उत्पाः र्वासदमाः (अप अवसम्मास्य विस्तिमास्यव-(1) 10 2 1/2 MO: [100]) MONTO 20 MONTO (क्रा के स कार कर माहित) 115011 [] [= graci] 2: (3) 200 (divi (sie diames

भिक्षि) व्यक्त्र-व्हे-ठक्टः (क्षिण्य व द्रिम्हार् अर ते हे ते से (कास-का ने ति अपित्र का का की है) । किं तरा अपित्र वे प्रकट रहता अपित्र का का का ते ति ति । य की र्या कार्य (मेरे प्रकी मेर कार्य मारे मन मिका), एम (सीराकीन अधिष) छेत्र पूर्व (विवास अर्ड ्रेमार्थित ; विछ्वः]) वर् (वारा) हिन्द म (वार्या) नट्य); वि (स्पट्यक्) त्मेमाप्कः (त्मेमाप्कः माडे) उस मेर काम (उसन मार्ड) विसादम् रेट्ट (विवाद कांबरण देल्हा कर्वत)॥ इत्रा (विक्क श्रीमामन रिपट्का (क तक) Cu (ourure) के में एड (में कर) हिर्या हिंदी हमें ये कर्ति उहार है जिसे कर निम्तिन क्रिक क्रिक क्रिक (धिक स्टूर्ट्स); यस अर धार्म (नरे धारामी); हिर क्रिक विक्र निर्मातन क्रिय टक रेडियार् न बारापि (क्रियामा बार्यातन जिल्लाहरू बात्रा हो है [नीक्क बार्यातन]) त लामी (कामिसी) [नी नाका किन लाम] रेंड ए विश्वा रर (म) रेड: (नभूगत ररेट) अल्टी (हार्य पा अर् [अन्य बिलासने) ध्यूर (क्लापे) युख्य अ: ध्याम (असल लक्षर असाजमक रेंड्र " [लक्षत्र]) है Male reder

(करारीत विकार मार्ड ने अंगिक ने नियम) के एक मू. म्बाहरा (अमारियरम मुक्राहरा, वामाद्वान-ल तकार कर्मा के मा मा विसर्ग में के किया। विके न व मन आ लिए में मान्य त्यारे निया देश रिया देश (र्यो राजिए । अ: अर् भूषतः (अर्थ भूषत अर्थिक अर्थान्ड एव करने जिया अपे हैं। अत : (अत our) व्यवप्री ए (डाजिएलक्येम इर्ग ्रिकि) मुक्का (मूल्य), अवक्रमवर्षः (अम्बर्टलन वर्ष (अह) अभी व्याप्त (भावना वर्ग) भवमा (असं) असम्प्रा (अस्तिसं) महार देवही (अस्य = (नकारवार्व क्रिक्ट्रम); ७९ न ७९ (१३२४) १६ नइ (जा नहर्म का रक्ष); जाम मा, (जामा,) मण्ड (प्रक्रम) भाषकाण: (अभीत छाटक) अवियम (बत बता) न्य कारा: (त्यम्यात्रीत्) अली कम्प्रेलही (अस्त द्वीकाल अस्वलव वर्षा कार्त् देवर्ता शिक्त र विकार (ये) वन (वनार) अनिवर्ग

(अकटनमंद्र कानकार) वंगड ((ल्यान) ल्यान में का) खिनकेंद्राम लियां क्रिक्ट में हते का कुछा: (क्रिक्य के छ। यह ने हि ? [अबंद]) नतः (चत्र) अधामः (पाणक्याव केम् ज्यातिक द्विक त्यात्म र मिने र विक हे व्यान (यस न रकेट्र ७) भाग जी मार् (भाग जी मिया देन , जा कि करन-त्रायक र्यू क्षित्र क्ष्याचा । व्या] विकास (नव से क्ष्र राजा के र्यू क्ष्य क्ष्या के व्या के क्ष्य क का डिक्स में के किसार - वर्ग महिम सम्मा (अकेड कर्मा उटका का ने दान का 'भे न तिन वर्ष महार न पानि वर्ष पूज व वी याम, वर्षा, में कारि अत्मव शायमह के द कर्षन-हाका , किश्म, डेकेड अर्थाद एके , क्लार्स मंत्रं , रे रात्म वर्त कर्मा कर कर कर उन्न अरह अम व्यक्ति म्बार्मेय रें प्रमें मान - देवन तम हा यह कार्य राभाष्ट्राम कमाण्टाम उद्ये मन उ उ वर्षा वर्ग-विदास ने विस्टिन्त कर हायर है शहर) NOME (अस्म अ कार्न्टिट) र्रिया (दिश्व कारी प्रत कि ।। 2811 (यूनाकी (CX मूलाने ! [कार्य]) मुक्ता कार्य

(मुकार इरेगाइ) र कियाची (कार विकास) न त्वरान (यात्रम): व्यवस्थित (याम्यामिक मे) यादा-(यामालाह) कंतर (चय) अकत्यालमः (अवाग रेक) असामत्ति हमंदेव: (इति स्थमत् अधिकेश के का के भाव कुल इर्मा ७) फिलेंडर (डामा यमा) केपा कार्य (क्रांत छ) अध्य मू स्म मृति : (अडिह्म सा अमून्म) वाने (में : (बाय त्वाम) मा जाडि : (प्राम्बी मारेष अप्रिं) म समाक (शिमाल समामा) क ह (ज्यामा) मनकि (विभिन्द्रम)॥ २०॥ y अविक निर्मा (क पार्म करें) कर आ (ने दे बरान) आही (कार्रवार्वक (व) विकितः (विकार्ष), CON (छिति) यूपा (अशिक अरकारन) आरे (orrura अर्छ) विभिनातक वर् (वन वक्षान् वर्षकान्) कार्या (कार्य ने कार्य पाट्य) , क्या (स्थे रतसम्म) स्य (व्यास्त्र) व्यास्त्र : (अस्परम रे [व्या]) क्या (यमदान) मर्गष् (मार्च) वित्रकामि (न केमकार्य अवृत्य र्यं यार विभाग लामा]) रेपड् अधिरिक्ष रेशि के हार में यह कि है। है।

वि किंत कामूर (हामन प्रयट मामूम कार्यात्र) वर (प्रक्ष) विक्रियारी (हमत कविलि मिक कि बनी व (देश हर्नेमरल राम्टि लान है [त्राह्म के वाला]) कथा धार्भ (कंप्रत्र) तत्त्वार् (अीरलाक्क) त भेरक (कर्मार्ट रावेस), किय प्रत्यापी (जित्राव मात्र] में माल wronw sign & Durant Fax: (From) (युनकारोन) देश देश करित का द किया का आता भी रे किए पाला (ने अपने का खिनाता कार्या कार्य (अर्थ) अपर (अर्थ) आश्रीड : (४२६ व -भने कर्क) अवीठ : धार्म (याविवृत् वार्य पारि)॥ 29॥) . व (विक्र) नका (तका क्षेत्र) म काम (मम [अवर]) थिक (अक्ष्म) लक्ष्मा कृत्- एक्षेत्र प्रमः वे का (श्रुण लक्ष्म-प्रमूरक्ल लक्ष किन्द्वां भावें बूष्प [ववर]) सप्रमानि -हमार्वे १ (लाज क्या य भी भरम् वं स्पर्व । मान छ। उन्में) अवाव : (अवानि व्यान कर्नामिक सहितिस्ति क्षित्र) असमस्य (नव असमरमं) अधार विकाछ० (भवंश प्रथम) मुकामि (वन्ने कविष्ट ! [mora cama anduly]) win (ound god)

लवड (नहे । त्येत्व) मामहतः (मान्य) विचल्ड (भारत प्रदेश)॥ रम्।। ती रामकार दिने) समाद (यम प्रेटिक [overil]) मिछ ? (अवितारे) कुत्र प्राप्ति (भूका) विचित्र भ : (इ एम कार्ने जिन्हें ; [किंड]) कल काम (क्रमड) देश (नभारत) हवात. (क्लिमार्क) लक्क: त रुके: (बक्रककाल द्याम नारे); किए (किश्वरा) आव हक्यार्थ (कल किक्यार्थ नाम) प्राथ प्राथ (यरअड) र कालहनः (इंड: वर्ष अमिनारे) ; पर विद्वारित नुभा किए असमाधी नुभा असाम क विक्र कर है दि दि (रेश [वाम]) मजह वाय किस्तिकारे नामालह किर्नेगारका 00 लायटां : (लाह व कस्त्र रमत्यू- च द दृ दृ दिनं के अवात-वसकः (अन्य म्हणात) व तर् (िशे वत) असर् (वाक्रिक १ रेट्टर); असः कः अवर (क्रिक्टर) छ विस्टार (जसार्व) अत्वल काक्त्व) रिशेष्ठ मार्विष्ठत (अर्थ सम सर्टिक) टमाहनम्म अभिता (त्माहनम्प्रिक् मनाड क्रिये रेप्रेंग) समा (लास) कार्या वेर प अव्य क्षिति अपि मेर्ड (इंडा के नाट में के विष्ट में कि कार करते विचिष्ट (अर्थन प्रेम कार्नाट)।। ७०॥

(BREIGH MARTHALA) A MA (ANICE) SULLE FAIL लाम (अर्थ कार्या का बंदल आर्थ में हैं (लेक चर्व)) संबु (राजार :) व्य (नामार) बाव के वि (बामान निर्दे) विस्तृत् अस कर (द्वामान क्यू एक कार्न में) में में अपक्षि प्रिक्ष मासि singé ([aim ma a a a sa] aims que l'éco मूर्यक) भना (भमन) मने पूजा अब (निक्न मारेन भारेकरे) एक (ट्वा मारक) दाटक (दाक्न निकरे) धार्म (म (ज्यून कर्रित) ' तथा (वस्त) लक्कित हर्द (लक्कित-यूर्व) ७९ व्याम (व्ये कल्म 62 वर्ष एक ड) क्रेकिटाता (कार्राट आर्रेट)116511 () किरेट (चरे) आसामकाम (मर्व आधानतेन वमधार्था) नक्षण: कार्स (दक्षत बक्रक) र कार्ड (सरे रिकेड कार्म मन (रेश आमि मार्थ) प्रमा (जामी) जान (नम्मात) त्व (प्लिप्राप्त निकटे) अवनार्थ: कृष: (अवनार्थ कार्यमार्थ, [अन्यह]) एवन (क्यांने) कर नायम छात (कार्क ने वमणः) अतुवाः वव (अभात्रे कवित्व) वद (अवत्रह्) भार (कामातक) मुक्क (भारतिमास किंग्रेस रिशेष (अर्थ का 32 35 (2860) sules 2 ((BAS & Dellas 3 200) 105)

BELVEREN POPE SKNE WOLLOW THE SUR का मकः (रमद्भव) रेगः (कम्म्स्म) काक् माहः (ब्रम्मस्मित्र) अर् व हवाति हिं (अरवन क्लंबादि) अमाह : (अर्मामनेकर्क) प्रियालक (श्रुट्यालक) Ca (कामानं) लाम्यरं (समस) कांब्र (लाक्ष्य) क्र का (क्रब्य कार्येग) के का लाक दिन क्षि १९८३ लाम्ब्रीय डकाटवं) सामे (लामावं माट्) नाम-(किंद्र कार्य कमा स्वन करं य पार कंत्र) कैंद्र 1 रहि (क्ष्रिक एक) विकास (विकास में क्षेत्र) कार्य देवां के (रामारकने) थाहरण (अमर्थना कान्रेट (इन)।।७७।। 08) (मध्य हर्ते क्रांच (शांच टमाक्ष्ये आ खारिक) लवं भुंद । इ (यर लंग्ये) चाबाठ, (चाबा) द्रिय (द्रा) त्यावर ([minica] all only); man (JAMIS) 50000 र्वः धाने (रामाक) अक्तः (क्तूरीन , धर्मात्राम्) त्मार खाउ (रिमार्ड समार र [कि]) वा: समाः का: १/ [ते कि ता क्षा मार् के कला बाय ति इ] त्रह क्रकी-मर्ने कर १ रिमिया) रेडि (अस्त्र) यमार्थ (यम, िविक्षेत्रिय (मवप् कवं) देगः समस्थ मवादं उमकी काला): (मारादन अस्मद् निश्चित क्राटन कीयरीव समय दे अर्थाभी) जा: भार्का : (अरे डेजम अन्तर्भ विद्यान्तर्का । विद्या

and the same of the same (र रिय मेमान :] किमान मा या या या मान मा ति छ - डर मा : (या मे भ प्रव, भग , प्रार्थ, या रही, रूप्त), कवं - कतक-मार्थनां ही-राष्ठिरका: (कार्नेभावक क्रिक-क्रमी, क्रमक प्रभूटे [त्बोटा], काने छा), मान्यभवा-कृष्णाकृत्र-मद्वादि- विश्वाः (क्नार्य व्याक्त, मस्ताक्त, वेउस लाहे, भिश्य), अयुष्यूष-कुन्नी-अर्ग-कालामनानि (अयुष्यूष, हुन्नी, ज्या भन , कल (अंत लपा), क्यार मूक्त - जात -अभितादाल कृता: (अभकातिका, जात्र, वित्रका, काईकृत्र) विल-सन्ति जालार्लाक - अव्यान ना : ह (स्तेत्र ककार्यन लाम, कारणाक्ष्यं देवस अम्ब) वाडिमाड्ड नाडि-दान- अम्मक कर्या: (कलार्यन देवस मार्ड मारक लस्ट बक्स डेउम हामक्रियेकर), जिल्लामिहमम् कारान्करम् निपादाः (विपाद, निपाद, निष्यु, मुकादान न्यते अहारे) ठक-ामिक-ामार्थ- ६ मी- कूलं- स ट्लाइस सामारा : (छक् का कराकित, प्रमुख, जुली, कूल पूर्व ,व त्कार्ष न अड्डि) लक्न भूग- हत्वानी - अकूटनकी वनानि (लक्न-प्रदेश), प्रिने, हटकारी के अत्र ती सक्सत), अर अस अस लए हा भ-का वा वा वा का की वा : (क पार्टिन के अ बारे, केंद्र देन्त छरे

कार्या) के मानमा लारे ([यद के का] के पान कर मार्थि।) विष्तः क्षेत्राः (विष्वनामिष्ठाना क्षेत्रा), मताः (लाइ के नामा [प्रताप कार्ड]) ता: (तार क्रिया [क्रिंड] अपूर्ण मिला क्रिया कार्या करा करा कार्ड भवार्त्र) विवर्षित्। (कामानं वर्षेत्रणा क्रिनी कर्षेत्र) रंग (नम्पारम) के अवः (के विकास रेग (२०४०:) जाकारि जिस्रे करिएट है जिस्त क्षीन के के व में क्या कि क्या में में में में में के के के कि के कि के कि के कि मिल्यान भ्रमातिक मिल्य मार्ड देशिव दर्द्य में क द्वार कि के कि का बाली, वर्ष कर मीर क का कार कि । अस्तिव , डिक्कर्क हा छ अ एवं निष्मिर्क कलार्यन वन्न का कन देश दिलाक क्र देश प्रतिन, न भारत्य में कर्क कलार्यन ज्लानं करिक्ट्र क भ सकार्त कर्य, जास कत्य, विस्व कत्यं उकार्य कुछ.

तितं के इस कर्म मिया क कमत्र है जा दमने करावत-कर्त का का मार्थिय प्रवास वाक्ष्मित्र के क कला विव मार्की मन अस् हिल्ली हका नी जिला न, हिंदाकन निम्हारम् कारिकर्क विश्वातन् अनक निर्व स्वस्ताले न पढना मिर्देश मुकाशानन , अमेमपद-कर्ण में क्यारिट प्राप्त क्षेत्र के क कि का का का का का का का कर्क का किला व ने व्यक्ति सर्वित मर्वित प्रमास्त्र . कर्क सम्बार वर्गा तर ना कि है क के ना में दिला है। अम्बन्धिक वृद्धार्या अकृष्वः, त्रायकर्क अस्ति विष् हरका ने विष अस्ति के भी सक भरत ने कट्टामीकर्क कथाल्य का में महिले के के क वश्ते वित्रक् कर्ममानीक क्क बन् व छट्न य अक्कर्क अबा- ७- मार् भी-मूटकान, पड़नाल-कर्क अम पाड़िम-बुब्रिक स्थान (केंडे) क्र कुर्ड्ड माडिलें दे कल बान-कर्ड छ धरीन, जियमीकिईक प्रभूमान असम्बन्दिन मक्तिमा सक्षमं वाम्य लग्रवं (प्रे 2年初(を)1100-1011 ग्रिक्ट] आ (चार्याद्य) मृद्धि क मेर्सिट व क प्रति क (कर्म प्रत्व अरम अमुक्तू मा मूमका के के

लिए करते क्या के किने कार्य वार्य मार्थ मार्थ के कार्य निर्म के कार्य निर्मा अवर्थ कार्य भागार (मिन्ड) आद्य दिए उत्र विकातात्र (अकानिक प्रांदक विकायमपूर्क) अवार (पव्रम्भात) क्षात्वा (अस्वतेव्यक) क्षाः (क्षात् मेर्द्रा) कार्धितः (ना श्रह कार्ड न) देगर (जर्मका) धराका व जनतः (विकार राकारक) खकरते (विक्कार्त) विदर्भाव (भूगत नाम 45) J= 06 (MO TS [MUR]) \$0: (1) MUS 55(2) मार्थ हिंग मार्य ट्राइ रिश्नेड मिर्ट : यह ही विद्य (धन्क्यत्व न्वरेक्त य विमित्त वामित्त विवर्] प्राधिवर् वर्ष लास (किंग्डर मी कें किंच सात व) सारह रे क्रें। (अवकाम् अविस्) मान बीका (किकि द्विभाष अपिक मार्क काम्य कार्व के प्रकार किला के पिकामार लिख इंदिश्व डिम्में अटम श्रीका (क्रम्मार्थिमी-२२ रेंग), बिर्ड (दिन रेंख !) मन अर ([कार्य] आसारक) अमान्छ (अमापन्थ्रिक) डमंग (डमी-मदलारक) * के हमासी (कामान मार् एवर 1) यः शहः (कीक क) देवि वंदम (नर्म क कामित्व याम् डळ) क्लिक मा खाड (१ अया व) कर असार अ (= 72 m) " que (magy en 1 (1 2) 11 0 y 8 8 0 11

8) sige ([about I ships) a commo (The sois may ला केंग्रे चड लाय कर कार्य गार) लाय ला हिंग : (लायल -व्यक्ति) मना हार्यः (मार्ग्डार्ट्य अकार्य) विद्यानिक (विशामका रहेता) विश्वभक्ती का (त्रीका दिन बक राह्मा) खितं (खिनं टितं साट) रामकार पुष्टिति (अस कार्युलात)॥ 8 > 11 85 [विकाटम विकादितः (स्थानाय देशि) विकासम्य-म्हिलका वश्वाकः (जानक्षिम् महान मृत्रा क महान व्यवकाः अस्त म्हिरमार्व) त्मावं (क्षेत्र ए विकास वर्षा) वास्त काण्या वंस (विकादा सम्बंद पारं) क्रामाधुक्र (ओक्ट्रम म्मन्याम प्रिक केरवही (कार्यक डर्म १ [लक: अनं दुरा]) रेट्ट्रिकारी (स्थाप-हिटम क्रिजा करवेर करवेमा) उठ : (क्राय पिक २२ ८०) निव्या (निव्य १रेमा) कि किए राष्ट्रकार. कूमा (गक्रकमां कि कि का 5) र महि (May) our your works (our year gray कार्वमाद्य ; अवस्ति हेका]) धकारमा नामिनी (सारि हाटअब हु सेर भीमडबादक) सिनंद (सिन्दमादक) ज्यादातम् वावाद्विर्धि (ज्याम कामम्भूमण्ड) अस्कार्ट (सिर्माका करते मा) 118 FII

80 [Doll on (Tings) odvišas (The son i s A fo र अप्रतकत् (श्रीम बक्राक्त) व्याक्ति (व्याक्ति) grun (meni gradista mis) inic (in hen अर्काक) विभिन् मृतकत्वकत्य-त्राव्याने मुक्दा) (BKNOVENOW) (Confered a mide any conchar common and वार् कार जिल्ला अव्यवस्य वार्य ८० नाशिया ना १ छ।। क्षितिक असर्थि था (त्याउँव 'क्षि क्षाकित) (णास्क ((पाटक) सर्वे न- अव अ- वे में (सर्वे ने अव म व वे स्त्रीम) र र र (CA CA) ब मिस्टिं के (ब में ममेट में) । नुबमार हि कित (बर्ड भार मारिशारह) के ए कि मिने) डेम. वर्षात्र (मुख्न- वर्ष स्था तहा दिन नी क्षां) कत्री (Charling) Bis (Chung) Sis (Onus in maiama) att min (min) min ((((()) 32 () MIO) Mic (Mic) mg:

लाम (मार्च क्रेट्रक्रिक कर (अर्थ तक) जामा कर्णा (अवरदं अश्राक्ष) त्वे मेर अवस्ती (को अवस्त A 21 1 2 2 1 1 8 8 11 was (and an a (ase maddle) my ca (अर्था कि) व्यात्य वि १ (वर्षणा यवा-मर्वेट्स) कार्ने मार (महा) के मार्ग फार (के मान् किस (मरोन) भू । व (मस्टाक) वक्षा क्षा कि : (क्षा क्रा नि-प्रश्नातं वर्षित दार्वनात्रे) आक्री दार् (यार्क्सक्र (ल विमे साथ बार्ट में (ह)।। 8 द ।। (तर (टम्प्टिं) अर्च प्राह्मात ट्यास्प्रमा के क्या में का संब (अरंत्रामा लामका क्याम एवं द्वां वार्वर्ष्) उक् दि (नारे उनकारम) सर्मामुने ल्काः (निर्मन-मम् खरेममुक) मूळाडिर व - ७ करे : (रवीन हिलाव गण्डि) र्ड्या सं विष्य (मैड्या की उन्ता विष्य] mang. नारियर: (विवार कर्निक्र); ७ ९ दे (स्टिप्टि) निक्रिर क्रिक्टी) र्वाम्यमः (त्राक्रक) क्रमधार्वा लाम (ब्राध्ये इंड र्रिंग अठ) है (देश मठ) है। 8 12 अप (कामरा,) है। ते (अक्साइ कर्क) काम्यान प्र (armara रेका व) का निष् (ट्लाम न किए) सम्मन

By: (NOLBY) CLIB (THEM MISCOLD) LAR anay (14.00 पन कथा अन्य क्रिया) काहर (कथा) का काम का (कार कार) प्राष्ट्र (अविद्यारक) न 10 20 (Quo a Ca a ay e Ca wa) 11 8 di. SP NEW (ON MA MEY 37) " R BLANG (CNJ 7: 10/5) (राजा (क्या) के प्रकार का हर कर है (क्या) उभार्त) अभी हुन (अयमम् म मूर्व) उत्प (अव -ध्दर्भ) बुभ (बिल्ब) मुमा बहु का (बिनार बहुन and Vampueda) muder (BPLE eresid) /180-1 118611 89) बढ़: एवं (मिल्स निग्र में में में लिये) अवं-ब्राधाका (अवसीव म्यामता) कृषः (क्रीटर्ष) कु कू की (को इस अका म करू रे मा (का म) यर भी. कोबी मणाहि: (बल्भी का ला कोबी कर्क धार्षा) मन् सी छि: (मन-रानी सर्पन सार्व) कुड: (ह्रीटिक) वादिः (वयते कड्व) दे। इरा ए ७२ (अर्मूक्) डयान (अर्मिन) मार्नेण-अगार्डक्ट तम (भूर्तिक वक्कार तीन आपिक्स) आर्थ आर्थक : (अग्रीमार्क्ट्र ७०वन इरेमा)क्यामा र प्रिकीमार् ह

(5 digle 2 Holling) Saprasmi (2 quim) भी कर (रेडी रेड्सेक्स) ॥ ६०॥ (प्रद (कार्य) करें। लास लाया खात न में का ब थी-क शिक्टमांव: लाम (समय ने मिने प्रविध का के मिने जयाद त्या वार्के व (बा अप मा कार्ने मा व) यमात्र कार्नी (दल व लक्ष मान् अन् मार्ड)? (ला अंकेश (मारा तप- र्य -एउसे यः लाभ (लान लाम्मा) टमा-धान महाना दुरासन मूलप्र हेल्द्र करिए । विभिनायक: (कनक्र क 5 7 in 5/2 X 2000 & [6 24] NOW 2 4 4 (9) 11 6 2 11 DE JOSE DE MINISTER (क्रियाक (क्रियार) अवस्ति (असी) वे यम (वे लाक क्षेत्र) रेक्ट गाइट (याइव बालमा) मर (मरा) र्मान्त्रेट् कार्क् (र्मार्य्यास मामक) कर अवद (अदे बृक्षायमक) विधाना (विकाठा) भवताहरकर (बवाहरक्ष्म्यक्षर्व) सकर ए ०० (व्यापने इति कार्यने कार्यात् व विकासम्) वन मं नाका किन मी वेद्या ने नाका । प्र ह भाग acc) 11 @ 21

रेपर निर्म रेपर मर्बे क्यामित क्या वेपर वे (लासाव के दल्ब शुंब लाउस दुमें व गई सुल्हिं) ल सामुन्री ल स्वाचन्ड (लामान प्रवास समार [नक]) विभी में मिर्या मात-का व (धार्याम प्रिर्मामता विके कात-(अ) ; रेर (यर बत) काय-अर्थ अतामा (कापमार्थ-अदे-माधक) क् क्षर् जावि (क्ष्म लाजा अमेरवरह)॥ रणा (विम्हारम] प्रमाह काममा (में के स परम के कार्या कारमाय) कासुवार्डान्यू वर्षेष्ठ गामी (कासुवार्डान्यू मार्थक स्टिमक् माक्षिका के जार हिटने कार क्रिये कि मं कटल ने es ofther and a sugal]) tomber (much) find (अहे) आमानी (देशतमामूनी) जारि (तमा कर oux cocs) terrani (ouma anxiony) mond (ट्यम्बर्ग) (मिध्रेतः (हेवत्यमन कार्यमा) मिछा (अर्था) क्रियार्डम्युडामि (क्रिय धर्मत् अमिटनायक मार्गम् भ प्रमृत , प्रभेष त्या क्रिय कार्यम् प्रवेटम (क्षामान क दंन)।। 6811 (कमंड (ounail) इड (चड़े बता) इथ- सिवा विकृत्म (मूर्य मुकान केर्स) कू मूबर हित्य: (भूक्ष हम्म काने लिह). म्मर (विश्वास) त्याक्षर तक वा ([कात्राट] वादा

लाल किंग्यी पक्षात) में क्षः क्ष्र (क्षित) या मान्य । क्षेत्र के क्ष्र RIFITO R) IN GRI (वर्षे क्ष बक्षहादिम् ।) अन्या क्षिवाविशवधार्थ निष्य मार्थन कार्य विवन किन के के का मार्थ के या (-यह) म्थानास (भूष्मामास) ता (न्वामा) र गर म कार्र (कार्र) कार्य मार्र) अस्त्र मा महारी (अस्त्र मामक-मारोव मार्य) सम्मत् वादत् प्र (क्यानि मुख्यानत-दे अतिने) विष्टावंतीय (अ के हा बंदम व मेरे) आहे पर्व नली (ननीत छने मक / क्षेत्र मिल्ट अयन कर्ने) ।। दका [की [बरकारण] रावे हत्यातं (चीक्कस्य हत्यावं) अधिकंति-मिनियाद (असर राम्य म भी छ व अर त्याल मू भी छत् लिक्टी) हल नमन इंद्रिश्य सार न नगर (हक्र न नम्मक्ष श्वति व छेल्यात्त वधनीय), जावक-जी मुख व लगः (की का बेरव श्रूम ह न रहेत) अवही ? (अदि) नर्भीम्थिनाता किनादिशमस्य का मूर्या-बीया) स्थिति (सात करिए अव्य श्रेरात) वेर (कमार) अभीयार (मभीमानं) रेक हत्यानुहरं काम

(यस्यवाक्त्रंत शकानीमन्य) व्यवसद विक्रिय * * 21 E T) 11 @911 Chy m ([न द प्रमार] या ग्रा) तरमा मुक्ष का व्य व्यक्तिय क्षा लाग्रे (या) कथार (जाडा) व्रिंडा (इक कार्यता) करें। अतीरतार्वा समातां (करेंग्य क्व नी तार्वा लय सामातां) श्रिनं (श्रिनं दिस के हिस ने ही (लाम है द कार्डि), अमूरे बर्मितारक कर (अमूरे बर्मना अठकाद्व) अवक्र (अवक्राहत्व) स्थाता (हमीव अर्ड) कर्य कल्यमान (यम्म का लि हार्यम (भर्मम) ।। एक।। () लय (लक्ष्में) कादी काँ हिन प्रवृत्ती - पात्रान (पाट्या. लिया का श्वास्त्र (किंग्व के ब के का विश्वित प्रकृत नेका म्या व विकास मायानं द त्रकत्र व किक: (अविक) केवर (अविवं) अ (ला) (त्रायां प्रकार (१८४१ वं) १ प क के का क्षा के प्रति है के प क के एक के का प्रति लाम दिना व (शवंत कार्य (भम)। कार्गा 20 शक्त (कि अपी ना ना ना ना । यह मी हे नाहाम गार्म (क्र में अयथ कर वर्ष के का) ट्यामा अखाप्त अप-

regracio: (mino: rigeres gal 2 no in mysis अवं) हिंपड (अक्षेत्र) मिनित्त न कर्ति कर्त (मिने कर्ति. ्रिंड का कर्रिक) विभावड (एदम्म भूमें का) तीमाम्बिल्पम त्यासम्माना) वर (व्रायक) में यः (बावं मावं) छ जा छ। (डाड्रा कार्व्ड लगानित्तर रेग ७० ग P) (en mrs ([acker] ent = lécré) igner = ci (यद अभी (विट्यम् अर्थायम् म (पर प्रति ७) लाउठ मूक्त के ज अटम (एक में मी मक भाम का मार्थ माउठ मूक्त के मार्थ (एक में मी मक भाम मार्थ आया क EX TAT); NARMING OD: ([CHICA] / A MENTER ८५२ २२ ८७) अत्यत् नारकार्यू सक्छ्ट्रम (धर्मनम Q में य कार ([(म) में में में] आ व्या दंव रहिदारभाव (क्रिकेट अर्थित में किर्याहर में विद्याहर में अ उरम्म अर्भू म जताः (अक्टकर मार्म पारत कर्मे विद्ये) पत्रकः (में भर् [न्याकाका के]) कर्कन-वक्ष वीरिका भीची ह (कक्रवक्षम वक्ष्म भीवी वक्ष) अमेर हिंथत (अमेर हिंय रह्य) अं अंड (कुष्ट) स्माप्त्यार (क्षेत्र करे) निष्य क (तिष्य का किर भ्यान ड-बीगंकर (मायक में का का वसराक) किटम (अवक्ष कार्नेमाहिस)॥ पर।।

कि लक (मान्स्के) आ (स्थाना) लाग्रुवन् भाव प्याप प्रका (मञ्जाभाष्ट्रकं डाम्प्रडिक कियापता उन्ने में) विकास विकास (अर् कित रह द्वारी रहेए) वस्तर (निस-वस्त) विधान (अस्प्रयाम्मा) कव: (ट्यस्य ४३ व) लक्षत्र (१ दं भारेण) इ जितासीय (अमाने नी बीव बकार कार्य) म्भार्षा वाम (त्रूम्भार्षा व्रेट्न) विश्वा वाडवद प्राक्ष-१८ वादर (वरकाल) के क: व्यास (मिक्का) वरं हार् (७७ व्यक्ति शिमानी विट्]) ट्यमाद्या डि: सूर्त (व्यक्तिन -यूत), जर्श्वत र्मकृत्स (जिमे समझ अमकृत्स) आर्गरमवावस् मि (यर किल त्लारमव आवरमुन र (म) अनामीय व्यक्ताव (इस्मिर्म व क्रिके) देवक: (ड्रम्ब दर्गा) क्याः (द्वाराव) व्यक्तिकी त्यास (तिकटे छे भार्यु इरेट्स म)॥ ७८॥ ति गारेन (किस्मिय) ज्याच्य क्याक्त (काप क्यादे) नीवि (मीव) अविक्रिक विनिविष्ठ (बक्षत्र करिया) अक्रीक्ति (क अाउ जाला आवड) यात्र तालाने (arm () 20 ([] []) ociay) (एन्स्रेट्रिक में के किया में : (इस्से ने वर्ष स्थीतिक)

many (Elgano ergso कार्कि) जनमान द्वार्ष् अपि (नी मूटक म र ४-थियार (विकासिका अप्राहिता)।।ति।। का ([यह संस्] क्या का का में में में में या का किया है। सहा (अप्रेमें अधिष्ठ अमात्मव वांचा दुर्वादा [कर]) देवस्का काल (हित्य छेवस्कार्यका इरेटम ३) धार्य-(राजा (कृतिक दृष्टि भार्ष्त्र रकात्न)। भी कर्मिक विविधः (21300 ७- द्वा प्रकारित किए) , अवस्था मा के व १० (अवस्थ लामानामाव) बसर् (तिनी भीकिक कि (हरमंत्री (उद्या कारिए कार्वाए) ध्या (छात्रम्) यानुन-सारिय विकारिय (कालक मिनियार के किया हिन्दी । करवारी -- LOSMCH THAN HE MUNICIPARE! (3080) ति विकास] हारी बंभागी (कार्राया) म्यद्याः (१००५) [कारह]) कुलना पामि बुका । (अक्षत्रवण अमन दिन्द्र-टमाडिए) विद्वरमाः देव (कयमधूम स्मवं नामे), विभ: प्रकारमः भवतमः (अवन्त्रावित क्ष्ये कार्य त्र के हमर कार्य ने नाय न स्टू म : (हक्र में न कार्य के न कार्य कार के न कार्य के न का goline (5, 20 miles) 11 7011

NO OU LE BUILTE DONNE) Han (अन्त्रम्) मार्चल (मार्चल) एटमा: (दिलादन) त्येत तहा (स्कारत द्यार्क यम्त क्रिक का अवावति (विति) अकाराबाहर कुक् / अक राववाड करिन्द कर् ।। एक। कु ् (वार्ष) सम (आक्रान) क जामित (यरे) प्रान्म (वरे (242-200) oriente ex (oriente 20 [40]) यात्र मार्थ त्रिकार है १ (विकास अम्म कर X and DI A Table) Car Than Correct on Car व्याहारी म (व्याहारी मार्च , [क्यान]) मानी-युकी-युकार (मानीधू भी व युका र्वेट्ड कर) वर (अप्ताक डिक्स) में आकर्षा (कार्क. िमालकी में उपराय) का मार्ट (का मार्टाह की कर (एएटड) वट (छात्र) सर् खर-त्रवं (outin By (193) 1/001

Language and a softe - अव्यास्त्र अवस्थित Mary Ha Had In Jam क्षित्र क्षेत्र अमेल्य । एवं । स्ट क्षिम कि का कि का कि (कार्नेक) किलायाः सम्बद्ध (म्यानाम नरं मामस्त) अत्युल्यां त्य प्रमः (स्मिल्यं की त्या अध्यक्षं) गृत दिर्मानम (नव्यक द्रकार्म भूषक) न्यार्म (कार्य) म्यर (मक्षामे) कंबर में कर (कार्य असर में रहे x 2 2 2 1 4 2 1 4 2 1 1 9 2 1, वर्र मतः ाम्याम (त्यतः ाम्यामः) इति वर्ष्य (यद्यास भागे कर्निया) क्लिंग्स्टिं भर्न वर्षणात्री त्री (विश्व माक्ष्र प्रमाण क्षिया मिट्य) क्राक्ट अवं आहे -अविक (श्रांत लामन इसेंग क अमेरि) लाम्त (म्हालत कवं चिवर्]) द्वीर हालकार्य नमः (द्वी का किनारेम नयः) रेखि (मरेख वा प्रति) र्र : (अयवातं) व्यक्तिकः लामकाः (मेलव्) न्त्रिक कार्क) मिन्नित्र काल (सम्र क्र) पर कर (21 2 2 E [24] 49]) 119211 (र्याचे क्रिकि) किए) (मुक्क क्षा क्रांट (क्रिक कर्म मामिकार)

WANT: (केरान) मुहिन्कर (मुक्क हिन्क एमा) त्याने-मून ह (किर विनिष्त) देश (किर्व ने करवेंगा) म्भामम् म् धर्म ([म्रेंसन] म्रहत्य) अरेम निकल नमः (क्ट्रीम विकास नमः) रेखि (वरेक्ष) प्रमुव प्र (द्रम सम) on wit (द्रिश्च म्यू में में में में भारी दें (भीर प्रभाभ) तिसिरि (मामन कर)॥१७॥ विश मनः (ममनामं) लयमा के वाब प्राम् : लान (मूमान क्रिकर में भएक ७) भावित्य नमः (त्मूर्भाय नमः) के हि ह हित्रमम् (योका प हेक्कावने पूर्वक) आमाः (वैत्रान) जाकार्व (अमुख्यम) अक्ते (अक्तेवन) अर्थल (अर्थल) न्यतिक कार्य व वक्ष की विकार किया के मा मुख्य केर्ड लियवं के प्र के मिली में असे) अस व्यं (लिये करें) 119811 ण्य क्षवती क्रिय (क्रूबन्नीरक) उपमाडीर (७० मता कर्म) अवादी व लात्म (कर्ताव ल तकाम) exa sé (1964 [Tables] Deingo sais (OIGHT STORME & STORME IN THE MANGE ([के क्] किएम्सीलने क किएमने॥ १०॥

(and my) and (SWIM) MANNIER (ART-रत्दर् कार्डि) विक्रमार्डि (विश्वमार्टर मिन पक प्रमार्था (पक प्रवास मुक्ता) कर्त्या किन्ते हैं न किया हिला (अभी) अर है है कार्य) किए जिन छि(टिश्व किन्छिट्डन तकन रे) ॥ १७॥ विका विभाग्या (हिम्मी विभागा) करियक्ष : (क्रिक-क्षा महकार [मेर]) मिलायम : (यराम-नपत) में भारि। वाभिन : (भिका धार्म भीत्रमाना) रावेश्माक्षेष्ठी: जा: मभी: (त्यत्रे मभी भनी की कु कि देन जिंब का व का मह का बिटन छ। देन दिना कि वियम (विवास्तेम्बक) मृतिकरे : (वधन प्रदेशका) क्मानार (क्मानारक) में मही (डिटाउं मार्ट. र अ अर में कियम मात्र करिया) जर (जीककरक) warfig (बारियम्) म 9911 ी अवीत अमर (अमेर अप्रत) दुश्केष्ट : मिस्मा (श्रीक अमुक्तिम भामाविद्य); अम (erra, नाम्बर्ग) लक्ष्यक्षाप्य (द्रव्यं लक्ष्यक्ष्य-माराह) मत्रकं (मलता सिंह रेग्ट्रीयंते] विं (जारें) ७९ विमा (अक्रमवक्षम्किकीयरें)रेकार्ष्ट्रकरो

(मकात्रकार्य) सरेत: (सरेत र्द्र गार : [कार्य]) Sally De Ary ([oursellains] grading hay) कर्र म अर्थ र अर्थ कार्य कार्य करता (कर है)। १७॥ वर्ते [ब्लास्य] व महार (क्यो नाका) कृष्टिनी व वद अनि (कार्माय दक्ष कार्यमा) क्षित्रवास्थायम् (अर्थ उ र र द्र के के प्रकारक) खिला आव (खिला आव कार) हिलाकने कार (में कुबा क कार्य किया) बन्हा र भिला (अकार काम करार्था) कूम नवा (कूम नवा) मुना (इसकरं) हिला : (देवरमं व) अंदर्शायरता : (देवको न. या (तर) अक्रतवक्षत्र को वाद (धक्रत वक्षत कार्या. 12(017)119011 bo [धरहर] धराक्रिका मा (कूलनका विषयादार) (मार्स) केवर (मडेंब) सत्ती मार्थ परि (स्थारिस ल्यासुना) मत्मवना वे कुड (मके त स्मामिका मार्वेक) मार्वे (अक्टिक्ट) छेबाठ (बामि (सन निर्देश किये) अलेगा-्टिस (संभ्रम शाद्य क्षेत्र हरू है) किए। स्थापन क्षेत्र के किए। सिकि नाएक कि) सब अश्रेत व्यक्ति? (तब अट्र न Man 243) 11 8011

(ane) one (The) are (The source) many (and 2) [[[]] Sazo (armen) 312 2 an 1 1 180 (213 -मूला न विकास) मिमारे (देवादयम कर्ने); आ व्यास ([जना]क् मन्छा ७) ७० (हात्राटक) पूजा (तम्त-मार्क रक) मार्च का जानि (मीमा द्वार का अभू में) b) रिष् (क्षिक) देर (यन्त्राम) अर्थन-राम्य-माखा (ब्राल् जातातात्र किया, मेंप्रयूपता, मेंडपूपता, स्म्रप्पता, Marie of Marie Maries क्रिकामण् (क्राक्तं) अश्मित्र (अश्मित्रं) अश्मित (यर भ्राम), ७९ वाल (व्याम) (व्याह (यर मारे म) में में मट्याम ट्राटा: (मक्षे के मिया के मिया के मिया ८७१ (डेक नव-पर्ने) धर्मन-विकार-वक्ष कार्यने क्री? (विवं के स क्षेत्री व के कर में के विवं गिक्स नि विस्ते] त्याहाट्यी (क ट्रिक लाहाट्याः) कें (वित्रिते) लरको (लास) लाम् सामक) १ (मिल द नदे लिकारक) यानात (श्रीम विक्रम्य) आरामिश (अरते करार्थ) स्टाहार क्लिम में (स्टेंडिस क्लिम माड) दिल (क्रा निवासक) रेक्ट देश (वर्ष क्रा निवास का निवास)

कुळडीडार जिल्लिक करम्) जनमात्री काचैर (अम्बर्गे पृत्न हालिया अवेत्य छेक्या इवेत्य) काकता विद्वा क्षीय विकास वाक वाक वादा) अलग र किया (क्या] किया) कित्यां व्याप्त के किया) किया (क्या] किया) कित्यां व्याप्त के किया) कथाकपादि (मान्य, लकप्तं चादि हाग्र) युक्रो (प्राम्ने सिंही के पूर्व के अधित्य के ती विद्य में साम आस (मनकामनामन्तरिष्ठ अमून्ध्री ररेला) क्रक मट्भाः क्रवन्। १० विकृष्ण, मश्रीयमम क्रि कूममणा अछ) त्रिका (भेकी अकाम भूकिक) मी में (सर्व) प्रार्ड (सार में है। (मार किए) कित् कित् कि) अनुनी ([वक्ष] वानिया -E(MX-)11 6 811 क्षा अभा मरेमा (मरेयम् अरे क्षीक्त्म्) दार्की नार्टी (ईमुकार्थे प पाद्रिक्रीस्मार्व) द्रेमंद (चर्) विभागा (बिमामा) वका मरी (डिडम मरी) मामिल (मामिला) सत्तेसा (त्यक् महा [नक]) मार्ने (नर्) कूसवली (कूसला) विद्विका (विद्विका) ॥ ७ ०॥ में म: लमंड (नर् च्यक्ष) अवैविक: लाज (नर्म (अवी-

दीय ड्रमंत) लयमवेगर (लाभ व सरीव सार) यमप्रीडायर् विखर (मिल्ममप्रीय डाव मान्ने कर्मण) भ्या मा बार् भी मा मा का मी में वित्र प्र में अम्मा (निक्समी) मकाया जान (मळाड) रक: ([व्यास्क] क्रीय कार्युगि); त्याहक: ([अवड लासाराव आअ] (पालप्रद्र) मुख्र ग्रेटिंग (रेस्काम महिल) सून्यानिः १ सून विश्रास्त्रे रामि ररेरकी । ६ ७॥ नि ला (लाक्ष्मिं) के के: (चीर क) तर (च्या वादा तर) ठव (अक्र मार्क्ट्रियाहत) तिवाव्यम् थाले (तिवाव्ये कामिली) में में है में पार्त (में में में में मार कार) व्यक्तः क्रामीर (वर्ड र्रेट्सर , [लार]) माहा कार्य (बीकारी छ) ७० (बीक्काल) छ पू (मू अहुमुसारि-काटर) तिवाद्य ही धार्म (तिवादन करने क करें) अट्रिकालाहर (यम्माद्वीत्याहर)कान्यायम आहु (कार्र आर आर्यानिक देश त्र) 116911 ph त्यह (चर्याल) विद्याः (व्याया द्वतं) स्त्र के रिवर (तिक निक कार्य) अमुकुरांगः (हेव्यूक इरेगा) लियारी कि द्या कुरवना व (अक्षा के व प्रवाय में

नियक्षां: (क्याक्न द्रांता) में का (पकारिका) या पायका (पायका) दिस्का (प्रकट्ट लप्पर्यंग) मित्रम्य (हिम भूमीमिरकात) २० (व्या किए) med समें (हर् समा करिएम [वर्]) अद्रीका कु वकात) उयतात्रमा (ट्याप्रत्यं मात्रमा दम् चला (न म बनाम क्या) क (कामान निक्र) क्या मूर्ना (विश्वायामा क्रा मूर्ना [प्रवाद]) ज्ञायको। लयना (सर्वेशामा चर् केस्पावाद भारकेर) जव्यक्ष (अक्रम वक्षत रहेके) 116 211 भी मा ([लमक्] व्यासमा) सकल अदावित लाक्सो (मक बमाक्त लाक्ष्र्य में विष्क) लाबार मिला (मृत्य आकृता) व्यत्तः । अव त्याडिवात्रा (र्माभूका क्रम्म माम् कार्ये कार्येग) स्रायत (निम्मान कार्) मास्यम् (तिवक्षम् कि) जर् (लीक्किक) अर्गिलेकर (मिन मम्ति रेकिक्मन) (अयम ही- (अयमेरिय मीमरकात) राष्ठि लया पीर (पक्ष वालेगा हिला के) म २०॥

णी मेर (१९५०) मा (११ मेर) कारण (अव्यास) विद्या में (कर्वक) दिक्का अपरेंग्ड (दिक आवर्षेत्रका) विश्वाप करने ते ही (क्यें प्रिटी) हा स्टेंट स्पूर्त (चर् क्यें में में) 15 = al out 2110 (15 and Cela orgignos) co (cornir, [cx2]) with it (with) अरहरी आड्री ।। केडा 处 本面到 (本版日前) 四日日前人日日日 किएएक (एड श्राह!) अद्र (धराध) ड्रमहा म (डाहर निर्दे) प्रामीर (वरे) मन्कार्ज (वप्रय (क यु तरे) अर मुमा (अरमत न मुमा किन्नी) के you merca y tours (your mind) 1 95 11 मुक्तार्वकान-माधानि (म्मन, धार्वकान व मध) ल्की (जिल्लाम कर्मि) भ क्यमनिका (क्यमण) मुला (मृद्धिलान माना) जर (जी स्कार्) जारी: Cologue) remises (como la Games) VENDO () उर्बेक क्षिम्मेर् (पर) | 401

までいる人気がありまりままりますのれ and Marine (Count) Delpine क्षित् (लयाक्र में कार) मा कि हिरास असे में आ ! (21 08 Per Ca god a 27 in) sint on use : (कर दान प किया) अन्तर्मित विल्ह निल्ह मिल 12 ला: (कार त्र) मेलका: (तर्म मक्ता) हिस्ताय-में ही: (प्रक्रिया में मूर्य) अन्य (में स्के) 11 में 811 Manine (13 min) mid is (mid Cia (million (लामेषा) लाष्यराची (हेट्यन अपूरमानका (म्राची) Cay & (mad) con (ag day to gardens (इसेनिया) मा कु मेरी (भटमन) अहिला (हिला) टेन लाह की (सिंक जिन) , धिमंत्रकी (क्ये प्रयो) खारहरूमी (रक्षेत्र) अन्ताम व (रेन्ट्रमा) मादामकी (अमून) (क्षेत्रकार्यका (६ अक्रमका) क्षामती (क्रूटबर्ड ने अखठ: (अख्रुट्टारम) स्विम (स्विम) या व्रेट (तर क्षिमंबत्र में (Elien of y) (and (ania [30]) र्या नामकवी (र्यं हेनामकाविशे) द्राम (माम्बेम) मा (मैमामुला क्रियम्त की

(स्मिन्द्र साटल स्मिन्द्र है।) देनकी (स्मिन्द्र हैं) मिन्द : स्टेंटन भी त्याः हिक्लायम्वतः । हिक्सायस्ति विकिस्त 22 अभीकर) अवर (अर्थार) मार्थ (मार्थ विश्वरण) वाशकाल्याः (व्यास्य प्रियम् सर्वे रहता) विस्तितित (त्यारा व विश्वाद्वारात्व के मुन्ति) दे मात्रा : राष्ट्र (BAN 33 20523 | MOSS) AN (BIR) NY-मिलात (ममामाधिव क्षेत्र) लिह्यः (इस्टिव) 79 [magary pa: (cuy royuy;) enteré éso; ((अस्ते के कि ।) वि (वित्रे) वास्ता अस्ति -लिया व का कंत्र (प्रकार विशे के का प्रकार के का कि का का कि कि का (अरे कारम (कारमन अर्थि) छाड़ (कूल अनारक) हर्माही: (हर्ममा कार्येक लावस कार्येष जनाम किटम् (विश्वादियं कार] देख्य जात या ने कि की के क) लाहू के व (अं का करत्य के कारत) हिरमम् (द्वारात्य लाडिमेरम लाममं ड्रंप्य)॥१९।) [तिक्ष्येया ता: (व्राप्टाचा) वरामाव्यमध्ये है

(द्रायां कामत्य दीका हर्या) खंकरप् (गुल्कि रकार) आवर्षाताः (आवर्षात्रका धवत्र सुर्वक) स्व (क्षेत्राक) क्षणाई सार्व (क्षण मधीन अदि स्व (क्षेत्राक) क्षणाई सार्व (क्षण मधीन अदि MTIN 2 MT 7 1 200 11 M) [विद्याप्य] यः (मुर्कक्ष) मार्गि मार्ट शक्ष्माकीर काट् (एक्समम्मा (म एम ममीन हिल) देममं (अक्समन ररेकाहित्यन) आ आ (अरे प्रकम मभी) असमहारी (असामात दुरोका अनुमा) लम्मा (आक्रक कर्नेक) लाम (लाई के वा पाट कार्यमा ३) लासुमारामी : लाम मार्थिक राह्मकला के मिल्मिला) के वास् में का (मकीमारोव मादाला), विश्व : द्वा वा (हम मा रत्न मूर्वत) अमामिका अपूर (अमाम्दर मधर्मा 文之(州不)1170711 20) का वाल (कार मनी) मकाकृतिन गांव (तिन्त्रक् मार्च वित्रमें खकाल) अवा (लाग (काम मभी) मारिक- ज्लार (पाटमानपूर्क ज्लान) प्रमा (लाम कात मार्थ) लागार विमान (व्रियम मार्ग)

लया मन्द्र मालम [वन्ते]) लाजना (काम मन्त्र) सर्वाप्त व्यापव: (दुव्याम वस पात्रक्रीप क्षित्र) लिया (अयाग्रंत कार्येय)॥205॥ विक्रात] यः (चिक्क) साम्य - द्याप- (इयर (मेर् राम) कार्य व (रम्भीमाञ्च विक्) मन्मे में-है साक्ष्मक्षाक (अमस वैद्रि कर्ष्य हर् P. क. म - म मेरिया हित) में हा मार् में मंद (व्राज्यात के मंत्री बीका (मन्य कर्षमा) भी भिवार में मही काव मनाहः (यर्मला ता मन्धार दर्मनी र्यार्]) हिन्द (विहिन)॥ २०७॥ १९८ र्विषठ: (लिक्षाता रेविषठ:) लेखानी (समानेय-र्जिक) शर् शंकार (आरंग्रास (क) मैं गर्क ला सारी (रें स्पेंध लाक्षतं श्रेता.) पांड्ठ: त्रिंग्यार ([द्रामन] हर्वाद् का अवार्मेश) वामार (त्मे मनी-मार्ने) भूनिककमम्क्रिकारे: (डेक्ट्रम ७ ठक्रम र्मिक्स मिकारीयर) विष्रवा: (विष्याव्य र्म्या) क्षामतित्ये (वीक्तक में मिर्दान यह) मित्र : (Ando 22 11 >084

20 हिं यो ए रेम लाये आर (अस्मे का चा बादा से अ) जिंत (Lynning) minin) (me eleni) ornis (यथीमार्य) कर्म सामि में मार्थ कार्य (में सक्ता केराखें व्यक्त रत्न) मधीका (जनमात्र) द्वक मः मर्मितः (कक्षत्र स्थावं भग्न क्षिके) वस (व्युक्ताता) जिलासना (सर्व आधार क्षेत्रम) देलस्ट्रिंदिम वः wrall (मिकति अरेल हेमाण इरे अरिस्म)॥ 2004 क्षेत्र [जिल्लामा] मः (लीकृक) यासार (लीवायात) डेल्ला (मड्योत मूर्यक) सरभा (भरभा) डेर्बा छिट्ट: (मभी-अल्बे प्रकटि अम्पन के के क र्यू (न) कर्ण (न्युवादा-कर्षक) कमा (कार्य डाय) भूक्षावि : (भूकार भारा) प्रकेश: (अस्प्रेंबास रहता) हरे: (मरेदात) िर्म-टिस्ट्रिक किस लक्त्राय कार्नुता) कैस-स्प-टिस्ट्रिक) सेंब: (असेटिस) हिंग देव विक्रेय प्रायस (के मणान में मिक । मिक) मार् में मर मुक्तर (अम मृष्टि निल्म कार्वत्तर)॥ २०७॥ भी जी किएम अपमानिक मर्न अन्य प्रवाभी (गारा चाकुक्य) (म (बर्ब आरम्माम्बर त्यावं यंस्त नीयम के न आमारिष्ट्र त्यवात क्य काल खकाले

इंड्र माट्ड क्रिक्स अवस्थाम सामकिए। हिल्ह (अवस्थिति Large English a Lann Mun Can De Est Maria Bath डिल एक क किया एक), की की व अ किए एए (बी किट की व (भारा की के अंग के के या या व हे हु व इत्याह [अवर]) व्यावमा मा हार्ववर्ष (अपी मार् इसे या हु आया हुन प्रचित्र का लार्स कार्स कुल्ले मार्थे वं देश हर्य माह) प्लाइम मुमार्थि काता (अलावन मीमाम्बीमामक टमरे हिलान वास्त्रक) प्रमाश्चिम नाश्चा (प्रकारियोगीय मिना प्रक) ध्रम् (ये) नवम: मर्ने: (नवम मर्ने) मनाश्चिष्णमम् ((man & 2 x -) 11 9 11 निक्न किराधिक किराधिक निकार किराधिक स्थापिक स्थापिक स्थाप RAISK MEDLESERBERESE SYLKEDI

मुलाम मार्ग ।

लम क्षि (के कि) द्राम् कला (ब्रीके कि के लाखियां प्रिक्त काल्ला) रंग्य में (रंग्या) यास्त्रियम् स्याक्तां (सक्तव कत्रियां क सर्यम् विमार (विमार्क) विभीय हरूरेन (विभाग रिक गाम लग्ने) डेक्री लले (लाहे (जा वे एक प्रकार मार्गा) सर्द विस्त्रेर वृद (स्ति विस्त्रेर भार) जम आर (ज्लात वानी का नित्र)॥ >॥ निजमार्डः काम (विषि] मनमारि); यर (त्मरहरू) (((कामन) तीयम (वीयाकावा) कास्त्राम : (कारमन विमाल अति मा (६); उत्पाद (आवं (अवे (२०) क्ष्रिके: जाल (यटक व के मिन बरेल); त्यव मुक्ति मेतारल (किय क् छात् विमाल प्रदेख) देय (यम् ल) कत्मार्क : क्रार (मन्ना व हर्ने स त्र मह व अव हे दि (रिक्टिक) का कि (सवन) का में दिए जिल (बाल के में का मकन) . अन्यस्वया (८२ अन्यस्वयमा) व १ (व्ये) म्बाय के र्र (मर्क लिंग) विदेश है (अर केर कर्न) 11214 ा जिल्क नामित्र किंग् (देग!) अर्थ अर्थ से बेलमा (प्रकलान मक्ष्म प्राचित्र अन्नाम कार्य किर्दे) मिन मृ वि : 6 (मिन प्रिके क्रिके प्रके में मुर्व किया)

आकः जालं (काहीतत्त्रेय) भाव किन (जामारकन्) सट्य क्यू क्रायमार्ड (सट्याय यत्मा); ७९(CH) (र के) का वाइ (ans) (प्रकार) अर अन्त्री ? अन् (त्व-टअयमीन अन्) तकार्य अस्परी भारत (श्रीप कर्म अस्मिन क्षा) क्र वर्ष प्रमाण (श्रीपर्मान) कत्नामे (व्याहनी कान्दाह)।। ७।। 8) किड (किड) धरमम (जिल जिल् । अंग्रें मंड भारक) श्व वर्ग व में न में ९ (भिक्ष-वाच एवर म अमेर) म उ ९ (मात कांन्यार्टन , [अन्दी]) प्रदर् (प्लार्थ [प्राधनक 1 अयह भारक) भू मां भू में दू व्याभिता भं ए (पाकि ने व्यक्त इरेट धार्म करिया अक्य अनेरे) प्रामि (पान रावित) , धर्म्ला (प्रिट्ट) हे त्यावला - विदेश-दम्म र्गण छ : (रमभ्देन्न । विद्यान । विद्यान अ वमान अ-(20) NA (MANA) 30: OLD (MA 55/100) विभूता कीर्जः (विभूत कीर्जि) नाम प्री डि? (David My (2))11 311 (दव: (लप्रेड [1813]) मिम्पार करी सामार (14 किं (अवसात विश्वास्ति।) खिने (खिने क्षां) (अवसात विश्वास्ति।) अवसायमें व्यक्ष

manual (macm) general (was propriet)-कर्ं करवाराशः (त्यार यम्मान देगाराम कर्त्रमा) ध्यद (बितियत्ने।। हा ति टणाड़। (एट टणाड़ं) गाडु गाडु (यम 'गम)! हर (वास) १ जाय- (अ अवंभी (!आ अ में के हते वाम्प्र हती -1 27 6 0) CM (avena) 3 26 (33) majas (अर्थनं) धरत्री लाक्तं कर्ने हैं। (श्रिक) द्राष्ट धानमन निरं सम कार्या वार्ष वार्ष कार्यः (ल्या सम्बद्ध वे के क उन्ने के का अमामार (क्रिसमंद्राम-लीका) खार (आंधारा का डिकार महानं विसर्वर हार्या (कार्यस्मात्र)॥ ए॥ ठी मा इंगर ([विक्रिया न्या वा वा) मामा व - कि मंत्र व (सर्याम अ (कार त्यं मार्क) अमर मार् (मम्मद मार्व) हर्मने ही (हर्ममा कार्नेट कार्नेट) उमार (एन मार प्रमुख्य अर्थ मार्थ अर्थ मार्थ अर्थ । उमार (एन मार प्रमुख्य मार्थ अर्थ मार्थ के का कि । क्रिक) (द्रायां असार्य) त्यम् वर्षा अस्ति। र्रेम ध्वक्त कर्व (तन)।। १।। नि [लयहरं] या (लीवादा) क्र्याहिक के लये अठठ:

(क्रिकाटड असामल क्षिटी) मैं अधानिसम प्रमेश (व्यान में मा एपड़ात समें में) त्यानुर्ध भी (त्यां माप्त) सके वित्र शिवाः (ग्रिक्ट च मिहिता र्मा) हर लार् (जिमार्स) ठाक्निक्ष पृथि छने : प्रमाता (ठाक्न उ क्रिय ट्रांच में कि ले ने निक्से कुछ के के निके मार्क कर कर कर कर के (स्मा (अंगर्द कुन्दीय उद्गा) मान्यात (खिनकराक) अश्वा (आतिकांत्र कार्ने स्तित्र)॥ । । । [18] कार्ने (अर्थित) अभी मार्च । अविकाल सक्का (अभी मार्च न लास्य के क्षित्र के के क्षेत्र के के का के लाख (एक्षा इत्तरी- में सुर में के कार्य के का के लाखे का स्टिक्ट कार्टित) किय (मीक क कर्क) इसका (आभारकाद) कार्ट्र मंत्रीका (कार्ट्र में कार्यामें का उर्देगा) लितात (त्यान यास्त) । भूव के का या देव (। भूव) विभू एवं मार्) वार्ष (त्या व्यक्ते गाहित्य) ॥ वे! कि मा ([विकाट्य] विषि) मार्क (सम्म) सममास्ट्रः (अम्। पक्षा अस्ति का प्रमाट्स) त्रवाह: (प्रवणम् वर्षक) आरिश्वे बाङ्ग्रामीरिअश (बाक), द्यतः ७ व्याचि लाविकात्य) अति मा (मिला)

Volley mai) Emerioné (tyenty) x mir ouze (त्रेस दुर्वारेश श्रेकार हित्य)॥ >011 77 तम् (मुंग्रेस माया) यन्यम मेटि- प्रमा- वर्ष मार्क्स प्रमार (ययन से वि 'त्रा क्ष्य मार्क व द्र यूभि रकार) अवकारिक विश्वित (राम अ त्या प्रमुक) । भी के ए गामिक वाका हे का ने के बिल के बिल) त्रिमं अर्ट मार्डक्ष्य) टिमार्ट में हु (टिमार्ट में क्ष्म) (टिमार्ट में क्ष्म) क्षेत्र अर्थ क्ष्में क्ष्में (छिन क्ष्में क्षेत्र क्ष्में क्ष्में क्षेत्र क्ष्में क्ष्में क्षेत्र क्ष्में क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष्में क्षेत्र क्ष (१ का का का मार्थ मार्थ का निक्षेत्र का का का निक्षे लेमार (लाटमार) विष्टु (प्रशिक्ष) लावरेट (श्रिक्षाव कार्बकाहित्यत)॥ >>॥ शिया बेन्स विर्ज्ञातम्) वटमः (आवादार्कक्व) म् द्रामिन्त्रणः (भूम् द धार्मिन्तर रूष्) त्रृष्टाः (अविलयं महन्ते) कक्ष्णादेमस्तानि हिणः (क्रम्यादि-मक्षा गुरुष [क्रिक]) मूद्र हेर्म् मुम्भी: (राधावभू नुवद्या) अभी: (भनीमर्गातक) अधीक) (मन्त्र कार्नेम) प्रक कि (प्रकेश त्या) गामीमानी (राक्षी प्रजी कि) वद् ि मा (यहे क्य विचाहित्यत-)11 >211

To parment ([(x x1.21;] \$ 21 organia orace (1)) उतिमा (क्षाकिक) कामा (क्षामिराकर) हिनंद (पुरुष्याय मायत) पार्धिताण्या (दिर हार् लामिनं म महिंग दर्गिर्टर ! [लगह]) समीछाड़: (यभीमर) वरमकाठिमका व्यक्त (व्यक्त व्यक्तमका पत म शर्वमात) प्रव्या कामी (मंस लरेहन क वि (०(२२))11 3611 कामेर लर्टिं (विकेटक में लए म्ट्र) एम्ट्रिक का (द्राम मन्यन के दिनका इस) दिस (जियान] पर्मिन दिनिएता) अवन-नामभा (अवन-या अभाव दुरं इतं [लाया]) लाग अली (व्यान मान्यात देन ता) त्यत्वाता व विकास वासीत्र (पर्व क्षेत्रमा उत्) वि (विक्रिय) लामार् (परं चलानं गामते) विक्तिर (लारत्र) प्रिक्षे (बहुर लह्ने) ॥ > 8 ॥ कि [लडिंड] यामीसँभी (यमी मँभी) केर र प्रायदी व (वत्यवी) जार सेवुका विक्रिक अयम (बार्स स्त्र में क्रिया के दिन का टिल मार्ग मानी व ति तमा (या मारित ति क धरः मर्म अक्षात्र जीकृष्ण मू भूमिकाम परितरे

एडे के के मार्ड के अनुमें) ट्यामा के मार्ड (का प्याप्त के -इत्या) त्र यह बाद (त्य में महा आए के) वर वर टिहिंड किन (जारून आहन ने प्रमूक) हिन्द म अडर् (हिक्टिकालमा मन् रमंत्रा)॥ रह।।) मका: ([लाव] नड् मधीया) ब्राय के मैर वि ह्या: (अर्क हट अन्) इस गरियी - राम्र मारकः (इसापिती नाकिय माध्रेक जिस्म था: (मार्कार्क है वा जिसम क्षेत्र अी ना से करमा : (अ ना सा न) किल सम - प्रस्त भू स्था पि -ज्यारः (भिन्न म्या अ भूष्मादिन ज्या [यर]) खळ्यामः (काळाळ्या वासमा) अम्बार (जलक्षा जी बाबी) कृषानी जा कृष्यमि हिर्ण : (जी कृरक न नी ना मृख- व टमने प्रिका गर् हे न प्रकार है (कार्ड कि हादा हे लाम मूक्ता इरे ला , जिन्द्रा लेखिते) का एक्समाः 18 3 19 S S S TENATO (IT COM S CONTES वार सक्ता कर मा अपनि कार कर (अव अपेपार) कारवालामा: मार्ड (डेल्लेमिजा इत्र), ७९ (जरा) हिज्द म (विश्विम स्ट्र)॥ उउग भूभ: ([अर्गामक वारम व महामामका] अन्ट्रम्भन) हिम्बिध्वी ; रेब (ट्रम्भ हिम्मक ग्रीव

[वंत (व्यावप् करवंत्रपा ' कियंबत]) वादारक (मा : हात: (बीवाची ७ बीक् किंव दाव म (अम) विद् : (अवनामी) monnied: (Mannin [Age]) A Dam: my (अक्षान अर्थे क र्यु गां ३) मा: मेर अदि (तत लाक्षांग-मारेन मार्टिश्वेष्ठ क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क (व्रा) नक: व्राष्ट्र: (कार व्यक्ति वाकि) आमार (वर्माल) अभीत्र (अभीलाने) अपन त ना गिरी (अमेरियम करवंत्रमा) है ३१४ क्षेत्र (नीक्षा) काक्रम नी (भ्रीमा), क्षे पू (कार, नीरक) मूत्र-कामन्द्रः (अमूत्र कमात्र o क शाम); धरएम: (यरे हे स्टाम्य) मन्य मन्त्री: (अग्रंध-(ल्लाडा) कर् (ल्लाम्) प्रक्रिक मर् (प्रक्रिका) टमक् (काकिक) न दि मुभग्ति (मूमी म न्ति १) ।। अ। है। विकास अम्मित्र (विकास अम्मिक हिला) धाराव् (अरे मनीमारेष) धरा वर मूट्स (जार्क क्षेत्र में असलामाराष्ट्र) वारे जात् (वर्ष नेवा मिर्माष्ट्र) कालामः म ह (कालाम्याम मार्य) में क्यार (लावं नर् में मी अपने) मारो हि

(अमोलाय व (माउठ) साडमा (क्रिक्न कार्याकर) में आगे (में मध्ये प्रमें) ' लाव: (वर्षावर) वर्ष मअंद्रि (मीर्किक भम्मासि) वर दिमीयान (असी तार क्यानिक ड्रेंगा कर्षक)। २०।। किय (लक्षेत्र) मा सिहा (त्याचार) द्राम्तिक परंग्र-दि वार्षेत वक्षः म्या व वा आमि (क्षा म कार्य कार्य धर्ष करित्य), वार्माम्य विम्रण् रेव धारवंडी (राम्प्राटावमाठ अममाठित गाम अकाम भूर्यक) मानिष्ण द प्रमा ही (मानिष्ण कर प्रमा कि निक्ष) धियमी (असम कार्मिश हिला -) ॥२०॥) व्रित्ने कलिति लामेख! (दि क्षे क्रमिन नामेख!) वर (जार्म) म-क्मूछि-रार्द्या (क्यानेस मृथी के के ब व ला मिन ही (क्ल मणा न महिं। मिनिया उर्न में) मार्थ (लास्पाक) दूर (नामेंग्य) लासाम (क्लीमा) ट्रांच एनंडा (मृत्विमाक् प्रामा) मर्वकू म- उद उटि (अठ है हास्पूर्क इटि) प्रमार (मसम्पूर्मिक) अन्तर्के जिस्स (अये दिस्सीम देवेंग) यमके (यर में के मार्सी) मार्र में ने के किया ने के के मार्ग में (hota maco =)11 2 >11

) [[विषि] कमसं (कमसं ड्रांग 3) मेर्येश लमभ (येर न्यात्रवंत) लामांश्वा मन (लाम्यां पर्व (म) म् भी अष्: (भू पाय लाड कार्येग्रह), उर हिन्दे (OLYL OLMEN YCY); Nd (CACTO) SIG (COLINGIE दिल्यं) अपूर्माः (अप में मुन्दिन क्रमेर क्रमेर क्रमेर व धून छार्के) भारत्व त्र कामी विभिन्न कामेर अवं अवं विरियम मिर्मिर्टि)॥ ररा १० [ज्यत] जूकी मानिक (मंद्रके हिला नानिका) क़की रेक (कार्य क्षीन मार्ग डाक अपनित शूर्यक) अम्मा (जीक्षिय भारेंड) डेमारामीठ-मर्- जर्मार (मृद्रामा-मर् उर्क्तम्भरकार्व) अव्याप्त् का वाद (-यर मृत्य वाका क्ष टियं म करने कार्य त्या र प्रवीय व स्वरं प्रत! (त्र भी नकावितामक!) है से हुमाछ! (है से वास!) व्या (ज्रामें) रेपर् (रेका) किर्न विश्व (क्केंसभ my aris) or + 2 / (2 3 2 x in 5 6) 115011 १८ विक्क वित्यत्र नी निष्णं (निष्णः) या (पिनि) वनाएं (वनमूर्वम) यात्नेत (निक्किंशमा) धर्मः (कामार क्यां) महत्त्वकी (वक्षेत्र कार्यमा) कार्यमार क्रिय (व्याना मार्ट्स क्रिये क्रिये) अम्मी

(थिक अभ्यातक) में हर (शिक्स अप के दिया (क्रिय) खिं कर दे का) का (कि अप्ताक लाय ही अप्तार के) 11 58 11 (प्राप्त श्राप्ता में क्षेत्रमा (क्षिमान ! काम्प्रहार्डी प्रेम त्वा ।) मृत्र (वर्ष) स्पर्य तार (स्प्रम्य) (ता) सार (सर्व) में ने (दुर में में हर के में हर का मार्थ : (मुखारी-(Carthan) De (Continue) Cargo (Cargo 213 (0 (5) " 10 d (321) 1 0 2 (Ny 0 5 5 11 2 [अन्ह]) हर यर (द्वार त्य) र दिः (तिस्त्रिक्त्रम्य -राया) जां (अत्राक) त्यकार (त्यक्त करमेल्डर), ७९ (जारा) मुक्क मं (अमेड मर्द क्यां) र नाम (नगते) नुभः (नुभक्त) त्यसे प्र (त्यसे नत्न), ज्याम् ता (र्भ) जलमे ने (जलाक खरेन कर्ना) 112011 M (बार्क पान्तमी समा लाम (om ह 3) लाट्न (रेप्रात्म) क्यां मा कार्यात कार्यात (कार्यात) on in one (\$123) and such & all [ext.] कवियात्त्रके) दे का जाते : १ निक्न बामित्रके रेपाए लामन कार्व कि ररेस वे [क्षेत्रक रामितन] समा (ल्यास) जटड (इम्बिलम्ड जम्बान मान कर् muca) में : (में यान) क्राया (अरप अर्वा) र नकाली (ससम् मार्चे)। 2011

प्रिक्त कार्यक्रमें प्रिक्तिका कार्यक्रमें , मार्ज ((हे हेव ;) केंबा (केंब सत्या) " नेंबा (विकास कार)" (अब्दानुका (आकृतिका) इंद आमुका (उद्गानुका) विमेश्व (दुरेशक्-अउकार्व कुर्वाच कार्बाकार क्लिक्का) मना दिलकार (भूम मन्माक मात्र) जित्र (च दे क्या बाद्याक [] suc (sylin) and (2 mys) mo sice (अववादम) विमुख (जाम कड़); जारीमक!(द्य शास्त्री) , कर्म बंद: प्रकार (वित] । यस मधी महराम क्रिकाट: लास (कामेल) आमकामा: (आमकाक) अं वं: (अभारत) द्वा कर (त्या व्यक्तात) स्मार्क ं (अपन करने ति) कार्यः (असम् रम्मा); ७९ (सर्हि) असूर (रेट्राक) छात्र (छात्र कर्) वरहर (अयम मा द्रांस) हारी-आरें। सिट्टाम में ([कामन] महम काममं) प्रिम्मक्षिक क्षामा क्षित्रामा के अविक) क्षेत्र के कि (यी-यानका) र्या (परंत्र का) व्यान महाभड़

(शामल वाप्टि) केसा (क्यामल व्य) मिर्माट (प्रवं) or canisolió (oranis sos ous R ani ca). मः कार्म (क्षेत्रिक क) काममा किः (काममा क्षित्र कि कामम. द्वा साक्ष में देश: बार्ड: (काल , व्यक्त व त्वासाक वह वि लाय अमें कि वं दम में कि । विदस : लात्मते कि में प इक्ष भाउँ (सन) गरका ा वास्त्र (जीक्ष) काउम्मं - अमं क - म्राम (काउम् वामं -अर्भ भीका प्राप्त) विस्मारित (विस्मारित रहेटन) कर्यः (कामन अभागन) हलां (र्मे) भाग्राम -10 का (अम्बर्ड दिन) द्वाव : (द्वाव प्रम्माटम) 2 रेटि धरमा (धरेनन क्रियं कर्म कर्म । अर (मार्थिश क्रिक्ट) कामाठकबंड (क्रामाठ इस र्रेड्युर्ट क्ष्मार्ग (सेड्यु काक हुन स्थिति) माश्रीट-इंड्रिट) मेर्डियुर्ट में जाता काम हुन (मार्गिट कार्ग) (अञ्च) विभायिकाय वक्षा १ (जर्मेक जिल्हाम ्भवकात ११८०) तिलेग (निसंका 22(47)11 6011

mark ([Togista] Enjarge) yayer (12 2221 रहता) अलिहाकार्यम (मुन् बसाक्य हाकं) मारेतर (लाक्त्र के अडकार्ड) से बंसु (संबस्ति अंद्राक्ष अंद्राक्ष (ट्यालय कार्बाट क्यो हा देवार) लाग हिमाम (xy)- (Emon) exis: (Eldrara) Lies: (whin) ours) (oursing) के किए (स्मिक किंदिक अप्राद्ध) प्रदेशालाई के कुछ (अक्षीरणक का के में अर्थ (प्रम्) मा ०० ।। क्षित्र प्राप्ति । वर्षे करण (ए केंक का का का का का में (2 10) x = 1.6 2 1.8: over (course 22 इरे मंगर); ८० (है। हा) गर (म्प्रांक) सम्मेर एं (रमक्षक) भेडीका (क्ष्यं क्ष्यं मार) रहाड (रेक्न) हलायमी म र्डिइ (हलायमी नर्यमः [अंकि]) असी (मुएम) " अंक्या द्या हार्या. ([siz] affunt eldan,: [and]) or ou: (इंडाव) लामा: लाम १ (मण्णाप ३) वार्ये भी: (श्रायां के अभी वार्यका मिले) 11 0511



গ্রেমের আনন্দ থাকে

एधु अहाकन ।

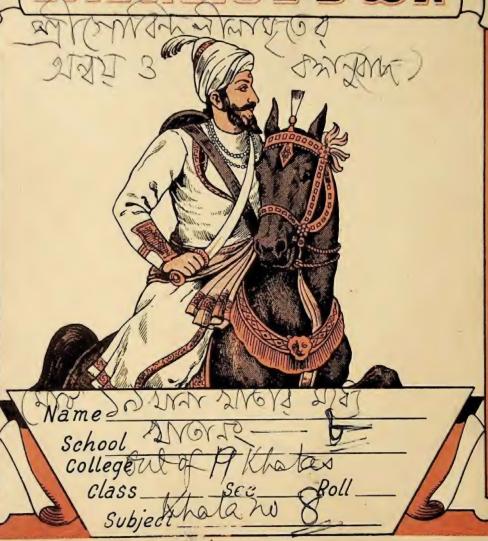
প্রেমের বেদনা পাকে সমস্ত জীবন দ

ROUTINE

Days	les. Hour	and. Hour	3rd. Hour	deh. Hour	5th. Hour	6th. Hour	7th. Hour
Monday							
Treoday							
Wednesday							
Thursday							
Priday							-
Batarday							

লাজুক ছায়া বনের তলে ।
আলোরে ভাল বাসে।
পাতা সে কথা ফুলেরে কলে,
ফুল তা শুনে হাসে।।
রবাজনাথ ।

Skivaji 8 EXERCISE BOK



ENENT MUSING Mary Andreway of the said 809 (00) (तारा: (3) अस्य) प्रिया (129) शास्त्राम्य) कार्रहीस्य (outhoughte more (odial estate); asi proforas जर पायलमा (लय का का (लय का का) दे में दे कि का ([कान] नेपर्किका); र्योद्ध रेप्रिका (क्षिका); इंगर (इस अहिया (हिया); इंगर शिव श्री (यक् केरिइकी) 11 0011 भी लगा: श्रु वा (लांच क्व खराच र वा) (स (लगाह) पत्यः विषय कार्य हे ही मा ह तका इस्टिमा लाहु (नर् ता वक र्या त्या में या व्याच (छित्र व) हरं-त्यस्तामा (त्यमां वर्ष्यं लत्ममाः व्यवं ' कार विश्वित्यक्त साम द्वाम वार्म वार्म हास्त्र त्र क्यारक याम करन्या]); वर (अर्डिक) हैं (जारे) हलावती वले (हलावती म निकर्ष पारे) 110811 ि जीक्क वार्यात्मने विलाम! (कि विलाम!) अव-में मार वर (वेति मक्य-में भीरता मुस्स वाम्ने) ना में बी ०र : यहा (प्रध्ये । स्वर्माष्ट्र : [लाव]) र्याय बाद्य त्रम् स्वित्र क्षेत्र (त्रिक) र् क्षित्र मेल्)॥ ०७॥ (याको के ल हाका प्रकार का प्राण्ट के कि)॥ ०७॥ भी प्रमास्य (ए क्यारम।) वेमायाम विकास-प्रिक्ष: लिले

([ममेह]स्पे प्रत्यक बरमं लामरा लाह्यामी Exil Desergent (Marie (a garan) मून जर् (भून जर् (टम्रे) ह आव मी (ह आव मी त) विश्राम (जाम कार्यमा) सूर्य लाइ (सूर्य मेर्ड) जास्त्रीमाइ विग् (भूगेमल अभाष्टक, अर्थाहार्वी व्यवस्त्रान्त्री. (1) his is in (5 " [min]) x: (Chy is x) (min) x in (2) (min) x (क्ल क्रिक्निकः) अम्बिल् रेम् त्रम् काम (अम्बर् रेम्प्राक) कियुकारि (अर्र कार्ट रेक्टा कर्मिक्की ग ७ व ग की नाम : (मिक्क) रेडि (नर्कम) आतमन (वामिक वामिरक) रेक् त्र आहर (रेक् तमारक) व्यानिकेषु ((कानिकेन किन्ना में किन्न) हर्यानिके (जाराम निकटि) अलाम (लम्म कड़िल्म); मा कान (कान, रे मूटन मा) ७० (देंग्याक) कार्डिक मुद्री (मिक्टी ट्यामिया) ह किला व्यवपारी (हिक्कान र्रमा र्षं श्राममा मार्र धार्र) एक नर काः

(स्टम्नियम्बर्स) भिन्ने में क्षेत्र (मेर्ड मार्ग नकान अर्थित) लार (अण्यम्)॥ १०॥ Dy Es & g. sicui ((2 & g. sicui) manos (2 à उत) र में प्याम्या (में प्राम्या) क (कारान) त्यामार र (ट्याला राष्ट्र); भूर्र १ हामा करी (सकरीक नाय छी हिलावतीनं प्रकार,)माडि (समय कनं) वं (लमवा) स्तित् (मणकार) एकाः है क्षेत्र (योम प्र (त्या 本立)11 のか11 8) [HARTA] COX (A) FA) WXINO (WINDS (अमल्या मिकते आमिया) मूत्रीका मामका (मामकारक क्ष्यंते काब्रि, विति) धत्रवी १ (वानित्ते) रिविमा आ-Cerus masi (your ceru marjey) लयं यंत्र कि म पत्रेत (क्षिमं मक्ष लयं वेत्रिक भार करा अस्त्र अव अस्त्र) 118011 mm @ लग (लक्षेत्र [हिन्ह]) में का प्रमाया (हिमा मार्थ आभ कर्षि कि । काम मात) वर् (द्रांशिक) व्यवी (वाम्या विवा (क्रिप्र) वार्षाणालामा (याद्यास (लाप कथारे) विभाग है का लय (विभागास COLULAIT 54 mile); 8 3; ((2 8 13 1) 26

(more [nage dig]) Danaellanis (nousen queeruchus) on sid (consuce) 12 xin (chu क्षितं) मैं : क्षिं जासी अंत्रकार [लासक प्रकत] 85 क्या का क् ([लाइ व क्षित्र] क्या के कर् क्रिकी (अम्भ) क्रान करित , जिति) क्रेके (स्वाध-मम्बद्ध) ७० (द्रम्याक) हिन्दे (असम्बद्ध) अविष (वानित्म में देशे (दि देखे!) हिवा खाम १ विम (हिनाटक ट्लाम म कर्विण) उव (ट्लाम्म मार्क) क्षामार्थे काम्यः (क्षिणे भक्ष्यं चाद काम्सप्) (C 两 本 五) (C 两 本 五) (18 E 11 80 अग्रमा विर्मुण हिया ([WE: अम हिति] प्रमा हिवास कामने कार्तन महिने) ७९ (७१२१८४) जार (वामित्र) किम्पिटे! (दि मम्परे!) अरेमारे (पूर्व २७): मराम्यं (क्रिमिप्नं) का बार्ये कत्वः (कामः (वायका कार्य त्याम क्रम : निर्मि वार्यमार) दिवस्त्र र हि (देशक क्रम-सक्त्र र प्रां)।। 8011 இ कूमेरिया अनुसी (कूमेरिया वामित्न) किट्या (दि हिता) काट्या: (कार्क) व्या कार्यक्राः न

(AFCE CHEEN DIOPER MG NG; [CNCS]) के हिर (कात्र कात्र मिया) क्रामूर्व (क्राम्पूर्व) भावकारिक) लाक्स : (लाक्स प्रमुख इम्] । 88 ॥ भावकार्य भारत्यक अभिमित्र] इक्स विकार कार्य (काक्स (काक्स कार्य का लाक्स व 80 भा काम कार (हिना बामित्र कि कू गांबिएड) (८ व्यानिता) विद्(विति) वियानामः (विया-माम); ००: (मर्कि) अमम (यर मान) 18 The (18 The) outresting & (outry) कार्टि र विषित्र) लाउ (मन्त्रे) ली हिला उविभामि (भीडा वार्य कारे (क्) 118011 क्रावितम अपूर्ण कार ([क्रमुन विनि] क्रिकेशकारक वर् (वास) लाटम अहरेर (क्रमह अहरेटाक्रम) लू माना भिर् (लू माना भि) के प्राविकार (क्रं -दिवीत्क) रिश्वा (जास कविया) भार (जा आतक) कि मिन्नामी किने कार्य में में कर में मार् किन में)॥ 8011 8 In one shop ([Segma] incryca som करित्त , जिनि) वर् (क्रीक्क त्क मिन्न मिनिता) (प याद्याः) हैं (विति) क्या या प्रताम के

(which is (en ser & [nit 10]) of y E of 10 (of y -रेक्रा) विश्वान्त (श्रित्रकाल) कल बच्चा (कलक-40154) Jugary (arany 24) 118411 प्राचित्र ही सिर्वेश त्याल लग्ड (स्थित कार्ने द्र भी क्षेत्र हैं। माभारत में देश (ट्र रेव!) मठ: (ट्रायं) एव (कास्मरं) मार्ट: (भार्ट) के विस्ता (क्रिक्टेंड-क्रांस मिरिया आरक (किंद्र) विश्वत (भवत) के हि-नामका (कृष्ट नाम) रेमा (नरे) भूषिनी यादि (प्राची व निकटे अस्त कर्य) 118611 क्षि) ७० (अक्षिक) अल्ड (वार्यात र्रिक्र्यू (दि सर्म् मूप्ता!) अमू त्राप रेम् काक्रावती (अमूता चर् मक्रम्मा) ((त्यामान) अन्तर् म्यू मान (अकर काकातमा) अवाधिकार् (अने कार्वाक कर ने (अकर कार्याकार) अवाधिकार्य केर्कित नहारक कर ने कार्वान क्रिक्टिक व्यवप्त (बामायत क्रिक हत्याव! (क क्क क (काम ! [ज्राम]) अन (अक्रात) किं लासकः (लाभुमार प्रयं विषये]) अवकाष्ट्रित्र

(अक्षार क्यांच स्तार कर्षेत्र हत्त्वरम ब्राम्स्ते अभित्रित अक्षिते क्यांचे स्तार क्रिक्ट में भी क्षित्र में भी के (NHX 44) 11 CO 11 () अमूता (क्षेत्रक) अताकवर् म्त्रीका भा काम (अताकव-लात की नारी कि भारत कार्त कार्त किन्ति) विम्मी (विम्भा अम्मिन मूर्वक) क ह ह विष्टु (हुम् (राष्ट्र) ए ः (बीर्क्क क) अलाद (बानितन मिले (ट्रमणे!)अना-ल्यामं वरे (अबस्य क्या करे) र एवं (मर्ट) हर्षिका (हम्दान देका रम् जात) मिला खिमार् (मिलान जिमा) अर वर्गिकार (त्रि वर्भीक) हुन्न (हुम्र कर्ने)॥ एडा। (१) म: (अक्क) हिनाए (दी प्रेकातन अन) उपामना (अक्षितं काकारम्भातं) जार् भूमनीर (सर्व बन्नीरि) अकवार अम्डालार (जिल-28 दरेख क्रमाक रम्माह) क्रममार्ग (स्थानमा) में मका दृष्टि ((कामान रंग्य (नर्माल) अपूर (अपूर्णाय) विमाम्हः (क्समा के कार्या के के प्रकार (क्र म नवार मूलव दिक) अपूल्य नामार (तिक-मृन्धि निक्रम कवित्र)। वर्ष

(या लाल ([वर्य] कॅस्यवा) वर (बार्क्स) श्यम्म-क्लारेस (१क में मिन्ने) अर धारुकार (मा का मातक) लयन्ति (त्यार्गा प्रिय), क्या (च्यामा) वर (व्यक्त) विकास (कार्यक जानवंग) बर्जी (वर्जीरिक) ज्नभार (ज्यभीन निकटे) उन्ध्राकार्यन (त्यावत भाश्या एल्पर)॥ ७०॥ (ही या (व्यम) अर (त्यम वर्मी हिंक) अमन्तर (कार्यात) मिरिअर् विवाम (लामत्र काव्मा) विलामा-मानिजादि-मन्त्रप् (विभाग ए निवान्त्रम् छितं समान्दाता) अक्रि (धरमात कार्यता), जार (ज्यकारत) क्कः काल (चीक्कड) असीर् प्रम् (भठा (ची ना दान मिक ते ध्यामेण) यमा दिसी र् (छ्नेत्राक क्षेत्र रे कार्वाल रेक्क्र कार्या) देग्र (यस प) व्यासाम (बार्निमाहित्सम्)॥ एठ॥ (आरकारें। (क्यारें। [(क्यारें) (क्यारें) विश्व (निर्मत कार्या विश्व वार्य) हुन (हक्त [क्ष्र]) अरु मा क्ष्य : कार्य (अर्म सरक द) कराय-कामाक्ष्मभूमाविष्ट (क्रिक्सम कलार्यन व्यक्ष्मन लाअलागमां विक) विद्यां (कार्ने) दंबरोत

(डबंग्र कार्नेग्रह 'अर्ड) कि (कामाब मक्ष्र) में मोबर्ज्याश्वः (में में बरं आवं रवं) लहें वा प (शिष्ट्य प्र)॥ वता ([mun] कार् (ट्यमारक) साम्रमारेम: यद्गीम (वाय्वाला वक्षत करिय), जर्लक-ह्यते (वसानक्षत्र) मुकामी (येश्र कांब्र) र के का बातां (के अ के म कांबा मिट) मगान (यम् मरेव = वर्) अव्दल्ल (कम्बवालन मिकति) अलगामि हे (अली कार्वते)।। कणा (वाका काल (न्यी वाका 3) क्या की वाकी कार विका (प्यक्रिस का वसमू र का वा वा का का रहे मा) र विष् (जीक्रकं अडि) सावाद्य व्याताका (व्यवक्रीमर्काव प्राचिमाञ्च्यक) हमडी (हान्ए ध्यम कार्नि), म्त्रीका (अवक्षित उ क्या क्रिक्त)॥ व १॥ (इति: (नीक्ष) जार् कार (ठॅगर्मक) आत्र (क्रिस्त्र), क्लोने! (व लोने!) व ९ (व्रामे) कि न्या कि सम् (कुमा किया कार्कि कर में मार (टममर्ड) [म (ल्यम्पर) दर्मा: कार जाम: न (दर्भ ग्राम म करं) यात (विकास) (ता (व्यामारं) प्रात्मारी

(मार्च कार रंद्रिक) एव (आमन) यः पु (ग्राम मार्ग्य माक मिरियम ।। ए ।। () हिमान उस्मे नाम्का (नामका) अवन् (उदम्मेनक) हुने (प्रम्म) इटवं: (क्युर्डिक्वं) अंबं: वृटला (सम्बेल व्यासुना) विवा-कता वाय- विपाल । विभी प्रवाद (विभा वातवदं ट्रच उ क्र मण ६ क्रम उ बक्र करमेगा) भ्रमूप्र ११ भ्रिज-मान्वामा (विमम वरम सर् मामा व सन् क्रामार्थिक) याद्यामळ्य् ६ (ला क्यामा-क ल्य् यम्ब कारं) तर (अक्काल) धारप (नाम ए मार्स सम्) । दर्गा २० किला के ता- अक्षेत्र पूर्व हिंदे (दि अन तारी अक्षेत्र कार्य म्बिरिशियर) रे महा मह- क्रिलेय किरोब ना माना। थारि भारि (अस्ति दर्श अस्ति कर) वार्वभूकतार्थः (र्रा में का के क्षेत्र) साबाद लाइचार ईक सिम त आविया [नोशंबाटक]) हत्माकार (क अरे वाका). क्षित्र प्रमुक) मेर्डन (मा म कार्डने) कार्डनाई भ कुक (जानिया कार्डमा)॥ जना 2) mg; ((2 mg;) nin fgin ((n fg1) das:-अव्वेलामंतः (स्मेलक्ष्रीया क्षेत्रा ।

द्यार्ट: लाश: (द्यार्ट कार्ड माड) कंग (अर) (या क) मा (व्यक्ताह) ६० (courses) यह सी (वह सी) 201 (११ रे कारे में (१) ; ८०९ (भी) म प्रमास (जारा विश्वास ग करं वित) देश (य विवरणं) जूनभी भाकिनी-(ज्याभी आक्री क्षिण हर)। एउग) अय: (रेंकु काछ) रैंड्डिंड क (बाहि (रैंक्सिय कार वंप् करने) अनु में रें यह क्यात ([वर्ष] अने अपन करात्रें द्यान के य आसु र रंग) दे त्या मा (द्या की) के न्या (वर्गी) । व नंद्र (इस्ते कार्यमारह , [अमह प्रि]) आर्थि नावा ७ (आसी की नाबाव काछ) प्याट (ट्याडाटबास काबंटिड)। तहा अर्थ करक ([लप्टें ने] मिक्क) व्या (आम्कार) म्यः (अवने स (मृष्टिकी वाना) ति पि छे। ए (निर्देश), अडीक्रेंग्ड् (निक्स्डिडीक्रि) पून्मीड (जू मती व अछि) विभारमे (गण्याप) छ इरेले) जिस् राहार (टामप्रकट्म र अव्यव स्त्रे रेने रिने से करी में हैं देव (हत्यं में हिंब कार्त) माने किया नार्वा नार (विग्राम कारमकेत वर्ष) मारी (की मिर्म) ध्यमाल (मिक्काल र्वे रत्न) गढणा

शिश्चिक कर (रेजिक का) आ वर्ष (इस्त्रीक) भूग्नी: (sendiges) mix (x84) oralyos (orucas) innelen) aa: (Chris syca) mango (Handing) & 1 abel-aci Dunna eja sca) manga kasasan 20 abel-aci Dunna eja sca) manga (Anga 122 74 14 (CP &L कार्ति) धात्र (जीश्ककर्क) वलार भूशी जर (वस्त्र वर्षान्त्रेष्ठ्र) हेद्रस्तका कार्या वर्षा (कार्ट्सर मूनक ७ कंग्राडिंग र्दे लाम)॥ ८८॥ M [लप्डन] या (हिं यम्) केंद्री के विभाग्यामाताः (त्रीक वह लक्ष्ममार्थेड) थिया यद्य (एक मेरल) प्रकुर्स (म्रेस्स visin) onerg - u (one encire) on the ac (alm car) Los or of our (Six of or wini) or manie me (ming acrumica) ora (maanu कर्) निर्मा कर नाम ([कामान] निर्मा कर कर के त्व यात्री लाम (किलान] (eine नात्री) गा ए दा surge (MAI & ME) MINS: ([COLMS] ONNE) र्जन ([अयू न में ने यू) सार् य ला है (लासक प्रवाद यात)! समा जब (व्याध्य) त्या (व्या) हमा क्षित है ((भकाव उट्ड) आ (क्राय) (प्याक्रव, (ट्याम्प्राक,)

र्राष्ट्र (नर्ज्य) लाजमारी (राजेल राजेल) भा (ज्यभीये) हम द्रावे पर एक मा (हकत द्रावेदी राइएड) खिस्तर के से क्षित के का प्रति का कि का में का कि का में होते का में होते के का में की के का में होते भि कटम सर्व प्रमा : (कार्क) मान् (ममार्) वें प्रमा : (ज्यभीत्म) विभाग (जाल कार्यमा) विदिव वर्गमन्द-समार (मंद्रमानं तकरंग मक्षरेका) वार (त्रह) सकी बुंड क्रीस्थलकी बुंब (मिटक) व्यामात् (व्यामार्ड २३ त्वत), जावर (ज्यात) राभेड वाडिका (राभेड. विकाम काल्ला) इतं विस् सहस्ती) लास (मडेंड) लानकार् वात्र मीनानकारि निकार विकार (यून्ती जलते क्रानेमा) मार् (मूश्विकात्क) उत्से (अवस्ति किल्डि लामित्र)॥ ७१॥ भि केक: लाम (कार्क ?) ठॅप्ट (मडेंच) लया म्टायाटु: म छवं: (ध्रा भरकार्ष) वर्मीर विषित्र (वर्मीर ला एक से कार्य दे कार्य (छ। १ (छ। ११००)

लार (बार्यत्मन) किमान! (हिर तिने !) त्व (ब्रामे) आ (sough,) & (cermin) cure aug oil (curar even augine S,) 11 AP 11 29 ग लाम विस्मानकांतु व) वर (व्राधातक) विश्व कानं तही किन्ने कान्ड कान्ड) ध्युवी (वान त्मन किया) (2000) cengistavi (asig oumis 1946) m र्ल्यी (ट्राइ र्ल्याकि) प्रमाण वर (लक्या दे वार्य में ह) रिक्टा (टम्बाअकत्म) लग्न (त्वामक) व्यास्तावम: लर्टि (रियामार्था में म्रम्य) में सहर (च्यामें मार्सा) लयनं चव (चर् बर्मा हाराष्ट्र) (पालया हा: लाउबन ((आ अ के ने का अपन कर) 11 न 911 कि विक्ति) भ्रमाद्याल्य (प्रक्रम्भ्रम् वावा) अवाल्प्राविदः (अवराचीशाप्त) अठाविठ (भठाव) मित्रामुके (भक् रावेत) तुरस्यः (दुरस्य ४४ मा) समर् (संपर्द) वर्गिकार (वर्मिगिर्ह) कुर : काम (काम्पान) बिनिक्र् (प्रारंग बाम्मा) लईया (मकाह) वरायू - गायं (essis ounacys Ex) gouras; (marax कार्डमाड्डे) मन्ता 3) ea: (muei) my (=) * and ig) my (=) & oca)

र्मा (राजमाकात) नामकार करमा (मामकारक त्त आड् या प्रिंग) ाम्याज्यात वर्षा प्रवसाद (वर्षांत लिंगेन गए वक्ष न रहेटल) विलिक्न (निलंकन इड्लड) मः मुकः काम (का न नी कुक ड) मामार्ड. norin (mundal sin) 25: (cunga) क्रमम् अ विच्वर्मिकार् छार् (क्रमम्त्रीत निकारे वर्भी प्रभवीकावी क्रिके नाविष्य विकर्ट) भराभे (सम्म कार्य तात्र)॥ १ आ The same of the sa म्बंध: विके (क्षि , विश्वि) मृत्य भाक) , किसर्थं धाना : रे प्रमात का मिल्क र कन है के मह (मह) (one in facility on once) singly (come is ced) and (yelly) chrus (achi re) mountly (MIZE 11 9211 की या (१४ वर्ष) मा: (माराजा) लाहिक रहेळ (सक्षाक्ष) हिस्मित्रीया ह हम् (हिस्मित्रकालाक)

ण्डलम (जनकारिक) अमर काल (अम शाया छ) न लाहतमाह (मान् श्वंत्रात) वट (कार्यः) नाहः (Sign-rollie: (ald gud Cuy, rolling) किस्तु (क्षेत्रि) वय (त्वातात) मा ब्लामाण्यका (त्ये व्याना विकारिक का त्या में किए) कार (रवंत काविट्या) हिम १ 011 18 माध्यां (152 में ou) " पुरमण (ययद्या [क्युट]) equain (egas-sera) min (cn [diny]) लामुलर (मब्ता) खन्न मंद (वि प्लाक (क) ग्रार्थ । मुळ द (गाक्त करतं) भा (त्यह) संवयी गर (मैं वया हता) उन्नाहर), वर द्रम् (वारा) कर्म मर् (लाराक कर्म) म्यास्य: क्षेत्र (सर्वे उन्न इन्द्रिक) मन्त (म्यास्य) म्मान व्हार (अवस्था में में के रहे ग्रह्म)।। 9811 विक्रिक्ट] अवसा: (असम्बन्धा में के प्राप्त मानिक. नीविक्दुन्य: (मीवि ७ क्लामानिक ध्यापूर्त लाउम बाक्षा) में इर (में रमाद्य) में में (में म) कर्तात केंब्द (क्षेत्र केंब्र) कारत्व लेक्ष्म केंब्र) : रावेक: असे (क्रिकेत) मार्खनः (विकानिक-त्यां अर्थात्या अभ्यत) द्रम्य (अव्यात) १ वं य

(विष्यं कर्क चिक्ते) आविक: (मरीमस्त्र) व नं (मर्वेच) याब्देमाएं अवस (मर्मानं लाहरीला अवादिए इहेक)॥१९॥ की रे (लाउट) हैंस (ट्रांस) च्याद- प्रधासी प्रत्य. कर् का-मन्त्र (मीठार्वा मंत्रा वनामसमा कर्णासम्ब) सामर्भि (बम् द्वाल) क्लामि (इवने कर्बेगाहित), COX (CHYCES) ongaid (organizacepy) Co. (लामान) में वेच्य (में बेच्या) क्वार सका (इ.स. छेट इंद्रांट) । ह (पाडक) म: (पा काक) अवरे : अस : (लाअव (क रैं: म (से में [ता अनंदत]) हैं: मंड सारिया ह (2: or out it out a) 11 d ? 11 de si sa (sin sini) (massamas (und cualas) म्बूकं (मक्ष) " इसमामान्या (नक्ष इस सुन्) कहर (पुरंस) संबंधा (हिस्ते क.) दर ना का कुकर. (द्रार्मन कार्वारिक) त्कर का क्वर (म कार्र क र्बन काब्र) री ११। क्रिया (क्रिया) भवक राम-मामेण-वहमाय-के के (आमवा के लक्षिताम् के अभिने के बर्ध का के क्षिक्ष (का का है कार कार कार के विषय के

(श्वात यद्भवं भाग वाकार्य) २० ई १०० (स्वीके कि दक्ष) क्रम्युक्त (मेल्य कार्केंग) न्युवाषु कार्ये लाउँ (न्युवास्ते. प्रकार) वर: (त्यावात) लाग (द्वाराव) क्लान प्रिकाम (बर्मिशि बार्मण पिण) अल्यानड (प्रिकरी लाम्म) मर्विद्या लक्ष्य (लाहका में) बुष्पद्यं भार्ष बार्मरक लगामरामन्।। १६॥ वि मिकि दे क- बकारिकार्य आलि विकार मिक के कमरे कर लक्ष्या) मम्पर्दे (मारावं में पे प्र) मा (प्र) a die By the the notation (allins (हा आंगा । अंगार) मार्जे (मार्के) ; (व ((आमं) सम्मर्जे) मार्जे (क्रांसे) में प्रति) मार्जे (क्रांसे) मार्जे (क्रां प्रमान के कि कि कर विभिन्न (र्या) का राम: वा (कन रे- वा विधने 20 } [प्रार्ध]) (आ(भामान : (डक-वा (अव) भवा : कार्य (भवा वार्या विकात) ; 23 (राजा) नवा: (नई म्यून (प्राण्य) मेरहेग: (क् के हिए) बार (खामाक) विक्रमाई (हे अराम 型きる(5): のなら(の以内) ある(2015 il) (3 il मित्ये (प्रकार सर्टिशि)॥ वन्।।

रिलारे (चर टाम्मुयड्युं काड) तमा (स्ट्रिक्ट्रिस) अख्य: (एक- छर्) समाम्भेट० (समाम कट्ब) वातं (त्वातावं म्या पर क्षिक्त (क्ष्मा क्ष्म) हमा प (रमक्ष सक्षा करवंग) १ ०० (ग्रा) हिन्द्र (बिहिस नर्द्र) ॥ ४०॥ A 244 (237) 22 (mari) 023: (18(2) 24 is लियाक्षा क्षित (लियाक लियाक्षेत्र (लिक) यन मा देख्य (त्य कियों कांचे) खांचे (दुर्म इसे) ' या बांने मुना. (यां मंडपूर्व) १९११ का - लाकु: इव (१९०८ क्रं कारं) अटम (यह ब्ली) जमन (जमनहे) त्रतमा (लया गंडम) वार् बार् (नुमस्य देव्हा) मासुकार के के ति (बेंडिय कार्डिंग मार्क) 11 8-211 नि मक् मार्क में का (अक्षाक्षित्रकार्डेंग) या वृत्तं (राव वर्ष्णा) तम (कामक) अझन्य प्रमुख (यक्षत्र कारंग्रेज प्र अन्त्र कर्त्व) ? inganti: (Sjing = & p [my my]) on su: (g sie) अरामे कि की र (अरामा कि की) लाकि र विवासे (लाक अकार क 67222) 11 6 211

1023[3] कियान का प्रायका) काम लाद (काम टिस्ट्रेरी में में लाद (करेतीमारोक गावन), जन्नीन मिन्न मंत्राष्ट्र (करेती निन with [mas]) (Billian as (sun after (arma) बलार (जिला) वेलार (जरे) बर्जीर (बर्जीरन) कर् त विभाः (कामियता त्यत) देना ५ ७॥ ASI Ca (carrie) 5 no (34) Haryan (Hary) or your A south of the contact of the district of the second Charles and Andreway Musicales (त्रिं) सेवा आ बी - या बी - का बे - वा बी (क्रमें के कार्य -Signature and Things) ब्राट्ट के क्रिक्ट के प्रमाय में के क्षाण्य रंग्री क्रिक्ट के विकास के कि का का कि के का कि का कि का कि का कि एवाक्ष्र्य कार्या वार्या) लग्ने विष्रम् (विकिन्छनेनामित्रीक्त्य)। यका आमका (मक्त)-ALBI @ \$ 312 2 1 1 1 8 11 (क्राम (क्राइक्ट्रेंड) म: (जीक्ट्रेंड) क क्रावप्त (कार्याम) क्र क्ष (कारा!) कृतिनवहन पूर-करेक मूर्मा (क्रिय

राक्रें अ रें क्ष्रक रंगालिंव अमात्वल उठ रैस्सा) हें हैं, (consusaciai) myan na (myaix) mpid (mgaix Man (muna) Hange (Songly) musale 2 (masay erainte. [maia]) BAE GR NIG 2 (भ्रमीन के अरमान) मानेनमां है। (मिना के FIFOR BULL ्रिट्ये क्षिकिक) इन्ह (पड़क्त) लाखाश (श्राम्म) क्या: (प्रामुखां) यरं ग्रामा ३ (१० में (भं मादिला) किन कार (क्षाने करने कि शहरात रेर ता) रम (स्क्रिक) धानवीर (बार्ने स्मन्)॥ ७ ७॥ भी रिक (डिमीर्का) मा भामका यह लाम् ([लास] ट्यरे नामिनारे इरे); प्रमा (क्रामे) मण्डी कामिना (www. ca [overla] Quyla augine; [world काम]) कामीरि: वामिक (ममीमार्त्य मार्गि -बाराद) हालेडा (हालेंग थारे (हरि); (ए (लामन) अवेदर (अवेदर) भाजेदर न (प्रकार इरेलना)11 6-911

FEB 347 Ligar alyin) wyord (wan) ma-माश्चि (धामक लावं है कार्ने छ। अरं पामकारं (प्रद गामिलानं) बमल मिस्रेड (मन क्रम्मिनेक) प्रः (बीर्क) क्रांद (बारियत रिव्निका- विक्राते विमा- विर्मी-(2024-1 2060,) on (ou) (ou)) to (cerus) * & sister भार (तिक मूटर समर) मून ७ म (भून ७ ररे तिना)। ५ ०॥ िये एड (मार्स) मिला (देशि) बर्मी (बर्मी) म क्या (इन्ने ना कार्यमा भाक निष्यो) डीका (डए) कथर समाया (अनारेटक्ट कर) क्रामिका माने (जिल्ली मम्द) Curainas ([aumes] Ci my (40) n Cango (40012 -भारत) महा विके वा (हानेना भाउ , जायन अक्षातरे धनम् त कर्)॥ ५ ग॥ (व के का समुजी के) अप (पात्रका) वर्षेत्र (केंद्रिय (प्रेड्डि) वर्षे (वीक्काल) बीका (मिर्वाक्रे मूर्वक) वाद (वानेत्यत) क्रा प्रवड! (देर काम पड़! [वाम]) अस्तावका: (तिल-धाव्याम क् माला न) अत्यान (अत्यम् र) विश्वेत (लासम् क्वं)॥१०॥ कि लामाह: (लामना) प्रंमी. (प्रंमी) म यह मुखा

(इत्रे कार्न मार्च) भूत मृत्ये (किस्स, द्वाभेड मार्च) व्याली (१९ (क्यारी मिर्) १९ (द्वारी) के आप (हे अवीक्याड:) कामार (कामार्गाताक) म के देवमात्र (मान्काम मा क्व [७(व]) कूलवन्नी-अपिकेट् (कूलवन्नी कर्ट्क मिरिके कर्मा कार्य व वर्षक्षिक) मुनाउ (भून) । मारका उस) का : (कारा ठर्डा) वर मह अपन (कारा के प्रमाण राहित के सामा) क्रांट् (क्रम् क्रियो प्रकार किल्व) गार्का । ते (क्राक्ष्म) भरको (भर्म) तेल्ला क्रान्ट् (लादर्मताभिती), नी भूमिनाप्राक (भूमिन-कर्मा) ए मन् किए। (र क्रिकें मनी व क्री) मन्तिन (कारान राकार्यमारन) विकास कार्य वार्वान (त्वत हिम्हा हिम हुकार विषय हिन्। Though suy (Sient) Tous on some (Tous) MC 11 (Mes ex ex () 11 9511 कि रिल्लिक सामकारक वाम प्राप्त में कार्त (guma कार्ट) अक्षेत्र : (लर्बा) अवत्रक्षाः (अवत्रक्षा) मेर्प्रायारं क्षाः (अपुल-क्षाम्) हिम्बिस्ये बारावेश-नैर्न-पित-

अवस्थ : (बिया बट्टा स्माध्यंतुकाट्य] लामानं नात नत्त प्रकः म्हर्स ट्रियर अविश स्परमंत्र क्रिया विकानिक-िनका) मार्यार काम (शिक्षानिका-कार्यान मार्य) मिर्दे: (प्यानम् एवं) कक्ष्मित्र (कक्षाम् व प्राविकार हा ठममेर) रें यह (कर्रे बहारक) दुलर वाद (दुन-21 न अवात कर्न); अपीरंग: or: पाका: (ourse (अर्थ साम्मुमा) कम्बेड (क्क्रेसाल) त्व (cerand) प्रका: प्रयाद्यत् (मारी वर्षा) है।। २०।। of [Dig] as (cacso) Ca (ourse) soups (somy) इंडाम (रंडान कार्ड मेंड) यही कान्न (कार्ड कामारक) धारकारामि (धारका कार्य एकर) विक: (स्मेर्टिक) कार् (ट्लासाटक) प्रवद्य (कार्यक कार्यमा) महत्तात्र 20 मा हिला मा (अक्या मा) जा नहाड (जानहाटक) में कुट : किश (अन्सात कार्यता) वर्जें : (म्येक क्ष्यं भर्षात्म) ार्वा (अवस्थात मूर्वक) मीरहः देभाद मही देव (ल्यक अर्थ द लत्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य

(तर राम मरकार्व) १६ (चा कि १०८०) लखवारे (बामिटमान)। २०॥ कि विस्वास्त्रारं (मद्रात्ने त्य द्रांचर मा मिनाटर छात्रात्त मात्र) कार्यः (क्रे कार्य) मार्खाराम म -यदानंत: (यह माक व्यक्तिक कार्क ने महणकार् MOS: (MOS 24)) निक्रिय कार्य (विद्यान-मत्रकार्य) साम्ति (व्यक्षित्रम किंकिक कार रिक्स नामा । किया मिरि : य 13 (कार्याश्वित्यम्मा) ॥ २ ७॥ of हकार वर्षे (हक्षक्याण) व्यवपुर (वामायत) बिरकेरण भी विके प्रतान मिलियक वर्षार्मकान-एन का का के) में केंग्र कार्य आये स : (कार्य करं लाम रिया ही उसे) विश्व मार्थि अप्रिक कर -लादिकार्तः (नकार वार्त्त्व अपित विक्र विक्रि (क्लेक्ट्ल) वर्षक्र मति: क्रिमेगरे (अहं वर्षिक्र कित्र भारत्ये रे भेषा ते रे जुनारिका (जुनारिका) व्याद (राजाता मित्र (य्यान सर् हामा) १०८ (स्टिक्) मर् (त्याम) १०८ (स्टिक्) मर् (त्याम)

उठ्नी यर (उठ्नीये) यक (प्राया) अर्थना (मर्थना), अ: (जिसे) ७९ १८० (अर्थ वर्मीव निष्ठ) कि व निर्माप (इक्) 1910 म नार्वत) डिकेमा गुणी पर्द्वाराममक्त्रण (पर्के केन्द्र मकामतावाक) कामता (अन्यात) तित्र लक्ष (कायरक वाक्त भावत्र) लात्मे (अयसकः) व्याकी यव् विखर् (मिल्य वस्ति) अ१२३९ (जिल्ला निकरे इतेर] अर्म कर्निय); र अभव क्रमान (द कार्य ट्राये ट्रायं मिकरे इये छ) द्वि कुष्ट्र (अक्न का कि कि दरे वि निकार मिछि ! (देवादे विषय)। गर्मा १०० विभाग काय (विभाग कायरात प्रिकारिक) (य भागी है) द्वा (क्रिकी) मत्यात्मित (मधे ब छव अकाम पा जारक) यह (भारा [मिरक्र) चवड]) त्यादं व (त्यावं क) मः मवः त्यमः (cu 40 14(4 / [oran]) 44 (); 09 त्यात्रा (वात्रा क्रांत्रमा [क्राम्]) त्व (क्लिमारा) 120\$ armin (दिंड देश्य म कर व व) 1150011

VOJ333 of the singuation: (En) (ourse) some (बहुना के) असम्मना (अकात मित्य मितामें]) व्यास (काराक) काम मह साने सारम (काम मन सामा मानेसामा) ad the to the following out) " P. A. S. Add & Elaca (E Bagana ad) da Rang (नर् नरे से अ लायं व किंह) मा भाग (मान कार्य दे त्राया दिन वाम अव्य वाम्येत वाम हार्या हिर्दे के स्टेस ' कं त्र रूप कार्य कार्य कं के किय-हिर्दे देशमें से के प्रकार के प्रकार के के किय-धर्मत का व्या , ह ब्रुक व्यापि ह प्रतक्ष व्य ॥ २०२॥ 10) [कार, कार्य] रहें (क्लप्रविष्णे कार्य कार्य कार्य कार्य) लमें व- चले लेंक (मु (बसे 'बला महार मिट्री) ल्ड् मर्म (मड्नेमारण क्यूर सम्बन्धि) । मृद् (ज्याम्) जासकी-स्वर्ष (ट्रिक्स म-स्व) रहान (र्वा) त्याः आभावक्षडं वर् (श्राद्धिक कार्य कार्यः रिवंतु कार्वत 'िणकं]) भावतत्यांत (कातत्वतायं लायक करिया) ति के का नाक है (ति के के के म रारामा (क) क्षेत्र (क्षामास्त्र) (माराम कवार्यो)।। २०२॥

a) अर काम कार ([उभा] विभागा विभागा); यान्ति (काम्ये काम) नवट (नव्यंत कार्ट्र) ट्रियान कार्ये कि (किंति (कार्ये प्रतिस्थित ट्रियान कार्ये कार्ये Cruwatag (xmag 2 in); nd 26 ([ous] CACT वे लि) म केलप्रमास (केलए ने ग्रेरों के रका के कार्य द्वार में विश्व प्रकार माना एक करिए त्या प्रारम् असात उद्गार में (उट) बर्मा ्र र समार् हिस (करमा उ र समा वर्ष यात्र वाला यात करवेटन)।। २०७॥ 108) पका कुक्तवती वर (अम्मान कुक्तवारे) अमाप (अकार्य काटन) बढळी टाम आर्थ (बर्ब्या व सम्मात)कात्राति (सरदेश क्रिया कार्य) क्रायाः (द्वारायं) समामार (िलक्ष] लामन निकर देशन अमात्र कर्नेट टारा द्वा) द्वालका की कार (कारा अ- करक रें दे दे) दे . (सर्ट्रेट्ड) मन्तर (मन्द्रिक) हे दरकाष्ट्र में मेत (किकिट दरकार कार कार्या) अर मही (कुल्या कर् । सिका सम कर्) 11 >081 अधिकार (लिस्डिस) आ (विभागा) असरी (सरीहित)

रूपत्रवार (कूपत्रवारक) व्याव (बार्य वार्य वार्य) दियाचा (हर माम् :) हिन्देरा (टम्मलाम) मत्म) एक (त्वामाय) अत्यात् : लामकः (स्ताद्व त्याम द्रमात्र दर्गाह) मिल-ट्रियम्प्र (मिल-ट्रियम्ट्रिक) बर्मी भूकेमिना (बर्भीवं मकाम मिंगा) हे हुन मूर् में रहार कार 207/ 18mmins ([MARA] 18mm) & ward). (इल्ड्यीन) अवापि तम्मधार (करिशारि पर्तेमा ररेला) रेकिए पर (रेकिएका) मे अरी (क्रीनिक) मिष्ठ (टमानाम) वर्मी (वर्मीपे) व्यक्षी-कर्त (व्याभीन १८४) ना की ए (कार्य कर्न त्यात्र) गामक पा 200 कि : (क्षेत्र के) इंडिंग (मार्डिक) मार्ड के (हण्डु-कार्यात्र) रें यह मा: (र्थ प्रायः) हरें भन्ता (यूट्स दिक पृथ्वे भाव कार्न त्य), भा (क्रिया) जार (विकास का) आखरीर (वारिया), LANGE TO THE PORT OF THE PARTY (त रकार्य (सिन्दि सामिया); (भ भ र भ (त्यास्य भारत क्षायम कार्य (। ह) । २००१।

१०० (१०१) सामुमार् (साम्काम व्यत्) दे ठरकार र 132 (g.6 (212-22 /200)ax) siné 15 (siné) वर्ष द्राम्नास (CXX कारतंत्र प्रकार मुबास) मर (८५८४०) ८५ व- मर (८५ वर्ष व स्य) सम नव Tá (ou max ga) ? Trá (coma) non (chira) अवा: (अअव [आक), अप्रव्म (अराध त्रक्त अव राड)॥ २०५॥ रामि (र्क्ष अर्थ!) देक (न्यून तन) द वि (क्रामित्रे) मंत्रणाः त्रांत्र (वर्माः त्रांत्र कार्य) (कार्य) वर (अर्बिक) वंत्राप (बंते वाष्ट्र) मार्के के किए र कवं) अर् पिल ह (वर् धूय्तीवं अकारी बन) ; इंड (अवस्त) मार (मार) हैं (है। स) लर्डे मा भा: (वार्क्ण) मकान्त्रे कर) वार्ष ह (वारा उद्देश) मा (वैंस्त्री) सम्बद्ध - क्रांग क्रोत (निक-छड्व १४ मठ ११ ट्व)।। २००।। >>> [[] bagó (BARO:) RO (BASÓ SÍ X14) (हरकाह अर मेंबर), या (ध्यास,) वर्गिकार अभी लेल (बर्मी व मकामें बन) : मेंबरमा : (त्यास दिवं दुन्न मं विश्व कार कार द्यार दिया हता : मा दि

(26 m m 18 to go con en a la aci) mx 6 ((11 1 4) DI 26 : (24) 25 1 \$ 15 mm) 11 2 3 0 11 17 म: कल: लास ([क्राम] च्या क्रिक व) रें स पा द्या मंत्राम कर् (क्यायवार् प्रांत्य द्राक्ष व वीशित व्यावता) प्रवार क्याया (मुक्री कर न्या पाटक के मिन्न) टक्ने रमें कोर् (प्रकार कर में को googis (man mile) on your : ([= 1 is and] आत्य देलाई क उड़ता) किंगता: (जिनेक्सान) ानिक करेग अल्यें : (जी अ करेग अतार) अहा: खबर (से में उद्राप) लयं समा (लयं समास्त्र) हता (ठॅस पड़ा जिन्दाक नक्षा विष्य (वाम त्यम) ॥ >>>॥ १९९ हैं में (हैं। है.) बर्मोर्ड (बर्मीक) है: प्रमासक्त : (प्राचित एम न्याम वस) ग्रस्टी (किस्ते कर्ने वह कि (कर्म कर्मी के मा देश । (त्यर नाम क्र) विकर (विकारक) नामका हर (क्षका हे, ज्या हर्वे क्षिपेट-क्षिकी) के दर्भ (कार्डिंग) लाम (न द वर मीटि) विमेटिता ्रिक सरम जामाहरवं - वर्मी भरवं अम्मवं हरू. क त्य) । में छ : हा। छ (विवास कार्ब ८० ८०)।। >> र।।)) अस्य (ब्युवास्) क (क्याम) वर्ष्यु (बल्मीरि) इप्रा (इस्ते करम् मा) सिन् छारवार

(विस् रह शेव कार्नेता) बन्धुके वा (रून्सुके अ कार्डिय र विक्सान विस्-वक्षाय वस्ता रंग])? विन् : (विन् रि) अ- हिबुदक (उन्यान नित्कन हिन्दक) यतः वास (यस इंड्रवड) लक्टान्स (क्यान्स) य ट्याम्ब : (विश्वी ट्याम प्रवेत पार् र (क्रियमान खिल हीय बद्भाटक प्रमास्य कार्यमाट्यो)॥ >> ता 2/8 हैं है (वै वि) लाटम (सम्दार) एड होस (टम्ब्रास क्रिक्टा) मुक्षे वर्माः भूमाद्रा नर् विन्दूर् (वर्मीव किर अस्ति कार्य (क्ष्रिक सन्दर (किंदिसे) यात्रः । प्रिश्चा (ग्यां मार्त सिरं यत रार्ता) तार में युका (र्ज्या तर प्रम् देश अमृर (वर्मित्रावेती यन वी वा कारक) देखरे (अलक) मटला र द्यारा काम पडार (म अ मात्र कर यहर हिला का शिक दिस हिर्द्या है व रेश व निकरे र्देखर अर्म कर)॥ १० हा। १९०० (लामन) मुनारिका (प्रारी) मार्कामन (नी न का व विकरि)। त्रिका यव (ति किवरे कारह) वु० (प्राचे) जार (जारा) म्याने म हि वा (मर्ने

क्षं का मा क्षं) जात (न्रेप्रात) क्षेत्र द्यापु: न हि (on on a mag ret; [123]) 13 mm (13 mm) nis (muni 13 sep.) Blygo (mgh mgh) golalet (gd cont) onying (angu englacity); making (CLUIS) ALGEN OF PAR (THE PAR STATE : 100 1 (OU MA HAL) 1903 (ON 19 2 3) 11 22 011 10 (व्यक्त राम्यम व्यापन (प्रवादम) रे वर्ग राम सामः य नार् (वर्मीव विन् हिर्हि) ग्रीका (मर्ने करकेता) का अ (आर्म) किएम (हिमामात्म) विदेश (कार ट्याहरू (ताराव निर्देशमात्र कुल हर्टिशह) दाकारिया कार्व), अन्तार दं न्या हिल ने देन हार (नरे नी मार्का अन (नहें) का ना क (अ) (इ अ) का ना . माद्र में का किया कार्य) वर्मीर पड देश्टलाहु (वन्नी क्रिक अम्ब देश्टलाह अम्बन) ५ छ था। भी (५ छ दान करने वरे) ॥ 53 ७। 18 To Federal AND MARCH FAITO (ALTO राजित) यान्नाष्ट्रिक्षे लाअवर (जिनवराज मिक्टि क्षात्रमा) कर्नम् कारमा ५, उट् (कर्न. ५० लार है के छ इत्रेट्स) ७० हु के १ (७ ५ व ४ न ४

व्यीक्रक पार्व) अधीक (निमीक्र नेम्बक) नानिछ। (धडा वंतु का कंति) वट मां सक्षे (दृष्टानं सक्षेत्रा) (राजुका) के का कक्षा (के खिल द्वे क दिने) भवंते छी. नार्थ (मामुक्त) मामुक्ट (बिसे बामोस्ट कर के) अभाष विमित्सम्। >>91 My (लयमा (चर चा नामा) लगार (लगा) शिचाद्या (मित्-मुला) न कुना (कर्यत लारे), धररंग (कि व्यान्हर्य! Takous Fix Big]) 5 gid (am sight) कर्वन (प्रमुख्यान) प्रकार (र्यान) कानेगुर् विश्वाव ् (क्यानेत म द्याप हेल्लादन कर्वत्व) अवृद्धः धारी (अवृद्ध इत्रेपार), धावयाति (१११०) दे (तामन) त्या म डी डि: कि (Chasis 245 Com 2 45 Com 2 gard & 2 (1884) (mareis 24 (30) (22) mg) (M) sou My sig: ([2000] = 150) ais (12 is mus) aus (गमत्त्र केट्र ग्रंथ (दि ग्रंथ!) धमडामन् (ourse 12 in 18th) " erer our (12 64 ourses) अंग् त्याय: न (त्यान त्याय नात्र) : किंड (किंड) ए (कार्य) थर (ए) विन् : (विन्पिट्न)

गरि: (गरिकाल) अमरे हुए: (भूभके माय क्षेत्र) 4/4 ME 1 Cooks \$218 (21 mas 5218) 11 >> 311 20 माम्तीश ((४ १ म्याताश) ज स: (गद) खिलें: (बिन्हि) (व (कामन) हिन्क्ष्र अतू (हिन्करम्थन) रमम् अभ (राम कर्न्य ह) हम् र (हम भारे पा) मार्नाहिल- मिला- मिलाए भार्नाहिल यिन ला सारक) अभीरक (मिकार) अभीका (पार्श्वण) मलि (ज्याने) मला-पूर्ण दिंचाने व्यक्ति पामन पटकल पूटल) मर्याविक: (अरवन किव्याटकः [आव]) अभा अनंगर (अरे विक्ष यम्पाट कार्ने भारे) तम (व्यासन) त्व (त्ये) प्रमा: (प्रमारम्य) प्रमार वहुरू: (दंदला में कामर दंदलमानी इने गाट्टीम दिनमां जर्द , में क्रिटबंब अव किये रा लरेशिव त्राम कार्वट्यम (पर्भम) रमें भा १२०॥) रूपवनी (क्षमण) अर् (जी क्राकारक) धार (कार्यत्र) तिम (विति) विके किएक (विन्ये किएक - मासक) माह्य-कारक (कार्वीहन कार्यी हाराम) मलाक: (तिक लाक) न्यान (अपन्य कार्याष्ट् : [कार्]) करी न्यायने

(नामित्रप्राह्मे) प्रमूता काली (नर्म सीकृष्ट) ह असमा (अमीरिक्स :) विश्वामाध्य उस (विस् ट्याकारीका व हिन्नकाटका) जन्द्रिका (अधिकहाटक) आ (तिकामार्डः जियमीत कर्त्रमाद्य । ज्यापि क्रामे वर्मी क त्वभी हु कार्यमा विष् छार्ड भारे क्षीकृष्ट एए मने त्या विष्यु त्याता प्पर्मने कार्न्य. (57])1152511 १११ वनकाः (वनक कार्य) विवृत्विकाती १ (निकाश्चिर्भमा छने गण हेएक में अम में नारी) छतिनी (क्यान छती कार्क व अप्राक्ष) त्रा वर् म आयादि (दाष आविक्षान् करप्रमा , विन्र्]) जिस्ता (कापूल हिरीय अबि) भी ने डि (अकि इन) द जमार (क्रिके) दर् (जामे) जमूर (वरे क्षेत्र) स्त्रिमासमा (धार्मामामा) महमा (WAGO & 3) 11 72211 निक्क विविद्यं प्रिमे कूलका निमिन्न कूल्या है कि [विश्व] मर (टमररवू) अक्षि (अक्षि) टपवन मिर् छिटे : (दाव एका माण्डिका कत्) मैं सा कार्य (समें सा डर्र में है) दूर

(विश्व के) अम्मय-के मेड्स : (श्व-१९ -स्य वैक्षांग्राथ मार्ग) लाक (मूर्यां) वर (मॅत्राप्ता) oring the (may 1) major (my cad) sais (माना करें = [नीठ अप्रिले के निकास 1103611 (BRIEK 1) हिन्द क्रिय क्रियान (क्रियान क्रियान क्रियान क्रिया इक्सेंग्रे)क्क रेजाबपर (बामरमा किया (रिमीर्क!) म् भर्ग म् मन्त्री (मू अर्ग व मूरणका (प्रोपर्ची) मा द्रेतर (न द क्या काका) काल में असे (काल में असे ! [ma]) 781 (73) wnow (wyor) xr. 73 (मक्यार) अमदा (ममंद्र निहादा : [त्र न न]) मृष्-डीक्नेन (सृष् उ डीक् बडावावाओडे) प्रप् (जार्ष) अव (जम्मरत) भा सून्ती (स्मरे सुन्ती) क यह मू ल छात हिंकी सरस अरहेरव १ रेग अर हा।)) वा: (देशन) अमता: रहिना: (अमता र्केशिया [चर्ड]) बड्डि: (मर्माणं व प्रत '[कार्ब]) वर् (कार्य) ध्रु: यकतः (स्ट्रम्डाय व यक्की). ०८ (अडाउन) इसामका वंद मर्वेक (मुख्ये वस उ जातकार समा करते मा जर्भा देशात

निकी वर्षट्ठ माहारेमा) वेडः (-अभूपन वर्षट्ड) ज्ञान देश (शिक्र अद्योग त्ये विकास स्टाप 54 JIL 55 611 १ ति। अवसम्बन्धिः (अन्त्रेम्टियः अविभेटत्यं अविभेटत्यं हि अर स्थित] अर्थार्थ पविष्णुन्तर्थाः ह (र र्थन के प्र-विहास्यूना) नकाः (नरे टमायीमने) उट्रायर (20) ENG (aneros) Francis (Maria) र्वार्मार्ष्ट्र (र्वार्म कर्नाट) देम) वाः (देम) व 334152)112011 विदेशम्यामार (म्बन्सिक प्रवेश [3])लममा-न्यार्(किन्नाहका) माम् मास्तीमर (त्य लाकु-बुलामरीत अरम) बारमम (बामक) द्वारमने आम (वामक एवटवं मर्भंड) अस्त्रिमें (राक्षामान) अममंदर् (अमूहिड), जा: (नरेक्स) न: (कार्याम्य) अद्वेशनाह (मैं। हु क्र कार्याहर्ट): वर (स्पेश्वर्ष [क्याम्]) भेडर (मिट्ड) माम् (हिंचिए पारेट्डिट ; जिले]) बिलाआरेर (विभागात) आविक्य ७० (श्री हु छ देश काह)

the married of a lower of the same (() ame (a wood syla) Cover of (Char 2 43 111 254 6 25 11)िण १० : अध्यत् । रार्च : (चारक) इसम् (राह्याल रामिटक) विकास (विकासत्क) धार (बार्सिस) क्रिकी (१३ अगिष !) अहि अहि (अस अस); त्यार (त्यू गार्क) म्रारे (अवने कर); धरमे (छिति) रेडि (अरेक्स) केन्य्र (विम्लि) जार् (विम्लिमा भाने प्रश्रास्त्र (ध्यानिकेन) कार्य का [अवर्]) प्रका: (प्रक्रीसर्न) रमहा: (राम्मरकार्व) न्यर (जीक्काक) मान्वकः (हर्ष्ट्र इरेट टक्की कार्य त्या) 11 ४२ 211 20 विम (विद्रास्त) कामीन (अहि क) विमार : (मजीमारे व विष्ट] क्यारास्त (क्यार्य क्यार्य क्रांस क्रांस कता न्तिने) त्याक्याचित्र (देपण दर्शता) भा नामा (न्यायम्) कतते समीष्ट कियम् (ततं भड्यादं लामकारवंद क्यान क्षेत्र कावता) के साह: (इस माद्र) अविका (अख्यलभूर्वक) मिनीमा प्रकृष्ट् (मुकार्यमा मित्रिय)1150011

१०) तार्व (नर् सम्प्नं) विषयी व (विषयी) सम्पर्धा (आहे ब लाख) यर आर में मीता (यर मार एक पहला) र्सार्वाक के अदि (र्सा एन के (अर 15 (यर एमार) orme (una erecas). The one (one face) छछ: (भारता) अभा: (ब्रामीन)कनार (इस देवाड वर्जार (वर्जाति) दुलासमं (मर् कर्डमं) अपि विकार (वमः भूटन कान्ते भूवक) जार् (देशक नक्ष) कर्षमा) विकामिर (बार्यात्मात्र)म २७२॥) रिश्मिक (कि यराम!) प्रम प्र (कर कार्ष) भू म यर त्या ह वर धार्म (भू म वर्ण म राम दरेख दर्भा छर्मा काम (क्रिक्स मिन्द्र क्रिम इक्स मार्थिक) । १० वर्ष प्रमास्थित । सर्वर मार्थिक (सर्वर मार्थिक) —मा (ताराव विति) का का के कर्रा: (चा बाह्य के रक्ते) प जानूनी तार (अर्म) पदु जातार (विक्य) भी नामर् (बीमाममृत्यन) त्रवू: धन्त्रीर (त्रवू इक्रेग्स्) ॥ उउद्रा १०० । एवः (भिन उन) अभी भाषा विद्यास-दावा (प्रभागाने व राम् (इव हक्ष्यतम्म) विलाभा (विलाभा) यतन्त्र (मर्माम्मान) केंक (विकिश्व (क) कार्त्राम्म अही (िन्मान करिए कर्निए) अम्बार (कर्णन म

भन्न मरकार्य) ति विषाप उद्याप्यकार (कात्राय र्यु मार्यकार वरेट) निसंग (निसंग वर्या) द्रामार (क्याक्टरं) लामार (गाम्ट न्याम् राम मे) 1 20011 28 (इ ज का - प्रवर ; दें लामचं क्रियोग : (श्वाम का की मा) का (किस्म) विद्रुखी (ट्यामन कार्य) प्रश्नामः न माः (आराम्काहिती नार् : (वायन) नार (वायन) कर्यः (Edica) navi co (cercua min na docad विवर साकार (विव सक्ते कार्य) है कारार (सिरेटिड) मार्थम (त र्वंशवा!) वृद् (व्या) अल्पात्मान्य कार्य (श्रीम् वर्नी व अकाय राजी [0]) प्रकार्त (कार्यान) ल्या के निर्देश (निर्देश किया कि) निर्देश (निर्देश क्षेत्र चिछ अदान कर)।।ऽछ।। कित र स्थात (Ca my र्मात्व) वि (वि वि) मामला अर्थ (असम्बा इरे मा ७) अनमार (अनमार) किर्मुका लाका (यक्त मा मुहा रहेता तकत हेर यह (प्यायक ्ष्रि] भारम् इ: (तिल-प्रवर्ष) श्रु ध्रव् (ध्र (वामान मीम रेड्रात व वाडा) हित्र (व्यास कर्नमा) टल्युम्पर (मंद्रविष्यः) लाभागेनं हिश्राम्: हिल्ल (काउर का कार्य कार्य कार्य का को कर का

of a win co god o of sight I we far (constan) (यन (देशकाना) न: (arever!) अभिनेश कटलांक? (chine morales) \$# 36 811 क्रियाका (क्रियाका) जिल्ला (क्रिक) बंबम्बिकाकः: य: (डेड्स महत्माका के वित्री क्रिक्ट त्-डेड्स बाका ती-क्षेत्र वा भारति के प्रमाह (मार कारे क अरेड रिक्षित हर्ष बुटिका (श्वीम बेर्स बृद्धि व किए) हर्ष (देत) म्मार्ड (मात्र कार्नेट्टट्या विक्रम्बर्ग्य) व्यर्ट (ama) मिनिरें (बावन करवेंगा) किए (किट्रियू) अरमर विषयार् (आस म्यून कर्वन है र 3001 29/ ८६९ (अर्च) वेषट् (वेयर) धार्म (अर्थान) सीवितराट (अछि नात रम, जल) अछित्रार (देशन अरते) हिं दीवा: मृ : (दम मार्ग्ड किन) रे मुम् ((उपयान दिया) ग्रीया (अयते मुक्क) जाहिना ९ (अवर) विखने र देश (विखन कार्येग) विवयंत्र (विज्ये कर्) 1130911 20 हिना (हिना) धत्रमी (विभागात के किला) क्रिक्री (क्र आर्थ!) देपड् स्तर् (यर रेत) भी प-

(人生之山) 到此(明小:[马太]) Capabild (com a great and dying) mil (int) अवक्षां के कार (अवकार काएर) । इन् त्रिवास (आइंद्रास कार्ष्ट्र कम है द धरमन (रेश शारा किमें) जाता प्रमाण क्रमा क्रम क्रमा क्रम क्रमा क्रम क्रमा क्रम क्रमा क्रम क्रमा क्रम क्रमा क्रम (क्ल लवारकरे) असारि (अप्रय) प्रमारे [रेश] दात कड़ा ७)।। २०७। क्रिक्री (क्रमला) में प्र: (में प्रांत) लखेरी (बामलात निहल्य! (कि हिला!) अमूना (यर खिल्क) भावपुर (मिल्स् स्पूर्त) पीयर (पात कार्याण रहत); ८६९(धिनि [िलायना]) त धारती कुक्छ (अप्रते ता कर), धारक (क्रांत्राव) का दानि: (क्रांडि कि) के जुड़ (जारा) सम्दर (बिटा न मृत्ये) सिन्द्रिकी गाउनमा 80 [व्यवहर वीर्कत वामित्र ने कुका (व्य वीर्का) चलाम् भूकाम् (वर्षेम्बन भूकाहिला न महिल) ((टायन) आनामर् अमामर् (धामाम-अमाम) डिहिड् त (xmड तर्न [अन्छ]) मुरुताः छ् . क्रिये प्रकल वर्षा द्वपर माना छ (डामकर्जा

राम्यां) में क्यांगर वंश्वांगर (में रूप क्यार राम् द Color mingle macy ac ac over the wina 2212 442) 1128011 % Mx (अवश्रिष्क) डिखं: ल्या (चारका) रेमा (रेप्टरायं) तार (भागमा) लाश्या (लाश्यम् भी द्व) के य लाज. (कामण्ड) कामभात्र (त्यामाड या मार्या) मानुवार (कार्ने वास (बारियर) के प्रिक्र (कार्ने) () Man man de la companione क्रिक्स व्या (क्रिटियाहिका) व्या (व्राध) अमारी (तिलान मारी) जारमे को नी (त्ये को नी त्ये के (त्यामान) त्यालवा (प्रमाद्यां चाम्नाह) है त्य (कामान) मन : (माराम) कानी मं ठार (मार्थ क्रिय) दे रेजक्या (धामना) प्र (क्रायने) रेप (ममात) म छड़ा धतारे (पछती या इरेटन) ॥ 58311 82 आ जाम (मामेंडाड) जार (बामेसन कियर (कामें) आविष्: ([जारान] आविष्ट इ प्रमार् मामन) र (रहि); आ (जिति) क मडा (काम्याम लालत), का बाताडि (क बारन) दे व (वि. ध) क्रांच (नक्षारन) त्याका भा त्या (त्यामा अवासान अप्रेड) बाका देक (बाक्स

44); 0056 (000) 256 (50x) my (2120) 213 (015) 11 28511 89 जना (त्मात अभी) अनुनी ए (नामायत प्रित आकार्षा) अधिर (एक र्ष) समाता, (श्राम संगटक)! भरा धड़बीर (धमन मनी बाजित किंमू प-ममहतारिम (त्र्रे मुकार विषय कार्बेगार्ड में क्रिक्ट क्रिका (धन कर मनी) धनुबीए (बार्मान्स्) [किन्]) कि अर्थी (त्वादान आल्म) धार्मानेया (क्यानेया वहता) मनः (मननायं) का सवात (भाष के निर्देश) सरतभ-काक्रवीष्ट्रियमभनमकारम् [म्यम कार्यम् हिन्])॥ 28७॥ क्षित्रियं सिक्क)धानीडि: (प्रशीसनेकर्क) देवि (नरेक्त्य) अन्दः (हेल्यापिव वित्रेण) कूल्य नहाममः अन्तर (क्यमणान भू अन दिक पृष्टिमाण कार्यत) जम्म (जिन) मुला (तम्त- दमी बाना) निर्**श्र**ाम (अडिव: (इक्राहिम्ल (अवंते मात बनार) उर् अविकेवात् (क्श्रुमार्ट) अत्य अवि अत्यत् । ॥ 288 ॥ १८० विस (कार्य) वास्ति (अर्थ) निर्म- गर्य वर् (प्रकृति काला है ने हारम) महिर्दे (अरबम कारित), प्रम (पठ: भन्) महुलाबालका: (कूल-

तम् भर्षे अकः (स्मीमत्) रेखेत् हार्ये (हार्ड शतः) नवाभाभाष्ट्रेंगः (लाहासामास्यूर-वारा ोकसरिका: (करावेळसूद) सक्ता (धारमक) सार्ग) जा: (क्षात्रामा) हु अरामंत मर (हू (अर वाभीते रे । अहार (अवस्थात कार्न्स्मन)।। ४८५ म क्षी या कार्यका) याहर (स्तितकराय) काश्वयांगाहर Man might a designa) And man a fell of man a fell of man a fell of the man of the first of the man of the man of the first of the man निभंदा टिकार दान दिला वे निभंडा हरेटड मानि टलनमः [छ्यत्र]) धम्ता (अप्रम लिएक मिन्य) वसार (इस मूर्यक (अवारक)) वस्ती वा (अपाम सरेगा टमट्लम) 1158 डा प्रकृष) अटमी (स्मेरे) कृष्ण प्रवर्शन: (मिक्स क्ष डडर्डी) इर: (तिषु छ) प्रवन्तिनी १ (अद्यारी अकंप कामिरी, क्लाम धार्महरक-अवड-क्षेत्र दंशतिका अंतुर (क्ष्यं क्षांका असेत (माड कार्या) अभावान १६ (प्राथ्य डाटन) दन दम (विश्व कार्न्सिश)गाउ छन्।

ड्र पर के भारत है कि का नंका ने ने के कि कि कि दल य- ८११ १० द्वी र िकारंग्य कावा के ने बाद्या ता कर के THE COUNTY THE STATE STATE OF THE CONTROL OF THE CO दर्की ((दर्की) म म त्यरि (म म माउ क्रिक्र अरन्) दा स स स स दिश्यी आकार मिकहि] निर, तर, तर, तर, लारे निर्देशि व्यमद्भे हे सम्मानमा : (अरे मटन िडेल्ड्स ने अर्थते लाह्य काश्य के के ने अर इंड्र कार्यात) १ वाक्नेमारि विमाणा आर कृष्टि - मून्ड्राम्स कार्यात कि सकारि ज्यारक्ते विवर् भी नकि कर्त जाराम् अधान देश्रीत्यातं भेति । जस्म मार्टिस्पार्य [यदः]) देपामका के दिन का विक-कारिक-किन्दी-रायकाम्यास्यः (अर्थेवासम सरम त्रमामावि क्षित्रका उ सम्बन्धकृषि मभी गर्नरक जनमार्वे कार्यार्थ); व्यारिदेव मिलार्डि. त्यांक्य नमा श्रीमा विद्याला द्रमा दे द्रमा Calana Mai = Mais a Simis a dimis a dimis

Macing Creat mutera sys) elderinger क्षे - क्रीश्व- अवंद ना में बहारवार क्या : (ब्रोट अवंत्रः करेत्वर द्यू मी एक के नाममूत्र निर्ण दरेख लाभग); धरमामा अर नम्भूरं क - कृषाक भारि-(पाला: (िगर्) अवस्थवं अवस्थावं प्रदेशात अर्ने से साइड्राइडियर सर प्राप्टारिक य हें वर् अक्षात्त्र कार्यात आश्रामः [नर्मात]) र् अ (रूक्ट पटने) द्वट्णाः ना केर प्रत्ये वट्णाः (अशिक्ष के के दिला के महेता: (ममर्क) मार्थिय में विषय में विषय मार्थिय के निकार के नि किया विश्व विश्व मार्ग विश्व मार्ग मार्ग मारा प्रत (यादा क्योरहरूमी स्वाबन लाम मेंगांकि के क्यां बंदें में लाम के बर मा का कार्य त्या में War synce) some and and the constitution of the contraction of the co शिर्डिल वाम कार्पाइन), व्यक्ति मार्थाप्य ए (क) कर्न कर का का किया मार्ग के देश क इक्षा (वर्ष) व्यवस्था कर्वति वर्ष

MANSA STATISTICAN SANDAN SANDA

तिकारण संस्

रे कर (ग्राज्य) रका (रकारात्री) मान्त्र पूजीर (मान्ती-धमाव) लार्मिता (लार्यमात्रामु-स्ट्रम) त्यरं में वर्षणारं (टारे प्रशिद्धि) कपि (वकः मृत्व) विक्रवासा (टमालहर श्वानं मूर्वक) अभीतार (अभीतातेष्) अधाद्वाधामा (अलार कार्या) कार्या (बामला के स्था: (क्रिमकी-गर्न!) उत्पान ताम (म्लान राम अभीका नी ७ अभीका) के में अरखे (क्यमाने प्याप्त) कि लादता : बरत (अराद्य के किए के (क्रिकाट के के कार मार के 2 जा: (अभीमने) छह: (बाजियन निकल्पे दिला) दिलाना डेडटमें) कलराम्यात्में (विश्वाद काईए कार्य ए) अव्यान त्योग-भाकि (कल म-ध्याना त्यान तिकति) अभारते (मझन कार्यपाट्य); एव निस्पार् किंद्यप ([टल आटन] मिलनमां कि हे जारा बन); कर (मारे) ७८ (शारा) प्रतमाम) र (काव (माम भी गर्ग विष) मिक्किट-लिट एल्ट्र (डिलसमाईक महेडबत) मक्ड ७०० असर कड़े गार्ग रूका (रूका) धार (रामितार हिर्मीयर: आरो-रम्:-मध्यम् डविधे (छाम्रहा ममः, आरे ७ अही तका हा

ची दावी व प्रधान कार्ने मा ला आरम् व निकटी) अखद (देवर) म् कार्या व क्षित्व) मामास-बाह्य वास (सम्बद्ध) म् नार्या : डे आइड आकि त्ये) अहिबास (खामा एवं मान वर्षाना मध्येव निकति) व्यक्ताः (व्यक्तारे [देवा]) विस्त्रति स्ट्री (विस्त्रत कार्ने वर्ग)। ७॥ (विष्ट 8) वव: (क्रिपेड्क) वा: (अभुवन) स्मुद्धां समार (क्रिकेंड) अभाकि) अवदार्थ (मिन्हम् कार्नमा) जरमा : (खीनाचा -क्टक्) निर्वातान निमात्र (अटस्टामानभामका नी म विभास) प्रकृ (प्रमास क्रिक) देवका: (देवमूक दर्जा) TAT ME (TER) prinos (prinada) da-करारेयकाः (कवारे नेक्षत प्राठत कार्नेमा)हित्यपू दछ-नम्ताः (किसमादन प्रत्ने पृष्टि भावीत्रमात्न) नानेतः (हर्जात) खिलाः (धन्यात कार्न त्यत)॥ ४॥ त निक्त थ: (मुर्क) लयंग (भाग्यास्त्र के) मार्ज -रवेट्स ७) असूळ्यम् विक्रममा (विक्रम अस्ट्रिन देशाम.

रत्य [अीज़िका छ। शास्क]) निवाबिछ: (निवाब्रे राह (तर)। छर काम (कमाने [1817]) अमृश् मानिश्वक) विद्वपन (द्वने अस्थापन कार्ने उ काइ (व) करें। (वर्षक्य) म विविव: लाम [2460] @180 23 (42) 1. O.1. न लग (लाक्ष्य) मः (क्षीकृष) मुखदीका हर त (८०० अरम अक्ष मंत्रीमाक) (अं किस मावप (के किस. रमहारा) काकिर (जकीर) भाजिकार (भन) अडिजिका (लिशिया) व्हाक (भीया) नित्रा एक दिन (दे क्वी एवं) एडर (इन्ने अवक) जिलाई (क्या नाता का कार्यों ि। उसे बारे: अव ? (डे वे बारित मरेते रिकार (अरेज्ञ म) पडाइए (बिनियाहित्तर)॥ धर्म सिक्ट ड्रेट अक्ष्यिक क्ष्यात्मात्र वर्त केश्रामका ते सिक्ट ड्रेट अक्ष्यिक क्ष्यात्मका (प्रमुणते व [ना न का एक] गाम लियार (विहासीय न लिया) हो नी ? वेव (छोवीन मार्) बलार (बलपूर्वक) करत गृशीश (शाल के किया) कू ला बिलाहत: (अपूलत्यंत) धार्य (अरक) के आयोह (के के प्र उप दि) या मन् (आंभरे) धात्रमाप (डेमाइड १रे(मन) ॥११।

ि किस्मी लाफ: (मभ भन) में केंग्रिक् (मक्सामूक) अक्टर-म्बर्गाल अले (अक्टिए-रम्रा अर्थ एक का [अन्माल केट] अम् न ट्लाहन आरे-(अर्थ [जीक्काक]) द्या हा: (इस प्रकार माने-वार्य (आवे विकेत मूर्वक) अअमुप्रक् (वा अकार्व) मभी प्र धा ए: (प्रभी चिन्नित्ति) धार्: (बानित्तन-)म छ।। [(x my ;] 4: (mmenca) x 221 (22m ergin) त्रका (वैति) केंच माद्री (काआमे । समाहित हे) है ल्याह: (लामना) लाक्ष्या ह ([त्वामात्क] लाक्ष्यने कार्रेश) कुछ: धार्म (कामाउ) म सक्का (भारे मारे); का (आन) अमूना (नरे) श्रिकेत (श्रिके मार्ड) है (कामान) अम्म: धामीय (क्रिय रहेन) देवामावः (ट्रिक्टाम) अभाव (र्राम मिकरे शरेख) ए (रकामन) काहित्र र बावा (माम्म्राहिकाम दम नार्रे)।। के।।) लिए (िक्सें] च्यु बाद्या) का गढ (स. भी गड्यु बं) वान्याप्रकोर (वान्याप्रको) निमम (अवने कार्नेम) १ (चर्) तिला मी: आह (तिल प्रभीमार् न व्याचे) का हु ए (विम्डमाक) का विस्करेगारी

(विकिश्मिश्वा) मुहम्ह १ (भृष्ता करकेल) मिलामा (अश्वाक्रांग) करा (व्देशाला) हिंगा मुक्ता ह नकार उन्ने केरिक्ट्रे) देखानिका ध्वामी (विद्यानिका इवेट्नम)॥ ५०॥ M भा (तिते) दूरिलीक्ष्य: (क्रम्सल क्रिन कर्नुम) म् आ द्या (लब्द्वं वं अस्य प्रवंशाद्वं) परं सरक्षक्रक्री. (अम्मम क्षा कर्ण), इमहर् काउं (राभ वंद (अर्ज अटक) जल मीहा नम्मा (जल मीमका मत) ००५ (०वर्त कार्न (कर् चिक्ट्र) रमडी: (राम) वंदा) कानी: (तिक्मिश्री भरेटक) छन्ता (छन्नीकट्म) अवस ९ ह (अरेक अ काम (MA) ILSS! [द्वाहना] र्रायात्री सार र्रे र सम्प्राता वा का मारक) बस्कर्ष क्षेत्र (बास क्षेत्र कार्य ने कर); कृष्टि नी सर् (स्मात म्हात नुकारेश याकित) क बहुका (क्यां भिकत) क्या (अमिन्) मेरतम (असम कविस् पाउ ; [कावाव]) आतं जिल् (अर्थ भारति अ) अमूल (वेशाकाना) टमरम्थ (केवनी उस कराष्ठ); अम (दे दान मन) प्रत्य (अमर्स) कम् कित्य) वः (कामाप्त) मणं : विर्वयः (मणं काइंद) रे हु। >2,11

श्रिकेव विद्यान करेकन वा अभी मने), क्षा ! ह (SANKI [96]) 38-180-2800 MIJST: P (इड ७ ८४३ टमानाय-म्युमाल्) मयादि (धर्म्मा) MANGE CONTINUES & SOUTH STATE OF THE MENT OF THE PARTY OF (६०० व अर्भार्युक), युक्राडि: क्रेन्डि-म्डाड-ड्स्थं-रस्ति (कासामन कार्यन सब देवन अवतं दर्दात) लम्मार हाक्रार (हाक्रकार अमानमक्रा) यार (काम्मात) बहकः (इक्षा कर्निगट्ट) ॥ २७॥ नाई त्या का का कि - मानक लयका ने ड्रमंग टि। त्म लम्बी वं क्र लम् लम्बिलम्बी दिवं भागं बास्त वस्त । तिर्वित भाका विशेष रक्षणाय जाता मध्रम् इस कड़ा इस, देशहे कालाहिं। अद्व अविके तिल व भागारे क कार्य के करिम भाषादिस्य सरितामा हिर्द्ध सम्बद्ध करेक सवाहिक्ट्रक ला ठी व अने के दिया कार्य गांटर X लाम् द स्विक मा जि कर्रकारियां में किन दर्भाट द्वेयारे द्वारां बाद्यां ove sur!] कुन्तवली (कुन्त्राका) ध्वम (बाम्यम) द्वारि! क्षि शर्ख :) त्व (त्वाभाव) वह: (वाक्र) भवा ०

(20) x 16) (MESS x (MESS - 25%) , 22 (CMCS) क्कार्ल (अक्टिक व करले ७) जात्री वार्य करेक-सलादिन ध्रमता क्रियोनिए) हिर् (हिर) के हर रे माल (2 Mg EM 24 (0 (2)11 > 811 (प्राम्) (त अमे !) हर्ने आहे : (हक्रम माद्याता) लाह : (तर्) मलामकी हि: (मला-मकीमन) वृष्टामामाम (त्वामादक व्या काववाव क्षेत्र) छिल्कः (छिक्क किरेक-मर्भः किरेक-न अका ना) अभा (वर सी क्रकन) र भू : (नवी नरक) लाटिमाहिक (अव क्रिकेट कार्काटर) विद त्व वर (त कार्) वितिमार्मेकर (वायाता व मम्बर वर्गाट) दे (क्षेष्ट) रेपर (रेयारे) हिन्द् यह (बिहिन त्य), जब काली रेपर (एक मार्ग मार्ग निक्द) करार्म कर् (कर्म कर्म कर्म कराय क्षात्रक कार्यगट्य)॥ २०११ क नित्र त्याक स्थाने धानकारवं महत विद्यातमा धानकात्वन मित्रत क्रेम्टर दिलकार व दलत्मन वस्त वाहाका लगूद लावर-कल्लारक क्रमक बमा इस । अध्या देना अस्त जा उभाग अभीत जन् देनामा करेक उ देनामात नामक धारक के कि वर्ग मार्टि

क्षितंत्वं कालाद्य मात्र कामर भारत्वं दृर्वाष्ट्र वाप्ट हेंद्र द्रमाल तब लावमा, चमा डमं। चमरिय प्रवासती-कर्न जी बार्याव अवीवटक अठ कवांव काने ने या अपकृत्त उ मक क्षांत शिकाबमा लमक्षांत हड़ गाह ।) अम् ! (टर अम् !) टालाम्पान्यप्रे वि : (टालाम्मार्थि आडि धामक), धारितमारेगा (धारितमारे) धामा (यरे अक्रिक न भरम) देवामे (बक: म्हर्स) ह ज्ञाबरमः (मश्राहरू-क्ष हळ टळाते ने , अर्था हत्य हळा वती तम्बी ला भी न हाड: (क्षांत्र) लायं में का (काल्यां प्रअंदर् रतं " [म्बर्डि]) वेड ने (वेष (म) व्यार्ट विकास कार (निकार्यक्रियानी टमरे हळावानिक के कि (वम: मृत्न) विकास (कान ने कान एक इति पर (केत्रात्रे) अन् हिन् (कार्वनम् काम्मर्थकतक); अव वय ह (यरे हकामतीन शत्री केन् मूर्लाक करेक अव कान तेन) ट्रपूर्वदे (कावते बन्नी)।। उत्पा निम्दा जयरम् वे धनकान । अकार्य नद्भाना जारत क कार्या अविभावत क्रेस भक्त सम देता करा। निरं रामारक म्हान मी निर्देश कार्य कार्य कार्य कार्य भारत वर्र गाटकी

भी भाग्रका ([लाक्न] भाग्रका) हार (क् म प्रवादक) व्यापमान (212 (21) (22 200) (22 200) Was (220) अक्षर् (कारस्य अक्षर) भारत्य (कार्यं अग) १ шार्ट हतार (धार्ट हमता) = कार्मार्म् कार (स्ट्रामी डिम्मी) भरार अर्भः (भन् अक्टिंश तिकरे दरेत) छम-विक्रामार् (एमयमणः मनायनवण) प्रजीतार् (मरी-लालेन) नम् वि (मगीरन) बनक छेकन-भणानार् (वटन करे क्रिजिंड क्रड्रम् १२वं) पार्व प्रः (धडाप) रुम् कर्षिक रियरेट टकन कि दिन जना निश्टे ट्यांक ' नारकार्डि' अस्त्रान । त्रकरेककारिक क टब्र असानमा वर्तिकाना वास्य मामक टब्र आमका-सम्बद्ध दिली करान देश व्यवकार मन्त दर्मिति।) भि मुटल ([व्हकाल] चार्क) or sol: (च्यां का व) अव्यास्ति (अख्यक करणे व निमर ट्यापूर (वर्तान अस्मे किरेट्र) ज्यान आवता नमाइ (विक्रि जात्वव देवरम वस्तीम) जात्र (मूलमावन) मर् १६ (पर्णात कार्वना न किए) अस्ति छ एक (डेरकारेड र्वेमा) मारमामां र (विषित्र डेमाम् प्रमूर्यः) हिंदुरा हिंदा धार्म ह कार्ने आता: (मश्रीलते)

डाम्मर (राम कार्नमा) स्थानी (विक-स्थीन) स्थमामान् (बतन कार्वाक लगानि लात)।। ५ मा निरं त्याद्य समात्र-गामक लायद्वात । महात समात-मुंबीक कार्य किटबंब आप्रात्म कर्ण में केवे वर्ष द्व स्मार्थ द्वासकाव रेगा तम्य कर्म कार्किन समये के के विश्व के समय के सम्य मार्गा भने भारत के डाफिटड में सब हर्न गट । किता (माध्येष) राम्भाः (राम्भापत्) केंद्रिय के रा (क्रिमकालमी) जमा (अश्रीम) मिर्मिका : व्याम (नित्थर्य अरक्ष्य) भू नारनः (अत्रिटकन्) पृटेखा (अति-विशासन किए) जिसामे का: (जारान रामे रामित लानिंग) आर कार्यण न मानार (अम् कार्यक्ष स मू कार्य भारीम जगाक) मार्स कर मा: (जीम कार्य) भार्वे व कर्न न मुकामिकार (भार्म म स स सम्बादाराता म्बाप्रिक) स्थितिकामाः (कानेवान रेकाम) प्रकृत तमाविय-मूकाव्यिक्त म्यामिका सम्भामिकाः (की कुछन अमून मूमकातन पृत्रामा के प्रमे अर्थ वट्स कालायक रर्गा क्रमण: (क्रमण:)हमाभी ए ord (हक्रम (माहम जीमाक्षेत्र) वर्म मंहा : (वर्म में क्षिड् क्षेड्र क्षेड्

HOSERAL CHEROLOGICAL STREET STREET STREET STREET Man (Hala) muin: (nyluy) exit (exjaca) लार क्रावसीर (क्रावसीक) मर्गे गेडिरः देव (म्म्मे (ात कर्व र्यं में अम्भू (खांभुरक) लाममें वmusmin: (Maso amona) gais \$ 23: (बिश्रम् काविमाहित्यम)॥ २०॥ का (क्षित्र) आ मानेज (मानेज) जनादी र (बानेयह) क्रिका : (क्रामा ! (द्रिमारी ! (द्रमा) , कार्य (वरे) क्यानिका (क्याना) मर्म्मामा हाम-हिकाति (पर्युग्तान मरक्षामाहक्रमम्य) विकारिष्ट (कानने कानेल्डिम) 11 2211 नियं त्यारक ट्रमां विकार विकार मार्थिय मार्थ लामहान्या केर केर मेर्टि । केरवाम का न्यान ्या ते वर्ष गरह। सामाम किये वर्षिका (य लक्षामाम हिंदे द्रम् एक ला अस् ठ सम् राम वाम वाम । यह ते आमाने के जी वाक्षेत् नरेन काटल धायामा के य कुक्ताण व ने मीट्र डेक जनकार रेम्स्ट्रिंगी

१ क्रार्व (एकता) भिवामिकार्ति (भिवामिकारम्य) बेटवा: (१८ जन) न द्रमां क्यां (तक नश्रद क्यामाना) बामकाम (मेक बाहुगेटहर)! वता (लप रते) MNL: किस्ता के के के मिस (स्रक्त । अवस्ति -म्मन) ७ कि मी ब मा (के मकता निवान में एक कर्ण कार्वावं र्याप्ते) अह्वा: जः (अव्य हस्तक्षा) प्रकः (किन्ने कान्ट्राट्टी) ॥ २७॥ पर त्यारक केमक उरिट्यमें उ काल दे के पायदात्व शक्ति ररेशर्टा निष् उ कूठे अरे डेसमान उ देस-टममं मूमट्यं कारकस्वर्यन्टर व 'समक' वर्मणटर। डिमल्यत्व डेरकर्यत्यक डेममत्त्र मार्च त्य महावना कता रंग , वाराक्षी हिर क्या र नर्टा देसमान सक्स VERTIN THOURS, NING श्री शाम- विकास- अविद्याल्कि: (शामाविकामार्यू पाँराक् महमर्किक कार्य क्या कार्य हमस रहे मारह) आ

Engine James (James) France (Electrical) (काम्या: किन मान्या दिग्ड (पर) स्था मान्या मान्या माने (स्तक्ष । नवामकं भूगत)। प्रवन्तर् (भावे। धवकताna) manegas (manegagiag) minão (mi-न्त्र) वर्ष देल् (मान्न हम्माक हिन्द्र (वावकास कार्का वर्षात्रमानिकार कमायत विमान्त्र ने निक्र माने लार्भा कमा कार्य), वाराहितः कस्त्रावर्ष्मा (अर्थिवं कवंगमवं कंत एत्रमर्द्रवं) वस्तुतिः कमाहिः (ध्रम्भा कमानारे) मिल प्रु (CHICE MYSE LES (MYSE O SIGNIET ES &) 11561 न र त्या एक द अक् दिर क्या ते क कि दिक दा मर्थे। व । कर्मम ७ एक मध्यम् एवं अवर अम ७ विकामिन पूर्यालयं जरक्तीवरेश त्र व के अक ने में में एड द मिक्कि कि की करिक हिल्लाका के प्र ह सक्या के कार्य के वार्टि दिए कड़ वर्टि में महार की रहा. तक प्रवाहित्येल क्रिक्त एक प्रथा वाष्ट्रिक महित्या. त्यक एडेल्ट्यकारे इरेमाट्ड । धान, मार्वासरे । जिना ने मं २२१० अमलमा मियानियं प्रात्म हेट्स के नमेरिट ह ्काल्यक वर्षात्रा ।

三年 प्रित्यार <u>इ</u>क्षा (क्रिया के बारकर आन्द्रिया रहांग) केक में में की (मुक्काक कायल राप कार्न (कार्र) इम्मेर में में की किकार कायल राप कार्न (कार्र) WEISO MATHERA HILL प्रीहतः (जीक्रकनं) कवात्रिक (कवक्रायम्भय) अम्महत् ियोगं आम सम्मूममा (क) मा सक्तं गिंड - ला मा मा मा मूर्तं बी अह (मान- वक्षं जर्भन् कार्ने म नामस व क्षंट्रिय (जरान माइक अर्थ काने मार्थ कि) बामा: (क्रिकें कुर ना स व के तर (सन क म ना म व के कर्मा क वामन कताबि (मराव) सूपा (इसे अदस्य एक) महेता: (तुका कर्ने पा) त्रेष्टा कार्टिक्ट क्षेत्र के क्षेत्र कार्टित न क्षेत्र कार्टित रतर दिल के अके रेर मेटर । वान, अप के । हर प्रात्मका कर्त्व हिट्ट स खते तव दे दक्षे (३०३) - १०० असर प्रेमाट ।

They is compile ([man] internal uny is out) 18 as (18 as) our cass fair way " 1 5 pm (12 ming) ि देमर (तरे) हिना (विहिना) करकत्रका (अमेनवा) अरेंग्रें where en my man a cur con main erein) ए छन्न नारमान नारम्हिना है। में दे वारा हे माना द CAMMENTA CA MA LIGHTA) HAS (MA) POLICE -Ande (13 mandula) Aga (Amajura) (1 (gray ara (0(E)) 11 5 9 11 चिर्ट्यात हर्टिक्षेत्र, व त्याल्या के त्याक्षेत्रं ना करा , केंद्र से, (अन्दरंत्र) केंद्र अताद्र दुर क्रिकान टनगावक र्यंगाटा। एड्ना येप्रमात मार्वण्ये क्रियंत Commentation of the state of s दुलामात्वं क्षेत्रक व्यक्ति स्मा व्यव्हिता।

200

Manufactured by:—
Shanker Stationery Mfg. Co.
48, Jatindra Mohan Avenue,
CALCUTTA-6.

haduz 128 Pages No. 8 RUSEBOK TITLATIONS Name (200 School_ _ Roll No _ Subject Khala

T.P.M. Co. Ltd.

Reg. Trade Mark

May your (Control of July) showing a year of Control of signal of (13 sesse sell) sect office of the second [अर्ड]) असुड (तथा म्युवनका) पळा तथा (पळा त्रिक्षाः क्षिति कार्य (या स्टाप्ति क्षेत्र (में क्रिक्ट स्टाप्ति क्षेत्र क्ष कारत) काम मधीय-विदि-मध्यादे (केन्द्र स यम भड हैं याद अष्टिश्ल) हा ह (डिस का कार्स कार्ट) : मर (पर्य) रेश (रेशन नरे नकः म्हत्न) क् हर्णः प्रित्न अध्यक्षित्र वर्ग) मत्या आहत्वर (श्रम्भाक्ष मन्भार्म विदिस्तामरे) जारा (हेक महाद्वालिक) क्रासी (इस्याम क्रान्ट् म उन्ताम हेड्य मार्गाह 200 x10 0 2 1 000 : (comer and (0(2))110311 . िर ट्याटन हिंसने कित्रकारी कियहार भी ट्यार प्रमुक अपनि में अने का व का अपने कार्युटि दे आकृत करियादा जिसे अवतित कालिय के प्रच-इसीनं जीव्यक्तित्व निषय अ कलार्षं कर्षा लाउन. डिकिट्यू के असे प्रमा प्रमाण्ड । हिर्द्यम्पत लाम

विश्वदम्ब लार्येसाय यम्द्रमम् अर्दिन्त्य त्लार्याय, मानक लामका ने रता । जमान के में के में में में में में में में इस प्रदेश होतुरास्त्रम सक्तांत लाम्स लाहार इक्षेत्र । विषय वक्षेत्र कामामीविष्य कामाकरे लामका नं रंग । नम्हाम सम्मेममार मध्र संस्त क्रा कार्य कर्ता इसे मारह । त्रिने अवरि अव्या । विषय -3 gantal aware vin can stall त्रिकः (अपन्न)। खंडा शर्ड में तर है। से सह दिन से सह दिन से सह में ट्याट्य एक बढाकु हत्त क्या मां मां मां मां क्या (अर्) इम्रें दं आ (इम्रेंदिंशा) लाह खारात (काल्यां इस्टिंट) लिया सम्मार्क्ती व लक्ष 'ल्या हर्ते में बे व विसं में इस्नामित्र ४८०) कुक: ४० लेका: (२० २ डी) लाक्ष्येद (क्षुटा कार्बगार्ट) : क्षेत्रका क्ष्य (तिइपडेंद) स्मक्न अभाग्रम्य मान) उत्कारमान ता किए। प्रिक्ष (कार्य क्षित्र क्षित क्षित्र क्षित् क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र 24-11651

नड़ ट्याटक ट्ये हे दिख्या, व स्वय, लाउडी व त्यंत्राक्त्री, व ्चवं नर्द्य हिर्श्ववर्तित्रे द्याव उद्रेश दर । अन्तरं इस्ति । विस्ते व्यासा म्यामा मान च्छिटकं वियातं देवस्त्रम् अमान्यात् देव त्यामा अंग्रिट अंग्रेट अपि व व्यवं व्यवं वायाकी-या-कारत्य-र्यास्त्रहें त्याक, द्वान्ता । नार्यंत्र केविन कु यव अ त्यं व विद्याक्षित्य व द्या म रहारि । 08 [अवहन] आ नमात्वी (नमात्वी) अभावित्वार्था-कर्क) मुला (मार्ड मर्ड, ज वान) वार्त्व जान (yangar agin a) sin man (you awar a) केक करानू (का करकतं कर् तमारक) में का में (नु सम्मिती (भूकेरदास अविसूत्र कार्यमा) अभाद ति क्षांत्र (श्वमात्र) लक्षाः र्रेक्ट्र क्षेत्रके विषये (बाह्य प्राप्त क्षा) (क्रियं) (यक्ष: म्ट्र) बाहर (मिन्हमंत्र) मिष्डर (धानरवं व लाट्या हर्ड) करकार्य म- लाम- निर्मू (बनकप्र बटड वार् में लिंडी) में दिल्ले (लाबस्) धिमके तिले (भेवप् रूपमति) प्याम् (व) (प्राथ्ने में ब्राम्ने . (53; [mid]) 五里五(加)五分:(五里可五四五年

ट्यान्ड), हे: नमन-अनकट्डोरेन: (नमस्प टार्न मनक (हारंगर) वन (हमाद्य) में ने मंद्र महरी है व (up, ongeges an aux esant post (12) र्ठ: ००: (मामकार्य) भारती (भार कर्षा गार्ड) ॥ ००॥ यह त्यात्म समय देवत्यामा त व्यक्तात्याक -लम्बार । म्बरम्मान में में मुक्ति प्रा न माक एए वं नक् छाक्रिक व संवासिक काराक्री स्प्रिक समक्ष रहेगार द्रमान स्प्रेस में मास दिन व वर्ष के मान Man grasmic 32 2 ma a colde mai BC & Mendalifes & GC CAMI, 23 MLE 1 POLA अक्टान द्वन डिमापा के वर्ष दे अभारे दरेटनड द्रमार्थिक वित्व द्रमातित सामाउट क्रमूर द्रमातितं निमक निर्म दिस्मा मा मामानित निर्मित्तार्थ, क्षा कर है लाम (क्षित हन) मद्भवी (मूद्भवी) लिनिन्न-र दिए। (अरिक के क्या के विस्ति) आम्मियर मार् श्र (हट्यम्भी खीवाबातक) मारियमि मा (मार्वराम vogle axalisti alore (aloras) alore

समासिनेन कार (वयासित कार्यार क्याप्टिया सिना) मेलक (वर्) में व प्राहे मार (में वप्तां है। राहि वीमाराह) क्रियम के प् (कथनभी व पत्राचा विसेत्र) वेदिलप्र हते (में व्यव क्रम्भम) रहली ए विस (अन्ते करने एएए कार्मिक इ क्रमाहार - भीडार् करमाभू ने रे क्रमर भीडरामन मार्थिय प्रकारी अव स्थितमात्रे, वास्ति सप-क्रम देखस मत्रमा में रचक्री र विकार कर्म कारियी , मेरेका व कार्य न ने मुक्त मार्ड भी दे कार्य भेद्रा द्राष्ट्रिया का का का का कार्य द्रिया है ने मिला है हिन क्रम्प क्षान् में महिंदिक वे । हा मा क्रमें 51/2(4) 11 69 H-Tax care a care मेर्य राष्ट्रियायता त प्रात्या मार्थिय न वर् राष्ट्र-मैंगाम व किरमंब लामाकी एउं , सं अस, उरमोटह। ्त्रानिनं अत्यव न्यान्त्रित द्यान न्यान्ति क्रिट्ट माडिस मिल के अभाने डेनेट डिसटममें ACIA MYLENIS E CONGMENTAL SEMINE त्रिक्त (लक्षकं) मा कन रेम. (कन के मुक्ति रम) यानमंग तथ (भीषो कानमं त्या हिंदर) का मन् (क के हिए) अर वर्ष में हि मा (जी बंदा की के वर्ष कर्यात नार्याच्या ७ मा

रियर (वरे) राहक माणियी (प्रतिमाण्या) (down water) : or grain (out on 2 day as) one ses में अर्थ (मामिन वंद्रात में मार्थ हारबर) में असे ब्रुधाप हत्त्व (याह्न के क्षेत्र कार्य याना अस दर ए व्याम छाट्य बीक क्रियमेन दे व दे व ब-में कर इं क मान का करवंदर, लाय है। वं कार्य दे लादे द्रेनसम्मन मन् येक लाम व क्रमस्राया ममामा ड अस्मान-सन , रहनाल , कत्मारक भुट उक्रमालन अभाग्य कार्य के अस्य द मारातंत कीमक लये वियत (रक (काल भटनाक , रहनाटह ।] 80 [TONES] MEJHION A RYZI (SEE MEYS MED). (का का भी था) अन रकाकी (का की) अवादी (2) NOT 18011 5A Contraction of the second of t

er fries with ove dy ships (or " [mid]) orwis: (xd) Sompie: (a) Elvis nega) na a di hainge (or a. 85 (orus: (sin) I Enderschaue (virtis ordina cana-(वेदान) मड: (मड) व्यात्रात् (वर्षेट्टकार्यत्न) The server a de ma a misco, or que, DOMMIA ONDAY ALACOCES) 11 8211 चित्रे ट्याटक जिल्ली असमें व कालाविके मासक ला कराइंड र याया यम्माट्ड विम्हरम हल अ-अते -म्यांग ८०, चर् अरत , अके बार्सि म्यक्ष द्व लाह्या १ , चर्म्स यामिताकां देलका-त्यावक (र्यान्य वयं व्यक्तित-Quiso, अप्र करा र्डिएए . क्ष र्य लाश्वाह, त्रेक्त क्रियाकों द्रमा-एगावन , र्व, नार्यं ल्यामहरू महत्रमा लयका व द्येत । द्रिस्त द्याम भरपन वा बरद्या जार्थ द्याम कार्याचित्यर्थ व र्य व्याण आहेल म रूम , ह भागरे का ना निये-पानक्ष उसे। नम् त्याकिक्ष क्षात्वं अक्ष में मायन याने व्याष्ट्र मुध्य मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ A 55 ते वर क्या का के सिक में के के किए कि कि के कार के win Courage Coater ought toin (काकालें रेत्रेश्वर्

85 [लमक्] माक्यमका (माक्रमक) क्यालम (क्यानं चीकेक्ष्र्य का (स्वत्रीयांग) मुख्य (स्वित्रियां [grang]) of min (cold of sur (and a line) Eme (and a line) बरायेकर त्यान (धियावका ड्रंगिक) कार अकृत (ट्राइ ज्या संस्थित) अपन व प्र (पात्माका वप्र अववन) लाव प्रत (बर्बार कार्यामामानाम) 48211 80 त्या कामार (त्या कार दिन माद्र) माह: (माह मह) द्वासावितः (द्वास्वालि), डेव्पिक-व्यव (सम्भूमन [-30] MINSO (DANGE) IZELLO (CALLEL भारेखाइ निर्वा अया (रेस) अन्माला (पर्यक्तारोत) विश्विक कर आहि: (दोवकान्नेक माडियान) , प्रवार (अवेड सुर्व रामार वर का) माम्मर्वकारमंग्रे (अमार मकावमध्य भागवाव) अक्र मात्मा आर् (नकरि. गात्मन वामहारम हरमन) वड्डाम्पर (अम्मामात्म) मन्दरमंगानित्रः (निकेद नं प्रिंग्नम्माना) भीतार (निधीतिक कार्ति) दे द : (ह करे) मीकारी (क्रीडा कार्डिट्टरे) 118011 कि टिन्द्र कालक छिन् मालक लायद्वान । वासे वसिक ट्रिया असे कार्य कार्य कार्य अस्ति वास्त्र के अक्र किंग

अकटन मास्य मार्ड, त्मामनामि सम्मान स्टि म्म-यक मिल टमालम बें मूक ममाम्मरम व्यवेत-मरवात्त्व " माराज अम्माय के हमकाल मार्गान कर 文文:1021 881 [masa] Augener (siggana) n mag. (अर्बरी) कार्य (कार्याम)। 8811 80 स्थान (स्थाया) कार (स्थारक ने) मक्याया प्रा (ne may) ene: (he se my) \$ 36 (ne \$ 3); चिवान-विजि : (चिवानिव विश्वावरे) (प्रभाग (प्रभाग); अवसम् ह (तर प्रके डामरे) त्यपि: (यपि) , त्यामवि: (त्यास्त्रास्त्र) सर्: (ब्रेंड लक्ष्र लाजाव्यात्यं मार्चित्व) : स्वीक्षि (स्म्मान्द्र) दम्बेटिस (सम्मानिक्त); काम: (कल अने) भवता (भाष्ट्रक), म्बान-मटले (म्यम् ब्रामिक समादमारे [यमानता) अरि-आडम (अर्ड उ अडम), बसावः ((काव) व्यक्तकं) हिलाकार : (हिलाक मेर्न) रेड 3 no de cult à mostrat qu'il so it man, massis) E - y com car () and subsité a con mandrine de montre de montre la montre la montre de montre la montre l

87 (लामहा) आ बामही (बामही) क्यार्क वर्ष (पड़ क्या) कारमा: कमार (ब्यवाद्र सामिती व अणि) अभारी (कृष्टि भार भरता) धार आह (काम स्वत्र)। ४ । ७॥ ्त्यां त्या ([नानं कर] त्यां में या च वर (बातका वर्) ठ्यं सम्प्रत्त ([nm=m]हरे क व लाम)! व्या कर्म आः (क्ट्राक्रम) में बढ्या: (वान्ष्रम्य) वाह (वाद्रम्या) वाटम (रेंकुड़ वाम) । गय: द्र एवं (ययत्मे न र्टर अडम) निव्यः (निव्यक्ति) समायः किक); दी गुद्भार को (अमुक्तान म अपूर्ण ने न क-कलाक (अर्थ महिल क्ष्मक वा हर्ष कामेर हात); मीत्र आः P (Exallery on mills & [on a]) in al (mary) भागरव्या (कमर्गाष्ट्र) विभाग (विभाग) अस्या (अस्या प्रायात) हा हि । वस्य िर्द्रा दूर् कार्य मां त विश्व क्षेत्र के न हैं वि के कर -आर्टि के कि कार्य मि कार्य कामा व विहित्र म सामित वामायी स्त्र रहे · 望出中,一回上京人立 高山至 (ब्या) लवादी (वार्म क्या विकास वर्ष वर्ष) रूप

8% श्रेमारंग: (अंग्रिम) में दर्ज : (मेलने वर्षा क्रिमे क्रिमें क्रिमें (मेश्यमं) भग्र) अर्ड (भडमम्म) विक (मेर्ड मेम्य) मत मिया अपमा अपमा (क्यान में प्रें)! क्रीम्भ-माड-वर्गा-हवर्गः (म्भ, माड , रह उपर नि भागि (कथम काकि); वक्षामका: (वक्ष धमककाकि) (दासामा: (जमन-भामा) ने धर्मन-। भी ००६ (धर्मन बामा) ्रेडमेट (डेसेंग-अका)! वज्य ट्याच (यम्प्रेसेय) -ने भी बर्स (प्रेरि नी म क सम) , त्वा वासी (खामवासि) -वा नी निका (रिकान) विकार १ वर्ष में दे विकार हिछ रही) रेक (यह मूर्मिन् क्रील) अमिषि विद्रा कर्ने भारत में मुर्ग वर्ग गर । (वरा कर्ने भारत में मुर्ग वर्ग गर । वर्ष क्रमंशिक मार्ट मेंगाम करियों न वर मिरेक्स हित्यं मार्व के के दिवं लाग्निक मिर्मिट दे से लक, Washa हरिए] (क) अयः (अयवातः) इत्त्रेश्वल्यः (चार्केशक द्राप्तताः (दिस्त) आम्यारमं: (अप्राम्बिहि) वा: (अप) बनेमाः (बनेमायप्) (सम्भू (स्थितं महत्) The state of the s (DINU DISUS, LY ANNAS LY LEGINE CON

Company of the Compan (1) extes (L'anifordaungenine a morte l'a (यमामार्ष्य यमाद्वर प्रमंभाष) व्याचार्व में मंद (अ) श्री के पर हिंत्रे में प्राप्त) अल्याति में ने नार - के के के द्राः (नक्ष, व्यक्ति भव अभ द्रा व्य) भीमक्रान्त्र . करो : (अर्थे अड्ड म, यारे, किका), ठाम-आहिक-धर्भे क्षित्र (श्रमः अस्य भट्न व वामन अर्थ) मल्यारी: (डिल्झ नम्प्रीमाना) आह्निल (हिक्कि [नवर्]) पाम्मिशिवर (पाम्मास व वर्षाम् व वर्षमा) अ हि: (भूर्वाक) धार्यामक वर्तः (भूरका लक्ष्ये-राशियांग) धार्मनर (विश्व नाक्ष्य) विकिं (क्रम न्त्रे त्यारक श्रिकात्वाकी, हिन्द्यका के मके उ िल्ल की अन्नहान । बाह्य प्रकारमन बर्ने म्हालरे ्यकारकाष्ट्र, लयकेवं रता न में प्र आवणात बासेव सकार्य वर्षिट्य ने विद्याला द्रे गटा वाकाम * Con a si (1/20 milles) many à rous mingie मात्राका मक्ष्यां देव किस् मित्रा मार्टिं दे देव किया,।

Mamue majiny Kenina ayantisa (1254) हिन्देनहरू अख्यादिन आहे जानावात्र्य स्ट्रे संवव, । स्ट्रिके क्षित्र मित्र काम् काम् ता त्यात, इत्रेशक । (र) या लाभ (टम आंश्रम) मडमाद्री (टम अटमाट्यं क्राश्मिकं) किलमरं (किलम्प्रिकक्षर नहीत क्रमत वक्यर भत्वक) विष्: (त्मेमार्थक) सवताव (तवत क्रमार विसम्हिन [कार्यान]) महा कार्या के भी कार (असे ब न मंद्र राय का क्रांटिय क्रिसे = आक्रेश्य = क्या वा अर काका त्मे अर्थ वा त्या कर का रह गरह, मा उत्के दिन में मा किया कावक]) है मान (य ([निर्मम तिथ सरमाना] करात) राम्त्री हा नर विकृतं (मान्य विद्यामवर्ष) अभागार (अम अ त्र म्हला [राम श्रांत कार्यात कार्यात कार्यात है। विस्त (कार्य कार्य) विस्ति कार्यात (काकवर (क्लाक अर्थार हक्त कार्य) विमलते: (विमाभ अर्थार मूर्जिण जात विमारभव कार ने द व्य कर्व वार्माने) वर्षाप्यात्म ह (विश्विष्यात्) ट्याक मना कि कार (काक मद - 2 र x का का मान

अर्डिएट्ट) र्रिट (नद्र दर्ड) म कासा (त्यद्र मानामा) क्ष (क्रिक्स दम्द वर्जा संग्रं (नवड वर्गा नव भरप्रात) द्वि (प्रवान) क्या कारा व मार्ष) Gulnio Elad (@ my wie viela outin &) # 654 चर ट्याटम केडिटन में नामक ध्रमान 15 किसार्थिक स सम्मित समाम् मान उर्दा द्रेसामन ८५ वे द्र का कि व के प्रियं के ८६ ।) भगामित का का का के प्रायं के के के व व व व प्रायः के व के व व व प्रायः के व के व व व प्रायः के व के व व व प्रायः (क) रेग्ट् की बाबा हबने न म हका वास : (बी वार्षा व हवाने व तर नमहत्त्राम्यी वर्णात् नमस्त हत्त्रांकि) निवक्ष (निक्रम्भा) , अकर्नकृष्टि: (वक्ष्यमा निव्हे) भमा भूति (अवसा का के क्रीकाल) इकि का मि (विकास क्रमरमं) हाडी (अक्राल्टा रर्गा) ध्रम्यी (अमूर्यः era gray era coco de (m (m) on (maiora) mad larged (meningon's gold spid (रकार) हत्तावयाः कार्य (हत्तावयान ममुख्य उ) विभू जिल्लामा जिल्लामा वे कमारे भा करके ।। एउ।। नर त्यात के लक् वित्वक्ष का भीत का वित्व के कार्क कर कुट ट्रमान, लमकाव । नाम्य मानामां प्रमानामित

हरकां काराका वर्षप्रक स्था । वास्त हता निक्रमा लक्ष्रम् व अक्स वर्ष पट्ट बागुने कर्रित हत्यावातु , ल्यात हमानेक भिन्न अपनि साल मुक्कि रिश्रियोग कामावा: विद्यार्थ इत्रेट्न न मम्म हळानाचेन भरक मिश्र अक्षिक कि अधिक अने कार्य गे व्यक्तिकार । द्रमाथन्य का कार्यमा द्रवारांद्रियमहत्यं द्रवन्त-(प्रव कार्राहर्म । काम , हिला मा: नरे नर तर दुर मार्थ आहे कार के राम्मा (द्रम र हरे न 1) कि पर काल काकंत्र (तम्म मस्त प्राम कामां माड. किशिट्स (मीडि किश्मित १रेटन) क्रामी वपू: भउत (क्यां का के एर के ल में में सर्वा) स्थिमारिय (स मायक अहर) बल्धा के में में से भी भी (हिंद के ल में में में) बया व (वन मूर्यक) अकी र (अकी तमा) व्याय मा (व्याय अमेमूर्यक) सिक्षित् (कोइता ([जरान] अभय में प्रका) इवर (sig elines [Tas]) Lamingon ([Marin] में तका के में वि द्यारे कार्डि आ (के दें द हिंते) खिरामाहः ति द्रा (खिरानुक्स बक्र हा का) स्था माथत् (दिक अक्टरमाक अपवास कार्नम कार्ममारह रेशिव करवा

(क्या सामुक आरंड्से) वन टाम (वनमहरे) मित्रीस क्रिक् (मक्रानिक बात लक्षात कार्के कि कि मि द्रमानं मीयता प्रस्व: लाम्मार्यकं भी मीं बारं वर्ष-हर बलावक्षेत्र में प्रवासीय । मंद्री करत मुक्ति कर्वितरिय रम अस्त्र द में रें म कर्ष सम्हित सम्हितान में मारा के जाता -डेंड्य थान्ति आर्चना छत्त मार्द् मार में यहा टमालत कार्नमा ब्रामिशहर])। 0811 विश्व टिलाटन क्रामे ७ हिल्लामा अम्बान । जाक्रे उ नवीत बाला, जीवानां एप प्र प्रश्नी, स्तामिक क्रिय व मर्थ नक् विकास व क्ष्यू रेशामन वासान्धराय में असे उन्तर्मा भाकानेन कामान खर करलका न्यांचाचावं वाकंतुः स्थ प्राय व नंकर-करिय दे दे असार मार्टिट दे दिला है। (C) लागा: (चांग्यां) प्रशास (माप्ति श्रम: म्मन) श्राम् कार् भिम् मिलिक श्रीमास्तरे) साहित-अम्म प्रमे श्री कार्य (में क्ष्रिक प्रमार्थ अप्राव्ह क्ष्रिक क्ष्रि कीचा (विद्यादा) अमालंगकार्ड- कृष्टि - नीव क्राग्न-नामा-सह्वार्माहिक (काममहाम्भिदिक

मार्केक थे मार्थितं मा द्या हाता में दर हिस स्तित् सार्ष्य्य कार्यमाट्य)॥ कवा। वर् स्मारक क्रिके उद्दिसमी धनका न । वर्ष चार्यक्ष त र श्रीवे चवर स्वमावे व हास व लामाका. (र वर्त्र कं अक इरे गाट । अर्र कर मी - प्रस करामा बिक्य में अर्थ दे दे कर्न मही बमार रवे , दे दर समा, ELINE I (विश्व : (विश्वा) की अपूता अग्वेड : (अपतन वार्यम्य भारत्ये) मनम्य (जायाक) ज्ञान (अवादाव) ल र्किताः शिकार (अस्ति कि कि रिप) एड मायाय व ने इ (त्रे व्यत्तं अध्यक्ष प्रक्रिक के) लटा ह कुर (स्ताप कार्या-(कि कि) कि पर (((परिष्) अ: ह ((अने मदन) वमार् मी-में में हे ने हमा में (देशन मार्म्स में में में में में हे ने हमा मार्ग) क्काहिलीम मल मन् (अक्षितं हिल्म सममन २ की तम) धात्रीत वरक (ठेराए का वक्त किंगरहत)।। का पर त्या क क्षक , दिल्ला अभी किया । छि व कित्र भारी-गामक लामस्य । गार्मित्र व न्द्रमात् व वर कर कार्टिवर उ सम्मा माल्य जापाणा वर्गी रेजू के भके। आतान लाटलका खिल्मान डेर्क्ट्रमहावतादिक देर्द्वमां।

सेल प्रवेशकार बारेस्तिक सम्मित आहित रवकार क्ष्यं स्थान , वर्न नेपट्ट । (शिक्षार (शिक्षमार्थक) क्षांह काठे सकत्वडड: (काठेन हर्यम् अअमम् इरेल) कता: (कविव) छी: भाष (हतं इसे लिम्द द्रावं शाव्यात्ये द्रावं मार्ट व्यावात् डेड्यून ट्रांड जूसमा कार्येड कार्व डीए इन ; आहे) ल्यम् म-कप्रीतार् (ल्यार्ल्डिस्य कप्रतीषृष्टम्प्रम् लभागंद भावत (मादिन लभान त्रीति दियान यार्ड ब्रामा कार्डिड] दी: ह (मका [र्प]); उर किया रे रहि-कड़ छ- विज्ञाम मामा माला ([मरा] मीक् एक र पूछि यू नित्तम वित्ताभाविलय दाका कार्व मर् क्रमरवेत्र अल्डे रसे क्रमाः (म्यांश्यं) (विर्मा) निक् अध्यक्षित् (धाजुनती म धर्व) प्रकाशिती (उन्युलन) त्कन कुत्र (कार्यन मार्ड कुन्र्री) 2250 MICA) (CF 11 वरे त्यारक किछिएं के अमझान । कारें छ उ कर्मीका क्रम म अमिक हममात व्यापमा क्रीमार्क उक्षणमास्य देसाम बसुन डेर्क्सार्क्त्रितरः वड्वे के ग्रीशिक्ष व क्रेमाट्टी

रिपिशिर पुरुष दिल्ला) लक्ष्यं (त्यात्र कार्य क्षि) काप्त्र क्षात्र क लानान-छन्- नीना-भाष्रे अलाह (भाना दालान छने छ मीनाप अवने कार्यक) मुद्र (र्क) म महाक (माड कर्यमार्थ , [कार]) अकार: (अम्मान) मानिम् अम् विक्रम (स्वात विष्यं कार्यमा) जनकार हम (त्यावर्तिन विव य - दमने स्तिष्ठ इसे लाड करन्त मात्रे) य: (अरे) लगार्मः (कार्यक) ल मा : (कार्यक) प्रविश् म भार (पिन्य रेक्ष कार्य कार्याक हिता हिता कार् (टार्स्स् व निषम् प्रथे क्रिक केर अमून-प्रतिव अन्ति नार्मित्निकाति र्थ) अध्याद्य (धार धन हिन्दिया हित्तन)॥ दिने॥ विशेटमाटक कार्श्व वर्ष धमद्भाव। तमवर्षत्व निवन के अध्यम्मान त्र म अ के अभात जातमा न्त्रिक विश्व क्षेत्र क्षेत्र है दिन के कि यसा ग मम्मन भूमित्य असाम्) द्रिंग्ट (अर्जन) क्राय : भी: (काविदाका) अला के (या) कि किये) रूप १

(८०८२) त्यमी मम्मा ([मिठाप्रम आउमर्ममा] त्यमीरे अगर धम्रा) , वर वम (मिन्सरे) श्रामितर (भ्रामित्र) टम टिटर (क्षिक्ष के क्षित्र) काका (क्षित्र कर्ष) काका (क्षित्र कर्ष) काका (क्षित्र कर्ष) काका (क्षित्र कर्ष) मात्राप्रदेवनः (हिंड्स भ प्रदेवनं) कथर (किट्टू) आहिः ब्रिश्री-ररीछि: (श्राम् बृष्टिक्षा स्थी-रहकी भरतेब प्राहिण) जय (ण्याम्) धारिमार् (तिस्तु न) भी मा भया भार र्दर (अयर्वर कार्या) म विद्याध्ये (विद्याप या व अविरिक्त स्था नि विश्वासी व विक्रम मस्या भीतात्र जूना अकि छित्र बसु वेत्रा नात्र ; अवसु हेत्रावे प्रमुताव अभिन । त्यती अङ्डिक भर्मा अङ्डिक (अ अकियादन-ल द्य वर्षात्मानं महाम्य वर्गारह])।। त्रा वरे ट्यारक झलके क्रियारे उ किल्सक क्राक्रण त्वती अद्वि मार्ड यम्मा अपृति व जापान्य वर्तत -८२७ दम्बर के जीस रिवर पर्टिंग कि सम महेररमं न् ग्राम परव दावा निष्यु क मानित मानि प्रिक मित्र केवार विवासमात ने निर्मा का मानित व्यापमा निर्देश उर्नी ट्रेन के में ट्रेंट्र में के प्रिल्य के रेंग्रेमा (हा) ने नव्यक प्रवासा केरियान एए दं : (प्रवस लेक उ

स्त्रम्मत्वल ७०० वृष्टे ट्टाइमते भा कार्बी प्रमूत्रण -28-क्ट्रें! (बीट्यामाख, क्रिक्ट्र म् नवा च ७ ७ के मिल्लां क अप्रिक) त्राची व के का (शिवाल क कर्ता) (or (ourse) con & uze (vigues) & as (zay कर्डिमाट्ड) रेडिड (यर्काल) डम. ट्यार्ट- (मामार इस (छम् तमार्थ ७ तमार (र पूर्व रमन) पः मूर् (मः। अठ इरेमा) धन्माः (जीन कान) प्रकार (किटियम) वृश्विर (अवन) मिर्य पटकेन (भिर्यन करिन अप्रव) यमार् कार्याद (मका म्यास्य कार्यमाट)॥ ७३॥ अहे त्यारं के अने उ हिर (अभी धारकार ।) A PASSES ASSESSED AS ASSES क्रिक्ट वरे त्याक कांब्रेक्स खड़ार्ड व अगर्व प्रमण्याति प्रमण्डिक प्रमण्डिक क्षेत्रक क्षेत्र यसानगीरक क्राक्रम, रस्तारह। त्वाक्षे (विकार्का) व्यक्ताः (क्षारंग्यीतं) में खेरोटां : कि। विक निर्म किर्म के अने व्यक्ति मक्ष्रिकार ([अक्षाय] मक्ष्रिया प्रकार का मुल्ड व्याकार्त [डिल्ट्रेंड क्यूड क्रिके विश्वित के

त्री लक्षाः (चार्यम्) मार्डम् (मार्डम्) मिलस-अमरमाः (प्रवस् व अम) मार्थः विकास (विकासवः) क्षित्र लाता) लाक्ष सक्षेत्र संस्थाताः (सक्षितान व राध्या का मेख देवन कार्य में में) सम्बाद (तमहाद) अस्का (भा: (स्क इरेमा) कालिए बीअन (विवाद [आनं सु काने (मा जारें) (दार्थिंग) विवि: (विकाडारे) वियामिक्टलम (वियाम-ट्रिका क हत्म) भी भार हकार लिया (दिल्टानं करवारे] सी सा करने ने हिसाहत की है) गालका वरे ट्या क हैय त्या । क किया है का महान तर्भा क्रमाय क्रिक अक्षान मार् में व्यक्तर न विवाद के की का व्यालका हे व्याप निवस व सरका प्रकृति देवरायन विका उ क्रास्त्र डे एक जन्मसुरवकार ्डेट टिस्ट वर्षे वर्षे का व का मिन विमार्टिक मारक भीकार्यभाकाल अमाभा यममीर्य वे विषक्षिं इश्माह्य

विश्वा (विश्वा) धमा: (बीश माम) ध्या अर् (धर्म एम्) भामा प्रिया विश्व प्राप्त (बामा माम) प्रिया प्राप्त विश्व पूर्ण भी ने जासू हे समावर् (भी ने भू भाष्ठ) समाभी भारा (स्मामा) हमं की जिस्ति प्रें हैं (हमें का म

कालनं रहेगारे कि) नाम- अरो : (माने मु हारे भाना) अंद्रिक द्वित्यमा व क्ष्मम वामका नम्ट्र पक्षे उर्क अम्माना लाअरवंत लालका न्यानान सक्तान-अकार्व देरमर्भ महावसित्र के देर त्यामा नम् विवासिक्छ छ न भर्ड क्ष्म न कि बादा भरिवर्गन -(25 ANA 32 N (2) A तिट हुई (क्षा क) मेस्यि क्षार (लम्ब्रियावरक) हिंशाल-मूलाक्षाविकालप उद् (इक्षांकि अमून क्रमाश्वा धरी डाल भूरमाहिं) कनका द्वी पन (अर्म मार्कित् एमरे इनेट्र) है म (मा कामा गरर) देश (अशिक्ष) मरवामा गानि मारि कृषिण् (त्यामायाम ७ माह- विद्वावि) साम् का- क्यं (अश्वाम देम न- दम मार्री। एड। विदे ट्यारक मिलहां में मटलर वास्त्री वा स्थान । निरमतः व्योगमान केपन तक स्त्राभी मी म्यू मालक कारेण णार हेर मका प निकरं करा दहें गरह । Call of the Cart o

स्याप कर्णाल (अयम अयम् (१३) कथार (कथान-क्रिक [अवर]) कथाल प्रव प्रयात्मे (अर्था प्रयोग अयम (अवन्ति) क्रिका हि: (स्वाप क्रिक् क्रिक क्रिक् क्रिक् क्रिक क्रिक

क्ष्रिक्ष ।]

क्ष्रिक्ष (प्रते क्ष्रिक्ष नद् क्ष्रिक्ष क्ष्रिक्ष विक्षे क्ष्रिक्ष क्ष्रिक क्ष्रिक्ष क्ष्रिक क्ष्रिक्ष क्ष्रिक क्ष्रिक्ष क्ष्र क्ष्रिक क्ष्रिक्ष क्ष्रिक क्ष्रिक्ष क्ष्र क्ष्र क्ष्रिक क्ष्रिक क्ष्रिक्ष क्ष्र क्ष्रिक क्ष्रिक क्ष्रिक क्ष्रिक क्ष्र क्ष्र

मानिका (न्यांचा) प्रभागा सिक्या माना ने का न का कि का ने कु का ने का सिक्या भी का ने का

मत्यवंत्रा (क्षंत्रात्म लयके व व्यंता) चाम्र (विश्व कार्नेट (इत्र) । अपन (अपन क्रिन्न) सक्त (क्रिमंद्री) विद्यु (क्रियं मुक्तिकार) ॥ तत्। (भूकी- स्थित क्रियं कार्येश्वर्ति) दे ल हा यं ए (दे ल हा यं-क्रियां विद्यां कार्येश्वर्ति) दे ल हा यं प्रतिकार्ति ।। तत्। चित्र दिया दक हिलात्मा के हिल दिस्मा व किम के विकास के। य जावारिक क्रमें मार्द- विस्तिमित्र मर्ये प्रविश्वालि करार्के हमाना कि हरक के मसाव मन् हक 'भरने' जाएं मिर्ग मार्ज १९६ क्या, यबर शास्त है मार्थात एम लागी है में का रावालक ते प है मार्थाए -के (अ लाभ मार्किवंतर्दिक लाके हि, डर्मारही) 9 (69 (अरे) क्विंश (कामकाल) भएम (म्रेडि अम) जीकास्म का - जीक हा का निमदे : (कास्टारवन ध्राप्त गान भी व ल्यांक का स्थान असे) स्थान करे-भेरत्याह: (त्यानक अहत के पृष्ट न अवि है। है। महामान विकासमक्तामिका- ट्यानेपतिः (ध्याकालम् क (आहित काराम्म) कार (प्पाटिक क्रिक) वर्ग ((कारा इसेल क असरे) किक्ट्रिक कार कार (कि (६० (१८ अभगमा) खिल्म ने ना हे मारां : (अभ उ

अत्रा भ त्रवार्षक अरम्बर्ष) , श्रीनिम-इस्टर्ण : (ज्युनेश्व कंबरांच) कुलमार (व्यामा) मन्त्राक्षी वार् ्याद करित आरत्ने ।। त्वा यह त्यात सममें की दिख्य व किल्माता वि नारका । वाराक्ष (इत् समक) विस्मार्थ क्ष्मार्थ क्ष्मार्थ क्ष्मार्थ त्रावसम् त्रिकारम् ्रिमाधारित हेर कहा एवं क्यार दिक नवर देनपान-का का के लगाति होंग दे अरियं न अरा आहिं आमर उने ल्यान करामाड हम्मा है। V त्र्याः वाचा-कवान्त-त्रवाः (धीवादीव कवक्षालक अवीभ नमयाहि) बकादः (अक्टकन) वभ्रती-गर्छ- व्यूकवादिकाम् (बिमान बक्तः खक्ल रेम्नरीन-धार्मिक किछ कवाहेना त्य) छेर्कीर्न हिन कर्मा न (टक्षानिक हिन्दे महता ने विषये) इंडीमा-कार्ताः (कन्न में साम मिल्लीन) मूमुक्स-मिलिकाः (कार्व मूक्स जीत्र) देखाः (भाषान-तक्ती धास्त्र माल) यूरेव (ममरे क्राल) दे समाड (ला दा कारेट्ट)।। एए।। नर त्यारक समके व दिर (अमा) व्यक्षा व । नर् मर्भव ७ ट्रिं व कामाक्ष (रें से अस नवं मका मे

हेक पर माना महामा के एक में अहा वर्गीय के पर अमा त्रिक्ष के हार्य: मान (विश्व के वा के ह के ल. मेर्ड रूस कार्म कार्या [वयर]) कर्ममा चीलल्ला (काम्मानम् प्रेटि अन्वम् १रेग) * वाडिवाटः (क्यालंड) बामडार कामत (बाम काल) इत्म) करकार के अ- लगाय- विस्त - लई (चीक करें ल क्रामककंत (मक्रम (मक्रमे मकामक्रक) दीकाड: (का हा वारे (हर्) ने ति (स्प्रेस्ट्रेसि) में प्र (भ्यातिक) व्यक्तियम् पर् (व्यक्तिमे म) प्रचार्षकर्मे व (मुल्यानमा [अर]) लास ह (लयहात्म) लम्मल क्षित्र क्षेत्र म्या म्या मार्थिते। एक।। नित्र क्यात अरमारी क्रममे उ म्रायानी- क्रमकान। नम्ब की वा कार कार प्रवास्त मूर्या मूर्य माल महन्त्र करात र भटकार , बादमैयिषं व प्रामेश खर वार्यक्ष कि , के असे, यह , ज्यान क्षेत्र क्षेत्र, लाभार ताम आक्षित कार्यप् ठ डेर्गा न मंद्र म

राज्या , देवतायू क (वेब : आख्न ! ट्राय कांत्र म ENEW ELS PALLED, PARLE ARMANIA ALA 10 54501-अक्ष नमान मा सामा हरेगार । 90 विकाल (विकाल) राम: का साल विकाल में (क्षेत्र रक्ष माधानीकारम अग्र हिंदी न देशन भी मारी (की मार्काक) भारत हिय दे भी (भारत भी विकिय मन अवनिम्मी) जन्ति: (त्मेकामाण) नामामे किया (राक्ष्य कार्याटिय है। है कि विस्था (के कि द्वास्तालिक) हर क्रम्या यिथित (हरके क्रम्या क्रिक क्रिक्नियम् व काल मिले क्रिके क्रिकेश ग्रें ह क्ष्रिक क्ष्रिया किया के का कर कर है गा -CET 18 ?) 11 9011 अरे त्यात्व हिर्द्यभारे अक्त अके धानकार । धान-त्म्यालस् वारामक्ता त्म्यां वार्य कार प्रमाधिक्त छ न्त्रीत्य छ द कर्ष मधायमा दिल्ला छ द त्यामा तर् नामक्षिकित्य इमार् एम्स्ट्रिकेश्व लाक्षाहरू द मार्थ दे में गार्ट । के अदा जीवारिक ना मा में प्रवासिक जिल्ला के मार्

देव म कार्या मेरे) टम्मेय के कार्य (टम्मेया वे रेट्राट् कार्ये द्वार (मादाना दुलाते) सामृत्मीत्वा (सामृत्ये हैल स वर्म् भवरक) अकारभग्रवाक्षरिवन्तिष्ठा : (बास व तार्थ न-न्य देश कर करता दिव त्री के करता [proper sylvania and a true of one assert a destand. मार्कित कार्याक]) बुर्ने : आ (बब्ते कार्ने गाहि)। वंगा त्ये त्यात्य , से तक, लायत्येत । व्यानात्रानं ना स्तितं व टम्मार्ट्स क्यामित यद्व का इति के बार्य्यत व सार्टिन में ति हर्न से लामहित्ने वाराठी-150 र ड्रायम क्रीमार्ड ने नी इंग्रं (इरा) अविष्णिया विषय कर विवादात वात्रामक) वाद्यी (भवत्रात) आहिया किये हैं (अरिका की) हि विश्व-प्रामाह ना दिन ? (कमार्थन कार्यकार्य) अर्थ भीने मुन्न अर्थ की है। क्षर सर्गित्या- आमार्था वह मर्ने विस्तान पास्त्रा के कार्य में मुलत है में हुआ कि कार !-श्योन वि (म , जारा नक); विवाद्य कि (किमी emes) ना का में के कुं (ब्याना कार्य में में के में) प्रमादि (mon suffet 2 2/3) 11 9 5/11

Estraga algert - And gold - Just a sassense Party of Camparis alguares 180 Mars and 180 Mile 1 Januaris Spirite 1 Januaris 1 Januar वर त्यात मिल्हाड मान्दर कामक्षत । कमार जिस् अभार भटलार करने पा अन्तर श्री ने करने अने काल मिल्ह्य इत्रेगरह। 00) श्वीका: (त्यक क्ष्यम) mm: (च्यांक्षक) प्रया - वितवर् (श्वकाववः व्यवत्) व्याप्तकः ह (क्षा क्रांक) । गार्ब वं - कवं - लाख प छ। वं : (मीक्रक वं क्वयूगल्यव भवकातीत छाव्यक्ते) न प्रमू णायः (धवत्व वानिया वर्तत्र क्ष्मत); व (म्बिंड) भम सक् (लास्त्र म्यू म्रह्ता) ला : (द्रक स्थातन) मर्टि (१८ टम्बल्य (१४म व्यक्तारहरू) अर्बह्न छ छि: जिन्नमाने (एक जनका ह नामनी-कर्ति के क्रम्मी के प्र (क) त्रावरे (त्रावक्र स कर्त्तापर) Helle (12 in 2) 11 do 11 किल्ब विकार उ दिए तमारे धनकार । राव: (नार क्या) मेरत (नाक व क्या) दे व व ना का करते कर्णाला) भूति (कार्क्यूतिन) (योक्येत्रक्यी: (त्योक्ये-नभी) कारा तमी: (कारा तमी [कर]) अभीव तमी: ह

कार्ष (अभीषसभी विष्डभात निर्मात निर्माहर्त) दिन्त : (विद्याला) देखि (वर्षका) मन मार् (सन्मन्यवर्ष) लामका: (कार्यक्ष) अय : (क कार्य) त्यं भीवतं प् ल्याह । कर्त (184 ह Garania man angress की) STATE OF THE STATE ित द्यारक द हेट्टब्रमां अम्बाम । प्रमान अमन के कि कि का खार का की के का की के उन की की करते. प्रदेश दुरं कत्र असाराम्परिया ने , दुरं ठक्षा, यं क्षारी क्षित्र क्षेत्र क्षेत क क मार्का (क क मारा) ट्यं अपीक ट्रांत्र मा (ट्यं मारा में -हारारे) श्रीकार ह करन देव (टम न श्रीमा मिनुनी Dering II dan वरे त्यात देश त्या व इत्यम धार्म । विशेष्ट्- कार्नेड बार्निया त्रीया हुन अला एका -त्यां भाग्यतं द्रेटक क्षम्मस्त्रमा द्रिट त्यम्, त्यत् का निक्र के अधीर वं क्रम क्षेत्र व त्र अधित व शिकार के वि भिर्मित्य व से कर ने में मार्थ।

की राम (म्प्रांत) अव छात : (अवं छ न माता) बेश्युकिता (ग्रेश्व पट कार्मा) । सकात्री (क्याक्यमप्) भरपड (mays) " style (mita) egai (egai [mis]) क्रा (बीरेन अष्टि अस्मित्) सहकार् खान (wed on a sying ? [mis]) 1 gin ([misis] CMIRIAL DA SYNI]) PARIS: P (MENNY) अतिचार (असेच [ल्याचन क्रांब्राहि]) कार्याः क्षा गराय) वर्ष द्रमार (वार्य एवं) भ्यक् रिक (त्रकेटन) करमः (कार्वमते) (कत देवपान Continuo garantus erecas) frances वर त्यात पीयक उ काफित्वक थानकाव । कार्क व नक व व क्रिया व व व व व व व क्रिया कार्क्ड उठिते कि रें न के के डेड्र त्मा त्मी के प्रमास अस्तर के विश्वे के का किर्य निक के किर्य निक किर्य निक किर्य निक किर्य निक किर्य निक किर्य निक किर्य किर्य निक किर्य कि करे जा, बढ़जा ७ अमू महत्व प्रांतक कर्मकावक न ing cased, as to in a self a suit of the वर्ते या कालि त्यम स्वादिन के व देवापात काला alities main and garantia go agree कार्टिक रम्यार

200

भी यः बातार्थ- विकानि- अकार्य अ- वर्ग मुख्यक व्याः (आराट खप्तत मूख कार्यमाट , नतीन भूरे कि वर्त अम्बद्ध अदमन तर्य तर तथात क्षा [नकर]) भ : विकामाद्र- विक- ८२ भ- प्रान्तिन गवाकार्ताविदे । लाम (मार्गित काम्या विमास कार्नेकट में वर्ष-यानिवं भराकिवं तिसाम् ए वर्षेत्र त्य तकार डिट्ट क्रिक्ट कर कार करिंड कार मेर) के ्के (त्तर पंत्रक्टक) स्राम्यार मुक्ते पृष्टेन (अ) मालामाद दरमें (ताम्या) संस्थात्रा कर्त. ११ के - 18 वें कर (क्या असमें कर की 18 में 1815 0 भूतका हिंद्रकरपा) व्यो कृष्णां भी-मनं-टर्भाषा. कार्न ने विमालक (विद्यास कार्नेकटि)॥११॥ नर ट्राह्म व्यादिक धनकाव । नम्दन अर्म अभाषत व विदेशका देवतात करममा न्याना व विकस्त द माधामन देवन मेरिके (या हिट्रक र इरेग्रह) ति कमा (चर) बरमा: (वर्षे) इरवः (का र्राक्रें)

शीवण्य ('भीव' कामर सीवर-अक्स वाम्मा) दला (बळाभावत निर्दे]) लम्प (कार्डक्ष) एकसप्: (त्यामनं) याद्रविश्वणं (मात्र विश्वकं व्य विश्वश्रे) ल्या (विश्व असे दमं विश्व (अद्रेड) भार्यास्ताम् तियो (र अविति । विष्य) १०० (किएक) ल्याक्रार (क्ष्रेक्षिक विक ति व मार्क) मार्थ द प्र (विश्वाकान क्षतं व व त्राम्] लूसना वरेट भारत्या)॥ १४॥ विशे द्यारक क्रिक्के व किल्लिक ध्यासात । नम्ता धर्व ७ उत्मेव मार्ट व क्रुक् विश्व भाव जामान्तर्य क्लक न्वर देमकान्य कुनीय ड विद्यालन कर लका हे अरमम् कर्म न ७ ७८० न general aspecies, 25 mile त्य व्यामक मार्थि न में में दि : (काम के मार्थिशेरे मान्या के में हु) के समा (वाकिक व) ध्रुवा है होंग (सीव टारी पर्व कार्य) आस्ति हिं (पारा आणि भाड क विभाष्ट्री के प्रकार कर्ने प्रकारियः (धरे स्थ कार्य स्मार्ग हे उस भारिता करिंड

व्यान । वार्य) चाका क्षेत्री (खांक्रक अव्दिंस) लगा-अर्थ: कुट्क: किसे (क्रांच काम ये नमर्गात्र व मान्द्रन अरम्बर हो है है। १०॥ विवे त्याक अवास्ताक छ व्याक्र का वासकार । जी गरित धर्मत्व बहाव-वर्तनत्व बहावारि करें रहे गटह । टिकाम मिथरमंत्र विस्माधकाकातन र्याम बक्क लागा विवास मिस्मर कार्य मार्थ (अक् माडिय नीक में अक्ष के मार्गियार (अक्ष माडिय नीक के अक्ष के मार्गियार के का मार्थियार के मार्थ प्रिंव अवात्तकावी) वासा-मकार (स्त्रीवास्व मह-र्गाल) विन्धवान क्षीविणानिक क्षान् देनपान वीमा (ति श्रिल कुकार एवं धाक्र मार्ने ने किस हे माउडारें डिने मिले क्षाने पुरस्क त्माम्म (६६(मह) कार (भवन) अकी वैशामित्रात् (विकारिता) उ के उ लक्षामा काक्यामिल म कर्णेंड न म लक्ष्मिर (मा क्रक्टिंग) वस्त (बारा डक्ट्र) ए (जारांसा) मामवर्ष प्रांत (यर सम्पर नामा-

लिये ट्यार्स स्वयं व हरिष्ठी-यात्रक व्यवस्थाते। इस् । लक्ष क्रिकं लक्ष्यं व्यक्षिण त्या के कुर में प्रकार अपने में अपने हो का करने हैं। इक छन अर न कंगित दुक वासही के उन्मिति। र शहायमकाकते नव्या (की मंद्रिक वसमान व लक्ष्यम् अवस्ता एश् या अत्य) रेक्सनं (क्षरिक्र) अवाक्ष्य अविक अविकास (मन्द्रे - भन्नी छ - भूकाका. इंसार (१८५%, कार्राम मञ्जूत त मरकार्यत) क्षाम् विसामाध्य प्रदाविकायात् (निक्य-अपका-वित्यात्राक्ष वार्वेदिसं । शिक्षात्रेर्ति) व्यक्षान्छी. (out sand eville) call (cure and 1000) 11 P511 मि वर् त्यारक (क्षिक्षकेत्व वस्त्रके प्रमित अभित भारत । क्यारिक क्षेत्र का का का का का का का का है। भाना (त्रिक्ष) में के के के की दी किया मारी : (वीकृष्कर अवकी के अपने अवक किता : हिल्लाम की मारिक्टम अस्म मार्थ (अमेबीन प्रकृत्र

कि शका (अंगका) मार्क के के के का वास अम्म के का के का का महिका के कि के का का महिका के कि का महिका के कि का महिका के कि का मिल के का मि शिरक में मद्याल से अर टम मंत्रिमें पर प्रदेश कि सकटले मित्रदर् (मिल्किक के न्यूष) मुनी बिलप (अट्या कर्षात्रेगार्ट्स) वसमाध्यः (स्म (चित्रिका कर्ये) लिखा थड द्या) क्या : (त्या मंद्रकी व) म्या कर्न ना दिया-क्रा (यूक्र वक्रवर्त नगरिकाव क्राम्य) वार : 20 (अर्डित) हकारि किए (आडा आरे किर्डित हो)।। प्रता ली के एक वे अवस्थाति व अवसी मी माना कर के व नम्पूर वर्ष विशा ७ वक्षम मारिकान धकलाह 01410055 (से पके र सि सार बास्तत अधिवन्त्रक अपिकाक्ष्यक्षत त्रामिक्ष्य्र ल्ट्र वा व उन्नु न वर्ष मुक् मिले में से प्राप्त साला. क्षित्रम् देवक्ष्रम्भागार्दित , देवक्षा, ला महारव इव भारत ।

18 काना (विद्याला) में की में क - यर की दी हि साम था दें। (अ) के (क से बहु कु व भारा सर क्या) सम्प्री में (भा : हं विल्यात नी त्यां छन् छ अर । घे भून मर (भून बीन पूर्व -मान हिल्ला मुक्तिकां कार्यक दर्द) महामेत्रकाः क्षेत्र त्याचा छटाः (क्यांनासम् । स्थारंसन बक्रम् बहस्य द्याता के हमा कर्निगाहिस)। १८।। निर्धाय द्यंत्र, व दुर्धका, लयमे व के थिया - पूर् लक्ष्य प्रस्तामं वाटा की -याम प्राप्त (संभव, नवर मार्किक सरमानिकेत गारमव देशान्त्रक नममान देवक्तिसानमा (35. LAME , 24 MES !) ि अर्थाहि - व्यन् न्य ([मया] मूर्याप्रमासन वर क्षेत्र भागे अर्माम प्रति सरमार्थ) भाग करम्मामनं (अर्वेट्टामन् कार्क वर्ष वर्ष कर्म में अन्याद्या हिने व्यक्त भर्तिण- ब्रामक्ष्य - वस्तिति (भवा उ जमिरिक्स्यंव आकि दाया अका में वंग- धामकाय- उ-वस किमिष्क), इंगी-इंग- विकी- भिक-क्षामिक मात्र धारीपाकर् अ ट्राक्षायं प्राक्ष्य व क्षित्र के किन्द्र के किन के किन किन के किन किन किन के किन किन किन किन किन किन किन कि

जरलाः (ज्येक क्षेत्र क्ष्रते मान्यं) वं याने पर (नेमान्य-यक्त) व्राट (न्यम्म) न्यान्यत्य-कार्यकर (स्त्रांश्यं अस्थायाम) वास्त Contained along and man was वायाती उर्दे , से लक, च वर न्या ग्राम्ब बाटको व मांचार-वर्तिराष्ट्र देशासाहि 'अम्मान वर्शमा। ि (क्रमाग्र - यस्मान - मिया - ब्रमाबनी - मासीक - मत-किं - हम- मर्मेश (जिसक्स मेंवे अविराधकेस नक्षा, बमक्ष भर्ष ७ भूप्राम्भव कर्ष्यमारा मर्गेक [चवरं]) में दबसा-भार्ताशिवा (कली. अन्त्रिका राष्ट्र- त्रिक्क) " लागाः (व्यक्षिक) लह्ल (बिहिव) मिरी- ब्राम्स (बाका क्रम ammi Me Maria an you a Coma) you -विषया (अकिकिं के विषिणं कंगात्र उद्गार के भारत को बाहर का भारत वारा के 15 दि 2 My Maria Simal

भी द्रें र (द्रा) इद्धः (क्या के द्रक्षं) सत्यासवाया करं (१९० स्व इं त्रिक का करे) में स्योधि । क्रम (अम्पत्र कि) है । वाकि - मृत्र - हाला मीमा दिः (िल्या स्र के दिका है। दे कि कि का से वि minin) Lauray- (ayong & a fayor (हटन व त्लार मा कि कि मूजन का की की की ([marel ay & son a now has sold and enays की वर मगरिती) भूकानिष - अतावसी (भूका क अर्थ अस्वर त्मम्यां क्रे) विवास है विवास कानिएट कि दे म (अत्रा मार); मार्थका-अप्र ने स्थास : (क्या नां मंद्र प्राध्य में सं क कं ने दालि) देनी न दि (क्रिक्टि को लिट)॥ ५१॥ भू व्याष्ट्रिक अके उ निन्ध्या है प्रत्य भू वा । जीवादिकाव स्मूचामाउ मुक्त कारपादिवरे ्ये अय, दंशमिति दुर्जि स्थालतः मैक्सिक्ट-अलि विविश्व के कि अप्तर कार्य कार्य अिंग्ने मारियं मं मेरिय प्रिममं क कार ह प्रिममेरा दे मत्यर धमक्षा श्रेमार्टी

मा: मा: इत्यं: छभात्री- वन् क स्वस्तुः (अक्टाक् छन्तास्त्रिका एत्नक्त द्वम क्षेत्रम्) अम्माः यमाह (अम्बेदार्य (नाटा मार्यायह) वामार् (कारारतं) के में साम (मैकाममें रहे) सिक्ट्यार मोर्फन छन्मावी के क्रमावा क्रमाना हिंदे क्षिक ने व्यक्षायं राम्य क्रममंत्र विभागा-त्रव द्वेर टक्का व्यक्तवं इक्षेत्रह । रेश) मर (CMCs के) त्या का मार्थ ते अ) र्रेशकन्यवः (कार्रिसर लामन प्रधावन) ववः ([cry cra] eux 2/50) & les (mis) spis लकत-मन्त्री (आक्रमने (लक्रमनंत्र कर्मिनमी), क लाम (क्रम व) मार्गियाम् कार्मी (मार्गियाम् कः यादिती नभी [अन्तर ७]) मारी भूका नेप्रण (मारी-केला मेर्यो वेशन । [कम्म हैं]) त्यामा मेर्यु मे

(crys a will startant.) on we: 2 (ou and 2 mas as) जिवस्य एका पत्र (राम्यानिक गार्ष्य एक पत्र) विश्वा (तिर्मण वर्षेषा) कृष्णित्वर (वीर्क्षण an (ma aventa) mang (quas 2x/2(2) 1100 4 किरे ट्या के क्रांची क्रिया मिनी, क्रिया अ किए. मी अ क ल प्रति के का बाहा के में का कि कि के कार के की-भरवायक स्विक्ति वास्तिमार्थे (क्षेत्रक) वासक्ति व । मिक्ष धर्मात् अभावन धरान वस्त नकमानं हित्त्र अ अरेटा व के कारमाम्बर, का करें उतं । चम्द्र सक्रमम्बर्-मूक्तमी-अक्षि व्यासक आमिक व छन् असमानं हेर नाम दर्म गट्टा मकममम् भी-मनी अकृषिक निक्रमनेत्रकू जीनकित वदनभण दिन मेर्यालं लाभ ने मटबंदांते थिया दिलां (लाम मार) mas course, (que sysols) 2-19 - mini अक्ष क कामन में मार्ग करिए कामन कर कार कर असेशायक त्या अक लामका वर्म मार्थि। प्री अस्तिः (जानसन्) वरपर (जामेस) मतिक -निग्रवर (भूतिक मर्लिय म्भंतमात) गुक्रा (जिन्हान कार्नम) विधानए (विद्यान कार्निएट)

यद (एरडक) कमारे (टम् क्रीमें इस्टि)।म्रक्सरे-मुझा- मून्की (भारतम्ब राम्भूका-भूवनधी), दिवाा-लाद-अवा-मवर-करिती (दिना कोनक मूर्ती मूर्ना-संद्राक्तिरी), बारी-मूका- खरी (बारी कवा भूका-मन्द्री), अश्रीणम्ण्लाह्बी (अश्रीव्याभा भूषी) मार्गि [वर्]) अवस्था समाकिती (अवसर्था-व्यानिती) कृष्णाम्णामानिविध् (जीक्कन्य Commune, orany, 2 de 3 antimon, omana? । भी - भन - भूकी - भूक देरी अपूर्वि अराम कर्ष करवाल व मध्यादा के प्राची में मिला के ने मार्थी के के ने मार्थी के के लीवासाव में म रंग्रेव व्यर्भ में सीमें कर्त्री करिष्ट प्रमुक डर्म के कार्मे अमार समा के उठमें डेक बदर कर्ष भूष्य म् एमं व प्राप्य भिक् उत्तार व्यामात मार्ग मिल महिल्ले मेर्समाम देख्य उत्ति (क्राप्ति) रहत , समक, चड् । खिल्मिस-म्ब्री अपृष्ठि परिक आभाव वसुव पक्षा देशम्भटरड द्वार्यामेला धमद्भाव १रेण ।

ण्याम् : (ख्रमाता) लामला : (त्याक दक्रमं) प्रमंप-लाम्य मार्चित्र कंत्राम (नम्म क वाम्र देव मायान राज (यन मित्र) इस (लम्मात) सम्बन्धाना : (क्यानामं) मन्त्रकार (में मक्त कमात) विकास (मिस्टिन कर्षिते) 03 लाड (काराब कुलव) स्थार कर में मर्का (अग्रिक नम्मक्ष अक्रम्मानक) (मार्ट्स बीक्र (हक्त डाका अन द्वाचियां) निष्ठः (निर्मातः) नाआ-सर-६८७ (मार्भकाक्रम सर्वात) मिनटको - १ क्षिक है कार्य के कार्य क न्वर ५ (उ व भार्य कामाया वर्गिय के क्रम में भार समापि लिसका में यात्वे दें के ब्राया में दें हैं (दुर्दासम्म, लयद्भेरं हिंग्हा) थुर्नि सका (विस्का) उर्बरमय-१८का व - स्वितं (वीकृष्णव (मयक् अ हत्वावपूर्णामव खीरिकविकारक मुक्ति । अध्यक्षामाः कर्त्य व प्रतिमाम्मार (ज्यानार में मक्त कार्यन में मु हिटल के) देवतारो (मृष्टिक म्बूपा) जामान (जमार्क) भूतान नम्न-रार्त्रे म नम् (नम्मक्त जाक हक्र राष्ट्रेम नमा

भागर (मालय कार्य मा) वर (स्वर्गाम सास्त) लाब (बार्में) (लाक्ष्याम्याम्यक विमेश्व) नाम्बर्धः (ते के नारम्) कर्यवाला (कर्ममाम्बा के के हि जान मा बेकी) क्ष्मार्थित , के अक, चन्ड , कार्थ ! (क्षानीम्) लाकामा मम्मान् हरक्ष्मास्त्रम् । देर् स्मान लामकी के हम्मार । 4) Em: (Em) 248 (248 x 2) " migo: (mi-चिंगाक्ता है) काव्यक्त्य: (लिवर्) व्यव्यां काववं) न कार्क वर्षात मार्वः (वायां अमामादि वामार डिवंगुम्म क्या) लामें कर (सम से स्थे) टम रामुप्र र (वादान प्रांत राश्य : [क्यान]) यामुम्य (काक्-निर्म किर्]) प्रहण्यू मिख्यं (प्रवेश कार्य्य -प्रजनमाती) का विकास (तीक किल सूत्र) क्रियाक भार्ष) दे अरमभर् वर (क्रिकीम शिकामा: (क्षांकामा) । शिकटरसम्प्रमर (मेंबग्-म् स्राम्बिंश त्वकांश) वेसकं (मेंसकं) मात्रकं (प्रवर्गाय) हि (निन्हते) क्रक- टब्लुनुगर् (मैक्नु-Cosi]) ang & nay-amayas (Cosa & Land); no (Cosa & Land); no (Cosa & Land) in a (अवनि प्रत्व कार्यका भूकः), कष्टुक्का-दिव-प्रतिस्वात् (कसृष्मिष्ठि विक्र प्रमुक्त निवात-(लगडिण) , प्रकरीविताम बानिएए (प्रक्षाकृति क्षत्रक्री धर्कापि कल करुमति विजयमम्क [तर्र]) रेक्पाहर्क कारंब (स्प्रेक के सम त्यार्क्य कार्य अवने माद्य माद्र हिंगी कि में में मार्थ, दे प्रिक्ष, दे प्रकार माद्र म्मात्मक जायाच्या वर्षेत्रक क्रमके विक्राक्ष ठ क्युंग्रेश कर प्रदेशका महत्रिं भरवानवं-Tab mes somi onthe, of gares-Menera or com generaly achains gody-किंदिन कार्य का मार्थ देश गार्ट । (काका (किस्ता) न्युर्क - न्युम्म्यम् व - हर (वाकान

भारतकांगः (त्यांकाकं) लायप (में मसे अ) स्त्रायानप्रामेल-(त्यार्काकं यनप्रमें सम् में सम्में मिने के प्रमें (त्रे) वर् प्रवंशि (भावन्त्रभूष्त्रिर्णवर्ष) नम्त्रभूषत्रक्षात्रा (यम्म्यालयं द्वा) त्व (द्वेति) देन्दीयतं (म्य देवला) देवलाग्र (श्री कर्षणा) मः (वित्रित्रे) एड में अधार्त : (दिन क्षा दिन अपने निका निकास निकास स्मिन निक्ति है के कार्य (दुल्लंड भरवादवार्षवं मह्त्र क्रिक्टिशाह्य व सममे जार दिश्येक व्यवका यंत्रकेल द्रायंत्र के द्रवस्त महारम्पिट हिल्टामा वबल् वास्व नम्मम्सला नी (मार्वमक् (म जिन्नाकिन मेर्टि के जिसके हैं। लायद्वास वर्गाउँ । भी हर असा- लाममायका है: (अंगर्यन ममादेस म त्व । स्ट्रियं सर्ग्य) नम् (मन्द्रम्य) प्रक्रमः (ठकाद) राक्षि (कात) भीव बाल: (उस मार्ग) ब्यवत्: (एर रामभन कर्ममा) नियमार (बाम कर्माटर)

वक (लाइराः) कलनेक (कार्य) विस्मार्थक विसे-(सम्पार ([न्यानामान] मंग्र कर्णमा विसेम्प्रिम्) क्रिक्र (वर्ष अक्रमान) हकः (हक्करिक्र) मात्राक्ष्याना (und the state of the state of the state) 11 mon उक्र हक्ष्यं महिल् (काराज्य वर्ति एवं दिलके वास्व गामं अवहर्षात्म लाम्मेर्यात्मे व्योगित त्यामके वि कर् अक र के जारका प्रमान के व स स्मारित प्रायत प्र CECAMI, MARA 24 MES 1] हिमां (पर न्यांस) में याता (समन मार्थका) यम मा ए ए थे : (सम (म व वि वि का में) में : (ए का भी) राटमान हिली चेन्द्रिक : व्याम (हक्रेन क्रानमा दुर्ध रदलीं अप्रामि [नवर]) मेकाम प्रवासक नाम (करत मैकाम्य मैक इंद्रामाल) केवर क्रिकार) कृषिवर्षिवर् (देशक्य वर्षाक्ष) २८वः ६९ (क्यी के टक्ट के रहित) खिला (कत्व कार्क गरि) 119 वा निये द्यारक चित्वाचे क्रम उ विल्लामाडे अमहरना क्राक्षवरेक : कार्र बहुक इरेश्व काक रहे भारे लामा) एक करने क्षेत्र कि के दूर अंदरमार्गिया के कर्र ति न

प्टिल (सिर्वास , दिस्य । प्रामुक्त के मार्टि सारम् वर्ड में यवानं अर्थ म्यामनं वाताका न्य्यीत्यत त्यं लकः अवर् कार विक ना इत्रायं कार्म कर्ण देशीयार्षेत लाउवन् अस्ति त वर्षे सम मात्र मा दव मार र जिल्लाक के जिल्लान इरेस । कार्न में में माड़ द कार्य पा उद्राम । बालाकाक वामका दरं] भी लम्काः (जीवाकाव) लक्षावकः स्रीमाम-जिसक्त्रम-हैं। (बीमासक्त विसम्बाद नवमेस हैंपहि)।हत-म्भरमाः (विष्ठि कार्यक्षेत्र) व्रक्षिणः (क्ष्रालंग) इम्म-विकिथः (भूक्यमार्थ) भूतः (भूतं वर्ष्ट्यारः)। उमार ([कार] त्ररे वूरे श्रेत) मूम द्वाना (मूम दिया) भिक्रमं मिया ९ (राम नामी न हाल) (व (अरे गर्भ-अधूर) निभाष्ठाः (निभेष दरेष्टर) हितः (की कृष्कित्) हिउदावते: (हिडकाश शृम) रमकार् (शिया भर्यात) मन्त्र व्याप्त (मण) वर्षाह् ।। २६।। परे त्यात्क क्लक किलक् किलका के विकासका ध्रम्मान । माधित व वींभुर तक हिली व डाइएमं वारानी टिव क्रमक ध्रत्रद्वाव । बास्य दाभावानिक बार्मकत्य

ownain (sa consig , onstie 1 [ced trage) Mills win ankla and alt some years भुष्टी संस्थानाः (न्युत्राक्षात्र) चढड या मास्तिम् कर्त (कामकाने अवर्थ अने मुकामनि) नप्तानु नार्य का छा (तनान तम क्ष मर्न कुरे अर्थ वर्ष म न कर्मामा) राहर में (याद रहंग्यं) कियान (विकास पर wir Cunch quay evanie 2 2 10 (4 21) on & 2 20 काका ८ (लक्ष्यांचे कावत्रभाव : [अवड]) सम (जासार) वा वर (देशारे) मव ् (का हिम् ए (प), ए० (देक मेकाम्मार) मन्दर्क व्यासि- याम् इत्में न्या जानितः (। ने व ह नं निकृत्क विवाल पान विदे लासक लयं गाम के सक्त हमरमंब नाम बामें है। है। ल्याहिक (मिलिक रंद मेर्य) लाम (मर्थ) विवार (क न्याम वाम् मध्यम) ७ उद्वर्तः वि (कृष ७ वकः र विस्ताम) उत्तर्म (कृष उ अन्नर्माल) लाइन्ति (लाइन्ट हर्गाट)॥ भगा

वह त्यात प्रकाममा व दर्वम क्षात्रम । द्वारा-द्वारक अरम्ब (मार्थ उद्गाम मिस्राक्षण द्वां। नह त्यात्म त्याने ने वर्षे देव व्यक्ति त्या कार्यने 5 y mils - of sea only garn-sie , Ja, Cala Einer Tellam, STE 1 Ash By organidad क्षायं द्रें के के वर करने कार्य करने पारक लय है। इं रंग । चर्राय में स्मा में से के के व हा हा । करिया के छ व वक्त छन् अपन कवार र विमेत्र -थल कार दरेखाली केंग १०० विश्वा (विश्वात) मात्रकामा: (अवादाव) मम्म-युगाविकात (तय्रमूमलाव मृद्धिव क्रि) क्रमाड (ब्रमाउभक्त) भर्षन-माना: (भर्षेत उ मानगर) ८५ (८५ मक्य) मन्छना: (मन्छतन) भाकिणः (प्रकर कार्याहि(लत) अभितं : द्वि मार्डि-०४० दमः (वादम्यम् वं न माद्व क्रमं कर्म-सर्वेष्ट्रें) प्र (विति) ल सं नं ने भ- रिका के प्रिश्न-प्रीतार्भनान (डप्रन् म्मन्यम् हत्मन् भ्रम् धीत उ डेर्भ त्यतं) मृष्टाति (भृष्टि कार्यणः (EA) 11 >00 11

वर ट्याटक विल्लव नामक ध्यवन इरेम्टि। न्तरि कार्यम् मसनं महमामं कळें मा लयामा वस्त विकास इवेटल वे व नक काली म विकास -लियकां रंग । नम् लि क्याकां यम्य- के प्रमान न समार्थ में किटर वेष एक लामका के कंसिहा अभ असाम (क असीमा) विश्वताहर ने अस्तिनीय र ्रिया । अ तायत में व्याम निक्स का के दिन का में में मिलाय में प्रमेश्वर क्षिया गिर्ट दर्ग विष्टितार्ग) लाज अ-भक्त मीम (प्रप्रम् जिस्मा किम मीमा अकाम कर्ड) वर (तामान) लक्ष्य प्रवह (लक्षिय-इंग्नित किंग्य]) अभिष्टं (यमेत्र) अविधात (अविधिवं भागं त्यार के क्ष्या के स्टेस का के बाद करनाय-रिक्त के प्रकार के कि कि कि कि का का का का करनाय-रिक्त के प्रकार के कि कि कि कि का का का का करनाय-(१७ (ध्र क्षात्रे धलक्षात् वर् प्रमुत्र हुरेग धाहरा के अर्थ कारके देवामी सम्म मत्र द्यान रहिता त्यक्षेत्राह, चक्षेत्र कालामाहित त्याकामा श्रामक्षर्व इत्रेमात्तः केरे नाजा (त्रिका) रतः (चीत्रकन) क्वमीत्रमान-

मुरमः (कें वयमम्बद्धि महिन्ति में स्ट्रियेशका) मामाना प्रिका (मामाना-विकालन करा) मानामाः (अधिक्रं) में भीमें मैक्स मधि से अके अ कर्मा के म्या- प्रद्यायायं) वटयत्र संगु काष्ये : (व्यापं ट्यामेग्य हिए) पास (विद्य) ग्लिकामें हैं (जिस्से मायन खेटाला) बाटल अरखभ- जतरम (अर्भाताहित केरि णा नम् का काराक) यि भिष् (मार्थण) लयत्मः (देशापनं) (मायवमा (हक्ष्यवर्षित्व) मत्राम्य दिमं (ममामायद करमं) मार्ज (मार्थ-Chem) व्यक्ति-मार्स (कर्मक पूर्विकाम) नर् क्रिंड बारम व जामान्य रद्र के समक देने बास्य मंगम्भात्म इ अक्षं-क्रमा प्रमेश्वास वामामा-क्षेत्रवे त्वासकात् , जबर वाप साप व्यक्ता क् अमरे उ तिकादिक्र कीरत न डेड्क्स सारावता. (30 , 90 CAMI, 24 N.CE 1) वासाकिलक्षम्भानी (अवासिक् नम्तक्षम्भा र्यक्ता) समन- असा मडी (समन कूना जानका-

Champy and and July works died and dudy agents a glas of The second of the second of All and the action advise East of the said of the case of the case of the case The same was the construction of the construct क म्याम्य म्यायात म्याय) मता (मयता) धाराभिकी (भारति के छिक् म) अला बसी (भारत्रभग्रह में बिर्डी (मेरि क्रांता) क्षिव: (मरमाप क्रांति: () , na: (cros) na: (ga vizannaz क्ष गृर रहेट्ड) कराम बाव्यिक्ड: (कराम भाग क हात) धामको (अरे महामसने) मिर्वाह Man : (a) alignis) 10 4 : amiscry (amona अभाविष) क्रायो (क्रम्मत)कियर (निम्हणेषे) विक्-काष्टा-यद (में गृहि लक्षा खा प्रा हिंगरमा: (त्म मठा मितं) के एक (के कव्म) के में एम (टैं मुद् क्रेम) टम्बर्गः क्षिश (त्वर्गित्वं र्त) - KAWE, & NORD, NORD).

- KAWE, & NORD, NORD).

- Concern and Section 100 811 , रे अक, जुबर बासेव प्रज्ञम्माक क्रममें में रेल लागमहिन्दिक क्लाकरेति कार्याव वर्गाट] १००। तक (तर्) निक् अधिया (भार कर्ष) कवायकर् कला (अस हलकार) उद्गुहर्म- भानेष-। क्षेत्रिकाइ. (लाट्स (डेंग्सन मस म्हम्बार मार्सि मार्ड न्या -

स्मिन्त देशम) यहिएके किस (यहिस्स अवस्ति 213 (21 E FE) JE 4 (BURL 212) 3 (23 (23) वेद (वेदा) विद्यान (भान क्रेंस) और शिका विकासिक ? (या के मार्टियमार्ट, अभक्ष्य : क्यक्या तेने से (क. सालार कार्यम सम्माद समाद केल । हिंद क्या मे त्रिम्हणा उप्रतिक क्षेत्र वर्गार । क्षा गरम् (मक्षाम प्रमान (मनी म ह क्रमान प्रमान) वानितिक (अमिन क्या क्या दिस्स) हिन्ना निन मक्ष्य न (क्रमणाव अमक वासिय मधारकरम भरमक्ष इस्मेर) दिन्यत्यः (दिन्धिक ध्रिते हार्या) मद्भयनात्रः (मार्थिष् (द्वान मार्जिस्मिर्थिष्) मवः (मरीम) का क्रम-मार्चनी मं भर मान्य (श्रम मार्चनी काला व कारं) मीका छि (विवास काविएएर)॥ > 6 छ॥ नरे त्या (क हे ज भा का महाम हते पार ! १०० ० प्रमाप्रमात : (विष्यं विश्वास्य वास्य) रे के: यह (लाक्ष्य) जम्म: (व्याक्ष्यं) इ से हः (ज्ञांतम) डिविक (इरेस्पर [यर]) अर्रामित (अर्रा)

र्रिक न र (चार्यकं माट्र) लम्मः (मुन्यम्परं) लयंशाय: (लयंशाय डिस्ट्य] दिनाम्या : (चिन्निम् भवादिव लाखास्य) इन्ह (चन्न्सल) मा (CA) र्यर्स्ती लिलि: (विसाष्-वृह्णि निम्म) कार्र (विम्हमान वेश्त्रांद्र) जाम् (बारा) सराम्नियं ने सक्षात (भगमप, मिलून ७ छ ला हारा) बाह्र : कार्क (बह्रिक्टाल क) नियान्ति द्रे त्राम ने विश्वित्ति व्यामा द्रारम् हर्यम्म साम्माद्रिक दुर्द्य स्था, चर्द्राहर में सर करित्ता वाम- या माना कारल क्षेत्रक में दिरके · MHILE, MY BLA SY INCE] १०० देन के भाषित आकारक न्या में वा रिवर (भाषित संग्रा (माहित इक दममार्वि) (कामा: (भागमार्व) दममूबर् का जिसकः (अभूग-वाहिष जिसकार) कवावलकार्षिः में होता (डाक्ष क्षेत्र के स्थार के कार्य कर (कार्य) में मास्यार (किट्री कमलामने) संबंश क्रामित्रायर या (कल्लं लाम लक्ष्यात्मं भागं) विद्यात (cure aux sols) 11 20 p. 11

ियह त्यात्व हिन्समां क्ष्मकां हे हिने मारा है। (SI, malle garal- SIR & Dyin) १०० वादा-कह-काममाह: (जीनादाव कमले सममत्तर) कारिये भी (आरिये) अक्रिक्स माछ-मण्डलमा (अक्रिक्न हिंड स्त नर सक रक्षीय) वर्ष (अम्मलकार) वर्गाय-सिर्भे इ.समात्रामुक्त (दुराव गर्भे व व सर-हार्यान । यक इने मा) सामा विवाद (समाव कामार्थ) 12 6 1 (Cal de de de de de la seco dela seco de la sec जानाका एक 'स्मक' अवर भी पर मा वास्य व महाक म अ द्वाता लय अधूक्ष पुरिष्ठे लिक्षेत्र , ल यक्षेत्र रहिंगेहि। क्षेत्र (व्याचारक काक्षर काख्रेंग) में मर प्रकारता: नि सिक् (रेप: कार्य (नक्क किए में में देर में में रेश काम कार्टि । काटिकाः (ज्यानावतं उ हट्या के कार् (क्षरमंत्र) आ केवर (अवस) म हि सवर (य्रिक्ते ha sir uy) : nd (cress) and (answe:) अ उ दिस् (भिक्षा के अप कार्य कर के कि कार है (कार्यकर) निलाभीभाने (निलाभी माम) भूवः (भागार) के भवक-

बर्द्र (लयक्षालकेल प्रध-स्मिम्हिक्टी) इ.स. १ (हल्की) कार्यक मठकत्रासमा निम्मूयर् (मनादेस भी-मिला- क मासे ल लामा प्रमाध (माला के मार (माला यह ट्याट्य प्रणाद ० इ में क्या के वारा के एड के स्था , ये क्षंपुटडले तिलके ति, चक्त कार्य एम्प्रेस्स्स (डिवास द्वानं स्त्राम्व असी मान् (लर्मा) 5 3 min, and my and stants ११ में अहिकारं : (क्रीबंद्धि) में अस्त्रेय-सर्वेया- लाय-प्रमा (में मक्तालंड सर्म आपंड (पाटि) दुनार्वकृत (हे-कार्डाता) मा जायक-सर्मिसामा (जायक कार्य-क्राल ट्रम ड्राम मड्नेड) डार्ड (विनाम कर्नाटट), सर्मार्मा (कलक कल कार्य) जामाता: (क्यकिक्व) मनेप्रतिम् में स्माद्यास्थान (प्रेयकेल. ठार्ष्य में स्थात कार्या कार्या है) कार्य (देशाक) मा अ मा अ मा कर (मा अ मा कामार में मा माला) ना दिया क्षिक के दिन के किया में भी के के का कर के किया है। कि कि किया में में में कि के किया है।

यन्त्रित कर्ने क्षेत्र कर्षात कार्या क कार्या कार्या कार्या कर् ्रेयक, जबर क्रांशाहर काजमाहि लायक्षेत्र. ge ag - Misaufera , goldin, mudra 23 mer) (म अम्रास्तार्वा श्रेष्ट मार्थितः (आ अम्ये स्टिन्स् स्टिन्स् द्या पाष्ट्रधांत्र (म क्रिक्सर्सेस) क्रिक्स (मार्डिकिं) कारममा (कारमीत्रक) वमानावार् मवा: (क्रमर इंद्र) े ((वारामा) हैन (प्रमार) त्यम-A ELICIANO: (CAN HAY MA ONE BOME) X Minai: (में में 3 ही म डर्र में) (कमा सका (कम का मुके रिल) क निय - ट्याट्य का क्रिके हे के दिलाकी में में के विश्व के स्वार के विश्व के स्वार के विश्व के स्वार के विश्व के स्वार के किए के स्वार भूकान जामान्। (राष्ट्र क्षिक ने बास्त कालन mailing on Dona sight of a mande, - se VERRYBURG - OS ONNI WINELE CEMENTE FOR THE -लायक्षावं यम् गंतरहा The sain (met engalin) ernaus (erna-सामित) में के (में महीत्त्र में देश) मार्ट कर् क्षालम् (र्मे बेर्का (मा लीर बेप कार्त))

C 3:

Americanon: (minarà) (muis (caming)) विका: (क्यान्वं) क्रिक्ट न्यार्थ रूप विविद्यां दिव योग) लाय दली (विकास मात्र मेर्ड गेर्ड)। विकेत न्यां के के का का ना का है। जा कार्य शिक्ष मान्ये का का . जारवार जी का डे, जामार त्याप्त में कि विकास कार्य ? त् । माड्या , काम्रह सत्रात्तव व्याव क्यादिकम्द ये अ क वार्टि के , टमास , चकर स्थान्त का न्यान उ । वर्ष के अभाविव वैष्यभूति व , देशका, वापने अब スネックで 2) ही जा बादा (जारामा) समम है मा १ (सम ३ (प्रत है। या) में भी : गा : के काम का म : (व्या के प्रकं माम् कार्य में अर एम कार्य में में में ने मिरिया : (नक्च म्लें कर्नांगार्ट्र) क्या : (क्यमिन) णः अव (CM कार्डभमूत्ररे) की मिना मिरकते (Gran consimilation: (& Blackston) र् हिं (मस्टाक) हैना: (ईन दर्मा) हिलाई (correr ans (0 (2) 11 >> 811

600 (स्ट्राय हर्ष्या ह , स्ट्रायम हर्षायम न (of 2 con a sugar candina gorgen Riancan egolowy, as Valsa commenda स्मिक्क कार्र मेरक वामासक्त्रीय व विषये हा)ि किन्य : (में अने क्षा का का के किन है। (वस)) के से वसी-लिय किन है में गिर्टा] V लिस्में (वह) कारिमकं मणी-मेला (बेठेबाखिंत कारिसे स अवस्तापतीं भारत मूका [नवर्]) मूका-अभूतावान-मन्नं वार्षावा (म्का ७ मूश्वामिक् भ भ मनाक महिक मिनिका हरेगा) प्रकाराक्त (भूकी साशिक्षाका) सर्द (सर्द) मर्पे प्राहिता (मस्माव काले लाक्षेत्र कार्य गे। ज्या पृत बि मैकार व असमासिक महर असाच वारा की ८५ व ंद्र पके, विद्यी अरमक्त त्यती व ठेट्क के अक्षायता-त्यू 'हर्षामा' नवर 'विवरी देव' नदेस्त मार्के में चम्यात्र हिन समा, लयकावं उर्गार] क्रिस्ट (बिमाम किसी उ सम्मान) विमाय-लाभार (न्युवासुक क्रममाम) लिएका (यम्

MMM MASS (Massin : (nmass yeller des 3 (1) Binga (nousmobs ona [nonsun]) verigo शिल्यर (अर्थ उ कारत) काष्ट्र (काक्र कर) To care project of stan, oralization of stan, oralizations भी शकाराः (चांनासायं) कास्त्राध्नारं (अक्रानः उद्देश) कू का मार (कू कि (मन) के किए कि का कि का वाम-टमयादे (मार्ड का , रकम ७ (मय दर्ख) ध्याक्म्ममा प्रिक नी ट्रिक्स मार्थ (अ उसे उ कर्म ही निषु मी ट्रिक्स मन व्यावन), वन् : टकावाभ्य मामा कव्यप्रम्मान (वन : , कर् वस्त्र भाश्या इस व अम्मेलय वंद्र) द्रम्मिका-मुकार (कर्म्मान्छ अभगम्यम [वनर्]) कभट्यानी-नरभकः (कभ्रामिष्यु उत्रभभूर १५ए७) धम्प्रिम -प्रश्रिक - प्रदेशक की मार् (हमम व्यूपिक देवम कियमे-मुरक्षत्र) भाविम्रताविष्ठ है (स्मेन्ड द्रामि) क्षित्र के कि का के पार्ट कार्य का का का के प्रय कि कि के कि का के पार्ट अस्था के कि का का का के प्रय नुरे दर्विमार्कित्य कार्णस्य वर्षिक कर्न कार्यक नार्य त्मस् स्मार्ड्साव, तर् नक्षाक् लडितदा , स्वक, लप्सीक

WEIGHTS AND MEASURES ...

7				
	INDIAN BAZAAR WEIGHT	BENGAL BAZAAR WEIGHT	BOMBAY BAZAAR MEASURE	BRITISH AVOIR.
Comita and a Canada and Annie Continue	4 Silis = 1 Tola. 5 Silis = 1 Kancha. 6 Kanchas or 5 Tolas 4 Charaks - 1 Powah. 4 Powohs - 1 Sect.	5 Chataks ~ 1 Kunka. 2 Kunkas ~ 1 Rhunchi. 2 Khunchis ~ 1 Rek. 2 Reks ~ 1 Pali. 2 Palis ~ 1 Done. 2 Dones ~ 1 Kati. 8 Katis ~ 1 Achi. 20 Achis ~ 1 Bish.	36 Tanks - 1 Tiparl. 2 Tiparis - 1 Seer. 4 Seers - 1 Payll. 16 Paylis - 1 Phara. 8 Pharas - 1 Kandi. 25 Pharas - 1 Muda.	16 Drams - 1 Ounte. 16 Ounces - 1 Pound 14 Pounds - 1 Stone. 2 Stones - 1 Quarter. 4 Quarters - 1 Hundred. weight.
i	5 Scers = 1 Pasari. 8 Pasaris or } = 1 Maund.	16 Bishes = 1 Kahan. 16 Palis = 1 Maund.	OF LAND SURFACE	CAPACITY
-	40 Seem	9 Dones = 1 Mound 20 Dones = 1 Sali.	441.0	
PARKET INCH	JEWELLER'S WEIGHT 4 Dhans = 1 Rath. 6 Ratis = 1 Anna. 8 Ratis = 1 Masha.	BENGAL LINEAL MEASURE	39} Square Cubits = 1 Kathl. 20 Kathis = 1 Pand. 20 Pands = 1 Bigha. 5 Bigehs = 1 Rukeh.	4 Gills = 1 Pint. 2 Pints = 1 Quart. 4 Quarts = 1 Gallon. 2 Gallons = 1 Peck. 4 Pecks = 1 Bushel. 6 Bushels = 1 Quarter.
l	12 Mashas)	3 laubs = 1 Anguli.	20 Rukehs = 1 Chahur.	
THE REAL PROPERTY.	or } = 1 Tols or Bhari.	3 Jaubs = 1 Anguli. 4 Angulis = 1 Musti. 3 Mustis = 1 Bitasti. 2 Bitastis = 1 Hat.	BOMBAY CLOTH MEASURE	BRITISH LINEAL MEASURE
MENT TOWN NAME AND THE	60 Anupal a ! Vipal. 60 Vipal a ! Pal. 60 Fal a ! Dundo.	2 Hats = 1 Gaz. 2 Gazes = 1 Dhanu. 2000 Dhanus = 1 Kosh. 4 Koshes = 1 Yojan	2 Angulis = 1 Tasu. 24 Tasus = 1 Gaz.	12 Inches = 1 Foot, 3 Feet = 1 Yard. 53 Yards = 1 Fole. 40 Poles = 1 Furlong. 22 Yards = 1 Chain.
CONTRACTOR	60 Dundo = 1 Deen. 7 Deen = 1 Hofte. 30 Deen = 1 Mahina. 12 Mahina = 1 Barna.	BENGAL GRAIN MEASURE	MADRAS LOCAL WEIGHT	10 Chains = 1 Furlong 8 Furlongs = 1 Mile. 1760 Yards = 1 Mile.
SPER PROPERTY.	INDIAN LIQUID MEASURE	5 Chetaks = 1 Koonkee. 4 Koonkers = 1 Reik.	180 Grains = 1 Tola. 3 Tolas = 1 Palam. 8 Palams = 1 Seer.	BRITISH MONEY TABLE
September 3 September 5	4 Chetalia = 1 Powah. 6 Powaha = 1 Seez. 60 Seere = 1 Maund.	32 Raiks = 1 Maund BENGAL PHYSICIAN'S	5 Secre = 1 Vis. 8 Via = 1 Maund. 20 Maunds = 1 Kandi.	4 Farthings = 1 Penny. 12 Pence = 1 Shilling. 20 Shillings = 1 Pound.
MANUSCONDENS.	INDIAN MONEY TABLE	WEIGHT	MADRAS BAZAAR MEASURE	2 Shillings = 1 Florin. 2 Shillings & 6 Pence = 1 Half- crown.
SOUTHWAY WAS	2 Pies 2 Pice 2 Pice 2 Pice 2 Pice 2 Pice 2 Pies 2	4 Dhans 0 1 Retl. 10 Ratis 0 1 Masha. 12 Mashas = 1 Tola.	8 Ollaks = 1 Paddi. 8 Paddis = 1 Markal. 5 Markals = 1 Phara	BRITISH MEASURE OF LAND
DETREBUNDE	4 Pice = 1 Anna. 12 Pics = 1 Anna. 16 Annas = 1 Rupee.	BENGAL CLOTH MEASURE	00 Pharas = 1 Garee. UNITED PROVINCES	144 Sq. Ins. = 1 Sq. Foot. 9 Sq. Feet = 1 Sq. Yd. 1210 Sq. Yds. = 1 Rood.
STREET,	INDIAN MONEY	3 Angulis = 1 Girah.	MEASURE OF LAND	640 Acres = 1 Sq. M.
STATISTICS.	TO STERLING	8 Giralis " 1 Hath. 2 Haths = 1 Gaz.	20 Kachvansi = 1 Bisvansl. 20 Bisvansis = 1 Bisva. 20 Bisvas = 1 Bigha.	BRITISH TABLE OF TIME
Mary Mary Comment	12 Annas - 1 Shilling, 1 Rupes - 1 Skilling & 6 Pence. 13 Rupees & - 1 Pound.	BENGAL MEASURE OF LAND SURFACE	PUNJAB MEASURE OF LAND	60 Seconds = 3 Minute. 60 Minutes = 1 Hour. 24 Hours = 1 Day. 7 Days = 1 Week.
PART CALLERY	CEYLON MONEY	20 Squese Cubits (cr Gandes) = 1 Chatak. 16 Chatake = 1 Kotha.	9 Sarsi = 1 Marie. 20 Maries = 1 Kanal. 4 Kanale = 1 Bigha	24 Hours = 1 Day. 7 Days = 1 Week. 4 Weeks = 1 Month. 12 Months = 1 Year. 365 Days = 1 Year. 366 Days = 1 Leap Year.
and the same	100 Cents = 1 Rupes	20 Ksthae * 1 Bigha	2 Bighas - 1 Ghuma.	53 Weeks - 1 Year
- 1	THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF	CONTRACTOR AND THE PROPERTY OF THE PARTY OF	THE RESERVE OF THE PARTY OF THE	

hadun 128 Pages No. 8 CICE BOOK School. Roll No_ Subject &

T.P.M. Co. Ltd.

Reg. Trade Mark

(rug your mois righ Mello o men o mende -606 १) विकासिंग्याह- १९५: (काके का मान्याहर मंद - लायल सांत्र क्षेत्रं शिक्ष का का (दुराव- अव्यव) न्या ने विषय (न्या ने वा क्ष्या क्षया क्षय काकाछ (विवास कावित्यन, [आन]) अति अभागवित. मार् भाषात्र (सक्तकाकं द्रमाधन्त्रके क्षेत्रकाकी) अमूका: (जरीम) अमंति ह (अमंत्रमूदम्ड) अम्मिन वा (लम्ममंद्रमंत्र याम) हाति (त्याहा माद्र (ह) ॥ २२ मा चित्र द्यारक क्षेत्र कर कर कार कार कार कार कर वस डेलमार्री डेल्सम्बल्स वीर्ट इरेस केर लाइएवं द्रमं । अस्ति जीवासाव अधि जीवाकावः यवर विभी कार्य मार्क विभी कार्य के देवला 23 mil 33. 014 2 (0 4 mil 2 3 mil 1) 19 (काम मा (कर्म प्रांत) करम् (कड़) च्युनाह्या (क्षीनाका) प्रकारिक: (क्षीकृतक के) भार्ने प्राथा छ : देव (सर्वेत्रसम्पद्ध प्राम) प्रमात (त्याता कार्वाटर दे क्षान) रंगर सामृत्याता : (क्षाकरक सामृत्यालय अ) न्यान्त्रका देव (न्यान्य प्रापं) देखकः (काद्यमं) ध्यम् (प्रवासीय साम्ये) विवास ए (विवास कार्टिक्त) ॥ २२ ग।

वर टकारम , दुस्तितां कता, क्या है। त्य रिस द्वारात जक्यां देशकां जवं द्वारामं जक्यां . द्रमात्र वरं क्षित्र वर् वायद्भेष वरं । कर्षा मात्राका व कार्यम्भाति द्वामत्र चक्यां देवमात्र व - varia gorni Exince y) अस् ((अस् !) कार्यकारंग : (अधिकार) टक्स (क्स) क्राम् नार्वः (क्रान्तिक) व्यक्ताः (व्यम्पनम्) लयंसम (लव्यमान) प्रमुक्तमा (त्मुक्त - मकार्ड) सार्या (क्रमास्य) म्यूयर्ट (स्वात्त) केट्रिंड मार्थि (काराहितः [कान्य]) अनेकः (क्रिकारी) कृषः (अश्य) कम् (कमने वा) वलमः (वली द्व) म डावडा (इत्रेखनमा) (152011 चित्रं ट्यारकः सम्दामम् सम् ममकत् व्यक्षात् । टिम्द्र कार्यन मार्वक अकरि बसुव विभाषाम् छा-मर्बड धमाम अर्वक वस्त् निर्मित्र दूर की मुल्दे दुक लायक्षां रंग। लावनं सान्यसर्थं सर विसर की अदसर दर्श समाम् का आप एम किया किया दिया कुर दिन का दामादिकार अमे मिन । हार्ष र में।

त्रम् विकारक व सीक्ष्रेकार्य की मार्क्षक कर्री मान्य दस्तं । यो मात्र ध्रीयक व व्यानं कामार् prad myandssa gareses andia, orskie. हर्माटर । कार् केन कार्य मार्थ मार्थ वार्थिय सर का दुलमधाली ने द्वामुने सर दियाम, के समकातंत्र किर्याम मित्राह्य।) कथा: (चार्यम्) माद्रिकार के में (माद्रिकार क ट्यामार है है अने वह की अवार: १ के (लाव' अववर्ष वार्याण ललकार्य वा त्यामां हे रिकामात्रक: ह है (त्यासन दित्यन हे स्थाम में कि प्रमें अन्य अप्रि-विभू: ह क् (वार, अराधीत जापि विभूते स त्याम) १ जसा द्रक्षा के (जस्त स्वा द्रक्षार का खामां) के वक्तियाः (धान् अक्षिन्) विकामनेत्राद्विः ह न (निक) अन्तादिक का का छिरे वा त्यामा में दे रेपट का काल (अरे क्ल कार्यहरीय) माना नरी (डिमिट न्मा) मः (कामार्यके) क्रमण् (क्रमण्य) सून् (25 (20 \$1 CA & CAMP & A SUNA BILL BICK) 11 25211 भार्ष उठा, त्यामाद्यक उ वेट्क शक्त भ हिम्दि

्यते लवर अववर्षेत्र लामकार अंगन्ध्याप विके व रिक्र मम्मर्वे का कार है के का 18 महि क्रमड़े मार्चिके दा Codi Antamisa zur An Chunghana Nineis १ [विसे केम्मर (मुक्किं) अमृत्यान हैं सर है (अप्रांच धरातिति (कर [देवन]) नका (नकमात्र) मान कार्य कर्ती नामार्थ) दे करा क्षिक (कि.म. ज्या किंदिक) लयं सत्त अमा (लक्षेत्री अप्राप्त्रम्) किंत्रम् *1) (Cary (6 [904]) 7 *1 (72 m2) का कि की आका कार्र), आता म ह (आता त्वर मरदन); क्रमाः (वर भीता मान) कल्म (क्लारे) क्रिमाः (क्रिया), मान (मध्यरे) उसमाप (हाक्रम) [अर्] कूटि (मुत्रे) निक्षेत्र ए (क विम्नू) [विग लात] ; जम्म (अक्लन) गाम्मीय रही (बाक्ष्यीं वं प्रवं मामा) असा (अव्या) बाका उन (जीना कार्य) अ द्वार्व (अ मर्भा २ म), जमा म जिये टमास्क हराई सकाब स्मार्ड प्रदेशार क्रिये विश्व अन्तर्क लामा लक्ष्मार्थक क्रिन वस वर्ष

भदि अभरतन जाम ना निवास इसे, जादा दरेटन त्वानेम्द्रभान्या अन् द्रम् । द्रम हार्षे स्टान । () अमेर्य त्या वसवं ममा वै(१) ममर्थिय (अप र मेरे कम्प के लिए) व प्रवास है (०) ल समर्विक (कान कक्ष कमन १ (8) असम्पूर्य कात कर् क्रम उ प्रत्न निवास । त्राप्तव प्रत्न अयम ठ क्वीमे में दिन कारण में मिनाम बहुकंड क्रमार बाका काना क्राम रम्म १० लसं दे दे में प्र काका के के कामा। तर त्याक अम्मलात अम्मव्यक क्यांबाकात्म. कार्य मालय र र्या प्राप्ति में व स्तर में रह में कि व से कर रेशिक्षिये प्राप्ति श्रिक्षिति । कार्य मालय र र्या प्राप्ति में व स्तर में रह में कि व से कर अन् वर्ष भीराक्षात केक किंग्यी के कि शक्ष व लगीक बल में बाका का बार्ज है के गटि । विजीन जात अस्त्र-अने क्षित्र कर्णा के कार्य कार्य के क्ष्य के कि टबेस्सार कामने विक्य चार्डिक कामीत बरप त्यी का कर असकी उ करमा के अस्मार्थ महत्त्र केरिय Carries 23 mcs 17

क्षाहरू कर्य क्षेत्राम के वा यांग (1013 यर्थे हित में या कि लियार अकेत त्याक त्या के क त्य व्याचार का के गारह ? [megy nandmy and a mule was a mile ouan कार्याटि), अमा अभा निवामी अविमारे जिल्लान अमे-मर्बे कि में ये) कर् में राया मार्ग (त्यात मर्बे में र पंव क्रमार के के अहमा हिस्टिंग का जिला) कारमार के रा (थिन ट्रिन क्यानिती) वन अपाछिन (थिनि डिउम अन्यक में प्रमाद अया का में जिसकिर केर ने क ट्वत मर्भे देवस मन त्मादिमका) वास्मे (त्मे) कार्यका (कीनामा) रेप (अरे) कृत्यायत (कृत्यायत) लक्षा भिन्न कार्व (हर) म >र ।। चित्रे त्यादम 'मक्तामाडि' ध्या का न । वि निके विटममनेममूर प्रावा विटमएक म असम व भिर्ड रहेत के जामकी विकाद र्मा निर्म किल करें विलाहरें निर्मा के स्था किल करें किल करें किल करें किल करें किल करें म्बिटि अमुरम् दरेश रहा ११८ लग्गः (चर् यावास्य) वक्षेत्रा (वक्षेत्र ररे के निक्रा (दीक्रा), निक्रा (निक्रा), अवर्त-अवेदि वा न (अवरे का लागे-अरते व्याने), ज्याने

(क्यांत) रिन्र् (चर्रे) क्या (क्यांत्री मध्य अ वित्राप-कार [अवर्]) कतारस्यर्थः (कत्रामिक्र) त्यारवः नाम (अर्के के अनम्मितिम् क्रार् (मनम-में कि अरकाम रामक)) क ना ना (कना- किरोपी वहरं) उल मृत पृमाश्च कि (उद्यम्लाहमामारे न उ) काहारी वकारि (धारार्थन का मिक्रायनी दर्व एएट्न)। 22811 चिरे रलाक 'विवाबना' धन्नद्वात । कायने काणी कार्य उद्भन्न इरे त्य डेक ध्याद्वार इस । अस्त भीका-महिल कार छेट्नत ररेक्टर मिल्या ने के ... वान द्वार मा के दरे प्रश्) भा (किन) इतीक्ष का के की मन मानी के भी अली (रें न क्ष्मानी क्षित्क र्राप्त ग्राम करवे पत [वरः]) मृद्याक्षिक छर्म कार्य (म्यसि- प्रक्रम मृद्व भविकास कार्व (म उ) मणी वादी भेज प्रकारिया (प्रकी वर पडीर मक्ति मार्गिती , [सर्]) नाका (जीगमाक) विकाया (विकाया) दिवानीमा अवाहि (ब्राह्न महावादा (अर्थ मेरल कावमाटहन) ॥ > र छ।

(कह मिस्ट उद्गापत रिका करेंगे मा अपिय महिला करें दिला । । कि वर्द्याल विल्लाक अन्यात विन्द्र अवन्त्र केर जार की की कार्य का वर्ष के ति के मार्थ के व माध्यर्यातं मान्छामा स्ति इतेत्व अपनीय अक्षित वार्षात्व के वार्षात मने क्रिएही 10) स्माम्ब्रकारं : (स्मान्यां) त्रवामन - मत्र - मेर्नाक्रत (स्रात्वर कल व म्यूनि म्माम) मण्डल वि (भवनारे) मदार्व भूदां मार्शिता कि एति । (प्रत न में में न क उ प्रकल रेजिमन त्रिन) कृटिक कजान प्रश्वात (कृष्टिक-अयम्भिक्ष १ : हा है । इस का मार्थ (विश्व में मिल मार Cant his us my with his was a six a con a contract of the man was the was a six a contract of the man was the was a six a contract of the man was the contract of the man was the contract of JENE EGRAPITAL SE SONI CONTON धान कुत्व इरेमाट्डा 7)वी डांब द्वा - द्वा टारेलं : (माराना क्षीक एक देवन सम र्वत रवर्त करत) , वार्ति कामाः अवीतः मरक्रममन नीमात्र ते: (जीनकी व तम्त्र मुल्दा व कर्ने माम्ले प्राचार्की मार्थ के निक्त हिकारी-अक्कानाट हान - इकी - निकत - अवन वार्न - ट्यानी -नी त्याव्यानि (नामन कर्माव मेरिकार, मून,

ecasil as a mar Experience acted and and a मीट्यार्भ्य प्रमूच्टक) मिलिंग नि (अन्तर्केष्ठ किन्निम् ESCHALOS MASTER OCACAS MANORES CONTRACTOR OF THE STATE OF नम्यन्ती महिन्द्र कर्न अमा ज्या कित म १२० क्रिक त्याला लाबरें ड्रुंगरि Др इटक कात काहित (त जी कुटक अया पत जी कार!) हत्लाय- बाली र- प्रत्याब्तितीतार् भगति : (हत्लाय, हार्क उ भाभीती ने) भीता (देन अस दर्मा) क्यर विक्रिए द्रिण देव (अकार्डिस्ट एमत) नत्पार्व के नामि (लाकान करंग) व ध्याप) त्वा (लामनं श्रुंगार) र्णाय (य विश्वरम्) म: (wrunch म निवारे) ट्यू १ (कामने) धानक्षेत्र दम् । धार्ति, मि की मार्थतं रूर्क कारात्र जा रमल- अवंग्यु व अम्मिन में अवंग्ये क्रिके न टमके ल किन्य हिलादवं हिल अवंग्ये का हा किंदे अवस नित्र प्रदेशके वर्तिन अधीचे वह संबद्ध

द्वा अम्मित्य राजमा अम्मना द्वा रहेमार । लाग्ड म ज्यां कर के क्षित्र वापकां प्राप्त क्षादा के थिका भवा- किंत दिसं काट लासक पा द कंतिक द asia para : maran a le 10 vers ou min कार्नाट्ड - जर्मल माया देश मिटियर कार्टी मिन सिकत क्राक्ट इत्रेम्टा) हार्ट्स (त्र वार्ट्स !) हत्मावायति - हाणकात्र - अर्दा किती -ट्यानिय (हत्तान , हाक क अभिनी मर्थन प्रार्थंड) प्रभा अक्षात्र प्रकः (क्ष्मि तिमानिमा क्रिम् कार्षे] निन्द्र अक जात्र कि किके) भ : (ट्यक्म) व्यक्तिर्थ : (अवस सर्व हिस) प्र: (वारा) ए (कामान) कृत्व क. जातकर (क्रक्रकातका) अरमभा (रमार्था) नू छ: (18 4 6 53 MILE) 11 259 11 व्याचार वक्षात्रण व्यक्त - वर क्रिका विकारि क्षानं मेर्न म्प्रतिक तम्मानं क्षानं हेर्ने महिं।) १० म्यार् (म्बर्गातेव प्राक्त) भी: हु: मीना (भी: , कू अ निम्मिक) बर्र : (डेउम) म्म् छर्टी: (सर वर हास्मिता) सर्व है वा: (क्या) ! वान्तः

(Question a com) m = = ((my. [campi]) : 00: (०५(लामा) देव (वर्ष क्षान्ति) छाः सकात्मारामानाः (des cando (unusis 1) : ales: (७५८लभा) हक्षाश्मिष्य अन्तम् पृथमाभाः (६ व्यावती-क्रति में मन्त्री में अम्बद्धा काणु [क्रिका "न बढ]) वर्षिता: (अर्रादिव लिलक्षात) न्त्रीयाक्ष (न्त्रीयाक्ष [तन्त्र]) भर (रमाय) रेप (म्लावत) भः कृकः वाल (रमने व्यक्ति । क्रिकार् (यह व्यक्ति अपि) पित्र वार ((2 min) x & to (x & (x & (x x n. (x x)) 11 2 00 11 चित्र (आक , असं त त्या समात्र त्या करतंत्र माक्सि रर्गाटा रसम्मित्त देवत्वत् देवकन-वर्ष रम् ल त्यार मिलक लाक्ष्यं रमा निर्मा 'नी : ररे ए की दाकी अर्थ ड मून्द्री अरो व छे उटना डन दे दे कर्स का मूठ हेते मार्ट । कान, की मासी वितरं व्योक्टिन मर्काष्ट्रक मार्कित्र वा टर्डिंगना त्मिना सर् अर्ट त्म के अपनी इव नांत (करें सात , धामक्षरम् इते प्रदि]) हत्यावती (हत्यावती) अपवार (व्यवनम् पत्र-प्रकारत) बाडिक हि : (अव्यामिड) अने म- का न

छते: (अरेप, क्ष ७ छने भना) वक्तावि (अष्ट्रण) भ्रम् में केर्मे (यभी हैं कार्ने ने हिल्मे) वे (विके) की ना हिया (की ने का) देर (अदे मुकाबत) अत्र अवरिट: (माडारिक काल अक्षामिक) ति (श्रीय) (व : (Tyri to a ay ain) Ré (To Storte) est our 17 (thung) some gentes (acts i) on sh : \$ a : j(an sh right. तर् ट्याक कामार , यामक लयक्षेत्रं। ता मात्रकां त्य बक्ति मार्थम रमं गति द्रामाना देरान ल भ्रम्भिवं प्रमं विष दुक् र ल प्रकार प्रमं। त्यम् ह न्यावसीव स्रोगादिक स मार्चन कावा (त रक्षाक्ष्र माइ० रें गर्ड क्षांक्रक. भरत- खने मार्मिका त्मे मार्थन काराने स्ति कृष-क स्थान क प्रमायक व मुद्रित क किए क कर रहं के अमे वि इरेस])ठी विष: प्रमार्था (अप्रमायम्मात्त्री) म्यांस्करंग र (क्षिक्षक मार्क) लाख तमा : वाम म (त्रावन

(सम्भान व मार्) द्वार भी: (नर्मम मामा)

NOT A (NOT ACK); NO (E CNOSE [GIXIA]) (कला के (कल का मिन अर्थेड) टक्ने हिनड़ (क्रिका), द्रिंगश्च में एस (श्वर में न क्ष्य) क्याष्ट्र अं (श्राम्का) ल्टिंग: १ (वर्ष्यम्मल्य) (यम्प्रें (६ क्रमण) न द स्मिर्क प्रमाणका कार्य क्या महिल्ल में दिया। वा श्रु रिके प्रमाणका मिना मिना मिना मिना मिना मिना में स्मिर्क में स्मिरक अपृष्ठि टमायवस्त्रका त वक्षवः क्षीमकाम कार्विकेका डड्रांटि रेकावप्र कमा करिएवं के दियाता सरिए देवकार्यक्ते आवक । अवनव निकास्ट्रान म्हार्टाइड ्याक कार के प्रमाहा) आर्थ ((क्र अर्थ !) क्षानता (वीकृष्क मूम हत्व) अि को मूरी अर (राम्न म कार्मा नामिन) भागा १ (भार छव) द्राविकामा: (क्षानाकान) मूल्लो हलाएडी (में मन निक्षेत्र देशि हिलानी है [नवर]) रिक्ट येमर १ (चिंगासा ने माएत) ला के रर ([izueny] an) no (crisa) some sixy (अर्थिक प्रतेषक सम्बर्धेय) मठिका (रिकार्रेक कर्मा) व्याभीत् (व्योवा क्यं में प्रतं माट) मत्तः रिम्निक इने एक एक ।। उपका

og carca (ay 2 son à d' n e ca à sins contant नाय के ल अपर्य प्रकृति का टि के किया की बाहर के mulya Ready & my & 3 ini a de Vaytosai नम्मक्ष ज्यानम्मात्मकं जीनाकान भूरमन आडी विष्यतक्त अर्थतिव्या ८२ व्यक्तिन जिमे मूटमन समाव अस्त देव राम त्ला में साम, लाम के अं इंद्र सिमि कि अर्थियं विर्येश (क्यांका) के कमानुद्ध (क्या के डिक व मिक्टे) धाकरें : । बिम धान (तम दुर्जीका) मिरा दुर लेसा (उत्सर लेसा [तक]) लागार् वं प्-बामिन (डारक्त प्रमञ्जल क्रक्रिंग दर्भारे)व्यमी: (अभीत्रेटक) श्रमंति (व्याम राम क्रिंग ; विक्रे]) क्ष्र्विता (व्यक्षित्र भावित्र कालीय) अका (क्रि) विकास मिलक्षां (हिल विकाल विकाल विकाल) अम्बर् म्रिं में के लक्ष (य्यासेंगरं के विवा उर्दे के व) भूतम (भूगम डाकाल मून इरेमा) जामर (मन्नीमार्टिंग) जू मन: (त्र ७ भनक) भामिन प ि (कामिन) पूक चित्र- त्यारक अभिने का अक्षान क्षिण्या । चित्र- त्यारक विद्याकि अस्य व्यवकात क्षिण्या लात रस्कानीय प्रमन त्मात रस्य भार्षकार्या

निमार्ग्य काम्र कुर्थित्व के माण्ये दूर ने रमुत्तम कु लायकार्ध वर्ता नवर्त्त में कुर्यास् लायकार्वाकानुक व न्यानं सन दर्दात्वं द्रमंत नवर विश्वेत्रात्त नार्केक-Da na: (cresa) & n: () must (nqua) अभारः (जीवार्यत) भूतः (अभ्राम्भ खाल), भाग्येपूल ह (अम्बन्धा) अल्याद (अल्याद कार्ता) विक. अर कृष्टिय (हिल्ड कृष्टिभमूत्र), मृत्माः विष्एं ह (रम्मपूललाव पर्यम्भाभ) भी सक्रामः ह (देव्यम प्रक्रमात्) कृष्णाः (स्म्म्मातः [वरः]) व्यास ह (शक्यारिक स्पान मार्क) के बाह (ALL M SLESSOE X) 206 (CASCE &) - Maing AL (अक्षिर) देत (अरे दुक्तवर) क्र अमी अपन रामी रे रे वि प्रकार देन में मका प्रकार वर्गा 1120611 चित्र ट्याटक , अम्पार्थ क्या बेरक । मार्ट चक्रवर मंत्र द्वाम मिला विषय कर्ष मार्थ कर नमने मिल दरे ता के वामकार रमा नम् ता नक कीक्क

खांच क्षं मार्ग मार्ग मार्थ कर्ष क्ष्य मार्थ करण काम: (क्ष्मण) क्ष्मण (बार्ड क्ष्म) क्ष्मण (क्षार्ड क्ष्मण) क्ष्मण (बार्ड क्ष्मण) क् (आमात्राह आमें हैं। है। या स्व: (अवाहित उन्ते) WAS (दारान) किकिए (कार कल) मार्ट कर्ड रूथमा: (ल अ कर वेरिमिश्व र अम्मिश्व हेत्र में) का स्टे (क्या का स्टाल) रेक अभिज्ञा (क्यात्वास्त्री) अभीका (कार्यमा) वित्याहर (क्षित क्ष्यं क्षामण्य) व्यवमार (व्यवमा) जिने ट्याटक त्मारक क्षणी के किया कार्य क्षण कार्य क्षिम क्षेत्रक जिल कर्षक क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक व्यमक्रितं रमं। नम्हाल कलार्व मिलानाम निवृत्यन लवाकारमं लक्षम देवेमा द्रायम् । यो पे व माटक कीर्ट्र-मात्र क्रांप देक व्यत्र क्राट्व व त्रके वि त्रे साहि। रेटी मह (मह) मेर्स : (चार्क) सम्बन्ध (चार्काव्यक) अपूर्मा (कार्म करत्र [कार् इरेट्न]) जवप्रश्रीय व (१८०८ मनीयान) र मेस (मनी दं) कमा- त्रा-त्यामाक- शक्त द्या (कला ट्यम द्यामाक व auni gra si [[and]) an: () ()

(rug) the (my mars (rans was) course; (व्यानाम्य) व्यम्न- मर्ने (व्यम्यं मर्ने) त्रियान (our site) as (our syen) ourse (regulys) वा त्या द्या (सवकावं दुरंग रंग रें वर (लाराः) (300 1800 1 (32 203 anne 1) >00 11 निर ट्यारिक, लामा हु, लामका व । क्रमार त क्रावान क लाक्षेत्र के उने त्ये कुट लाक्षेत्र दरं। महतः जी के क क कि की बा कार्य कार्य में क करवा वर्ष व्यानिक कार्य दे कल्याएं दे देश के क करत दे दे ते xx a " 12 ggx to arene a mus xymeyà टात के निए वर्ष थाए । ये दे म निष्क कर्ष क त्यानाकार व्यवकारका कार्य प्रवृत् न्यानाकार्-सक्कार कार्य द्वार के किए किए किए inte Elle outed way with a signification कि अम्म कार्वा अमि इते खाद) में अंभरकर (अंभवपायं स्थ्) केंग्र: (चाक्र) मरे वर्ष:

अस्त्रकांस ट्यका) ! लयरमा: अनंभवंद (दूराएवं सर्वा) ज्यावेशक्त (चावंत्वा) कर्प: चर्वानंत्रा (छप्-(मर्वाप्तां मिनंत्रा) प्रवृत्तार (ट्यक्) ! न्याव (क्रिक्ट्रीसर्व (मर्वाप्तां (व्यक्तार्थ सर्वा) क्या: (चाक्क) मर्वाराः

दुल्दानं अवेम्मदिवं) मां व विसुद्धं : (सियम - अम्मार्थ -थावी) मुळ : (ब्रिस्काव) अनुव्हता नमा : (अनुव्हता-अपुर कुछ) मंदीमाद (कार्यनंति क्रिंडि मांद्रकटर)।। २०४॥ चित्रं त्यात्व स्त्रम् अमक्षावं। त्यम्द्रं देवद्यं टमाम नाम्येक्त राप्ट दरं वमाने कु मारकार अपि राम्या राम्या क्ष्रिया । या राम्या स्थाप क्ष्रिया स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप 939) प्रथा (पात्रकामा) इंग्रं (चक्) केका (चाकेका) क्षार (बीक्रकं निकार रमेल) कारिनाम् डेक्ट्र (स्टाम्बर्ड त द्वत) लड त्रवर (का: 12 व सामाहर) द्यारात (यात अर्थता) द्य (पर्टा) कर्म प्रिमित्रेश (कार्डकटक) कार्ट्ड कार्ड मार्टिड : [जड्डक]) रेक: व (चारका) लम्मः (प्रांबाक्षं) लक्षंत्रहै (लक्ष सर्) प्रमाम (मात्र कार्यना [क्रांटाक]) 13 20 के लगा (13 20 राप कार्यारिय ([() लामा: (मधामप्) लाह्यार (दृष्टां वं प्रकर् इंदेल) मंद्र लम्ब (एक कार करं

मुक्ट रम्य पाट कार्नुगा) क्यें करें : (व्यशासक डिट्नाट्न ट्रिश्मार्थने कर्निपाट्य)।। २७२।। लिइ इसाट्य त्यां हेरी हु, लाय के वं । मर्गा व मने दिएवं अने अने विमिणं ड्रेट क्रिके क्रमें। पक्ष का कि के का का कि असीमित मिल मन्यत् भ्रांकक्ष अभागता अकातीभूत्रक विकिथं-त्र के अमझार मंत्रि दर्भारह । 80 किंग्रल्स (किंत्रिक म्हमायक) mail: (चांबाक्षं) (भ्यम्भम् । ही: (भ्यम्भम् हि) धना वह (धनाने इंद्र माटि) विमा (चर्याम) ब विष: में (मा: १ (टर्टांडर् उ यम्मूमार्भवं) दश्री ध्याप (दश्री व धार्य इंद्रेंग (१) विमा (चवर्) माडिमा (१९ (७) विद्राप्त-डन: १ (ए मामाजिमका ७) अमा: (अमरे वरेगारः; [लाउं]) या (त्रत्र) द्वाद्या लक्षा चव (अनुवाद्य व लागाव वर्षाट्य)॥>80॥ Tay cauca leginasia promisione la sidi वास्त बस्टिक रे मिन क्रा बार्य क्रांत दर् त्य किन्न कार्य कार्य मित्रक दर्ग मारक । वास्ता क्षा करते के स्वति क्षेत्र के स्वति के स्

185 (men no xex: (mang) menjan diga-प्रिं दिवामर (एक-टम्बरमात्रा प्रकाणम र्वेष् -कार्वेश (नके) क्लेम्स क्रिया क्रिया (त्राध्यावा 'एप्रस्त व सर् माना आहेर्या) कर (रितिक्रीका) अरख कड़नीए (आर्मिनी क्ले) दिशा (जाम किया के अर (कि कि) जार (करेकारि-रताय-मक्षीरा) कणकी १ (कणकी नं मिल) भाषा १ सावा स्टिशि मा सामाम क बस ने कृत्य में स्टिश्न ने चित्र त्यात्क लस्टिशि का लस्माम क बस व व्यय-रिमान किलिशि अर्थात्र भाष भाषात्र । राज्यसम्बर्धि consectations of the contraction द्वात्व वामिनी वाक्काममूर्वक क्विकी अर्ड म मन व्यक्तामा के के व नम्स के वर्ग माना णि कि कि वे क्षांकारक आवं का अ में क्षेत्र के का क Dimontagement of men नामकामध्य का अभिने क विकटनं क दिलान 22 m/2 17 (सम्बद्धाः (सम्बुधं) खारा (वस्त्रीमं द्रंगः । हो सम्बद्धाः (सम्बुधं) खारा (वस्त्रीमं द्रंगः ।

[overa]) mga-y: (mgaa (maca) gex in (Dit the) engable of (engals recording langing - अमा इसे]) द्वाह लायाय-मा भर्मे आमारह के (वर्षात अवं अर्वं त्याता-अत्म्रिक करवं प्रकंत) of Cay (as geins) state: (xe combrown) ELE: (12 grasa) on posa onys (courtilis हिन य-मक्तर यन सम्मि का दिल्ला वामी गर्ट) ॥ > 8 2 ॥ लियं त्याकः लामस् व-ममदम्, लापामे व सम, लयक्षरवं अकिस् देश्रे महिन नम्दा लक्षक म क्षामाम क भारती क्षेत्र भारती महा न वर तम्ब लाम्य दिलाक तारावं करं अवं अवं अवारा मीतायुक (अवर्ष-यात्र कार्य कारिक म कार्य के का वा कार क का कार के अवस्ति । भिन्न त- मृत्रक ट्रिकार्य व केटालमार्य , MARO- SWOW, 23 MIE 1 ARRIN SE 12 NA का बंग ड्रास्ट कार्याण, ल प्रकेष रंग । च म्हा सम्मानं सा व सम्बद्ध का - नई बस्टरं अंग्रें File any height and Je Teins endy Jamin a cours, or sould a saile of ince त्माण बस हत्तं । यस र देवत त्मम, लमक्षेत्रं इंगाः THEM WAS O MAS LOCKE (MEING

Enweiged galia may the: " NA, orasia 23 BUE!]) का (किया) (अन का के (क्रम त्या में) मिन्द्र ने-शिह्या (म्मिन्ने विद्यादा कर्क) मुखे मुद्रीर (भूमान द्वार निर्मित) के का कर मृद्धि (की ना कारक म्ब्र करहेंगा) द्वीते: (अक्षाप्रमण्डः) अप्रमं अनुमर् (अश्वीत्र कूना) टामेक्टर (भूनकीभपूत्र) मिर्धिकिर्मः (भिर्मा करकृति मृष्टिक अप्रां) अभ मित् : (निर्म मित् माह रर् क) मर्द १९३५ (मर्बर म महत्र मिक्क) इर (म्बामक) वर लर्मार (मन्द्रीमम् कर्म कार्यत्र : [मेर्ड]) नका त्या (नकी मेनका) WAST: XM (की समेम कु मा) म आत्री ए (र्येयमा); कार्य व (अन्तु) मूर्यमुखि: (मूर्यमुखिउ) विवर्धन अम्बूड (विश्वमा श्रेम)। 28611 नर ट्याटक विश्वमे लयक्ष्यं । महानं क्रियं म्त्र क लाव व क्षार्थित हे न ना है हरे तम है लाक्ष्यं रंगा चार्या स्थान्यं वैत्री लखं नेनदी-मर्थकं में कि कार्यक करिय करियं करार करार पानर मूर्वमूषिन ने र्यास्त धारातिन हे दे नार्डी एक किल क्षा त्व मार्थ केर्रिक हि।

) । स्वाचा (। क्यावा) लम्मा: (व्यायाक्षेत्र) बर स (यूजामाठा) विभिन्निक (मिर्टार कर्म व अम्) लर्डान्स (अमेरत रक्त) रडासकेल्य रेकेर (यस त्यात आर् में मु त्याश्य ते । वटांगः (१ क ९ वटतं) क मिला रहिम्डा (क का के-का बार के किसे) (को (321CH = 52 (CA [NM=CH]) (BCHWIZ - HA)-निर्मिश कुली (डमन ७ कमक क्य धरीकाना सिष्ठ कार्नेपा मिणाइत । [दिस्त्रमना कार्य कार मृत कारी स्पृति द्रा सत्री में प्रति प्रमें भावतं त्रिया रंग रे रे रे रे विकास करें मार्टी)॥ 288॥ अरेट्याटक व्याचित्र नासक का मकाव क्रेम्ट्य + क्से स्टाइ देसराम इस्व मिटित देसताय के क्षिकें का थिया रें प्र दूक लामकें के वरं। 80 uzuguma (nu o uzua maja [aso]) मानी यह: प्रकार ट्याह शाना (भव खडीव ७ बाग्-विद्वन अटमाहन, वार्म) मामा- छनातान् (जी के करते छन् बंद्धिक) महिला (महिला)

वर्ततीमं : त (वर्तता कवा मात्रेल भारतमा); देखि (33(52) And (colman) x: (oumera) लाक का मुक्क अभिने विकास का महिला । 28 द ॥ एका का का माना का का का महिला का का मिला ।) चार्टि (कारिक्स, क्षेत्रे । स्थार बन् राम्द्र मुक्त क रेम्र में गर । य मर् में में में के के कारा न सिक्ट क्वा रंग वारा रंद्रिक क्रमक्षेत्र रंग। जर्त क्रांकाक छन् वस्ता देख्यीय व वादान BRISH CHIEF BUMB WE A STAND THE BOOK OF STANDS त्वार्भक, वायक्ष्मवंत्र प्रमृति वर्मक्षित्र श्चित स्थाप्ट: (भ्रम्मम्) इक्ट (त्रवंस क्ष) समझावकाद्यः (लचलांबर्गेक थाका मावा) अग्रामर (राम्ये भरकारं) क्रिजाकी ए (अलं अस्टार् कर्ति) कार्ने हार) क्र में क्रिक् जूम टनवार् (रमन्त्रम कथन उ अमूल कथन उ अक्टिन कारान कमात क्रिया काराय क्रे इरेटन त्रवस्त्रामं) प्राक्षारं (चानामात्य ह) ल न्य पं (यम्त्र कान्ए कविए)क्कः (अष्टिक) दमन करणाः (4ix-a-mayon (4x) Res: (oveni) क्कि (किक) जाया (पाट क्षिग्रेम्हिलम) 1 98711

Bigging mary and are properties Inson. अद्रुक्ति अद्भवन मानमभाष्ट्रिक सम्बन्ध स्मान्त्र स्था-प्राम्नामिति त्यवाव म्यम् (म स्वामित वर्गाटि). वर्त्याम राम ट्यामित्र माराके द्वारम कार्डमाटम्) नी नी व मार्ग एक (की महिंदी की न ता मार्गिक में दिन माराव द्रिव रंत्रोटि [चवर])न्त्रविमेशन द्रेवकार्य (न्याम् व में यान हते ट्याम्यातिक्षेत्र वा व्यवस्तर हते भारान निवा दरेगाटा), तमाविक नी नामू ए काला शिटमाबिक की ना पृष्टित्यक ट्रिके कार्त्य के प्रवास के कि के की कि के की कि के कि के कि के कि के कि के कि के कि वत्रीक) प्रयु (वरे) वकापमः (वकापम) अर्थः (अर्थ) देवः (अष्य अर्थेय)॥ ३३॥ दिल्लाकुमाराम् नी न्यामेल-शहरमाग्री मारायर-काक्का ख्यारवित कार्यस्टिस्सार वेष्ट्राम्स क्रियान निर्मा वितान निर्मा क्ष्यानी कार्य स्थापन क्ष्यान ELLM My

(इम्स्वरम् अन्यवं ७ अन्यवी क्) व्यक्त विक्रिक्ते किए कि: अलू का कंप्रू काए : (कए अलू का किया निर्मा) रेर (अभारत) वर्ष (अल्लाह्म हेल्एंन) नामाष्ट्रल (मामला) यप (भारा) मिलिपिक् धारे (मिलमेन कार्रिट्र), अभी हिं भार्ष (अभी मार्थ महिं) जि (बारा) प्रमाकर्तम्यर् (व्यवने करूत-)गारग शिक्षे ((द क्याव (त्रकाव ! (र क्याव त्याव !) प्रव (पा: (लायमार्थं दृत्तिं) क्याठीयुर् (क्याठ व क्या) लायाछ (लामका) किन्दुं : (अवक्रम्) रहन में ते : (अव व थप्रमात) तिल्रोण-मर्या- छण्मिः (निक-निक-क्लोगन कल अर्थन अरामी कार्या)रेप (वर) रुकावतः (रुकावत्रक) मू हिष्ट (भू क्वका व कित्र कार्ने माहि) के (श्रा) अहा आ (क्लान) करिंगा) अक्षमं कर्ष धार्व (अक्षम कक्ष) रि (वार्ष्) भेणायताकः (अष्कर्क मनीतरे) क्राम् (अवकातिक विलायक क्रिक्न प्रमा क्रिक्न क्र क्

रेकिती (ट म्याबे : प्र मेन्यवं !) विक्री मार्मी- मिले: (ति व नीमाक्री-निवाती) कुनावत-१र्व हरेवः (क्या वर्गिक् क्रव ए अभ्यमने) भपासि (जिला-(त्रे वादभाषा) भव (अल्ला) निर्वादिष्ट् (निर्वदन कार्निहरू), उर् (अभाव) धारक्रमण्ड (व्ययन A47-)11 VII ि क्रियालम् ।मिलकम अरे का भे किलाईक अर्थन च्रामित्नो (अन्यम् अम्टर्ड हत्नामम्क) हर्षे (कार्यापन यार (लामपाटिंग देव दिन के किस दि : (क्रिमें किस उहुछ) तिक्कार्थ: (तिक अध्यय अमू यहाना) निषिविष् ह (स्वर किवान मेर्डि) म : (आम्मर्य-वं) भा अशिश (त्म पाडियास) पक्ति (किमिगार्ड) जार् ([कालमामिं] (अरे काडमाम) अममी विकाद ? (nry 2000) mx2 86 (xxx 3000) 13,811 D जावर (जमनरे) भूतता ममर (भूपता मार्ड) बहै: (भर्म मलंस) पाठ (पानिमा) (अक्षरक) धत्रवीय (वान (नत),-कि । (र नी किंग) बार्समा (व्याचा) (

(कामनं) रंगावपत्रक्षाः (रंगावप्रं त्रवामन्त्र) ति: आ: कृषा: (ति: अ कविंगार्टिन)॥ ७॥ वयत्र (र्मावत्रं) त्यामन्तर्भ रेन्यमे (त्यान्त व स्पर्में में आ असे : (त त्याता) स (वारा) लगरा: (चर् कार्चाक्षं) वर्षे प्यादमं त्व (पर्याता-मारार) देवा (लक्षक डॅर्न्गारह : [कावं]) गाई: ह (कार्टिंड) मध्यम्याद्यमी मा (मम में मार्टिंग) cr [curer]) Tel one (3213) oresin: मस्य ((काम्प्रत्यं के खरमं मम्रूर्भ) मभी छ :) (अभीमन्थर्क किन्यक डर्गास्त्र)।। ।। ी दि : (क्रिक्स) मानीमू भी (मानीमू भी) अमू अपूर्व (अभीष लामगं) का (मुंग कार्क करक) लबरे (राम् लय) अरहबामन- मर्मेकालार (मरहबामप्रं गार्क मिलक) बार (अक्तिमार्ग हे वहाम) शाह वस (अल्लेस रहेक) द उनवडी (टमोर्स्स्यारियों) देव (अअ्ति) TIE (SACHELLE GENCE) HIM: MOS (Magany)-क्षित्रकारं) मर (मात्रा) क्षाप्तित (लात्य कार्यमः (हर) , अव्यू (कमानुकास [लालासमा दुवार]) ७९ (जारा) कर्राया: (कर्ममात्व) भावक वार् भग्टर् (अजिसहरे औ । | d |

Jaso Cargina a siscer mon ्रिक्षेत्र । (किए देव विकाल) म: (मूक्षिक) मन-हकारी (कम्महक्रमणी) ब्रमादेशी-बालाजापप (Les a Cu'à simb ace) cares ((comme gaine) कारिया) कुलं भिका पि छात्रात् (क्रिंड मन उ क्याकेत. अल्विटक हन काल) राटमालपुर (नियान कार्या-कारिता प्रथ्मा ते क्राया कर्मा निकास कर्मा क्रिक्स क् (27)11611 किन्ने, कल्यरव्यू] अरक्षान्यातिः (अरक्षात्मक् द्रामात) क्या र्मात : कर्ड (रेड्ड अम्बर्गे द्रुमार्ड इस) कि : (एएडिक) मै आर (कामका) मराक्रा (ourse oweren) And Mas (med Mysteria) राक्त (राम) प्रति) भूभर् (मूम) विचित्राच्याचे वे (त्वाम कर्ग) ॥ गा कि मा मुन्त (त्ये त्यामुक्तमा त्या) में म: (में मंगंत) स्पर् (क्षामात्क) दे कर (चक्रम) कावर (अनुमार्ट्य)

(अअरतप्र) खुबार: लक्ष्मित (क्ष्मिर उद्गेग आक)? र्मार्का ([बारा रम्ता रमान महिन) व व (व्राप्त) में ब्रिटान (मणमं लाख विष्टांच कार्केंग) लाच (नायकारं) क्र (रायान) त्याव: (त्याव), देखि (देया) जान (प्रवर) प्ररा (आप्राक) निरममे (का नारे त्य) 183011) प्र (अन्त्व) रिवं: (क्षीक्क) मानीप्रश्री (नानी-प्रभी क) असार (बिनियन रिष्ट्र (कृषि) धन्ता: (धरे जीग्निक्) धार्मिक् कुछर् (अक्र ब्छाड्) बामात्रि (धारापक थार); तमे (धारापक) प्रियम् (प्रियम) कुण: (क्लिल अस्वभव) क्रियम्मा (व भ्या-गितं महि) लयम (पर) हैं (हिंदा अवाहा) ट्रि (wrard) रेम् (यमे) बन्द (बन्दि) मि: श्रीकृष्ट (ति: व किन्माट [नवर्]) अपड (अपड) आ बर्मी ह (जिस वर् भीरित्म ७) विद्वाधिन (इसने कर्ने गार्ट) ॥ >>॥)) त्मेली (कूल तथा) अववीय (वितिस्तर क्रिया) ((अरक:) दर्शत (त्वास्त द्रव्यमं) मर (त्व) कत्रराम्मात्मे (विवाद क्लांक्से केरा)मू मू म तर्वद्वी (ल्यान्यां यात्वं माद्र) यांब-मान्टिम-लाम्

(दस्त्र महामा क्षेत्र विकाद) कारत्य (यस्त कार्यमाहि पि) क्य (कारा कि) हिं रेक (कि उर्म) रे लय (कार्या) 20) (2 Nin (20) 1 2 2 2 2 3 11 2 511) क्षे: (जीकृष) wang (बाम लान मिना Coma) निश् (देशक) वर्ष (कम्ब्रम्याना अने) प्रमीत्न (सकत्) मीका (अनुमा मान्या) देख्य (मानामा) रिगर (क्रेन) बत्र मार्थका (बराब अव्यव मर्वत) Busins ([xxxxa] migers + +x) tigas Lytaman isquisa) octo (Taxis any) and a (menia and the argue menia and) signing on son: (& sin was syle Entry 21 2 2 2 2 2 (OLE CA DAY 2 2 2) 12 011 (बामिटनर) किन्य भागति : (मन-७-भूष्यताडी) curca: (curany) oxincueiaya: (oxin Сины वंत्र माना) Ca (लाममान) वर वमर (त्मरं वम) उत्यानिष् (उत्याभिष कार्न्गारः [लक्छ]) तः (लास्प्रियं) खां । ज्यां (प्रक्रिका हि का सम्मर हाना)

लए: (एम क्य) त्याक्त्री लाकु (मान यात कार्य गाटहरे) ॥ 28 ॥ ि क्या: (तर त्यां का में में ए का (क्यां क्षित कर) लामिना दाल: ह अभा (क कर्न महावान क्षिमार्यक इंद्र) लम्म (दूरान कात [व्यायन) रेट लक-गात: (काल्या अअवपाट्डिंड) यता रेड्ड: (oung. CHIA SHUYO SYCHO) LARIE : Y DO: (CHES D'ANG) CULTA MANDO CHIA SUND ([* SAIN]); CULTA MANDO ([* SAIN]) [िश्रि] भागार विधानं कार्यात मा [किर्म कारि]) मुक्षार्थ (लाभारान आह) भ: (त्मरे निहान) प्रमानितः (जर्भ कार्नाजिर)। रेडिका। अ भा (कून्सला) अवसीय (बार्सला र्रिमिस (मिर) लागार (र्रेशन माट) कमा (कमा भाराना किन) अभवाठ: (अभवाठिवर में), उदा (जरा दर्दा) क्त (क) ध्रमा (अवसाव) अक्ने व्राप्त अर्पल्ड (टावन क्षेत्र म एकाल । श्रेम कार्या) निर्विती कृषा ([जाताल] नामा नारिष करियाद लाक्ष्य व्याचित्र क्षेत्र क्षेत्रम्या क्षेत्रम्या किं क्षा कार्याटर) हैं उठा

मित्रक्षकान (सम्ने " सम्म (ल्यास) र त्याम त्वर (क नक् तर्मा त्यं दास्तः कारा) धक्रिति (अम्मर्लंड) उर् निकार्मर् (निराम् आम्) क्ष्य क्ष्य) ल्यान्य ल्यान (मान्य क्रान्य) वि (ममन दिन कारा]) मार्ड् (मान कर्न्ड) न रेक्टाड (of recis res) on (ons) frue ([ours] र्राटक) मेलामुक् (रवरात्र कार्टि) चर्डः (यरेत र्द्रा) सर्वेत (समामित्र) लयनं (ग्रम्प) उनाए (वन मूर्यक [आमार]) दाउठ: धार्म (दठ नान भिक्क परंपरंक्ष कश्रेम (क्षिप्ट] परंपर हार्ड क्षे-किंग), कृति विषय क्षा (कृति क क्षीप्का) वर्ण (अवाका किकराक्ष्यात: (कराक-मर्ग) विकः (विक मन्त्र) भः (अक्म) किन प्रश्रमा दिन राष किंदिन [आव अस्ति]) आ (अरे) कुमवित्रिका क्रिन (क्रूम मणात्म अ) भ्रमी माकवात्मन (भिक्र नी मा-अश्वाना । जाएं वा (बाइ मा कार (भन) नियु में के कार (भन) नियु में कार (भन) नियु मे (वादिवं कविषा) मन्दीवनमाक्त (मन्दीप् अप राष्ट्र)

गुकार (अभी करनेत्वर) द मा (मनीपूमी) जार् (अर् ways) mongo agal (mongo acid auge and & कार्य) दर्भिष् : (व : भट्टा : (वर्भकारिका के समवर-अल्छिन) लाजुन (काम्यायमान) मन : लाम (में प्रकार) कर्म लवाहनंद (अन्त्रमां काम वाक कार्यम्)॥ > ३॥ लियार अरेकल कारि कारि) मनानीम्बी-क्रा-क्षत्रादि - अ का निहरम् (मानीमू भी, ब्ला ७ क्षत्रा अ कृषि अकरामार्थ कार्व) सीमान् मार्यको भक्तिमान् (सप्राक्षण क्षा कर्म मप्रामालन) न वर प्रमाकामपर (कालन नरे त्म) जीवासमा (जीवासा) कारवमरक्षा: नाह (रेकारपं मकारेत निधामास्क) में वा नी: (अभक्ष अस्मा) दिया (दात कान्टित) , छछ: (कार्य) व: (लापमा) वार्याणविष्णः (तीम् वा-कृ त्यान) भून निका-गामः (भून ती-अभूकी विहान) मा (मार्माम्यकाल) वित्वमं : ह (म्याद्य कार्या । । देवा कर (मानुकार) भरकार (मानुस्ते अकत्र) छार हारिकार (न्या अस्ति) मेल्डम (सम कार्य वार्म कार्ट) एका (ज्याह्म) भून: मिना (अमू अर्थन) बिमाआ (बिमारमा) डेबाह (अर्ब स बार्मिमाहिता) किर्मा

मूर् ना गंदर) में ग (मित्र) रेका पत: (कल म्रारांग किं निकते) ध्वाकामं यत (बान्निमास्त्र त्य) मा देम् (इस मार्व्य) लाकामका (स्था-त्याका माममर्माना) वत् (व्यावताक) व्यापि (व्याप्तिक कर्ष्ट्रित) ॥ इत्रा) जम (जन्मह)मार्यका (मार्यका)कार (ब्रियम) ्रिट्यां (त मेट्यां) है एवरकम्पत्य किं (कामान क कमान अटमालत हिंगी (CACE) उसकामन ! (अरे क् का बन) वाकार्गः (क्रीम्बिन) अभूकि: (अप्रिन) अविश्विष्ट (अविश्व अर्थ क्रिक अर्थ क्रिक अर्थ क्रिक अर्थ क्रिक स्टिक अर्थ क्रिक अर्थ क्रिक अर्थ क्रिक अर्थ क्र मा मन्मा विद्राधी द्रेषा) काला (कन व ह्या वर्ष) न: (लामारान) किं कार्यकार्ट कि कार्यत है आगर क्रियी ([लाम्ब] थि कर) मार्थातः (नायर कर्त्रेक / वर्]) अका: (देत्रान्) कतादिकः (कत्र अक्ट्रिके) र्देशः (अर्था मर्क)॥ रहा क्षित्राम (क्यामि) अया (कस स्मायामा खान) आका (लाएम) माणा एड (म्प वामारमं मा प्रमुन इमें वर्ष) लाज पर्य (ममारम मार्मा) रे या-वर्ष्यां (बेस्वर्ष्यां कर्ष) ला का त्यावर में कार्

(एकिंद गाम लांडेटलाहिका) व मार्थित (ममुक्यो।) करिती (त्रावत्विक) व्यक्त (दर्भतकव)॥ 28॥ (मा (CA) अत्रामार् (भाव विकाम पुने) स्टमार्थ (अ (हेर् निकाल-कार्य) मी केल (दीक्राई करने कार्य गारह " [क्सारक] [टार्य]) वन्ती (वन्ती हित्क) ध्यारि: (क्यमना) के लास (क्यमार्क) म जब में का लिसि (के मार्थ कार्य मार्थ) : CES (राष्ट्र) विकासिक्षी (विकासिक टम्लाम करा) मा नहीं (वाद्या आहे) वरा (लारा वर्ष) न्यमं (बुराक) केका मेंद्र : (मर्मावं भारत (मानीय का) लक्षित (बामरमक प्रमं (कार्य) रक्षत्यका छ : (जीकृत्कन बत्रवाभी अकामनेटक) की: (टम्म दा मा मा) दडा (दान कार्ने पाहि)= लामाः (लानासनं) डाह (नदंसल) मेरे वहः (एम राको (वाक्षा]) मको दर्भा या कृति (मक) बा खिला ही का) में वृढं प्रधात (काला प्रधानं कार्डता) अवं : (अर्व) बर्काः (बर्कीव) विहरतः (बिहार) बिर्दरं दें (कार्य हर् ८४) ॥ रता

hizar (Josp: us] (was) dagin: (Mariela) विषय- विश्व में रेक्ट : (क्षेत्र विश्व विश्व में प्रमाणित केल्टर करने में) का की (किया की का किट के किए (किए के के में) के किया गत्म दिल्ली हम्ही क्रिकेट मारे अवर्षन क्रिका-Agen Jako (contact) and as with प्रमुक्त (क्रियां ने प्रमुक्त) मानार (त्या मारक) धार्यक्ष (धार्म कर्नम) सम् धम् (मान दिला) १ प्रही (मार्टि मार्टि) त्यक्रां (चित्र में मापड़) विभिन्न विश्वतिष्टः (जियम्भात्व वन विश्व भाषाप्तव इक्षान) महार्थ (महोसपुरक) मात्र (श्राय में-[ाला]) मना अर नव (लाम व मद्भेष्ठ) १ पठ (निक्न निकर्]) बाबना (न्युनाका कर्कक) बालिया (प्रिक्ष-कार्ड वा मक्तत्वां) प्रक्रम (मकार्यक्रम) Сышарь бівроб (Сышар п пава) प्रक वर्ष भग्नम् कार्डमांका] (व्यक्तक कार्डमांका] (व्यक्तक कार्डमांका] व्यापा, अय ७ भूकारि अमूद्र अदार्थ) असरे-करकटलो गार्ड वर्त कार्ल (भूमारे जात प्रकार मिन्दिन पाम ट्यांबर्श करंग करंगु) लग

(अपूर्व) लगारे में में म- मल्यायार वे (स्व कि सर्मे म यहामत्वं सकत्) त्व त्व (मेममन) वदामाः (अदार्थ) त्वयाकावर्षितः (त्वयाक्षत्व ध्यक्षित मार्थ के दिरले दे) का किय मार्थ हत मार्थ (मार्थित मंद्र Chima) shi, (me elente =) uzen ी गानी (मानीमूर्य) अखात्र (मडामरोन) मूनक्डा (अभ्रात्म) कमाद (कार्यत्मत्र) के लीव्य जात्रामाः (क्यांबाव) वह: (वाक) अण् (प्रमार्थ वर्ष) द मर (टपर्यू) धकाः (१ दान्) समाद्वा (निस्कार्ड-शका) में बुद (में कु ड्र्मा) खिल्यर (चर् क्य) र्रे लामिता मार् (((कामार मक तम्) तात्मारम कर कर के (त्रेत्र मुस्ति धातक विद्वात कार्टिएट)॥ २०॥ ०० क्कः (क्षाक्क) अवसर (बालर्यन क्रिया (प्रथम) रेग्न (अर्थ मी नामा) आतम् पारि (मुट्र समन कर्बन [उपने] वम्मा (बत्तक) भक्ता डिर् (भक्त) के क्रमण : व्यापण aning ([ara] made oca) é me in (india)
(xun yèren uyèng [my i ou i]) ce d (me) कट्टिं) लार्जि क्यूनी (क्यूने ममेर मामा क कार्ज्य करता); ७९ (क्टूडिंग) माहिका (जीमाका)

Court Des. द्वामार् वाह कियी (देन्यामे) बायम बामण राप 247)11 6011 (चित्र अभारतं] सक्ताल्य) अव्यः अनुभाः (च्यांस्यं बत्ताप्राप्त्य) डाक्ष्ये क्षेत्राः (ड द्व्ये के या (क्ष्रे) सरामत्त्रमा: (रामम्भी) यीमा (प्रमा कर्तिता) मम्बद्ध (वरमम्बद काम्य (मम् क्रिया (प्रम्) म्यान (प्रम् क्रिल्क) स्त्री का का मान का कि का का के का लिया का का कि का लिया यहास्यात) क्रिक्टार रिक धर्कविता (धर्कव-त्या) रक्ताह: (अहिक्त कार) मर्मा (अर्थित पात कार्यों) क्लार भारती (हर्दी कि अर्थे न्ति हित्र किए । जर (अरे) का नमर (वन म उन ए) व्यात्रस्म (अविवास्त कवियाहिन)॥ ७०॥ ो [क्या] ज्यामर्म मन्त्र : (मर्म मन्त्र) द्रवे : (इक्यूक इर्मा) जात (मक) मनेत्क) धारत र (वानितन क्रिन ्रमिटमानिय हाः अव त्याक्या नारम् (भवन्यत्व व आधारिण काडिद्वारा विदिन अम्बन क्रिकारी) रामा प्रकृत्यों (अंश्वा उ व्योष्ट्र) प्राव्या विखे (कल विश्वार भी हिल डर्ममें) वर्षकार्म

(जातान मक्तान केटमलार) रेत्र (नकात) नेना ० अभारको किस् किन्य साम् दर्भगरहत्र कि है) है ७२॥ करामकर्त्र (अक्रम्स) के क्रिक्स (क्रिक्स क्रिक्स (क्रिक्स क्रिक्स क्र क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स अकता) सीमा कर्वान का जिला निवा का का छ -प्रश्मित्रिक) मूनारमः काडिम्टेनः (अक्टिक् कार्ड-स्वार मिला) अम्रे: (अम्रेड) सन्कलमंग्रे मीछि (अन्कार्यन पीछ) धाममाइ (क्षेत्रे कार्या) न (तिम्हभूते) उप्रवेशनकुष: (कामाग्य 'उप्रवेटे गामक लामक्रियं) द्राप्यंत्र नर्वारं मासाः मे (डेमार्वरेक्त मार्वरेष दरेगार के किमारेक वर्षमन्तिष्ठियान्त्रात्म त्यात वस्त स्थाप छते छात्र कार्यपा लके कड़ के प्रमंत्र कार्य टकार ति एक पू -माधक लामक्रमं रमं]।। ७७॥ 08 वस सामकामंड (किन्ने] रेसा) क्रिकेट विराम (किं राप्ति देवा कार्यमा) में कतः मबंद्रीर (ममें स्म राभिप्रें क्षेत्र विषर्]) हमते समामार (क्षेत्रां इस हक्त रदेत) भना (अमर हे) ते बाद (त्वरमण:) यर भी (यर भीरि) प्रशिवा हिम्सी (साम्य पाहसूभी)

लामुड (ड्यूंड) ' वरा (वस्त्र द.) लामा: (अद् र्वन्मुंव) क्षानि: एक छात्र (अक उद्गाण प्रदेश आमित्र)॥७८॥ ०० वरकारमा - सरम्बः (वर्मानं त्रारं मेत्रेतं सम्माप् व्यान ने व्या भवार (भक्ष) हाक् वास (हमाक् व. इंड्रेस) मभी हि: (मग्रीमाप्ते मार्ट) केंग्यवा (केंग्र-यकर) मकाद (वरकपाद) वार्ष लामारी (व लाने प्रकर्त. मार्गा) वह कंब कचार (व्रामां इस वर्ष) कचार मैं क्यार (क्या में क्यार किया कर्ता) लम (ल्या में) डमंद को नी' (त्यहे ब्या को नी') इंडि (यर बालगा) यसर (द्राधातक) द्रांत: अम्रीयर (अक्टा न निकटे)हे अनिताम (तरेम लातान)॥ ७०॥ भे असर (कियर) न्युका का) ल असर (शामाय) द्रास्त ! (आर्थ कुल मारा !) ए (त्यामा के) त्वतः (त्यतं) व्याकारित (क्याव र स) भूवानिकार (वर्जीरि) खि युक्तमं (काम्नां एके.) लक्षात् (लामाद्याक) रूप रेम ि (मा क्रा किल्टिन); यह विमेर) वर (जारा) म अमार्म (विश्वाम मा कर [किव]) श्रू (खिलाम करं) देलमां (र्का) द्रंत (न द र्क्य) केत: साका (कामान कार्यात ही कर (गर्)

राक्ती माना हिं (स्टिंग्ड्रे माना माना क्ष्यी) देंग्ड भी केल लाड (केला काल्डिय) कर्णाहक ने कि (कर्मिट्री अपनी) दिन का कर्मे (ज्याने राव इरे ए) वला (वल मूर्वक) वर्मी (विव्नी हिंह) आक्रिका लान्यांत (काहितंत लाम्यां) के कि (के के माद्मे) मान्युकेश-मून: (नाकीमू श्रीव सम्मूखरे) ट्य प्रका (व्याप्तास्क दान कार्नेगर्टि)।। ७१।। ० थिय (अण्डात) कूमनवा (कूमनवा) वर्मीर (वर्मीर) हुक भारते (की कृत्क न रहि) मधार्थ पर (ममर्भने कार्व (तत); अ: काम (काम निक्क व) हिनार नद्भार गर (री मुक्स अरवं का ह कि पर्नाहित) नामान (अर्थ कार्या) अरुष: (इस्हिटिंड) जनादम् ([जारा] मानारेख लामित्यन)। ७४॥ ार्थ टबर्मियम : ([अम्म] ट्राये बर्मी-क्राये) जिल्लाम्यतारार् (विद्वतिष्ठा म्यानेम्) माना-वर्मान् (हिज्सम वर्म वा त्वन क्षेत्रक मदनक्र-भू त्रेन दकी तपत् (कम न मडा अक्र व भूते वर्धात् की दे-विलिधक्रवा टक्सारिण [अवर्]) की रीत्र कूर्वत्

(क्रीत क्रमें क्रिके क्रिके क्रिके क्रिके क्रिके वितिधान (वितिधान का अविवर्ष माल्यक अन्त्रम्यक) वितिधान (वितिधान का अविवर्ष माल्यक अन्त्रम्यक) (ब्लावत) म्मलद (पक्षात) सम्बद्ध अप्तार् (रंग अक्ष) अस्ति । (अस्ति वासिय) अमूद्रेग (लाबक्रम मान्य कार्नेन [नवर]) मैसामादं : (लर्का अवंश्वां) ख्रात । भ्रम् (ध्राटान काल्किक कार्यमा हिम्ममे (मन्द्राम किम्मे कार्नमाहिल)॥ ७०॥ 80 जी क्कमड (क्षीकृत्कन) अविकत-भूषती- क्षान-वार्त: (भूनतीन कितिक व अकार्य कर्माने अवाह) वन्ष्ठि-मूलार (डेउमर्बर्गनामित्री) मधीमार् (मेर्नामामेड) विरंशत में (रें ड्रांट्र दम) रें प्ला में बता जाभी (क्याली मार्थ क्या मार्थ मार्थ विक्री) धानी त्याकः काल (मीत्याककाडीय भूक्षमाने छ , कार्य करने किस करने की कार्य ता) व्यव में के विश्व विश्व : अप्यर (कमार्थन अवत भी दाम का कुन मर् (ट्याइन) , ७२ (टाइन) व्यास्त्र र (व्यास्त्र नरर);

(note mass resources) made not a : () (Might 2 4 4 4 4 4 4 1 1 80 11 8) लिकट्य (भू के अखाय) । सु भावे के दिस (अवक् (प्रेमारे : (वर्मी-निमाद)- प्राप्त (विकासिक प्रें ग्रंग) मिनि दिन्ति (हर्षित्क) विश्वतुरी: निर्मण्यः (भिक्रिकं भित्रका अप्रिक इंद्रिक्ट) महाका (एएकं) Tiganuteny (Emg and a hung) us & gon own [Qui yare] ny sai any gonga रते त्य । तं : (बर्मी- निमाद्द) कड़ा (कड़ा वास र्येस [नवर्]) अगर् अविकासाः व्याम (अ ब्राक्ष्य अन् तिकते ध्यामत्त ७ वाका) मापूर् (भार कार्नेत) न वि स सम्भी (यम्म द्रेन्ने ना)॥ 2 = ॥ 8) बर्जायर्ट : (बर्जाक्षायुक) अवास (अरवाबरवंब) अनास (अम्बाम) अपन-मर् आमित (अम्रतं कार् कार्र कार्र व्यक्त रेट्ट्य) संग्रमः (र्ट्रियम्) संग्रेकान् (संबंद) त्यता: (अव विश्वास [चर्ड]) न ए मारा: (अर ने परि ANGRADIS (RACIAL) सलामक लस्माः (क्रम् लप्रक्रि) विवर्भः रक्षाः (वस्ता क्या क्री द्रश्मित्वं दिक) महत्त्व

पद्र (मार कार्क) , काका: (जाराहिमटक) विभागकत् (ध्रांत्रम्य) मावूर्म (मात कार्यिः [wal sind a cust] cord of my (any wing) क नेना: (अपर्य) त कामन (इरेनना)॥ ४२० ००: (स्पेडवं)र्जा (र्जा) में त्यात्वा (समेटम मार्ग) न्या त्मे त्वे क्षि मेन्यनी छ मेन्यन सी नामर-क्षात्क) ०० रे के प्रमुग्न (र्म अकें स् प्लार्क्स) म्हा कर (मिर्म -म् का) न्यादेनीर (न्यानम कृषि) मर्भगृती अकावत शिम्मित क्वार्शिका कामरू लामरात्मा अष्मा 8 रिलो! (र मेकाई उट मेका!) आ देम्सू wहेबी (34) स्मिन्यादेवी) स्टिकः हरिनः (क्यू नपार्यितिहान् सक्यादिन्) भून १ सहा (सङ्गा अता भन्ना), करेड्या । भूरेना (स्वत् भनार्म्य पृत्र कामनत्र कू) कामनामिण (कामन्त्र), अवर् अनिकः (अक्ष्म अप्रमृत्रव विस्तार्यक्) भिना (क्यार्डा) अकत्यः विवादाः (क्यार्तन् अवत्र क्रिनिट्यू) नन्तरभूका (नन्तर कामानद्रा [] १२]) लक्षेत्र (क्षेत्राहर लक्षेत्र वास्ति अभावाता) पूतक- वातिजाभी (धन्नमृत्य मूतकमूका र्रमा) अने मानियमा (अने म-निक्ता) प्रभी स्थानी देव (20 May 240,) By No (was 250E) | 881

LEAN CONTRACTOR OF THE PARTY OF १८ भा वका लहुन (नर्भ ने साहुन) कामही- क्रेमारिक: ([रमनुकामीत] भार्वती उ वक्ता अपूर्ण), विक्रकिमाणाभा-मित्रीकापिकः (अिश्वकातीत्र प्रात्तिका वाक्त ७। भिनीयः अष्डि), भूभी- नीम- प्रकारमी अष्डिः ([वक्षामीत] भाभिका, करमु उ त्मवकी अवृति), का अद्भवानी दि छि: ([मन्द्रकारी म] कार्षि अस उ मी मास्मेरी अपूषि), टनार्त्रा द्वार पूरे : ([ट्रम उक्तरीर] ट्रमार्च उ प्रवास्त्र अष्ठ [अवर्मीणकातीर])वकुक-कूमानिष्: (वकुक उ कुल अष्टि) छ : हास कुत्र पे : (विकि मिल्म क्रम्मन निश्ता) क्र अनिल्लिन विष्यने हिष्डमू: (इंडिज रकम- पृथिते अमार्क विष्वार्थण इरेगा) कार्ड (विश्व कार्यक्टर)।। हरा। १ वकरतं (त्य व्योक्षः) अव (अमात) मू नुपादिः प्रार्थवीदिः (विकामिक भार्वती ताका का लिए भारिक) भूता: (अभूत) रुभाताः (आमुष्मममूर), रेर जू (असात) प्रमा ली छि: (पून्या धानिका नामित आर्ष)। भनी था: (स्विष्क्रम्मूर), अवह (अश्व) वक्षानेना-रीम्बिन्छः (डेल्क्स स्मित्र अहिल) मीलाः

(अरस क के अर्ड) रेड ह (न अरात) अरडी छ (आमडी-साथित महत्) महासम्। (महासम्बर्भमेत्) क्षित्रम् (नम्यत) क्रेर्यास्त्रस्य सेन्य भाषातुः (अ । अतः सरामरानातुः मार्टि) ट्याह्ना: (ट्याह्ने कंत्रमंत्र चिक्ट्र) रूप (चन्द्राप्त) भारती क्षितिहः (विसंभ्रतानानि मार्व) रव दुट्ट नंब) यथन्। सुन : (म्या दुल्क ड दुल्) के य तिना : (में जाम के य मर्बेड) बार (में बिक्सिन व विनमाह (लाडा मारेट्ट्र)॥ १७॥ 89) अस (अरे बन्मर्क) क्व जाने (कान मात) कुटने: (असम्मालेक मार्ड) क्रामिण: (command) कृष्टि (त्यान म्हत्य) हाट्य : ह (प्रमाण मारेय भारेय) रेख है कारिका: (वर क्लार का क्रिकेंग्साकियर), उठ: (के दिल) दाष्ट्र दें: (उत्तिक का के भरते व कार्य किन्न- हाठका: (प्रमुख उ हाठकमर), रेठ: (न दिल) अवितः (अवसम्पत्नं मार्व) द्रमानः (द्रम-प्रिकृति के कार्य (कार द्वा) कि की कृते : आक्रमते [वन्द्र]) रेप्र (नम्बात) हन्याले : (एउं मामी आक्रम प्रिंच माठ्य) डाबी क्या: १ (डाबी ...

जाअ यम्) त्यार्म (त्यमत्ते) अम के बड : (त्रद्रा. ग्रिमारंक डर्मां) मेरा (म्पाटकरंक) यह (क्रिकिशिकि दृष्ट्रतंत्र) अप्रमाः मानेष्टि दृत्र Many of the many of the same (अनेमनारे त्यत्र कीर्यत्र कान्टिए ।। ४ १॥ कि इर (वर क्यावत्र) मम् (त्म क्रमम्त्र म पत्र) नक्तार (तक्षि) हत्याः (ब्रिक्षंत्र) तका नाम (तक्षि नाभा) भूकू ते: (भूकू नहां कि शाया), अना (अन नहि भाकां) किमत्रेष: (भन्नवभग्रवाया), भग (ध्यप अकरि नामा) अमूत: (भूक्ष दानिश्वाना), ध्वलवा (ध्या अकरि आका) दानिहि: (दानिहित अअमर्द्रामा) काहिद (कार नामा) बाजुरें : प्रति : (बाजुन्दर्भ मण मा बिकाना), विकास करा कि कि किस्ता कार्य के कार्य कार्य के ([वर्] अगाम भाम प्राक्त) कामकः मारमा मूर्णः भाकिताः (अनक् भारमाम् म लक) कर्तः पूजा कित्र (कत्रप्रकार् कार् (टमरे में ममीर) यह वेडि: (रंग मवे कर्ष)

ट्रेम: त्य: (जिल्ला-जिल-) खर्भ: (खरेनाहिसामा) (अव) (० (तमक उर्न (०(६) ॥ ८०॥ 8% इमेर (तर्) रेटाइस (रेटीइस) लावक सर्वे वे अभी-यर्ष्यं के प्र: (इ मेर्युके के अवे आवे प्रायास्था. मरहरी मर् इक्ने (क: त्व: वजमर्गावलक: (स भूर्याक निका-मिम् ममर्व ते प्रयंगानिशाना) द्या त्या है वा के वा देश हिला हिंदा है। (एकत क्रिक्न काम क्षेत्र मेव्क) अप्राह्मा (सप्तिया) लास देव (मणीव गांग) बलमार (इस्ट्र) समकाहि: (तिस्मिक्स मान् द्वानि द्वानी यार (म्याराम् दे देवरतं) मामार त्यवन में मर (आमाद (मर्गीम्म) आह्मबाद (रेक्टा कार्यट्ट) 1180 11 (व्यक्तिकेती (यर क्यारेमी) एका ग्यार भेकार भीका (अविशासिश द करांद्य थ्राप्ट कर्ट मतायत त्यामांत) लामान्त्र (लामान लाटमान) में द्व- सम्मुम्मान-रकः मरेर् (डिर्निकि विष्ठ मुख्याम्म माम्म म कार्न दिल्ली में बलिक । वर्षेत्र की (मका मन्द्रमाने स्त) मधीन ट्यासाम- तजा वासिक् तार (वा गार्वम-कार्यक र्भ-अ-पनाना दिन हता) मृद्याद (र्भ महित्र ह)। दन।

कार्य कार्त) अहदा: (क्षित्व) भाषान्त्र (भाषान्त्र) विश्व हिंग (विश्व विश्व विष्ठ विश्व विष्य विश्व विष्य व में दल: (में अवाम्म मिवा) नाममारे (इस्टिंग) बर्ता के बेन र केर्यु (अरम लाक्तारम के द्वार कार्नेक) गरं (कालपाटमं दुव्हतंत्रं) काटन्यात (कार्रियं समय शर्वेटवटर)॥ ७३॥ () [लक्षण चक्र रेसाट्या] मैकामेंद्रमार् म्याप्रमेथाय- यत-महिमायार अमंत्रा (कालपाटिक में महित्य दे रेते प्र विगामिक क्षिका दिसामिम में हिंद्र में क्ष्मिश्री के प्रवासे कार्ष: (वर्म्स्काण) नामाक-प्रवाक्षाकाना-खिलाद्यः मूकर् (मामा भाम मूर्य वामामिका उ मम-मैक्समर्ग्य) सामरे (सामर) त्रास्त्र (समस्त कार्डे किट्ट) ॥ कर ॥ ([[प्रेम्म न न रे रूमारे नी] पूर्वा मूमाता र क्षा दिन : (दूर्वा, प्रमा व लक्ष्मारिक) लम्द्र ह (लम्द्र [मह्ने]) उ न यू अन्ताहिकलान- विश्व उ स्वर्भ- काणी कर रकावकावि छः (बन्द्रिमिष्ट नमी प्रमीतम देवसम् क्रम्भूष इरेड निमादिक मवनं उ क्राडिकत्मन कामिनापुक) ध्यु डि: (अमनाभ-रावा) लाहमतीनंद (लाहमतीमं) मिरवरमंदी (मिरवनत कार्बाल(इ)।। कि।।

कि लिक्स न व र रेसाटुबा] अवसंबद्ध : (अअधार्षक आहे क त्त्रांग) सर्वे अक् (सर्वे अक् अंद्रे) लक्षारंगाड तारिः क्ष्रां अत्या हिंदा में किया के कार्य के कार्य MARA) : Luga: (Hunna) Carringe: (Mais भाग) न्यान द्यः (न्या वार्मेशका) याप्तां (याप-अत्र) लातीम (लातमंत्रक्ष) असल मंदी (मक्ष) अविकार)। किया (ित्र केल चर् रेसाद्या] क्रिक्शिय में के दंव में (राप्तां स्म्म क्टलका अमिन) वार्ष काम के (कामवादन कर्मम्दर) विष्याह: (वाडिविष्येष) किमनम्दन नामावर् प्रका-छ गामक् (मधीन अल्या अन्य अनाम में भूका अमृ (र्य) क्षिडि: (कारिमानिमना) रेप (अमृति [आमनादन]) धार्मामानि (धारंत थान) विहिनानि (विहिन) अर् छकाति (वस्त्रमभूत्र चिवर्] अवस्य हरे (आमामकुषी: ह (लाग्मर्रियं कुमामाम लायकावमर्ड) लाम्मरी (धन्ने कार्रे कार्रे कार्रे क्षित्र के के किये अधावाहाम् हिल्दा शाँकवार प्रभागीण) द्वाप्यात्र-हम्ममा अस कू दू भागार् (निख व भटकी छेर्भत्र हन्तर, भर्न, अष्ठक उ कुद्रामक)

ब के टिम के दिन : (दिन का का के का का) में स (रेश ति के) बार (and with) any year (any water) P geo (ACIA [रेक्टी) गाम मंग्रमात्र प्रमः (शिवस में मा मंग्रास न्द्रिया) अदेवामकान् ह (अदेवाम अभिव्यूमाक है विलय) अमर्ने ने शिक्षेत्र कार्ने व्यक्ति । द्या forme of form (bus as furted) are (काअभारतं दृष्टांतं) लाम (काम) सँसा (काम कं आर्ड) तक्ति: क्जार (तक्त श्रक्ति हिंड) उक्तार्थार (अक्टार्स), विवासिल: (भाने मा भूक्ष्मिविष) कावमीर् (जकावती), मृत्रीष्टः (मृत्रीमा भूष्मीवृहिष) एगास्ताव (टलास्त), नवभान्नी-प्रकृत्यः (नवभान्नी प्रका-विषि) ट्याचाववर्भारे अभ (कर्ष्ये) अमातः लाम (सरा प्रता में क्येंबेट्ट) अन्यार ह (क्यामात्तव सक्षेत्र मार्व किन्ति है देश है किन मुख्यिष्ठ) वस्तर (हळ्यान [क्कर]) परि: अक्राम: (जनाम भामक्ष्रभू क्रीविष्ठ) अग-प्रकित्राप्त (लपात्र लप्तिकंत्रकंत्र) कार्नेडी (wold averols) 11 0911 The (Exter of 17 & rug of [many us))

CALGUELLE सर में में मार्टिय मार्टिश: (प्रकास्त्र). द्रवारे क पाणास्त द्रवस में में वेपराक्ष में में न में बार्ष ह (अमें क बार्षि किया) (०: केंगः (बारास्त हावा वृष्ट्व) र अस्तः ह (र असम सामार्भेर) marily (nayy exica(5) 11 @ r Km= (0 x10) () [नर्क्न नर र्याटेश क्रमार्यात्मात्मा] डेई अमर्य. वर्तार द्वाची त्याचाचिम्याचिष्ठः (डिई दारा विशेत देवत त्मां के समाध कार्क नित्त कार्क न क्त) र्मे (र्भ), हतम्मक प्रतिक त्वत (हक्त कलक में का बाब किए) मी ल (मी व [नवड़ी) केरिक: अक्तरेत: (अन्य अरत्यक्ष कम नामिकाल) दिख्या (दिर्यक्ष) क्या न (अयान कार्यक्ष्ट्र)। एके।। Do [नर्मा] ब्रियम्ख-कर्न-प्रवृत्तिः (क्प्रती सर्काण कर्न् न नक्षे उ पनाह श्रह्णिन मार्च यर में के) म में गार्य या में हा : (मां व कान में व वा भू मीतवार अविति हिंव) वाभू मर् (असूम नी विका) मन भेगती (अर्थन कर्निएटर)।। ७०॥ (अ) [-) रेक्न १ रेक्निटी] प्रक्रा-क्रापिडि: (ट्यामिका-वक्त अद्धि), अग्भाष्मिष्टि:

(अंग्रं अक्त्रमात्त) व्रद्धाः (अक्ष्यामित्रांग) भारती -किर्याम्याः (किर्यायाम् स्नित्याम् मार्थः) में का यक् (में में के कि) । हर कुन (अर्थ कि कि ।। १२॥ त्री लारे (लारे) लादुची (नार् में त्यादुची) संस्था संकल्प सकला स्थान लाभिका दमां कर्मा छा-लार्ते एकानिकानि-मीटिल : (बास्हानिक हा करिया आक्रम का कार्य किया के अपनित्र विकास का का माना र्यु जरम विराष्ट्र जेजम भूका कालका का की अबामाका को वि-वाव-वार्ताः (मार्कमार्वे क्वित्रक्त वाना [अद्])धार्वि-माद्रमातिः (अमन्मातेन छक्त्रक्त मात्रन अर्थाण) समा (प्रकटन) मार् (जालमासन देखरमन) मीनाममंडी (नी ग्राह्म कार्विटि)॥ ७२॥ प्र कर्म (अर्र क्मारेबी) भूद: (बान म्रान) प्रधीन (मा भाव-मार्कि : (मम्बद्ध हे मार्मिक उ मार्कि), मरेप्र: (ब्रिक्त) न्यामाहर्मः (न्यामार्मकां) मेरा (क्य-मर्मतं) मेनत्मः (लाममारमं दृत्तं) मारामेशाका (आदमरभव अधीर्भ) अन्ति (अनुववालि व अविक) मुक्तकाति (मुख्य-उ-मंत्र- क्रिक्ट) आविष-प्लब्बा (क्रिके प्रवाद स्मेरि) विवन्ती (विश्वान करने एक)।। एक

To [- 15 de a] muris yayer: (monera of the or to) वाद्र (शिष्ट) ' लाम्बाप: (त्रान्मापुरं क्षेत्रकटा) वादार् (बाद्र), लियमकत्यः कतः (त्वाक्रियमते व अकत अवि) भाष्ट्र (भाष) व क्या के कारिता. (अक्नाबी अकृषिमाना) विदीमाः कमाः (धालमादन १ डिंट श्रुव्य चिक्ते) रेट्या हामाह: (रेट्यें क सर्वे-भए व रावा रे बोरं (रेंबे) हिन्येवा (विश्वाव. क्षां (दुकां (दुकां देवार्स) काक (भवं) दिवानं माप् : कार्य (कार्य कार्य) । तह ॥ (विष्ठाविष), हकानिलाणामिय मूक्षर्ती नाति : (भूमेर वा का व्यामिक भू अहिम मा मना मिना) सूरर (र्वट्व) भाष्ती क- भी मूझ-कर्मा अवी नि (भूकर्मिया) काल अमानि (र्मनान) विकरी (सन्ते कारे (वट्ट) ॥ उ रा क्षेत्रम् कृत्राचेनी] क बन्निरामटेकः (अलाक्रम हासन काल किए] अक्र विट्याय- वहादय- जाय-व्हरकः वाम् त्यामिक कामिक क्रम मी अन क नामन कार्या) रेकश्वः (रेकश्वः) भर्गीम नडी-(बीक्षत्र करनेटिटि); रेटि (अरेक्शक) कुछार

(लर्गक्र) सत्यारमाते (स्त्रातमन्त्रमें)लाम्यार प्रकर्मित कार्य निर्देश (कार्य महिंदी : (कार्य महिंदी) । एए। २० मक्स। (ए मक्स।) मलात्रा- परकात्रतकः (धर्वारं क्षेत्र देवम वस्यान) अर् (लामणाम द्रवान) देखा-इवित्र (मामप्रदाल-प्रकार्य के के प्रेटिंग रेट होतारक-मर्भावती-जूनीर (वेप छण: लाजिनीन कपन् क्रिक वैद्यी लामारे सम्बे)। क्रमर (माद्या माद्या) अम्बद्धान्य मुक्त न्त्याविषात्रकः वर्षर् रेव (एपत डिई विष्ठ भूका मना मना निकाल वसन कबिएह)॥७१। भी क्टार् (टर क्षां : ए क्षां !) मार्थार (टम्पादर) अव्यास व्यक्तः (अव्याक वसर) मेरा (सावतां) यार (लाममातिव द्रवानं) त्रातार में कः (त्मनाम देर भूक दर्म गो (मा: विक्ति: (भाग विक्ववानिक्रि) हका ह (बिवास कर्य एए ([काम माना]) आधार : धार्य (तिल्लि मम्महात्म) वमडका डामा ! (वमह-कार्यातक) क्या देतर (श्राम नद्र) लयंशकायर (12. AGIN) NM) CK (GNA A 42) 1860"

ल्ये क्रिक (अक्षक्षें) वर्षियां के मेरिक रांड्रेम (चीर क टारेन उपत्याव्यस्ति के उर्ग कर्मराम्बर (आपृत्यां) कार् कार (मान्यां प्रकार) कारतार (काल्यां क्यालिस्याद्वं) असमी हेस-म्म्यापना (तिल्यार्थन्यर्गेन कार्यक्षर) भा वतम् छि: (त्मरे बन त्याका) ध्वान (त्रत्र कर्ण्टिकी।। ७०० 90) क्रमाह! (क्रक्रमाड मानात!) नमा (मेराम) न करम ([अभव:]क्मभूष्मकं) भवन्तामन व्यक्तिः (त्रहेमाप कार्बता मार्डमें हे) (० (क) द्रासास्याः (त्यन कार्ष) अस्ति (अस्ति) असा तथा (किल्पन काछ] अत्रादवर्क रहेगा) प्रवस्त मुक्काः (धर्माला) देश्यालुमर (द्रेशाम) साम्यर (लामितकं न मिक्ट) अपारि (यात्रा कविट्ट)। वृठा को स्मर्गार्श (क सर्वकार्षः) नम्म (केटर) निकाम करः (त्माकितमरे) ट्रान्ड्रबर् (त्मेन्ड्रव) गुक्त्रेव (त्याम कार्य कर्त्य कर्त्य) स्वारंत्र (क्वामं व्यव अस्तान के कर्ट (क्षेत्र के निकार मार्ट (क्याक्यामान के प्राचिष) देपाम् कून (मका जीम कुन्नीना किष)

मायामरं (लामर्काम्य हिस्क) ज्ञाति (भयत मार्टिक)।। वरा। १) भूत्र (अटम्या प्राप्त) नामही अर्थ मूर्यी मूर्या प्राया प्रवास्ताहः (माव्या- मर्ग में मानक के विकासित प्रवा का का का माना लामाम् कामी (मकारमं लामामक उद्गा) रंगरं (चर्) बक्त जि : (बक्त केने), आ जा में अह याता धारे भी क्षित्र के कार्य के क्षेत्र के के क्षेत्र के क्षेत् (मंडल कि के कि) इंतर वे (चड़) है के लागी किला (कार्तिक्ष) क्रेंड (चर्) मक्ष्यामार त्या क्रियंगा My[-bab]) coming an sig; p(nicomising) विमन्ति (त्मादा भारे रवट्ट)॥१२॥ 00) विश्व प्रामि प्रमि (त ह अधारि म्मिष्टि!) देव (वर्ष वत) त्र साहि: (नव माने का की ने नार्ष) भूतामा: (भूता भूमपूर), प्रव्यक्तवती (भूष्म) त्वकंत्रवा-عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ) (عَمَّمُ اللهُ ا (किन्नी क्षेत्र (किन्नी के आर्व) हत्स्त मा : (हम्म क-

(५०५६) ang ye: (My holy me) sad som: and: (or man hon holy) (मंद्रक अयान्त्रिस्) ' शामद्याह: (स्वर्श्वां के भारेक) वं मानाः (कायुष्कममूत्र निक्) प्रिक. न करा जिका- टक्कारिक: (क्लाकर मिक्का मिला कर्क) (क्रम का: E (गा क्रम के प्रकेष) के के प्रिकं (क्याता मार्ग कार कार (विश्वासित्ये के क्ष्या कि कि कि कि), कार्टमूर्क: (माम्बायकार्यास निक्ते) लाक्तिः १ (म्बार्के वैक्ष्मा कर्क) लारेवर (मेक क्षि गटह) ' तमार (किंदिन ' [गमकता]) बंगक्या नक- (ममाकादकः: लाभ (बंगकाव लाभार में ज वर्षे तामा कार्य केंद्र (ताम. कारी वारके नरे छ । टमा के ए (रेशक टमका के विटण-CZA)119811 विदेष अवकेर (वर्ष द्यासक) कुछिमाछः (कक्तर्यक्) आरमारमाडिम्मांपा रिक्री मित्रमान् मारत मान लाहके प्रक्रिक के देश (नम्पत) प्रवासम्म नाव: (प्रवा-त-रेमचार) केर्रेसमंद्रमांगेत (ठेलवापु-

Brymaja min medy sta "[ma]) nige x so दिक स्थितिकार (देक साक्ष्य) अंगुमानकः १ व (याक म्यामान) अवम्यामा) हे मं के दः (त्याने अप) (adjassa win) 221226 18m2 uying ([3\$ ## याप्त्राम] दुअम कान द्रम प्रकेत्र - चर्मन प्रित-मरकाटन भरेश-कार्न (छट्ट)। १०॥ क्री[ज्यान सर्व (म्यक्) ममाद्विताक (स्मामाद्वित मक) में कार्र (में कामात्र) प्रकृत (मायक) मर्ग वर् रेके। (तक्ष्मिक सम्म कार्य मा कार्य कार् कार् मी विकार (लान समरीनं मियर) मका (सरम कार्ने) वे विवा ल्यम् (विक्रीमा व) (बाबार (क्याव् कि) प्रवर्ष (किया वर्ष] निवंद वर्ष किए।। नणा वि कमप्रकार्त्र (८ अमर्गितः) भन्तः (१ ८१ म) विक्त्यः (कम्मी एक कालि) बन्ह् धनू (कन्मर्क) मिनिको (प्रामितिक) तो (क्राम्प्र हे डिम्टक) बीभा (दर्भन भूषक) र्मार (र्वनमण्डः) अक-तयम्म प्रान् (अम् नृषत भ न क्ष पड वालि निर्मा) जलार के व कार्य ह (3 tità outagen ag a orgà) sum (विकामिक कार्नेगा) , अवमाउम्ब्राक्षा: विक्रिमाक्ति

(अक्टी तर्म मांग्राका आकृतिम् प्रत्य) अत्याहरेडर : (प्रक्राहिककारन) कामिकामंद्रः (कामिककत्मवर्त) 2 mg (21 m macoce) 11991 कि [न्द्र प्रमेत = रही में (प्राका सिवं त्राद्र) केंद्रीह : (क्रम्नेपरने न अर्घ) र सीमक-कामक्री (रसीम-मृष्यात्री) अरमे (र्) क्यं प्र (वक्रे डमन्दि) क्राडित्रेश दम् (म्ब्रिक स्मिन क्रियाम कर् रातेकार (अम्बस) रेम्ड (त्यां का निके (अम्पर्माप्ट मार्का) क्रमाक, (क्रायम क्रांड्रमा [sico]) yhis (anders) ning (ghaning कार्टिट्र) गं १४ ग क्रीयम (अक्षिक) सर्व अलेत: (सर्व अलेत) किट्र्य (अम् नमक्षि) दर्भम्य (अदम्य कर्म देश) अपनि (कार्याक तानि (त्र रे) ॥ १० ॥ हिं नी अक् काम त्रात्मा । (दि बुका परमक्षि , दि बुका बरम-म्बन ! अलिसी है।] । दिया सम्बु ् (शिका समाभटम धामक्ष) व्यवर (वरे) वनकाम (वनायकाम) तिहास्वर् (दर्भन हर्षे र (टम बराविडाम)

अं : (समाम कारम) करा हा (मिलिक्षा (मं दे दर्भ में) न्यायात्व क्षामा (क बाममा ममा मार्थित) कार्या के क्षितिकारी प्राप्त हर्म के देंगे। हमाहि (क्षा का माद्रक्ति)। दिला भि भः लंग नमंद भिष्ठ अप्रताता। इट (नक्षात) अर् (तर्कात) र्रेस्ट्रिक क्षित्र कांचेंडा) हैंग्रिक क्षित्र कांचेंडा) हैंग्रिक क्षित्र कांचेंडा) हैंग्रिक क्षित्र कांचेंडा) हैंग्रिक क्षित्र कांचेंडा हैंग्रिक कांचेंडा हैंग्रिक कांचेंडा हैंग्रिक क्षित्र कांचेंडा हैंग्रिक कांचेंडा हैंग्रिक कांचेंडा हैंग्रिक क्षित्र कांचेंडा हैंग्रिक कांचेंडा है कि कांचेंडा सिन्नी - कन्नावं - मिन्निं (किन्निक्ति मामार्डिंग) किर्मा क्रिक - मिक्का - वितेष - निमार्टि : (काकिन-काकिन्।) भिन्नी क्रिका क्रिक Marian - ar: nós (a: Cariguaga माक्रानाभक्त अल्याम [किट्]) द्वानीक्रीन-भिक्तः (अद्भावनात्वेव स्टब्स्मक्त असी (छव भाविक) म्लः मार्क पाटाद्राः (एक्ट्रम पाटादााहित क्रोसाधां अर्टमाट्य) रिजे (रिजे) क्रिमें (रिजेर) कार्डिक ।। (देशकार्य मार्ट हे दुर्द : इंड (हात कार्या के वर रंग इंड्र में इंड्र में इंड्र में इंड्र में के वर रंग इंड्र में के वर रंग है

त्य) हेबार (रेब्ट्र) मर्गाय में मर्थ (रेब्र से अंदुल: (श्रिक्टीक का श्रिक हाथ) जववर्ष समार ह वाराम में का का का कि है कि) बसाए (बस मर्गिट) " भ्रिक्टि (कर्ष्यने अपूत्र [क्के]) मत्ती हि: (भार्त्र भारत्य-अस्ति हत्य) अभारक्षेत्रात्र (अरमंत्र आक्षेत्रभूर) ल्याल कर्म (यद वर प्रति ।। १४॥ वर प्रति ।। १४॥ वर्षे भी मू-करी व- काजी - काकादि: (भीमू करीय (हिरी), लाममकी निगम), प्रवलममामि देव (प्रवल). भत्रम, थाम, विन्न), विक्क ले: रेक्ट्र कामक जाम नी का: ([अर्थ] अभन्न मा कारि जाल स्थिम् प्रभागा) गए (अल्या पिक दृद्धां) । यद्वावर्ते : (श्यानं द्रक्त रद्रां) स्पर् क्षिति (लामात्म के कार्य कर्ति ।। १०।। कि कम नेवर (क टर क्ट्रिक मान मेरे: (रे क व में वा-मध्य) रेर (१३ वन भटिंग) वार्वभिने यक्त आ छ -हु मूम दीला मितकन - कन्द्राति : (भूपमा दु राम्बालि हाका कादिलाता वस्टिं तिर्आवन देक्ता-कुल के में क में मूर्ड बंग ना मुकारी) अर

(अधिकारिके) सम्पर् (सम्प्र) लामा र क्रिके (लामाधा कार्यमान कि रिम्नम्म् कार्या : (माह स्ट्रे क्षा का मान प्रकारकित्र कलाता) दवादी (क्षित्रमणे १ द्रहत्तक) हारते हा: (लाक प्रमुख्ये एक कार्न) अन्तर : (अन्वना किशाना) नीक गांड And Lastin Am (nad Jag says win) (aller er er oct) } # 1-811 इंदे खाला (काप्रक्रम बायमें व्या) इंतर (नड़) कप्ती (कप्ती) (छ: निकाज्येत: (मिक्स् भरे (आहेत: केता (अर्विवास्ता उद्गी) हरमापुता (आहेत: केता (अर्विवास्ता उद्गी) हरमापुता (अवक्ष रम्भावा) बार भागमंदी-(त्या सहाम अर्पन आम में के कार्क)-ल्यारकर मेमपः मैठ छप्त (ल्यारात ासकि अकार्य अध्य क्षेत्र क्षेत्र विश्व-(aux & size) see (sister) Sing. 5 (0(E) 11 6 QUI

WEIGHTS AND MEASURES ...

The same of the sa			
INDIAN BAZAAR WEIGHT	BENGAL BAZAAR WEIGHT	BOMBAY BAZAAR MEASURE	BRITISH AVOIR- EUPOIS WEIGHT
4 Sikis = 1 Tota. 5 Sikis = 1 Kancha. 6 Kanchas 7 or M5 Tolas 4 Chataks = 1 Powah. 4 Powahs = 1 Sect. 5 Sects = 1 Pasari.	5 Chataks = 1 Kunka. 2 Kunkas = 1 Khunchi. 2 Khunchis = 1 Rak. 2 Reks = 1 Pali. 2 Palis = 1 Done. 2 Dones = 1 Kati. 8 Katis = 1 Arhi. 20 Arhis = 1 Bish. 1 Bish.	36 Tanks = 1 Tiparl. 2 Tiparls = 1 Seer. 4 Seers = 1 Payll. 16 Paylis = 1 Phara. 8 Pharas = 1 Kandi. 25 Pharas = 1 Muda.	16 Drams = 1 Ounce. 16 Ounces = 1 Pound. 14 Pounds = 1 Stone. 2 Stones = 1 Quarter. 4 Quarters = 1 Hundred. weight. 20 Hundred- weights = 1 Ton.
8 Pasaris or 1 Maund.	16 Palis = 1 Maund.	OF LAND SURFACE	CAPACITY
40 Seers) JEWELLER'S WEIGHT	8 Dones = 1 Maund 20 Dones = 1 Sali.	39} Square Cubits = 1 Kathl.	4 Gills = 1 Pint. 2 Pints = 1 Quert. 4 Querts = 1 Gallon.
4 Dhans o 1 Rett. 6 Retis o 1 Anna. 8 Retis o 1 Masha.	BENGAL LINEAL MEASURE	20 Kathis = 1 Pond. 20 Pands = 1 Bigha. 6 Bigahs = 1 Ruksh. 20 Rukchs = 1 Chahur.	4 Quarts = 1 Gallon, 2 Gallons = 1 Peck, 4 Pecks = 1 Bushel, 8 Bushels = 1 Quarter.
or le Annas a 1 Tola or Bhari.	3 Jaubs = 1 Anguli. 4 Angulis = 1 Musci. 3 Muscis = 1 Bitasti. 2 Bitastis = 1 Hat.	BOMBAY CLOTH MEASURE	BRITISH LINEAL MEASURE
INDIAN TIME 60 Anupal = 1 Vipol. 60 Vipal = 1 Pal. 60 Vipal = 1 Dundo.	2 Bitastis = 1 Hat. 2 Hats = 1 Gaz. 2 Gazes = 1 Dhanu. 2000 Dhanus = 1 Kosh. 4 Koshes = 1 Yojan	2 Angulis = 1 Tesu. 24 Tosus = 1 Gaz.	12 Inches = 1 Foot. 3 Feet = 1 Yard. 5 Yards = 1 Pole. 40 Poles = 1 Furlong. 22 Yards = 1 Chain.
60 Dundo u 1 Deen. 7 Deen u 1 Hafta. 30 Deen u 1 Mahina. 12 Mahina u 1 Baras.	BENGAL GRAIN MEASURE	MADRAS LOCAL WEIGHT	22 Yards = 1 Chain. 10 Chains = 1 Furlong. 8 Furlongs = 1 Mile. 1760 Yards = 1 Mile.
INDIAN LIQUID MEASURE	5 Chataka = 1 Koonkee. 4 Koonkees = 1 Raik.	180 Grains = 1 Tola. 3 Tolas = 1 Palam. 3 Palams = 1 Seer.	BRITISH MONEY TABLE
4 Chataks = 1 Powah. 4 Powahs = 1 Seer. 40 Seers = 1 Maund.	32 Raiks o I Maund.	5 Seers = 1 Vis. 8 Vis = 1 Maund. 20 Maunds = 1 Kandi.	4 Farthings = 1 Penny. 12 Pence = 1 Shilling. 20 Shillings = 1 Pound.
INDIAN MONEY TABLE	BENGAL PHYSICIAN'S WEIGHT	MADRAS BAZAAR MEASURE	2 Shillings = 1 Florin. 2 Shillings & 1 Florin. 6 Pence = 1 Half-crown.
3 Pies 1 Pies 2 Pies 2 Pies 2 Pies 1 Half-	4 Dhans = 1 Rati. 10 Retis = 1 Masha. 12 Mashas = 1 Tola.	8 Ollaks = 1 Paddi. 8 Paddis = 1 Markal. 5 Markals = 1 Phara	BRITISH MEASURE OF LAND
4 Pice = 1 Anna. 12 Pies = 3 Anna. 16 Annas = 1 Rupea.	BENGAL CLOTH MEASURE	5 Markale = 1 Phara 80 Pharas = 1 Garee. UNITED PROVINCES MEASURE OF LAND	144 Sq. Ins. = 1 Sq. Foot. 9 Sq. Feet = 1 Sq. Yd. 1210 Sq. Yds. = 1 Road. 4 Roads = 1 Acre. 640 Acres = 1 Sq. M.
INDIAN MONEY TO STEELING	3 Angulis = 1 Girch 8 Girahs = 1 Hack 2 Heths = 1 Gaz	20 Kachvensi = 1 Bisvanci. 20 Bisvansis = 1 Bisva. 20 Bisvas = 1 Bighs.	BRITISH TABLE OF TIME
1 Anna 9 1 Penny. 12 Annas - 1 Shilling 1 Rupes = 1 Shilling & 6 Pence	BENGAL MEASURE	20 Bisvas • 1 Bigha. PUNJAB MEASURE OF LAND	60 Seconds = 1 Minute. 60 Minutes = 1 Flour. 24 Hours = 1 Day. 7 Days = 1 Week.
5 Annes - 1 Pound. CEYLON MONEY TABLE	20 Square Cubits (or Gandes) = 1 Chatch 16 Chatchs = 1 Katha 20 Kuthas = 1 Bigha	9 Sami = 1 Maila. 20 Marias = 1 Kenal. 4 Kanale = 1 Bigha. 2 Bighas = 1 Ghuma.	4 Weeks = 1 Month 12 Month = 1 Year. 365 Days = 1 Year. 365 Days = 1 Leap Year. 52 Weeks = 1 Year.
100 Cents = 1 Rupes.	A RECORD TO STATE OF THE PARTY		